'एक किताब जिसने लीक से हटकर लिखा' ली पाइलट

# फ्रेडरिक फोर्सिथ

## सियार का दिन

40वीं वर्षगांठ संस्करण

'A book that broke the mould' LEE CHILD

# FREDERICK FORSYTH

# THE DAY OF THE JACKAL

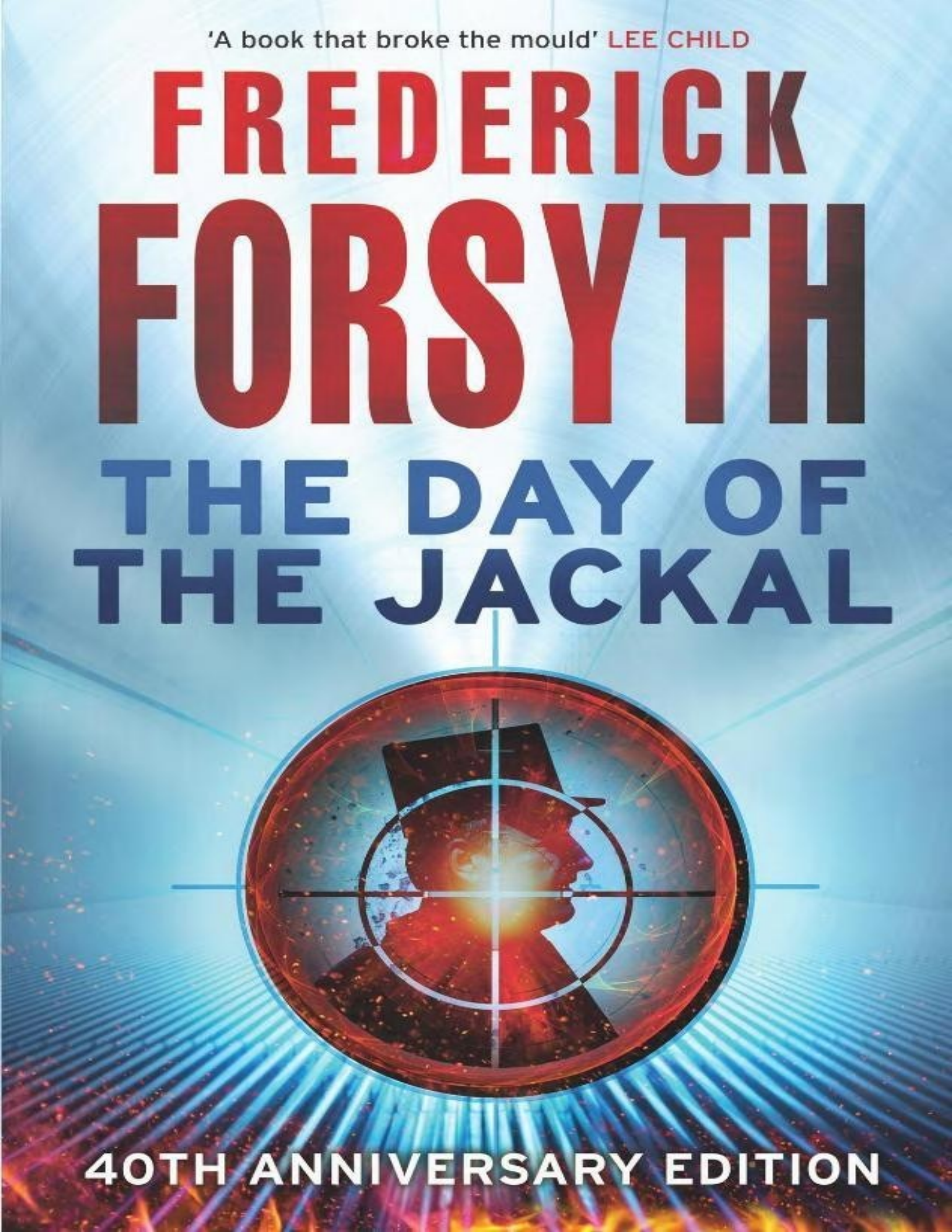

40TH ANNIVERSARY EDITION

Table of Contents

[□□□□□ □□ □□□](#)

[□□□ □□: □□□□□ □□ □□□□□□](#)

[□□□□□□ □□](#)

[□□□□□□ □□](#)

[□□□□□□ □□□](#)

[□□□□ □□□□□□](#)

[□□□□□□ □□□□](#)

[□□□□□□ □□](#)

[□□□□□□□ □□□□]
[□□□□□□□ □□]
[□□□□□□□ □□]
[□□□□ □□: □□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□□□]
[□□□□□□□ □□]
[□□□□□□□ □□□□□□□]
[□□□□□□□ □□□□□]
[□□□□□□□ □□□□□]
[□□□□□□□ □□□□□]
[□□□□□□□ □□□□□□□]
[□□□□□□□ □□□□□]
[□□□□□□□ □□□□□□]
[□□□□□□□ □□□□□□]
[□□□□ □□□□: □□□□□□ □□ □□□□□□□]
[□□□□□□□ □□□□□□□]
[□□□□□□□ □□□□]
[□□□□□□□ □□□□□□□]
[□□□□□ □□ □□□□□ □□□□]
[□□□□□□□□□ □□□□□□□□ □□□□□□□ □□□□]

# THE DAY OF THE JACKAL

Frederick Forsyth

arrow books

यह संस्करण 1995 में एरो बुक्स लिमिटेड द्वारा प्रकाशित किया गया था।

17 19 20 18

कॉपीराइट © फ्रेडरिक फोर्सिथ 1971

फ्रेडरिक फोर्सिथ ने कॉपीराइट, डिजाइन और पेटेंट अधिनियम, 1988 के अनुसार इस कृति के लेखक के रूप में पहचाने जाने के अपने अधिकार का दावा किया है।

यह पुस्तक इस शर्त के अधीन बेची जाती है कि इसे प्रकाशक की पूर्व सहमति के बिना, व्यापारिक रूप से या किसी अन्य तरीके से, उधार नहीं दिया जाएगा, पुनर्विक्रय नहीं किया जाएगा, किराए पर नहीं दिया जाएगा या किसी अन्य प्रकार से प्रसारित नहीं किया जाएगा, सिवाय उस रूप में जिसमें यह प्रकाशित हुई है, और बाद के खरीदार पर भी इसी प्रकार की शर्त लागू की जाएगी।

सर्वप्रथम ग्रेट ब्रिटेन में 1971 में प्रकाशित।
हचिंसन
रैंडम हाउस, 20 वॉक्सहॉल ब्रिज रोड, लंदन SW1V 2SA

www.rbooks.co.uk

रैंडम हाउस ग्रुप लिमिटेड के अंतर्गत आने वाली कंपनियों के पते निम्नलिखित स्थानों पर देखे जा सकते हैं: www.randomhouse.co.uk/offices.htm

रैंडम हाउस ग्रुप लिमिटेड, पंजीकरण संख्या 954009

इस पुस्तक के लिए एक सीआईपी कैटलॉग रिकॉर्ड
यह ब्रिटिश लाइब्रेरी से उपलब्ध है।

ISBN 9780099552710

रैंडम हाउस ग्रुप लिमिटेड, अग्रणी अंतरराष्ट्रीय वन प्रमाणन संगठन, द फॉरेस्ट स्टीवर्डशिप काउंसिल (एफएससी) का समर्थन करता है। ग्रीनपीस

द्वारा अनुमोदित एफएससी प्रमाणित कागज पर मुद्रित हमारी सभी पुस्तकों पर एफएससी लोगो अंकित होता है। हमारी कागज खरीद नीति www.rbooks.co.uk/environment पर देखी जा सकती है।

सीपीआई बुकमार्क, क्रॉयडन, सीआर 0 4 टीडी द्वारा यूके में मुद्रित।

All rights reserved. No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted, in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise, without the prior permission of the publisher.

ISBN: 9781407095998

1.0

www.randomhouse.co.uk

# □□□□□□□□□

□□□□

□□□□□ □□ □□□

□□□ □□: □□□□□ □□ □□□□□□□

□□□□□□ □□

□□□□□□ □□

□□□□□□ □□□

□□□□ □□□□□□

□□□□□□ □□□□

□□□□□□ □□

□□□□□□ □□□

□□□□□□ □□

□□□□□□ □□

□□□ □□: □□□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□□

□□□□□□ □□

□□□□□□ □□□□□□

□□□□□□ □□□□

□□□□□□ □□□□

□□□□□□ □□□□

□□□□□□ □□□□□□

□□□□□□ □□□□

□□□□□□ □□□□□

□□□□□□ □□□□□

□□□ □□□: □□□□□ □□ □□□□□□

□□□□□□ □□□□□□

□□□□□□□ □□□

□□□□□□□ □□□□□□□

□□□□ □□ □□□□ □□□

□□□□□□□□□ □□□□□□□□ □□□□□□□ □□□

[redacted]

# भाग एक

# कथानक की संरचना

अध्याय एक
मार्च के एक दिन पेरिस में सुबह छह बजकर चालीस मिनट का समय था और कड़ाके की ठंड थी, और जब किसी व्यक्ति को फायरिंग स्क्वाड द्वारा मौत की सजा दी जाने वाली हो तो ठंड और भी बढ़ जाती है। 11 मार्च 1963 को उसी समय, फोर्ट डी'इवरी के मुख्य प्रांगण में, फ्रांसीसी वायु सेना का एक कर्नल ठंडी बजरी में गड़ी एक कील के सामने खड़ा था, उसके हाथ पीछे बंधे हुए थे, और वह बीस मीटर दूर खड़े सैनिकों के दस्ते को धीरे-धीरे कम होते अविश्वास के साथ घूर रहा था।
एक पैर की आहट से धूल उड़ी, तनाव से थोड़ी राहत मिली, जब लेफ्टिनेंट-कर्नल जीन-मैरी बास्टियन-थिरी की आँखों पर पट्टी बाँधी गई, जिससे हमेशा के लिए रोशनी थम गई। सैनिकों के आगे बढ़ने और कार्बाइन लोड करने के दौरान बीस राइफलों की गड़गड़ाहट के बीच पादरी की धीमी आवाज़ एक बेबस प्रतिध्वनि बन गई।
शहर की दीवारों के पार, एक बर्लियट ट्रक ने आगे बढ़ने के लिए हॉर्न बजाया, तभी कोई छोटा वाहन उसके रास्ते से होते हुए शहर के केंद्र की ओर बढ़ा; आवाज़ धीरे-धीरे मंद पड़ गई, जिससे दस्ते के प्रभारी अधिकारी का 'निशाना साधो' का आदेश सुनाई नहीं दिया। जब राइफल की गोलीबारी हुई, तो जागते शहर की सतह पर कोई हलचल नहीं हुई, सिवाय इसके कि कुछ क्षणों के लिए कबूतर आसमान में उड़ गए। कुछ सेकंड बाद, अंतिम प्रहार की एक ही 'धमाके' की आवाज़ दीवारों के पार से बढ़ते यातायात के शोर में खो गई।
उस अधिकारी की मौत, जो गुप्त सेना संगठन के हत्यारों के एक गिरोह का सरगना था और जिसने फ्रांस के राष्ट्रपति को गोली मारने की कोशिश की थी, एक अंत होना चाहिए था – राष्ट्रपति के जीवन पर होने वाले आगे के हमलों का अंत। लेकिन भाग्य के एक विचित्र मोड़ ने इसे एक नई शुरुआत बना दिया, और इसे समझाने के लिए पहले यह समझाना आवश्यक है कि उस मार्च की सुबह पेरिस के बाहरी सैन्य जेल के प्रांगण में एक छलनी शव रस्सियों से लटका हुआ क्यों मिला...
अंततः महल की दीवार के पीछे सूरज डूब गया और आंगन में लंबी-लंबी परछाइयाँ फैल गईं, जिससे राहत मिली। साल के सबसे गर्म दिन की शाम सात बजे भी तापमान 23 डिग्री सेल्सियस था। भीषण गर्मी से तपते शहर में पेरिसवासी अपनी

चिड़चिड़ी पत्नियों और चिल्लाते बच्चों को कारों और ट्रेनों में भरकर सप्ताहांत बिताने के लिए ग्रामीण इलाकों की ओर रवाना हो रहे थे। यह 22 अगस्त, 1962 का दिन था, जिस दिन शहर की सीमा के बाहर इंतजार कर रहे कुछ लोगों ने फैसला किया था कि राष्ट्रपति जनरल चार्ल्स डी गॉल की मृत्यु होनी चाहिए।
शहर की आबादी गर्मी से बचने के लिए नदियों और समुद्र तटों की अपेक्षाकृत ठंडी हवा का आनंद लेने की तैयारी कर रही थी, वहीं एलिसी पैलेस के भव्य अग्रभाग के पीछे कैबिनेट की बैठक जारी रही। सामने के आंगन की सुनहरी बजरी पर, जो अब सुखद छाया में ठंडी हो रही थी, सोलह काली सिट्रोएन डीएस सेडान कारें एक दूसरे के पीछे खड़ी थीं, जो उस क्षेत्र के तीन-चौथाई हिस्से को घेरते हुए एक वृत्त बना रही थीं।
पश्चिम की दीवार के पास सबसे गहरी छाया में छिपे हुए ड्राइवर, जहां परछाईं सबसे पहले पहुंचती थी, उन लोगों की तरह बेमतलब की बातचीत कर रहे थे जो अपने कामकाजी दिनों का अधिकांश समय अपने मालिकों की इच्छाओं की सेवा में बिताते हैं।
मंत्रिमंडल की असामान्य रूप से लंबी विचार-विमर्श की कार्यवाही पर छिटपुट शिकायतें जारी रहीं, तभी 7:30 बजने से ठीक पहले, जंजीरों में जकड़ा और पदकों से सुसज्जित एक द्वारपाल महल की छह सीढ़ियों के शीर्ष पर स्थित कांच के दरवाजों के पीछे प्रकट हुआ और पहरेदारों की ओर इशारा किया। ड्राइवरों के बीच आधी जली हुई गॉलोइस सिगरेटें गिर गईं और बजरी में कुचल गईं। सुरक्षाकर्मी और पहरेदार मुख्य द्वार के पास अपने-अपने चौकों पर सख़्त हो गए और विशाल लोहे की जाली खोल दी गई।
जब मंत्रियों का पहला समूह शीशे के पीछे दिखाई दिया, तो उनके ड्राइवर अपनी- अपनी लिमोज़ीन चला रहे थे। द्वारपाल ने दरवाजे खोले और मंत्रिमंडल के सदस्य एक-एक करके सीढ़ियों से नीचे उतरे और एक सुखद सप्ताहांत के लिए कुछ अंतिम औपचारिक शुभकामनाएँ दीं। वरीयता क्रम में गाड़ियाँ धीरे-धीरे सीढ़ियों के नीचे आकर रुकीं, द्वारपाल ने झुककर पीछे का दरवाजा खोला, मंत्री अपनी-अपनी कारों में सवार हुए और गार्ड रिपब्लिकन की सलामी के बीच से होते हुए फाउबर्ग सेंट होनोरे की ओर रवाना हो गए।
दस मिनट के भीतर वे चले गए। आँगन में दो लंबी काली डीएस 19 सिट्रोएन कारें रह गईं, और दोनों धीरे-धीरे सीढ़ियों के नीचे की ओर बढ़ीं। पहली कार, जिस

पहली सिट्रोएन कार को सीढ़ियों से दूर किया, गेट की ओर मुड़ा और मोटरसाइकिल सवारों के पीछे आकर रुक गया। दूसरी कार भी उसके पीछे-पीछे आई। शाम के 7:50 बज रहे थे।
लोहे की जाली फिर से खुल गई और छोटा जुलूस पहरेदारों को पार करते हुए फाउबर्ग सेंट होनोरे में प्रवेश कर गया। फाउबर्ग सेंट होनोरे के अंत में पहुँचकर काफिला एवेन्यू डी मैरिग्नी में चला गया। शाहबलूत के पेड़ों के नीचे से एक युवक सफेद हेलमेट पहने स्कूटर पर सवार होकर काफिले को गुजरते हुए देख रहा था, फिर वह फुटपाथ से हटकर उसके पीछे चलने लगा। अगस्त के सप्ताहांत के हिसाब से यातायात सामान्य था और राष्ट्रपति के प्रस्थान की कोई पूर्व सूचना नहीं दी गई थी। केवल मोटरसाइकिल के सायरन की आवाज से ही ड्यूटी पर तैनात यातायात पुलिसकर्मियों को काफिले के आने की सूचना मिली, और उन्हें समय पर यातायात रोकने के लिए लगातार हाथ हिलाना और सीटी बजानी पड़ी।
पेड़ों से घिरी अंधेरी सड़क पर काफिला रफ़्तार पकड़ने लगा और धूप से जगमगाते प्लेस क्लेमेंसो में पहुँचकर सीधे पोंट एलेक्जेंडर III की ओर बढ़ गया। सरकारी गाड़ियों की हवा के झोंके का फ़ायदा उठाते हुए स्कूटर सवार को उनका पीछा करने में ज़्यादा मुश्किल नहीं हुई। पुल पार करने के बाद मारौक्स ने मोटरसाइकिल सवारों का पीछा करते हुए एवेन्यू जनरल गैलिएनी और फिर चौड़े बुलेवार्ड डेस इनवैलिड्स में प्रवेश किया। इस मोड़ पर स्कूटर सवार को अपना लक्ष्य मिल गया। बुलेवार्ड डेस इनवैलिड्स और रू डे वारेनेस के जंक्शन पर उसने थ्रॉटल को धीमा किया और एक कोने में स्थित कैफ़े की ओर मुड़ गया। अंदर जाकर, अपनी जेब से एक छोटा सा धातु का टोकन निकालकर, वह कैफ़े के पिछले हिस्से में गया जहाँ टेलीफ़ोन रखा था और एक स्थानीय कॉल किया।
लेफ्टिनेंट-कर्नल जीन-मैरी बैस्टियन-थिरी मेउदोन के उपनगर में एक कैफे में इंतजार कर रहे थे। उनकी उम्र पैंतीस वर्ष थी, वे विवाहित थे और उनके तीन बच्चे थे। वे वायु मंत्रालय में कार्यरत थे। अपने पेशेवर और पारिवारिक जीवन के दिखावे के पीछे, वे चार्ल्स डी गॉल के प्रति गहरी कड़वाहट पाल रहे थे, जिनके बारे में उनका मानना था कि उन्होंने अल्जीरिया को अल्जीरियाई राष्ट्रवादियों के हवाले करके फ्रांस और उन लोगों के साथ

विश्वासघात किया था जिन्होंने 1958 में उन्हें सत्ता में वापस बुलाया था।
अल्जीरिया के हाथ से निकल जाने से उन्हें कुछ भी नुकसान नहीं हुआ था, और इसके पीछे कोई व्यक्तिगत स्वार्थ नहीं था। अपनी नज़र में वे एक सच्चे देशभक्त थे, एक ऐसे व्यक्ति जिन्हें पूरा विश्वास था कि वे अपने प्रिय देश की सेवा उस व्यक्ति को मारकर करेंगे जिसने उनके अनुसार देश के साथ विश्वासघात किया था। उस समय हजारों लोग उनके विचारों से सहमत थे, लेकिन उनकी तुलना में बहुत कम लोग गुप्त सेना संगठन के कट्टर सदस्य थे, जिन्होंने डी गॉल को मारने और उनकी सरकार को गिराने की कसम खाई थी। बैस्टियन-थिरी भी उन्हीं में से एक थे।
जब कॉल आई, तब वह बीयर की चुस्की ले रहा था। बारटेंडर ने उसे फोन थमा दिया और फिर बार के दूसरे छोर पर रखे टेलीविजन को ठीक करने चला गया। बैस्टियन-थिरी ने कुछ सेकंड तक सुना, माइक्रोफोन में धीरे से 'बहुत बढ़िया, धन्यवाद' कहा और फोन नीचे रख दिया। उसकी बीयर का बिल पहले ही चुका दिया गया था। वह बार से बाहर फुटपाथ पर चला गया, अपनी बगल से एक मुड़ा हुआ अखबार निकाला और उसे ध्यान से दो बार खोला।
सड़क के उस पार एक युवती ने अपने पहले माले के फ्लैट का लेस वाला पर्दा गिरा दिया और कमरे में इधर-उधर बैठे बारह आदमियों की ओर मुड़कर कहा, "यह दूसरा रास्ता है।" हत्या के धंधे में अनाड़ी पाँचों युवकों ने अपने हाथ मरोड़ना बंद कर दिया और उछल पड़े।
बाकी सात लोग उम्र में बड़े और कम घबराए हुए थे। हत्या के प्रयास में सबसे वरिष्ठ और बैस्टियन-थिरी के दूसरे कमांडर लेफ्टिनेंट एलेन बोग्रेनेट डे ला टॉकनाये थे, जो एक जमींदार परिवार से ताल्लुक रखने वाले धुर दक्षिणपंथी थे। उनकी उम्र पैंतीस वर्ष थी, वे विवाहित थे और उनके दो बच्चे थे।
कमरे में सबसे खतरनाक व्यक्ति उनतालीस वर्षीय जॉर्जेस वाटिन था, जो चौड़े कंधों और चौकोर जबड़े वाला, ओएएस का कट्टर समर्थक था। मूल रूप से वह अल्जीरिया का एक कृषि इंजीनियर था, जो दो वर्षों में ओएएस के सबसे खतरनाक निशानेबाजों में से एक के रूप में फिर से उभरा था। पैर में पुराने घाव के कारण उसे लंगड़ा के नाम से जाना जाता था।

जब लड़की ने खबर सुनाई तो बारह आदमी इमारत के पीछे से होते हुए नीचे एक गली में गए जहाँ छह गाड़ियाँ खड़ी थीं, सभी चोरी की या किराए पर ली गई थीं। समय 7:55 था।
बैस्टियन-थिरी ने हत्या के स्थल को तैयार करने में व्यक्तिगत रूप से कई दिन बिताए थे, जिसमें गोलीबारी के कोण, चलती गाड़ियों की गति और दूरी, और उन्हें रोकने के लिए आवश्यक गोलाबारी की मात्रा का मापन शामिल था। उन्होंने जिस स्थान को चुना था, वह एवेन्यू डे ला लिबरेशन नामक एक लंबी सीधी सड़क थी, जो पेटिट-क्लैमार्ट के मुख्य चौराहे तक जाती थी। योजना यह थी कि राइफलों से लैस निशानेबाजों का पहला समूह चौराहे से लगभग दो सौ गज पहले राष्ट्रपति की कार पर गोलीबारी शुरू करेगा। वे सड़क किनारे खड़ी एक एस्टाफेट वैन के पीछे छिपकर, आने वाली गाड़ियों पर बहुत कम कोण से गोलीबारी शुरू करेंगे ताकि निशानेबाजों को न्यूनतम दूरी मिल सके। बैस्टियन-थिरी के अनुमान के अनुसार, जब तक आगे वाली कार वैन के बराबर पहुँचती, तब तक उसमें से डेढ़ सौ गोलियाँ निकल जानी चाहिए थीं। राष्ट्रपति की कार के रुकते ही, ओएएस का दूसरा समूह एक साइड रोड से निकलकर सुरक्षा पुलिस के वाहन पर नज़दीकी से हमला कर देता। दोनों समूह राष्ट्रपति के काफिले को कुछ ही सेकंड में खत्म कर देते, फिर दूसरी साइड स्ट्रीट में मौजूद तीन भागने वाले वाहनों की ओर दौड़ पड़ते।
दल के तेरहवें सदस्य, बास्टियन-थिरी, स्वयं निगरानी का काम संभालेंगे। 8:05 बजे तक सभी दल अपनी-अपनी स्थिति में पहुँच चुके थे। पेरिस की ओर घात लगाने के लिए बनाई गई जगह से सौ गज की दूरी पर, बास्टियन-थिरी एक बस स्टॉप के पास अखबार लिए निष्क्रिय खड़े थे। अखबार लहराने से उन्हें पहले कमांडो दल के नेता सर्ज बर्नियर को संकेत मिल जाता, जो एस्टाफेट के पास खड़े होते। वे अपने पैरों के पास घास में फैले बंदूकधारियों को आदेश देते। बोग्रेनेट डे ला टोक्ने, सुरक्षा पुलिस को रोकने के लिए कार चलाएंगे, उनके बगल में वाटिन द लिम्प एक सबमशीन गन पकड़े बैठे होंगे।
पेटिट-क्लैमार्ट में सड़क के किनारे सुरक्षा लॉक खुलते ही, जनरल डी गॉल का काफिला मध्य पेरिस के भारी यातायात से निकलकर उपनगरों की खुली सड़कों पर पहुंच गया। यहां उसकी गति बढ़कर लगभग साठ मील प्रति घंटा हो गई।
जैसे ही सड़क खुली, फ्रांसिस मारौक्स ने अपनी घड़ी पर एक नज़र डाली, अपने पीछे चल रहे बूढ़े जनरल की बेचैनी को भांप लिया और गति और भी तेज़ कर दी।

दोनों मोटरसाइकिल सवार पीछे हटकर काफिले के सबसे पीछे आ गए। डी गॉल को इस तरह का दिखावा आगे रहना पसंद नहीं था और जब भी संभव होता, वे उन्हें हटा देते थे। इस तरह काफिला पेटिट-क्लैमार्ट स्थित एवेन्यू डे ला डिविजन लेक्लेर्क में प्रवेश कर गया। शाम के 8:17 बज रहे थे।
सड़क से एक मील आगे, बैस्टियन-थिरी अपनी बड़ी गलती के परिणामों का सामना कर रहे थे। उन्हें इसका पता तब तक नहीं चला जब तक कि महीनों बाद, जब वे मौत की सजा पाए कैदियों की कतार में थे, पुलिस ने उन्हें इसके बारे में नहीं बताया। अपनी हत्या की समय-सारणी की जाँच करते हुए, उन्होंने एक कैलेंडर देखा और पाया कि 22 अगस्त को शाम 8:35 बजे हुई थी, जो देखने में काफी देर थी, भले ही डी गॉल अपने सामान्य समय से देर से आए हों, जैसा कि वास्तव में वे आए थे। लेकिन वायु सेना के कर्नल ने जिस कैलेंडर को देखा था, वह 1961 का था। 22 अगस्त, 1962 को शाम 8:10 बजे हुई थी। वे पच्चीस मिनट फ्रांस का इतिहास बदलने वाले थे। 8:18 बजे, बैस्टियन-थिरी ने एवेन्यू डे ला लिबरेशन पर सत्तर मील प्रति घंटे की रफ्तार से अपनी ओर आते हुए काफिले को देखा। उन्होंने घबराकर अपना अखबार लहराया।
सड़क के उस पार, सौ गज आगे, बर्नियर ने बस स्टॉप के पास धुंधली सी आकृति को अंधकार में गुस्से से देखा। 'क्या कर्नल ने अपना पत्र लहराया है?' उसने किसी से विशेष रूप से नहीं पूछा। उसके मुंह से ये शब्द निकले ही थे कि उसने राष्ट्रपति की कार का नुकीला अगला हिस्सा बस स्टॉप से तेज़ी से गुज़रते हुए देखा। 'गोली चलाओ!' उसने अपने पैरों के पास खड़े आदमियों से चिल्लाकर कहा। जैसे ही काफिला उनके सामने आया, उन्होंने 90 डिग्री के कोण पर चलती हुई कार पर गोलियां चलाईं, जो 70 मील प्रति घंटे की रफ्तार से उनके पास से गुज़र रही थी।
कार पर बारह गोलियां लगना ही हत्यारों के निशानेबाज़ी का प्रमाण था। इनमें से अधिकतर गोलियां सिट्रोएन को पीछे से लगीं। गोलीबारी में दो टायर फट गए, और हालांकि वे सेल्फ-सीलिंग ट्यूब थे, लेकिन अचानक हवा का दबाव कम होने से तेज़ रफ़्तार कार अनियंत्रित होकर फिसलने लगी। उसी समय फ्रांसिस मारौक्स ने डी गॉल की जान बचाई।
जब कुशल निशानेबाज, पूर्व सैनिक वर्गा ने टायरों को काट डाला, तो बाकी सैनिकों ने गायब होती पिछली खिड़की पर अपनी गोलियां बरसा दीं। कई गोलियां गाड़ी के बाहरी हिस्से को भेद गईं और एक गोली पिछली खिड़की को चकनाचूर कर

गई, जो राष्ट्रपति के अगले हिस्से से कुछ ही इंच की दूरी से गुजरी। आगे की सीट पर बैठे कर्नल डी बोइसियू ने मुड़कर अपने सास-ससुर पर चिल्लाते हुए कहा, 'नीचे बैठ जाओ।' मैडम डी गॉल ने अपना सिर अपने पति की गोद में झुका लिया। जनरल ने कठोर स्वर में कहा, 'क्या, फिर से?' और पीछे की खिड़की से बाहर देखने लगे।
मारौक्स ने कांपते हुए स्टीयरिंग व्हील को संभाला और धीरे से गाड़ी को फिसलती हुई दिशा में मोड़ा, साथ ही एक्सीलरेटर को भी धीरे से दबाया। कुछ क्षणों के लिए शक्ति क्षीण होने के बाद, सिट्रोएन फिर से तेज़ी से आगे बढ़ी और एवेन्यू डू बोइस के चौराहे की ओर बढ़ी, वह साइड रोड जहाँ ओएएस के जवानों का दूसरा दस्ता इंतज़ार कर रहा था। मारौक्स के पीछे सुरक्षा कार उसकी पूंछ से चिपकी हुई थी, जिस पर एक भी गोली का निशान नहीं था।
एवेन्यू डू बोइस में इंजन चालू करके इंतज़ार कर रहे बोग्रेनेट डे ला टॉकनाये के सामने आती कारों की तेज़ रफ़्तार ने एक स्पष्ट विकल्प रखा: या तो उन्हें रोककर खुद को मार डालें क्योंकि तेज़ी से आती गाड़ियाँ उन्हें टुकड़ों में काट देंगी, या फिर क्लच को आधा सेकंड देर से दबाएँ। उन्होंने दूसरा विकल्प चुना। जैसे ही उन्होंने अपनी कार को साइड रोड से घुमाकर राष्ट्रपति के काफिले के साथ मिलाया, वे डी गॉल की कार के बगल में नहीं, बल्कि निशानेबाज़ अंगरक्षक डी'जौडर और कमिश्नर ड्यूक्रेट की कार के बगल में आ गए।
कार के दाहिनी ओर की खिड़की से कमर तक बाहर झुककर, वाटिन ने सामने वाली डीएस कार के पिछले हिस्से पर अपनी सबमशीन गन से गोलियां चलाईं, जिसमें वह टूटे हुए शीशे के माध्यम से डी गॉल की अभिमानी छवि देख सकता था।
‘वे बेवकूफ जवाबी फायरिंग क्यों नहीं करते?’ डी गॉल ने उदास स्वर में पूछा। डी'जौडर दोनों कारों के बीच दस फीट की दूरी से ओएएस के हत्यारों पर निशाना साधने की कोशिश कर रहा था, लेकिन पुलिस ड्राइवर ने उसका रास्ता रोक दिया। डुक्रेट ने ड्राइवर को राष्ट्रपति के साथ बने रहने के लिए कहा, और एक पल में ओएएस के लोग पीछे छूट गए। दो मोटरसाइकिल सवार, जिनमें से एक डी ला टॉकनाये के अचानक सड़क से निकलने के कारण लगभग गिर ही गया था, संभलकर आगे बढ़े। पूरा काफिला गोलचक्कर और सड़क के चौराहे पर पहुंचा, उसे पार किया और विलाकुब्ले की ओर बढ़ गया।

घात स्थल पर ओएएस के जवानों के पास आपस में आरोप-प्रत्यारोप करने का समय नहीं था। ये बाद में होने वाले थे। ऑपरेशन में इस्तेमाल की गई तीनों कारों को वहीं छोड़कर वे भागने वाली गाड़ियों में सवार हुए और घने अंधेरे में गायब हो गए।
अपनी कार में लगे ट्रांसमीटर से कमिश्नर डुक्रेट ने विलाकुब्ले को फोन किया और उन्हें संक्षेप में घटना का ब्योरा दिया। दस मिनट बाद जब काफिला पहुंचा, तो जनरल डी गॉल ने सीधे उस हवाई अड्डे पर जाने की जिद की जहां हेलीकॉप्टर इंतजार कर रहा था। जैसे ही कार रुकी, अधिकारियों और कर्मचारियों की भीड़ ने उसे घेर लिया और घबराई हुई मैडम डी गॉल को उठने में मदद करने के लिए दरवाजे खोल दिए। दूसरी तरफ से जनरल मलबे से बाहर निकले और अपने कोट के कॉलर से कांच के टुकड़े झाड़े। आसपास के अधिकारियों की घबराहट भरी गुहारों को अनसुना करते हुए, वे कार के चारों ओर घूमकर अपनी पत्नी का हाथ पकड़ने गए।
‘चलो, मेरी प्रिय, हम घर जा रहे हैं,’ उसने उससे कहा और अंत में वायु सेना के कर्मचारियों को ओएएस के बारे में अपना फैसला सुनाया। ‘वे सीधा निशाना नहीं लगा सकते।’ इतना कहकर उसने अपनी पत्नी को हेलीकॉप्टर में बिठाया और उसके बगल में अपनी सीट पर बैठ गया। उसके साथ डी'जौडर भी आ गया और वे सप्ताहांत में ग्रामीण इलाके में घूमने के लिए रवाना हो गए।
सड़क पर फ्रांसिस मारौक्स उदास चेहरे के साथ स्टीयरिंग व्हील के पीछे बैठे रहे। कार के दाहिनी ओर के दोनों टायर आखिरकार फट चुके थे और डीएस सिर्फ रिमों पर चल रही थी। डुक्रेट ने धीरे से उन्हें बधाई दी और फिर सफाई के काम में लग गए।
दुनिया भर के पत्रकार हत्या के प्रयास पर अटकलें लगा रहे थे और कुछ बेहतर न होने के कारण अपने कॉलमों को व्यक्तिगत अनुमानों से भर रहे थे, वहीं फ्रांसीसी पुलिस ने, राष्ट्रीय सुरक्षा बल के नेतृत्व में और गुप्त सेवा एवं जेंडरमेरी के समर्थन से, फ्रांसीसी इतिहास का सबसे बड़ा पुलिस अभियान शुरू किया। जल्द ही यह देश का अब तक का सबसे बड़ा तलाशी अभियान बन गया, जिसे बाद में एक अन्य हत्यारे की तलाश ने पीछे छोड़ दिया, जिसकी कहानी अभी भी अज्ञात है, लेकिन जिसका नाम अभी भी फाइलों में उसके कोड नाम, 'द जैकल' से दर्ज है।

उन्हें 3 सितंबर को पहली सफलता मिली और जैसा कि अक्सर पुलिस के काम में होता है, एक सामान्य जाँच से ही नतीजे निकले। पेरिस से मार्सिले जाने वाली मुख्य सड़क पर, ल्योंस के दक्षिण में स्थित वैलेंस कस्बे के बाहर, पुलिस ने एक नाकाबंदी में चार लोगों वाली एक निजी कार को रोका। उन्होंने उस दिन पहचान पत्रों की जाँच के लिए सैकड़ों कारों को रोका था, लेकिन इस मामले में कार में सवार एक व्यक्ति के पास कोई पहचान पत्र नहीं था। उसने दावा किया कि उसके पहचान पत्र खो गए हैं। उसे और बाकी तीन लोगों को सामान्य पूछताछ के लिए वैलेंस ले जाया गया।
वेलेंस में यह साबित हो गया कि कार में सवार बाकी तीन लोगों का चौथे व्यक्ति से लिफ्ट देने के अलावा कोई संबंध नहीं था। उन्हें रिहा कर दिया गया। चौथे व्यक्ति के फिंगरप्रिंट लिए गए और पेरिस भेजे गए, सिर्फ यह पता लगाने के लिए कि क्या वह वही व्यक्ति है जो उसने बताया था। बारह घंटे बाद जवाब आया: फिंगरप्रिंट फॉरेन लीजन के बाईस वर्षीय भगोड़े के थे, जिस पर सैन्य कानून के तहत आरोप लगाए गए थे। लेकिन उसने जो नाम बताया था वह बिल्कुल सही था - पियरे-डेनिस मैगाडे।
मैगाडे को ल्योंस में पुलिस न्यायिक सेवा के क्षेत्रीय मुख्यालय ले जाया गया। पूछताछ के लिए प्रतीक्षा कक्ष में बैठे हुए, उनकी सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मियों में से एक ने मज़ाकिया अंदाज़ में पूछा, 'अच्छा, पेटिट-क्लैमार्ट के बारे में क्या?'
मागाडे ने बेबसी से कंधे उचकाए। 'ठीक है,' उसने जवाब दिया, 'आप क्या जानना चाहते हैं?'
जब स्तब्ध पुलिसकर्मी उसकी बातें सुन रहे थे और स्टेनोग्राफर एक के बाद एक नोटबुक पर लिखते जा रहे थे, तब मैगाडे आठ घंटे तक लगातार अपनी कहानी सुनाता रहा। अंत तक उसने पेटिट-क्लैमार्ट के सभी प्रतिभागियों के नाम बता दिए थे, साथ ही उन नौ अन्य लोगों के भी नाम बताए थे जिन्होंने साजिश रचने या उपकरण जुटाने में छोटी भूमिका निभाई थी। कुल मिलाकर बाईस लोग थे। तलाश शुरू हो गई थी, और इस बार पुलिस जानती थी कि उन्हें किसे ढूंढना है।
अंत में केवल एक ही बच निकला, और आज तक उसे पकड़ा नहीं जा सका है। जॉर्जेस वाटिन बच निकला और माना जाता है कि वह अन्य अधिकांश ओएएस प्रमुखों के साथ अल्जीरिया के नागरिक बस्तियों में स्पेन में रह रहा है।

बैस्टियन-थिरी, बोग्रेनेट डे ला टॉकनाये और साजिश के अन्य नेताओं के खिलाफ पूछताछ और आरोपों की तैयारी दिसंबर तक पूरी हो गई थी और समूह पर जनवरी 1963 में मुकदमा शुरू हुआ।
मुकदमा चलने के दौरान, ओएएस ने गॉलिस्ट सरकार पर एक और व्यापक हमले के लिए अपनी ताकत जुटा ली और फ्रांसीसी गुप्त सेवाओं ने इसका डटकर मुकाबला किया। पेरिस के सुखद जीवन के दायरे में, संस्कृति और सभ्यता के आवरण के नीचे, आधुनिक इतिहास के सबसे कड़वे और क्रूर भूमिगत युद्धों में से एक लड़ा गया। फ्रांसीसी गुप्त सेवा को सर्विस डे डॉक्यूमेंटेशन एक्सटेरियर एट डे कॉन्ट्रे-एस्पियोनेज कहा जाता है, जिसे संक्षेप में एसडीईसीई के नाम से जाना जाता है। इसके कर्तव्यों में फ्रांस के बाहर जासूसी और फ्रांस के भीतर प्रति-जासूसी दोनों शामिल हैं, हालांकि कभी-कभी प्रत्येक सेवा का कार्यक्षेत्र दूसरे के कार्यक्षेत्र से ओवरलैप हो सकता है। सेवा एक विशुद्ध रूप से खुफिया जानकारी से संबंधित है, जिसे आर (Renseignement) (सूचना) के लिए संक्षिप्त नाम से ज्ञात ब्यूरो में विभाजित किया गया है। ये उपविभाग हैं: आर.1 खुफिया विश्लेषण; आर.2 पूर्वी यूरोप; आर.3 पश्चिमी यूरोप; आर.4 अफ्रीका; आर.5 मध्य पूर्व; आर.6 सुदूर पूर्व; आर.7 अमेरिका/पश्चिमी गोलार्ध। सेवा दो प्रति-जासूसी से संबंधित है। सेवा तीन और चार एक ही कार्यालय में कम्युनिस्ट अनुभाग का गठन करते हैं, जबकि सेवा छह वित्त और सेवा सात प्रशासन से संबंधित है।
सर्विस फाइव का नाम सिर्फ एक शब्द का है – एक्शन। यह कार्यालय ओएएस विरोधी युद्ध का केंद्र था। पेरिस के उत्तर-पूर्वी इलाके में स्थित पोर्ट डेस लिलास के पास बुलेवार्ड मोर्टियर से कुछ दूरी पर बनी साधारण इमारतों के एक परिसर में स्थित मुख्यालय से, एक्शन सर्विस के सौ बहादुर जवान युद्ध के लिए निकल पड़ते थे। ये जवान, जिनमें से ज़्यादातर कोर्सिकन थे, काल्पनिक 'टफ गाइ' के वास्तविक जीवन के सबसे करीब थे। उन्हें शारीरिक रूप से बेहद फिट होने का प्रशिक्षण दिया जाता था, फिर उन्हें सैटोरी कैंप ले जाया जाता था जहाँ बाकी हिस्सों से अलग एक विशेष विभाग में उन्हें विनाश के बारे में सब कुछ सिखाया जाता था। वे छोटे हथियारों से लड़ने, निहत्थे युद्ध, कराटे और जूडो में माहिर हो जाते थे। उन्हें रेडियो संचार, विध्वंस और तोड़फोड़, यातना के साथ और बिना यातना के पूछताछ, अपहरण, आगजनी और हत्या के प्रशिक्षण दिए जाते थे।

कुछ लोग केवल फ्रेंच बोलते थे, जबकि अन्य कई भाषाओं में धाराप्रवाह थे और दुनिया की किसी भी राजधानी में सहज महसूस करते थे। उन्हें कर्तव्य के दौरान हत्या करने का अधिकार प्राप्त था और वे अक्सर इसका प्रयोग करते थे। ओएएस की गतिविधियाँ जैसे-जैसे हिंसक और क्रूर होती गईं, एसडीईसीई के निदेशक, जनरल यूजीन गुइबाउड ने अंततः इन लोगों पर लगी लगाम हटा दी और उन्हें ओएएस के खिलाफ खुला छोड़ दिया। उनमें से कुछ ओएएस में भर्ती हो गए और उसकी उच्च स्तरीय परिषदों में घुसपैठ कर ली। यहाँ से वे ऐसी सूचनाएँ देने में संतुष्ट थे जिन पर अन्य लोग कार्रवाई कर सकें, और कई ओएएस दूत जो फ्रांस या अन्य ऐसे क्षेत्रों में मिशन पर गए थे जहाँ वे पुलिस के लिए असुरक्षित थे, उन्हें आतंकवादी संगठन के भीतर मौजूद एक्शन सर्विस के लोगों द्वारा दी गई सूचना के आधार पर पकड़ लिया गया। अन्य अवसरों पर वांछित लोगों को फ्रांस में फुसलाकर नहीं लाया जा सका और उन्हें देश के बाहर बेरहमी से मार दिया गया। ओएएस के उन लोगों के कई रिश्तेदार जो बस गायब हो गए, हमेशा यही मानते रहे कि उन्हें एक्शन सर्विस ने खत्म कर दिया था। ऐसा नहीं था कि ओएएस को हिंसा का सबक सीखने की ज़रूरत थी। वे गुप्तचर की भूमिका निभाने के कारण बारबौज़ या दाढ़ी वाले कहे जाने वाले एक्शन सर्विस के जवानों से किसी भी पुलिसकर्मी से ज़्यादा नफ़रत करते थे। अल्जीयर्स में ओएएस और गॉलिस्ट अधिकारियों के बीच सत्ता संघर्ष के अंतिम दिनों में ओएएस ने सात बारबौज़ को ज़िंदा पकड़ लिया। बाद में उनके शव बालकनियों और लैंपपोस्टों से लटके हुए मिले, उनके कान और नाक कटे हुए थे। इस तरह गुप्त युद्ध जारी रहा, और किस तहखाने में किसके हाथों यातना से कौन मरा, इसकी पूरी कहानी कभी सामने नहीं आ पाएगी।
शेष बारबूज़ (पुलिसकर्मी) ओएएस के बाहर एसडीईसीई के इशारों पर काम करते रहे। इनमें से कुछ भर्ती होने से पहले ही अंडरवर्ल्ड के पेशेवर गुंडे थे, उन्होंने अपने पुराने संपर्कों को बनाए रखा और कई मौकों पर सरकार के लिए विशेष रूप से घिनौने काम करने के लिए अपने पूर्व अंडरवर्ल्ड मित्रों की मदद ली। इन्हीं गतिविधियों के कारण फ्रांस में एक 'समानांतर' (अनाधिकारिक) पुलिस की चर्चा शुरू हुई, जिसके बारे में कहा जाता था कि यह राष्ट्रपति डी गॉल के खास आदमी, एम. जैक्स फोकार्ट के आदेश पर काम कर रही थी। सच्चाई यह है कि ऐसी कोई 'समानांतर' पुलिस मौजूद नहीं थी; उन पर लगाए गए आरोप एक्शन

सर्विस के गुंडों या 'माहौल' से अस्थायी रूप से भर्ती किए गए गिरोह के सरगनाओं द्वारा किए गए थे।
पेरिस और मार्सिले के अंडरवर्ल्ड और एक्शन सर्विस पर दबदबा रखने वाले कोर्सिकन प्रतिशोध के बारे में अच्छी तरह जानते थे, और अल्जीयर्स में मिशन सी के सात बारबूज़ों की हत्या के बाद ओएएस के खिलाफ प्रतिशोध की घोषणा कर दी गई। जिस तरह 1944 में दक्षिणी फ्रांस में लैंडिंग के दौरान कोर्सिकन अंडरवर्ल्ड ने मित्र देशों की मदद की थी (अपने स्वार्थ के लिए; बाद में उन्होंने इनाम के तौर पर कोट डी'अज़ूर के अधिकांश अवैध व्यापार पर कब्जा कर लिया), उसी तरह साठ के दशक के आरंभ में कोर्सिकन लोगों ने ओएएस के साथ प्रतिशोध में फ्रांस के लिए फिर से लड़ाई लड़ी। ओएएस के कई पिएड्स-नोइर्स (अल्जीरिया में जन्मे फ्रांसीसी) लोगों में कोर्सिकन लोगों जैसी ही विशेषताएं थीं, और कई बार युद्ध लगभग भाई-भाई के बीच ही होने वाला था। जैसे-जैसे बैस्टियन-थिरी और उनके साथियों का मुकदमा आगे बढ़ा, ओएएस का अभियान भी शुरू हो गया। इसका मार्गदर्शक, पेटिट-क्लैमार्ट षड्यंत्र का परदादा कर्नल एंटोइन अर्गौड था। फ्रांस के शीर्ष विश्वविद्यालयों में से एक, इकोले पॉली टेक्निक के छात्र अर्गौड एक प्रतिभाशाली व्यक्ति और ऊर्जावान व्यक्तित्व के धनी थे। डी गॉल के अधीन एक लेफ्टिनेंट के रूप में उन्होंने नाजियों से फ्रांस की मुक्ति के लिए लड़ाई लड़ी थी। बाद में उन्होंने अल्जीयर्स में घुड़सवार सेना की एक रेजिमेंट की कमान संभाली। कद में छोटे और दुबले-पतले अर्गौड एक प्रतिभाशाली लेकिन निर्दयी सैनिक थे, और 1962 तक वे निर्वासित ओएएस के ऑपरेशन प्रमुख बन चुके थे।
मनोवैज्ञानिक युद्ध में पारंगत होने के कारण, वह समझते थे कि गॉलिस्ट फ्रांस के विरुद्ध लड़ाई आतंक, कूटनीति और जनसंपर्क, तीनों स्तरों पर लड़नी होगी। इस अभियान के अंतर्गत उन्होंने ओएएस की राजनीतिक शाखा, राष्ट्रीय प्रतिरोध परिषद के प्रमुख और फ्रांस के पूर्व विदेश मंत्री जॉर्जेस बिडौल्ट को पश्चिमी यूरोप के समाचार पत्रों और टेलीविजन चैनलों को कई साक्षात्कार देने के लिए कहा, ताकि वे जनरल डी गॉल के प्रति ओएएस के विरोध को 'सम्मानजनक' शब्दों में समझा सकें।
आर्गौड अब अपनी उस उच्च बुद्धिमत्ता का उपयोग कर रहे थे जिसने कभी उन्हें फ्रांसीसी सेना का सबसे युवा कर्नल बनाया था और अब उन्हें ओएएस का सबसे खतरनाक व्यक्ति बना दिया था। उन्होंने बिडौल्ट के लिए प्रमुख नेटवर्कों

22 फरवरी को एसडीईसीई (जासूसी विरोधी/आंतरिक सुरक्षा) की सेवा दो के निदेशक द्वारा गृह मंत्री को भेजे गए ज्ञापन की एक प्रति कार्रवाई सेवा के प्रमुख के डेस्क पर पहुंची। यहाँ उसका एक अंश दिया गया है:
“हमें विध्वंसक आंदोलन के प्रमुख सरगनाओं में से एक, फ्रांसीसी सेना के पूर्व कर्नल एंटोइन अर्गौड का पता लगाने में सफलता मिली है। वह जर्मनी भाग गया है और हमारी खुफिया सेवा से मिली जानकारी के अनुसार, वह कई दिनों तक वहीं रहने का इरादा रखता है...”
ऐसी स्थिति में, अर्गौद तक पहुंचना और संभवतः उसे पकड़ना संभव होना चाहिए। चूंकि हमारी आधिकारिक जासूसी-विरोधी सेवा द्वारा सक्षम जर्मन सुरक्षा संगठनों से किया गया अनुरोध अस्वीकार कर दिया गया है, और ये संगठन अब उम्मीद कर रहे हैं कि हमारे एजेंट अर्गौद और अन्य ओएएस नेताओं का पीछा कर रहे होंगे, इसलिए अर्गौद के खिलाफ निर्देशित इस अभियान को अधिकतम गति और गोपनीयता के साथ अंजाम दिया जाना चाहिए।
यह कार्य एक्शन सर्विस को सौंप दिया गया था।
25 फरवरी की दोपहर को आर्गौड रोम से म्यूनिख वापस लौटे, जहाँ वे अन्य ओएएस नेताओं से मिल रहे थे। अनर्टलस्ट्रासे जाने के बजाय, उन्होंने टैक्सी लेकर ईडन-वोल्फ होटल का रुख किया, जहाँ उन्होंने एक बैठक के लिए कमरा बुक किया था। लेकिन वे उस बैठक में शामिल नहीं हुए। हॉल में दो लोगों ने उनसे बात की और उनसे त्रुटिहीन जर्मन भाषा में बात की। उन्होंने अनुमान लगाया कि वे जर्मन पुलिस हैं और अपना पासपोर्ट निकालने के लिए अपनी जेब में हाथ डाला।
उसने महसूस किया कि उसकी दोनों भुजाओं को किसी शिकंजे में जकड़ लिया गया है, उसके पैर ज़मीन से ऊपर उठ गए और उसे खींचकर बाहर इंतज़ार कर रही एक कपड़े धोने वाली वैन में ले जाया गया। उसने विरोध किया, लेकिन बदले में उसे गालियों की बौछार झेलनी पड़ी। एक कठोर हाथ ने उसकी नाक पर वार किया, दूसरे ने उसके पेट पर ज़ोर से घूंसा मारा, एक उंगली ने उसके कान के नीचे की नस को छुआ और वह बेहोश हो गया।
चौबीस घंटे बाद पेरिस के 36 क्वाई डेस ओरफेवरेस स्थित पुलिस ज्यूडिशियरी के ब्रिगेड क्रिमिनले में एक टेलीफोन की घंटी बजी। कर्कश आवाज में डेस्क सार्जेंट ने फोन उठाया और बताया कि वह ओएएस की ओर से बोल रहा है, और एंटोइन अर्गौड, 'अच्छी तरह से बंधा हुआ', सीआईडी भवन के पीछे खड़ी एक वैन में है।

कुछ मिनट बाद वैन का दरवाजा झटके से खुला और अर्गौड लड़खड़ाते हुए बाहर निकला, जहाँ पुलिस अधिकारी अचंभित खड़े थे।
चौबीस घंटे पट्टी बंधी रहने के कारण उनकी आँखें ठीक से फोकस नहीं कर पा रही थीं। उन्हें खड़े होने में सहारा देना पड़ा। नाक से खून बहने के कारण उनका चेहरा सूखे खून से सना हुआ था और पुलिस द्वारा मुंह से निकाली गई पट्टी से उनके मुंह में दर्द हो रहा था। जब किसी ने उनसे पूछा, 'क्या आप कर्नल एंटोइन अर्गुड हैं?' तो उन्होंने धीरे से 'हाँ' कहा। किसी तरह एक्शन सर्विस ने पिछली रात उन्हें सीमा पार करा दिया था और पुलिस को उनके अपने पार्किंग स्थल में पार्सल के बारे में गुमनाम फोन कॉल करना महज़ उनका निजी मज़ाक था। उन्हें जून 1968 तक रिहा नहीं किया गया।
लेकिन एक्शन सर्विस के जवानों ने एक बात का बिल्कुल भी अंदाजा नहीं लगाया था; ओएएस में भारी मनोबल गिराने के बावजूद, अर्गौड को हटाने से उन्होंने उसके गुप्त डिप्टी, कम प्रसिद्ध लेकिन उतने ही चतुर लेफ्टिनेंट-कर्नल मार्क रोडिन के लिए डी गॉल की हत्या के उद्देश्य से चलाए जा रहे अभियानों की कमान संभालने का रास्ता खोल दिया था। कई मायनों में यह एक बुरा सौदा साबित हुआ।
4 मार्च को सर्वोच्च सैन्य न्यायालय ने जीन-मैरी बैटियन-थिरी पर अपना फैसला सुनाया। उन्हें और दो अन्य लोगों को मौत की सजा सुनाई गई, साथ ही वाटिन द लिम्प सहित तीन अन्य फरार लोगों को भी मौत की सजा दी गई। 8 मार्च को जनरल डी गॉल ने तीन घंटे तक चुपचाप दोषियों के वकीलों की दया याचिकाएं सुनीं। उन्होंने दो मौत की सजाओं को आजीवन कारावास में बदल दिया, लेकिन बैटियन-थिरी की सजा बरकरार रही।
उसी रात उनके वकील ने वायु सेना के कर्नल को इस फैसले की जानकारी दी।
‘यह 11 तारीख के लिए तय है,’ उसने अपने मुवक्किल से कहा, और जब मुवक्किल अविश्वास भरी मुस्कान के साथ मुस्कुराता रहा, तो उसने झट से कहा, ‘तुम्हें गोली मार दी जाएगी।’
बैस्टियन-थिरी मुस्कुराते रहे और उन्होंने अपना सिर हिलाया।
उन्होंने वकील से कहा, 'आप नहीं समझते, फ्रांसीसियों का कोई दस्ता मेरे खिलाफ अपनी बंदूकें नहीं उठाएगा।'
वह गलत था। फांसी की खबर रेडियो यूरोप नंबर वन के सुबह 8 बजे के समाचार में फ्रेंच भाषा में प्रसारित की गई। पश्चिमी यूरोप के अधिकांश हिस्सों में

[illegible]

अध्याय दो
मार्क रोडिन ने अपने ट्रांजिस्टर रेडियो का स्विच बंद किया और नाश्ते की ट्रे को लगभग बिना छुए ही मेज से उठ गए। वे खिड़की के पास गए, सिगरेटों की अंतहीन श्रृंखला में एक और सिगरेट जलाई और बर्फ से ढके उस परिदृश्य को निहारने लगे जिसे देर से आई वसंत ऋतु ने अभी तक पिघलाना शुरू नहीं किया था। 'हरामखोर।' उसने यह शब्द धीमी और बेहद गुस्से भरी आवाज़ में बुदबुदाया, और फिर दबी आवाज़ में कई अपशब्दों और गालियों का इस्तेमाल किया, जिनसे फ्रांसीसी राष्ट्रपति, उनकी सरकार और एक्शन सर्विस के प्रति उसकी भावनाएँ व्यक्त हुईं।
रोडिन अपने पूर्ववर्ती से लगभग हर मायने में भिन्न थे। लंबे और दुबले- पतले, घृणा से भरे खोखले चेहरे वाले, वे आमतौर पर अपनी भावनाओं को एक गैर-लैटिन शैली की शीतलता से छुपाते थे। उनके लिए कोई पॉलिटेक्निक विश्वविद्यालय नहीं था जो पदोन्नति के द्वार खोलता। एक मोची के बेटे, वे अपने किशोरावस्था के सुनहरे दिनों में, जब जर्मनों ने फ्रांस पर कब्ज़ा कर लिया था, एक मछली पकड़ने वाली नाव से इंग्लैंड भाग गए थे और लॉरेन क्रॉस के झंडे तले एक साधारण सैनिक के रूप में भर्ती हो गए थे।
सार्जेंट से वारंट ऑफिसर तक की पदोन्नति उन्हें बड़ी मुश्किलों से मिली थी, उत्तरी अफ्रीका के खूनी युद्धों में कोएनिग के नेतृत्व में और बाद में नॉर्मंडी के जंगलों में लेक्लर्क के साथ लड़ते हुए। पेरिस की लड़ाई के दौरान मिले फील्ड कमीशन ने उन्हें वह अधिकारी का पद दिलाया जो उनकी शिक्षा और पृष्ठभूमि से कभी नहीं मिल सकता था, और युद्ध के बाद के फ्रांस में उनके सामने दो विकल्प थे: नागरिक जीवन में लौटना या सेना में बने रहना।
लेकिन किस ओर लौटना था? उनके पास अपने पिता द्वारा सिखाए गए मोची के सिवा कोई और हुनर नहीं था, और उन्होंने पाया कि उनके देश का श्रमिक वर्ग कम्युनिस्टों के वर्चस्व में था, जिन्होंने प्रतिरोध आंदोलन और आंतरिक क्षेत्रों के स्वतंत्र फ्रांसीसी आंदोलन पर भी कब्ज़ा कर लिया था। इसलिए वे सेना में ही रहे, और बाद में एक अधिकारी के रूप में उस कड़वाहट का अनुभव किया, जब उन्होंने देखा कि शिक्षित युवा पीढ़ी के लड़के अधिकारी विद्यालयों से स्नातक हो रहे हैं, और कक्षाओं में सैद्धांतिक पाठों के माध्यम से वही पद प्राप्त कर रहे हैं जिनके लिए उन्होंने खून-पसीना बहाया

था। जैसे-जैसे वे पद और विशेषाधिकार में उनसे आगे बढ़ते गए, उनके मन में कड़वाहट घर करने लगी।
अब बस एक ही रास्ता बचा था, और वो था औपनिवेशिक रेजिमेंटों में से किसी एक में शामिल होना। ये वो कुशल और साहसी सैनिक थे जो युद्ध लड़ते थे जबकि अनिवार्य भर्ती वाले सैनिक अभ्यास चौकों में परेड करते रहते थे। उन्होंने किसी तरह औपनिवेशिक पैराट्रूप्स में तबादला करवा लिया।
एक साल के भीतर ही वह इंडो-चीन में एक कंपनी कमांडर बन गया, जहाँ वह उन लोगों के बीच रहने लगा जो उसी की तरह सोचते और बोलते थे। एक मोची के घर से निकले इस नौजवान के लिए, पदोन्नति अभी भी लड़ाई और उससे भी अधिक लड़ाई के माध्यम से ही संभव थी। इंडो-चीन अभियान के अंत तक वह मेजर बन चुका था और फ्रांस में एक दुखद और निराशाजनक वर्ष बिताने के बाद उसे अल्जीरिया भेज दिया गया।
इंडो-चीन से फ्रांसीसी वापसी और फ्रांस में बिताए एक वर्ष ने उनकी दबी हुई कड़वाहट को राजनेताओं और कम्युनिस्टों के प्रति घोर घृणा में बदल दिया, जिन्हें वे एक ही समान मानते थे। उनका मानना था कि जब तक फ्रांस पर एक सैनिक का शासन नहीं होगा, तब तक वह अपने सार्वजनिक जीवन में व्याप्त गद्दारों और चापलूसों के चंगुल से मुक्त नहीं हो सकता। केवल सेना में ही ये दोनों प्रकार के लोग विलुप्त हो सकते थे।
अधिकांश युद्ध अधिकारियों की तरह, जिन्होंने अपने सैनिकों को मरते देखा था और कभी-कभी जीवित पकड़े गए दुर्भाग्यशाली लोगों के बुरी तरह क्षत-विक्षत शवों को दफनाया था, रोडिन सैनिकों को धरती का सच्चा नमक मानते थे, वे लोग जिन्होंने अपना खून बहाकर पूंजीपति वर्ग को आराम से अपने घरों में रहने दिया। इंडो-चीन के जंगलों में आठ वर्षों के युद्ध के बाद, अपने वतन के नागरिकों से यह जानकर कि उनमें से अधिकांश को सैनिकों की कोई परवाह नहीं थी, और वामपंथी बुद्धिजीवियों द्वारा कैदियों को यातना देकर महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त करने जैसे मामूली मामलों पर सेना की निंदा पढ़कर, मार्क रोडिन के भीतर एक ऐसी प्रतिक्रिया उत्पन्न हुई, जो अवसरों की कमी से उपजे उनके भीतर के गहरे असंतोष के साथ मिलकर कट्टरता में बदल गई।
उन्हें पूरा विश्वास था कि अगर वहां के नागरिक अधिकारियों और सरकार तथा जनता का पर्याप्त समर्थन मिल जाता, तो सेना वियत-मिन्ह को हरा सकती थी। इंडो-चीन का हस्तांतरण उन हजारों युवा सैनिकों के साथ घोर विश्वासघात था

जो वहां व्यर्थ ही मारे गए थे। रोडिन के लिए अब कोई विश्वासघात नहीं होना चाहिए था। अल्जीरिया इसे साबित करेगा। 1956 की वसंत ऋतु में वे मार्सिले के तट से लगभग उतने ही प्रसन्न होकर निकले, जितना वे कभी हो सकते थे, इस विश्वास के साथ कि अल्जीरिया की दूर की पहाड़ियां उनके जीवन के सबसे बड़े लक्ष्य की परिणति देखेंगी, यानी दुनिया की नजरों में फ्रांसीसी सेना का शिखर।
दो साल तक चले भीषण और भयंकर संघर्ष के बावजूद, उनकी दृढ़ आस्था में कोई खास बदलाव नहीं आया। सच है, विद्रोहियों को कुचलना उतना आसान नहीं था जितना उन्होंने पहले सोचा था। चाहे उन्होंने और उनके साथियों ने कितने ही सैनिकों को मार गिराया हो, चाहे कितने ही गाँवों को नष्ट कर दिया गया हो, चाहे कितने ही एफएलएन आतंकवादी यातनाओं में मारे गए हों, विद्रोह तब तक फैलता रहा जब तक कि उसने पूरे देश को अपनी चपेट में नहीं ले लिया और शहरों को भी अपनी चपेट में नहीं ले लिया।
ज़ाहिर है, ज़रूरत मुख्य राजधानी से और अधिक मदद की थी। कम से कम यहाँ तो साम्राज्य के किसी दूरदराज कोने में युद्ध का सवाल ही नहीं उठता था। अल्जीरिया फ्रांस का हिस्सा था, फ्रांस का ही एक भाग, जहाँ तीस लाख फ्रांसीसी लोग रहते थे। अल्जीरिया के लिए भी उतनी ही लड़ाई लड़ी जाती जितनी नॉर्मंडी, ब्रिटनी या आल्प्स मैरिटाइम्स के लिए। लेफ्टिनेंट-कर्नल का पद मिलने पर मार्क रोडिन ने अपना काम रोककर पहले बोन और फिर कॉन्स्टेंटाइन के साथ शहरों की ओर रुख किया।
खून-खराबे के दौरान वह एएलएन के सैनिकों से लड़ रहा था, अनियमित सैनिक लेकिन फिर भी जुझारू लोग। उनके प्रति उसकी नफरत उस भयंकर जुनून के आगे कुछ भी नहीं थी जिसने उसे तब जकड़ लिया जब वह शहरों के गुप्त, क्रूर युद्ध में उतरा, एक ऐसा युद्ध जो सफाईकर्मियों द्वारा फ्रांसीसी-पसंदीदा कैफे, सुपरमार्केट और खेल पार्कों में लगाए गए प्लास्टिक बमों से लड़ा गया था। फ्रांसीसी नागरिकों के बीच इन बमों को लगाने वाले बदमाशों से कॉन्स्टेंटाइन को साफ करने के लिए उसने जो कदम उठाए, उसके कारण कास्बा में उसे कसाई की उपाधि मिली।
एफएलएन और उसकी सेना, एएलएन, के पूर्ण विनाश के लिए बस पेरिस से और अधिक मदद की कमी थी। अधिकांश कट्टरपंथियों की तरह, रोडिन भी अपने अटूट विश्वास के बल पर तथ्यों से मुंह मोड़ लेते थे। युद्ध की बढ़ती लागत, युद्ध के बोझ

तले दबी फ्रांस की लड़खड़ाती अर्थव्यवस्था, और सैनिकों का मनोबल गिरना, उनके लिए कोई मायने नहीं रखते थे।
जून 1958 में जनरल डी गॉल फ्रांस के प्रधानमंत्री के रूप में सत्ता में वापस लौटे। भ्रष्ट और लड़खड़ाती चौथी गणतंत्र सरकार को कुशलतापूर्वक समाप्त करते हुए उन्होंने पाँचवीं गणतंत्र सरकार की स्थापना की। जब उन्होंने वे शब्द कहे, जिनके उच्चारण ने जनरलों के मुख से सुनकर उन्हें मैटिग्नन महल और फिर जनवरी 1959 में एलिसी महल तक पहुँचाया था, 'फ्रांसीसी अल्जीरिया', तो रोडिन अपने कमरे में जाकर रो पड़े। जब डी गॉल अल्जीरिया गए, तो रोडिन के लिए उनकी उपस्थिति ओलंपस से उतरे ज़्यूस के समान थी। उन्हें पूरा विश्वास था कि नई नीति आने वाली है। कम्युनिस्टों को उनके पदों से हटा दिया जाएगा, जीन-पॉल सार्त्र को राजद्रोह के आरोप में गोली मार दी जाएगी, ट्रेड यूनियनों को अधीन कर लिया जाएगा और अल्जीरिया में अपने सगे- संबंधियों और फ्रांसीसी सभ्यता की सीमाओं की रक्षा करने वाली अपनी सेना के लिए फ्रांस का अंतिम पूर्ण समर्थन जल्द ही मिलने वाला होगा।
रोडिन को इस बात का उतना ही यकीन था जितना पूरब से सूरज के उगने का। जब डी गॉल ने फ्रांस को अपने तरीके से बहाल करने के लिए कदम उठाने शुरू किए, तो रोडिन को लगा कि ज़रूर कोई गलती हुई होगी। बूढ़े आदमी को समय देना ज़रूरी था। जब बेन बेला और एफएलएन के साथ शुरुआती बातचीत की अफवाहें फैलीं, तो रोडिन को यकीन नहीं हुआ। हालाँकि वे 1960 में बिग जो ऑर्टिज़ के नेतृत्व में बसने वालों के विद्रोह के प्रति सहानुभूति रखते थे, फिर भी उन्हें लगा कि फेलघा को पूरी तरह से कुचलने में हुई प्रगति की कमी डी गॉल की एक चाल मात्र थी। उन्हें पूरा यकीन था कि ले वियू को पता होगा कि वे क्या कर रहे हैं। क्या उन्होंने ही ये सुनहरे शब्द नहीं कहे थे, "अल्जीरिया फ्रांसेज़"?
जब अंततः और बिना किसी संदेह के यह साबित हो गया कि चार्ल्स डी गॉल की पुनर्जीवित फ्रांस की अवधारणा में फ्रांसीसी अल्जीरिया शामिल नहीं था, तो रोडिन की दुनिया एक ट्रेन से टकराए चीनी मिट्टी के फूलदान की तरह बिखर गई। आस्था, आशा, विश्वास और आत्मविश्वास का कुछ भी शेष नहीं बचा था। केवल घृणा। व्यवस्था के प्रति घृणा, राजनेताओं के प्रति घृणा, बुद्धिजीवियों के प्रति घृणा, अल्जीरियाई लोगों के प्रति घृणा, ट्रेड यूनियनों के प्रति घृणा, पत्रकारों के प्रति घृणा, विदेशियों के प्रति घृणा; लेकिन सबसे अधिक

घृणा उस व्यक्ति के प्रति थी। कुछ भोले-भाले लोगों को छोड़कर, जिन्होंने आने से इनकार कर दिया, रोडिन ने अपनी पूरी सेना का नेतृत्व करते हुए अप्रैल 1961 के सैन्य तख्तापलट में भाग लिया।
यह नाकाम रहा। एक सरल, लेकिन बेहद चालाकी भरे कदम से डी गॉल ने तख्तापलट की कोशिश को नाकाम कर दिया, इससे पहले कि वह सफल हो पाता। जब एफएलएन के साथ बातचीत शुरू होने की अंतिम घोषणा से कुछ हफ़्ते पहले सैनिकों को हज़ारों साधारण ट्रांजिस्टर रेडियो बांटे गए, तो किसी भी अधिकारी ने इस पर ध्यान नहीं दिया। रेडियो को सैनिकों के लिए एक हानिरहित आराम माना गया, और कई अधिकारियों और वरिष्ठ एनसीओ ने इस विचार का समर्थन किया। फ्रांस से प्रसारित होने वाला पॉप संगीत जवानों के लिए गर्मी, मक्खियों और ऊब से एक सुखद राहत थी।
डी गॉल की आवाज़ इतनी सीधी-सादी नहीं थी। जब आखिरकार सेना की वफादारी की परीक्षा हुई, तो अल्जीरिया भर में बैरकों में फैले हजारों रंगरूटों ने समाचार सुनने के लिए अपने रेडियो चालू किए। समाचार सुनने के बाद उन्होंने वही आवाज़ सुनी जो खुद रोडिन ने जून 1940 में सुनी थी। लगभग वही संदेश। 'आपके सामने वफादारी चुनने का विकल्प है। मैं फ्रांस हूँ, उसके भाग्य का साधन। मेरा अनुसरण करो। मेरी आज्ञा मानो।'
कुछ बटालियन कमांडरों ने जब सुबह उठकर देखा तो उनके पास केवल मुट्ठी भर अधिकारी और अधिकांश सार्जेंट ही बचे थे।
रेडियो के ज़रिए विद्रोह भ्रमों की तरह टूट गया। रोडिन कुछ लोगों से ज़्यादा भाग्यशाली थे। उनके 120 अधिकारी, गैर-कमीशन अधिकारी और रैंक के सैनिक उनके साथ रहे। इसका कारण यह था कि वे एक ऐसी इकाई की कमान संभाल रहे थे जिसमें इंडो-चीन के अनुभवी सैनिकों की संख्या अधिक थी और अल्जीरियाई सैनिक दूसरों से कहीं ज़्यादा खून बहाते थे। अन्य तख्तापलट करने वालों के साथ मिलकर उन्होंने गुप्त सेना संगठन का गठन किया और एलिसी पैलेस के यहूदा को उखाड़ फेंकने का संकल्प लिया।
विजयी फ्रांसीसी नौसेना और वफादार फ्रांसीसी सेना के बीच, विनाश का तांडव मचाने के लिए समय के सिवा कुछ नहीं बचा था। अंतिम सात हफ्तों में, जब फ्रांसीसी बसने वालों ने अपनी जीवन भर की मेहनत को कौड़ियों के भाव बेच दिया और युद्धग्रस्त तट से भाग गए, तब गुप्त सेना ने उन पर अंतिम और भयानक बदला लिया जिन्हें उन्हें पीछे छोड़ना पड़ा था। जब यह सब समाप्त हुआ, तो

केवल उन नेताओं के लिए निर्वासन ही बचा जिनके नाम गॉलिस्ट अधिकारियों को ज्ञात थे।
1961 की सर्दियों में रोडिन, निर्वासित ओएएस के ऑपरेशन प्रमुख के रूप में आर्गौड के डिप्टी बने। ओएएस द्वारा उस समय से शुरू किए गए फ्रांस के मुख्य भूभाग पर आक्रमण के पीछे आर्गौड का कौशल, प्रतिभा और प्रेरणा थी; रोडिन का संगठन, चालाकी और दूरदर्शी व्यावहारिकता थी। यदि वह केवल एक कट्टरपंथी होते, तो खतरनाक तो होते, लेकिन असाधारण नहीं। साठ के दशक के आरंभ में ओएएस के लिए बंदूकें चलाने वाले ऐसे कई अन्य लोग भी थे। लेकिन वह उनसे कहीं बढ़कर थे। उस बूढ़े मोची ने एक ऐसे लड़के को जन्म दिया था जिसका सोचने का दिमाग बहुत तेज था, जिसे औपचारिक शिक्षा या सैन्य सेवा से कभी विकसित नहीं किया गया था। रोडिन ने इसे अपने दम पर, अपने तरीके से विकसित किया था।
जब फ्रांस और सेना के सम्मान के बारे में अपनी ही अवधारणा का सामना करना पड़ा तो रोडिन भी बाकी लोगों की तरह ही कट्टरपंथी थे, लेकिन जब उन्हें विशुद्ध रूप से व्यावहारिक समस्या का सामना करना पड़ा तो वे एक व्यावहारिक और तार्किक एकाग्रता का उपयोग कर सकते थे जो दुनिया के सभी अस्थिर उत्साह और संवेदनहीन हिंसा से कहीं अधिक प्रभावी थी।
यही वो बात थी जो उसने 11 मार्च की सुबह चार्ल्स डी गॉल की हत्या की समस्या के समाधान के लिए सोची थी। वह इतना मूर्ख नहीं था कि यह सोचे कि काम आसान होगा; इसके विपरीत, पेटिट-क्लैमार्ट और सैन्य शिक्षा संस्थान की नाकामियों ने इसे और भी मुश्किल बना दिया था। हत्यारों को ढूंढना तो आसान था; असली चुनौती थी एक ऐसे व्यक्ति या योजना को ढूंढना जिसमें एक भी ऐसा असाधारण तत्व हो जो राष्ट्रपति के चारों ओर बनी सुरक्षा की दीवार को भेद सके।
उसने व्यवस्थित ढंग से अपने मन में समस्याओं की सूची बनाई। दो घंटे तक, खिड़की के सामने लगातार सिगरेट पीते हुए, जब तक कि कमरा नीले धुएं से भर नहीं गया, उसने समस्याओं को अपने दिमाग में बिठाया, फिर उन्हें खत्म करने या उनसे बचने की योजना बनाई। हर योजना गहन जांच में व्यवहार्य प्रतीत हुई; लेकिन अंतिम कसौटी पर वह विफल हो गई। इस विचार-मंथन से एक समस्या लगभग अनसुलझी बनकर उभरी - सुरक्षा का प्रश्न।
पेटिट-क्लैमार्ट की घटना के बाद से हालात बदल चुके थे। ओएएस के रैंकों और कैडरों में एक्शन सर्विस की पैठ खतरनाक हद तक बढ़ गई थी। हाल ही में उनके

राष्ट्रपति की हत्या करने से भी नहीं हिचकिचाएंगे। फ्रांसीसी पुलिस मुख्यालय में उन सभी की फाइल बाइबल जितनी मोटी थी। आखिर मार्क रोडिन ऑस्ट्रिया के एक गुमनाम पहाड़ी गांव के होटल में क्यों छिपा हुआ था? दोपहर से ठीक पहले उन्हें इसका जवाब मिल गया। उन्होंने कुछ समय के लिए इस विचार को टाल दिया, लेकिन फिर तीव्र जिज्ञासा के कारण वे इसकी ओर लौट पड़े। अगर ऐसा कोई व्यक्ति मिल सकता है... अगर ऐसा कोई व्यक्ति सच में मौजूद है। धीरे-धीरे, बड़ी मेहनत से, उन्होंने ऐसे व्यक्ति के इर्द-गिर्द एक और योजना बनाई, फिर उसे सभी बाधाओं और आपत्तियों के दायरे में लाया। योजना सभी बाधाओं और आपत्तियों पर खरी उतरी, यहाँ तक कि सुरक्षा के सवाल पर भी। दोपहर के भोजन का समय होने से ठीक पहले, मार्क रोडिन ने अपना ओवरकोट पहना और नीचे चले गए। मुख्य द्वार पर पहुँचते ही बर्फीली सड़क पर तेज़ हवा का झोंका लगा। इससे वे चौंक गए, लेकिन गर्म कमरे में सिगरेट पीने से हो रहे सिरदर्द से उन्हें राहत मिली। बाईं ओर मुड़कर वे एडलरस्ट्रासे स्थित डाकघर की ओर बढ़े और कई छोटे-छोटे टेलीग्राम भेजकर दक्षिणी जर्मनी, ऑस्ट्रिया, इटली और स्पेन में छद्म नामों से फैले अपने सहयोगियों को सूचित किया कि वे एक मिशन पर जा रहे हैं, इसलिए कुछ हफ्तों तक उपलब्ध नहीं रहेंगे।
जब वह अपने साधारण से किराए के मकान की ओर लौट रहा था, तो उसके मन में यह ख्याल आया कि शायद कुछ लोग सोच रहे होंगे कि वह भी डरपोक है, एक्शन सर्विस द्वारा अपहरण या हत्या के खतरे से भाग रहा है। उसने मन ही मन कंधे उचका दिए। उन्हें जो सोचना है सोचने दो, लंबे-चौड़े स्पष्टीकरण का समय बीत चुका है।
उसने स्टैमकार्टे बोर्डिंग हाउस में दोपहर का भोजन किया, दिन का भोजन आइसबीन और नूडल्स था। हालाँकि अल्जीरिया के जंगलों और वीरान इलाकों में वर्षों बिताने के कारण उसे अच्छे भोजन का स्वाद कम ही पसंद था, फिर भी उसे इसे पचाने में कठिनाई हो रही थी। दोपहर होते-होते वह वहाँ से निकल गया, सामान पैक किया, बिल चुकाया और एक ऐसे व्यक्ति, या अधिक सटीक रूप से कहें तो एक ऐसे व्यक्ति की खोज में एक अकेले मिशन पर निकल पड़ा, जिसके अस्तित्व के बारे में उसे कोई जानकारी नहीं थी।
जैसे ही वह अपनी ट्रेन में सवार हुआ, BOAC का एक कॉमेट 4B विमान लंदन हवाई अड्डे के रनवे ज़ीरो-फोर की ओर उड़ान भरता हुआ दिखाई दिया। यह बेरूत से आ

की तरह एक झूठे नाम से पंजीकरण कराया था, जो उनके करीबी सहयोगियों को ही पता था। जिन दो लोगों को उन्होंने बुलाया था, उनमें से प्रत्येक को पिछले दिन शुल्ज़ के नाम से हस्ताक्षरित एक तार मिला था, जो उस विशेष बीस दिनों की अवधि के लिए रोडिन का कोड-नाम था।
'हेयर शुल्ज़, कृपया?' कैसन ने रिसेप्शन डेस्क पर बैठे युवक से पूछा। क्लर्क ने अपनी पंजीकरण पुस्तिका देखी।
'कमरा नंबर चौंसठ। क्या आप यहाँ आने वाले हैं, महोदय?'
‘जी हाँ,’ कैसन ने उत्तर दिया और सीधे सीढ़ियों से ऊपर चढ़ गया। वह पहली मंजिल पर पहुँचा और कमरा नंबर 64 की तलाश में गलियारे में चलने लगा। उसे वह दाहिनी ओर बीच में मिल गया। जैसे ही उसने दस्तक देने के लिए हाथ उठाया, उसे पीछे से पकड़ लिया गया। वह मुड़ा और ऊपर एक भारी, नीले जबड़े वाले चेहरे को घूरने लगा। घने काले बालों की एक पट्टी, जो भौंहों का काम करती थी, के नीचे की आँखें बिना किसी जिज्ञासा के उसे देख रही थीं। वह आदमी बारह फीट पीछे एक आले से गुजरते हुए उसके पीछे आ गया था और पतले कालीन के बावजूद कैसन को कोई आवाज़ सुनाई नहीं दी थी।
‘क्या तुम चाहते हो?’ उस विशालकाय व्यक्ति ने ऐसे कहा मानो उसे कोई परवाह ही न हो। लेकिन कैसन की दाहिनी कलाई पर उसकी पकड़ ढीली नहीं हुई।
एक पल के लिए कैसन का पेट गुड़गुड़ाने लगा जब उसने चार महीने पहले एडेन-वोल्फ होटल से अर्गुड को तुरंत हटाए जाने की घटना की कल्पना की। फिर उसने अपने पीछे खड़े व्यक्ति को पहचाना, जो इंडो-चीन और वियतनाम में रोडिन की पूर्व कंपनी का एक पोलिश विदेशी सैनिक था। उसे याद आया कि रोडिन कभी-कभी विशेष कार्यों के लिए विक्टर कोवाल्स्की का उपयोग करते थे।
‘विक्टर, मेरी कर्नल रोडिन से मुलाकात है,’ उसने धीमी आवाज़ में जवाब दिया। अपना और अपने मालिक का नाम सुनते ही कोवाल्स्की की भौंहें और भी तन गईं। ‘मैं आंद्रे कैसन हूँ,’ उसने आगे कहा। कोवाल्स्की अप्रभावित सा लगा। कैसन के पीछे से हाथ बढ़ाकर उसने अपने बाएं हाथ से कमरा नंबर 64 के दरवाजे पर दस्तक दी।
अंदर से एक आवाज आई, 'हां?'
कोवाल्स्की ने अपना मुंह दरवाजे के लकड़ी के पैनल के पास ले गया।
“यहाँ कोई मेहमान है,” उसने गुर्राते हुए कहा और दरवाज़ा थोड़ा सा खुल गया। रोडिन ने बाहर झाँका, फिर दरवाज़ा पूरी तरह खोल दिया।

‘मेरे प्यारे आंद्रे। इसके लिए मुझे बहुत खेद है।’ उसने कोवालास्की की ओर सिर हिलाया। ‘ठीक है, कॉर्पोरल, मैं इस आदमी का इंतजार कर रहा हूँ।’
कैसन ने आखिरकार अपनी दाहिनी कलाई को मुक्त पाया और शयनकक्ष में प्रवेश किया। रोडिन ने दहलीज पर कोवाल्स्की से कुछ देर और बात की, फिर दरवाजा बंद कर दिया। पोलिश व्यक्ति वापस आले की छाया में जाकर खड़ा हो गया।
रोडिन ने हाथ मिलाया और कैसन को गैस की भट्टी के सामने रखी दो आरामकुर्सियों की ओर ले गए। हालांकि जून का मध्य था, बाहर हल्की ठंडी बूंदा-बांदी हो रही थी और दोनों ही उत्तरी अफ्रीका की गर्म धूप के आदी थे। गैस की भट्टी पूरी तरह जल रही थी। कैसन ने अपना रेनकोट उतारा और आग के सामने बैठ गए।
‘मार्क, तुम आमतौर पर इस तरह की सावधानियां नहीं बरतते,’ उसने कहा।
‘मेरे लिए तो इतनी चिंता की बात नहीं है,’ रोडिन ने जवाब दिया। ‘अगर कुछ हो भी जाए तो मैं अपना ख्याल रख सकता हूँ। लेकिन कागज़ात ठिकाने लगाने के लिए मुझे कुछ मिनट चाहिए होंगे।’ उन्होंने खिड़की के पास रखी लेखन मेज की ओर इशारा किया, जहाँ उनके ब्रीफ़केस के बगल में एक मोटी मैनीला फ़ाइल पड़ी थी। ‘इसीलिए तो मैं विक्टर को लाया हूँ। चाहे कुछ भी हो जाए, वो मुझे कागज़ात नष्ट करने के लिए साठ सेकंड का समय देगा।’
वे अवश्य ही महत्वपूर्ण होंगे।
‘शायद, शायद।’ फिर भी रोडिन की आवाज़ में संतोष का भाव था। ‘लेकिन हम रेने का इंतज़ार करेंगे। मैंने उसे 11:15 बजे आने को कहा था ताकि आप दोनों कुछ ही सेकंड के अंतराल पर न पहुँचें और विक्टर परेशान न हो। जब उसके आसपास बहुत सारे अनजान लोग होते हैं तो वह घबरा जाता है।’
विक्टर के बाएं बगल में भारी कोल्ट (एक प्रकार की पिस्तौल) रखे होने पर अगर वह घबरा गया तो क्या होगा, यह सोचकर रोडिन ने अपने दुर्लभ मुस्कान में से एक मुस्कान बिखेरी। दरवाजे पर दस्तक हुई। रोडिन कमरे के उस पार गया और लकड़ी पर अपना मुंह रखकर बोला, 'हां?'
इस बार आवाज रेने मोंटक्लेयर की थी, जो घबराई हुई और तनावपूर्ण थी।
‘भगवान के लिए मार्क...’
रोडिन ने दरवाजा खोल दिया। मॉन्टक्लेयर वहाँ खड़ा था, अपने पीछे खड़े उस विशालकाय पोलिश व्यक्ति के सामने बौना लग रहा था। विक्टर की बाईं भुजा ने उसे जकड़ लिया था, जिससे लेखाकार की दोनों भुजाएँ उसकी बगल में दब गई थीं।

“ठीक है, विक्टर,” रोडिन ने अंगरक्षक से धीरे से कहा, और मोंटक्लेयर को रिहा कर दिया गया। वह कृतज्ञतापूर्वक कमरे में दाखिल हुआ और आग के पास कुर्सी पर बैठे कैसन की ओर देखकर मुस्कुराया। दरवाजा फिर बंद हो गया, और रोडिन ने मोंटक्लेयर से विदा ली।
मोंटक्लेयर आगे आए और दोनों ने हाथ मिलाया। उन्होंने अपना ओवरकोट उतार दिया था, जिससे उनका सिकुड़ा हुआ, खराब फिटिंग वाला गहरे भूरे रंग का सूट दिखाई दिया, जो उन पर ठीक से फिट नहीं हो रहा था। वर्दी के आदी अधिकांश पूर्व-सैनिकों की तरह, उन्हें और रोडिन को सूट पहनने का कभी अच्छा अनुभव नहीं हुआ था।
मेज़बान रोडिन ने देखा कि बाकी दोनों कमरे की दो आरामकुर्सियों पर बैठे हैं। उन्होंने अपने लिए उस सादी मेज़ के पीछे वाली सीधी कुर्सी रख ली, जिसका इस्तेमाल वे डेस्क के तौर पर करते थे। उन्होंने बिस्तर के पास वाली अलमारी से फ्रांसीसी ब्रांडी की एक बोतल निकाली और जिज्ञासा से उसे ऊपर उठाया। उनके दोनों मेहमानों ने सिर हिलाया। रोडिन ने तीनों गिलासों में अच्छी मात्रा में ब्रांडी डाली और दो गिलास मोंटक्लेयर और कैसन को दे दिए। उन्होंने पहले पी ली, दोनों यात्रियों ने गर्म शराब को अपने अंदर की ठंडक को दूर करने दिया।
बेडहेड से टेक लगाकर बैठे रेने मोंटक्लेयर कद में छोटे और गठीले थे, रोडिन की तरह ही वे भी सेना के एक पेशेवर अधिकारी थे। लेकिन रोडिन के विपरीत, उन्होंने कभी युद्धक कमान नहीं संभाली थी। अपने जीवन का अधिकांश समय उन्होंने प्रशासनिक विभागों में बिताया था, और पिछले दस वर्षों से वे फॉरेन लीजन के वेतन-लेखा विभाग में कार्यरत थे। 1963 की वसंत ऋतु तक वे ओएएस के कोषाध्यक्ष बन चुके थे।
आंद्रे कैसन एकमात्र नागरिक थे। कद में छोटे और सलीकेदार, वे अभी भी उसी तरह के कपड़े पहनते थे जैसे वे अल्जीरिया में बैंक मैनेजर थे। वे मेट्रोपॉलिटन फ्रांस में ओएएस-सीएनआर भूमिगत संगठन के समन्वयक थे। रोडिन की तरह, दोनों व्यक्ति ओएएस के भीतर भी कट्टरपंथी थे, हालांकि उनके कारण अलग-अलग थे। मोंटक्लेयर का एक बेटा था, उन्नीस साल का लड़का, जो तीन साल पहले अल्जीरिया में अपनी राष्ट्रीय सेवा कर रहा था, जबकि उसके पिता मार्सिले के बाहर विदेशी सेना अड्डे के वेतन-लेखा विभाग का संचालन कर रहे थे। मेजर मोंटक्लेयर ने अपने बेटे का शव कभी नहीं देखा; उसे उस गांव में

दफना दिया गया था, जहां गुरिल्लाओं ने उस युवक को बंदी बनाकर रखा था। लेकिन बाद में उन्होंने उस युवक के साथ जो हुआ, उसकी जानकारी सुनी। सेना में कोई भी बात लंबे समय तक गुप्त नहीं रहती। लोग बातें करते हैं।
आंद्रे कैसन की भूमिका कहीं अधिक गहरी थी। अल्जीरिया में जन्मे, उनका पूरा जीवन उनके काम, उनके फ्लैट और उनके परिवार में ही सिमटा हुआ था। जिस बैंक में वे काम करते थे, उसका मुख्यालय पेरिस में था, इसलिए अल्जीरिया के पतन के बावजूद भी उनकी नौकरी नहीं जाती। लेकिन जब 1960 में बसने वालों ने विद्रोह किया, तो वे उनके साथ थे, अपने गृह नगर कॉन्स्टेंटाइन में वे प्रमुख नेताओं में से एक थे। इसके बाद भी उनकी नौकरी बनी रही, लेकिन जैसे- जैसे एक के बाद एक खाते बंद होते गए और व्यापारी अपना कारोबार बेचकर वापस फ्रांस लौटने लगे, उन्हें एहसास हुआ कि अल्जीरिया में फ्रांसीसी उपस्थिति का सुनहरा दौर समाप्त हो चुका है। सेना के विद्रोह के तुरंत बाद, नई गॉलिस्ट नीति और क्षेत्र के छोटे किसानों और व्यापारियों की दुर्दशा से क्रोधित होकर, जो बर्बाद होकर एक ऐसे देश में भाग रहे थे जिसे उनमें से कई ने शायद ही कभी देखा था, उन्होंने ओएएस इकाई को अपने ही बैंक से तीस मिलियन पुराने फ्रैंक लूटने में मदद की। उनकी मिलीभगत एक कनिष्ठ कैशियर ने देख ली और इसकी सूचना दे दी, और बैंक में उनका करियर समाप्त हो गया। उन्होंने अपनी पत्नी और दो बच्चों को पर्पिग्नन में अपने ससुराल वालों के पास रहने के लिए भेज दिया और खुद ओएएस में शामिल हो गए। उनके लिए उनका महत्व फ्रांस में रहने वाले कई हजार ओएएस समर्थकों के बारे में उनकी व्यक्तिगत जानकारी में निहित था।
मार्क रोडिन अपनी मेज के पीछे बैठ गए और बाकी दोनों को देखने लगे। वे दोनों उत्सुकता से उन्हें देख रहे थे, लेकिन उनके मन में कोई सवाल नहीं था। रोडिन ने सावधानीपूर्वक और व्यवस्थित ढंग से अपनी ब्रीफिंग शुरू की, जिसमें उन्होंने पिछले कुछ महीनों में फ्रांसीसी गुप्त सेवाओं के हाथों ओएएस को मिली असफलताओं और पराजय की बढ़ती सूची पर ध्यान केंद्रित किया। उनके मेहमान उदास निगाहों से अपने गिलासों में देख रहे थे।
हमें सच्चाई का सामना करना ही होगा। पिछले चार महीनों में हमें तीन गंभीर झटके लगे हैं। तानाशाह से फ्रांस को मुक्त कराने के लिए सेना परिषद द्वारा किए गए प्रयास की विफलता, ऐसे कई असफल प्रयासों की सूची में एक और कड़ी है जो शुरू होने से पहले ही विफल हो गए। केवल दो प्रयास जिनमें हमारे जवान

उसके करीब तक पहुँच पाए, वे भी योजना या क्रियान्वयन में हुई बुनियादी गलतियों के कारण नाकाम हो गए। मुझे विस्तार में जाने की ज़रूरत नहीं है, आप सब कुछ मुझसे बेहतर जानते हैं।
‘एंटोइन आर्गौड के अपहरण ने हमें अपने सबसे कुशल नेताओं में से एक से वंचित कर दिया है, और उद्देश्य के प्रति उनकी निष्ठा के बावजूद, इसमें कोई संदेह नहीं है कि उन पर इस्तेमाल की गई पूछताछ की आधुनिक विधियों, जिनमें संभवतः नशीली दवाओं का प्रयोग भी शामिल था, के कारण सुरक्षा की दृष्टि से पूरा संगठन खतरे में है। एंटोइन को सब कुछ पता था, और अब हमें लगभग नए सिरे से शुरुआत करनी होगी। इसीलिए हम म्यूनिख स्थित अपने मुख्यालय के बजाय एक गुमनाम होटल में बैठे हैं।’
लेकिन अगर एक साल पहले की बात होती तो बिल्कुल नए सिरे से शुरुआत करना इतना बुरा नहीं होता। तब हम हजारों उत्साही और देशभक्ति से भरे स्वयंसेवकों को बुला सकते थे। अब यह इतना आसान नहीं है। जीन-मैरी बास्टियन-थिरी की हत्या से हालात और बिगड़ गए हैं। मैं अपने समर्थकों को बहुत ज्यादा दोष नहीं देता। हमने उनसे परिणाम का वादा किया था, लेकिन उन्हें कुछ नहीं दिया। उन्हें परिणाम की उम्मीद करने का अधिकार है, न कि सिर्फ बातों का।
‘ठीक है, ठीक है। आप कहना क्या चाहते हैं?’ मोंटक्लेयर ने कहा। दोनों श्रोता जानते थे कि रोडिन सही कह रहे थे। मोंटक्लेयर को यह बात सबसे अच्छी तरह समझ आती थी कि अल्जीरिया भर में बैंकों को लूटकर जो धन कमाया जाता था, वह संगठन के संचालन के खर्चों में ही खर्च हो जाता था, और दक्षिणपंथी उद्योगपतियों से मिलने वाला दान कम होता जा रहा था। हाल ही में उनके प्रयासों को खुलेआम तिरस्कार का सामना करना पड़ा था। कैसन जानते थे कि फ्रांस में भूमिगत संगठन से उनका संपर्क हर हफ्ते कमजोर होता जा रहा था, उनके गुप्त ठिकानों पर छापे पड़ रहे थे और अर्गुद की गिरफ्तारी के बाद कई लोगों ने अपना समर्थन वापस ले लिया था। बैस्टियन-थिरी की फांसी से यह प्रक्रिया और तेज हो सकती थी। रोडिन द्वारा दिया गया सारांश सच था, लेकिन फिर भी सुनने में उतना सुखद नहीं था।
रोडिन ने ऐसे बोलना जारी रखा मानो कोई रुकावट हुई ही न हो।
अब हम ऐसी स्थिति में पहुँच गए हैं जहाँ फ्रांस को मुक्त कराने के हमारे उद्देश्य का मुख्य लक्ष्य, ग्रैंड ज़ोहरा का निपटारा, जिसके बिना आगे की सभी योजनाएँ निश्चित रूप से विफल हो जाएँगी, पारंपरिक तरीकों से लगभग

असंभव हो गया है। महोदय, मैं और अधिक देशभक्त नौजवानों को ऐसी योजनाओं में शामिल करने से हिचकिचा रहा हूँ जिनके फ्रांसीसी गेस्टापो से कुछ दिनों से अधिक समय तक गुप्त रहने की संभावना बहुत कम है। संक्षेप में, बहुत सारे मुखबिर हैं, बहुत सारे पथभ्रष्ट हैं, बहुत सारे विद्रोही हैं।
इसका फायदा उठाते हुए, गुप्त पुलिस ने अब आंदोलन में इतनी घुसपैठ कर ली है कि हमारी सर्वोच्च परिषदों की चर्चाएँ भी उन्हें लीक हो रही हैं। ऐसा लगता है कि निर्णय लिए जाने के कुछ ही दिनों के भीतर उन्हें पता चल जाता है कि हम क्या इरादा रखते हैं, हमारी योजनाएँ क्या हैं और हमारे कर्मी कौन हैं। इस स्थिति का सामना करना निस्संदेह अप्रिय है, लेकिन मुझे विश्वास है कि यदि हम इसका सामना नहीं करेंगे तो हम मूर्खों की दुनिया में जीते रहेंगे। 'मेरे अनुमान में, ज़ोहरा की हत्या जैसे हमारे पहले उद्देश्य को पूरा करने का केवल एक ही तरीका बचा है, जिससे जासूसों और एजेंटों के पूरे नेटवर्क को दरकिनार किया जा सके, गुप्त पुलिस को उसके लाभों से वंचित किया जा सके और उन्हें ऐसी स्थिति का सामना करना पड़े जिसके बारे में वे न केवल अनभिज्ञ हैं, बल्कि यदि वे इसके बारे में जानते भी हों तो भी वे इसे शायद ही विफल कर सकें।'
मोंटक्लेयर और कैसन ने झट से ऊपर देखा। शयनकक्ष में सन्नाटा पसरा हुआ था, जो केवल खिड़की के शीशे पर बारिश की बूंदों की छिटपुट आवाज से टूट रहा था। ‘अगर हम यह मान लें कि स्थिति के बारे में मेरा आकलन, दुर्भाग्य से, सही है,’ रोडिन ने आगे कहा, ‘तो हमें यह भी मानना होगा कि जिन लोगों को हम अब ग्रैंड ज़ोहरा को खत्म करने के लिए तैयार और सक्षम मानते हैं, वे सभी गुप्त पुलिस की नज़र में हैं। उनमें से कोई भी फ्रांस के अंदर एक भगोड़े जानवर की तरह ही घूम सकता है, जिसका पीछा न केवल पारंपरिक पुलिस बल कर रहे हैं, बल्कि मुखबिर और जासूस भी उन्हें धोखा दे रहे हैं। मेरा मानना है, सज्जनों, कि हमारे पास एकमात्र विकल्प यही बचा है कि हम किसी बाहरी व्यक्ति की सेवाएं लें।’
मोंटक्लेयर और कैसन ने पहले तो हैरानी से, फिर धीरे-धीरे समझ में आने वाली बातों से उसकी ओर देखा।
'किस तरह का बाहरी व्यक्ति?' कैसन ने काफी देर बाद पूछा।
रोडिन ने कहा, ‘यह ज़रूरी होगा कि यह आदमी, चाहे वह कोई भी हो, एक विदेशी हो।
वह ओएएस या सीएनआर का सदस्य नहीं होगा। फ्रांस में कोई भी पुलिसवाला उसे

नहीं जानता होगा, न ही उसका नाम किसी फाइल में होगा। सभी तानाशाही सरकारों की कमजोरी यही होती है कि वे विशाल नौकरशाही होती हैं। जो फाइल में नहीं होता, उसका कोई अस्तित्व नहीं होता। हत्यारा एक अज्ञात व्यक्ति होगा और इसलिए उसका कोई अस्तित्व नहीं होगा। वह विदेशी पासपोर्ट पर यात्रा करेगा, अपना काम करेगा और अपने देश वापस गायब हो जाएगा, जबकि फ्रांस की जनता डी गॉल के देशद्रोही गिरोह के बचे-खुचे अंशों को मिटाने के लिए उठ खड़ी होगी। उस आदमी का बाहर निकलना उतना महत्वपूर्ण नहीं होगा, क्योंकि सत्ता में आने के बाद हम उसे वैसे भी रिहा कर देंगे। महत्वपूर्ण बात यह है कि वह बिना किसी की नज़र में आए और बिना किसी शक के अंदर आ सके। फिलहाल हममें से कोई भी ऐसा नहीं कर सकता।’
दोनों श्रोता मौन थे, एक-दूसरे के निजी विचारों में खोए हुए थे, क्योंकि रोडिन की योजना उनके दिमाग में भी आकार ले रही थी।
मोंटक्लेयर ने धीमी सी सीटी बजाई।
एक पेशेवर हत्यारा, एक भाड़े का सैनिक।
‘बिल्कुल सही,’ रोडिन ने जवाब दिया। ‘यह मानना सरासर गलत होगा कि कोई बाहरी व्यक्ति हमारे प्रति प्रेम, देशभक्ति या सिर्फ मजे के लिए ऐसा काम करेगा।
इस तरह के ऑपरेशन के लिए आवश्यक कौशल और साहस पाने के लिए हमें एक सच्चे पेशेवर को ही नियुक्त करना होगा। और ऐसा आदमी सिर्फ पैसों के लिए ही काम करेगा, ढेर सारे पैसों के लिए,’ उन्होंने मोंटक्लेयर की ओर जल्दी से देखते हुए कहा।
'लेकिन हमें कैसे पता चलेगा कि हमें ऐसा आदमी मिल सकता है?' कैसन ने पूछा। रोडिन ने अपना हाथ ऊपर उठाया।
‘सबसे पहले, सज्जनों। जाहिर है, इसमें बहुत सारी बारीकियाँ हैं जिन पर काम करना बाकी है। सबसे पहले मैं यह जानना चाहता हूँ कि क्या आप सैद्धांतिक रूप से इस विचार से सहमत हैं।’
मोंटक्लेयर और कैसन ने एक-दूसरे की ओर देखा। दोनों ने रोडिन की ओर मुड़कर धीरे से सिर हिलाया।
‘ठीक है’। रोडिन कुर्सी पर जितना पीछे झुक सकते थे, झुक गए। ‘तो पहला मुद्दा सुलझ गया – सैद्धांतिक सहमति। दूसरा मुद्दा सुरक्षा से संबंधित है और यह पूरे विचार का मूल आधार है। मेरी राय में, ऐसे लोगों की संख्या लगातार कम होती जा रही है जिन पर सूचना लीक होने के संभावित स्रोत के रूप में बिल्कुल

भी संदेह नहीं किया जा सकता। इसका यह मतलब नहीं है कि मैं ओएएस या सीएनआर में अपने किसी भी सहयोगी को इस उद्देश्य के लिए गद्दार मानता हूँ, ऐसा बिल्कुल नहीं है। लेकिन यह एक पुरानी कहावत है कि जितने अधिक लोग किसी रहस्य को जानते हैं, वह रहस्य उतना ही कम सुरक्षित हो जाता है। इस विचार का मूल सार पूर्ण गोपनीयता है। इसलिए, जितने कम लोग इसके बारे में जानते हों, उतना ही बेहतर है।’
ओएएस के भीतर भी ऐसे घुसपैठिए हैं जिन्होंने महत्वपूर्ण पद हासिल कर लिए हैं और फिर भी हमारी योजनाओं की जानकारी गुप्त पुलिस को देते हैं। इन लोगों का समय एक दिन आएगा, लेकिन फिलहाल ये खतरनाक हैं। सीएनआर के राजनेताओं में ऐसे लोग भी हैं जो या तो बहुत डरपोक हैं या इतने कायर हैं कि उस परियोजना की पूरी गंभीरता को समझ ही नहीं पाते जिसके प्रति उन्होंने प्रतिबद्ध होने का वादा किया है। मैं ऐसे लोगों को बेवजह और अनावश्यक रूप से किसी व्यक्ति के अस्तित्व की जानकारी देकर उसकी जान को खतरे में नहीं डालना चाहता।
मैंने तुम्हें, रेने, और तुम्हें, आंद्रे, यहाँ इसलिए बुलाया है क्योंकि मुझे इस उद्देश्य के प्रति तुम्हारी निष्ठा और रहस्य को गुप्त रखने की तुम्हारी क्षमता पर पूरा भरोसा है। इसके अलावा, मेरी योजना के लिए कोषाध्यक्ष और वेतन प्रबंधक के रूप में तुम्हारा, रेने, सक्रिय सहयोग आवश्यक है ताकि किसी भी पेशेवर हत्यारे द्वारा माँगी जाने वाली राशि का भुगतान किया जा सके। आंद्रे, तुम्हारा सहयोग यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक होगा कि ऐसे व्यक्ति को फ्रांस के भीतर कुछ ऐसे वफादार लोगों की सहायता मिले, जिनकी उसे आवश्यकता पड़ने पर मदद की ज़रूरत हो।
लेकिन मुझे कोई कारण नजर नहीं आता कि इस विचार की जानकारी हम तीनों से आगे क्यों जानी चाहिए। इसलिए मैं आप लोगों से यह प्रस्ताव करता हूं कि हम अपनी एक समिति बनाएं जो इस विचार, इसकी योजना, क्रियान्वयन और आर्थिक सहायता की पूरी जिम्मेदारी ले।
फिर सन्नाटा छा गया। आखिरकार मोंटक्लेयर ने कहा, 'आपका मतलब है कि हम ओएएस की पूरी परिषद, पूरे सीएनआर को ही हटा दें? उन्हें यह पसंद नहीं आएगा।' ‘पहली बात तो ये है कि उन्हें इसके बारे में पता ही नहीं चलेगा,’ रोडिन ने शांत भाव से जवाब दिया। ‘अगर हम ये विचार उन सबको बता दें, तो इसके लिए एक पूर्ण बैठक बुलानी पड़ेगी। इससे ही सबका ध्यान आकर्षित हो जाएगा और

बारबूज़ (पुलिस अधिकारी) यह पता लगाने में जुट जाएंगे कि पूर्ण बैठक किसलिए बुलाई गई है। हो सकता है कि दोनों परिषदों में से किसी एक में कोई जानकारी लीक हो जाए। अगर हम बारी-बारी से हर सदस्य से मिलें, तो सैद्धांतिक मंजूरी मिलने में ही हफ़्ते लग जाएंगे। फिर जैसे-जैसे योजना का हर चरण पूरा होता जाएगा, वे सभी विवरण जानना चाहेंगे। आप जानते ही हैं कि ये कमीने राजनेता और समिति के सदस्य कैसे होते हैं। वे बस जानने के लिए सब कुछ जानना चाहते हैं। वे कुछ नहीं करते, लेकिन नशे में या लापरवाही से बोले गए एक शब्द से ही पूरा काम खतरे में पड़ सकता है।’
दूसरे, अगर ओएएस और सीएनआर की पूरी परिषद इस विचार पर सहमत हो भी जाए, तो भी हम आगे नहीं बढ़ पाएंगे और लगभग तीस लोगों को ही इसके बारे में पता चलेगा। दूसरी ओर, अगर हम आगे बढ़ते हैं, ज़िम्मेदारी लेते हैं और यह योजना विफल हो जाती है, तो भी हम अभी की स्थिति से पीछे नहीं हटेंगे। आरोप-प्रत्यारोप तो ज़रूर होंगे, लेकिन इससे ज़्यादा कुछ नहीं। अगर योजना सफल हो जाती है, तो हम सत्ता में होंगे और उस समय कोई बहस नहीं करेगा। तानाशाह को हटाने के सटीक तरीके एक अकादमिक मुद्दा बनकर रह जाएंगे। संक्षेप में, क्या आप दोनों मेरे द्वारा बताए गए इस विचार के एकमात्र योजनाकार, आयोजक और संचालक के रूप में मेरे साथ जुड़ने के लिए सहमत हैं?
मॉन्टक्लेयर और कैसन ने एक बार फिर एक-दूसरे को देखा, रोडिन की ओर मुड़े और सिर हिलाया। तीन महीने पहले अर्गुद के अपहरण के बाद यह उनकी पहली मुलाकात थी। जब अर्गुद ने पदभार संभाला था, तब रोडिन चुपचाप पृष्ठभूमि में रहे थे। अब वे अपने दम पर एक नेता के रूप में उभरे थे। भूमिगत संगठन के प्रमुख और वित्त मंत्रालय के मुखिया उनसे प्रभावित थे।
रोडिन ने उन दोनों को देखा, धीरे से सांस छोड़ी और मुस्कुराया।
“अच्छा,” उन्होंने कहा, “अब चलिए विस्तार से बात करते हैं। पेशेवर भाड़े के हत्यारे का इस्तेमाल करने का विचार सबसे पहले मेरे मन में उस दिन आया जब मैंने रेडियो पर सुना कि बेचारे बास्टियन-थिरी की हत्या कर दी गई है। तब से मैं उस आदमी की तलाश कर रहा हूँ जिसे हम चाहते हैं। जाहिर है, ऐसे आदमी मिलना मुश्किल है; वे खुद का प्रचार नहीं करते। मैं मार्च के मध्य से खोज कर रहा हूँ, और इसका नतीजा इन शब्दों में सामने आया है।”

उसने अपनी मेज पर पड़े तीन मैनीला फोल्डर ऊपर उठाए, मोंटक्लेयर और कैसन ने एक बार फिर एक-दूसरे की ओर देखा, भौंहें उठाईं और चुप रहे। रोडिन ने बोलना फिर शुरू किया।
'मुझे लगता है कि बेहतर होगा कि आप दस्तावेज़ों का अध्ययन कर लें, फिर हम अपनी पहली पसंद पर चर्चा कर सकते हैं। व्यक्तिगत रूप से, मैंने तीनों को वरीयता क्रम में सूचीबद्ध किया है, ताकि यदि पहली सूची में शामिल व्यक्ति नौकरी न ले पाए या न लेना चाहे तो दूसरी पसंद का विकल्प चुन सकूँ। प्रत्येक दस्तावेज़ की केवल एक ही प्रति है, इसलिए आपको उन्हें आपस में बदलना होगा।' उसने मैनीला फोल्डर में हाथ डाला और तीन पतली फाइलें निकालीं। उसने एक फाइल मोंटक्लेयर को और दूसरी कैसन को दी। तीसरी फाइल उसने अपने पास रखी, लेकिन उसे पढ़ने की जहमत नहीं उठाई। वह तीनों फाइलों की विषयवस्तु से भलीभांति परिचित था।
पढ़ने के लिए बहुत कम सामग्री थी। रोडिन द्वारा 'संक्षिप्त' फाइल का जिक्र निराशाजनक रूप से सटीक था। कैसन ने सबसे पहले अपनी फाइल पूरी की, रोडिन की ओर देखा और मुंह बनाया।
'बस इतना ही?'
‘ऐसे लोग अपने बारे में जानकारी आसानी से उपलब्ध नहीं कराते,’ रोडिन ने उत्तर दिया। ‘यह वाली फाइल देखो।’ उन्होंने अपने हाथ में पकड़ी हुई फाइल कैसन को थमा दी।
कुछ देर बाद मोंटक्लेयर ने भी अपना काम खत्म कर लिया और अपनी फाइल रोडिन को वापस दे दी, जिन्होंने उन्हें कैसन द्वारा अभी-अभी पूरी की गई फाइल दे दी। दोनों फिर से पढ़ने में मग्न हो गए। इस बार मोंटक्लेयर ने पहले काम खत्म किया। उन्होंने रोडिन की ओर देखा और कंधे उचका दिए।
‘खैर... ज्यादा जानकारी तो नहीं है, लेकिन यकीनन हमारे पास ऐसे पचास आदमी होंगे। बंदूकधारी तो आम बात हैं...’
कैसन ने बीच में ही उनकी बात काट दी।
‘एक मिनट रुकिए, इसे देखिए।’ उन्होंने आखिरी पन्ना पलटा और बाकी तीन पैराग्राफों पर सरसरी नज़र डाली। जब उन्होंने पढ़ लिया तो फाइल बंद कर दी और रोडिन की ओर देखा। ओएएस प्रमुख ने अपनी पसंद के बारे में कुछ भी नहीं बताया। उन्होंने कैसन द्वारा पढ़ी गई फाइल ली और मोंटक्लेयर को दे दी।

कैसन को उन्होंने फोल्डरों में से तीसरा फोल्डर दिया। दोनों ने चार मिनट बाद एक साथ पढ़ना समाप्त किया।
रोडिन ने फ़ोल्डर समेटे और उन्हें लेखन मेज पर वापस रख दिया। उन्होंने सीधी पीठ वाली कुर्सी उठाई, उसे उल्टा किया और आग की ओर खींच लिया, फिर पीठ पर हाथ रखकर उस पर बैठ गए। इस स्थिति से उन्होंने बाकी दोनों कुर्सियों का अवलोकन किया।
“खैर, मैंने तुमसे कहा था कि यह एक छोटा बाज़ार है। इस तरह का काम करने वाले और भी लोग हो सकते हैं, लेकिन किसी अच्छी गुप्त सेवा की फाइलों तक पहुँच के बिना, उन्हें ढूँढ़ना बेहद मुश्किल है। और शायद सबसे अच्छे लोग तो किसी भी फाइल में हैं ही नहीं। तुमने तीनों को देख लिया है। फिलहाल हम उन्हें जर्मन, दक्षिण अफ्रीकी और अंग्रेज कहेंगे। आंद्रे?”
कैसन ने कंधे उचकाते हुए कहा, 'मेरे लिए तो इसमें कोई बहस ही नहीं है। अगर उनका रिकॉर्ड सही है, तो अंग्रेज उनसे बहुत आगे हैं।'
‘रेने?’
‘मैं सहमत हूँ। जर्मन अब इस तरह के कामों के लिए थोड़ा बूढ़ा हो गया है। बचे हुए नाज़ियों के लिए इज़राइली एजेंटों के खिलाफ़ कुछ काम करने के अलावा, उसने राजनीतिक क्षेत्र में ज़्यादा कुछ नहीं किया है। इसके अलावा, यहूदियों के खिलाफ़ उसकी प्रेरणाएँ शायद व्यक्तिगत हैं, इसलिए पूरी तरह से पेशेवर नहीं। दक्षिण अफ़्रीकी शायद लुमुम्बा जैसे नीग्रो राजनेताओं के टुकड़े-टुकड़े करने में ठीक महसूस करे, लेकिन यह फ़्रांस के राष्ट्रपति को गोली मारने से बहुत अलग बात है। इसके अलावा, अंग्रेज़ धाराप्रवाह फ़्रेंच बोलता है।’
रोडिन ने धीरे से सिर हिलाया। 'मुझे नहीं लगता था कि इसमें कोई खास संदेह होगा। उन दस्तावेजों को संकलित करने से पहले ही, यह चुनाव बिल्कुल स्पष्ट लग रहा था।'
कैसन ने पूछा, 'क्या आपको इस एंग्लो-सैक्सन के बारे में पूरा यकीन है? क्या उसने सचमुच वे काम किए हैं?'
‘मैं खुद हैरान था,’ रोडिन ने कहा। ‘इसलिए मैंने इस पर अतिरिक्त समय लगाया। जहाँ तक पक्के सबूत की बात है, ऐसा कोई सबूत नहीं है। अगर होता भी तो यह एक बुरा संकेत होता। इसका मतलब होता कि उसे हर जगह अवांछित अप्रवासी के रूप में सूचीबद्ध किया जाता। फिलहाल, उसके खिलाफ अफवाहों के अलावा कुछ भी नहीं

है। औपचारिक रूप से, उसका रिकॉर्ड एकदम साफ है। भले ही अंग्रेजों ने उसे सूचीबद्ध कर लिया हो, वे उसके खिलाफ सिर्फ एक प्रश्नचिह्न ही लगा सकते हैं। इससे उसे इंटरपोल में दर्ज करने का कोई औचित्य नहीं बनता। औपचारिक जाँच होने पर भी, इस बात की संभावना बहुत कम है कि अंग्रेज एसडीईसीई को ऐसे व्यक्ति के बारे में सूचना देंगे। आप जानते हैं कि वे एक-दूसरे से कितनी नफरत करते हैं। उन्होंने पिछले जनवरी में जॉर्ज बिडॉल्ट के लंदन में होने पर भी चुप्पी साध रखी थी। नहीं, इस तरह के काम के लिए अंग्रेज के पास एक को छोड़कर बाकी सभी फायदे हैं...’
‘यह क्या है?’ मोंटक्लेयर ने झट से पूछा।
‘सीधी बात है। वो सस्ता नहीं होगा। उसके जैसा आदमी बहुत पैसे मांग सकता है। रेने, तुम्हारी आर्थिक स्थिति कैसी है?’
मोंटक्लेयर ने कंधे उचकाते हुए कहा, 'हालात कुछ खास अच्छे नहीं हैं। खर्च थोड़ा कम हो गया है। आर्गौड कांड के बाद से सीएनआर के सारे हीरो सस्ते होटलों में छिप गए हैं। लगता है उन्हें पांच सितारा महलों और टीवी इंटरव्यू में कोई दिलचस्पी नहीं रही। दूसरी तरफ आमदनी भी बहुत कम हो गई है। जैसा कि आपने कहा, कुछ तो करना ही पड़ेगा वरना पैसों की कमी से हमारा काम ठप हो जाएगा। इस तरह का काम सिर्फ प्यार और दुलार के भरोसे नहीं चल सकता।'
रोडिन ने गंभीर भाव से सिर हिलाया। 'मुझे यही लगा था। हमें कहीं न कहीं से कुछ पैसे जुटाने होंगे। दूसरी ओर, जब तक हमें यह पता न चल जाए कि हमें कितने पैसों की ज़रूरत होगी, तब तक इस तरह की कार्रवाई करने का कोई फायदा नहीं होगा...'
कैसन ने बीच में ही सहजता से बात काटते हुए कहा, 'जिसका अर्थ यह है कि अगला कदम अंग्रेज से संपर्क करना और उससे पूछना है कि क्या वह यह काम करेगा और कितने में करेगा।'
‘जी हाँ, तो क्या हम सब इस बात पर सहमत हैं?’ रोडिन ने बारी-बारी से दोनों आदमियों की ओर देखा। दोनों ने सिर हिलाया। रोडिन ने अपनी घड़ी देखी। ‘अभी एक बजने वाला है। लंदन में मेरा एक एजेंट है जिसे मुझे अभी फोन करना होगा और उससे कहना होगा कि वह इस आदमी से संपर्क करे और उसे आने के लिए कहे। अगर वह आज शाम की फ्लाइट से वियना आने को तैयार है, तो हम रात के खाने के बाद यहाँ उससे मिल सकते हैं। वैसे भी, जब मेरा एजेंट वापस फोन करेगा तो हमें

पता चल जाएगा। मैंने गलियारे के नीचे अगल-बगल के कमरों में आप दोनों के लिए कमरा बुक करवा दिया है। मुझे लगता है कि विक्टर की सुरक्षा में साथ रहना अलग-अलग रहने और बिना किसी सुरक्षा के रहने से ज़्यादा सुरक्षित होगा। बस एहतियात के तौर पर, आप समझ रहे हैं ना?’
'आपको काफी हद तक यकीन था, है ना?' कैसन ने इस तरह से भविष्यवाणी किए जाने पर चिढ़ते हुए पूछा।
रोडिन ने कंधे उचकाते हुए कहा, 'यह जानकारी जुटाने में काफी लंबा समय लगा है। अब जितना कम समय बर्बाद हो उतना अच्छा है। अगर हमें आगे बढ़ना ही है, तो अब हमें तेजी से काम करना चाहिए।'
वह उठा और बाकी दोनों भी उसके साथ उठ गए। रोडिन ने विक्टर को बुलाया और उसे नीचे हॉल में जाकर कमरा नंबर 65 और 66 की चाबियां लाने और वापस ऊपर लाने को कहा। इंतज़ार करते हुए उसने मोंटक्लेयर और कैसन से कहा, 'मुझे मुख्य डाकघर से फोन करना है। मैं विक्टर को अपने साथ ले जाऊंगा। मेरे जाने के दौरान आप दोनों एक कमरे में दरवाजा बंद करके साथ रहना। मेरा संकेत तीन बार दरवाजा खटखटाना, थोड़ी देर रुकना, फिर दो बार और खटखटाना होगा।'
यह वही जाना-पहचाना तीन-प्लस-दो का चिन्ह था जो 'अल्जीरिया फ्रांसेज़' शब्दों की लय बनाता था, जिसे पेरिस के वाहन चालक पिछले वर्षों में गॉलिस्ट नीति के प्रति अपनी असहमति व्यक्त करने के लिए अपनी कारों के हॉर्न बजाकर इस्तेमाल करते थे।
‘वैसे,’ रोडिन ने आगे कहा, ‘क्या आप दोनों में से किसी के पास बंदूक है?’ दोनों आदमियों ने सिर हिलाया। रोडिन डेस्क पर गए और अपने निजी इस्तेमाल के लिए रखी एक भारी-भरकम एमएबी 9 मिमी पिस्तौल निकाली। उन्होंने मैगज़ीन चेक की, उसे वापस लगाया और ब्रीच में गोली भर दी। उन्होंने पिस्तौल मॉन्टक्लेयर की ओर बढ़ाते हुए पूछा, 'क्या तुम इस पिस्तौल को जानते हो?' मोंटक्लेयर ने सिर हिलाया। 'ठीक है,' उसने कहा और उसे ले लिया।
विक्टर वापस आया और उन दोनों को मोंटक्लेयर के कमरे तक ले गया। जब वह लौटा तो रोडिन अपना ओवरकोट बटन लगा रहा था।
‘आइए, कॉर्पोरल, हमें काम करना है।’
उस शाम लंदन से वियना जा रहा बीईए वैनगार्ड विमान जैसे-जैसे शाम ढलती गई, श्वेचैट हवाई अड्डे पर उतरा। विमान के पिछले हिस्से के पास खिड़की के करीब अपनी सीट पर बैठा गोरा अंग्रेज विमान के पास से तेज़ी से गुज़रती हुई

रोशनी को निहार रहा था। उसे हमेशा उन रोशनी को करीब आते देखना सुखद लगता था, जब तक कि यह निश्चित न हो जाए कि विमान अब नीचे के घास के मैदान में उतरने वाला है। ठीक आखिरी क्षण में, धुंधली रोशनी से जगमगाती घास, किनारे पर लगे क्रमांकित पैनल और रोशनी सब गायब हो गए, उनकी जगह काली चिकनी कंक्रीट दिखाई दी और पहिए आखिरकार ज़मीन पर उतर गए। उतरने की इस सटीक प्रक्रिया ने उसे आकर्षित किया। उसे सटीकता पसंद थी।
पिकाडिली स्थित फ्रांसीसी पर्यटन कार्यालय का युवा फ्रांसीसी कर्मचारी उसके बगल में खड़ा था और घबराकर उसकी ओर देख रहा था। दोपहर के भोजन के समय आए फोन कॉल के बाद से वह बहुत परेशान था। लगभग एक साल पहले पेरिस में छुट्टी के दौरान उसने ओएएस (फ्रांसीसी पर्यटन विभाग) को अपनी सेवाएं देने की पेशकश की थी, लेकिन तब से उसे बस लंदन में अपने डेस्क पर बैठे रहने के लिए कहा गया था। उसके नाम से संबोधित, लेकिन 'प्रिय पियरे...' से शुरू होने वाले किसी भी पत्र या फोन कॉल का तुरंत और सटीक रूप से पालन किया जाना चाहिए था। तब से लेकर आज 15 जून तक कुछ भी नहीं हुआ।
ऑपरेटर ने उसे बताया कि वियना से उसके लिए एक कॉल है, और फिर फ्रांस के उसी नाम के शहर से अलग करने के लिए उसमें 'एन ऑस्ट्रिया' जोड़ दिया। उसने हैरानी से कॉल उठाया और दूसरी आवाज़ ने उसे 'मेरे प्यारे पियरे' कहकर पुकारा। उसे अपना कोडनेम याद करने में कुछ सेकंड लग गए।
दोपहर के भोजन के बाद माइग्रेन का बहाना बनाकर वह साउथ ऑडली स्ट्रीट के पास वाले फ्लैट में गया और दरवाज़ा खोलने वाले अंग्रेज को संदेश दिया। अंग्रेज को इस बात पर ज़रा भी हैरानी नहीं हुई कि उसे तीन घंटे में वियना के लिए उड़ान भरने को कहा गया है। उसने चुपचाप अपना सामान पैक किया और दोनों टैक्सी से हीथ्रो हवाई अड्डे के लिए रवाना हो गए। फ्रांसीसी ने यह स्वीकार किया कि उसने नकद भुगतान करने के बारे में नहीं सोचा था और वह केवल अपना पासपोर्ट और चेकबुक ही लाया था, जिसके बाद अंग्रेज ने शांत भाव से नोटों का एक बंडल निकाला, जिससे दो वापसी टिकट खरीदे जा सकते थे।
तब से उन दोनों के बीच शायद ही कोई बातचीत हुई थी। अंग्रेज ने उनसे यह नहीं पूछा था कि वे वियना में कहाँ जा रहे हैं, किससे मिलने वाले हैं, या क्यों, जो कि अच्छा ही था क्योंकि फ्रांसीसी को भी इसका पता नहीं था। उसे बस इतना निर्देश दिया गया था कि वह लंदन हवाई अड्डे से वापस फोन करके बीईए की उड़ान से अपने आगमन की पुष्टि करे, और उसे श्वेचैट पहुँचने पर जनरल इन्फॉर्मेशन

विभाग में रिपोर्ट करने को कहा गया था। इन सब बातों से वह घबरा गया था, और उसके बगल में बैठे अंग्रेज की संयमित शांति, मदद करने के बजाय, स्थिति को और बिगाड़ रही थी।
मुख्य हॉल में सूचना डेस्क पर उसने अपना नाम उस खूबसूरत ऑस्ट्रियाई लड़की को बताया, जिसने अपने पीछे बने खानों में अपना नाम ढूंढा और फिर उसे एक छोटा सा संदेश पत्र थमा दिया। उस पर बस इतना लिखा था: '61.44.03 पर कॉल करें, शुल्ज़ से बात करें।' वह मुड़ा और मुख्य हॉल के पीछे बने सार्वजनिक फोन बूथों की ओर चल पड़ा। अंग्रेज ने उसके कंधे पर थपथपाया और 'वेक्सेल' लिखे बूथों की ओर इशारा किया।
उन्होंने धाराप्रवाह फ्रेंच में कहा, 'आपको कुछ सिक्कों की जरूरत पड़ेगी। ऑस्ट्रियाई लोग भी इतने उदार नहीं होते।'
फ्रांसीसी शर्म से लाल हो गया और पैसे बदलने वाले काउंटर की ओर बढ़ गया, जबकि अंग्रेज दीवार के पास लगे गद्देदार सोफे के एक कोने में आराम से बैठ गया और एक और बड़ा सा इंग्लिश फिल्टर सिगरेट जला ली। एक मिनट में उसका गाइड कुछ ऑस्ट्रियाई नोट और मुट्ठी भर सिक्के लेकर वापस आ गया। फ्रांसीसी टेलीफोन काउंटर की ओर गया, एक खाली बूथ ढूंढा और डायल किया। दूसरी तरफ से श्री शुल्ज़ ने उसे संक्षिप्त और सटीक निर्देश दिए। कुछ ही सेकंड में फोन कट गया।
वह युवक फ्रांसीसी सोफे पर वापस आया और उस गोरी लड़की ने उसकी ओर देखा। ‘On y va?’ उसने पूछा।
‘चलते हैं।’ जैसे ही वह जाने के लिए मुड़ा, फ्रांसीसी ने टेलीफोन नंबर वाला संदेश पत्र मोड़कर ज़मीन पर गिरा दिया। अंग्रेज ने उसे उठाया, खोला और लाइटर की लौ के पास ले गया। वह एक पल के लिए चमका और फिर शानदार स्वेड बूट के नीचे काले चूरे बनकर गायब हो गया। वे चुपचाप इमारत से बाहर निकले और एक टैक्सी रोकी।
शहर का केंद्र रोशनी से जगमगा रहा था और कारों से भरा हुआ था, इसलिए टैक्सी को पेंशन क्लेस्ट पहुंचने में चालीस मिनट लग गए।
'यहीं से हम अलग हो जाएंगे। मुझे आपको यहां लाने के लिए कहा गया था, लेकिन आपको टैक्सी कहीं और लेनी है। आपको सीधे कमरा नंबर 64 में जाना है। आपका इंतजार हो रहा है।'

अंग्रेज ने सिर हिलाया और कार से बाहर निकल गया। ड्राइवर ने फ्रांसीसी की ओर जिज्ञासा भरी नज़र से देखा। 'आगे बढ़ो,' उसने कहा और टैक्सी सड़क पर आगे निकल गई। अंग्रेज ने सड़क के नामपट्ट पर लिखे पुराने गॉथिक अक्षरों पर एक नज़र डाली, फिर पेंशन क्लेस्ट के दरवाजे के ऊपर लिखे वर्गाकार रोमन अक्षरों पर। अंत में उसने अपनी आधी जली सिगरेट फेंक दी और अंदर चला गया। ड्यूटी पर तैनात क्लर्क की पीठ मुड़ी हुई थी, लेकिन दरवाज़ा चरमराया। डेस्क की ओर आने का कोई संकेत दिए बिना ही अंग्रेज सीढ़ियों की ओर चल पड़ा। क्लर्क पूछने ही वाला था कि उसे क्या चाहिए, तभी आगंतुक ने उसकी ओर देखा, किसी अन्य कर्मचारी की तरह सहजता से सिर हिलाया और दृढ़ता से कहा, 'शुभ संध्या।'
‘शुभ संध्या, मेरे स्वामी’ क्लर्क ने स्वतः ही उत्तर दिया और जब तक उसने बोलना समाप्त किया, तब तक वह गोरा आदमी जा चुका था, बिना किसी हड़बड़ी के दो-दो सीढ़ियाँ चढ़ता हुआ। ऊपर पहुँचकर वह रुका और सामने दिख रहे इकलौते गलियारे में नीचे की ओर देखा। दूसरे छोर पर कमरा नंबर 68 था। उसने गलियारे में पीछे की ओर गिनती शुरू की, जो निश्चित रूप से 64 होगा, हालाँकि अंक दिखाई नहीं दे रहे थे।
उसके और 64 नंबर के दरवाजे के बीच बीस फीट का गलियारा था, जिसकी दीवारों पर दाईं ओर 64 नंबर से पहले दो अन्य दरवाजे थे, और बाईं ओर एक छोटा सा कोना था जो सस्ते पीतल की छड़ से लटके लाल मखमली कपड़े से आंशिक रूप से ढका हुआ था। उसने आले का ध्यानपूर्वक निरीक्षण किया। फर्श से चार इंच ऊपर लटके पर्दे के नीचे से एक काले जूते का अंगूठा थोड़ा सा दिखाई दे रहा था। वह मुड़ा और वापस लॉबी की ओर चल पड़ा। इस बार क्लर्क तैयार था। कम से कम वह अपना मुंह तो खोल पाया।
‘कृपया मुझे कमरा नंबर 64 दीजिए,’ अंग्रेज ने कहा। क्लर्क ने एक पल के लिए उसकी ओर देखा, फिर बात मान ली। कुछ सेकंड बाद वह छोटे से स्विचबोर्ड से मुड़ा, डेस्क पर रखा फोन उठाया और उसे दे दिया।
“अगर पंद्रह सेकंड में वो गोरिल्ला उस आले से बाहर नहीं निकला तो मैं घर वापस चला जाऊंगा,” उस गोरे आदमी ने कहा और फोन नीचे रख दिया। फिर वो सीढ़ियों से ऊपर चला गया।
सबसे ऊपर खड़े होकर उन्होंने देखा कि 64 नंबर के कमरे का दरवाजा खुला और कर्नल रोडिन प्रकट हुए। उन्होंने एक पल के लिए गलियारे में उस अंग्रेज को

घूरा, फिर धीरे से 'विक्टर' कहकर पुकारा। आले से विशालकाय पोलिश व्यक्ति बाहर आया और एक-दूसरे को देखने लगा। रोडिन ने कहा, 'कोई बात नहीं। उनका इंतज़ार था।' कोवाल्स्की ने गुस्से से देखा। अंग्रेज चलने लगा।
रोडिन उन्हें शयनकक्ष के भीतर ले गए। इसे भर्ती समिति के कार्यालय की तरह सजाया गया था। अध्यक्ष की मेज के रूप में डेस्क का इस्तेमाल किया जा रहा था और वह कागजों से भरा पड़ा था। उसके पीछे कमरे में एकमात्र सीधी कुर्सी थी। लेकिन बगल के कमरों से लाई गई दो अन्य सीधी कुर्सियाँ केंद्रीय कुर्सी के दोनों ओर रखी थीं, जिन पर मोंटक्लेयर और कैसन बैठे थे, जो आगंतुक को उत्सुकता से देख रहे थे। मेज के सामने कोई कुर्सी नहीं थी। अंग्रेज ने चारों ओर नज़र डाली, दो आरामकुर्सियों में से एक को चुना और उसे घुमाकर मेज की ओर कर दिया। जब तक रोडिन ने विक्टर को नए निर्देश दिए और दरवाजा बंद किया, तब तक अंग्रेज आराम से बैठ चुका था और कैसन और मोंटक्लेयर को घूर रहा था। रोडिन मेज के पीछे बैठ गए।
कुछ पलों के लिए उसने लंदन के उस आदमी को घूर कर देखा। जो उसने देखा, वह उसे बुरा नहीं लगा, और वह पुरुषों को पहचानने में माहिर था। आगंतुक लगभग छह फुट लंबा था, दिखने में तीस के आसपास का, और दुबला-पतला, एथलेटिक शरीर वाला था। वह चुस्त-दुरुस्त लग रहा था, चेहरा धूप से तपा हुआ था, चेहरे की बनावट सामान्य थी, लेकिन कोई खास नहीं थी, और हाथ कुर्सी के बाजूबंद पर शांति से रखे थे। रोडिन की नज़र में वह एक ऐसा आदमी लग रहा था जो खुद पर काबू रखता है। लेकिन आँखें रोडिन को परेशान कर रही थीं। उसने कमज़ोर लोगों की कोमल नम आँखें, मनोरोगी लोगों की बेजान बंद आँखें और सैनिकों की चौकस आँखें देखी थीं। अंग्रेज की आँखें खुली थीं और स्पष्टवादिता से घूर रही थीं। सिवाय पुतलियों के, जो धब्बेदार धूसर थीं, जिससे वे सर्दियों की सुबह की धुंध की तरह धुंधली लग रही थीं। रोडिन को यह समझने में कुछ पल लगे कि उनमें कोई भाव नहीं था। धुंध के पर्दे के पीछे जो भी विचार चल रहे थे, कुछ भी सामने नहीं आया, और रोडिन को बेचैनी महसूस हुई। व्यवस्थाओं और प्रक्रियाओं द्वारा निर्मित सभी मनुष्यों की तरह, उन्हें भी अप्रत्याशित और इसलिए अनियंत्रित चीजें पसंद नहीं थीं।
‘हम जानते हैं कि आप कौन हैं,’ उसने अचानक बोलना शुरू किया। ‘मुझे अपना परिचय देना चाहिए। मैं कर्नल मार्क रोडिन हूँ…’

‘मैं जानता हूँ,’ अंग्रेज ने कहा, ‘आप ओएएस के ऑपरेशन प्रमुख हैं। आप मेजर रेने मोंटक्लेयर हैं, कोषाध्यक्ष, और आप महाशय आंद्रे कैसन हैं, मेट्रोपोल में भूमिगत संगठन के प्रमुख।’ बोलते हुए उसने बारी-बारी से उन दोनों को देखा और सिगरेट की तरफ हाथ बढ़ाया।
‘लगता है आपको पहले से ही बहुत कुछ पता है,’ कैसन ने बीच में कहा, जब तीनों आगंतुक को सिगरेट जलाते हुए देख रहे थे। अंग्रेज पीछे झुक गया और धुएं की पहली धारा बाहर निकाली।
सज्जनों, चलिए खुलकर बात करते हैं। मैं जानता हूँ कि आप कौन हैं और आप जानते हैं कि मैं कौन हूँ। हम दोनों के पेशे असामान्य हैं। आपका पीछा किया जा रहा है जबकि मैं बिना निगरानी के जहाँ चाहूँ वहाँ जाने के लिए स्वतंत्र हूँ। मैं पैसे के लिए काम करता हूँ, आप आदर्शवाद के लिए। लेकिन जब व्यावहारिक बातों की बात आती है तो हम सभी अपने-अपने काम में माहिर हैं। इसलिए हमें गोलमोल बातें करने की ज़रूरत नहीं है। आप मेरे बारे में पूछताछ कर रहे हैं। ऐसी पूछताछ करना असंभव है, क्योंकि इसकी खबर जल्द ही उस व्यक्ति तक पहुँच जाती है जिसके बारे में पूछा जा रहा है। स्वाभाविक रूप से मैं जानना चाहता था कि मुझमें इतनी दिलचस्पी किसकी है। यह कोई बदला लेने वाला हो सकता था, या मुझे नौकरी पर रखने की इच्छा रखने वाला। मेरे लिए यह जानना ज़रूरी था। जैसे ही मुझे मुझमें दिलचस्पी रखने वाले संगठन की पहचान पता चली, ब्रिटिश संग्रहालय में फ्रांसीसी अखबारों की फाइलों में दो दिन बिताने से ही मुझे आपके और आपके संगठन के बारे में पता चल गया। इसलिए आज दोपहर आपके उस छोटे से चमचे का आना कोई आश्चर्य की बात नहीं थी।
नमस्कार। मैं जानता हूँ कि आप कौन हैं और आप किसका प्रतिनिधित्व करते हैं।
मैं बस यह जानना चाहता हूँ कि आप क्या चाहते हैं।
कई मिनट तक सन्नाटा छाया रहा। कैसन और मोंटक्लेयर ने मार्गदर्शन के लिए रोडिन की ओर देखा। पैराट्रूपर कर्नल और हत्यारा एक-दूसरे को घूर रहे थे।
रोडिन हिंसक पुरुषों के बारे में इतना जानता था कि वह समझ गया कि उसके सामने खड़ा व्यक्ति वही था जिसे वह चाहता था। उसके बाद से मोंटक्लेयर और कैसन उस दृश्य का अभिन्न अंग बन गए।
'चूंकि आपने उपलब्ध फाइलें पढ़ ली हैं, इसलिए मैं आपको हमारे संगठन के पीछे के उद्देश्यों के बारे में बताकर उबाऊ नहीं बनाऊंगा, जिसे आपने आदर्शवाद कहा है। हमारा मानना है कि फ्रांस पर अब एक तानाशाह का शासन है जिसने हमारे

देश को दूषित कर दिया है और इसकी प्रतिष्ठा को धूमिल कर दिया है। हमारा मानना है कि उसका शासन तभी गिर सकता है और फ्रांस तभी फ्रांसीसी लोगों को वापस मिल सकता है जब वह पहले मर जाए। हमारे समर्थकों द्वारा उसे खत्म करने के छह प्रयासों में से तीन शुरुआती योजना चरणों में ही उजागर हो गए, एक प्रयास से ठीक एक दिन पहले भेद खुल गया, और दो प्रयास हुए लेकिन विफल रहे।' हम इस काम के लिए किसी पेशेवर की सेवाएं लेने पर विचार कर रहे हैं, लेकिन अभी केवल विचार-विमर्श के चरण में ही। हालांकि, हम अपना पैसा बर्बाद नहीं करना चाहते। सबसे पहले हम यह जानना चाहते हैं कि क्या यह संभव है।
रोडिन ने बड़ी चतुराई से अपनी चाल चली थी। आखिरी वाक्य, जिसका उत्तर वह पहले से ही जानता था, ने उसकी धूसर आँखों में एक हल्की सी अभिव्यक्ति ला दी।
‘दुनिया में ऐसा कोई इंसान नहीं है जो हत्यारे की गोली से बच सके,’ अंग्रेज ने कहा। ‘डी गॉल के सार्वजनिक रूप से सामने आने का खतरा बहुत अधिक है। बेशक, उन्हें मारना संभव है। बात यह है कि बचने की संभावना बहुत कम होगी। जनता के सामने खुद को उजागर करने वाले तानाशाह को खत्म करने का सबसे निश्चित तरीका हमेशा एक ऐसा कट्टरपंथी होता है जो खुद को जान से मारने के प्रयास में तैयार हो। मैंने देखा है,’ उसने थोड़ी सी द्वेष भावना के साथ कहा, ‘कि आपके आदर्शवाद के बावजूद आप अभी तक ऐसा कोई व्यक्ति पैदा नहीं कर पाए हैं। पोंट-डी-सीन और पेटिट-क्लैमार्ट दोनों ही असफल रहे क्योंकि कोई भी अपनी जान जोखिम में डालकर पूरी तरह से निश्चित होने के लिए तैयार नहीं था।’
‘देशभक्त फ्रांसीसी अभी भी तैयार हैं…’ कैसन ने तीखे स्वर में कहना शुरू किया, लेकिन रोडिन ने इशारे से उसे चुप करा दिया। अंग्रेज ने उसकी ओर देखा तक नहीं।
‘और एक पेशेवर के बारे में क्या?’ रोडिन ने पूछा।
एक पेशेवर व्यक्ति जोश में आकर काम नहीं करता, इसलिए वह अधिक शांत होता है और उससे प्राथमिक गलतियाँ होने की संभावना कम होती है। आदर्शवादी न होने के कारण, वह अंतिम क्षण में इस बात पर पुनर्विचार नहीं करता कि विस्फोट या किसी अन्य तरीके से किसे चोट लग सकती है, और एक पेशेवर होने के नाते उसने अंतिम संभावित जोखिम का आकलन कर लिया होता है। इसलिए समय पर सफलता प्राप्त करने की उसकी संभावना किसी और से कहीं अधिक होती है, लेकिन वह तब तक

कार्रवाई शुरू नहीं करेगा जब तक कि उसने एक ऐसी योजना तैयार न कर ली हो जो उसे न केवल मिशन पूरा करने में सक्षम बनाए, बल्कि उसे बिना किसी नुकसान के बच निकलने में भी सक्षम बनाए।
'क्या आपका अनुमान है कि ऐसी योजना बनाई जा सकती है जिससे कोई पेशेवर व्यक्ति ग्रैंड ज़ोहरा की हत्या करके भाग सके?'
अंग्रेज कुछ मिनट चुपचाप सिगरेट पीता रहा और खिड़की से बाहर देखता रहा। ‘सैद्धांतिक रूप से, हाँ,’ उसने कुछ देर बाद उत्तर दिया। ‘पर्याप्त समय और योजना के साथ सैद्धांतिक रूप से यह हमेशा संभव है। लेकिन इस मामले में यह बेहद मुश्किल होगा। अन्य लक्ष्यों की तुलना में कहीं अधिक मुश्किल।’ 'दूसरों से अधिक क्यों?' मोंटक्लेयर ने पूछा।
क्योंकि डी गॉल को पहले से ही आगाह कर दिया गया था – किसी खास हमले के बारे में नहीं, बल्कि सामान्य इरादे के बारे में। सभी बड़े लोगों के पास अंगरक्षक और सुरक्षाकर्मी होते हैं, लेकिन कई सालों तक किसी बड़े व्यक्ति की जान पर कोई गंभीर हमला न होने पर, जाँच औपचारिक हो जाती है, दिनचर्या यांत्रिक हो जाती है और सतर्कता का स्तर कम हो जाता है। लक्ष्य को भेदने वाली अकेली गोली पूरी तरह से अप्रत्याशित होती है और इसलिए दहशत पैदा करती है। इसी का फायदा उठाकर हत्यारा भाग जाता है। इस मामले में सतर्कता का स्तर कम नहीं होगा, कोई यांत्रिक दिनचर्या नहीं होगी, और अगर गोली लक्ष्य तक पहुँच भी गई, तो बहुत से लोग घबराएंगे नहीं बल्कि हत्यारे को पकड़ने के लिए दौड़ पड़ेंगे। ऐसा किया जा सकता है, लेकिन इस समय यह दुनिया के सबसे कठिन कामों में से एक होगा। देखिए, सज्जनों, न केवल आपके अपने प्रयास विफल हुए हैं, बल्कि उन्होंने बाकी सभी के लिए स्थिति और भी खराब कर दी है।
‘अगर हम इस काम के लिए किसी पेशेवर हत्यारे को नियुक्त करने का फैसला करते हैं…’ रोडिन ने कहना शुरू किया।
‘आपको किसी पेशेवर को नियुक्त करना होगा,’ अंग्रेज ने बीच में ही धीमी आवाज में कहा।
और क्यों? आज भी ऐसे कई लोग हैं जो विशुद्ध देशभक्ति की भावना से प्रेरित होकर यह काम करने को तैयार होंगे।
‘हाँ, वाटिन और कुरुचेत अभी भी मौजूद हैं,’ गोरे व्यक्ति ने जवाब दिया। ‘और निस्संदेह, डेगुएल्ड्रेस और बैस्टियन-थिरिस जैसे और भी लोग कहीं आस-पास होंगे। लेकिन आप तीनों ने मुझे यहाँ राजनीतिक हत्या के सिद्धांत पर

सामान्य बातचीत के लिए नहीं बुलाया है, न ही इसलिए कि आपके पास अचानक गोली चलाने वाले लोगों की कमी हो गई है। आपने मुझे यहाँ इसलिए बुलाया है क्योंकि आप देर से इस निष्कर्ष पर पहुँचे हैं कि आपके संगठन में फ्रांसीसी गुप्त सेवा के एजेंट इतने घुसपैठ कर चुके हैं कि आपका कोई भी निर्णय लंबे समय तक गुप्त नहीं रह पाता, और इसलिए भी कि आपमें से हर एक का चेहरा फ्रांस के हर पुलिसवाले की याद में छपा हुआ है। इसलिए आपको एक बाहरी व्यक्ति की आवश्यकता है। और आप सही हैं। अगर काम करना है तो एक बाहरी व्यक्ति को ही करना होगा। अब बस यही सवाल बचा है कि कौन और कितने में। अब, सज्जनों, मुझे लगता है कि आपको सामान की जाँच-पड़ताल करने के लिए काफी समय मिल चुका है, है ना?’
रोडिन ने मॉन्टक्लेयर की ओर तिरछी नज़र से देखा और अपनी भौंहें ऊपर उठाईं। मॉन्टक्लेयर ने सिर हिलाया। कैसन ने भी वैसा ही किया। अंग्रेज बिना किसी रुचि के खिड़की से बाहर देखता रहा।
‘क्या तुम डी गॉल की हत्या करोगे?’ रोडिन ने अंत में पूछा। आवाज़ धीमी थी, लेकिन सवाल ने पूरे कमरे को झकझोर दिया। अंग्रेज की नज़रें फिर से रोडिन पर पड़ीं और आँखें फिर से खाली हो गईं।
'हां, लेकिन इसमें बहुत पैसा खर्च होगा।'
‘कितने?’ मोंटक्लेयर ने पूछा।
‘आपको यह समझना होगा कि यह जीवन में एक बार मिलने वाला काम है। जो व्यक्ति इसे करेगा, उसे फिर कभी काम नहीं मिलेगा। न केवल पकड़े जाने से, बल्कि उजागर होने से भी बचने की संभावना बहुत कम है। इस एक काम के लिए इतना कमाना ज़रूरी है कि व्यक्ति अपने बाकी जीवन आराम से बिता सके और गॉलिस्टों के प्रतिशोध से खुद को बचा सके...’
कैसन ने कहा, 'जब हमारे पास फ्रांस होगा, तब किसी चीज की कमी नहीं होगी...' ‘नकद,’ अंग्रेज ने कहा। ‘आधा अग्रिम और आधा काम पूरा होने पर।’
‘कितना?’ रोडिन ने पूछा।
'आधा मिलियन।'
रोडिन ने मोंटक्लेयर की ओर देखा, जिसने मुंह बनाया। 'यह तो बहुत बड़ी रकम है, आधा मिलियन नए फ्रैंक...'
‘डॉलर,’ अंग्रेज ने कहा।

‘आधा मिलियन डॉलर?’ मोंटक्लेयर अपनी सीट से उठते हुए चिल्लाया। ‘तुम पागल हो?’
‘नहीं,’ अंग्रेज ने शांत भाव से कहा, ‘लेकिन मैं सबसे अच्छा हूँ, और इसलिए सबसे महंगा भी।’
'हमें निश्चित रूप से सस्ते अनुमान मिल सकते थे,' कैसन ने व्यंग्यपूर्वक कहा।
‘हाँ,’ गोरी महिला ने भावहीनता से कहा, ‘आपको सस्ते में आदमी मिल जाएँगे, और आप पाएँगी कि वे आपका पचास प्रतिशत अग्रिम लेकर गायब हो जाएँगे, या बाद में काम न कर पाने के बहाने बनाएँगे। जब आप सर्वश्रेष्ठ को काम पर रखते हैं तो आपको कीमत चुकानी पड़ती है। आधा मिलियन डॉलर इसकी कीमत है। यह देखते हुए कि आप पूरे फ्रांस को पाने की उम्मीद कर रही हैं, आप अपने देश को बहुत सस्ता समझ रही हैं।’
इस पूरी बातचीत के दौरान चुप रहे रोडिन ने इस बात को समझ लिया।
'सही कहा। असल बात तो यह है, महोदय, कि हमारे पास आधा मिलियन डॉलर नकद नहीं हैं।'
‘मुझे इस बात की जानकारी है,’ अंग्रेज ने जवाब दिया। ‘अगर आप काम करवाना चाहते हैं तो आपको कहीं न कहीं से वो रकम जुटानी होगी। मुझे इस काम की ज़रूरत नहीं है, आप समझ रहे हैं ना? मेरे पिछले असाइनमेंट के बाद मेरे पास कुछ सालों तक आराम से जीने के लिए पर्याप्त पैसा है। लेकिन रिटायरमेंट के लिए पर्याप्त पैसा होने का विचार मुझे अच्छा लगता है। इसलिए मैं उस इनाम के लिए कुछ बहुत बड़े जोखिम उठाने को तैयार हूँ। आपके यहाँ मौजूद दोस्त इससे भी बड़ा इनाम चाहते हैं – खुद फ्रांस। लेकिन जोखिम का विचार ही उन्हें डरा देता है। मुझे खेद है। अगर आप वो रकम नहीं जुटा सकते, तो आपको वापस अपनी ज़मीनें खुद ही बनानी होंगी और उन्हें अधिकारियों द्वारा एक-एक करके नष्ट होते देखना होगा।’
वह अपनी कुर्सी से आधा उठा और इस प्रक्रिया में उसने अपनी सिगरेट बुझा दी। रोडिन भी उसके साथ उठ खड़ा हुआ।
‘बैठ जाइए, महोदय। हम पैसे ले आएंगे।’ वे दोनों बैठ गए।
‘अच्छा,’ अंग्रेज ने कहा, ‘लेकिन कुछ शर्तें भी हैं।’
'हाँ?'

‘आपको किसी बाहरी व्यक्ति की आवश्यकता इसलिए है क्योंकि फ्रांसीसी अधिकारियों को लगातार सुरक्षा संबंधी जानकारी लीक हो रही है। आपके संगठन में कितने लोगों को इस बात की जानकारी है कि किसी बाहरी व्यक्ति को, खासकर मुझे, नियुक्त करने का विचार है?’
‘इस कमरे में सिर्फ हम तीनों हैं। बास्टियन-थिरी को फांसी दिए जाने के अगले दिन ही मेरे दिमाग में यह विचार आया था। तब से मैंने सारी जांच-पड़ताल खुद की है। इस बारे में और किसी को जानकारी नहीं है।’
‘तो फिर इसे ऐसे ही रहना होगा,’ अंग्रेज ने कहा। ‘सभी बैठकों के रिकॉर्ड, फाइलें और दस्तावेज़ नष्ट कर दिए जाने चाहिए। आप तीनों के अलावा किसी और के पास कुछ भी उपलब्ध नहीं होना चाहिए। फरवरी में अर्गुड के साथ जो हुआ, उसे देखते हुए, अगर आप तीनों में से कोई भी पकड़ा जाता है, तो मैं इस योजना को रद्द करने के लिए स्वतंत्र महसूस करूंगा। इसलिए, जब तक काम पूरा नहीं हो जाता, आप किसी सुरक्षित स्थान पर कड़ी सुरक्षा में रहें। सहमत हैं?’
ठीक है। और क्या?
‘योजना और ऑपरेशन दोनों ही मेरी ज़िम्मेदारी होगी। मैं किसी को भी, यहाँ तक कि आपको भी, कोई जानकारी नहीं दूँगा। संक्षेप में, मैं गायब हो जाऊँगा। फिर आपको मुझसे कोई खबर नहीं मिलेगी। आपके पास लंदन का मेरा फ़ोन नंबर और पता है, लेकिन जैसे ही मैं जाने के लिए तैयार हो जाऊँगा, मैं दोनों को छोड़ दूँगा।’
किसी भी परिस्थिति में, आप मुझसे उस स्थान पर केवल आपात स्थिति में ही संपर्क करेंगे। इसके अलावा कोई संपर्क नहीं होगा। मैं आपको स्विट्जरलैंड में अपने बैंक का नाम दे रहा हूँ। जब वे मुझे सूचित करेंगे कि पहले ढाई लाख डॉलर जमा हो गए हैं, या जब मैं पूरी तरह से तैयार हो जाऊँगा, जो भी बाद में हो, मैं वहाँ से चला जाऊँगा। मैं अपने विवेक से अधिक जल्दबाजी नहीं करूँगा, और न ही किसी के हस्तक्षेप को स्वीकार करूँगा। सहमत हैं?
'ठीक है। लेकिन फ्रांस में मौजूद हमारे गुप्तचर आपको सूचना के रूप में काफी सहायता प्रदान कर सकते हैं। उनमें से कुछ उच्च पदों पर हैं।' अंग्रेज ने एक पल के लिए इस पर विचार किया। 'ठीक है, जब आप तैयार हों तो मुझे डाक से एक फ़ोन नंबर भेज दीजिए, बेहतर होगा कि पेरिस का नंबर भेजिए ताकि मैं फ्रांस में कहीं से भी उस नंबर पर सीधे कॉल कर सकूँ। मैं किसी को भी अपनी लोकेशन नहीं बताऊँगा, बस राष्ट्रपति की सुरक्षा स्थिति के बारे में

ताज़ा जानकारी के लिए उस नंबर पर कॉल करूँगा। लेकिन फ़ोन पर बात करने वाले व्यक्ति को यह पता नहीं चलना चाहिए कि मैं फ्रांस में क्या कर रहा हूँ। बस उसे बता दीजिए कि मैं आपके लिए एक मिशन पर हूँ और मुझे उसकी मदद चाहिए। उसे जितनी कम जानकारी हो उतना अच्छा। उसे बस सूचना का स्रोत बनने दीजिए। उसके स्रोत भी केवल उन्हीं लोगों तक सीमित होने चाहिए जो मूल्यवान अंदरूनी जानकारी दे सकें, न कि अखबारों में छपने वाली बेकार की बातें। सहमत हैं?' ‘बहुत खूब। आप पूरी तरह अकेले, बिना दोस्तों या शरण के काम करना चाहते हैं। तो फिर अपने दम पर ही करें। जाली कागजात के बारे में क्या ख्याल है? हमारे पास दो बेहतरीन जालसाज मौजूद हैं।’
मैं अपना खुद का खरीद लूंगा, धन्यवाद।
कैसन ने बीच में ही बात काटते हुए कहा, 'फ्रांस में मेरे पास एक पूरा संगठन है जो जर्मन कब्जे के दौरान के प्रतिरोध आंदोलन के समान है। मैं इस पूरी संरचना को आपकी सहायता के लिए उपलब्ध करा सकता हूं।'
'नहीं, धन्यवाद। मैं अपनी पूर्ण गुमनामी पर भरोसा करना पसंद करता हूँ। यही मेरा सबसे अच्छा हथियार है।'
लेकिन मान लीजिए कि कुछ गड़बड़ हो जाए, तो आपको भागना पड़ सकता है...
'जब तक आपकी तरफ से कोई गड़बड़ी न हो, तब तक कुछ भी गलत नहीं होगा। मैं आपके संगठन से संपर्क किए बिना या आपकी जानकारी के बिना ही काम करूंगा, श्री कैसन, ठीक उसी कारण से जिसके लिए मैं यहां आया हूं; क्योंकि संगठन एजेंटों और मुखबिरों से भरा पड़ा है।'
कैसन गुस्से से फटने को तैयार लग रहा था। मोंटक्लेयर उदास होकर खिड़की की ओर देख रहा था और जल्दी से पांच लाख डॉलर जुटाने की योजना बना रहा था। रोडिन भी मेज के दूसरी ओर बैठे अंग्रेज को सोच-विचार भरी निगाहों से देख रहा था।
‘शांत रहो, आंद्रे। महोदय अकेले काम करना चाहते हैं। ठीक है। यही उनका तरीका है। हम ऐसे व्यक्ति के लिए आधा मिलियन डॉलर नहीं देते जिसे हमारे अपने निशानेबाजों की तरह ही लाड़-प्यार की जरूरत हो।’
मोंटक्लेयर ने बुदबुदाते हुए कहा, 'मैं यह जानना चाहता हूं कि हम इतनी जल्दी इतना पैसा कैसे जुटा सकते हैं।'
‘अपने संगठन का इस्तेमाल करके कुछ बैंकों को लूट लो,’ अंग्रेज ने हल्के- फुल्के अंदाज में सुझाव दिया।

‘खैर, यही हमारी समस्या है,’ रोडिन ने कहा। ‘हमारे मेहमान के लंदन लौटने से पहले, क्या कोई और बात है?’
कैसन ने पूछा, 'आपको पहले ढाई लाख रुपये लेकर गायब होने से क्या रोक सकता है?'
‘मैंने आपसे कहा था, महोदय, मैं सेवानिवृत्त होना चाहता हूँ। मैं नहीं चाहता कि पूर्व पैराट्रूपर्स की आधी सेना मेरे पीछे पड़ी रहे। मुझे अपनी सुरक्षा पर अपनी कमाई से भी अधिक खर्च करना पड़ेगा। वह जल्द ही खत्म हो जाएगी।’
कैसन ने जोर देकर कहा, 'और हमें काम पूरा होने तक इंतजार करने और फिर आपको शेष आधा मिलियन का भुगतान करने से इनकार करने से क्या रोक रहा है?'
‘वही कारण,’ अंग्रेज ने सहजता से उत्तर दिया। ‘उस स्थिति में मुझे अपना खुद का काम शुरू करना पड़ेगा। और मेरा निशाना आप तीनों सज्जन होंगे। हालांकि मुझे नहीं लगता कि ऐसा होगा, क्या आपको लगता है?’
रोडिन ने बात काटते हुए कहा, 'अच्छा, अगर बस इतना ही है, तो मुझे नहीं लगता कि हमें अपने मेहमान को और ज़्यादा देर तक रोकना चाहिए। ओह... एक आखिरी बात है। आपका नाम। अगर आप गुमनाम रहना चाहते हैं, तो आपका कोई गुप्त नाम होना चाहिए। क्या आपके पास कोई सुझाव है?'
अंग्रेज ने एक पल सोचा। 'चूंकि हम शिकार की बात कर रहे हैं, तो सियार के बारे में क्या ख्याल है? क्या वह ठीक रहेगा?'
रोडिन ने सिर हिलाया। 'हाँ, यह ठीक रहेगा। वास्तव में मुझे यह पसंद आ रहा है।'
वह अंग्रेज को दरवाजे तक ले गया और उसे खोल दिया। विक्टर अपने एकांत स्थान से बाहर आया और पास पहुंचा। पहली बार रोडिन मुस्कुराया और हत्यारे की ओर हाथ बढ़ाया। 'हम तय तरीके से जल्द से जल्द संपर्क करेंगे। इस बीच, क्या आप मोटे तौर पर योजना बनाना शुरू कर सकते हैं ताकि ज्यादा समय बर्बाद न हो? अच्छा। तो शुभ संध्या, श्रीमान सियार।'
पोलिश नागरिक ने आगंतुक को उतनी ही खामोशी से जाते हुए देखा जितनी खामोशी से वह आया था। अंग्रेज ने रात हवाई अड्डे के होटल में बिताई और सुबह लंदन वापस जाने वाली पहली फ्लाइट पकड़ ली।

पेंशन क्लेइस्ट के अंदर, रोडिन को कैसन और मोंटक्लेयर की ओर से देर से पूछे गए सवालों और शिकायतों की बौछार का सामना करना पड़ा, जो दोनों ही नौ बजे से आधी रात के बीच के तीन घंटों से बुरी तरह हिल गए थे।
‘आधा मिलियन डॉलर,’ मोंटक्लेयर बार-बार दोहरा रहा था। ‘हम आधा मिलियन डॉलर कैसे जुटाएँगे?’
'हो सकता है हमें सियार के सुझाव को मानना पड़े और कुछ बैंकों को लूटना पड़े,' रोडिन ने उत्तर दिया।
कैसन ने कहा, 'मुझे वह आदमी पसंद नहीं है। वह अकेले काम करता है, बिना किसी सहयोगी के। ऐसे लोग खतरनाक होते हैं। उन पर नियंत्रण नहीं किया जा सकता।' रोडिन ने चर्चा समाप्त करते हुए कहा, ‘देखो, तुम दोनों, हमने एक योजना बनाई, एक प्रस्ताव पर सहमति जताई, और हमने एक ऐसे व्यक्ति की तलाश की जो पैसे के लिए फ्रांस के राष्ट्रपति को मारने के लिए तैयार हो और ऐसा करने में सक्षम हो। मैं ऐसे लोगों के बारे में थोड़ा बहुत जानता हूँ। अगर कोई यह कर सकता है, तो वह है। अब हमने अपना दांव खेल दिया है। हमें अपना काम करने दो और उसे अपना काम करने दो।’

अध्याय तीन
जून के उत्तरार्ध और जुलाई 1963 के पूरे महीने के दौरान, फ्रांस में बैंकों, आभूषणों की दुकानों और डाकघरों के खिलाफ हिंसक अपराधों का ऐसा प्रकोप हुआ जो उस समय अभूतपूर्व था और उसके बाद कभी दोहराया नहीं गया। इस अपराध की लहर का विवरण अब रिकॉर्ड में दर्ज है।
देश के एक छोर से दूसरे छोर तक, बैंकों में लगभग हर दिन पिस्तौल, कटी हुई शॉटगन और सबमशीन गन से लूटपाट होती थी। उस दौरान ज्वैलर्स की दुकानों पर लूटपाट की घटनाएं इतनी आम हो गईं थीं कि स्थानीय पुलिस बल मुश्किल से ही कांपते और अक्सर खून से लथपथ ज्वैलर्स और उनके सहायकों से बयान लेना खत्म कर पाते थे कि उन्हें अपने ही इलाके में इसी तरह के किसी दूसरे मामले के लिए बुला लिया जाता था।
दो बैंक क्लर्कों को अलग-अलग शहरों में लुटेरों का विरोध करने के प्रयास में गोली मार दी गई, और जुलाई के अंत तक संकट इतना बढ़ गया कि कोर रिपब्लिकन डी सिक्योरिटी (सीआरएस) के जवानों को बुलाया गया, जिन्हें हर फ्रांसीसी नागरिक संक्षेप में सीआरएस के नाम से जानता है, और उन्हें पहली बार सबमशीन गन से लैस किया गया। बैंक में प्रवेश करने वालों के लिए यह आम बात हो गई थी कि उन्हें लॉबी में नीली वर्दी पहने एक या दो सीआरएस गार्डों के पास से गुजरना पड़ता था, जिनमें से प्रत्येक के पास भरी हुई सबमशीन कार्बाइन होती थी।
बैंकरों और जौहरियों के दबाव के जवाब में, जिन्होंने इस अपराध की लहर के बारे में सरकार से तीखे सवाल किए थे, रात में बैंकों पर पुलिस की निगरानी की आवृत्ति बढ़ा दी गई, लेकिन इसका कोई फायदा नहीं हुआ, क्योंकि लुटेरे पेशेवर चोर नहीं थे जो अंधेरे में कुशलता से बैंक की तिजोरी खोल सकें, बल्कि वे केवल नकाबपोश बदमाश थे, जो हथियारों से लैस थे और जरा से उकसाए जाने पर गोली चलाने के लिए तैयार थे।
खतरे का समय दिन के उजाले में होता था, जब देश भर में किसी भी बैंक या ज्वैलरी की दुकान पर कारोबार के बीच में ही दो या तीन हथियारबंद और नकाबपोश लोग अचानक प्रकट हो जाते थे और 'हाउत लेस मैन्स' (हाथ ऊपर उठाओ) की धमकी भरी आवाज सुनाई देती थी।

जुलाई के अंत में अलग-अलग लूटपाट की घटनाओं में तीन लुटेरे घायल हो गए और उन्हें बंदी बना लिया गया। पता चला कि वे या तो छोटे-मोटे अपराधी थे जो ओएएस (ऑस्ट्रिया एंबेसडर) के अस्तित्व का बहाना बनाकर अराजकता फैला रहे थे, या फिर पूर्व औपनिवेशिक रेजिमेंटों के भगोड़े थे जिन्होंने जल्द ही स्वीकार कर लिया कि वे ओएएस के सदस्य थे। लेकिन पुलिस मुख्यालय में गहन पूछताछ के बावजूद, तीनों में से कोई भी यह बताने को तैयार नहीं हुआ कि देश में अचानक लूटपाट की ये घटनाएं क्यों होने लगीं। उन्होंने बस इतना बताया कि उनके 'संरक्षक' (गिरोह के सरगना) ने उनसे संपर्क किया था और उन्हें एक बैंक या ज्वैलरी की दुकान को निशाना बनाने का आदेश दिया था। अंततः पुलिस को यकीन हो गया कि बंदियों को लूटपाट का मकसद नहीं पता था; उन्हें लूटी गई रकम में से हिस्सा देने का वादा किया गया था और छोटे-मोटे अपराधी होने के कारण उन्होंने वही किया जो उन्हें कहा गया था।
फ्रांसीसी अधिकारियों को यह समझने में देर नहीं लगी कि इस महामारी के पीछे ओएएस का हाथ था, और न ही उन्हें यह पता चला कि किसी कारणवश ओएएस को तुरंत पैसों की ज़रूरत थी। लेकिन अगस्त के पहले पखवाड़े तक, और फिर बिल्कुल अलग तरीके से, अधिकारियों को इसका कारण पता चला।
जून के आखिरी दो हफ्तों में, बैंकों और अन्य ऐसे स्थानों पर जहां से जल्दी और बिना किसी औपचारिकता के पैसा और रत्न हासिल किए जा सकते थे, अपराधों की लहर इतनी गंभीर हो गई थी कि इसे पुलिस ज्यूडिशियरी की ब्रिगेड क्रिमिनले के बेहद सम्मानित प्रमुख कमिश्नर मौरिस बोवियर को सौंप दिया गया। सीन नदी के किनारे स्थित 36 क्वाई डेस ओरफेवरेस में पुलिस ज्यूडिशियरी के मुख्यालय में उनके आश्चर्यजनक रूप से छोटे, काम से भरे कार्यालय में, चोरी किए गए पैसे और रत्नों की नकदी या, आभूषणों के मामले में, अनुमानित पुनर्विक्रय मूल्य दर्शाने वाला एक चार्ट तैयार किया गया। जुलाई के उत्तरार्ध तक कुल राशि दो मिलियन नए फ्रैंक, या चार लाख डॉलर से कहीं अधिक हो गई थी। विभिन्न डकैतियों को अंजाम देने के खर्चों और उन्हें अंजाम देने वाले बदमाशों और भगोड़ों को भुगतान करने के लिए एक उचित राशि काटने के बाद भी, कमिश्नर के अनुमान में, एक बड़ी राशि ऐसी बची थी जिसका हिसाब नहीं मिल पा रहा था।
जून के आखिरी सप्ताह में, रोम स्थित उनके स्थायी कार्यालय के प्रमुख से एसडीईसीई के प्रमुख जनरल गुइबाउड के डेस्क पर एक रिपोर्ट पहुंची। रिपोर्ट

में बताया गया था कि ओएएस के तीन शीर्ष अधिकारी, मार्क रोडिन, रेने मोंटक्लेयर और आंद्रे कैसन, वाया कोंडोटी के पास एक होटल की सबसे ऊपरी मंजिल पर एक साथ रह रहे थे। रिपोर्ट में यह भी कहा गया था कि इतने विशिष्ट इलाके में होटल में रहने का खर्च स्पष्ट रूप से अधिक होने के बावजूद, तीनों ने पूरी ऊपरी मंजिल अपने लिए ले ली थी और नीचे की मंजिल अपने अंगरक्षकों के लिए रखी थी। उनकी दिन-रात कम से कम आठ बेहद सख्त विदेशी सेना के पूर्व सदस्यों द्वारा सुरक्षा की जा रही थी और वे बिल्कुल भी बाहर नहीं निकल रहे थे। पहले तो यह सोचा गया कि वे किसी सम्मेलन के लिए मिले हैं, लेकिन जैसे- जैसे दिन बीतते गए, एसडीईसीई इस निष्कर्ष पर पहुंचा कि वे एंटोनी अर्गौड के अपहरण जैसी किसी अन्य घटना से बचने के लिए असाधारण रूप से कड़ी सुरक्षा बरत रहे थे। जनरल गुइबाउड ने आतंकवादी संगठन के शीर्ष नेताओं को रोम के एक होटल में दुबके देखकर हल्की सी मुस्कान बिखेरी और नियमित रूप से रिपोर्ट दर्ज कर दी। फरवरी में ईडन-वोल्फ होटल में जर्मन क्षेत्रीय अखंडता के उल्लंघन को लेकर क्वाइ डी'ओर्से स्थित फ्रांसीसी विदेश मंत्रालय और बॉन स्थित जर्मन विदेश मंत्रालय के बीच चल रहे कड़वे विवाद के बावजूद, गुइबाउड को अपने एक्शन सर्विस के जवानों पर गर्व करने का पूरा कारण था, जिन्होंने तख्तापलट को अंजाम दिया था। ओएएस प्रमुखों को डरा हुआ देखना ही उनके लिए काफी बड़ा इनाम था। जनरल ने मार्क रोडिन की फाइल देखते हुए थोड़ी सी आशंका को दबा लिया और फिर भी खुद से पूछा कि रोडिन जैसा आदमी इतनी आसानी से क्यों डर गया। अपने काम का काफी अनुभव रखने वाले और राजनीति एवं कूटनीति की वास्तविकताओं से भलीभांति परिचित होने के कारण, वे जानते थे कि उन्हें दोबारा इस तरह की कार्रवाई करने की अनुमति मिलना लगभग असंभव था। बहुत बाद में ही उन्हें इस बात का वास्तविक महत्व समझ में आया कि ओएएस के तीनों जवानों ने अपनी सुरक्षा के लिए क्या सावधानियां बरती थीं।
लंदन में जैकाल ने जून के आखिरी दो सप्ताह और जुलाई के पहले दो सप्ताह सुनियोजित और नियंत्रित गतिविधियों में बिताए। लौटने के दिन से ही उसने चार्ल्स डी गॉल के बारे में या उनके द्वारा लिखी गई लगभग हर चीज़ को प्राप्त करने और पढ़ने का लक्ष्य बना लिया। स्थानीय पुस्तकालय में जाकर और एनसाइक्लोपीडिया ब्रिटानिका में फ्रांसीसी राष्ट्रपति के बारे में जानकारी ढूंढकर, उसे अंत में अपने विषय पर संदर्भ पुस्तकों की एक विस्तृत सूची मिल गई।

उन्होंने उसी समय यह तय कर लिया कि किस दिन, चाहे बीमारी हो या खराब मौसम, व्यक्तिगत खतरे की परवाह किए बिना, चार्ल्स डी गॉल सार्वजनिक रूप से खड़े होकर खुद को प्रकट करेंगे। उस समय से, सियार की तैयारियां शोध के चरण से आगे बढ़कर व्यावहारिक योजना के चरण में पहुंच गईं।
अपने फ्लैट में पीठ के बल लेटे हुए, क्रीम रंग से रंगी छत को घूरते हुए और अपनी आदत के अनुसार किंग-साइज़ फिल्टर सिगरेट पीते हुए, घंटों सोचने के बाद ही उसे आखिरी बात समझ में आई।
कम से कम एक दर्जन विचारों पर विचार किया गया और उन्हें खारिज कर दिया गया, अंततः उस योजना पर पहुंचने से पहले जिसे उन्होंने अपनाने का फैसला किया, जिसमें 'कब' और 'कहां' के अलावा 'कैसे' को भी जोड़ना था, जो उन्होंने पहले ही तय कर लिया था।
जैकल को भली-भांति पता था कि 1963 में जनरल डी गॉल न केवल फ्रांस के राष्ट्रपति थे, बल्कि पश्चिमी जगत में सबसे कड़ी और कुशल सुरक्षा में पले- बढ़े व्यक्ति भी थे। जैसा कि बाद में साबित हुआ, उनकी हत्या करना संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति जॉन एफ. कैनेडी की हत्या करने से कहीं अधिक कठिन था। हालांकि अंग्रेज हत्यारे को इस बात का पता नहीं था, लेकिन अमेरिकी शिष्टाचार के तहत राष्ट्रपति कैनेडी के जीवन की सुरक्षा के लिए बरती गई सावधानियों का अध्ययन करने का अवसर प्राप्त फ्रांसीसी सुरक्षा विशेषज्ञों ने अमेरिकी गुप्त सेवा द्वारा बरती गई सावधानियों के प्रति कुछ हद तक तिरस्कारपूर्ण रवैया अपनाया था। फ्रांसीसी विशेषज्ञों द्वारा अमेरिकी तरीकों को अस्वीकार करना बाद में तब उचित साबित हुआ जब नवंबर 1963 में जॉन कैनेडी की डलास में एक अर्ध-पागल और सुरक्षा के प्रति लापरवाह शौकिया हत्यारे द्वारा हत्या कर दी गई, जबकि चार्ल्स डी गॉल जीवित रहे, शांति से सेवानिवृत्त हुए और अंततः अपने ही घर में उनका निधन हो गया। सियार को इतना तो पता था कि जिन सुरक्षाकर्मियों का वह सामना कर रहा था, वे कम से कम दुनिया के सर्वश्रेष्ठ सुरक्षाकर्मियों में से थे, डी गॉल के आसपास का पूरा सुरक्षा तंत्र अपने प्रभारी की जान पर किसी भी संभावित हमले की आशंका से लगातार सतर्क रहता था, और जिस संगठन के लिए वह काम करता था, उसमें सुरक्षा संबंधी कई खामियां थीं। सकारात्मक पक्ष यह था कि वह अपनी गुमनामी और अपने शिकार के अपने सुरक्षा बलों के साथ सहयोग करने से इनकार करने के कठोर रवैये पर भरोसा कर सकता था। तय दिन, फ्रांसीसी राष्ट्रपति का

चश्मे के पीछे से डेनिश व्यक्ति के चेहरे को निहार रहा था। कम से कम उसे ऐसे किसी व्यक्ति की कोई याद नहीं थी।
लेकिन जब वह क्रॉमवेल रोड टर्मिनल जाने वाली बीईए की बस में चढ़ने के लिए मुख्य हॉल से बाहर आया, तो अंग्रेज कुछ कदम पीछे अपना ब्रीफकेस पकड़े हुए था, और वे दोनों निश्चित रूप से एक ही बस में लंदन गए होंगे।
टर्मिनल पर डेनिश नागरिक को कुछ मिनट इंतजार करना पड़ा जब तक कि कोच के पीछे लगे सामान के ट्रेलर से उसका सूटकेस उतारा नहीं गया। फिर वह चेक-इन काउंटरों से होते हुए उस निकास चिह्न की ओर बढ़ा जिस पर एक तीर का निशान और अंतरराष्ट्रीय शब्द 'टैक्सी' लिखा था। इसी दौरान जैकाल कोच के पीछे से घूमकर कोच-पार्क के फर्श को पार करते हुए उस जगह पहुंचा जहां उसने अपनी कार स्टाफ कार-पार्क में खड़ी की थी। उसने ब्रीफकेस को खुली स्पोर्ट्स कार की यात्री सीट पर रखा, अंदर बैठा और कार स्टार्ट की। उसने कार को टर्मिनल की बाईं दीवार के पास रोक दिया, जहां से वह दाईं ओर खंभों वाले गलियारे के नीचे खड़ी टैक्सियों की लंबी कतार पर नजर डाल सकता था। डेनिश नागरिक तीसरी टैक्सी में बैठा, जो क्रॉमवेल रोड पर नाइट्सब्रिज की ओर चल पड़ी। स्पोर्ट्स कार उसके पीछे-पीछे चल रही थी।
टैक्सी ने बेखबर पादरी को हाफ मून स्ट्रीट के एक छोटे लेकिन आरामदायक होटल में उतार दिया, जबकि स्पोर्ट्स कार होटल के प्रवेश द्वार से तेज़ी से गुज़री और कुछ ही मिनटों में कर्ज़न स्ट्रीट के दूसरी तरफ एक खाली पार्किंग मीटर ढूंढ लिया। जैकल ने ब्रीफकेस को कार की डिक्की में बंद किया, शेफर्ड मार्केट के न्यूज़ एजेंट से इवनिंग स्टैंडर्ड का दोपहर का संस्करण खरीदा और पाँच मिनट के भीतर होटल के लॉबी में वापस आ गया। उसे पच्चीस मिनट और इंतज़ार करना पड़ा जब तक कि डेनिश व्यक्ति नीचे नहीं आया और रिसेप्शनिस्ट को अपने कमरे की चाबी वापस नहीं सौंप दी। चाबी टांगने के बाद, कुछ सेकंड के लिए हुक से लटकी रही, और लॉबी में एक कुर्सी पर बैठा एक व्यक्ति, जो शायद किसी दोस्त का इंतज़ार कर रहा था, जिसने डेनिश व्यक्ति के रेस्तरां में जाते ही अपना अखबार नीचे रख दिया, ने देखा कि चाबी का नंबर 47 था। कुछ मिनट बाद जब रिसेप्शनिस्ट किसी मेहमान के लिए थिएटर बुकिंग की जाँच करने के लिए पीछे के कार्यालय में गई, तो काले चश्मे वाला व्यक्ति चुपचाप और बिना किसी का ध्यान खींचे सीढ़ियों से ऊपर चला गया।

कमरा नंबर 47 का दरवाज़ा खोलने के लिए दो इंच चौड़ी लचीली अभ्रक की पट्टी काफ़ी नहीं थी, क्योंकि दरवाज़ा काफ़ी कड़ा था। लेकिन एक छोटे से कलाकार के पैलेट नाइफ़ से पट्टी को थोड़ा कड़ा करने पर काम बन गया और स्प्रिंग लॉक क्लिक की आवाज़ के साथ वापस खुल गया। पादरी दोपहर के भोजन के लिए ही नीचे गए थे, इसलिए उन्होंने अपना पासपोर्ट बेडसाइड टेबल पर छोड़ दिया था। जैकल तीस सेकंड के भीतर गलियारे में वापस आ गया, और ट्रैवलर चेक की फ़ाइल को बिना छुए छोड़ दिया, इस उम्मीद में कि चोरी का कोई सबूत न होने पर अधिकारी डेनिश व्यक्ति को यह समझाने की कोशिश करेंगे कि उसने अपना पासपोर्ट कहीं और खो दिया है। और ऐसा ही हुआ। डेनिश व्यक्ति के कॉफ़ी खत्म करने से बहुत पहले ही अंग्रेज़ बिना किसी को दिखे चला गया, और दोपहर में काफ़ी देर बाद, अपने कमरे की पूरी तरह से और रहस्यमयी तलाशी के बाद ही पादरी ने प्रबंधक को अपने पासपोर्ट के गायब होने के बारे में बताया। मैनेजर ने कमरे की तलाशी भी ली, और यह बताते हुए कि ट्रैवलर चेक वाले वॉलेट समेत बाकी सब कुछ सही- सलामत है, उसने अपने हैरान मेहमान को समझाने की पूरी कोशिश की कि पुलिस को होटल बुलाने की कोई ज़रूरत नहीं है क्योंकि उसने अपना पासपोर्ट कहीं रास्ते में खो दिया है। डेनिश नागरिक, जो एक दयालु व्यक्ति था और विदेश में अपने हालात को लेकर थोड़ा अनिश्चित था, उसने अनिच्छा से ही सही, मान लिया कि यही हुआ होगा। इसलिए उसने अगले दिन डेनिश वाणिज्य दूतावास में पासपोर्ट खोने की सूचना दी, उसे लंदन में अपने दो सप्ताह के प्रवास के बाद कोपेनहेगन लौटने के लिए यात्रा दस्तावेज़ जारी किए गए, और उसने इस बारे में फिर कभी नहीं सोचा। वाणिज्य दूतावास के क्लर्क, जिसने यात्रा दस्तावेज़ जारी किए थे, ने कोपेनहेगन के सेंट कजेल्डस्किर्क के पास्टर पेर जेन्सेन के नाम से पासपोर्ट खोने की रिपोर्ट दर्ज की, और उसने भी इस बारे में फिर कभी नहीं सोचा। तारीख 14 जुलाई थी।
दो दिन बाद, न्यूयॉर्क राज्य के सिरैक्यूज़ के एक अमेरिकी छात्र के साथ भी इसी तरह की घटना घटी। वह न्यूयॉर्क से लंदन हवाई अड्डे के ओशनिक बिल्डिंग में पहुंचा था और अमेरिकन एक्सप्रेस काउंटर पर अपने ट्रैवलर चेक को बदलवाने के लिए उसने अपना पासपोर्ट दिखाया। चेक बदलने के बाद उसने पैसे अपनी जैकेट की अंदरूनी जेब में रख लिए और पासपोर्ट को एक ज़िप वाले पाउच में डालकर एक छोटे चमड़े के हैंडबैग में रख दिया। कुछ मिनट बाद, एक कुली का ध्यान आकर्षित करने के लिए, उसने एक पल के लिए हैंडबैग नीचे रखा और तीन

सेकंड बाद ही वह गायब हो गया। पहले तो उसने कुली से शिकायत की, जिसने उसे पैन अमेरिकन पूछताछ डेस्क तक पहुंचाया, जिसने उसे निकटतम टर्मिनल सुरक्षा पुलिस अधिकारी के पास जाने का निर्देश दिया। अधिकारी उसे एक कार्यालय में ले गया जहाँ उसने अपनी परेशानी बताई।
जांच में इस संभावना को खारिज कर दिया गया कि किसी और ने गलती से उसे अपना समझकर ले लिया हो, जिसके बाद मामले को जानबूझकर की गई चोरी के रूप में दर्ज करते हुए एक रिपोर्ट दर्ज की गई।
सार्वजनिक स्थानों पर जेबकतरों और बैग छीनने वालों की हरकतों के लिए उस लंबे-चौड़े और चुस्त-दुरुस्त अमेरिकी युवक से माफी मांगी गई और खेद व्यक्त किया गया। उसे बताया गया कि हवाई अड्डे के अधिकारी आने वाले विदेशियों से होने वाली चोरी को रोकने के लिए कई एहतियाती कदम उठाते हैं। उसने यह स्वीकार करने में भी संकोच नहीं किया कि न्यूयॉर्क के ग्रैंड सेंट्रल स्टेशन पर उसके एक दोस्त के साथ भी इसी तरह की लूट हुई थी।
अंततः, लापता थैली, उसके अंदर रखी सामग्री और उसमें मौजूद कागजात एवं पासपोर्ट के विवरण के साथ, रिपोर्ट को लंदन मेट्रोपॉलिटन पुलिस के सभी विभागों में नियमित रूप से भेज दिया गया। इसे विधिवत दर्ज कर लिया गया, लेकिन जैसे-जैसे सप्ताह बीतते गए और थैली या उसके अंदर रखी सामग्री का कोई सुराग नहीं मिला, इस घटना के बारे में फिर कभी नहीं सोचा गया।
इसी बीच मार्टी शुल्बर्ग ग्रोसवेनर स्क्वायर स्थित अपने दूतावास गए, अपने पासपोर्ट की चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई और उन्हें यात्रा दस्तावेज जारी कर दिए गए, जिससे वे अपनी एक्सचेंज स्टूडेंट प्रेमिका के साथ स्कॉटलैंड के पहाड़ी इलाकों में एक महीने की छुट्टी बिताने के बाद संयुक्त राज्य अमेरिका वापस लौट सके। दूतावास में पासपोर्ट गुम होने की घटना दर्ज कराई गई, वाशिंगटन स्थित विदेश विभाग को इसकी सूचना दी गई और दोनों संस्थानों ने इसे भुला दिया।
लंदन हवाई अड्डे के दो विदेशी यात्री भवनों में कितने यात्रियों को विमान से उतरते ही और सीढ़ियों से नीचे जाते समय निगरानी चबूतरों से दूरबीन से देखा गया, यह कभी पता नहीं चल पाएगा। उम्र में अंतर होने के बावजूद, पासपोर्ट खोने वाले दोनों व्यक्तियों में कुछ समानताएँ थीं। दोनों लगभग छह फीट लंबे, चौड़े कंधों वाले और दुबले-पतले थे, उनकी नीली आँखें थीं और उनका चेहरा उस साधारण से दिखने वाले अंग्रेज से काफी मिलता-जुलता था जिसने

उनका पीछा किया और उन्हें लूटा। इसके अलावा, पास्टर जेन्सेन की उम्र अड़तालीस वर्ष थी, उनके बाल भूरे थे और वे पढ़ने के लिए सोने के फ्रेम वाला चश्मा पहनते थे; मार्टी शुल्बर्ग पच्चीस वर्ष के थे, उनके बाल भूरे थे और वे हमेशा मोटे फ्रेम वाला कार्यकारी चश्मा पहनते थे।
ये वो चेहरे थे जिनका जैकाल ने साउथ ऑडली स्ट्रीट के पास अपने फ्लैट में रखे राइटिंग डेस्क पर बैठकर बड़े ध्यान से अध्ययन किया था। उसे एक दिन और थिएटर के कॉस्ट्यूम बनाने वालों, ऑप्टिशियन और वेस्ट एंड में स्थित एक ऐसे पुरुषों के कपड़ों की दुकान के कई चक्कर लगाने पड़े, जो अमेरिकी शैली के और मुख्य रूप से न्यूयॉर्क में बने कपड़ों में विशेषज्ञता रखती थी, तब जाकर उसे नीले रंग के स्पष्ट दृष्टि वाले कॉन्टैक्ट लेंस का एक सेट मिला; दो जोड़ी चश्मे, एक सोने के फ्रेम वाला और दूसरा भारी काले फ्रेम वाला, दोनों में स्पष्ट लेंस लगे थे; एक पूरा पहनावा जिसमें काले चमड़े के स्नीकर्स, टी-शर्ट और अंडरपैंट, ऑफ-व्हाइट स्लैक्स और एक आसमानी नीले रंग का नायलॉन विंडचीटर था, जिसमें सामने ज़िप लगी थी और कॉलर व कफ लाल और सफेद ऊन के थे, ये सभी न्यूयॉर्क में बने थे; और एक पादरी की सफेद कमीज, कड़क कॉलर और काला बिब। आखिरी तीनों चीजों से निर्माता का लेबल सावधानीपूर्वक हटा दिया गया था।
दिन का उनका आखिरी दौरा चेल्सी में दो समलैंगिकों द्वारा संचालित पुरुषों के विग और टोपी की दुकान पर था। यहाँ उन्होंने बालों को मध्यम भूरे रंग में रंगने के लिए एक उत्पाद और भूरे रंग में रंगने के लिए एक और उत्पाद खरीदा, साथ ही रंग लगाने के सटीक और शरमाते हुए निर्देश भी प्राप्त किए ताकि कम से कम समय में सबसे अच्छा और प्राकृतिक दिखने वाला प्रभाव प्राप्त किया जा सके। उन्होंने तरल पदार्थ लगाने के लिए कई छोटे बाल ब्रश भी खरीदे। इसके अलावा, अमेरिकी कपड़ों के पूरे सेट को छोड़कर, उन्होंने किसी भी दुकान से एक से अधिक खरीदारी नहीं की।
अगले दिन, 18 जुलाई को, ले फिगारो अखबार के भीतरी पृष्ठ के निचले भाग में एक छोटा सा अनुच्छेद छपा था। इसमें बताया गया था कि पेरिस में पुलिस न्यायिक विभाग की आपराधिक ब्रिगेड के उप प्रमुख, कमिश्नर हिप्पोलिट डुपुय को क्वाई डेस ओरफेवरेस स्थित उनके कार्यालय में गंभीर आघात लगा और अस्पताल ले जाते समय उनकी मृत्यु हो गई। उनके उत्तराधिकारी का नाम घोषित कर दिया गया था। वे हत्या विभाग के प्रमुख कमिश्नर क्लाउड लेबेल थे, और

गर्मियों के महीनों में ब्रिगेड के सभी विभागों पर काम के दबाव को देखते हुए, वे तुरंत अपना नया कार्यभार संभालेंगे। जैकाल, जो लंदन में उपलब्ध हर फ्रांसीसी अखबार प्रतिदिन पढ़ता था, ने शीर्षक में 'अपराधी' शब्द पर नज़र पड़ने के बाद अनुच्छेद पढ़ा, लेकिन उसने इस पर कोई खास ध्यान नहीं दिया। लंदन हवाई अड्डे पर अपनी दैनिक निगरानी शुरू करने से पहले, उसने आगामी हत्या की पूरी प्रक्रिया के दौरान एक झूठी पहचान के साथ काम करने का फैसला किया था। नकली ब्रिटिश पासपोर्ट प्राप्त करना दुनिया के सबसे आसान कामों में से एक है। जैकल ने वही प्रक्रिया अपनाई जो अधिकांश भाड़े के सैनिक, तस्कर और अन्य लोग राष्ट्रीय सीमाओं को पार करने के लिए छद्म नाम का इस्तेमाल करते हैं। सबसे पहले उसने थेम्स घाटी के होम काउंटी में छोटे- छोटे गांवों की तलाश में कार से यात्रा की। तीसरे कब्रिस्तान में, जैकल को अपनी ज़रूरत के हिसाब से एक कब्र मिल गई - अलेक्जेंडर डग्गन की, जिसकी मृत्यु 1931 में ढाई साल की उम्र में हो गई थी। अगर वह जीवित होता, तो जुलाई 1963 में डग्गन बच्चा जैकल से कुछ महीने बड़ा होता। जब आगंतुक ने पादरी के घर आकर बताया कि वह एक शौकिया वंशावलीकार है और डग्गन परिवार के वंश वृक्ष का पता लगाने की कोशिश कर रहा है, तो बुजुर्ग पादरी विनम्र और मददगार साबित हुए। उन्हें बताया गया था कि कुछ वर्षों पहले एक डग्गन परिवार इस गांव में आकर बसा था। उन्होंने कुछ संकोच के साथ सोचा कि क्या पैरिश के रिकॉर्ड उनकी खोज में मदद कर सकते हैं।
पादरी जी अत्यंत दयालु थे, और चर्च जाते समय उन्होंने उस छोटे से नॉर्मन भवन की सुंदरता की प्रशंसा की और जीर्णोद्धार कोष के लिए दान पेटी में कुछ पैसे डाले, जिससे माहौल और भी खुशनुमा हो गया। अभिलेखों से पता चला कि डग्गन माता-पिता दोनों की मृत्यु पिछले सात वर्षों में हो चुकी थी, और दुख की बात है कि उनके इकलौते बेटे अलेक्जेंडर को तीस साल से भी अधिक समय पहले इसी कब्रिस्तान में दफनाया गया था। जैकल ने 1929 के जन्म, विवाह और मृत्यु के पल्ली रजिस्टर के पन्ने यूँ ही पलटे, और अप्रैल महीने में टेढ़ी-मेढ़ी और क्लर्क जैसी लिखावट में लिखा डग्गन का नाम उसकी नज़र में आया। अलेक्जेंडर जेम्स क्वेंटिन डुग्गन का जन्म 3 अप्रैल, 1929 को सेंट मार्क पैरिश, सैम्बॉर्न फिशली में हुआ था।
उन्होंने सारी जानकारी नोट कर ली, पादरी जी का हार्दिक धन्यवाद किया और चले गए। लंदन लौटकर वे जन्म, विवाह और मृत्यु के केंद्रीय रजिस्टर में

उपस्थित हुए, जहाँ एक सहायक युवा सहायक ने बिना किसी प्रश्न के उनका विजिटिंग कार्ड स्वीकार कर लिया। कार्ड में लिखा था कि वे श्रॉपशायर के मार्केट ड्रेटन स्थित एक वकीलों की फर्म में भागीदार हैं। उन्होंने बताया कि वे फर्म की एक ग्राहक के पोते-पोतियों का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं, जिनकी हाल ही में मृत्यु हो गई थी और उन्होंने अपनी संपत्ति अपने पोते-पोतियों के नाम कर दी थी। इन्हीं पोते-पोतियों में से एक अलेक्जेंडर जेम्स क्वेंटिन डुग्गन थे, जिनका जन्म 3 अप्रैल, 1929 को सेंट मार्क पैरिश के सैम्बॉर्न फिशली में हुआ था।
ब्रिटेन में अधिकांश सरकारी कर्मचारी विनम्रतापूर्वक पूछे गए किसी भी प्रश्न का उत्तर देने का भरसक प्रयास करते हैं, और इस मामले में सहायक भी अपवाद नहीं था। अभिलेखों की जाँच करने पर पता चला कि संबंधित बच्चे का पंजीकरण पूछताछकर्ता द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार ही हुआ था, लेकिन 8 नवंबर, 1931 को एक सड़क दुर्घटना में उसकी मृत्यु हो गई थी। कुछ शिलिंग के बदले जैकाल को जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र दोनों की प्रतियाँ प्राप्त हुईं। घर लौटने से पहले वह श्रम मंत्रालय के एक शाखा कार्यालय में रुका और वहाँ से पासपोर्ट आवेदन पत्र प्राप्त किया, एक खिलौने की दुकान पर गया जहाँ उसने पंद्रह शिलिंग में बच्चों का प्रिंटिंग सेट खरीदा, और डाकघर से एक पाउंड का डाक आदेश प्राप्त किया।
अपने फ्लैट में लौटकर उसने डग्गन के नाम से आवेदन पत्र भरा, जिसमें उम्र, जन्मतिथि आदि सब कुछ बिल्कुल सही लिखा, लेकिन अपनी निजी जानकारी नहीं दी। उसने अपनी लंबाई, बालों और आंखों का रंग खुद लिखा और पेशे के लिए सिर्फ 'व्यापारी' लिख दिया। बच्चे के जन्म प्रमाण पत्र से लिए गए डग्गन के माता- पिता के पूरे नाम भी भरे गए। संदर्भ देने वाले के रूप में उसने सेंट मार्क चर्च, सैम्बॉर्न फिशली के पादरी रेवरेंड जेम्स एल्डरली का नाम भरा, जिनसे उसने उस सुबह बात की थी और जिनका पूरा नाम और एलएल.डी. की उपाधि चर्च के गेट के बाहर एक बोर्ड पर छपी हुई थी। पादरी के हस्ताक्षर पतली लिखावट में पतली स्याही और पतली निब से बनाए गए थे, और प्रिंटिंग सेट से उसने 'सेंट मार्क पैरिश चर्च सैम्बॉर्न फिशली' का एक स्टैंप बनाया, जिसे पादरी के नाम के ठीक बगल में मजबूती से चिपका दिया गया। जन्म प्रमाण पत्र की प्रति, आवेदन पत्र और पोस्टल ऑर्डर पेटी फ्रांस के पासपोर्ट कार्यालय को भेज दिए गए। उसने मृत्यु प्रमाण पत्र नष्ट कर दिया। चार दिन बाद, जब वह सुबह का 'ले फिगारो'

अखबार पढ़ रहा था, तभी डाक से उसका नया पासपोर्ट उसके आवास के पते पर पहुंचा। उसने दोपहर के भोजन के बाद उसे ले लिया। उसी दोपहर बाद उसने फ्लैट को ताला लगाया और लंदन हवाई अड्डे के लिए रवाना हो गया, जहां से उसने कोपेनहेगन जाने वाली फ्लाइट पकड़ी और चेकबुक का इस्तेमाल न करने के लिए फिर से नकद भुगतान किया। उसके सूटकेस के नकली तले में, एक ऐसे डिब्बे में जो किसी साधारण पत्रिका से मुश्किल से ही मोटा था और जिसे बेहद गहन तलाशी के अलावा लगभग पता नहीं लगाया जा सकता था, दो हजार पाउंड थे जो उसने उसी दिन होल्बोर्न स्थित एक वकील फर्म के तहखानों में रखे अपने निजी दस्तावेजों के बक्से से निकाले थे।
कोपेनहेगन की यात्रा संक्षिप्त और व्यावसायिक रही। कास्ट्रुप हवाई अड्डे से निकलने से पहले ही उन्होंने अगली दोपहर ब्रुसेल्स जाने वाली सबेना एयरलाइन की उड़ान में अपनी टिकट बुक करा ली। डेनमार्क की राजधानी में खरीदारी के लिए बहुत देर हो चुकी थी, इसलिए उन्होंने कोंग्स नी टोर्व स्थित होटल डी'इंग्लैंड में कमरा बुक कराया, सेवन नेशंस रेस्तरां में जमकर भोजन किया, टिवोली गार्डन में टहलते हुए दो डेनिश गोरी महिलाओं के साथ हल्की-फुल्की छेड़छाड़ की और सुबह एक बजे तक बिस्तर पर चले गए।
अगले दिन उसने कोपेनहेगन के मध्य में स्थित पुरुषों के कपड़ों की एक प्रसिद्ध दुकान से हल्के भूरे रंग का पादरी सूट, सादे काले रंग के चलने वाले जूते, मोजे, अंडरवियर का एक सेट और कॉलर वाली तीन सफेद कमीजें खरीदीं। हर चीज में उसने केवल वही खरीदा जिस पर डेनिश निर्माता का नाम एक छोटे से कपड़े के टैब पर लिखा था। तीन सफेद कमीजों की उसे ज़रूरत नहीं थी, इसलिए उसने उन्हें केवल इसलिए खरीदा ताकि उन टैब को उस पादरी कमीज, कॉलर और बिब पर लगा सके जो उसने लंदन में खरीदी थीं, जब वह खुद को धर्मशास्त्र का छात्र बता रहा था और दीक्षा लेने वाला था।
उनकी आखिरी खरीदारी डेनिश भाषा में फ्रांस के उल्लेखनीय गिरजाघरों और गिरजाघरों पर एक किताब थी। उन्होंने टिवोली गार्डन में झील के किनारे स्थित एक रेस्तरां में दोपहर का भोजन किया और 3:15 बजे ब्रुसेल्स के लिए उड़ान भरी।

चौथा अध्याय
पॉल गूसेन्स जैसे असाधारण प्रतिभावान व्यक्ति का अधेड़ उम्र में पतन क्यों हुआ, यह उनके कुछ मित्रों, उनसे कहीं अधिक ग्राहकों और बेल्जियम पुलिस के लिए भी एक रहस्य बना हुआ था। लीज स्थित फैब्रिक नेशनेल के एक विश्वसनीय कर्मचारी के रूप में अपने तीस वर्षों के कार्यकाल में उन्होंने इंजीनियरिंग की उस शाखा में अचूक सटीकता के लिए ख्याति अर्जित की थी, जहाँ सटीकता अत्यंत आवश्यक है। उनकी ईमानदारी पर भी कोई संदेह नहीं था। इन तीस वर्षों के दौरान वे कंपनी द्वारा निर्मित हथियारों की विस्तृत श्रृंखला के अग्रणी विशेषज्ञ बन गए थे, जिनमें महिलाओं की सबसे छोटी स्वचालित बंदूक से लेकर सबसे भारी मशीनगन तक शामिल थीं।
उनका युद्ध रिकॉर्ड उल्लेखनीय था। यद्यपि उन्होंने जर्मन कब्जे के बाद भी नाज़ी युद्ध प्रयासों के लिए जर्मनों द्वारा संचालित हथियार कारखाने में काम करना जारी रखा था, लेकिन बाद में उनके करियर की जांच से यह निर्विवाद रूप से साबित हो गया कि उन्होंने प्रतिरोध आंदोलन के लिए गुप्त रूप से काम किया था, गिरे हुए मित्र देशों के वायुसैनिकों के भागने के लिए गुप्त ठिकानों की एक श्रृंखला में निजी तौर पर भाग लिया था, और कार्यस्थल पर एक तोड़फोड़ गिरोह का नेतृत्व किया था जिसने यह सुनिश्चित किया कि लीज द्वारा उत्पादित हथियारों का एक बड़ा हिस्सा या तो कभी सटीक रूप से नहीं चला या पचासवें गोले पर फट गया, जिससे जर्मन चालक दल मारे गए। यह सब, उस व्यक्ति के इतने विनम्र और सरल स्वभाव को देखते हुए, बाद में उनके बचाव पक्ष के वकीलों द्वारा उनसे निकलवाया गया और उनकी ओर से विजयी रूप से अदालत में पेश किया गया। इससे उनकी सजा कम करने में काफी मदद मिली, और जूरी भी उनके इस संकोचपूर्ण स्वीकारोक्ति से प्रभावित हुई कि उन्होंने युद्ध के दौरान अपनी गतिविधियों का कभी खुलासा नहीं किया क्योंकि मुक्ति के बाद मिलने वाले सम्मान और पदक उन्हें शर्मिंदा कर देते।
पचास के दशक के आरंभ में जब एक लाभदायक हथियार सौदे के दौरान एक विदेशी ग्राहक से बड़ी रकम का गबन किया गया था और संदेह उस पर मंडराया था, तब वह फर्म में एक विभागीय प्रमुख था और उसके अपने वरिष्ठों ने पुलिस को यह बताने में सबसे अधिक मुखरता दिखाई थी कि विश्वसनीय एम. गूसेन्स के संबंध में उनके संदेह हास्यास्पद थे।

से छूटा हुआ छोटा-मोटा अपराधी या रंगमंच पर अपनी उपलब्धियों के बीच आराम कर रहा कोई अभिनेता होता था।
उसके अपने 'कर्मचारियों' में से केवल जेबकतरों और जालसाज को ही उसकी असली पहचान पता थी। उसके कुछ ग्राहकों को भी, विशेषकर बेल्जियम के सरगनाओं को, जो न केवल उसे उसके हाल पर छोड़ देते थे, बल्कि पकड़े जाने पर भी उसे सुरक्षा प्रदान करते थे और यह बताने से इनकार कर देते थे कि उन्हें हथियार कहाँ से मिले थे, क्योंकि वह उनके लिए बहुत उपयोगी था।
इससे बेल्जियम पुलिस को उसकी कुछ गतिविधियों की जानकारी तो मिल गई, लेकिन वे उसे उसके कब्जे में मौजूद सामान के साथ पकड़ने या अदालत में मान्य गवाही हासिल करने में नाकाम रहे, जिससे उसे दोषी ठहराया जा सके। पुलिस को उसके परिवर्तित गैराज में बनी छोटी लेकिन बेहतरीन उपकरणों से लैस भट्टी और कार्यशाला के बारे में जानकारी थी और उन्हें उस पर गहरा संदेह भी था, लेकिन बार-बार जाने पर उन्हें गढ़े हुए धातु के पदकों और ब्रसेल्स की मूर्तियों के स्मृति चिन्हों के निर्माण के सामान के अलावा कुछ नहीं मिला। अपनी आखिरी यात्रा में उसने कानून और व्यवस्था बलों के प्रति अपने सम्मान के प्रतीक के रूप में मुख्य निरीक्षक को मैनकिन पिस की एक छोटी मूर्ति भेंट की थी।
21 जुलाई, 1963 की सुबह वह एक अंग्रेज के आने का इंतजार कर रहा था, जिसके आने की गारंटी उसे फोन पर उसके सबसे अच्छे ग्राहकों में से एक ने दी थी। वह ग्राहक 1960 से 1962 तक कटांगा की सेवा में एक पूर्व भाड़े का सैनिक था और तब से उसने बेल्जियम की राजधानी के वेश्यालयों में एक सुरक्षा व्यवसाय का संचालन किया था।
आगंतुक वादे के मुताबिक दोपहर में आ गया, और एम. गूसेन्स ने उसे हॉल से सटे अपने छोटे से कार्यालय में ले गए।
जब उनका मेहमान बैठ गया, तो उन्होंने पूछा, 'क्या आप कृपया अपना चश्मा उतार देंगे?' और जब लंबे अंग्रेज ने हिचकिचाहट दिखाई, तो उन्होंने आगे कहा, 'देखिए, मुझे लगता है कि जब तक हमारा व्यावसायिक संबंध कायम है, तब तक हम एक-दूसरे पर यथासंभव भरोसा रखें तो बेहतर होगा। एक ड्रिंक लें?'
जिस व्यक्ति के पासपोर्ट में उसका नाम अलेक्जेंडर डुग्गन लिखा होता, उसने अपने काले चश्मे उतारे और दो बियर परोसी जाने पर उस छोटे से बंदूक बनाने

वाले को हैरानी से घूरने लगा। एम. गूसेन्स अपनी मेज के पीछे बैठ गया, अपनी बियर की चुस्की ली और धीरे से पूछा,
‘महाशय, मैं आपकी किस प्रकार सेवा कर सकता हूँ?’
‘मुझे लगता है लुई ने मेरे आने के बारे में आपको पहले ही फोन किया था?’ 'बिल्कुल,' एम. गूसेन्स ने सिर हिलाते हुए कहा, 'नहीं तो आप यहां नहीं होते।' ‘क्या उसने आपको बताया कि मेरा व्यवसाय क्या है?’
'नहीं। बस इतना कि वह आपको कटांगा में जानता था, वह आपकी विवेकशीलता की गारंटी दे सकता था, आपको एक आग्नेयास्त्र की आवश्यकता थी, और आप नकद, स्टर्लिंग में भुगतान करने के लिए तैयार होंगे।'
अंग्रेज ने धीरे से सिर हिलाया। 'खैर, चूंकि मैं आपके व्यवसाय के बारे में जानता हूं, तो इसमें कोई हैरानी की बात नहीं है कि आप मेरा व्यवसाय न जानें। इसके अलावा, मुझे जिस हथियार की ज़रूरत है, वह एक विशेष प्रकार की बंदूक होनी चाहिए जिसमें कुछ खास अटैचमेंट लगे हों। मैं... उह... शक्तिशाली और धनी दुश्मनों को खत्म करने में माहिर हूं। जाहिर है, ऐसे लोग आमतौर पर खुद भी शक्तिशाली और धनी होते हैं। यह हमेशा आसान नहीं होता। वे विशेष सुरक्षा का खर्च उठा सकते हैं। ऐसे काम के लिए योजना और सही हथियार की ज़रूरत होती है। इस समय मेरे पास ऐसा ही एक काम है। मुझे एक राइफल की ज़रूरत होगी।'
एम. गूसेन्स ने एक बार फिर अपनी बीयर की चुस्की ली और अपने मेहमान को सौम्य भाव से सिर हिलाकर अभिवादन किया।
'बहुत बढ़िया, बहुत बढ़िया। मुझ जैसे विशेषज्ञ। मुझे लगता है कि मुझे एक चुनौती का एहसास हो रहा है। आपके मन में किस तरह की राइफल का विचार था?' 'राइफल का प्रकार उतना महत्वपूर्ण नहीं है। महत्वपूर्ण यह है कि काम की वजह से क्या सीमाएं हैं, और ऐसी राइफल ढूंढना जो उन सीमाओं के तहत संतोषजनक प्रदर्शन कर सके।'
एम. गूसेन्स की आंखें खुशी से चमक उठीं।
‘यह एक अनोखी बंदूक है,’ उसने प्रसन्नता से कहा। ‘यह एक ऐसे व्यक्ति और एक खास काम के लिए, एक खास परिस्थिति में ही बनाई गई है, और इसकी नकल कभी नहीं होगी। आप सही व्यक्ति के पास आए हैं। मुझे लगता है कि आप चुनौती पेश करेंगे, मेरे प्रिय महोदय। मुझे खुशी है कि आप आए।’

बेल्जियम के विद्वान के उत्साह को देखकर अंग्रेज ने मुस्कुरा दिया। 'मैं भी ऐसा ही महसूस कर रहा हूँ, महोदय।'
अब मुझे बताइए, ये सीमाएँ क्या हैं?
‘मुख्य सीमा आकार की है, लंबाई की नहीं बल्कि कार्यशील भागों के भौतिक आकार की। कक्ष और ब्रीच इससे अधिक बड़े नहीं होने चाहिए...’ उन्होंने अपना दाहिना हाथ ऊपर उठाया, मध्यमा उंगली का सिरा अंगूठे के सिरे को छू रहा था, जो ढाई इंच से कम व्यास वाले अक्षर 'ओ' के आकार का था।
‘इसका मतलब यह है कि यह रिपीटर नहीं हो सकती, क्योंकि गैस चैंबर इससे बड़ा होगा, और इसी कारण से इसमें भारी स्प्रिंग तंत्र भी नहीं हो सकता,’ अंग्रेज ने कहा। ‘मुझे लगता है कि यह बोल्ट-एक्शन राइफल होनी चाहिए।’
एम. गूसेन्स छत की ओर सिर हिला रहे थे, उनका दिमाग अपने आगंतुक की कही बातों के विवरण को ग्रहण कर रहा था, और उनके दिमाग में एक ऐसी राइफल की छवि बन रही थी जिसके काम करने वाले हिस्से बेहद पतले थे।
‘आगे बढ़ो, आगे बढ़ो,’ उसने धीरे से कहा।
दूसरी ओर, इसमें माउज़र 7.92 या ली एनफील्ड.303 की तरह बगल में निकला हुआ हैंडल वाला बोल्ट नहीं हो सकता। गोली को ब्रीच में फिट करने के लिए बोल्ट को कंधे की ओर सीधा पीछे खिसकाना होगा और तर्जनी और अंगूठे के बीच पकड़ना होगा। साथ ही, इसमें ट्रिगर गार्ड नहीं होना चाहिए और ट्रिगर खुद अलग करने योग्य होना चाहिए ताकि इसे फायरिंग से ठीक पहले लगाया जा सके।
‘क्यों?’ बेल्जियमवासी ने पूछा।
क्योंकि संपूर्ण तंत्र को भंडारण और परिवहन के लिए एक नलीनुमा डिब्बे में रखना होगा, और वह डिब्बा ध्यान आकर्षित नहीं करना चाहिए। इसके लिए, इसका व्यास उतना ही होना चाहिए जितना मैंने अभी दिखाया है, जिसके कारण मैं आगे समझाऊंगा। क्या इसमें एक अलग करने योग्य ट्रिगर हो सकता है?
‘बिल्कुल, लगभग सब कुछ संभव है। बेशक, एक ऐसी सिंगल-शॉट राइफल डिज़ाइन की जा सकती है जो शॉटगन की तरह लोडिंग के लिए पीछे से खुलती हो। इससे बोल्ट की ज़रूरत पूरी तरह खत्म हो जाएगी, लेकिन इसमें एक हिंज का इस्तेमाल होगा, जो शायद कोई बचत न हो। साथ ही, ऐसी राइफल को बिल्कुल शुरू से डिज़ाइन और निर्मित करना होगा, पूरे ब्रीच और चैंबर को बनाने के लिए धातु के एक टुकड़े को मिलिंग करना होगा। एक छोटी वर्कशॉप में यह आसान काम नहीं है, लेकिन संभव है।’

‘इसमें कितना समय लगेगा?’ अंग्रेज ने पूछा।
बेल्जियमवासी ने कंधे उचकाए और हाथ फैला दिए। 'मुझे डर है कि इसमें कई महीने लग जाएंगे।'
मेरे पास उतना समय नहीं है।
‘ऐसी स्थिति में, दुकान से खरीदी जा सकने वाली मौजूदा राइफल को लेना और उसमें कुछ बदलाव करना आवश्यक होगा। कृपया आगे बढ़ें।’
‘ठीक है। बंदूक का वजन भी हल्का होना चाहिए। भारी कैलिबर की होना जरूरी नहीं, गोली ही काफी होगी। इसकी नली छोटी होनी चाहिए, शायद बारह इंच से ज्यादा लंबी नहीं...’
आपको कितनी दूरी तक गोली चलानी होगी?
'यह अभी भी निश्चित नहीं है, लेकिन संभवतः एक सौ तीस मीटर से अधिक नहीं होगा।'
‘आप सिर का शॉट लेना चाहेंगे या छाती का?’
'शायद सिर पर ही निशाना लगाना पड़ेगा। मुझे छाती पर निशाना लगाने का मौका मिल सकता है, लेकिन सिर पर निशाना लगाना ज्यादा सुरक्षित है।' बेल्जियमवासी ने कहा, 'हाँ, अगर सही निशाना लगे तो जान लेना ज़्यादा आसान है। लेकिन सीने पर निशाना लगना ज़्यादा सुरक्षित है। कम से कम तब, जब आप एक सौ तीस मीटर की दूरी से हल्के हथियार का इस्तेमाल कर रहे हों और रास्ते में रुकावटें भी हों। मुझे लगता है,' उसने आगे कहा, 'सिर या सीने पर निशाना लगाने के आपके इस फैसले से कि शायद रास्ते में कोई आ रहा हो?'
'हां, ऐसा हो सकता है।'
'क्या आपको दूसरा शॉट लेने का मौका मिलेगा, यह ध्यान में रखते हुए कि खाली कारतूस को निकालने और नया कारतूस डालने, ब्रीच को बंद करने और फिर से निशाना साधने में कई सेकंड लगेंगे?'
'लगभग तो बिल्कुल नहीं। अगर मैं साइलेंसर का इस्तेमाल करूं और पहली गोली पूरी तरह से चूक जाए और आस-पास किसी को पता न चले, तो शायद मुझे दूसरी गोली चलाने का मौका मिल जाए। लेकिन अगर पहली गोली कनपटी पर भी लग जाए, तो भी मुझे बचने के लिए साइलेंसर की ज़रूरत पड़ेगी। आस-पास के लोगों को गोली कहाँ से आई, इसका अंदाज़ा लगने में कई मिनट का समय लगना चाहिए।' बेल्जियमवासी लगातार सिर हिलाता रहा, और अब उसकी निगाहें डेस्क पर रखे पैड पर टिकी हुई थीं।

‘तो बेहतर होगा कि आपके पास विस्फोटक गोलियां हों। मैं बंदूक के साथ कुछ विस्फोटक गोलियां तैयार रखूंगा। आप समझ रहे हैं ना?’
अंग्रेज ने सिर हिलाया। 'ग्लिसरीन या पारा?'
'ओह, मुझे लगता है पारा। यह बहुत साफ-सुथरा है। क्या इस बंदूक के बारे में और कोई बात है?'
मुझे लगता है ऐसा ही है। वजन कम करने के लिए बैरल के नीचे लगे हैंडल के सभी लकड़ी के हिस्से को हटा देना चाहिए। पूरा स्टॉक भी हटाना होगा। फायरिंग के लिए इसमें स्टेन गन की तरह फ्रेम-स्टॉक होना चाहिए, जिसके तीनों हिस्से - ऊपरी और निचला भाग और शोल्डर-रेस्ट - तीन अलग-अलग रॉड में खुल सकें। अंत में, इसमें एक पूरी तरह से कारगर साइलेंसर और एक टेलीस्कोपिक साइट होनी चाहिए। भंडारण और ले जाने के लिए ये दोनों भी हटाने योग्य होने चाहिए। बेल्जियमवासी ने काफी देर तक सोचा और अपनी बीयर खत्म होने तक घूंट-घूंट कर पीता रहा। अंग्रेज अधीर हो गया।
‘अच्छा, क्या तुम यह कर सकते हो?’
एम. गूसेन्स मानो अपनी तल्लीनता से बाहर आ गए। उन्होंने क्षमा मांगते हुए मुस्कुराया।
मुझे क्षमा करें। यह एक बहुत जटिल आदेश है। लेकिन हाँ, मैं इसे कर सकता हूँ। मैंने आज तक आवश्यक वस्तु उपलब्ध कराने में कभी कोई चूक नहीं की है। वास्तव में, आपने जिस चीज़ का वर्णन किया है वह एक शिकार अभियान है जिसमें उपकरण को कुछ जाँचों से इस प्रकार गुजारना होता है कि किसी को कोई संदेह न हो। एक शिकार अभियान में शिकार राइफल की आवश्यकता होती है, और आपको वही मिलेगी।.22 कैलिबर जितनी छोटी राइफल नहीं, क्योंकि वह तो खरगोश और लोमड़ी के लिए होती है। और न ही रेमिंगटन.300 जितनी बड़ी, जो आपके द्वारा माँगी गई आकार की सीमाओं के अनुरूप नहीं होगी।
मुझे लगता है कि मेरे दिमाग में ऐसी ही एक बंदूक है, जो ब्रुसेल्स में कुछ खेल की दुकानों पर आसानी से मिल जाती है। एक महंगी बंदूक, एक उच्च-सटीकता वाला उपकरण। बेहद सटीक, खूबसूरती से निर्मित और फिर भी हल्की और पतली। इसका इस्तेमाल चमोइस और अन्य छोटे हिरणों के शिकार के लिए बहुत किया जाता है, लेकिन विस्फोटक गोलियों के साथ यह बड़े शिकार के लिए एकदम सही है। मुझे बताइए, क्या... उह... सज्जन धीरे-धीरे चलेंगे, तेज चलेंगे या बिल्कुल नहीं चलेंगे?

'अचल।'
‘तो फिर कोई समस्या नहीं है। तीन अलग-अलग स्टील की छड़ों से बने फ्रेम-स्टॉक और स्क्रू-इन ट्रिगर को फिट करना तो बस यांत्रिकी का काम है। साइलेंसर के लिए बैरल के सिरे को टैप करना और बैरल को आठ इंच छोटा करना मैं खुद कर सकता हूँ। बैरल के आठ इंच कम होने से सटीकता थोड़ी कम हो जाती है। अफसोस, अफसोस। क्या आप निशानेबाज हैं?’
अंग्रेज ने सिर हिलाया।
फिर एक सौ तीस मीटर की दूरी पर स्थिर खड़े व्यक्ति को टेलीस्कोपिक साइट से निशाना बनाने में कोई समस्या नहीं होगी। साइलेंसर की बात करें तो, मैं उसे खुद बना लूंगा। ये जटिल नहीं होते, लेकिन बने-बनाए सामान के रूप में इन्हें प्राप्त करना मुश्किल होता है, खासकर राइफलों के लिए लंबे साइलेंसर, जो शिकार में आम नहीं होते। अब, महोदय, आपने पहले बंदूक को उसके पुर्जों में रखने के लिए कुछ नलीनुमा डिब्बों का जिक्र किया था। आपका क्या इरादा था? अंग्रेज उठा और मेज की ओर बढ़ा, वह छोटे बेल्जियन से काफी लंबा दिख रहा था। उसने अपना हाथ जैकेट के अंदर डाला, और एक पल के लिए छोटे आदमी की आँखों में डर की एक झलक दिखाई दी। पहली बार उसने गौर किया कि हत्यारे के चेहरे पर जो भी भाव थे, वे उसकी आँखों तक नहीं पहुँचे, जो मानो धुएँ की लकीरों से ढकी हुई थीं, मानो उन पर छाए हर भाव को ढक रही हों। लेकिन अंग्रेज ने सिर्फ एक चांदी की पेंसिल निकाली।
उन्होंने एम. गूसेन्स की नोटबुक को घुमाया और कुछ सेकंड के लिए तेजी से रेखाचित्र बनाए।
‘क्या आप इसे पहचानते हैं?’ उसने पैड को वापस बंदूक बनाने वाले की ओर घुमाते हुए पूछा।
‘बिल्कुल,’ बेल्जियमवासी ने बारीकी से बनाए गए रेखाचित्र पर एक नज़र डालने के बाद उत्तर दिया।
‘ठीक है। तो अब, यह पूरी चीज़ खोखली एल्युमिनियम की नलियों की एक श्रृंखला से बनी है जो आपस में पेंचों से जुड़ी होती हैं। यह वाली...’ चित्र में एक जगह पर पेंसिल की नोक से थपथपाते हुए... ‘इसमें राइफल के बट का एक स्ट्रट है। इसमें दूसरा स्ट्रट है। दोनों इस भाग को बनाने वाली नलियों के अंदर छिपी हुई हैं। राइफल का शोल्डर रेस्ट यहाँ... पूरी तरह से है। इसलिए, यह एकमात्र ऐसा भाग है जो बिना किसी बदलाव के दो उद्देश्यों को पूरा करता है।’

‘यहाँ…’ बेल्जियमवासी की आँखें आश्चर्य से चौड़ी हो गईं और उसने आरेख पर एक और बिंदु पर टैप किया… ‘सबसे मोटे बिंदु पर सबसे बड़े व्यास वाली नली है जिसमें राइफल का ब्रीच और उसके अंदर बोल्ट लगा हुआ है। यह बिना रुके बैरल की ओर पतला होता जाता है। जाहिर है, टेलीस्कोपिक साइट का उपयोग करने पर फोरसाइट की आवश्यकता नहीं होती, इसलिए असेंबली को खोलते ही यह सब इस डिब्बे से बाहर निकल जाता है। अंतिम दो भाग… यहाँ और यहाँ… में टेलीस्कोपिक साइट और साइलेंसर हैं। अंत में गोलियाँ। इन्हें नीचे के इस छोटे से हिस्से में डालना चाहिए। जब पूरी चीज असेंबल हो जाती है, तो यह बिल्कुल वैसी ही दिखनी चाहिए जैसी यह दिखती है। जब इसे इसके सात हिस्सों में खोला जाता है, तो गोलियाँ, साइलेंसर, टेलीस्कोप, राइफल और त्रिकोणीय फ्रेम स्टॉक बनाने वाले तीन स्ट्रट्स को निकालकर एक पूरी तरह से चालू राइफल के रूप में फिर से असेंबल किया जा सकता है। ठीक है?’
कुछ और सेकंड तक उस नन्हे बेल्जियन ने चित्र को देखा। धीरे-धीरे वह उठा, फिर उसने अपना हाथ आगे बढ़ाया।
‘महामहिम,’ उन्होंने आदरपूर्वक कहा, ‘यह प्रतिभा की एक अद्भुत कल्पना है। अदृश्य। और फिर भी इतनी सरल। यह अवश्य किया जाएगा।’
अंग्रेज न तो प्रसन्न हुआ और न ही असंतुष्ट।
‘अच्छा,’ उसने कहा। ‘अब समय का सवाल है। मुझे लगभग चौदह दिनों में बंदूक की जरूरत होगी, क्या इसका इंतजाम हो सकता है?’
जी हाँ। मैं तीन दिनों के भीतर बंदूक ला सकता हूँ। एक सप्ताह के काम में सभी आवश्यक बदलाव हो जाएँगे। टेलीस्कोपिक साइट खरीदना कोई समस्या नहीं है। साइट का चुनाव आप मुझ पर छोड़ सकते हैं, मुझे पता है कि आपके मन में जो 130 मीटर की रेंज है, उसके लिए क्या आवश्यक होगा। बेहतर होगा कि आप अपनी सुविधानुसार सेटिंग्स को कैलिब्रेट और ज़ीरो कर लें। साइलेंसर बनाना, गोलियों में बदलाव करना और बाहरी आवरण तैयार करना... हाँ, अगर मैं पूरी मेहनत करूँ तो भी यह सब दिए गए समय में हो जाएगा। हालाँकि, बेहतर होगा कि आप एक-दो दिन पहले यहाँ आ जाएँ, ताकि अगर कोई आखिरी मिनट की बात करनी हो तो बात हो सके। क्या आप बारह दिनों में वापस आ सकते हैं?
'हां, अब से सात से चौदह दिनों के बीच कभी भी। लेकिन चौदह दिन अंतिम समय सीमा है। मुझे 4 अगस्त तक लंदन वापस आना होगा।'

'[[[ [[ [[[[[[ [[[[[[ [[ [[[[[[[ [[ [[[[ 1 [[[[[[ [[ [[[[[[ [[[[[[[[ [[ [[[[[ [[[[, [[ [[[[[ 4 [[[[[[ [[ [[[[[ [[[[ [[[[[[ [[[[[[[[ [[ [[[[ [[[[[ [[[[[[[[[ [[ [[[[[[[ [[[[[[ [[[[[[[ [[[[ [[[[[[, [[[[[[[['

‘[[[[[[[ [[ [[[[[ [[[[[[[ [[ [[[[ [[ [[[[[ [[,’ [[[[[[[[ [[ [[[[[ ‘[[[[[ [[[[[ [[[[[[[ [[ [[ [[ [[[[[[ [[[[[[?’

[[[[[[[[[[[[[[ [[ [[[[ [[[[ [[[[[[ ‘[[ [[[[ [[ [[[[ [[ [[[[, [[[[[[ [[[[[ [[[[[ [[[[[ [[[[[[, [[[[[ [[[[[[[ [[[[[[[[[ [[ [[[[[ [[[[[[ [[[[[[ [[ [[[[[[ [[[[, [[[[[ [[ [[[[[[ [[[[[[[[[[ [[[[[[ [[ [[[[ [[[[[ [[[[[[ [[[[ [[[[[[ [[[[ [[ [[ [[ [[[[[[[ [[[[[[ [[ [[ [[ [[[[[ [[[[ [[[[[[ [[ [[[[ [[[[[[[ [[[[[[ [[[[[ [[[[ [[ [[[[ [[ [[ [[ [[[[[[[ [[[[ [[[[[[[ [[[[[ [[[[[[ [[ [[ [[[[[[ [[[[ [[[[ [[ [[[[[[[[ [[[[ [[ [[[[ [[[[ [[[[ [[ [[[[ [[[[[ [[, [[[[ [[[[[[[[[ [[ [[[[[ [[[[ [[[[[ [[ [[[[, [[[[[[, [[[[ [[[[[ [[[[[[[[ [[[[ [[[[[[[[[[[[[ [[[[[ [[[[[[[[[[[[[ [[ [[[[ [[[[[ [[[[[[[ [[[[[[ [[[[ [[[[ [[[[[[ [[[[[[[, [[[[[[[[, [[[[[[[ [[ [[[[[[ [[[[ [[ [[[[[ [[[[[ [[ [[[[[ [[[[[... [[[[[ [[ [[ [[[[[[ [[ [[[[[[[’

‘[[ [[[[,’ [[[[[[[[ [[ [[[[[ [[[[[ [[[[ [[ [[[[[ [[[[[[ [[[[[ [[[[ [[ [[[[[ [[[[ [[[[ [[[[ [[[[[ [[ [[[[[ [[[[[[[[ [[ [[[[ [[ [[ [[[[[ [[[[[-[[[[[ [[[[[[ [[ [[[[[[ [[ [[ [[[[[ [[[[[[[[ [[ [[[[-[[[[ [[ [[[[ [[[[ [[[[[ [[[[ [[[[ [[[[[ [[[[-[[[[ [[ [[[[[[ [[ [[[[[ [[[[[ [[[[[[
[[[[[[[[[ [[[[[ [[[[ [[ [[[[ [[[[, “[[[[ [[[[[[ [[[[[ [[[[[[[[ [[ [[[[[ [[[[[[[[[[[[[ [[[[[[ [[[[[ [[ [[[[ [[[[ [[[[[ [[[[[[[ [[[[[[[ [[ [[[[ [[[[ [[ [[[[[[[ [[ [[[[[ [[[[[ [[ [[[[ [[[[[ [[ [[[[[[ [[[[[ [[[[ [[[[ [[ [[[[[[ [[[[ [[[[[[[ [[[[[[ [[[[ [[[[[[ [[ [[[[[[[[ [[[[[ [[ [[[[ [[[[ [[[[[[[ [[[[[ [[[[[[[[[[[[ [[?”

[[[[[[[[[ [[ [[ [[[[[[[[ [[ [[[[[[[[[[[[[[ [[[[[[ [[ [[[[ [[[[ [[[[[ [[[[ [[[[, '[[[[[[, [[ [[[[[[[ [[ [[[[[[ [[[[[[[[ [[ [[[[ [[[[[[[[ [[[[[ [[[[[ [[ [[[[ [[[[' ‘[[ [[[[[[ [[ [[[[[ [[,’ [[[[[ [[[[[[[ [[ [[[[[ [[[[ [[[[ [[[[ [[[[[[[ [[[[[ [[[[[ [[[[[ [[[[ [[[[[ [[[[[ ‘[[[[ [[[[ [[ [[[[[[[ [[[[[ [[ [[[[ [[[[[[ [[[[[ [[[[[[, [ [[ [[[[[ [[ [[[[[ [[ [[ [[ [[[[[[[ [[ [[[[ [[[[ [[[[, [ [[ [[[[[ [[[[[ [[[[[[ [[[[[ [[[[ [ [[ [[ [[[[ [[[[[[ [[ [[[[[[ [[[[[[ [[ [[[[ [[[[[[ [[[[ [[[[ [[ [[[[ [[[[, [ [[ [[[[[[ [[[[[[[ [[[[ [[[[[[ [[[[ [[[[[ [[ [[[[[[ [[, [[ [[[[[ [[[[[ [[[[ [[ [[[[[[ [[[[[ [[[[ [[[[ [[ [[[[ [[[[ [[[[[[ [[[[[[ [[[[ [[[[[[ [[ [[[[[[[[ [[[[[ [[ [[[[ [[[[ [[[[[[[ [[[[[ [[[[[[[[[[[[ [[?’

एम. गूसेन्स बहुत दुखी थे। गलियारे में खड़े होकर उन्होंने उस अंग्रेज की ओर देखा और उनके भीतर भय की लहर दौड़ गई। बेल्जियम के कुख्यात गिरोह के कई खूंखार लोग उनके पास विशेष या असामान्य हथियार मांगने या फिर साधारण सी छोटी सी कोल्ट स्पेशल पिस्तौल मांगने आते थे, और वह उनसे ऐसे ही कई बार मिल चुके थे। ये लोग वाकई सख्त मिजाज के थे। लेकिन इंग्लिश चैनल के उस पार से आए उस आगंतुक में कुछ दूरी और निर्दयता झलक रही थी, जो एक महत्वपूर्ण और सुरक्षित व्यक्ति को मारने आया था। वह कोई आम गिरोह का सरगना नहीं, बल्कि कोई बड़ा आदमी था, शायद कोई राजनेता। उन्होंने विरोध करने या समझाने की सोची, फिर अपना इरादा बदल दिया।
‘महाशय,’ उसने शांत स्वर में कहा, ‘मैं आपके बारे में कुछ भी नहीं जानना चाहता। आपको जो बंदूक मिलेगी, उस पर कोई सीरियल नंबर नहीं होगा। देखिए, मेरे लिए यह ज़्यादा ज़रूरी है कि आपके किसी भी काम का मुझसे कोई संबंध न निकले, बजाय इसके कि मैं आपके बारे में और ज़्यादा जानने की कोशिश करूँ। नमस्कार, महाशय।’
सियार तेज धूप में बाहर निकल गया और दो गलियाँ आगे जाकर उसे एक टैक्सी मिल गई जो उसे वापस शहर के केंद्र और होटल अमीगो ले जाने के लिए तैयार थी। उन्हें शक था कि बंदूकें हासिल करने के लिए गूसेन्स को कहीं न कहीं किसी जाली दस्तावेज़ बनाने वाले को काम पर रखना पड़ेगा, लेकिन उन्होंने खुद ही किसी जाली दस्तावेज़ बनाने वाले को ढूंढने और इस्तेमाल करने का फैसला किया। एक बार फिर लुई, जो पुराने दिनों में कटांगा में उनका परिचित था, ने उनकी मदद की। वैसे यह मुश्किल नहीं था। ब्रसेल्स जाली पहचान पत्र उद्योग का केंद्र रहा है और कई विदेशी इस क्षेत्र में सहायता प्राप्त करने में औपचारिकताओं की कमी की सराहना करते हैं। साठ के दशक की शुरुआत में ब्रसेल्स भाड़े के सैनिकों का ऑपरेशन बेस भी बन गया था, क्योंकि यह कांगो में फ्रांसीसी और दक्षिण अफ्रीकी/ब्रिटिश इकाइयों के उदय से पहले की बात है, जिन्होंने बाद में इस व्यवसाय पर अपना दबदबा बना लिया। कटांगा के हाथ से निकल जाने के बाद, पुराने त्शोम्बे शासन के तीन सौ से अधिक बेरोजगार 'सैन्य सलाहकार' रेड-लाइट एरिया के बारों में घूम रहे थे, जिनमें से कई के पास पहचान पत्रों के कई सेट थे।
लुई द्वारा तय की गई मुलाकात के बाद जैकल को रू न्यूवे के पास एक बार में अपना आदमी मिल गया। उसने अपना परिचय दिया और दोनों एक कोने में जाकर बैठ

गए। जैकल ने अपना ड्राइविंग लाइसेंस दिखाया, जो उसके अपने नाम पर था और दो साल पहले लंदन काउंटी काउंसिल द्वारा जारी किया गया था, जिसकी वैधता अभी कुछ महीने बाकी थी।
उन्होंने बेल्जियमवासी से कहा, 'यह उस व्यक्ति का था जो अब मर चुका है। चूंकि ब्रिटेन में मेरे वाहन चलाने पर प्रतिबंध है, इसलिए मुझे अपने नाम से एक नया मुखपृष्ठ चाहिए।'
उसने डग्गन के नाम का पासपोर्ट जालसाज़ के सामने रख दिया। सामने बैठे व्यक्ति ने पहले पासपोर्ट पर नज़र डाली, उसकी नवीनता पर गौर किया, इस तथ्य पर गौर किया कि यह तीन दिन पहले ही जारी किया गया था, और फिर अंग्रेज को चतुराई से देखा।
‘हाँ,’ उसने धीरे से कहा, फिर छोटा सा लाल ड्राइविंग लाइसेंस खोल लिया। कुछ मिनट बाद उसने ऊपर देखा।
‘मुश्किल नहीं है, महोदय। अंग्रेज़ अधिकारी भले लोग हैं। उन्हें शायद यह उम्मीद नहीं है कि सरकारी दस्तावेज़ों में जालसाज़ी हो सकती है, इसलिए वे ज़्यादा सावधानी नहीं बरतते। यह कागज़...’ उन्होंने लाइसेंस के पहले पन्ने पर चिपके छोटे से पन्ने को झटका दिया, जिस पर लाइसेंस नंबर और धारक का पूरा नाम लिखा था... ‘इसे तो बच्चों के प्रिंटिंग सेट से भी छापा जा सकता है। वॉटरमार्क लगाना आसान है। इसमें कोई समस्या नहीं है। क्या आपको बस इतना ही चाहिए था?’
नहीं, दो और पेपर हैं।
आह। अगर आप मुझे ऐसा कहने की अनुमति दें, तो मुझे यह अजीब लगा कि आप इतने सरल काम के लिए मुझसे संपर्क करना चाहते हैं। आपके अपने लंदन में ऐसे लोग जरूर होंगे जो इसे कुछ ही घंटों में कर सकते हैं। बाकी कागजात क्या हैं? सियार ने उनका हर एक विवरण दिया। बेल्जियमवासी सोच में डूबा हुआ था। उसने बास्तो सिगरेट का एक पैकेट निकाला, अंग्रेज को एक सिगरेट दी, जिसे उसने मना कर दिया, और खुद एक सिगरेट जला ली।
‘यह इतना आसान नहीं है। फ्रांसीसी पहचान पत्र, उतना बुरा नहीं है। ऐसे बहुत सारे कार्ड उपलब्ध हैं जिनसे काम चल सकता है। आप समझते हैं, सर्वोत्तम परिणाम प्राप्त करने के लिए मूल कार्ड से काम करना आवश्यक है। लेकिन दूसरा वाला... मुझे नहीं लगता कि मैंने ऐसा कोई कार्ड देखा है। यह एक बहुत ही असामान्य आवश्यकता है।’

वह थोड़ी देर रुका, तभी सियार ने पास से गुजर रहे एक वेटर को उनके गिलास फिर से भरने का आदेश दिया। वेटर के चले जाने के बाद उसने फिर से पीना शुरू किया।
और फिर वो तस्वीर। ये आसान नहीं होगा। आप कहते हैं कि उम्र, बालों के रंग और लंबाई में अंतर होना चाहिए। जाली दस्तावेज़ बनवाने की इच्छा रखने वाले अधिकतर लोग चाहते हैं कि दस्तावेज़ पर उनकी अपनी तस्वीर हो, लेकिन व्यक्तिगत विवरण गलत हों। लेकिन एक ऐसी नई तस्वीर तैयार करना जो आपके वर्तमान रूप से बिल्कुल मेल न खाए, इससे मामला और भी पेचीदा हो जाता है। उसने अपनी आधी बियर पी ली, और अब भी सामने बैठे अंग्रेज को घूर रहा था। 'इसके लिए आपको कार्ड धारक की लगभग उम्र का एक आदमी ढूंढना होगा, जो कम से कम सिर और चेहरे से आपसे मिलता-जुलता हो, और उसके बाल आपकी ज़रूरत के हिसाब से काट लेने होंगे। फिर उस आदमी की तस्वीर कार्ड पर लगा दी जाएगी। उसके बाद आपको अपना भेष उस आदमी के असली रूप के अनुसार बनाना होगा, न कि उसके उलट। समझे?'
‘हां,’ सियार ने उत्तर दिया।
‘इसमें कुछ समय लगेगा। आप ब्रुसेल्स में कितने दिन रुक सकते हैं?’
‘ज्यादा देर नहीं,’ सियार ने कहा। ‘मुझे जल्द ही निकलना होगा, लेकिन मैं 1 अगस्त को वापस आ सकता हूँ। उसके बाद मैं तीन दिन और रुक सकता हूँ। मुझे चार तारीख को लंदन लौटना है।’
बेल्जियमवासी ने कुछ देर तक सोचा और अपने सामने रखे पासपोर्ट में लगी तस्वीर को घूरता रहा। अंत में उसने पासपोर्ट को मोड़कर बंद किया और अपनी जेब से एक कागज निकालकर उस पर अलेक्जेंडर जेम्स क्वेंटिन डुग्गन नाम लिखकर अंग्रेज को वापस दे दिया। उसने कागज और ड्राइविंग लाइसेंस दोनों को अपनी जेब में रख लिया।
ठीक है। यह हो सकता है। लेकिन मुझे आपकी एक अच्छी सी तस्वीर चाहिए, जिसमें आपका पूरा चेहरा और साइड का हिस्सा साफ दिखाई दे। इसमें समय लगेगा। और पैसा भी। इसमें कुछ अतिरिक्त खर्च भी शामिल हैं... हो सकता है कि मुझे आपके बताए गए दूसरे कार्ड को हासिल करने के लिए जेब काटने में माहिर किसी साथी के साथ फ्रांस में ही जाना पड़े। जाहिर है, मैं पहले ब्रसेल्स में पता करूँगा, लेकिन शायद इतनी मशक्कत करनी ही पड़े...
‘कितने?’ अंग्रेज ने बीच में ही टोकते हुए पूछा।

बीस हजार बेल्जियम फ्रैंक।
सियार ने एक पल सोचा। 'लगभग डेढ़ सौ पाउंड स्टर्लिंग। ठीक है। मैं आपको सौ पाउंड अग्रिम भुगतान करूँगा और शेष राशि डिलीवरी के समय दूँगा।' बेल्जियमवासी ने कहा, 'तो बेहतर होगा कि हम पोर्ट्रेट तस्वीरें खिंचवा लें। मेरा अपना स्टूडियो है।'
वे एक मील से अधिक दूर एक छोटे से तहखाने वाले फ्लैट तक टैक्सी से गए। पता चला कि वह एक जर्जर और खस्ताहाल फोटोग्राफर का स्टूडियो था, जिसके बाहर एक बोर्ड लगा था जिस पर लिखा था कि यह एक व्यावसायिक प्रतिष्ठान है जो ग्राहकों के इंतजार करते समय पासपोर्ट फोटो तैयार करने में माहिर है। खिड़की में स्टूडियो मालिक के पिछले काम की कुछ बेहतरीन तस्वीरें लगी थीं, जिन्हें देखकर राहगीर को लगा होगा - दो मुस्कुराती हुई लड़कियों के चित्र, जिन्हें बुरी तरह से एडिट किया गया था, एक ऐसे जोड़े की शादी की तस्वीर जो इतनी भद्दी थी कि शादी की अवधारणा पर ही धब्बा लगा देती थी, और दो बच्चे। बेल्जियमवासी आगे-आगे सीढ़ियों से उतरकर मुख्य दरवाजे तक गया, ताला खोला और अपने मेहमान को अंदर ले गया।
दो घंटे चले इस सेशन में बेल्जियम के फोटोग्राफर ने कैमरे के साथ ऐसी कुशलता दिखाई जो खिड़की में लगे चित्रों के लेखक के पास कभी नहीं हो सकती थी। एक कोने में रखे एक बड़े से बक्से को उन्होंने अपनी चाबी से खोला, जिसमें महंगे कैमरों और फ्लैश उपकरणों का संग्रह था, साथ ही चेहरे पर इस्तेमाल होने वाली कई तरह की चीजें भी थीं, जिनमें बालों को रंगने और डाई करने वाले उत्पाद, नकली विग, चश्मे, तरह-तरह के चश्मे और थिएटर के सौंदर्य प्रसाधनों का एक डिब्बा शामिल था।
सेशन के बीच में ही बेल्जियम के फोटोग्राफर को एक ऐसा विचार आया जिससे असली तस्वीर के लिए किसी और को पोज देने की जरूरत ही नहीं पड़ी। तीस मिनट तक सियार के चेहरे पर मेकअप करने के असर को देखते हुए, वह अचानक संदूक में कूदा और एक विग निकाल लाया।
‘इस बारे में आपकी क्या राय है?’ उसने पूछा।
विग का रंग लोहे जैसा भूरा था और उसे ब्रोसे स्टाइल में काटा गया था। 'क्या आपको लगता है कि आपके अपने बाल, इस लंबाई तक काटे जाने और इस रंग में रंगे जाने पर, ऐसे दिख सकते हैं?'

सियार ने विग उठाया और उसकी जांच की। उसने सुझाव दिया, 'हम इसे पहनकर देख सकते हैं कि यह फोटो में कैसा दिखता है।'
और यह कारगर साबित हुआ। बेल्जियम का वह व्यक्ति अपने ग्राहक की छह तस्वीरें खींचने के आधे घंटे बाद, हाथ में प्रिंटों का एक बंडल लिए डेवलपिंग रूम से बाहर आया। दोनों ने मिलकर मेज पर तस्वीरों को ध्यान से देखा। ऊपर की ओर एक बूढ़े और थके हुए आदमी का चेहरा था। त्वचा राख जैसी धूसर थी और आँखों के नीचे थकान या दर्द के काले घेरे थे। उस आदमी की न तो दाढ़ी थी और न ही मूंछें, लेकिन सिर के भूरे बालों से ऐसा लग रहा था कि वह कम से कम पचास वर्ष का होगा, और शारीरिक रूप से तंदुरुस्त भी नहीं।
अंत में बेल्जियमवासी ने कहा, 'मुझे लगता है कि यह काम करेगा।'
सियार ने उत्तर दिया, “समस्या यह है कि इस प्रभाव को प्राप्त करने के लिए आपको मुझ पर आधे घंटे तक सौंदर्य प्रसाधनों से काम करना पड़ा। फिर विग भी थी। मैं यह सब खुद से नहीं कर सकता। और यहाँ हम रोशनी में थे, जबकि मुझे खुले में रहना होगा जब मुझे ये कागजात पेश करने होंगे जिनकी मैंने मांग की है।”
‘लेकिन असल मुद्दा यह नहीं है,’ जालसाज़ ने जवाब दिया। ‘बात यह नहीं है कि आप तस्वीर की एक बेजान छवि नहीं होंगे, बल्कि यह है कि तस्वीर आपकी बेजान शक्ल नहीं होगी। कागज़ात की जाँच करने वाले व्यक्ति का दिमाग इसी तरह काम करता है। वह पहले चेहरा देखता है, असली चेहरा, फिर कागज़ात माँगता है। फिर वह तस्वीर देखता है। उसके मन में पहले से ही बगल में खड़े व्यक्ति की छवि बनी होती है। इससे उसके निर्णय पर असर पड़ता है। वह समानताओं को खोजता है, विपरीतताओं को नहीं।’
दूसरी बात, यह तस्वीर पच्चीस सेंटीमीटर चौड़ी और बीस सेंटीमीटर लंबी है। पहचान पत्र में लगी तस्वीर तीन सेंटीमीटर चौड़ी और चार सेंटीमीटर लंबी होगी। तीसरी बात, बहुत सटीक तस्वीर से बचना चाहिए। अगर कार्ड कई साल पहले जारी हुआ था, तो यह मुमकिन नहीं कि किसी व्यक्ति में ज़रा भी बदलाव न आया हो। इस तस्वीर में आप कॉलर वाली खुली गर्दन की धारीदार कमीज़ पहने हुए हैं। ऐसी कमीज़ पहनने से बचें, या फिर खुली गर्दन की कमीज़ पहनने से ही बचें। टाई, स्कार्फ या टर्टल-नेक स्वेटर पहनें।
अंत में, मैंने तुम्हारे साथ जो कुछ भी किया है, उसकी नकल आसानी से की जा सकती है। मुख्य बात तो बाल हैं। इस तस्वीर को प्रस्तुत करने से पहले

इन्हें एकदम साफ-सुथरा काटना होगा और भूरे रंग में रंगना होगा, शायद तस्वीर से भी ज़्यादा भूरा, लेकिन कम नहीं। बुढ़ापे और कमज़ोरी का आभास बढ़ाने के लिए दो-तीन दिन दाढ़ी बढ़ा लो। फिर तेज़ धार वाले रेज़र से दाढ़ी बना लो, लेकिन बुरी तरह से, कुछ जगहों पर कट लग जाए। बुज़ुर्ग लोग अक्सर ऐसा करते हैं। जहाँ तक रंग-रूप की बात है, यह बेहद ज़रूरी है। दया पाने के लिए यह भूरा और थका हुआ, बल्कि मोम जैसा और बदसूरत दिखना चाहिए। क्या तुम कुछ बारूद के टुकड़े ला सकते हो?
सियार ने जालसाज़ के खुलासे को प्रशंसा से सुना, हालाँकि उसके चेहरे पर कोई भाव नहीं दिखा। एक ही दिन में दूसरी बार वह एक ऐसे पेशेवर से संपर्क करने में सफल रहा था जो अपने काम में माहिर था। उसने खुद को याद दिलाया कि काम पूरा होने के बाद लुई को उचित धन्यवाद देना है।
उन्होंने सावधानी से कहा, 'ऐसा हो सकता है।'
‘कॉर्डाइट के दो या तीन छोटे टुकड़े चबाकर निगलने से आधे घंटे के भीतर मतली का एहसास होता है, जो असहज तो होता है लेकिन जानलेवा नहीं। इससे त्वचा का रंग भी पीला पड़ जाता है और चेहरे पर पसीना आने लगता है। सेना में हम इस तरकीब का इस्तेमाल बीमारी का नाटक करने और थकान व लंबी पैदल यात्रा से बचने के लिए करते थे।’
जानकारी के लिए धन्यवाद। अब बाकी के लिए, क्या आपको लगता है कि आप समय पर दस्तावेज़ उपलब्ध करा सकते हैं?
तकनीकी दृष्टि से, इसमें कोई संदेह नहीं है। एकमात्र समस्या दूसरे फ्रांसीसी दस्तावेज़ की मूल प्रति प्राप्त करना है। इसके लिए मुझे शायद जल्दी काम करना होगा। लेकिन अगर आप अगस्त के पहले कुछ दिनों में वापस आ जाएं, तो मुझे लगता है कि मैं ये सब आपके लिए तैयार कर सकता हूँ। आपने... अह... खर्चों को पूरा करने के लिए अग्रिम भुगतान का जिक्र किया था...
सियार ने अपनी अंदरूनी जेब में हाथ डाला और पच्चीस-पच्चीस पाउंड के नोटों का एक बंडल निकाला, जिसे उसने बेल्जियमवासी को सौंप दिया।
उन्होंने पूछा, 'मैं आपसे कैसे संपर्क कर सकता हूं?'
मैं आज रात वाले तरीके से ही सुझाव दूंगा।
'बहुत जोखिम भरा है। मेरा संपर्क सूत्र लापता हो सकता है, या शहर से बाहर हो सकता है। तब मेरे पास आपको ढूंढने का कोई तरीका नहीं होगा।'

बेल्जियमवासी ने एक मिनट सोचा। 'तो मैं अगस्त के पहले तीन दिनों में से प्रत्येक दिन शाम छह बजे से सात बजे तक उसी बार में आपका इंतजार करूंगा जहां हम आज रात मिले थे। अगर आप नहीं आते हैं, तो मैं मान लूंगा कि सौदा रद्द हो गया है।'
अंग्रेज ने विग उतार दी थी और चेहरे को पोंछने वाले पानी में भीगे तौलिए से अपना चेहरा साफ कर रहा था। चुपचाप उसने अपनी टाई और जैकेट पहनी। जब उसका काम पूरा हो गया तो वह बेल्जियमवासी की ओर मुड़ा।
‘कुछ बातें हैं जिन्हें मैं स्पष्ट करना चाहता हूँ,’ उसने धीमी आवाज़ में कहा। उसकी आवाज़ में मित्रता का भाव नहीं था और आँखें बेल्जियन को ऐसे घूर रही थीं जैसे जलडमरूमध्य की धुंध। ‘जब आपका काम पूरा हो जाए, तो आप वादे के मुताबिक बार में मौजूद रहेंगे। आप मुझे नया लाइसेंस और आपके पास मौजूद लाइसेंस से निकाला गया पृष्ठ लौटा देंगे। साथ ही, अभी-अभी ली गई तस्वीरों के नेगेटिव और सभी प्रिंट भी लौटा देंगे। आप डग्गन और उस ड्राइविंग लाइसेंस के मूल मालिक का नाम भी भूल जाएंगे। आप जो दो फ्रांसीसी दस्तावेज़ पेश करने जा रहे हैं, उन पर नाम आप स्वयं चुन सकते हैं, बशर्ते वह एक सरल और आम फ्रांसीसी नाम हो। मुझे सौंपने के बाद आप वह नाम भी भूल जाएंगे। आप इस आयोग के किसी भी व्यक्ति से फिर कभी बात नहीं करेंगे। यदि आप इनमें से किसी भी शर्त का उल्लंघन करते हैं, तो आपको मृत्युदंड दिया जाएगा। क्या यह समझ में आया?’
बेल्जियमवासी कुछ क्षणों तक घूरता रहा। पिछले तीन घंटों में वह अंग्रेज को एक साधारण ग्राहक समझने लगा था, जो ब्रिटेन में कार चलाना चाहता था और अपने स्वार्थ के लिए फ्रांस में एक अधेड़ उम्र के व्यक्ति का वेश धारण किए बैठा था। शायद कोई तस्कर, जो ब्रिटेन के किसी सुनसान मछली पकड़ने वाले बंदरगाह से इंग्लैंड में ड्रग्स या हीरे की तस्करी कर रहा हो। लेकिन असल में वह काफी अच्छा आदमी था। लेकिन उसने अपना विचार बदल दिया।
‘यह समझा जाता है, महोदय।’
कुछ ही सेकंड बाद वह अंग्रेज रात के अंधेरे में गायब हो गया। वह पांच ब्लॉक पैदल चला और फिर टैक्सी लेकर एमिगो होटल लौटा। जब वह पहुंचा तो आधी रात हो चुकी थी। उसने अपने कमरे में ठंडा चिकन और मोसेले की एक बोतल मंगाई, मेकअप के आखिरी निशान हटाने के लिए अच्छी तरह से स्नान किया और फिर सो गया।

अगली सुबह उन्होंने होटल से चेक आउट किया और ब्राबांट एक्सप्रेस से पेरिस के लिए रवाना हुए। यह 22 जुलाई का दिन था।
एसडीईसीई के एक्शन सर्विस के प्रमुख उसी सुबह अपनी डेस्क पर बैठे और अपने सामने रखे दो कागज़ों का जायज़ा लिया। दोनों ही अन्य विभागों के एजेंटों द्वारा दायर की गई नियमित रिपोर्टों की प्रतियां थीं। प्रत्येक नीले रंग के पतले कागज़ के शीर्ष पर उन विभाग प्रमुखों की सूची थी जिन्हें रिपोर्ट की प्रति प्राप्त करने का अधिकार था। उनके पदनाम के सामने एक छोटा सा सही का निशान लगा था। दोनों रिपोर्टें उसी सुबह आई थीं और सामान्य तौर पर कर्नल रोलैंड प्रत्येक पर सरसरी नज़र डालते, उनमें लिखी बातों को समझते, उस जानकारी को अपनी अद्भुत स्मृति में सहेज लेते और उन्हें अलग-अलग शीर्षकों के अंतर्गत दर्ज करवा लेते। लेकिन एक शब्द ऐसा था जो दोनों रिपोर्टों में बार-बार आया, एक ऐसा शब्द जिसने उन्हें उत्सुक कर दिया। सबसे पहली रिपोर्ट R.3 (पश्चिमी यूरोप) से एक अंतरविभागीय ज्ञापन के रूप में आई, जिसमें रोम स्थित उनके स्थायी कार्यालय से भेजे गए संदेश का सारांश था। संदेश सीधा-सादा था, जिसमें बताया गया था कि रोडिन, मोंटक्लेयर और कैसन अभी भी अपने सबसे ऊपरी मंजिल के सुइट में छिपे हुए हैं और उनके आठ गार्ड उनकी सुरक्षा कर रहे हैं। 18 जून को वहाँ डेरा डालने के बाद से वे इमारत से बाहर नहीं निकले थे। होटल पर चौबीसों घंटे निगरानी रखने में सहायता के लिए R.3 पेरिस से अतिरिक्त कर्मचारियों को रोम भेजा गया था। पेरिस से मिले निर्देश अपरिवर्तित थे: किसी भी तरह का संपर्क न करना, केवल निगरानी रखना। होटल में मौजूद लोगों ने तीन सप्ताह पहले बाहरी दुनिया से संपर्क बनाए रखने की एक नियमित प्रक्रिया स्थापित कर ली थी (30 जून की R.3 रोम रिपोर्ट देखें), और इसे जारी रखा जा रहा था। संदेशवाहक विक्टर कोवाल्स्की ही थे। संदेश समाप्त।
कर्नल रोलैंड ने अपनी मेज के दाहिनी ओर, कटी हुई 105 मिमी की गोली के खोल के बगल में पड़ी पीली रंग की फाइल खोली, जिसका इस्तेमाल वह ऐशट्रे के रूप में करते थे और जो उस समय तक सिगरेट के टुकड़ों से आधी भरी हुई थी। उनकी नज़र 30 जून की आर.3 रोम रिपोर्ट पर तब तक घूमती रही जब तक उन्हें वह पैराग्राफ नहीं मिल गया जिसकी उन्हें तलाश थी।
रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रतिदिन एक गार्ड होटल से निकलकर रोम के मुख्य डाकघर तक पैदल जाता था। यहाँ पोइटियर्स के नाम से एक डाक डिब्बा आरक्षित

के अंत में पीजे पेरिस द्वारा जोड़े गए एक नोट में बताया गया कि कोवाक्स एक कुख्यात ओएएस गुंडा था, जो 1961 में अल्जीरिया के बोन और कॉन्स्टेंटाइन क्षेत्रों में वफादार प्रमुखों की सिलसिलेवार आतंकी हत्याओं से जुड़े होने के कारण लंबे समय से वांछित था। उस समय वह एक अन्य ओएएस बंदूकधारी, फॉरेन लीजन के पूर्व कॉर्पोरल विक्टर कोवाल्स्की के साथी के रूप में काम कर रहा था, जो अभी भी फरार है। संदेश समाप्त।
रोलैंड ने पिछले एक घंटे की तरह ही एक बार फिर दोनों व्यक्तियों के बीच के संबंध पर विचार किया। अंत में उसने अपने सामने लगे बजर को दबाया और उससे निकली 'ओई, मोन कर्नल' की आवाज़ का जवाब देते हुए कहा, 'मुझे विक्टर कोवाल्स्की की निजी फ़ाइल तुरंत उपलब्ध कराओ।'
उन्होंने दस मिनट में अभिलेखागार से फाइल मंगवा ली और उसे पढ़ने में एक घंटा बिताया। कई बार उनकी नज़र एक विशेष पैराग्राफ पर पड़ी। जब कम तनाव वाले व्यवसायों में लगे अन्य पेरिसवासी नीचे फुटपाथ पर अपने दोपहर के भोजन के लिए जल्दी-जल्दी आगे बढ़ रहे थे, तब कर्नल रोलैंड ने एक छोटी सी बैठक बुलाई जिसमें वे स्वयं, उनके निजी सचिव, तीन मंजिल नीचे स्थित प्रलेखन विभाग से हस्तलेख विशेषज्ञ और उनके निजी सुरक्षा गार्ड के दो बलवान जवान शामिल थे।
उन्होंने उनसे कहा, 'सज्जनों, यहाँ अनुपस्थित एक व्यक्ति की अनिच्छुक लेकिन अपरिहार्य सहायता से, हम एक पत्र लिखने, तैयार करने और भेजने जा रहे हैं।'

अध्याय पाँच
दोपहर के भोजन से ठीक पहले जैकल की ट्रेन गैरे डू नॉर्ड स्टेशन पर पहुँची और उसने टैक्सी लेकर प्लेस डे ला मेडेलीन से निकलने वाली रू डे सुरेस्ने स्ट्रीट पर स्थित एक छोटे लेकिन आरामदायक होटल में ठहरने का फैसला किया। हालाँकि यह होटल कोपेनहेगन के डी'एंग्लटेयर या ब्रसेल्स के अमीगो जैसे उच्च कोटि का नहीं था, फिर भी पेरिस में ठहरने के दौरान एक साधारण और कम प्रसिद्ध जगह चुनने के उसके कुछ कारण थे। एक तो उसका प्रवास लंबा होना था, और दूसरा जुलाई के अंत में पेरिस में किसी ऐसे व्यक्ति से मिलने की संभावना कहीं अधिक थी जो उसे लंदन में उसके असली नाम से जानता हो, बजाय कोपेनहेगन या ब्रसेल्स के। सड़क पर उसे पूरा भरोसा था कि उसके द्वारा हमेशा पहने जाने वाले काले चश्मे, जो सड़कों की तेज धूप में बिल्कुल स्वाभाविक लगते थे, उसकी पहचान छिपा लेंगे। एकमात्र संभावित खतरा होटल के गलियारे या लॉबी में देखे जाने का था। इस समय उनकी आखिरी इच्छा यही थी कि उन्हें किसी हंसमुख व्यक्ति द्वारा 'वाह, आपको यहां देखकर अच्छा लगा' कहकर रोका न जाए, और फिर उनके नाम का उल्लेख उस डेस्क क्लर्क के सामने न हो जो उन्हें मिस्टर डग्गन के नाम से जानता था।
ऐसा नहीं था कि पेरिस में उनका प्रवास किसी खास बात से प्रभावित करने वाला था। वे शांति से रहते थे और अपने कमरे में ही क्रोइसैन और कॉफी का नाश्ता करते थे। होटल के सामने वाली दुकान से उन्होंने नाश्ते की थाली में परोसे जाने वाले काले करंट जैम की जगह अंग्रेजी मुरब्बे का एक जार खरीदा और होटल के कर्मचारियों से अनुरोध किया कि वे हर सुबह उनकी थाली में जैम की जगह मुरब्बे का जार रख दें।
वह कर्मचारियों के प्रति विनम्रतापूर्वक पेश आया, फ्रेंच के कुछ ही शब्द बोल पाया, वो भी अंग्रेज की तरह फ्रेंच का उच्चारण करने में हमेशा की तरह बेहद खराब था, और जब उससे बात की गई तो उसने विनम्रता से मुस्कुरा दिया। प्रबंधन के विनम्र प्रश्नों का उत्तर देते हुए उसने उन्हें आश्वस्त किया कि वह अत्यंत सहज महसूस कर रहा है और धन्यवाद कहा।
एक दिन होटल की मालकिन ने अपने डेस्क क्लर्क से कहा, ‘एम. डुग्गन बेहद सज्जन व्यक्ति हैं। एक सच्चे सज्जन।’ इस बात पर किसी ने असहमति नहीं जताई।

उसका दिन होटल से बाहर पर्यटकों की गतिविधियों में बीतता था। पहले ही दिन उसने पेरिस का एक नक्शा खरीदा और एक छोटी सी नोटबुक में उन दर्शनीय स्थलों को चिह्नित किया जिन्हें वह सबसे अधिक देखना चाहता था। उसने बड़ी लगन से उन स्थलों का दौरा किया और उनका अध्ययन किया, यहाँ तक कि कुछ स्थलों की स्थापत्य सुंदरता और अन्य स्थलों के ऐतिहासिक महत्व को भी ध्यान में रखा। उन्होंने तीन दिन आर्क डी ट्रायम्फ के चारों ओर घूमते हुए या कैफे डी आई'एलिसी की छत पर बैठकर स्मारक और प्लेस डी आई'एटॉइल के आसपास की भव्य इमारतों की छतों को निहारते हुए बिताए। उन दिनों उनका अनुसरण करने वाला कोई भी व्यक्ति (और ऐसा कोई नहीं था) यह देखकर आश्चर्यचकित रह जाता कि प्रतिभाशाली एम. हौसमैन की वास्तुकला भी इतने समर्पित प्रशंसक को आकर्षित कर सकती है। निश्चित रूप से कोई भी देखने वाला यह अनुमान नहीं लगा सकता था कि इतने घंटों तक अपनी कॉफी को हिलाते हुए और इमारतों को निहारते हुए वह शांत और सुरुचिपूर्ण अंग्रेज पर्यटक मन ही मन आग के कोणों, ऊपरी मंजिलों से आर्क के नीचे टिमटिमाती शाश्वत लौ की दूरी और भीड़ में चुपके से पीछे की सीढ़ी से भागने की संभावनाओं का हिसाब लगा रहा था।
तीन दिन बाद उन्होंने एटोइल छोड़ दिया और मोंटवैलेरियन में फ्रांसीसी प्रतिरोध आंदोलन के शहीदों के अस्थि-कलश का दौरा किया। वहाँ वे फूलों का गुलदस्ता लेकर पहुँचे, और एक गाइड, जो अंग्रेज द्वारा अपने साथी प्रतिरोध आंदोलनकारियों के प्रति दिखाए गए इस भाव से प्रभावित हुआ, ने उन्हें स्मारक का विस्तृत भ्रमण कराया और साथ ही साथ पूरी जानकारी भी दी। उन्हें शायद ही इस बात का एहसास हुआ कि आगंतुक की निगाहें अस्थि-कलश के प्रवेश द्वार से हटकर जेल की ऊँची दीवारों की ओर भटक रही थीं, जो आसपास की इमारतों की छतों से आँगन के सीधे दृश्य को अवरुद्ध कर रही थीं। दो घंटे बाद वे विनम्रतापूर्वक 'धन्यवाद' कहकर और उदारतापूर्वक, लेकिन फिजूलखर्ची न करते हुए, दान देकर विदा हुए।
उन्होंने प्लेस डेस इनवैलिड्स का भी दौरा किया, जिसके दक्षिणी हिस्से में होटल डेस इनवैलिड्स स्थित है, जहाँ नेपोलियन का मकबरा और फ्रांसीसी सेना की गौरव गाथा का प्रतीक है। विशाल चौक का पश्चिमी भाग, जो रू फैबर्ट सड़क से बना है, उन्हें सबसे अधिक आकर्षित करता था, और उन्होंने एक सुबह उस कोने के कैफे में बिताई जहाँ रू फैबर्ट सड़क छोटे त्रिकोणीय प्लेस डे सैंटियागो डू चिली से मिलती है। अपने सिर के ऊपर स्थित इमारत, नंबर 146 रू

डे ग्रेनेल की सातवीं या आठवीं मंजिल से, जहाँ यह सड़क रू फैबर्ट से नब्बे डिग्री के कोण पर मिलती है, उन्होंने अनुमान लगाया कि एक बंदूकधारी इनवैलिड्स के सामने के बगीचों, भीतरी आंगन के प्रवेश द्वार, प्लेस डेस इनवैलिड्स के अधिकांश हिस्से और दो या तीन गलियों पर नियंत्रण कर सकता है। अंतिम प्रयास के लिए यह एक अच्छी जगह थी, लेकिन हत्या के लिए नहीं। एक तो ऊपरी खिड़कियों से इनवैलिड्स पैलेस से उस बजरी वाले रास्ते तक की दूरी, जहाँ दो तालाबों के बीच सीढ़ियों के नीचे गाड़ियाँ खड़ी होती थीं, दो सौ मीटर से अधिक थी। दूसरा, 146 नंबर की खिड़कियों से नीचे का नज़ारा प्लेस डे सैंटियागो में उगने वाले घने चूने के पेड़ों की सबसे ऊपरी शाखाओं से आंशिक रूप से ढका रहता था, जहाँ से कबूतर वाउबन की शांत प्रतिमा के कंधों पर अपने हल्के सफेद रंग के दानों को गिराते थे। अफ़सोस के साथ, उसने अपने विट्टेल मेंथे का भुगतान किया और चला गया।
पूरा दिन नोट्रे डेम कैथेड्रल के परिसर में बीता। यहाँ, शहर की गलियों के बीच, कई संकरे रास्ते, सीढ़ियाँ और गलियारे थे, लेकिन कैथेड्रल के प्रवेश द्वार से सीढ़ियों के नीचे खड़ी कारों की दूरी मात्र कुछ मीटर थी, और प्लेस डू पार्विस की छतें बहुत दूर थीं, जबकि पास के छोटे से स्क्वायर शार्लेमेन की छतें बहुत नज़दीक थीं, जिससे सुरक्षा बलों के लिए वहाँ पहरेदार तैनात करना आसान हो जाता था।
उनकी आखिरी यात्रा रुए डे रेनेस के दक्षिणी छोर पर स्थित चौक पर थी। वे 28 जुलाई को वहाँ पहुँचे। कभी प्लेस डे रेनेस कहलाने वाले इस चौक का नाम बदलकर प्लेस डू 18 जून 1940 कर दिया गया था, जब गॉलिस्टों ने नगर पालिका में सत्ता संभाली थी। जैकल की नज़र इमारत की दीवार पर लगी चमकदार नई नामपट्टिका पर पड़ी और वहीं ठहर गई। पिछले महीने उन्होंने जो पढ़ा था, उसका कुछ अंश उन्हें याद आ गया। अठारह जून, 1940, वह दिन जब लंदन में अकेले लेकिन ऊँचे दर्जे के निर्वासित ने माइक लेकर फ्रांसीसियों से कहा था कि अगर उन्होंने एक लड़ाई हार ली है, तो उन्होंने युद्ध नहीं हारा है।
इस चौक में कुछ ऐसा था, जिसके दक्षिणी किनारे पर गेयर मोंटपार्नास की विशाल इमारत खड़ी थी, जो युद्धकालीन पीढ़ी के पेरिसवासियों की यादों से भरी थी, जिसने हत्यारे को रुकने पर मजबूर कर दिया। धीरे-धीरे उसने डामर के उस विशाल विस्तार का जायजा लिया, जो अब बुलेवार्ड डी मोंटपार्नास से आती गाड़ियों के बवंडर से घिरा हुआ था और जिसमें रू डी ओडेसा और रू डी रेनेस से

आने वाली अन्य सड़कें भी मिल रही थीं। उसने रू डी रेनेस के दोनों ओर बनी ऊंची, संकरी इमारतों को देखा, जो चौक के ऊपर स्थित थीं। धीरे-धीरे वह चौक के दक्षिणी किनारे की ओर बढ़ा और रेलिंग से स्टेशन के आंगन में झांका। यह कारों और टैक्सियों से गुलजार था, जो प्रतिदिन हजारों यात्रियों को ला रही थीं या ले जा रही थीं; यह पेरिस के प्रमुख मुख्य रेलवे स्टेशनों में से एक था। उस सर्दी तक यह एक शांत, विशालकाय इमारत में बदल जाएगा, जो अपनी भव्य, धुंधली छाया में घटी मानवीय और ऐतिहासिक घटनाओं पर चिंतन करता रहेगा। स्टेशन को ध्वस्त किया जाना तय था।
सियार ने रेलिंग की ओर पीठ करके रू डे रेनेस की मुख्य सड़क पर नज़र डाली। वह प्लेस डू 18 जून 1940 की ओर देख रहा था, उसे पूरा यकीन था कि यही वह जगह है जहाँ फ्रांस के राष्ट्रपति तय दिन पर आखिरी बार आएंगे। पिछले सप्ताह उसने जिन अन्य जगहों का निरीक्षण किया था, वे संभावित थीं; उसे पूरा विश्वास था कि यह जगह निश्चित है। कुछ ही समय में गैरे मोंटपार्नास का अस्तित्व समाप्त हो जाएगा, वे स्तंभ जो इतनी दूर तक नज़र रखते थे, उपनगरीय बाड़ों के लिए पिघला दिए जाएंगे और वह प्रांगण जहाँ बर्लिन को अपमानित होते और पेरिस को संरक्षित होते देखा गया था, केवल एक और अधिकारियों का कैफे बन जाएगा। लेकिन इससे पहले कि ऐसा होता, वह, टोपी और दो स्वर्ण सितारों वाला व्यक्ति, एक बार फिर आएगा। लेकिन इस बीच, रू डे रेनेस के पश्चिमी कोने पर स्थित मकान की सबसे ऊपरी मंजिल और प्रांगण के केंद्र के बीच की दूरी लगभग एक सौ तीस मीटर थी।
सियार ने अपने सामने के परिदृश्य को पैनी नज़र से देखा। रू डे रेनेस पर स्थित दोनों कोने वाले मकान, जहाँ से यह चौक में खुलता था, स्पष्ट विकल्प थे। रू डे रेनेस के पहले तीन मकान संभावित थे, जिनसे सामने के प्रांगण में गोलीबारी का कोण संकरा था। उनके आगे कोण बहुत संकरा हो जाता था। इसी तरह, बुलेवार्ड डे मोंटपार्नास के सामने वाले पहले तीन मकान, जो चौक के पूर्व से पश्चिम की ओर सीधे जाते थे, संभावित थे। उनके आगे कोण फिर से संकरा हो जाता था और दूरियाँ बहुत अधिक हो जाती थीं। स्टेशन भवन के अलावा, सामने के प्रांगण पर हावी होने वाली कोई अन्य इमारत नहीं थी जो बहुत दूर न हो। लेकिन यह तो पहुँच से बाहर था, क्योंकि इसकी ऊपरी कार्यालय की खिड़कियाँ सामने के प्रांगण की ओर खुलती थीं जहाँ सुरक्षाकर्मी तैनात रहते थे। सियार ने पहले रू डे रेनेस के पश्चिमी किनारे पर स्थित तीन कोने वाले मकानों का

वाली सीढ़ी एक भीतरी आंगन में खुलती थी, जिसके चारों ओर अन्य इमारतों के पिछले प्रवेश द्वार थे जो उसके पीछे के चौक के कोने का निर्माण करते थे। आंगन के दूसरी ओर, इमारतों के खोखले चौक में उत्तर की ओर जाने वाली एक संकरी ढकी हुई गली थी।
सियार ने चुपचाप दरवाजा बंद किया, सुरक्षा बार को वापस लगाया और छठी मंजिल तक जाने वाली आखिरी आधी सीढ़ी चढ़ गया। यहाँ से, गलियारे के अंत में, एक साधारण सी सीढ़ी ऊपरी अटारी की ओर जाती थी। गलियारे में दो दरवाजे थे जो भीतरी आंगन की ओर खुलने वाले फ्लैटों तक पहुँच प्रदान करते थे और दो अन्य दरवाजे इमारत के सामने वाले फ्लैटों के लिए थे। दिशा का उसका ज्ञान उसे बताता था कि इन सामने वाले फ्लैटों में से किसी एक में खिड़कियाँ थीं जो नीचे रू डे रेनेस की ओर खुलती थीं, या आधी तिरछी होकर चौक और उसके आगे स्टेशन के सामने वाले प्रांगण की ओर खुलती थीं। ये वही खिड़कियाँ थीं जिन्हें वह इतनी देर से नीचे सड़क से देख रहा था।
सामने के दो फ्लैटों के घंटी बटन के पास लगी नामपट्टियों में से एक पर 'श्रीमती बेरेंजर' लिखा था। दूसरी पर 'श्रीमान और श्रीमती चारियर' लिखा था। उसने एक पल के लिए कान लगाकर सुना, लेकिन दोनों फ्लैटों से कोई आवाज़ नहीं आई। उसने तालों की जाँच की; दोनों ही लकड़ी में जड़े हुए थे, जो मोटी और मज़बूत थी। दूर वाले ताले की जीभें शायद स्टील की मोटी छड़ वाली थीं, जो सुरक्षा के प्रति सजग फ्रांसीसियों के बीच बहुत लोकप्रिय थीं, और ये दोहरे ताले वाली थीं। उसे एहसास हुआ कि उसे चाबियों की ज़रूरत होगी, और श्रीमती बर्थे के छोटे से लॉज में कहीं न कहीं हर फ्लैट के लिए एक चाबी ज़रूर होगी। कुछ मिनट बाद वह उसी रास्ते से हल्के कदमों से सीढ़ियों से नीचे उतर रहा था। उसे उस इमारत में आए पाँच मिनट भी नहीं हुए थे। चौकीदार वापस आ गई थी। उसने उसके छोटे से कमरे के दरवाजे पर लगे धुंधले शीशे से उसकी एक झलक देखी, फिर वह मुड़ा और मेहराबदार प्रवेश द्वार से बाहर निकल गया।
वह रू डे रेनेस पर बाईं ओर मुड़ा, दो और अपार्टमेंट ब्लॉक पार किए, फिर एक डाकघर का मुखौटा दिखाई दिया। ब्लॉक के कोने पर एक संकरी गली थी, रू लिट्रे। वह उसमें मुड़ गया, अभी भी डाकघर की दीवार का अनुसरण कर रहा था। जहाँ इमारत समाप्त होती थी, वहाँ एक संकरी ढकी हुई गली थी। सियार सिगरेट जलाने के लिए रुका, और लौ के टिमटिमाते हुए उसने गली में तिरछी नज़र डाली। यह गली डाकघर के पीछे के प्रवेश द्वार तक जाती थी, जहाँ टेलीफोन एक्सचेंज स्विचबोर्ड के

रात्रि कर्मचारियों का प्रवेश द्वार था। सुरंग के अंत में एक धूप से जगमगाता आंगन था। दूसरी ओर, वह छाया में उस इमारत की आग से बचने वाली सीढ़ी की आखिरी सीढ़ियाँ देख सकता था जिसे वह अभी-अभी छोड़कर आया था। हत्यारे ने अपनी सिगरेट का एक लंबा कश लिया और आगे बढ़ गया। उसे अपना भागने का रास्ता मिल गया था।
रू लिट्रे के अंत में पहुँचकर वह फिर से बाईं ओर मुड़कर रू डे वोगिरार्ड में चला गया और वापस उस जगह की ओर चलने लगा जहाँ वह बुलेवार्ड डे मोंटपार्नास से मिलती थी। वह कोने पर पहुँच गया था और खाली टैक्सी की तलाश में मुख्य सड़क पर इधर-उधर देख रहा था, तभी एक पुलिस मोटर-साइकिल सवार सड़क के चौराहे पर आया, अपनी साइकिल को स्टैंड पर खड़ा किया और चौराहे के बीचोंबीच यातायात को रोकने लगा। अपनी तेज़ सीटी से उसने रू डे वोगिरार्ड से आने वाले सभी यातायात को रोक दिया, साथ ही स्टेशन की दिशा से बुलेवार्ड की ओर जाने वाले यातायात को भी रोक दिया। ड्यूरोक से बुलेवार्ड पर आ रही कारों को उसने आदेशपूर्वक सड़क के दाहिनी ओर जाने का इशारा किया। उसने मुश्किल से सभी कारों को रोका ही था कि ड्यूरोक की दिशा से पुलिस सायरन की दूर से आती हुई आवाज़ सुनाई दी। मोंटपार्नास बुलेवार्ड की पूरी लंबाई को देखते हुए कोने पर खड़े होकर, सियार ने पांच सौ गज दूर देखा कि एक मोटरकेड बुलेवार्ड डेस इनवैलिड्स से ड्यूरोक जंक्शन में प्रवेश करता है और उसकी ओर बढ़ने लगता है।
सबसे आगे काले चमड़े की जैकेट पहने दो मोटार्ड (मोटार्ड) गाड़ियाँ थीं, जिनके सफेद हेलमेट धूप में चमक रहे थे और सायरन बज रहे थे। उनके पीछे दो सिट्रोएन डीएस 19 गाड़ियाँ एक कतार में शार्क जैसी नुकीली नाक के आकार में दिखाई दे रही थीं। जैकाल के आगे खड़ा पुलिसकर्मी सीधा खड़ा था, उसका चेहरा जैकाल से दूर था, बायाँ हाथ जंक्शन के दक्षिणी किनारे पर स्थित एवेन्यू डू मेन की ओर सख्ती से नीचे की ओर इशारा कर रहा था, दायाँ हाथ छाती पर मुड़ा हुआ था, हथेली नीचे की ओर थी, जो आने वाले मोटरकेड को प्राथमिकता देने का संकेत दे रहा था।
दाईं ओर झुकते हुए, दोनों मोटार्ड गाड़ियाँ एवेन्यू डू मेन में घुस गईं, उनके पीछे-पीछे लिमोज़ीन गाड़ियाँ भी थीं। पहली गाड़ी के पीछे, ड्राइवर और एडीसी के ठीक पीछे, सीधे बैठे हुए, गहरे भूरे रंग के सूट में एक लंबा व्यक्ति था जो बिल्कुल सामने घूर रहा था। काफिला गायब होने से पहले जैकाल

को बस एक पल के लिए उसका उठा हुआ सिर और उसकी जानी-पहचानी नाक दिखाई दी। अगली बार जब मैं तुम्हारा चेहरा देखूंगा, उसने चुपचाप उस बिछड़ी हुई छवि से कहा, तो वह दूरबीन से देखने पर और भी स्पष्ट दिखाई देगा। फिर उसने एक टैक्सी पकड़ी और अपने होटल वापस चला गया।
ड्यूरोक मेट्रो स्टेशन के निकास द्वार के पास, जहाँ से वह अभी-अभी निकली थी, सड़क पर आगे एक और व्यक्ति राष्ट्रपति के गुजरने को सामान्य से अधिक उत्सुकता से देख रहा था। वह सड़क पार करने ही वाली थी कि एक पुलिसकर्मी ने उसे हाथ हिलाकर वापस आने का इशारा किया। कुछ ही सेकंड बाद, काफिला बुलेवार्ड डेस इनवैलिडेस से निकलकर पत्थरों से बनी सड़क को पार करते हुए बुलेवार्ड डे मोंटपार्नास में प्रवेश कर गया। उसने भी पहली सिट्रोएन कार के पीछे बैठे व्यक्ति का विशिष्ट चेहरा देखा था, और उसकी आँखें जोश से चमक उठी थीं। कारों के चले जाने के बाद भी वह उन्हें देखती रही, जब तक कि उसने पुलिसकर्मी को उसे ऊपर से नीचे तक घूरते हुए नहीं देखा। उसने जल्दी से सड़क पार करना फिर से शुरू कर दिया।
जैक्लीन डुमास उस समय छब्बीस वर्ष की थीं और बेहद खूबसूरत थीं, जिसे वह बखूबी प्रदर्शित करना जानती थीं क्योंकि वह चैंप्स एलिसीज़ के पीछे एक महंगे सैलून में ब्यूटीशियन के रूप में काम करती थीं। 30 जुलाई की शाम को वह प्लेस डी ब्रेटुइल के पास स्थित अपने छोटे से फ्लैट में जल्दी-जल्दी घर जा रही थीं ताकि शाम की मुलाकात के लिए तैयार हो सकें। कुछ ही घंटों में वह जानती थीं कि वह अपने उस प्रेमी की बाहों में नग्न होंगी जिससे वह नफरत करती थीं, और वह सबसे खूबसूरत दिखना चाहती थीं।
कुछ साल पहले तक उसकी ज़िंदगी में सबसे अहम चीज़ उसकी अगली डेट थी। उसका परिवार अच्छा था, एक मज़बूत परिवार जिसमें उसके पिता एक बैंक में सम्मानित क्लर्क के रूप में काम करते थे, माँ एक आम मध्यमवर्गीय फ्रांसीसी गृहिणी थीं और मामा ब्यूटीशियन का कोर्स पूरा कर रही थीं, और जीन-क्लाउड राष्ट्रीय सेवा कर रहे थे। परिवार ले वेज़िनेट के बाहरी इलाके में रहता था, सबसे अच्छे इलाके में तो नहीं, लेकिन फिर भी एक अच्छा घर था।
सन् 1959 के अंत में एक दिन सुबह नाश्ते के समय सशस्त्र सेना मंत्रालय से एक टेलीग्राम आया। उसमें लिखा था कि मंत्री महोदय को अत्यंत खेद के साथ श्रीमान और श्रीमती अरमांड डुमास को अल्जीरिया में उनके पुत्र जीन-क्लाउड, जो प्रथम औपनिवेशिक पैराट्रूप्स में एक साधारण सैनिक थे, की

मृत्यु की सूचना देनी पड़ रही है। उनका सामान यथाशीघ्र शोक संतप्त परिवार को लौटा दिया जाएगा।
कुछ समय के लिए जैकलीन की निजी दुनिया बिखर गई। कुछ भी समझ में नहीं आ रहा था, न ले वेज़िनेट में परिवार के साथ मिलने वाली शांति और सुरक्षा, न ही सैलून में दूसरी लड़कियों की यवेस मोंटांड के आकर्षण या अमेरिका से आयातित नवीनतम नृत्य शैली, ले रॉक के बारे में की गई बातें। बस एक ही बात उसके दिमाग में बार-बार गूंज रही थी, जैसे कोई टेप-रिकॉर्डेड लूप हमेशा के लिए एक ही बात दोहराता रहता है - उसका नन्हा भाई जीन-क्लाउड, जो इतना मासूम और कोमल था, युद्ध और हिंसा से नफरत करता था, सिर्फ अपनी किताबों के साथ अकेले रहना चाहता था, एक ऐसा लड़का जिसे वह लाड़-प्यार करती थी, अल्जीरिया की किसी सुनसान घाटी में एक लड़ाई में मारा गया था। उसे नफरत होने लगी। ये अरब थे, वे घिनौने, गंदे, कायर 'खरबूजे', जिन्होंने ये किया था।
फिर फ़्रांस्वा आया। एक सर्दी की सुबह, रविवार को, जब उसके माता-पिता रिश्तेदारों से मिलने गए हुए थे, वह अचानक घर आ पहुँचा। दिसंबर का महीना था, सड़क पर बर्फ जमी थी और बगीचे के रास्ते पर भी बर्फ की पपड़ी जमी हुई थी। बाकी लोग पीले और दुबले-पतले दिख रहे थे, जबकि फ़्रांस्वा तंदुरुस्त और स्वस्थ लग रहा था। उसने मैडमोजेल जैकलिन से बात करने की अनुमति मांगी। उन्होंने कहा, 'मैं ही हूँ' और पूछा कि वह क्या चाहता है? उसने जवाब दिया कि वह उस प्लाटून का कमांडर है जिसमें एक सिपाही, जीन-क्लाउड डुमास, मारा गया था, और उसके पास एक पत्र है। उन्होंने उसे अंदर आने को कहा।
यह पत्र जीन-क्लाउड की मृत्यु से कुछ सप्ताह पहले लिखा गया था, और उसने इसे अपनी जेब में रखा था जब वह जेबेल में गश्त कर रहा था और एक बस्ती में बसने वाले परिवार का सफाया करने वाले गुरिल्लाओं के गिरोह की तलाश कर रहा था। उन्हें गुरिल्ला तो नहीं मिले, लेकिन उनका सामना अल्जीरियाई राष्ट्रीय आंदोलन (एफएलएन) के प्रशिक्षित सैनिकों, एएलएन की एक बटालियन से हो गया। भोर के धुंधलके में एक भयंकर झड़प हुई और जीन-क्लाउड के फेफड़ों में गोली लग गई। मरने से पहले उसने यह पत्र प्लाटून कमांडर को सौंप दिया।
जैक्लीन ने पत्र पढ़ा और थोड़ा रोई। उसमें बीते हफ्तों का कोई ज़िक्र नहीं था, बस कॉन्स्टेंटाइन की बैरकों, हमले के प्रशिक्षणों और अनुशासन के बारे में बातें थीं। बाकी बातें उसने फ्रांस्वा से सीखी थीं: चार मील तक झाड़ियों के बीच से पीछे हटना, जब चारों ओर से घेरकर आ रही एएलएन सेना करीब

आ रही थी, रेडियो पर हवाई सहायता के लिए बार-बार की गई गुहारें, और ठीक आठ बजे चीखते इंजनों और गरजते रॉकेटों के साथ लड़ाकू-बमवर्षकों का आगमन। और कैसे उसका भाई, जिसने खुद को मर्द साबित करने के लिए सबसे कठिन रेजिमेंटों में से एक में स्वेच्छा से भर्ती हुआ था, एक मर्द की तरह मरा, एक कॉर्पोरल के घुटनों पर खून की उल्टी करते हुए, एक चट्टान की ओट में।
फ्रांस्वा उसके साथ बहुत ही नरमी से पेश आया था। एक पुरुष के रूप में वह उस औपनिवेशिक प्रांत की कठोर मिट्टी की तरह कठोर था, जिसके चार वर्षों के युद्ध में वह एक पेशेवर सैनिक के रूप में ढला था। लेकिन वह अपनी पलटन के एक सैनिक की बहन के साथ बहुत ही कोमल व्यवहार करता था। उसे यह बात पसंद आई और उसने पेरिस में भोजन करने का उसका प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। इसके अलावा, उसे डर था कि उसके माता-पिता लौट आएंगे और उन्हें चौंका देंगे। वह नहीं चाहती थी कि उन्हें पता चले कि जीन-क्लाउड की मृत्यु कैसे हुई, क्योंकि दोनों ने बीच के दो महीनों में इस क्षति को सहने की कोशिश की थी और किसी तरह अपना जीवन सामान्य रूप से जी रहे थे। भोजन के दौरान उसने लेफ्टिनेंट से चुप रहने की कसम खाई और वह मान गया।
लेकिन अल्जीरियाई युद्ध के बारे में जानने की उनकी जिज्ञासा कभी खत्म नहीं हुई, कि वास्तव में क्या हुआ था, युद्ध का असली मकसद क्या था और राजनेता असल में क्या कर रहे थे। जनरल डी गॉल पिछले जनवरी में प्रधानमंत्री पद से राष्ट्रपति बने थे, देशभक्ति की लहर में बहकर एलिसी पैलेस पहुंचे थे, उन्हें उस व्यक्ति के रूप में पेश किया गया था जो युद्ध को समाप्त करेगा और अल्जीरिया को फ्रांसीसी बनाए रखेगा। फ्रांस्वा से ही उन्होंने पहली बार उस व्यक्ति को फ्रांस का गद्दार कहा जाते सुना, जिसे उनके पिता बहुत प्यार करते थे।
उन्होंने फ़्रांस्वा की छुट्टियाँ साथ बिताईं। वह हर शाम काम के बाद उस सैलून में उनसे मिलती थीं, जहाँ वह जनवरी 1960 में प्रशिक्षण स्कूल से आई थीं। उन्होंने उन्हें फ्रांसीसी सेना के विश्वासघात, पेरिस सरकार द्वारा कैद में बंद एफएलएन नेता अहमद बेन बेला के साथ गुप्त वार्ताओं और अल्जीरिया को जल्द ही फ्रांसीसियों को सौंपे जाने की आशंका के बारे में बताया। वह जनवरी के उत्तरार्ध में अपने युद्ध में लौट आए थे और जब अगस्त में उन्हें मार्सिले में एक सप्ताह की छुट्टी मिली, तो उन्हें उनके साथ कुछ पल अकेले बिताने का मौका मिला। वह उनका इंतज़ार करती रहीं, अपने मन में

उन्हें फ्रांसीसी युवा पुरुषत्व की अच्छाई, पवित्रता और मर्दानगी के प्रतीक के रूप में संजोए रखा। उन्होंने 1960 की शरद ऋतु और सर्दियों के दौरान उनका इंतज़ार किया, दिन-रात उनकी तस्वीर उनके बिस्तर के पास वाली मेज पर रखी रहती थी, जिसे वह सोते समय अपनी नाइट ड्रेस नीचे करके अपने पेट से चिपकाए रखती थीं।
1961 की वसंत ऋतु में अपनी आखिरी छुट्टी पर वह फिर से पेरिस आए थे, और जब वे दोनों सड़कों पर टहल रहे थे, वह वर्दी में और वह अपनी सबसे खूबसूरत पोशाक में, तो उन्हें लगा कि वह शहर के सबसे ताकतवर, सबसे चौड़े और सबसे आकर्षक पुरुष हैं। काम पर मौजूद दूसरी लड़कियों में से एक ने उन्हें देख लिया था, और अगले दिन सैलून में जैकी के खूबसूरत 'पैरा' (साथी) की चर्चा होने लगी। वह वहाँ नहीं थीं; उन्होंने उनके साथ समय बिताने के लिए अपनी वार्षिक छुट्टी ली थी।
फ्रांस्वा उत्साहित था। कुछ तो गड़बड़ थी। एफएलएन के साथ बातचीत की खबर सबको पता चल चुकी थी। उसने वादा किया कि सेना, असली सेना, इसे ज़्यादा देर तक बर्दाश्त नहीं करेगी। अल्जीरिया का फ्रांसीसी नियंत्रण में रहना, उन दोनों के लिए, यानी युद्ध में माहिर सत्ताईस वर्षीय अधिकारी और तेईस वर्षीय होने वाली माँ के लिए, अटूट आस्था का विषय था।
फ़्रांस्वा को बच्चे के बारे में कभी पता नहीं चला। वह मार्च 1961 में अल्जीरिया लौट आया और 21 अप्रैल को फ्रांसीसी सेना की कई इकाइयों ने मेट्रोपॉलिटन सरकार के खिलाफ विद्रोह कर दिया। प्रथम औपनिवेशिक पैराट्रूपर्स के लगभग सभी जवान विद्रोह में शामिल थे। केवल कुछ ही रंगरूट बैरकों से निकलकर प्रीफ़ेक्ट के कार्यालय में जमा हुए। पेशेवर सैनिकों ने उन्हें जाने दिया। एक सप्ताह के भीतर ही विद्रोहियों और वफादार रेजिमेंटों के बीच लड़ाई छिड़ गई। मई की शुरुआत में एक वफादार सेना इकाई के साथ झड़प में फ़्रांस्वा को गोली लग गई।
जैक्लीन को अप्रैल से कोई पत्र मिलने की उम्मीद नहीं थी, इसलिए जुलाई में खबर मिलने तक उसे कुछ भी शक नहीं हुआ। उसने चुपचाप पेरिस के एक सस्ते उपनगर में एक फ्लैट किराए पर लिया और खुद को गैस से मारने की कोशिश की। कमरे में गैस के कई रिसाव होने के कारण वह असफल रही, लेकिन उसने अपना बच्चा खो दिया। उसके माता-पिता उसे अगस्त की अपनी वार्षिक छुट्टियों पर अपने साथ ले गए और

उनके लौटने तक वह ठीक हो चुकी थी। दिसंबर में वह ओएएस के लिए एक सक्रिय भूमिगत कार्यकर्ता बन गई।
उसके इरादे सीधे-सादे थे: फ़्रांस्वा, और उसके बाद जीन-क्लाउड। उनका बदला लेना ही था, चाहे किसी भी तरीके से हो, चाहे उसे या किसी और को कितनी भी कीमत चुकानी पड़े। इस जुनून के अलावा, दुनिया में उसकी कोई महत्वाकांक्षा नहीं थी। उसकी एकमात्र शिकायत यह थी कि वह छोटे-मोटे काम करने, संदेश पहुंचाने और कभी-कभार अपने शॉपिंग बैग में प्लास्टिक विस्फोटक का एक टुकड़ा छिपाकर ले जाने के अलावा और कुछ नहीं कर सकती थी। उसे यकीन था कि वह इससे कहीं ज़्यादा कर सकती है। क्या कैफे और सिनेमाघरों में नियमित बम धमाकों के बाद राहगीरों की तलाशी लेने वाले चौराहों पर तैनात पुलिसवाले उसकी लंबी काली पलकों के एक झटके या होठों के एक इशारे को देखकर उसे जाने नहीं देते थे?
पेटिट-क्लैमार्ट कांड के बाद, हत्या की साजिश रचने वालों में से एक ने भागते समय प्लेस डे ब्रेटुइल के पास स्थित उसके फ्लैट में तीन रातें बिताई थीं। यह उसके लिए एक महत्वपूर्ण क्षण था, लेकिन फिर वह आगे बढ़ गया। एक महीने बाद उसे पकड़ लिया गया, लेकिन उसने उसके साथ बिताए समय के बारे में कुछ नहीं बताया। शायद वह भूल गया था। लेकिन एहतियात के तौर पर, उसके सेल लीडर ने उसे कुछ महीनों के लिए ओएएस के लिए कोई और काम न करने का निर्देश दिया, जब तक कि मामला शांत न हो जाए। जनवरी 1963 में उसने फिर से संदेश पहुँचाना शुरू किया।
और यह सिलसिला जुलाई तक चलता रहा, जब एक आदमी उससे मिलने आया। उसके साथ उसका सेल लीडर भी था, जिसने उसका बहुत सम्मान किया। उसका कोई नाम नहीं था। क्या वह संगठन के लिए कोई विशेष काम करने को तैयार होगी? बिल्कुल। शायद खतरनाक, निश्चित रूप से अरुचिकर? कोई बात नहीं।
तीन दिन बाद उसे एक इमारत से निकलते हुए एक व्यक्ति को दिखाया गया। वे एक खड़ी कार में बैठे थे। उसे बताया गया कि वह कौन है, उसका क्या पद है और उसे क्या करना है।
जुलाई के मध्य तक उनकी मुलाकात हो चुकी थी, जाहिरा तौर पर संयोग से, जब वह एक रेस्तरां में उस आदमी के बगल में बैठी और उसकी मेज पर रखे नमकदानी को उधार माँगते हुए शर्माते हुए मुस्कुराई। उसने बात शुरू की, वह संयमित और विनम्र रही। प्रतिक्रिया सही थी। उसकी शालीनता ने उसे आकर्षित किया। बिना

किसी दिखावे के, बातचीत आगे बढ़ी, आदमी पहल कर रहा था और वह विनम्रतापूर्वक उसका अनुसरण कर रही थी। दो सप्ताह के भीतर ही उनके बीच प्रेम संबंध शुरू हो गया।
वह पुरुषों के बारे में इतना जानती थी कि उनकी बुनियादी इच्छाओं का अंदाजा लगा सके। उसका नया प्रेमी आसान विजय प्राप्त करने का आदी था, अनुभवी महिलाओं का। उसने शर्मीली, चौकस लेकिन पवित्र, संयमित होने का नाटक किया, बस कभी-कभार यह संकेत देते हुए कि उसका शानदार शरीर एक दिन पूरी तरह से व्यर्थ नहीं जाएगा। यह चाल कारगर साबित हुई। उस आदमी के लिए, अंतिम विजय सर्वोच्च प्राथमिकता बन गई।
जुलाई के अंत में, उसके सेल लीडर ने उसे बताया कि उनका साथ रहना जल्द ही शुरू हो जाना चाहिए। दिक्कत यह थी कि उस आदमी की पत्नी और दो बच्चे उसके साथ रहते थे। 29 जुलाई को वे लोइरे घाटी में स्थित अपने परिवार के कंट्री हाउस के लिए रवाना हो गए, जबकि पति को अपने काम के लिए पेरिस में ही रुकना पड़ा। परिवार के जाने के कुछ ही मिनटों के भीतर उसने सैलून को फोन करके ज़ोर देकर कहा कि अगली रात जैकलीन और उसे उसके फ्लैट में अकेले डिनर करना चाहिए।
अपने फ्लैट में पहुँचते ही जैकलीन डुमास ने अपनी घड़ी पर नज़र डाली। उसके पास तैयार होने के लिए तीन घंटे थे, और हालाँकि वह अपनी तैयारियों में पूरी सावधानी बरतने का इरादा रखती थी, दो घंटे भी पर्याप्त होते। उसने कपड़े उतारे और स्नान किया, अलमारी के दरवाज़े के पीछे लगे पूरे आकार के दर्पण के सामने खुद को सुखाया, तौलिए को अपनी त्वचा पर बेपरवाही से फेरते हुए देखा, अपनी बाहों को ऊपर उठाकर अपने भरे हुए, गुलाबी निप्पल वाले स्तनों को उठाया, लेकिन उस प्रत्याशापूर्ण आनंद की कोई अनुभूति नहीं थी जो उसे तब होती थी जब उसे पता होता था कि जल्द ही फ्रांकोइस की हथेलियों में उन्हें सहलाया जाएगा।
आने वाली रात के बारे में सोचते हुए उसका पेट घृणा से सिकुड़ गया। उसने मन ही मन ठान लिया, वह यह करेगी, चाहे वह किसी भी तरह का प्यार चाहे। दराज के पीछे वाले हिस्से में बने एक डिब्बे से उसने फ़्रांस्वा की तस्वीर निकाली, जिसमें वह उसी पुरानी व्यंग्यात्मक मुस्कान के साथ फ्रेम से बाहर देख रहा था, जैसी मुस्कान वह हमेशा तब देता था जब वह उसे स्टेशन प्लेटफॉर्म पर उससे मिलने के लिए दौड़ते हुए देखता था। तस्वीर में उसके मुलायम भूरे बाल, ठंडी,

मजबूत छाती वाली वर्दी, जिस पर वह कभी अपना चेहरा टिकाना पसंद करती थी, और स्टील के पैराट्रूपर के पंख, जो जलते हुए गाल पर ठंडक देते थे। वे सब अभी भी वहीं थे - ओएलुलॉइड में। वह बिस्तर पर लेट गई और फ़्रांस्वा को अपने ऊपर थामे हुए, नीचे देखते हुए, जैसे वह प्यार करते समय देखता था, मानो अनावश्यक रूप से पूछ रहा हो, 'तो, छोटी, क्या तुम चाहती हो?...' वह हमेशा फुसफुसाती थी, 'हाँ, तुम अच्छी तरह जानती हो...' और फिर वह हो गया।
जब वह अपनी आँखें बंद करती थी, तो वह उसे अपने भीतर महसूस कर सकती थी, कठोर, गर्म और धड़कती हुई ताकत के साथ, और अपने कान में धीरे से फुसफुसाए गए प्यार भरे शब्द सुन सकती थी, अंतिम दबी हुई आज्ञा 'विएन्स, विएन्स...', जिसका उसने कभी उल्लंघन नहीं किया।
उसने अपनी आँखें खोलीं और छत को घूरने लगी, तस्वीर के गर्म शीशे को अपने सीने से लगाए हुए। 'फ्रांकोइस,' उसने धीमी आवाज़ में कहा, 'मेरी मदद करो, कृपया आज रात मेरी मदद करो।'
महीने के आखिरी दिन सियार व्यस्त था। उसने सुबह का समय फ्ली मार्केट में बिताया, अपने साथ एक सस्ता बैग लिए एक दुकान से दूसरी दुकान घूमता रहा। उसने एक मैली काली बेरेट, घिसे-पिटे जूतों की एक जोड़ी, कुछ गंदे पतलून और काफी खोजबीन के बाद एक लंबा, कभी फौजी रहा ओवरकोट खरीदा। वह हल्के कपड़े का ओवरकोट पसंद करता, लेकिन फौजी ओवरकोट गर्मियों के मौसम के लिए शायद ही कभी सिले जाते हैं और फ्रांसीसी सेना में तो वे डफेल कपड़े के बने होते हैं। लेकिन वह ओवरकोट उसके लिए भी काफी लंबा था, घुटने से काफी नीचे तक पहुँच रहा था, जो सबसे ज़रूरी था।
बाहर निकलते समय उनकी नज़र पदकों से भरे एक स्टॉल पर पड़ी, जिनमें से अधिकतर पदक समय के साथ धूमिल हो गए थे। उन्होंने कई पदक खरीदे, साथ ही एक पुस्तिका भी ली जिसमें फ्रांसीसी सैन्य पदकों का विवरण था। इस पुस्तिका में रिबन की धुंधली रंगीन तस्वीरें थीं और कैप्शन में बताया गया था कि ये पदक किन अभियानों या किस प्रकार के वीरतापूर्ण कार्यों के लिए दिए गए थे। रू रॉयल पर क्वीनीज़ में हल्का दोपहर का भोजन करने के बाद, वह चुपके से अपने होटल में गया, बिल का भुगतान किया और सामान पैक किया। उसकी नई खरीदी हुई चीज़ें उसके दो महंगे सूटकेसों में से एक के निचले हिस्से में रखी गईं। पदकों के संग्रह और गाइडबुक की सहायता से, उसने पदकों की एक सूची बनाई, जिसकी शुरुआत दुश्मन के सामने बहादुरी के लिए दिए जाने वाले मेडल

मिलिटेयर से हुई, और इसमें मेडल डे ला लिबरेशन और द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान स्वतंत्र फ्रांसीसी सेना में लड़ने वालों को दिए गए पांच अभियान पदक भी शामिल किए। उसने खुद को बिर हकीम, लीबिया, ट्यूनीशिया, डी-डे और जनरल फिलिप लेक्लर्क के दूसरे बख्तरबंद डिवीजन के लिए पदक प्रदान किए। बाकी के पदक और किताब उसने अलग-अलग मालेशेर्ब्स बुलेवार्ड पर लगे लैंपपोस्टों से लटकी दो कूड़ेदानों में डाल दिए। होटल के क्लर्क ने उसे बताया कि गैरे डू नॉर्ड से ब्रुसेल्स के लिए सुबह 5:15 बजे उत्कृष्ट एटोइल डू नॉर्ड एक्सप्रेस ट्रेन चलती है। उसने वही ट्रेन पकड़ी और बढ़िया भोजन किया, और जुलाई के आखिरी घंटों में ब्रुसेल्स पहुंचा।
लेखक का नोट: कार्यालय भवनों के निर्माण के लिए 1964 में गैरे मोंटपार्नास के पुराने अग्रभाग को ध्वस्त कर दिया गया था। नया स्टेशन भवन रेलवे लाइन से पांच सौ गज आगे बनाया गया है।

अध्याय छह
विक्टर कोवाल्स्की के लिए पत्र अगली सुबह रोम पहुंचा। विशालकाय कॉर्पोरल डाकघर से दैनिक डाक लेकर होटल के लॉबी से लौट रहे थे, तभी एक कर्मचारी ने उन्हें पुकारा, 'महोदय, कृपया...'
वह हमेशा की तरह चिड़चिड़े अंदाज़ में मुड़ा। वह उस अंग्रेज को पहचानता नहीं था, लेकिन इसमें कोई असामान्य बात नहीं थी। उसने उन्हें देखा तक नहीं, क्योंकि वह लॉबी के फर्श पर धक्के मारते हुए लिफ्ट की ओर बढ़ रहा था। गहरे रंग की आंखों वाला वह युवक कोवाल्स्की के पास आकर रुका, उसके हाथ में एक पत्र था।
‘यह एक पत्र है, महोदय। श्री कोवाल्स्की के लिए... मैं इस सज्जन को नहीं जानता... शायद वे फ्रांसीसी हैं...’
कोवाल्स्की इतालवी भाषा के उस अस्पष्ट शब्द का एक भी शब्द नहीं समझ पाया, लेकिन उसे भावबोध हो गया और उसने अपना नाम पहचान लिया, भले ही उसका उच्चारण ठीक से नहीं हुआ था। उसने उस व्यक्ति के हाथ से पत्र छीन लिया और उस पर लिखे नाम और पते को घूरने लगा। उसका नाम किसी और नाम से दर्ज था, और पढ़ने- लिखने में कमज़ोर होने के कारण वह यह ध्यान नहीं दे पाया था कि पाँच दिन पहले पेरिस के एक अखबार में यह खबर छपी थी कि ओएएस के तीन शीर्ष अधिकारी होटल की सबसे ऊपरी मंजिल पर छिपे हुए हैं।
जहां तक उसकी बात थी, किसी को भी यह पता नहीं होना चाहिए था कि वह कहां है। फिर भी, उस पत्र ने उसे उत्सुक कर दिया। उसे अक्सर पत्र नहीं मिलते थे, और अधिकांश साधारण लोगों की तरह, उसके लिए एक पत्र का आना एक महत्वपूर्ण घटना थी। उसके बगल में खड़े उस इतालवी व्यक्ति से, जो अब स्पैनियल जैसी आंखों से ऊपर घूर रहा था, मानो कोवाल्स्की ही मानवीय ज्ञान का स्रोत हो और इस दुविधा को सुलझा देगा, उसे समझ आ गया था कि डेस्क के किसी भी कर्मचारी ने उस नाम के अतिथि के बारे में नहीं सुना था और उन्हें नहीं पता था कि पत्र का क्या करना है।
कोवाल्स्की ने नीचे देखा। 'बोन। जे वेस डेमंडेर,' उसने शान से कहा। इतालवी के माथे पर कोई शिकन नहीं आई।
‘मांगकर्ता, मांगकर्ता,’ कोवाल्स्की ने छत की ओर इशारा करते हुए दोहराया।
इतालवी को बात समझ आ गई।

‘अरे हाँ। पूछिए। आपका स्वागत है, महोदय। बहुत-बहुत धन्यवाद।’
कोवाल्स्की आगे बढ़ गया, इटालियन व्यक्ति ने इशारों से आभार व्यक्त किया। आठवीं मंजिल तक जाने वाली लिफ्ट में उतरते ही उसने देखा कि कॉरिडोर में डेस्क पर तैनात कर्मचारी ने स्वचालित बंदूक निकाल रखी थी और वह तैयार थी। एक पल के लिए दोनों एक-दूसरे को घूरते रहे। फिर दूसरे ने सेफ्टी कैच लगा दिया और बंदूक जेब में रख ली। उसे लिफ्ट में सिर्फ कोवाल्स्की ही दिखाई दे रहा था, कोई और नहीं। यह बिल्कुल नियमित प्रक्रिया थी, हर बार जब लिफ्ट के दरवाजों के ऊपर की बत्तियाँ जलती थीं और संकेत देती थीं कि लिफ्ट सातवीं मंजिल से ऊपर जा रही है।
डेस्क पर तैनात कर्मचारी के अलावा, एक और कर्मचारी गलियारे के अंत में स्थित आग से बचने वाले दरवाजे के सामने तैनात था और एक सीढ़ियों के शीर्ष पर। सीढ़ियों और आग से बचने वाले दरवाजे दोनों में बम लगे हुए थे, हालांकि प्रबंधन को इसकी जानकारी नहीं थी, और इन बमों को निष्क्रिय करने का एकमात्र तरीका गलियारे में डेस्क के नीचे स्थित एक स्विच से डेटोनेटरों की बिजली बंद करना था।
दिन की शिफ्ट का चौथा आदमी नौवीं मंजिल के ऊपर छत पर था, जहाँ मुखिया रहते थे। लेकिन हमले की स्थिति में, गलियारे के नीचे अपने कमरों में तीन अन्य लोग सो रहे थे, जो रात की शिफ्ट में थे। वे कुछ भी होने पर कुछ ही सेकंड में जागकर कार्रवाई के लिए तैयार हो जाते। आठवीं मंजिल पर लिफ्ट के दरवाज़े बाहर से वेल्ड करके बंद कर दिए गए थे, लेकिन अगर आठवीं मंजिल पर लिफ्ट के ऊपर की बत्ती यह संकेत भी देती कि लिफ्ट सीधे ऊपर की ओर जा रही है, तो यह एक सामान्य अलर्ट का संकेत था। ऐसा केवल एक बार हुआ था, और वह भी गलती से, जब पेय पदार्थों की ट्रे लेकर जा रहे एक कर्मचारी ने गलती से 'नौवीं मंजिल' का बटन दबा दिया था। उसे इस आदत से तुरंत छुटकारा दिला दिया गया था।
डेस्क कर्मचारी ने ऊपर फोन करके डाक आने की सूचना दी, फिर कोवाल्स्की को ऊपर जाने का इशारा किया। पूर्व कॉर्पोरल ने अपना पत्र अपनी जेब में रख लिया था, जबकि उसके वरिष्ठ अधिकारियों की डाक उसकी बाईं कलाई से बंधी एक लोहे की पेटी में थी। पेटी और उसके फ्लैट केस दोनों के ताले स्प्रिंग-लोडेड थे और चाबियां केवल रोडिन के पास थीं। कुछ मिनट बाद ओएएस कर्नल ने दोनों ताले खोल दिए, और कोवाल्स्की दोपहर बाद डेस्क कर्मचारी की ड्यूटी खत्म करने से पहले सोने के लिए अपने कमरे में लौट गया।

आठवीं मंजिल पर अपने कमरे में पहुँचकर उसने आखिरकार अपना पत्र पढ़ा, सबसे पहले हस्ताक्षर देखे। उसे आश्चर्य हुआ कि यह कोवाक्स का पत्र था, जिससे वह एक साल से नहीं मिला था और जो मुश्किल से लिखना जानता था, क्योंकि कोवाल्स्की को पढ़ने में कुछ कठिनाई होती थी। लेकिन लगन से उसने पत्र को समझ लिया। पत्र ज़्यादा लंबा नहीं था।
कोवाक्स ने यह कहकर अपनी बात शुरू की कि उन्होंने लेखन के दिन एक अखबार में एक खबर देखी थी, जिसे उनके एक मित्र ने उन्हें पढ़कर सुनाया था, जिसमें कहा गया था कि रोडिन, मोंटक्लेयर और कैसन रोम के उस होटल में छिपे हुए हैं। उन्होंने अनुमान लगाया था कि उनका पुराना साथी कोवाल्स्की भी उनके साथ होगा, इसलिए उन्होंने उससे संपर्क करने की उम्मीद में यह पत्र लिखा था। इसके बाद कई पैराग्राफ में यह बताया गया कि आजकल फ्रांस में हालात काफी सख्त हो रहे हैं, हर जगह पुलिस वाले कागजात मांग रहे हैं और ज्वैलर्स पर लूटपाट के लिए छापे मारने के आदेश आ रहे हैं। कोवाक्स ने बताया कि वह खुद ऐसे चार मामलों में शामिल रहा है और यह कोई मजाक नहीं है, खासकर तब जब लूटी हुई रकम पुलिस को सौंपनी पड़ती है। बुडापेस्ट में उसके अच्छे दिन बेहतर थे, हालांकि वे दिन सिर्फ दो हफ्ते ही चले थे।
अंतिम पैराग्राफ में बताया गया था कि कोवाक्स कुछ हफ़्ते पहले मिशेल से मिला था, और मिशेल ने कहा था कि वह जोजो से बात कर रहा था जिसने कहा था कि छोटी सिल्वी ल्यूक से बीमार है; खैर, यह उसके खून में गड़बड़ी से संबंधित था, लेकिन कोवाक्स को उम्मीद थी कि वह जल्द ही ठीक हो जाएगी और विक्टर को चिंता नहीं करनी चाहिए।
लेकिन विक्टर चिंतित था। छोटी सिल्वी के बीमार होने की सोचकर वह बुरी तरह परेशान था। अपने छत्तीस हिंसक वर्षों में विक्टर कोवाल्स्की के दिल में शायद ही कभी कोई बात उतरी हो। जब जर्मनों ने पोलैंड पर आक्रमण किया तब वह बारह वर्ष का था और जब उसके माता-पिता को एक अंधेरी वैन में ले जाया गया तब वह एक वर्ष और बड़ा था। वह इतना बड़ा था कि जानता था कि उसकी बहन गिरजाघर के पीछे बने उस बड़े होटल में क्या कर रही थी, जिस पर जर्मनों ने कब्ज़ा कर लिया था और जहाँ उनके कई अधिकारी आते-जाते रहते थे। इस बात से उसके माता- पिता इतने परेशान हो गए थे कि उन्होंने सैन्य गवर्नर के कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई थी। वह इतना बड़ा था कि पार्टिसानों में शामिल हो गया और पंद्रह वर्ष की उम्र में उसने अपने पहले जर्मन को मार गिराया। जब रूसी आए

तब वह सत्रह वर्ष का था, और उसके माता-पिता हमेशा उनसे नफरत और डरते थे, और उसे पोलिश लोगों के साथ उनके अत्याचारों की भयानक कहानियाँ सुनाते थे, इसलिए उसने पार्टिसानों को छोड़ दिया, जिन्हें बाद में कमिश्नर के आदेश पर मार डाला गया, और एक शिकार किए गए जानवर की तरह पश्चिम की ओर चेकोस्लोवाकिया की ओर चल पड़ा। बाद में, ऑस्ट्रिया में एक विस्थापित व्यक्ति शिविर में उस लंबे, दुबले-पतले युवक को रखा गया, जो केवल पोलिश बोलता था और भूख से कमजोर हो चुका था। लोगों ने सोचा कि वह युद्ध के बाद के यूरोप के उन निर्दोष लोगों में से एक है। अमेरिकी भोजन से उसकी ताकत वापस लौट आई। 1946 की एक बसंत की रात को वह शिविर से भाग निकला और दक्षिण की ओर इटली की ओर चला गया, और फिर वहाँ से फ्रांस पहुँच गया। उसके साथ एक और पोलिश व्यक्ति था, जिससे वह एक विस्थापित व्यक्ति शिविर में मिला था और जो फ्रेंच बोलता था। मार्सिले में एक रात उसने एक दुकान में सेंध लगाई, उसे परेशान करने वाले दुकानदार की हत्या कर दी और फिर से भाग गया। उसका साथी उसे छोड़कर चला गया और विक्टर को सलाह दी कि उसके पास जाने के लिए केवल एक ही जगह है - विदेशी सेना (फॉरेन लीजन)। उसने अगली सुबह भर्ती होने के लिए साइन अप किया और युद्धग्रस्त मार्सिले में पुलिस की जांच शुरू होने से पहले ही वह सिदी-बेल-अब्बेस पहुँच गया। भूमध्यसागरीय शहर अभी भी अमेरिकी खाद्य पदार्थों का एक बड़ा आयात केंद्र था और इन खाद्य पदार्थों के लिए की गई हत्याएँ आम बात थीं। कुछ ही दिनों में मामला बंद कर दिया गया क्योंकि कोई तत्काल संदिग्ध सामने नहीं आया। लेकिन जब तक कोवाल्स्की को यह बात पता चली, तब तक वह एक सैनिक बन चुका था।
वह उन्नीस साल का था और पहले तो उसके पुराने साथी उसे 'छोटा सा भोला' कहकर पुकारते थे। फिर उसने उन्हें दिखाया कि वह कैसे मार सकता है, और तब उन्होंने उसे कोवाल्स्की कहना शुरू कर दिया।
इंडो-चीन में छह साल बिताने से उसके अंदर जो कुछ भी सामान्य रूप से संतुलित व्यक्ति होने की बची-खुची क्षमता थी, वह भी खत्म हो गई। इसके बाद उस विशालकाय कॉर्पोरल को अल्जीरिया भेज दिया गया। लेकिन इस बीच उसे मार्सिले के बाहर छह महीने के लिए एक हथियार प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में तैनात किया गया। वहाँ उसकी मुलाकात जूली से हुई, जो बंदरगाह के किनारे एक बार में काम करने वाली एक छोटी लेकिन क्रूर महिला थी और अपने मैकेनिक से परेशान थी। कोवाल्स्की ने एक ही वार में उस आदमी को बार के उस पार छह मीटर दूर फेंक

दिया और वह दस घंटे तक बेहोश रहा। उसके जबड़े का निचला हिस्सा बुरी तरह टूट गया था, जिसके कारण वह आदमी कई वर्षों तक अजीब तरह से बोलता रहा।
जूली को वह विशालकाय सैनिक पसंद आ गया और कई महीनों तक वह रात में उसका 'रक्षक' बन गया, काम के बाद उसे वियू पोर्ट के गंदे अटारी में घर तक पहुँचाता था। उनके बीच वासना तो बहुत थी, खासकर उसकी तरफ से, लेकिन प्यार नाम की कोई चीज नहीं थी, और जब उसे पता चला कि वह गर्भवती है तो प्यार और भी कम हो गया। उसने उसे बताया कि बच्चा उसका है, और शायद उसने यह मान लिया क्योंकि वह चाहता था। उसने यह भी कहा कि वह बच्चा नहीं चाहती, और एक बूढ़ी औरत को जानती है जो उसके लिए बच्चे को खत्म कर देगी। कोवाल्स्की ने उसे एक थप्पड़ मारा और कहा कि अगर उसने ऐसा किया तो वह उसे मार डालेगा। तीन महीने बाद उसे अल्जीरिया लौटना पड़ा। इस बीच उसकी दोस्ती एक और पोलिश पूर्व सैनिक, जोसेफ ग्रज़ीबोव्स्की से हो गई, जिसे जोजो द पोल के नाम से जाना जाता था, जो इंडो-चीन से बीमार होकर वापस आ गया था और मुख्य स्टेशन के प्लेटफार्मों पर पहियों पर एक स्नैक-स्टॉल चलाने वाली एक हंसमुख विधवा के साथ बस गया था। 1953 में अपनी शादी के बाद से वे इसे साथ-साथ चला रहे थे। जो जो अपनी पत्नी के पीछे लंगड़ाते हुए पैसे लेता और छुट्टे देता था, जबकि उसकी पत्नी नाश्ता परोसती थी। जिन शामों को वह काम नहीं कर रहा होता था, जो जो को पास की बैरकों के सैनिकों द्वारा अक्सर इस्तेमाल किए जाने वाले बार में जाकर पुराने दिनों की बातें करना अच्छा लगता था। उनमें से अधिकतर युवा थे, जो इंडो-चीन के टूरेन में उसके अपने दिनों के दौरान भर्ती हुए थे, लेकिन एक शाम उसकी मुलाकात कोवाल्स्की से हो गई।
कोवाल्स्की ने बच्चे के बारे में सलाह लेने के लिए जोजो से संपर्क किया था। जोजो उससे सहमत थी। वे दोनों कभी कैथोलिक थे।
विक्टर ने कहा, 'वह बच्चे को मरवाना चाहती है।'
जोजो ने कहा, 'सलोप'।
'गाय,' विक्टर ने सहमति जताई। उन्होंने कुछ और पिया और बार के पीछे लगे शीशे में उदास भाव से देखते रहे।
'उस छोटे बदमाश के साथ नाइंसाफी हुई,' विक्टर ने कहा।
'यह सही नहीं है,' जोजो ने सहमति जताई।
कुछ देर सोचने के बाद विक्टर ने कहा, 'मेरे पहले कभी बच्चा नहीं हुआ।'
‘मैं भी नहीं, शादीशुदा होने के बावजूद भी,’ जोजो ने जवाब दिया।

सुबह तड़के, नशे में चूर होकर, उन्होंने अपनी योजना पर सहमति जताई और पूरी गंभीरता से शराब पी। अगली सुबह जोजो को अपना वादा याद आया, लेकिन उसे समझ नहीं आ रहा था कि वह मैडम को यह खबर कैसे सुनाए। उसे तीन दिन लग गए। उसने एक-दो बार इस विषय पर संशय से बात की, फिर जब वह और उसकी पत्नी बिस्तर पर थे, तो उसने अचानक सब कुछ कह दिया। उसे आश्चर्य हुआ कि मैडम बहुत खुश हुईं। और इस तरह सब कुछ तय हो गया।
कुछ समय बाद विक्टर अल्जीरिया लौट आया, जहाँ उसने बटालियन की कमान संभाल रहे मेजर रोडिन से फिर से मुलाकात की और एक नए युद्ध में शामिल हो गया। मार्सिले में जोजो और उसकी पत्नी ने धमकियों और फुसलाने के मिले-जुले तरीकों से गर्भवती जूली की देखभाल की। जब विक्टर मार्सिले से निकला, तब तक जूली चार महीने की गर्भवती हो चुकी थी और गर्भपात का कोई रास्ता नहीं था, जैसा कि जोजो ने टूटे जबड़े वाले दलाल को धमकी भरे लहजे में बताया, जो जल्द ही वहाँ मंडराने लगा। यह आदमी सैनिकों से, यहाँ तक कि लंगड़े पैरों वाले बूढ़े सैनिकों से भी, पंगा लेने से डरने लगा था, इसलिए उसने अपनी पुरानी आमदनी छोड़ दी और कहीं और से कमाई करने लगा।
सन् 1955 के अंत में जूली ने एक बच्ची को जन्म दिया, जिसकी नीली आँखें और सुनहरे बाल थे। जूली की सहमति से जोजो और उनकी पत्नी ने गोद लेने के कागजात दाखिल किए। गोद लेने की प्रक्रिया पूरी हो गई। जूली अपनी पुरानी जिंदगी में लौट गई और जोजो दंपति को एक बेटी मिल गई, जिसका नाम उन्होंने सिल्वी रखा। उन्होंने विक्टर को पत्र लिखकर यह सूचना दी और बैरक में लेटे हुए वह अजीब तरह से खुश हुआ। लेकिन उसने किसी को नहीं बताया। उसे याद था कि उसकी कोई भी संपत्ति ऐसी नहीं थी, जिसे बताने पर उससे छीन न लिया गया हो।
फिर भी, तीन साल बाद, अल्जीरिया की पहाड़ियों में एक लंबे युद्ध अभियान से पहले, पादरी ने उनसे वसीयत बनाने का सुझाव दिया। यह विचार उनके मन में पहले कभी आया ही नहीं था। एक तो उनके पास छोड़ने के लिए कुछ था ही नहीं, क्योंकि छुट्टी के दौरान वे अपना सारा वेतन शहरों के बार और वेश्यालयों में उड़ा देते थे, और दूसरा जो कुछ उनके पास था वह लीजन का था। लेकिन पादरी ने उन्हें आश्वासन दिया कि आधुनिक लीजन में वसीयत बनाना पूरी तरह से वैध है, इसलिए काफी मदद से उन्होंने एक वसीयत बनाई, जिसमें उन्होंने अपनी सारी संपत्ति जोसेफ ग्रज़ीबोव्स्की की बेटी के नाम कर दी, जो पूर्व लीजन सैनिक थे और वर्तमान में मार्सिले में तैनात थे। अंततः इस दस्तावेज़ की एक

प्रति, उनके बाकी दस्तावेज़ों के साथ, पेरिस में सशस्त्र बल मंत्रालय के अभिलेखागार में जमा कर दी गई। 1961 में जब बोन और कॉन्स्टेंटाइन आतंकी हमलों के सिलसिले में कोवाल्स्की का नाम फ्रांसीसी सुरक्षा बलों के सामने आया, तो यह फाइल कई अन्य फाइलों के साथ खोजी गई और पोर्ट डेस लिलास स्थित कर्नल रोलैंड की एक्शन सर्विस के ध्यान में आई। ग्रज़ीबोव्स्की परिवार से मुलाकात की गई और सारा मामला सामने आ गया। लेकिन कोवाल्स्की को इसकी जानकारी कभी नहीं हुई।
उन्होंने अपनी बेटी को जीवन में दो बार देखा, पहली बार 1957 में जब उनकी जांघ में गोली लगी और उन्हें स्वास्थ्य लाभ के लिए मार्सिले भेजा गया, और दूसरी बार 1960 में जब वे लेफ्टिनेंट-कर्नल रोडिन के साथ सुरक्षा ड्यूटी पर शहर आए थे, जिन्हें एक गवाह के रूप में कोर्ट मार्शल में उपस्थित होना था। पहली बार जब बच्ची दो साल की थी, अगली बार साढ़े चार साल की। कोवाल्स्की जोजो परिवार के लिए उपहारों और सिल्वी के लिए खिलौनों से लदे हुए पहुंचे। नन्ही बच्ची और उसके भालू जैसे चाचा विक्टर के बीच बहुत अच्छी दोस्ती हो गई। लेकिन उन्होंने इस बारे में किसी और से, यहां तक कि रोडिन से भी, कभी जिक्र नहीं किया।
अब वह ल्यूक की वजह से बीमार थी और कोवाल्स्की पूरी सुबह बहुत चिंतित रहा। दोपहर के भोजन के बाद वह ऊपर गया ताकि डाक रखने वाला लोहे का डिब्बा उसकी कलाई से जंजीर से बांधा जा सके। रोडिन को फ्रांस से एक महत्वपूर्ण पत्र मिलने की उम्मीद थी जिसमें पिछले महीने कैसन के गिरोह द्वारा की गई कई डकैतियों से जमा की गई कुल धनराशि का विस्तृत विवरण था, और वह चाहता था कि कोवाल्स्की दोपहर की डाक के लिए डाकघर में दोबारा जाए।
‘क्या,’ कॉर्पोरल ने अचानक कहा, ‘ल्यूक कोई खास आदमी है क्या?’
रोडिन ने चेन को अपनी कलाई से बांधते हुए आश्चर्य से ऊपर देखा।
‘मैंने उसके बारे में कभी नहीं सुना,’ उसने जवाब दिया।
कोवाल्स्की ने समझाया, 'यह खून से संबंधित बीमारी है।'
कमरे के दूसरे कोने से, जहाँ वह एक चमकदार पत्रिका पढ़ रहा था, कैसन हँस पड़ा।
‘आपका मतलब ल्यूकेमिया से है,’ उसने कहा।
‘तो, क्या बात है, महोदय?’
कैसन ने जवाब दिया, 'यह कैंसर है, खून का कैंसर।'

कोवाल्स्की ने अपने सामने खड़े रोडिन की ओर देखा। उन्हें आम नागरिकों पर भरोसा नहीं था।
‘क्या वे लोग इसका इलाज कर सकते हैं, क्या वे लोग, कर्नल साहब?’
‘नहीं, कोवाल्स्की, यह जानलेवा है। इसका कोई इलाज नहीं है। क्यों?’ कोवाल्स्की ने बुदबुदाते हुए कहा, 'कुछ नहीं, बस कुछ पढ़ा था।'
फिर वह चला गया। अगर रोडिन को इस बात पर हैरानी हुई भी कि उनके अंगरक्षक, जो दिन के नियमित आदेशों से ज़्यादा जटिल कुछ भी पढ़ने के लिए जाने नहीं जाते थे, ने किताब में वह शब्द कैसे ढूंढ लिया, तो उन्होंने इसे ज़ाहिर नहीं किया और यह बात जल्द ही उनके दिमाग से निकल गई। क्योंकि दोपहर की डाक में वह पत्र आ गया जिसका उन्हें इंतज़ार था, जिसमें लिखा था कि स्विट्ज़रलैंड में ओएएस के संयुक्त बैंक खातों में अब ढाई लाख डॉलर से ज़्यादा की रकम जमा हो गई है।
रोडिन संतुष्ट होकर बैठ गए और अपने भाड़े के हत्यारे के खाते में वह राशि स्थानांतरित करने के लिए बैंकरों को निर्देश लिखने और भेजने लगे। शेष राशि के लिए उन्हें कोई संकोच नहीं था। राष्ट्रपति डी गॉल की मृत्यु के बाद, अति दक्षिणपंथी उद्योगपतियों और बैंकरों, जिन्होंने ओएएस को उसके शुरुआती और अधिक सफल दिनों में वित्त पोषित किया था, को शेष ढाई लाख डॉलर जुटाने में कोई देरी नहीं होगी। वही लोग जिन्होंने कुछ ही सप्ताह पहले अतिरिक्त नकदी के लिए उनके अनुरोधों का जवाब यह कहकर टाल दिया था कि 'देशभक्ति की ताकतों द्वारा हाल के महीनों में दिखाई गई प्रगति और पहल की कमी' ने उनके पिछले निवेशों पर प्रतिफल मिलने की संभावना को कम कर दिया है, अब उन सैनिकों का समर्थन करने के सम्मान के लिए होड़ कर रहे थे जो कुछ ही समय बाद पुनर्जन्मित फ्रांस के नए शासक बनने वाले थे।
अंधेरा होने से पहले उसने बैंकरों को निर्देश देना समाप्त कर दिया, लेकिन जब उसने रोडिन द्वारा लिखे गए उन आदेशों को देखा जिनमें स्विस बैंकरों को जैकल को पैसे देने का निर्देश दिया गया था, तो कैसन ने आपत्ति जताई। उसने तर्क दिया कि उन तीनों ने अपने अंग्रेज को एक अत्यंत महत्वपूर्ण वादा किया था कि पेरिस में उसका एक संपर्क होगा जो उसे फ्रांसीसी राष्ट्रपति की गतिविधियों के बारे में नवीनतम और सटीक जानकारी, साथ ही उनकी सुरक्षा व्यवस्था में होने वाले किसी भी बदलाव की सूचना लगातार देता रहेगा। ये जानकारी हत्यारे के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हो सकती थी, बल्कि संभवतः होगी

फोन किया था, क्योंकि गूसेन्स उसे इसी नाम से जानते थे, और मिलने का समय सुबह 11 बजे तय हुआ था। वह 10:30 बजे गली के कोने पर पहुँचा और गली के अंत में बने छोटे से सार्वजनिक उद्यान में फुटपाथ पर रखी बेंच पर अखबार के पीछे बैठकर आधे घंटे तक गली का जायजा लिया।
वहाँ काफी शांति थी। वह ठीक ग्यारह बजे दरवाजे पर पहुँचा और गूसेन्स ने उसे अंदर आने दिया और गलियारे से सटे छोटे से कार्यालय में ले गया। जैकाल के चले जाने के बाद, एम. गूसेन्स ने सावधानीपूर्वक सामने का दरवाजा बंद कर दिया और उसे जंजीर से बांध दिया। कार्यालय के अंदर, अंग्रेज ने कवच निर्माता की ओर रुख किया।
‘कोई समस्या है?’ उसने पूछा। बेल्जियमवासी शर्मिंदा सा लग रहा था।
जी हाँ, मुझे लगता है ऐसा ही है।
हत्यारे ने बिना किसी भाव के, आधी बंद और उदास आँखों से उसे ठंडेपन से देखा।
उन्होंने कहा, 'आपने मुझसे कहा था कि अगर मैं 1 अगस्त को वापस आऊं तो मुझे 4 अगस्त तक बंदूक मिल जाएगी जिसे मैं अपने साथ घर ले जा सकूंगा।' बेल्जियमवासी ने कहा, 'यह बिल्कुल सच है, और मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि समस्या बंदूक में नहीं है। दरअसल, बंदूक तैयार है, और सच कहूँ तो मैं इसे अपनी उत्कृष्ट कृतियों में से एक मानता हूँ, एक सुंदर नमूना। परेशानी दूसरे उत्पाद के साथ हुई है, जिसे जाहिर तौर पर बिल्कुल नए सिरे से बनाना पड़ा। चलिए मैं आपको दिखाता हूँ।'
डेस्क के ऊपर लगभग दो फीट लंबा, अठारह इंच चौड़ा और चार इंच गहरा एक सपाट बक्सा रखा था। एम. गूसेन्स ने बक्सा खोला और जैसे ही उसका ऊपरी आधा हिस्सा मेज पर वापस गिरा, सियार ने उसे नीचे से देखा।
यह एक सपाट ट्रे की तरह था, जिसे सावधानीपूर्वक आकार दिए गए डिब्बों में विभाजित किया गया था, जिनमें से प्रत्येक का आकार राइफल के उस घटक के आकार का था जिसे वह अपने अंदर रखता था।
'यह मूल केस नहीं था, आप समझ रहे हैं ना,' एम. गूसेन्स ने समझाया। 'वह बहुत लंबा हो जाता। मैंने केस खुद बनाया है। यह पूरी तरह से फिट बैठता है।'
यह बहुत ही सघनता से फिट हो गया। खुली ट्रे के ऊपरी भाग पर बैरल और ब्रीच थे, जिनकी कुल लंबाई अठारह इंच से अधिक नहीं थी। सियार ने इसे बाहर निकाला और जांच की। यह बहुत हल्का था और देखने में सबमशीन गन के बैरल जैसा लग रहा

उन्होंने कहा, 'स्टॉक असेंबली का पहला भाग।'
हत्यारे ने स्टील की छड़ के एक सिरे को ब्रीच के पिछले हिस्से में बने छेद में डाला और उसे कसकर फिट कर दिया। देखने में ऐसा लग रहा था मानो स्टील की छड़ बंदूक के पिछले हिस्से से निकलकर तीस डिग्री के कोण पर नीचे की ओर झुकी हुई हो। छड़ के थ्रेडेड सिरे से दो इंच ऊपर, राइफल के मैकेनिज़्म के पास, उसे हल्का सा चपटा किया गया था, और चपटे हिस्से के बीच में छड़ की रेखा से एक कोण पर छेद किया गया था। यह छेद अब सीधे पीछे की ओर था। गूसेन्स ने एक दूसरी और छोटी स्टील की छड़ दिखाई।
उन्होंने कहा, 'ऊपरी स्ट्रट।'
इसे भी अपनी जगह पर फिट कर दिया गया। दोनों छड़ें पीछे की ओर निकली हुई थीं, ऊपरी छड़ बैरल की रेखा से काफी कम कोण पर थी, जिससे दोनों छड़ें एक दूसरे से इस तरह अलग हो रही थीं जैसे बिना आधार वाले एक संकरे त्रिभुज की दो भुजाएँ हों। गूसेन्स ने आधार बनाया। यह घुमावदार था, लगभग पाँच या छह इंच लंबा था और काले चमड़े से अच्छी तरह गद्दीदार था। राइफल के कंधे के गार्ड या बट के प्रत्येक सिरे पर एक छोटा सा छेद था।
‘यहाँ पेंच कसने जैसा कुछ नहीं है,’ कवच बनाने वाले ने कहा, ‘बस इसे छड़ों के सिरों पर दबा दो।’
अंग्रेज ने प्रत्येक स्टील की छड़ के सिरे को उपयुक्त छेद में डाला और बट को मजबूती से बंद कर दिया। अब राइफल, जब साइड से देखी गई, तो अधिक सामान्य लग रही थी, जिसमें ट्रिगर और ऊपरी और निचले स्ट्रट तथा बेस प्लेट द्वारा रेखांकित पूर्ण स्टॉक दिखाई दे रहा था। सियार ने बट प्लेट को अपने कंधे पर उठाया, बाएँ हाथ से बैरल के निचले हिस्से को पकड़ा, दाहिनी तर्जनी ट्रिगर पर थी, बाएँ आँख बंद थी और दाहिनी आँख बैरल पर टिकी हुई थी। उसने दूर की दीवार पर निशाना साधा और ट्रिगर दबा दिया। ब्रीच के अंदर से एक हल्की सी क्लिक की आवाज़ आई।
उसने बेल्जियम के उस व्यक्ति की ओर रुख किया, जिसके दोनों हाथों में दस इंच लंबी काली ट्यूब जैसी दिखने वाली वस्तुएं थीं।
‘साइलेंसर,’ अंग्रेज ने कहा। उसने दी गई नली ली और राइफल की नली के सिरे का मुआयना किया। उस पर बारीक थ्रेडिंग की गई थी। उसने साइलेंसर का चौड़ा सिरा नली पर चढ़ाया और उसे तेज़ी से गोल-गोल घुमाता रहा जब तक कि वह और घूम न सके। साइलेंसर नली के सिरे से एक लंबी सॉसेज की तरह बाहर निकला हुआ था।

उसने अपना हाथ बगल से आगे बढ़ाया और एम. गूसेन्स ने उसमें टेलीस्कोपिक साइट लगा दी।
बैरल के ऊपरी हिस्से पर धातु में खांचे बने हुए थे। इनमें टेलीस्कोप के निचले हिस्से पर लगे स्प्रिंग वाले क्लिप फिट होते थे, जिससे टेलीस्कोपिक साइट और बैरल बिल्कुल समानांतर रहते थे। टेलीस्कोप के दाहिनी ओर और ऊपर की तरफ साइट के अंदर क्रॉस हेयर को एडजस्ट करने के लिए छोटे-छोटे स्क्रू लगे थे। अंग्रेज ने फिर से राइफल उठाई और निशाना साधते हुए आंखें सिकोड़ीं। पहली नजर में वह पिकाडिली की किसी बंदूक की दुकान में एक नए स्पोर्टिंग गन को आजमाने आए चेक सूट पहने हुए एक सभ्य अंग्रेज सज्जन लग सकते थे। लेकिन दस मिनट पहले जो कुछ अजीब दिखने वाले पुर्जे थे, वह अब कोई स्पोर्टिंग गन नहीं थी; यह एक तेज रफ्तार, लंबी दूरी की, पूरी तरह से साइलेंसर लगी हत्यारे की राइफल थी। जैकाल ने उसे नीचे रख दिया। वह बेल्जियन की ओर मुड़ा और संतुष्टि से सिर हिलाया।
‘बहुत अच्छा,’ उन्होंने कहा। ‘बहुत बढ़िया। मैं आपको बधाई देता हूँ। एक शानदार कृति।’
एम. गूसेन्स मुस्कुरा उठे।
‘निशाने को शून्य पर सेट करने और कुछ अभ्यास शॉट दागने का सवाल अभी बाकी है। क्या आपके पास कुछ गोलियां हैं?’
बेल्जियमवासी ने डेस्क की दराज में हाथ डाला और सौ गोलियों का एक डिब्बा निकाला। पैकेट की सील टूटी हुई थी और छह गोलियां गायब थीं।
‘ये अभ्यास के लिए हैं,’ हथियार बनाने वाले ने कहा। ‘मैंने छह और ले जाकर उन्हें विस्फोटक युक्त हथियारों में परिवर्तित किया है।’
सियार ने मुट्ठी भर गोलियां अपने हाथ में डालीं और उन्हें देखा। एक गोली से जो काम होना था, उसके हिसाब से वे बहुत छोटी लग रही थीं, लेकिन उसने देखा कि वे उस कैलिबर की अतिरिक्त लंबी गोलियां थीं। अतिरिक्त विस्फोटक चार्ज के कारण गोली की गति बहुत तेज़ थी, जिससे सटीकता और मारक क्षमता बढ़ गई थी। इनकी नोक भी नुकीली थी, जबकि अधिकांश शिकार की गोलियां चपटी होती हैं, और जहां शिकार की गोलियों का सिरा मोटा और भारी होता है, वहीं इन गोलियों की नोक तांबे से बनी थी। ये उसी कैलिबर की प्रतियोगिता राइफल की गोलियां थीं, जिस कैलिबर की शिकार बंदूक उसके हाथ में थी।
हत्यारे ने पूछा, 'असली गोले कहाँ हैं?'

एम. गूसेन्स दोबारा डेस्क पर गए और टिशू पेपर का एक बंडल लेकर आए। उन्होंने समझाया, 'आम तौर पर, मैं इन्हें बहुत सुरक्षित जगह पर रखता हूं, लेकिन चूंकि मुझे पता था कि आप आ रहे हैं, इसलिए मैंने इन्हें बाहर निकाल लिया।'
उसने कागज़ का पेंच खोला और सारा कागज़ सफ़ेद सोख्ता कागज़ पर उड़ेल दिया। पहली नज़र में गोलियां बिल्कुल वैसी ही लग रही थीं जैसी एक अंग्रेज़ अपने हाथ से निकालकर गत्ते के डिब्बे में डाल रहा था। काम पूरा होने पर उसने सोख्ता कागज़ से एक गोली उठाई और उसे ध्यान से देखा।
गोली के सबसे नुकीले सिरे के आसपास के छोटे से हिस्से से क्यूप्रो-निकल को बारीक रेत से घिसकर हटा दिया गया था, जिससे अंदर का सीसा दिखाई देने लगा था। गोली के नुकीले सिरे को थोड़ा कुंद कर दिया गया था, और नोक में एक चौथाई इंच की लंबाई में एक छोटा सा छेद किया गया था। इस छेद में पारे की एक बूंद डाली गई, फिर उसमें पिघले हुए सीसे की एक बूंद डालकर उसे भर दिया गया। सीसा के सख्त होने के बाद, उसे भी घिसकर और रगड़कर तब तक बनाया गया जब तक कि गोली के सिरे का मूल नुकीला आकार हूबहू दोबारा न बन जाए।
सियार इन गोलियों के बारे में जानता था, हालाँकि उसे कभी इनका इस्तेमाल करने का मौका नहीं मिला था। ये गोलियां इतनी जटिल थीं कि कारखानों में बनने के अलावा इनका बड़े पैमाने पर इस्तेमाल करना नामुमकिन था; जिनेवा कन्वेंशन द्वारा प्रतिबंधित थीं; साधारण डम-डम से भी कहीं ज़्यादा घातक थीं; विस्फोटक गोली मानव शरीर से टकराते ही एक छोटे ग्रेनेड की तरह फट जाती थी। गोली चलने पर, पारे की बूंद गोली के आगे बढ़ने के झटके से वापस अपनी जगह पर धकेल दी जाती थी, ठीक वैसे ही जैसे कार में कोई यात्री तेज़ रफ्तार से अपनी सीट पर दब जाता है। जैसे ही गोली मांस, उपास्थि या हड्डी से टकराती, उसकी गति अचानक धीमी हो जाती।
पारे पर प्रभाव यह होगा कि बूंद आगे की ओर, गोली के अवरुद्ध अगले हिस्से की ओर उछल जाएगी। वहां से आगे बढ़ते हुए यह गोली का सिरा चीर देगी, जिससे सीसा खुली हथेली की उंगलियों या खिले हुए फूल की पंखुड़ियों की तरह बाहर की ओर फैल जाएगा। इस आकार में सीसे का प्रक्षेपास्त्र तंत्रिकाओं और ऊतकों को चीरता हुआ, चीरता हुआ, काटता हुआ, चीरता हुआ, चाय की तश्तरी के आकार के क्षेत्र में अपने टुकड़े बिखेर देगा। सिर पर लगने पर, ऐसी गोली बाहर नहीं

निकलेगी, बल्कि खोपड़ी के अंदर सब कुछ नष्ट कर देगी, जिससे भीतर उत्पन्न भयानक दबाव ऊर्जा के कारण हड्डी का खोल चकनाचूर हो जाएगा।
हत्यारे ने गोली को सावधानीपूर्वक टिशू पेपर पर वापस रख दिया। उसके बगल में खड़ा वह छोटा सा शांत व्यक्ति, जिसने इसे डिजाइन किया था, जिज्ञासा भरी निगाहों से उसकी ओर देख रहा था।
‘ये मुझे तो ठीक लग रहे हैं। आप स्पष्ट रूप से एक कुशल कारीगर हैं, एम. गूसेन्स। तो फिर समस्या क्या है?’
“यह दूसरी चीज़ है, महोदय। ये नलियाँ। इन्हें बनाना मेरी कल्पना से कहीं ज़्यादा मुश्किल रहा है। पहले मैंने आपकी सलाह के अनुसार एल्युमीनियम का इस्तेमाल किया। लेकिन कृपया समझिए कि मैंने पहले बंदूक हासिल की और उसे पूरी तरह से तैयार किया। इसीलिए मैं बाकी काम कुछ दिन पहले ही कर पाया। मुझे उम्मीद थी कि मेरे कौशल और कार्यशाला में मौजूद मशीनों के साथ यह अपेक्षाकृत आसान होगा।”
लेकिन ट्यूबों को यथासंभव पतला रखने के लिए, मैंने बहुत पतली धातु खरीदी। यह बहुत पतली थी। जब मैंने इसे बाद में एक-एक करके जोड़ने के लिए अपनी मशीन पर पिरोया, तो यह टिशू पेपर जैसी थी। ज़रा सा दबाव पड़ने पर भी यह मुड़ जाती थी। राइफल के ब्रीच के सबसे चौड़े हिस्से को समाहित करने के लिए भीतरी माप को पर्याप्त रखने और फिर भी मोटी धातु की ट्यूबों का उपयोग करने के लिए, मुझे कुछ ऐसा बनाना पड़ा जो देखने में स्वाभाविक न लगे। इसलिए मैंने स्टेनलेस स्टील का चुनाव किया।
‘बस यही एक चीज़ थी। यह बिल्कुल एल्युमीनियम जैसा दिखता है, लेकिन थोड़ा भारी है। मजबूत होने के कारण यह पतला भी हो सकता है। इस पर धागा भी डाला जा सकता है और यह इतना मजबूत है कि मुड़ता नहीं है। बेशक, इस पर काम करना थोड़ा मुश्किल है और इसमें समय लगता है। मैंने कल से शुरू किया है...’
‘ठीक है। आपकी बात तर्कसंगत है। मुद्दा यह है कि मुझे इसकी जरूरत है, और मुझे यह बिल्कुल सही चाहिए। कब?’
बेल्जियमवासी ने कंधे उचकाते हुए कहा, 'कहना मुश्किल है। मेरे पास सभी बुनियादी उपकरण हैं, जब तक कि कोई और समस्या न आ जाए। जिसकी मुझे आशंका है। मुझे पूरा यकीन है कि आखिरी तकनीकी समस्याएं हल हो चुकी हैं। पांच दिन, छह दिन। शायद एक हफ्ता...'

अंग्रेज ने अपनी झुंझलाहट का कोई संकेत नहीं दिखाया। उसका चेहरा भावहीन रहा और वह बेल्जियमवासी को तब तक देखता रहा जब तक उसने अपनी बात पूरी नहीं कर ली। जब उसने अपनी बात समाप्त की, तब भी दूसरा सोच में डूबा हुआ था।
‘ठीक है,’ उसने आखिरकार कहा। ‘इससे मेरी यात्रा योजनाओं में बदलाव होगा। लेकिन शायद उतना गंभीर नहीं जितना मैंने पिछली बार यहाँ आने पर सोचा था। यह कुछ हद तक उस टेलीफोन कॉल के नतीजों पर निर्भर करता है जो मुझे करनी होगी। किसी भी हालत में, मुझे बंदूक से परिचित होना ज़रूरी होगा, और यह बेल्जियम में भी उतना ही आसानी से हो सकता है जितना कहीं और। लेकिन मुझे बंदूक और बिना मिलावट वाले गोले, साथ ही मिलावट वाले गोलों में से एक की ज़रूरत होगी। इसके अलावा, मुझे अभ्यास करने के लिए कुछ शांति और सुकून की भी ज़रूरत होगी। इस देश में पूरी गोपनीयता के साथ एक नई राइफल का परीक्षण करने के लिए सबसे अच्छी जगह कौन सी होगी? खुले आसमान के नीचे एक सौ तीस से एक सौ पचास मीटर की दूरी पर?’
एम. गूसेन्स ने कुछ देर सोचा। फिर उन्होंने अंत में कहा, “आर्डेनेस के जंगलों में। वहाँ जंगल के बहुत बड़े-बड़े हिस्से हैं जहाँ कोई व्यक्ति कई घंटों तक अकेला रह सकता है। आप एक दिन में वहाँ जाकर वापस आ सकते हैं। आज गुरुवार है, कल से सप्ताहांत शुरू हो रहा है और जंगल पिकनिक मनाने वालों से भरा हो सकता है। मेरा सुझाव है कि आप सोमवार, 5 तारीख को जाएँ। मुझे उम्मीद है कि मंगलवार या बुधवार तक बाकी का काम पूरा हो जाएगा।”
अंग्रेज ने संतुष्टि से सिर हिलाया।
ठीक है। मुझे लगता है कि अब मुझे बंदूक और गोला-बारूद ले लेना चाहिए। मैं अगले सप्ताह मंगलवार या बुधवार को आपसे फिर संपर्क करूंगा।
बेल्जियम का निवासी विरोध करने ही वाला था कि ग्राहक ने उसे रोक दिया। ‘मुझे लगता है कि मुझे अभी भी आपको लगभग सात सौ पाउंड देने हैं। लीजिए…’ उसने नोटों के कुछ और बंडल नोट कागज पर रख दिए… ‘ये रहे पाँच सौ पाउंड। बाकी के दो सौ पाउंड आपको तब मिलेंगे जब मुझे बाकी का सामान मिल जाएगा।’ ‘धन्यवाद, महोदय,’ हथियार बनाने वाले ने कहा और पच्चीस-पाउंड के नोटों के पाँच बंडल अपनी जेब में रख लिए। उसने राइफल को एक-एक करके अलग किया और प्रत्येक भाग को सावधानीपूर्वक हरे रंग के कपड़े से ढके डिब्बे में रखा। हत्यारे द्वारा माँगी गई विस्फोटक गोली को टिशू पेपर के एक अलग टुकड़े में लपेटकर सफाई के कपड़ों और ब्रशों के बगल में डिब्बे में रख दिया गया।

डिब्बा बंद होने पर उसने उसे और गोलियों के डिब्बे को अंग्रेज को सौंप दिया, जिसने गोलियों को अपनी जेब में रख लिया और साफ-सुथरा डिब्बा अपने हाथ में ही रखा।
एम. गूसेन्स ने उन्हें विनम्रतापूर्वक बाहर तक पहुँचाया।
जैकाल दोपहर के भोजन के समय अपने होटल वापस पहुंचा। सबसे पहले उसने बंदूक वाले बक्से को अलमारी के निचले हिस्से में सावधानीपूर्वक रखा, उसे बंद किया और चाबी अपनी जेब में रख ली।
दोपहर में वह आराम से टहलते हुए मुख्य डाकघर में गए और स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख स्थित एक नंबर पर कॉल करने के लिए कहा। कॉल कनेक्ट होने में आधा घंटा लगा और पांच मिनट बाद श्री मेयर ने फोन उठाया। अंग्रेज ने एक नंबर बताकर अपना परिचय दिया और फिर अपना नाम बताया।
श्री मेयर ने कुछ देर के लिए फोन काट दिया और दो मिनट बाद वापस आए। उनके लहजे में पहले जैसी सतर्कता नहीं थी। जिन ग्राहकों के डॉलर और स्विस फ्रैंक में खाते लगातार बढ़ रहे थे, उनके साथ विनम्रता से पेश आना उचित था। ब्रसेल्स के उस व्यक्ति ने एक सवाल पूछा, और स्विस बैंकर ने फिर से कुछ देर के लिए फोन काट दिया, लेकिन इस बार तीस सेकंड से भी कम समय में वापस फोन पर आ गए। जाहिर है, उन्होंने ग्राहक की फाइल और स्टेटमेंट तिजोरी से निकलवा लिया था और उसका अध्ययन कर रहे थे।
‘नहीं, महोदय,’ ब्रुसेल्स के फोन बूथ में कर्कश आवाज आई। ‘हमारे पास आपका निर्देश पत्र है जिसमें हमें यह बताया गया है कि जैसे ही कोई नया भुगतान किया जाए, आपको डाक द्वारा सूचित किया जाए, लेकिन आपके द्वारा उल्लिखित अवधि में कोई भुगतान नहीं हुआ है।’
'मुझे तो बस यही आश्चर्य हुआ, श्रीमान मेयर, क्योंकि मैं दो सप्ताह से लंदन से बाहर था और हो सकता है कि यह मेरी अनुपस्थिति में आया हो।'
नहीं, अभी तक कुछ नहीं हुआ है। जैसे ही कोई राशि जमा होगी, हम आपको तुरंत सूचित कर देंगे।
श्री मेयर की शुभकामनाओं की झड़ी के बीच, सियार ने फोन रख दिया, बकाया राशि का भुगतान किया और चला गया।
उस शाम छह बजे के कुछ देर बाद, उसकी मुलाकात रुए न्यूवे के पास स्थित बार में जालसाज़ से हुई। वह आदमी पहले से ही वहाँ मौजूद था, और अंग्रेज ने कोने में एक खाली सीट देखी और सिर हिलाकर जालसाज़ को अपने साथ बैठने का इशारा

किया। उसके बैठने और सिगरेट जलाने के कुछ ही सेकंड बाद बेल्जियम का वह आदमी भी उसके साथ बैठ गया।
‘काम खत्म?’ अंग्रेज ने पूछा।
'हां, सब कुछ पूरा हो गया। और बहुत अच्छा काम किया है, भले ही मैं खुद ऐसा कह रहा हूं।'
अंग्रेज ने अपना हाथ आगे बढ़ाया।
‘मुझे दिखाओ,’ उसने आदेश दिया। बेल्जियमवासी ने अपनी एक बास्तो सिगरेट जलाई और सिर हिलाया।
'कृपया समझिए, महोदय, यह एक बहुत ही सार्वजनिक स्थान है। साथ ही, इन्हें देखने के लिए अच्छी रोशनी की आवश्यकता है, विशेष रूप से फ्रेंच कार्डों के लिए। वे स्टूडियो में हैं।'
सियार ने कुछ क्षण तक उसे ठंडेपन से देखा, फिर सिर हिलाया।
‘ठीक है। हम जाकर उन्हें अकेले में देख लेंगे।’
कुछ मिनट बाद वे बार से निकले और टैक्सी लेकर गली के उस कोने तक गए जहाँ बेसमेंट स्टूडियो स्थित था। शाम अभी भी सुहावनी और धूप से भरी थी, और हमेशा की तरह बाहर निकलते समय उस अंग्रेज ने अपने चारों ओर लिपटे हुए काले चश्मे पहने हुए थे, जिससे उसके चेहरे का ऊपरी हिस्सा पहचान से छिपा हुआ था। लेकिन गली संकरी थी और धूप बिल्कुल नहीं आ रही थी। एक बूढ़ा आदमी दूसरी तरफ से आता हुआ उनके पास से गुजरा, लेकिन वह गठिया से ग्रस्त था और अपना सिर ज़मीन पर झुकाकर धीरे-धीरे चल रहा था।
जाली दस्तावेज़ बनाने वाला व्यक्ति सीढ़ियों से नीचे उतरा और अपनी चाबी के गुच्छे से दरवाज़ा खोला। स्टूडियो के अंदर लगभग उतना ही अंधेरा था जितना बाहर रात का। दरवाज़े के बगल वाली खिड़की के अंदर चिपकी भयानक तस्वीरों के बीच से धुंधली धूप की कुछ किरणें छनकर आ रही थीं, जिससे अंग्रेज बाहरी दफ्तर में कुर्सी और मेज की आकृतियाँ देख पा रहा था। जाली दस्तावेज़ बनाने वाला व्यक्ति मखमली पर्दों के बीच से स्टूडियो में गया और बीच वाली बत्ती जला दी।
उसने अपनी जेब से एक चपटा भूरा लिफाफा निकाला, उसे खोला और उसके अंदर की सामग्री को एक तरफ रखी छोटी गोल महोगनी की मेज पर फैला दिया, जो पोर्ट्रेट फोटो खींचने के लिए एक 'सहारा' के रूप में रखी थी। फिर उसने मेज को उठाकर

कमरे के बीचोंबीच ले जाकर केंद्रीय प्रकाश के नीचे रख दिया। स्टूडियो के बिल्कुल पीछे स्थित छोटे से मंच के ऊपर लगे दो आर्क लैंप बुझे ही रहे।
‘जी महोदय।’ वह मुस्कुराया और मेज पर पड़े तीन कार्डों की ओर इशारा किया। अंग्रेज ने पहला कार्ड उठाया और उसे रोशनी में देखा। यह उसका ड्राइविंग लाइसेंस था, जिसका पहला पृष्ठ कागज के एक चिपके हुए टैब से ढका हुआ था। इस पर लिखा था, ‘श्री अलेक्जेंडर जेम्स क्वेंटिन डुग्गन, लंदन W1 निवासी, को 10 दिसंबर 1960 से 9 दिसंबर 1963 तक ग्रुप 1a, 1b, 2, 3, 11, 12 और 13 के मोटर वाहन चलाने का लाइसेंस दिया जाता है।’ इसके ऊपर लाइसेंस नंबर (जो कि काल्पनिक था) और ‘लंदन काउंटी काउंसिल’ और ‘सड़क यातायात अधिनियम 1960’ लिखा था। फिर, ‘ड्राइविंग लाइसेंस’ और ‘15/- का शुल्क प्राप्त हुआ’। जहाँ तक सियार को पता था, यह एक सटीक जाली दस्तावेज था, जो उसके उद्देश्य के लिए पर्याप्त था।
दूसरा कार्ड एक साधारण फ्रांसीसी पहचान पत्र था, जिस पर आंद्रे मार्टिन का नाम लिखा था, जिनकी उम्र तिरपन वर्ष थी, जिनका जन्म कोलमार में हुआ था और वे पेरिस में रहते थे। कार्ड के एक छोटे से कोने से उनकी अपनी तस्वीर झाँक रही थी, जो बीस साल पुरानी लग रही थी, उनके बाल भूरे और हल्के भूरे रंग के थे, जो थोड़े धुंधले और शर्मिंदा दिख रहे थे। कार्ड पर दाग लगे थे और उसके कोने मुड़े हुए थे, एक आम आदमी का कार्ड।
तीसरे नमूने ने उसे सबसे ज़्यादा आकर्षित किया। उस पर लगी तस्वीर पहचान पत्र पर लगी तस्वीर से थोड़ी अलग थी, क्योंकि दोनों कार्डों के जारी होने की तारीखों में कई महीनों का अंतर था। अगर कार्ड असली होते, तो नवीनीकरण की तारीखें शायद ठीक से मेल नहीं खातीं। कार्ड पर उसकी एक और तस्वीर थी जो लगभग दो हफ्ते पहले ली गई थी, लेकिन उसके हाथ में मौजूद तस्वीर में कमीज़ ज़्यादा गहरे रंग की लग रही थी और ठुड्डी के आसपास हल्की दाढ़ी दिख रही थी। यह प्रभाव कुशल एडिटिंग से पैदा किया गया था, जिससे ऐसा लग रहा था मानो एक ही व्यक्ति की दो अलग-अलग तस्वीरें हों, जो अलग-अलग समय पर और अलग-अलग कपड़ों में ली गई हों। दोनों ही मामलों में, नकली कार्ड बनाने की कला उत्कृष्ट थी। सियार ने ऊपर देखा और कार्डों को जेब में रख लिया।
‘बहुत बढ़िया,’ उसने कहा। ‘बिल्कुल यही तो मैं चाहता था। मैं आपको बधाई देता हूँ। मुझे लगता है कि अभी पचास पाउंड बकाया हैं।’

‘जी हाँ, महोदय। धन्यवाद।’ जालसाज़ पैसे की उम्मीद से इंतज़ार कर रहा था। अंग्रेज ने अपनी जेब से पाँच-पाँच पाउंड के दस नोटों का एक बंडल निकाला और उसे सौंप दिया।
अपनी तर्जनी और अंगूठे के बीच पकड़ी हुई नोटों की गड्डी का सिरा छोड़ने से पहले उसने कहा, 'मुझे लगता है कि इसमें कुछ और भी है, है ना?'
बेल्जियम के उस व्यक्ति ने यह दिखाने की असफल कोशिश की कि उसे कुछ समझ नहीं आया।
'महोदय?'
'ड्राइविंग लाइसेंस का असली पहला पन्ना। वही पन्ना जिसे मैंने वापस मांगा था।'
अब इसमें कोई शक नहीं था कि जालसाज़ नाटक कर रहा था। उसने अतिशयोक्तिपूर्ण आश्चर्य से अपनी भौहें उठाईं, मानो यह विचार अभी-अभी उसके मन में आया हो, नोटों का बंडल छोड़ दिया और मुड़ गया। वह कुछ कदम एक तरफ चला, सिर झुकाए, मानो गहरी सोच में डूबा हो, हाथ पीठ पीछे रखे हुए। फिर वह मुड़ा और वापस चलने लगा।
'मुझे लगा कि हम उस कागज के टुकड़े के बारे में थोड़ी बातचीत कर सकते हैं, महोदय।'
‘जी?’ सियार के स्वर में कोई भाव नहीं झलक रहा था। वह सपाट था, भावहीन, बस एक हल्का सा प्रश्नवाचक भाव था। चेहरे पर भी कोई भाव नहीं था, और आँखें मानो आधी ढकी हुई थीं, मानो वे केवल अपनी ही निजी दुनिया में टकटकी लगाए देख रही हों।
“दरअसल बात यह है, महोदय, कि ड्राइविंग लाइसेंस का मूल पहला पृष्ठ, जिस पर, मेरा अनुमान है, आपका असली नाम लिखा है, यहाँ नहीं है। ओह, कृपया, कृपया...” उन्होंने चिंता से घिरे व्यक्ति को आश्वस्त करने के लिए एक विस्तृत इशारा किया, हालांकि अंग्रेज ने चिंता का कोई आभास नहीं दिया... “यह एक बहुत ही सुरक्षित स्थान पर है। एक बैंक में एक निजी दस्तावेज़ पेटी में, जिसे मेरे अलावा कोई नहीं खोल सकता। देखिए, महोदय, मेरे जैसे जोखिम भरे व्यवसाय में एक व्यक्ति को सावधानी बरतनी पड़ती है, अगर आप चाहें तो किसी प्रकार का बीमा करवाना पड़ता है।”
'आप क्या चाहते हैं?'

'अब, मेरे प्रिय महोदय, मुझे आशा थी कि आप उस कागज़ के टुकड़े के स्वामित्व के आदान-प्रदान के आधार पर व्यापार करने के लिए तैयार होंगे, ऐसा व्यापार जो इस कमरे में हमने जिस डेढ़ सौ पाउंड की अंतिम राशि का उल्लेख किया था, उससे कुछ अधिक राशि पर आधारित होगा।'
अंग्रेज ने धीरे से आह भरी, मानो वह इस बात से थोड़ा हैरान हो कि मनुष्य इस धरती पर अपने जीवन को अनावश्यक रूप से जटिल क्यों बना लेता है। उसने ऐसा कोई और संकेत नहीं दिया जिससे पता चले कि बेल्जियमवासी के प्रस्ताव में उसकी कोई रुचि थी।
‘क्या आप रुचि रखते हैं?’ जालसाज़ ने शरमाते हुए पूछा। वह ऐसे अभिनय कर रहा था मानो उसने इसकी खूब रिहर्सल की हो; उसका अप्रत्यक्ष तरीका, उसके कथित सूक्ष्म संकेत। यह सब देखकर सामने बैठे व्यक्ति को किसी घटिया बी-ग्रेड फिल्म की याद आ गई।
‘मैं पहले भी ब्लैकमेल करने वालों से मिल चुका हूँ,’ अंग्रेज ने कहा, यह कोई आरोप नहीं था, बस एक सपाट स्वर में दिया गया एक सीधा-सा बयान था। बेल्जियमवासी स्तब्ध रह गया।
‘आह, महोदय, मैं आपसे विनती करता हूँ। ब्लैकमेल? मैं? मैं जो प्रस्ताव दे रहा हूँ वह ब्लैकमेल नहीं है, क्योंकि वह तो एक ऐसी प्रक्रिया है जो बार-बार दोहराई जाती है। मैं बस एक सौदा प्रस्तावित कर रहा हूँ। पूरा पैकेज एक निश्चित राशि के बदले। आखिरकार, मेरे दस्तावेज़ों के बक्से में आपके लाइसेंस की मूल प्रति, विकसित प्लेटें और आपकी खींची गई सभी तस्वीरों के नेगेटिव हैं, और, मुझे डर है...’ उसने डर जताने के लिए खेद का भाव दिखाया... ‘एक और तस्वीर है जो आपकी बिना मेकअप के, आर्क लाइट के नीचे खड़े होने के दौरान बहुत जल्दी में खींची गई थी। मुझे यकीन है कि ये दस्तावेज़, ब्रिटिश और फ्रांसीसी अधिकारियों के हाथों में पड़ने पर, आपको कुछ असुविधा पहुँचा सकते हैं। आप स्पष्ट रूप से जीवन की असुविधाओं से बचने के लिए भुगतान करने के आदी हैं...’
'कितना?'
'एक हजार पाउंड, महोदय।'
उस अंग्रेज ने प्रस्ताव पर विचार किया और चुपचाप सिर हिलाया, मानो यह केवल मामूली अकादमिक रुचि का विषय हो।

उन्होंने स्वीकार किया, 'उन दस्तावेजों को वापस पाने के लिए मुझे वह राशि देना उचित होगा।'
बेल्जियमवासी ने विजयी मुस्कान के साथ कहा, 'यह सुनकर मुझे बहुत खुशी हुई, महोदय।'
‘लेकिन जवाब ना है,’ अंग्रेज ने कहा, मानो वह अभी भी गहन सोच में डूबा हुआ हो। बेल्जियमवासी की आँखें सिकुड़ गईं।
लेकिन क्यों? मुझे समझ नहीं आ रहा। आप कहते हैं कि उन्हें वापस पाने में आपको एक हजार पाउंड का फायदा है। यह एक सीधा सौदा है। हम दोनों ही अच्छी संपत्ति का लेन-देन करने और उसके लिए भुगतान पाने के आदी हैं।
दूसरे ने नरमी से कहा, 'इसके दो कारण हैं। पहला, मेरे पास इस बात का कोई सबूत नहीं है कि तस्वीरों के मूल नेगेटिव की नकल नहीं की गई है, ताकि पहली मांग के बाद और मांगें न की जा सकें। दूसरा, मेरे पास इस बात का भी कोई सबूत नहीं है कि आपने दस्तावेज़ किसी दोस्त को नहीं दिए हैं, जो उन्हें पेश करने के लिए कहे जाने पर अचानक यह कह देगा कि उसके पास वे दस्तावेज़ नहीं हैं, जब तक कि उसे भी एक हजार पाउंड का और इनाम न दिया जाए।'
बेल्जियमवासी राहत महसूस कर रहा था। 'अगर आपको सिर्फ इसी बात की चिंता है, तो आपकी आशंकाएं निराधार हैं। पहली बात तो यह है कि दस्तावेजों को किसी साझेदार को सौंपना मेरे हित में नहीं होगा, क्योंकि मुझे डर है कि वह उन्हें पेश न करे। मुझे नहीं लगता कि आप दस्तावेज प्राप्त किए बिना एक हजार पाउंड देंगे। इसलिए मेरे पास उन्हें देने का कोई कारण नहीं है। मैं दोहराता हूं, वे बैंक के डिपॉजिट बॉक्स में हैं।'
बार-बार पैसे मांगने के लिहाज़ से, यह बात समझ में नहीं आती। ड्राइविंग लाइसेंस की फोटोकॉपी से ब्रिटिश अधिकारियों पर कोई खास असर नहीं पड़ेगा, और अगर आप जाली ड्राइविंग लाइसेंस के साथ पकड़े भी जाते हैं, तो इससे आपको बस थोड़ी सी असुविधा होगी, इतनी नहीं कि मुझे बार-बार पैसे देने का कोई औचित्य हो। जहाँ तक फ्रांसीसी कार्डों की बात है, अगर फ्रांसीसी अधिकारियों को पता चलता है कि कोई अंग्रेज आंद्रे मार्टिन नाम के एक काल्पनिक फ्रांसीसी के रूप में भेस बदलकर घूम रहा है, तो वे आपको उस नाम से फ्रांस में घूमने पर गिरफ्तार कर सकते हैं। लेकिन अगर मैं बार-बार पैसे मांगता रहूँ, तो आपके लिए बेहतर होगा कि आप कार्ड फेंक दें और किसी दूसरे जालसाज़ से नए कार्ड बनवा लें। तब आपको आंद्रे मार्टिन के रूप में फ्रांस

में रहते हुए पकड़े जाने का डर नहीं रहेगा, क्योंकि मार्टिन नाम का कोई व्यक्ति अस्तित्व में ही नहीं रहेगा।
‘तो फिर मैं अभी ऐसा क्यों नहीं कर सकता?’ अंग्रेज ने पूछा, ‘क्योंकि एक और पूरा सेट खरीदने में मुझे शायद डेढ़ सौ पाउंड से ज्यादा खर्च नहीं करना पड़ेगा?’
बेल्जियम के व्यक्ति ने हथेलियों को ऊपर की ओर करके, दोनों हाथों को फैलाकर इशारा किया।
मुझे पूरा भरोसा है कि आपके लिए सुविधा और समय की कीमत है। मुझे लगता है कि आपको आंद्रे मार्टिन के उन कागजातों की ज़रूरत है और मेरी चुप्पी कोई बहुत लंबा समय नहीं है। दूसरा सेट बनवाने में बहुत ज़्यादा समय लगेगा और वे उतने अच्छे नहीं होंगे। आपके पास जो हैं वे एकदम सही हैं। तो आपको कागजात भी चाहिए और मेरी चुप्पी भी, और दोनों अभी। कागजात तो आपके पास हैं। मेरी चुप्पी की कीमत एक हज़ार पाउंड है।
'ठीक है, आपने ऐसा कहा तो सही। लेकिन आपको ऐसा क्यों लगता है कि मेरे पास बेल्जियम में ही एक हजार पाउंड हैं?'
जाली दस्तावेज़ बनाने वाले ने सहनशीलता से मुस्कुराते हुए कहा, मानो वह सभी उत्तर जानता हो लेकिन किसी करीबी दोस्त की इच्छा पूरी करने के लिए उन्हें उजागर करने में उसे कोई आपत्ति न हो।
‘महाशय, आप एक अंग्रेज सज्जन हैं। यह तो सबको स्पष्ट है। फिर भी आप एक अधेड़ उम्र के फ्रांसीसी मजदूर का रूप धारण करना चाहते हैं। आपकी फ्रांसीसी भाषा धाराप्रवाह है और लगभग बिना किसी उच्चारण के। इसीलिए मैंने आंद्रे मार्टिन का जन्मस्थान कोल्मर लिखा है। आप जानते हैं, अल्सेशियन लोग आपकी ही तरह थोड़ी सी उच्चारण की लहजे में फ्रांसीसी बोलते हैं। आप आंद्रे मार्टिन के वेश में फ्रांस से गुजर रहे हैं। कमाल है, एक विलक्षण प्रतिभा। मार्टिन जैसे बूढ़े आदमी की तलाशी लेने की भला कौन सोचेगा। तो आप जो भी कर रहे हैं, वह जरूर कीमती होगा। शायद ड्रग्स? आजकल कुछ खास अंग्रेज हलकों में यह बहुत चलन में है। और मार्सिले मुख्य आपूर्ति केंद्रों में से एक है। या हीरे? मुझे नहीं पता। लेकिन आपका धंधा लाभदायक है। अंग्रेज जमींदार रेसकोर्स में जेब काटने में अपना समय बर्बाद नहीं करते। कृपया, महाशय, खेल खेलना बंद करें, है ना? आप लंदन में अपने दोस्तों को फोन करें और उनसे कहें कि वे यहां बैंक में आपको एक हजार पाउंड का तार

भेज दें। फिर कल रात हम पैकेज का आदान-प्रदान करेंगे और – उम्मीद है – आप अपने रास्ते पर निकल पड़ेंगे, है ना?’
अंग्रेज ने कई बार सिर हिलाया, मानो वह अपने बीते जीवन की गलतियों पर पछता रहा हो। अचानक उसने अपना सिर उठाया और बेल्जियमवासी को देखकर मुस्कुराया। जालसाज़ ने उसे पहली बार मुस्कुराते देखा था, और उसे बहुत राहत मिली कि इस शांत अंग्रेज ने मामले को इतनी शांति से लिया। हमेशा की तरह, वह कोई बहाना ढूंढने की कोशिश करता है। लेकिन अंत में कोई समस्या नहीं हुई। वह आदमी मान गया था। उसने महसूस किया कि उसका तनाव कम हो गया है।
‘बहुत खूब,’ अंग्रेज ने कहा, ‘तुम जीत गए। मैं कल दोपहर तक यहाँ एक हजार पाउंड ला सकता हूँ। लेकिन एक शर्त है।’
‘स्थिति?’ यह सुनकर बेल्जियमवासी फिर से सतर्क हो गया।
हम यहां नहीं मिलेंगे।
जालसाज़ हैरान रह गया। 'इस जगह में कुछ भी गलत नहीं है। यह शांत, एकांत जगह है...'
‘मेरी नज़र में तो इस जगह में सब कुछ गलत है। आपने अभी-अभी मुझे बताया कि आपने यहाँ मेरी छुपकर तस्वीर ली है। मैं नहीं चाहता कि हमारे उपहार सौंपने की हमारी छोटी सी रस्म किसी छिपे हुए स्थान से कैमरे की धीमी क्लिक से बाधित हो, जहाँ आपका कोई मित्र चतुराई से छिपा हुआ हो...’
बेल्जियमवासी की राहत साफ झलक रही थी। वह जोर से हँस पड़ा।
“तुम्हें इस बात की कोई चिंता नहीं है, मेरे प्रिय मित्र। यह जगह मेरी है, बहुत ही गुप्त है, और यहाँ कोई भी मेरी अनुमति के बिना नहीं आ सकता। तुम्हें पता है, मुझे सावधानी बरतनी पड़ती है, क्योंकि मैं यहाँ से पर्यटकों की तस्वीरें खींचकर अपना काम चलाता हूँ; यह बहुत लोकप्रिय है, लेकिन उस तरह का काम नहीं है जो ग्रांडे प्लेस के स्टूडियो में किया जाता है...”
उसने अपना बायां हाथ ऊपर उठाया, तर्जनी और अंगूठे से 'ओ' अक्षर बनाया, और चल रही यौन क्रिया को इंगित करने के लिए दाहिने हाथ की फैली हुई तर्जनी को गोलाकार छेद से कई बार गुजारा।
अंग्रेज की आँखों में चमक आ गई। वह खुलकर मुस्कुराया और फिर हंसने लगा। बेल्जियमवासी भी उस मजाक पर हंस पड़ा। अंग्रेज ने बेल्जियमवासी की बांहों पर ताली बजाई और उंगलियां बाइसेप्स की मांसपेशियों पर कस गईं, जालसाज को

स्थिर रखते हुए, उसके हाथ अभी भी कामुक इशारे कर रहे थे। बेल्जियमवासी अभी हंस ही रहा था कि उसे ऐसा लगा जैसे उसके गुप्तांगों पर किसी तेज रफ्तार ट्रेन की टक्कर हो गई हो।
सिर अचानक आगे की ओर झुक गया, हाथों का हावभाव रुक गया और वे नीचे की ओर गिर पड़े, उन कुचले हुए अंडकोषों पर जहाँ से उसे पकड़े हुए व्यक्ति ने अपना दाहिना घुटना हटा लिया था, और हँसी चीख, गड़गड़ाहट और उल्टी में बदल गई। अधमरा, वह घुटनों के बल रेंगता हुआ आया, फिर आगे और बगल में लुढ़ककर फर्श पर लेटने और खुद को संभालने की कोशिश करने लगा।
सियार ने उसे बड़ी नरमी से घुटनों के बल गिरने दिया। फिर वह गिरे हुए व्यक्ति के ऊपर से होते हुए बेल्जियमवासी की नंगी पीठ पर बैठ गया। उसका दाहिना हाथ बेल्जियमवासी की गर्दन के चारों ओर से होते हुए दूसरी तरफ निकल गया, और उसी से उसने अपनी बाईं भुजा को कसकर पकड़ लिया। बायां हाथ जालसाज़ के सिर के पिछले हिस्से पर रखा। उसने गर्दन को एक झटके में पीछे, ऊपर और बगल की ओर घुमा दिया।
गर्दन की हड्डी टूटने की आवाज़ शायद बहुत तेज़ नहीं थी, लेकिन स्टूडियो की खामोशी में ऐसा लगा जैसे कोई छोटी पिस्तौल चल गई हो। जालसाज़ के शरीर में एक आखिरी संकुचन हुआ, फिर वह एक कपड़े की गुड़िया की तरह बेजान होकर गिर पड़ा। सियार ने कुछ पल और पकड़े रखा, फिर शरीर को ज़मीन पर औंधा गिरने दिया। मृत चेहरा एक तरफ मुड़ा हुआ था, हाथ कमर के नीचे दबे हुए थे और अभी भी अपने गुप्तांगों को पकड़े हुए थे, जीभ कसे हुए दांतों के बीच से थोड़ी बाहर निकली हुई थी, आधी कटी हुई, आंखें खुली हुई थीं और लिनोलियम के धुंधले पैटर्न को घूर रही थीं।
अंग्रेज जल्दी से पर्दों के पास गया और यह सुनिश्चित किया कि वे पूरी तरह से बंद हैं, फिर वापस शव के पास आया। उसने शव को पलटा और जेबें टटोलीं, अंततः उसे पतलून के बाईं ओर चाबियाँ मिल गईं। स्टूडियो के दूर कोने में 'प्रॉप्स' और मेकअप ट्रे से भरा बड़ा बक्सा रखा था। चौथी चाबी से उसने ढक्कन खोला, और उसने दस मिनट तक बक्सा खोलकर उसमें रखी चीज़ों को फर्श पर बेतरतीब ढंग से ढेर लगा दिया।
जब ट्रंक लगभग खाली हो गया, तो हत्यारे ने जालसाज़ के शव को बगल से पकड़कर ट्रंक के ऊपर रख दिया। शव आसानी से अंदर चला गया, उसके ढीले अंग ट्रंक के अंदरूनी हिस्से के आकार में ढल गए। कुछ ही घंटों में शव अकड़ गया और ट्रंक

में दिलचस्पी हो, आवेश में आकर की गई हत्या के बाद लाश को इतनी सावधानी से क्यों छिपाएगा? लेकिन आखिरकार पुलिस को पता तो चलेगा ही। उस समय, एक तस्वीर ज़रूर छपेगी, और बार में बैठा व्यक्ति शायद 1 अगस्त की शाम को जालसाज़ को अपने बार से एक लंबे, गोरे आदमी के साथ चेक सूट और काले चश्मे पहने हुए जाते हुए याद रखेगा।
लेकिन इस बात की संभावना बहुत कम थी कि आने वाले महीनों में कोई भी उस मृत व्यक्ति के संपत्ति-पत्र की जाँच करेगा, भले ही उसने उसे अपने नाम पर पंजीकृत कराया हो। उसने बारमैन से कोई बात नहीं की थी, और उसी बार में वेटर को दिए गए पेय के ऑर्डर दो सप्ताह पहले के थे। दो बियर के ऑर्डर में विदेशी लहजे की हल्की सी झलक को याद रखने के लिए वेटर की याददाश्त असाधारण होनी चाहिए थी। पुलिस एक लंबे, गोरे आदमी की सतही तलाश शुरू करेगी, लेकिन अगर जाँच अलेक्जेंडर डुग्गन तक भी पहुँचती है, तो भी बेल्जियम पुलिस को जैकाल को ढूंढने में काफी समय लगेगा। कुल मिलाकर, उसे लगा कि उसके पास कम से कम एक महीना है, जो उसके लिए ज़रूरी था। जालसाज़ की हत्या करना तिलचट्टे को कुचलने जितना ही यांत्रिक था। जैकाल ने आराम किया, दूसरी सिगरेट खत्म की और बाहर देखा। रात के 9:30 बज रहे थे और संकरी गली में गहरा अंधेरा छा गया था। वह चुपचाप स्टूडियो से निकला और पीछे से बाहरी दरवाजा बंद कर दिया। जब वह चुपचाप गली से नीचे जा रहा था तो कोई भी उसके पास से नहीं गुजरा। आधा मील दूर जाकर उसने अज्ञात चाबियों को फुटपाथ में बने एक बड़े नाले में गिरा दिया और सड़क के नीचे कई फीट गहरे सीवर में उनके पानी में गिरने की आवाज़ सुनी। वह देर रात के खाने के लिए समय पर अपने होटल लौट आया।
अगले दिन, शुक्रवार को, उन्होंने ब्रुसेल्स के एक श्रमिक-वर्गीय उपनगर में खरीदारी की। कैंपिंग के सामान बेचने वाली एक दुकान से उन्होंने लंबी पैदल यात्रा के जूते, ऊनी मोज़े, डेनिम पैंट, चेकदार ऊनी कमीज़ और एक थैला खरीदा। उनकी अन्य खरीदारी में पतले फोम रबर की कई शीट, एक डोरी वाला शॉपिंग बैग, एक सूत का गोला, एक शिकार करने वाला चाकू, दो पतले पेंट ब्रश, गुलाबी रंग का एक डिब्बा और भूरे रंग का एक डिब्बा शामिल थे। उन्होंने एक खुली फल की दुकान से एक बड़ा हनीड्यू तरबूज़ खरीदने का सोचा, लेकिन फिर नहीं खरीदा, क्योंकि सप्ताहांत तक वह शायद सड़ जाता।
होटल लौटकर उन्होंने अपने नए ड्राइविंग लाइसेंस का इस्तेमाल किया, जो अब उनके पासपोर्ट से मेल खाता था और जिसका नाम अलेक्जेंडर डुग्गन था।

उन्होंने अगले दिन सुबह के लिए एक सेल्फ-ड्राइविंग कार किराए पर ली और रिसेप्शन के मुख्य क्लर्क से समुद्र तट के किनारे स्थित किसी रिसॉर्ट में सप्ताहांत के लिए शॉवर/बाथटब वाला एक कमरा बुक करने का अनुरोध किया। अगस्त में आवास की कमी के बावजूद, क्लर्क ने उनके लिए ज़ीब्रुग के सुरम्य मछली पकड़ने वाले बंदरगाह के सामने स्थित एक छोटे से होटल में कमरा ढूंढ लिया और उन्हें समुद्र किनारे सुखद सप्ताहांत की शुभकामनाएं दीं।

अध्याय सात
जब जैकाल ब्रुसेल्स में खरीदारी कर रहा था, तब विक्टर कोवाल्स्की रोम के मुख्य डाकघर से अंतरराष्ट्रीय टेलीफोन पूछताछ की पेचीदगियों से जूझ रहा था।
इतालवी भाषा न जानने के कारण, उन्होंने काउंटर क्लर्कों से मदद मांगी, और अंततः उनमें से एक ने यह स्वीकार किया कि वह थोड़ी-बहुत फ्रेंच बोलता है। बड़ी मुश्किल से कोवाल्स्की ने उसे समझाया कि वह फ्रांस के मार्सिले में एक व्यक्ति को फोन करना चाहता है, लेकिन उसे उस व्यक्ति का टेलीफोन नंबर नहीं पता।
हाँ, उसे नाम और पता पता था। नाम ग्रज़ीबोव्स्की था। यह सुनकर इतालवी व्यक्ति हैरान रह गया और उसने कोवाल्स्की से नाम लिखने को कहा। कोवाल्स्की ने नाम लिख दिया, लेकिन इतालवी व्यक्ति को यह विश्वास नहीं हुआ कि कोई नाम 'ग्रज़ीब...' से शुरू हो सकता है। उसने अंतरराष्ट्रीय एक्सचेंज के ऑपरेटर को नाम 'ग्रिब...' बताया, यह सोचकर कि कोवाल्स्की द्वारा लिखा गया 'ज़ेड' 'आई' होना चाहिए। ऑपरेटर ने फोन के दूसरी तरफ मौजूद इतालवी व्यक्ति को बताया कि मार्सिले की टेलीफोन निर्देशिका में जोसेफ ग्रिबोव्स्की नाम का कोई व्यक्ति मौजूद नहीं है। क्लर्क ने कोवाल्स्की की ओर मुड़कर समझाया कि ऐसा कोई व्यक्ति है ही नहीं।
बिल्कुल संयोगवश, क्योंकि वह एक कर्तव्यनिष्ठ व्यक्ति था और एक विदेशी को प्रसन्न करने के लिए उत्सुक था, क्लर्क ने यह साबित करने के लिए नाम को स्पष्ट रूप से लिखा कि उसने इसे सही लिखा है।
'यह मौजूद नहीं है, महोदय। चलिए देखते हैं... जय, एयर, ईईई...'
‘नॉन, जे, एयर, ज़ेड...’ कोवाल्स्की ने बीच में ही काट दिया।
क्लर्क असमंजस में दिख रहा था।
'माफ़ कीजिए, महोदय। जय, एयर, ज़ेड?? जय, एयर, ज़ेड yqrec, बे?'
‘हां,’ कोवाल्स्की ने जोर देकर कहा। ‘जी.आर.जेड.वाई.बी.ओ.डब्ल्यू.एस.के.आई.’ इतालवी व्यक्ति ने कंधे उचकाए और एक बार फिर स्विचबोर्ड ऑपरेटर के सामने पेश हुआ।
कृपया मुझे अंतरराष्ट्रीय पूछताछ की जानकारी दें।

दस मिनट के भीतर कोवाल्स्की को जोजो का फ़ोन नंबर मिल गया और आधे घंटे बाद उससे बात हो गई। फ़ोन के दूसरी तरफ़ पूर्व सैनिक की आवाज़ कर्कश ध्वनि के कारण अस्पष्ट थी और वह कोवाक के पत्र में लिखी बुरी खबर की पुष्टि करने में हिचकिचा रहा था। हाँ, उसे खुशी थी कि कोवाल्स्की ने फ़ोन किया, वह तीन महीने से उसका पता लगाने की कोशिश कर रहा था।
दुर्भाग्य से, हाँ, छोटी सिल्वी की बीमारी के बारे में यह सच था। वह दिन-रात कमज़ोर और दुबली होती जा रही थी, और जब आखिरकार डॉक्टर ने उसकी बीमारी का पता लगाया, तब तक उसे आराम देने का समय हो चुका था। वह उस फ्लैट के बगल वाले कमरे में थी जहाँ से जोजो बात कर रही थी। नहीं, यह वही फ्लैट नहीं था, उन्होंने एक नया और बड़ा फ्लैट लिया था। क्या? पता? जोजो ने धीरे-धीरे बताया, जबकि कोवाल्स्की, अपनी जीभ होंठों के बीच दबाकर, धीरे-धीरे उसे लिख रहा था।
‘ये नीम-हकीम उसे कितने दिन का समय देते हैं?’ उसने फोन पर गरजते हुए पूछा। चौथी कोशिश में उसे जोजो को अपनी बात समझ में आई। काफी देर तक सन्नाटा छाया रहा।
कोई जवाब न मिलने पर उसने चिल्लाकर पूछा, 'हैलो? हैलो?' फिर जोजो की आवाज़ सुनाई दी।
जो जो ने कहा, 'इसमें एक हफ्ता लग सकता है, शायद दो या तीन हफ्ते।'
अविश्वास से कोवाल्स्की ने अपने हाथ में पकड़े माइक्रोफोन को देखा। बिना कुछ कहे उसने उसे वापस स्टैंड पर रखा और लड़खड़ाते हुए केबिन से बाहर निकल गया। कॉल का बिल चुकाने के बाद उसने डाक इकट्ठा की, कलाई पर बंधी स्टील की बेल्ट को कसकर बंद किया और होटल की ओर चल पड़ा। कई वर्षों में पहली बार उसके मन में उथल-पुथल मची हुई थी और अब उसके पास कोई ऐसा व्यक्ति नहीं था जिससे वह हिंसा के माध्यम से समस्या का समाधान करने का आदेश ले सके। मार्सिले स्थित अपने फ्लैट में, उसी फ्लैट में जहाँ वह हमेशा रहता था, जोजो ने भी रिसीवर नीचे रख दिया जब उसे एहसास हुआ कि कोवाल्स्की ने फोन काट दिया है। उसने मुड़कर देखा तो एक्शन सर्विस के दोनों आदमी वहीं खड़े थे, दोनों के हाथ में कोल्ट.45 पुलिस स्पेशल पिस्तौल थी। एक की नज़र जोजो पर थी, दूसरे की उसकी पत्नी पर, जो सोफे के कोने में उदास चेहरे के साथ बैठी थी। जोजो ने गुस्से से कहा, 'कमीने! घटिया लोग!'
‘क्या वह आ रहा है?’ उनमें से एक आदमी ने पूछा।

'उसने कुछ नहीं कहा। उसने बस फोन काट दिया,' पोलिश व्यक्ति ने कहा। कोर्सिकन की काली, चपटी आंखें उसे घूर रही थीं।
'उसे आना ही होगा। यही आदेश है।'
‘ठीक है, आपने मुझे सुना, मैंने वही कहा जो आप सुनना चाहते थे। वह ज़रूर चौंक गया होगा। उसने बस फोन काट दिया। मैं उसे ऐसा करने से रोक नहीं सका।’ 'तुम्हारे भले के लिए, जोजो, उसे आना ही चाहिए,' कोर्सिकन ने दोहराया।
जोजो ने हताशा भरे स्वर में कहा, 'वह आएगा। अगर वह आ सकता है, तो आएगा। उस लड़की की खातिर।'
'अच्छा। तो आपका काम हो गया।'
‘तो फिर यहाँ से चले जाओ,’ जोजो चिल्लाई। ‘हमें अकेला छोड़ दो।’
कोर्सिकन व्यक्ति उठा, बंदूक अभी भी उसके हाथ में थी। दूसरा व्यक्ति बैठा रहा और महिला को देखता रहा।
‘हम जा रहे हैं,’ कोर्सिकन ने कहा, ‘लेकिन तुम दोनों हमारे साथ आओगे। हम नहीं चाहते कि तुम इधर-उधर बातें करो या रोम को फोन करो, है ना, जोजो?’
आप हमें कहाँ ले जा रहे हैं?
‘एक छोटी सी छुट्टी। पहाड़ों में एक अच्छा, आरामदायक होटल। खूब धूप और ताजी हवा। शाबाश जोजो!’
‘कब तक?’ पोलिश व्यक्ति ने नीरस स्वर में पूछा।
जब तक आवश्यक हो।
पोल ने खिड़की से बाहर पुराने बंदरगाह के खूबसूरत नज़ारे के पीछे छिपी हुई गलियों और मछली की दुकानों के जाल को देखा।
‘पर्यटन का चरम मौसम चल रहा है। इन दिनों ट्रेनें पूरी तरह भरी रहती हैं।
अगस्त में हमारी कमाई सर्दियों भर की कमाई से भी ज्यादा होती है। इससे हमें कई सालों तक नुकसान होगा।’
कोर्सिकन व्यक्ति ऐसे हँसा मानो उसे यह विचार मजेदार लगा हो।
'जो जो, तुम्हें इसे नुकसान से ज्यादा लाभ समझना चाहिए। आखिरकार, यह फ्रांस के लिए है, तुम्हारा गोद लिया हुआ देश।'
पोलिश व्यक्ति घूम उठा। ‘मुझे राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है। मुझे परवाह नहीं कि सत्ता में कौन है, कौन सी पार्टी सब कुछ गड़बड़ करना चाहती है। लेकिन मैं तुम्हारे जैसे लोगों को जानता हूँ। मैं जीवन भर ऐसे लोगों से मिलता रहा हूँ। तुम हिटलर की सेवा करोगे, तुम्हारे जैसे लोग। या

मुसोलिनी की, या ओएएस की, अगर तुम्हें सूट करे तो। या किसी की भी। शासन बदल सकते हैं, लेकिन तुम्हारे जैसे कमीने कभी नहीं बदलते...’ वह चिल्लाते हुए लंगड़ाते हुए उस बंदूकधारी व्यक्ति की ओर बढ़ा, जिसकी नली उसके हाथ में एक मिलीमीटर भी नहीं हिली थी।
सोफे से महिला चिल्लाई, 'जो जो! कृपया मुझे छोड़ दो।'
पोलिश व्यक्ति रुक गया और अपनी पत्नी को ऐसे घूरने लगा मानो वह भूल ही गया हो कि वह वहाँ है। उसने कमरे में चारों ओर देखा और उसमें मौजूद लोगों को एक-एक करके देखा। सभी उसकी ओर देख रहे थे, उसकी पत्नी गिड़गिड़ा रही थी, और दोनों गुप्त सुरक्षाकर्मी बिना किसी भाव के थे। वे फटकार सुनने के आदी थे जिनका अपरिहार्य परिणाम पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता था। दोनों में से नेता ने शयनकक्ष की ओर इशारा किया।
‘सामान पैक कर लो। पहले तुम, फिर तुम्हारी पत्नी।’
‘सिल्वी का क्या होगा? वह चार बजे स्कूल से घर आ जाएगी। उससे मिलने के लिए कोई नहीं होगा,’ महिला ने कहा।
कोर्सिकन महिला अब भी अपने पति को घूर रही थी।
“हम उसे स्कूल के रास्ते में ले लेंगे। सारी व्यवस्था हो चुकी है। प्रधानाध्यापिका को बता दिया गया है कि उसकी दादी मरणासन्न हैं और पूरे परिवार को उनके अंतिम समय में बुलाया गया है। सब कुछ बहुत ही गुप्त तरीके से हो रहा है। अब आप जाइए।”
जो जो ने कंधे उचकाए, अपनी पत्नी पर आखिरी नज़र डाली और सामान पैक करने के लिए बेडरूम में चला गया, उसके पीछे-पीछे कोर्सिकन भी चला गया। उसकी पत्नी अपने हाथों में रूमाल मरोड़ती रही। थोड़ी देर बाद उसने सोफे के कोने पर बैठे दूसरे एजेंट की ओर देखा। वह कोर्सिकन से छोटा था, एक गैस्कॉन।
‘वे उसके साथ क्या करेंगे?’
‘कोवाल्स्की?’
‘विक्टर।’
‘कुछ सज्जन उनसे बात करना चाहते हैं। बस इतना ही।’
एक घंटे बाद परिवार एक बड़ी सिट्रोएन कार की पिछली सीट पर बैठा था, दोनों एजेंट आगे की सीट पर थे, और कार तेजी से वेरकोर्स की पहाड़ियों में स्थित एक बेहद निजी होटल की ओर जा रही थी।

वह ज़्यादा देर तक नहीं जाएगा, शायद सिर्फ़ एक दिन, या अगर विमानों का कनेक्शन ठीक से नहीं हुआ तो दो दिन भी हो सकते हैं। किसी भी हालत में, यह करना ज़रूरी था। वह बाद में संरक्षक को समझा देगा। उसे पूरा यकीन था कि संरक्षक समझ जाएगा, भले ही वह बहुत गुस्से में हो। उसके मन में आया कि वह कर्नल को समस्या के बारे में बताए और अड़तालीस घंटे की छुट्टी मांग ले। लेकिन उसे पूरा यकीन था कि कर्नल, हालांकि एक अच्छा कमांडिंग ऑफिसर था जो मुसीबत में फंसे अपने सैनिकों का साथ देता था, उसे जाने से मना कर देगा। वह सिल्वी के बारे में नहीं समझेगा, और कोवाल्स्की जानता था कि वह कभी समझा नहीं पाएगा। वह कभी भी शब्दों में कुछ भी नहीं समझा सकता था। सोमवार की सुबह की शिफ्ट के लिए उठते हुए उसने गहरी साँस ली। वह इस बात से बहुत परेशान था कि एक सैनिक के रूप में अपने जीवन में पहली बार वह बिना बताए छुट्टी पर जाने वाला था।
सियार भी उसी समय उठा और अपनी सावधानीपूर्वक तैयारियाँ करने लगा। उसने पहले स्नान किया और दाढ़ी बनाई, फिर अपने बिस्तर के पास रखी ट्रे में रखा स्वादिष्ट नाश्ता खाया। बंद अलमारी से राइफल का डिब्बा निकालकर, उसने उसके प्रत्येक हिस्से को फोम रबर की कई परतों में सावधानीपूर्वक लपेटा और बंडलों को रस्सी से बांध दिया। उसने इन्हें अपने बैग के निचले हिस्से में भर दिया। ऊपर उसने पेंट के डिब्बे और ब्रश, डेनिम पैंट और चेक शर्ट, मोज़े और जूते रखे। रस्सी वाला शॉपिंग बैग बैग की बाहरी जेबों में से एक में और गोलियों का डिब्बा दूसरी जेब में रखा।
उन्होंने अपनी आदत के अनुसार 1963 में प्रचलित धारीदार कमीज़ पहनी, अपने सामान्य चेक वाले ऊनी सूट के बजाय कबूतर-धूसर रंग का हल्का सूट पहना और गुच्ची के हल्के काले चमड़े के स्नीकर्स पहने। एक काली रेशमी बुनी हुई टाई ने उनके पहनावे को पूरा किया। उन्होंने एक हाथ में अपना बैग उठाया और होटल की पार्किंग में खड़ी अपनी कार की ओर गए। उन्होंने कार को डिग्गी में बंद कर दिया। लॉबी में लौटकर उन्होंने अपना पैक किया हुआ लंच लिया, डेस्क क्लर्क की शुभ यात्रा की शुभकामनाओं का सिर हिलाकर जवाब दिया और नौ बजे तक वे ब्रसेल्स से निकलकर पुराने ई.40 राजमार्ग पर नामुर की ओर तेज़ी से बढ़ रहे थे। समतल ग्रामीण इलाका पहले से ही गर्म धूप में नहा रहा था, जो आने वाले भीषण गर्मी का संकेत दे रही थी। उनके रोड मैप के अनुसार बास्तोग्ने 94 मील दूर था और उन्होंने छोटे से कस्बे के दक्षिण में पहाड़ियों और

जंगलों में एक शांत जगह खोजने के लिए कुछ और मील का सफर तय किया। उसने अनुमान लगाया कि वह दोपहर तक आसानी से सौ मील की दूरी तय कर लेगा, और उसने सिम्का एरोन्डे को वालून मैदान के पार एक और लंबे, सपाट सीधे रास्ते पर दौड़ा दिया।
सूर्य के पूर्ण शिखर पर पहुँचने से पहले ही वह नामुर और मार्शे से गुज़र चुका था, बास्तोग्ने के नज़दीक आने का संकेत देने वाले चिन्हों का अनुसरण करते हुए। 1944 की सर्दियों में हासो वॉन मांटेफेल के किंग टाइगर टैंकों की तोपों से तहस-नहस हो चुके उस छोटे से कस्बे से गुज़रते हुए, उसने पहाड़ियों की ओर दक्षिण की ओर जाने वाली सड़क पकड़ ली। जंगल घने होते गए, घुमावदार सड़क बड़े-बड़े एल्म और बीच के पेड़ों से अक्सर घिरी रहती थी और पेड़ों के बीच से सूरज की किरणें कम ही दिखाई देती थीं।
कस्बे से पाँच मील आगे जाकर सियार को जंगल में जाती हुई एक संकरी पगडंडी मिली। उसने गाड़ी उस पर मोड़ दी और एक मील आगे जाकर उसे जंगल में जाती हुई एक और पगडंडी मिली। उसने गाड़ी को कुछ गज आगे मोड़कर झाड़ियों के एक झुंड के पीछे छिपा दिया। कुछ देर तक वह जंगल की ठंडी छाँव में सिगरेट पीते हुए, इंजन के धीरे-धीरे ठंडा होने की आवाज़, ऊपरी शाखाओं से होकर गुज़रती हवा की सरसराहट और दूर से आती कबूतर की गुटरगू सुनता रहा।
धीरे-धीरे वह गाड़ी से बाहर निकला, डिग्गी खोली और अपना बैग बोनट पर रख दिया। उसने एक-एक करके अपने कपड़े बदले, बेदाग कबूतर-धूसर रंग का सूट अरॉन्डे की पिछली सीट पर मोड़कर रख दिया और डेनिम पैंट पहन ली। मौसम इतना गर्म था कि जैकेट की ज़रूरत नहीं थी, इसलिए उसने कॉलर वाली और बंधी हुई कमीज़ की जगह लंबरजैक चेक शर्ट पहन ली। आखिर में, महंगे टाउन स्नीकर्स की जगह उसने हाइकिंग बूट्स और ऊनी मोज़े पहन लिए, जिनमें उसने डेनिम पैंट के निचले हिस्से को टक कर लिया।
उसने एक-एक करके राइफल के पुर्जों को खोला और उन्हें जोड़-जोड़ कर तैयार किया। साइलेंसर को उसने अपनी एक पतलून की जेब में और टेलीस्कोपिक साइट को दूसरी जेब में रखा। उसने डिब्बे से बीस गोलियां निकालकर अपनी कमीज की एक जेब में और एक विस्फोटक गोली, जो अभी भी टिशू पेपर में लिपटी हुई थी, दूसरी जेब में डाल दी।
राइफल के बाकी हिस्से को जोड़ने के बाद उसने उसे कार के बोनट पर रख दिया और फिर से डिग्गी में गया और उसमें से वो चीज़ निकाली जो उसने पिछली शाम

अगर वह किसी जीवित व्यक्ति का सिर होता, तो वह तीस गज से ज़्यादा दूर नहीं होता। वह शॉपिंग बैग की डोरी की आड़ी-तिरछी रेखाओं को देख सकता था, जहाँ तरबूज़ को बांधा गया था, और उसकी उंगलियों के निशान चेहरे की मुख्य विशेषताओं को दर्शा रहे थे।
उसने अपनी मुद्रा में थोड़ा बदलाव किया, निशाना साधने के लिए एक पेड़ का सहारा लिया और फिर से आंखें सिकोड़ीं। दूरबीननुमा निशाने के अंदर लगे दो आपस में जुड़े तार ठीक से केंद्र में नहीं थे, इसलिए उसने अपने दाहिने हाथ से दोनों पेंचों को तब तक घुमाया जब तक कि निशाने में बना क्रॉस बिल्कुल केंद्र में न आ जाए। संतुष्ट होकर उसने तरबूज के केंद्र पर सावधानीपूर्वक निशाना साधा और गोली चला दी।
झटका उतना तेज़ नहीं था जितना उसने सोचा था, और साइलेंसर की धीमी 'फुट' की आवाज़ इतनी कम थी कि किसी शांत गली में सुनाई भी नहीं दी। बंदूक को बगल में दबाए वह वापस खुले मैदान में गया और तरबूज़ का मुआयना किया। ऊपरी दाहिने किनारे के पास गोली फल की त्वचा को चीरती हुई निकल गई थी, जिससे शॉपिंग बैग की डोरी का एक हिस्सा टूट गया था, और वह पेड़ में धंस गई थी। वह फिर वापस गया और दूसरी बार गोली चलाई, और टेलीस्कोपिक साइट की सेटिंग को ठीक उसी जगह पर रखा जहाँ वह पहले थी।
परिणाम वही रहा, बस आधा इंच का अंतर था। उन्होंने टेलीस्कोपिक साइट के स्क्रू को हिलाए बिना चार बार निशाना लगाया, जब तक कि उन्हें यकीन नहीं हो गया कि उनका निशाना सही है, लेकिन साइट ऊपर और थोड़ा दाईं ओर जा रही थी। फिर उन्होंने स्क्रू को समायोजित किया।
अगला निशाना नीचे और बाईं ओर लगा। पूरी तरह से सुनिश्चित होने के लिए उसने फिर से मैदान की पूरी लंबाई का चक्कर लगाया और गोली से बने छेद की जाँच की। गोली डमी के सिर पर मुंह के निचले बाएँ कोने में लगी थी। उसने निशाना साधते हुए तीन और शॉट चलाए, और सभी गोलियाँ एक ही जगह पर लगीं। अंत में उसने निशाना थोड़ा सा पीछे किया।
नौवीं गोली सीधे माथे के आर-पार जा लगी, जहाँ उसने निशाना साधा था। तीसरी बार वह निशाने के पास गया, और इस बार उसने अपनी जेब से चाक का एक टुकड़ा निकाला और गोलियों से प्रभावित क्षेत्र को चिह्नित किया - ऊपर और दाईं ओर गोलियों का छोटा समूह, मुंह के बाईं ओर दूसरा समूह, और माथे के बीचोंबीच बना साफ छेद।

इसके बाद उसने बारी-बारी से आंख, नाक की हड्डी, ऊपरी होंठ और ठोड़ी पर निशाना साधा। लक्ष्य को साइड से घुमाकर उसने आखिरी छह गोलियां कनपटी, कान के छेद, गर्दन, गाल, जबड़े और खोपड़ी पर मारीं, जिनमें से केवल एक गोली निशाने से थोड़ी चूकी।
बंदूक से संतुष्ट होकर, उसने दूरबीन दृष्टि को समायोजित करने वाले पेंचों की स्थिति पर ध्यान दिया और अपनी जेब से बलसा लकड़ी के सीमेंट की एक नली निकालकर, दोनों पेंचों के सिरों और उनके बगल में स्थित बैकेलाइट की सतह पर गाढ़ा तरल छिड़क दिया। आधे घंटे और दो सिगरेट के बाद सीमेंट सख्त हो गया, और उस विशेष हथियार से एक सौ तीस मीटर की दूरी पर उसकी दृष्टि के अनुसार सटीक निशाना लग गया।
उसने अपनी दूसरी जेब से विस्फोटक गोली निकाली, उसे खोला और राइफल के पिछले हिस्से में डाल दिया। उसने तरबूज के ठीक बीचोंबीच सावधानीपूर्वक निशाना साधा और गोली चला दी।
साइलेंसर के सिरे से नीले धुएं का आखिरी गुबार निकलते ही, सियार ने राइफल को पेड़ के सहारे टिका दिया और लटके हुए शॉपिंग बैग की ओर चल पड़ा। वह बैग पेड़ के खुरदुरे तने से सटा हुआ, बेजान और लगभग खाली पड़ा था। बीस गोलियों को झेलने के बावजूद चूर-चूर न होने वाला तरबूज़ अब गल चुका था। उसके कुछ टुकड़े बैग की जाली से बाहर निकलकर घास पर बिखरे पड़े थे। बीज और रस छाल पर टपक रहे थे। फल के गूदे के बचे हुए टुकड़े शॉपिंग बैग के निचले हिस्से में टूटे पड़े थे, जो किसी शिकार के चाकू से थके हुए अंडकोष की तरह लटका हुआ था।
उसने थैला उठाया और पास की झाड़ियों में फेंक दिया। उसमें जो चीज़ थी, वह पूरी तरह से लुगदी बन चुकी थी। उसने चाकू को झाड़ी से निकाला और वापस म्यान में रख दिया। वह पेड़ से उठा, अपनी राइफल ली और कार की ओर चल पड़ा।
वहाँ प्रत्येक वस्तु को सावधानीपूर्वक फोम रबर की चादर में लपेटकर, बूट, मोज़े, कमीज़ और पैंट के साथ वापस बैग में रख दिया गया। उसने फिर से अपने शहरी कपड़े पहने, बैग को कार की डिक्की में बंद किया और चुपचाप अपने लंच के सैंडविच खाए।
काम खत्म करने के बाद, वह ड्राइववे से निकलकर मुख्य सड़क पर वापस आ गया और बास्तोग्ने, मार्शे, नामुर और ब्रुसेल्स की ओर बाईं ओर मुड़ गया। वह शाम छह बजे के कुछ देर बाद होटल वापस आ गया और अपना बैग कमरे में ले जाने के बाद,

किराए की कार का बिल चुकाने के लिए डेस्क क्लर्क के पास नीचे उतरा। रात के खाने से पहले नहाने से पहले उसने एक घंटा राइफल के हर हिस्से को सावधानीपूर्वक साफ करने और उसके पुर्जों में तेल लगाने में बिताया, फिर उसे उसके कैरी केस में रखा और अलमारी में बंद कर दिया। उसी रात बाद में बैग, रस्सी और फोम रबर की कई पट्टियाँ नगर निगम के कचरे के डिब्बे में डाल दी गईं, और इक्कीस इस्तेमाल किए गए कारतूस नगरपालिका नहर में बह गए।
उसी सोमवार की सुबह, 5 अगस्त को, विक्टर कोवाल्स्की रोम के मुख्य डाकघर में फिर से किसी ऐसे व्यक्ति की मदद लेने गए जो फ्रेंच बोलता हो। इस बार वे चाहते थे कि क्लर्क अलितालिया की उड़ान पूछताछ कार्यालय में फोन करके उस सप्ताह रोम से मार्सिले और वापस आने वाली उड़ानों का समय पता कर ले। उन्हें पता चला कि उनकी सोमवार की उड़ान छूट गई है, क्योंकि वह एक घंटे में फियूमिसिनो से रवाना होने वाली थी और उनके पास उसे पकड़ने का समय नहीं था। अगली सीधी उड़ान बुधवार को थी। नहीं, रोम से मार्सिले के लिए कोई अन्य एयरलाइन सीधी उड़ान नहीं चला रही थी। अप्रत्यक्ष उड़ानें थीं; क्या श्रीमान को इसमें दिलचस्पी होगी? नहीं। बुधवार की उड़ान? ज़रूर, वह सुबह 11:15 बजे रवाना होती और दोपहर के कुछ समय बाद मार्सिले के मारिग्नाने हवाई अड्डे पर पहुँचती। वापसी की उड़ान अगले दिन थी। एक ही बुकिंग? एक तरफ़ा या वापसी? ज़रूर, और नाम? कोवाल्स्की ने अपनी जेब में रखे कागज़ों पर लिखा नाम बताया। कॉमन मार्केट में पासपोर्ट समाप्त होने के बाद, राष्ट्रीय पहचान पत्र ही काफ़ी होगा।
उन्हें बुधवार को उड़ान भरने से एक घंटा पहले फियूमिसिनो स्थित अलितालिया कार्यालय में उपस्थित रहने के लिए कहा गया था। जब क्लर्क ने फोन रखा, तो कोवाल्स्की ने प्रतीक्षा कर रहे पत्रों को लिया, उन्हें अपने बैग में बंद किया और होटल वापस जाने के लिए निकल पड़े।
अगली सुबह जैकाल की एम. गूसेन्स से आखिरी मुलाकात हुई। उन्होंने नाश्ते के समय उन्हें फोन किया, और कवचकार ने बताया कि काम पूरा हो गया है और उन्हें यह बताते हुए खुशी हो रही है। क्या महाशय डुग्गन सुबह 11 बजे आना चाहेंगे? और कृपया अंतिम फिटिंग के लिए आवश्यक सामान साथ लाएँ।
वह आधा घंटा लेकर फिर से आया, उसके पास एक छोटा सा अटैची था जो उसने सुबह ही एक पुरानी दुकान से खरीदे हुए खाली फाइबर सूटकेस के अंदर रखा था। तीस मिनट तक उसने उस गली का जायजा लिया जहाँ कवच बनाने वाला रहता था, फिर चुपचाप

सामने के दरवाजे की ओर बढ़ा। जब एम. गूसेन्स ने उसे अंदर आने दिया, तो वह बिना झिझके कार्यालय में चला गया। गूसेन्स ने सामने का दरवाजा बंद करने के बाद उसका साथ दिया और उसके पीछे कार्यालय का दरवाजा बंद कर दिया।
‘अब कोई समस्या नहीं?’ अंग्रेज ने पूछा।
‘नहीं, इस बार मुझे लगता है कि हमने इसे हासिल कर लिया है।’ अपनी मेज के पीछे से बेल्जियमवासी ने जूट के बोरे के कई गट्ठे निकाले और उन्हें मेज पर रख दिया। जैसे ही उसने उन्हें खोला, उसने एक के बाद एक पतली स्टील की नलियाँ रखीं, जो इतनी पॉलिश की हुई थीं कि एल्युमीनियम जैसी लग रही थीं। जब आखिरी नली मेज पर रखी गई, तो उसने राइफल के पुर्जों से भरे अटैची बॉक्स के लिए हाथ बढ़ाया। सियार ने उसे वह बॉक्स दे दिया।
एक-एक करके, हथियार बनाने वाले ने राइफल के पुर्जों को नलियों में डालना शुरू किया। हर एक पुर्जा बिल्कुल सही जगह पर फिट हो गया।
काम करते हुए उसने पूछा, 'निशानेबाजी का अभ्यास कैसा रहा?'
'बहुत संतोषजनक।'
गूसेन्स ने टेलीस्कोपिक साइट को संभालते समय देखा कि एडजस्टिंग स्क्रू को बलसा लकड़ी के सीमेंट के एक टुकड़े से अपनी जगह पर फिक्स किया गया था। उन्होंने कहा, ‘मुझे खेद है कि कैलिब्रेटिंग स्क्रू इतने छोटे थे।’ ‘सटीक निशानों के आधार पर काम करना बेहतर होता है, लेकिन मूल स्क्रू के सिरों का आकार ही बाधा बन रहा था। इसलिए मुझे इन छोटे स्क्रू का इस्तेमाल करना पड़ा। नहीं तो निशाना लगाने वाला यंत्र अपनी नली में फिट ही नहीं हो पाता।’ उन्होंने दूरबीन को उसके लिए डिज़ाइन की गई स्टील की नली में डाला, और बाकी घटकों की तरह यह भी ठीक से फिट हो गया। जब राइफल के पाँचों घटक नज़र से ओझल हो गए, तो उन्होंने ट्रिगर की छोटी सी सुई और बाकी पाँच विस्फोटक गोलियाँ दिखाईं।
‘ये सब मुझे कहीं और फिट करने पड़े,’ उसने समझाया। उसने राइफल का काले चमड़े का गद्दीदार बट उठाया और अपने ग्राहक को दिखाया कि चमड़े को रेज़र से कैसे काटा गया था। उसने ट्रिगर को अंदर भरी हुई रुई में दबाया और काले इंसुलेटिंग टेप की एक पट्टी से कटे हुए हिस्से को बंद कर दिया। यह बिल्कुल प्राकृतिक लग रहा था। उसने डेस्क की दराज से लगभग डेढ़ इंच व्यास और दो इंच लंबा काले रबर का एक गोलाकार टुकड़ा निकाला।

एक वृत्ताकार सतह के केंद्र से एक स्टील का स्टड ऊपर की ओर निकला हुआ था, जिस पर पेंच की तरह धागे बने हुए थे।
‘यह आखिरी नली के सिरे पर फिट हो जाता है,’ उसने समझाया। स्टील के स्टड के चारों ओर रबर में नीचे की ओर पाँच छेद किए गए थे। उसने सावधानीपूर्वक प्रत्येक छेद में एक गोली फिट की, जब तक कि केवल पीतल के परकशन कैप ही दिखाई देने लगे।
‘रबर लगाने के बाद गोलियां बिल्कुल अदृश्य हो जाती हैं, और रबर से वास्तविकता का आभास होता है,’ उसने समझाया। अंग्रेज चुप रहा। ‘आप क्या सोचते हैं?’ बेल्जियमवासी ने थोड़ी चिंता के साथ पूछा।
बिना कुछ कहे अंग्रेज ने नलिकाएँ उठाईं और एक-एक करके उनकी जाँच की। उसने उन्हें हिलाकर देखा, लेकिन अंदर से कोई आवाज़ नहीं आई, क्योंकि उनके भीतरी भाग हल्के भूरे रंग के कपड़े की दो परतों से ढके हुए थे, जो झटके और शोर दोनों को सोख लेते थे। सबसे लंबी नलिका बीस इंच की थी; इसमें बंदूक की नली और पिछला हिस्सा लगा हुआ था। बाकी दो नलिकाएँ लगभग एक फुट लंबी थीं, और उनमें बंदूक के ऊपरी और निचले दो खंभे, साइलेंसर और दूरबीन लगी हुई थी। ट्रिगर के साथ लगा बट अलग था, और गोलियों वाला रबर का हैंडल भी अलग था। शिकार की राइफल के रूप में तो यह गायब ही हो गई थी, हत्यारे की राइफल की तो बात ही छोड़िए।
‘बिल्कुल सही,’ सियार ने धीरे से सिर हिलाते हुए कहा। ‘बिल्कुल वैसा ही जैसा मैं चाहता था।’ बेल्जियमवासी खुश था। अपने काम में माहिर होने के नाते, उसे भी दूसरों की तरह तारीफ पसंद थी, और वह जानता था कि उसके क्षेत्र में सामने बैठा ग्राहक भी शीर्ष श्रेणी का था।
सियार ने बंदूक के पुर्जों सहित स्टील की नलियों को लिया और प्रत्येक नली को सावधानीपूर्वक बोरी में लपेटकर रेशे के सूटकेस में रख दिया। जब पाँचों नलियाँ, बट और रबर का घुंडी लपेटकर पैक हो गए, तो उसने रेशे का सूटकेस बंद कर दिया और उसके सभी डिब्बों सहित अटैची बॉक्स को वापस हथियार बनाने वाले को सौंप दिया।
‘मुझे अब इसकी ज़रूरत नहीं पड़ेगी। जब तक मुझे इसका इस्तेमाल करने की ज़रूरत नहीं पड़ेगी, बंदूक यहीं रहेगी।’ उसने बेल्जियम के व्यक्ति को दिए जाने वाले शेष दो सौ पाउंड अपनी भीतरी जेब से निकाले और मेज पर रख दिए।

‘मुझे लगता है कि हमारा लेन-देन पूरा हो गया है, श्री गूसेन्स।’ बेल्जियम के उस व्यक्ति ने पैसे अपनी जेब में रख लिए।
'जी महोदय, अगर आपके पास कोई और काम हो जिसमें मैं आपकी मदद कर सकूँ तो।' ‘केवल एक ही बात,’ अंग्रेज ने उत्तर दिया। ‘आपको याद होगा कि मैंने दो सप्ताह पहले मौन के महत्व पर एक छोटा सा उपदेश दिया था।’
‘मैं भूला नहीं हूँ, महाशय,’ बेल्जियमवासी ने शांत स्वर में उत्तर दिया। वह फिर से डर गया। क्या यह मृदुभाषी हत्यारा अब उसे चुप कराने की कोशिश करेगा, उसकी चुप्पी सुनिश्चित करने के लिए? बिलकुल नहीं। ऐसी हत्या की जाँच से पुलिस को उस लंबे अंग्रेज के इस घर में आने-जाने का पता चल जाएगा, उस बंदूक का इस्तेमाल करने से बहुत पहले जो वह अब सूटकेस में लिए घूम रहा था। अंग्रेज मानो उसके मन की बात पढ़ रहा था। वह हल्की सी मुस्कान के साथ मुस्कुराया।
आपको चिंता करने की कोई ज़रूरत नहीं है। मेरा इरादा आपको नुकसान पहुँचाने का नहीं है। वैसे भी, मुझे लगता है कि आप जैसे बुद्धिमान व्यक्ति ने अपने किसी ग्राहक द्वारा मारे जाने से बचने के लिए कुछ एहतियाती कदम उठाए होंगे। शायद एक घंटे के भीतर कोई फ़ोन कॉल आने की उम्मीद हो? अगर कॉल न लगे तो कोई दोस्त आकर शव को देखेगा? आपकी मृत्यु होने पर खोलने के लिए एक पत्र वकील के पास जमा कराया जाएगा। मेरे लिए, आपको मारना समस्या को हल करने से कहीं ज़्यादा समस्याएँ पैदा करेगा।
एम. गूसेन्स चौंक गए। उन्होंने सचमुच एक पत्र अपने वकील के पास हमेशा के लिए जमा करवा रखा था, जिसे उनकी मृत्यु होने पर खोला जाना था। उस पत्र में पुलिस को पीछे के बगीचे में एक खास पत्थर के नीचे तलाशी लेने का निर्देश दिया गया था। पत्थर के नीचे एक बक्सा था जिसमें घर पर हर दिन आने वाले लोगों की सूची थी। यह सूची हर दिन बदली जाती थी। उस दिन के लिए, नोट में आने वाले एकमात्र ग्राहक का वर्णन था - एक लंबा, संपन्न दिखने वाला अंग्रेज, जो खुद को डग्गन कहता था। यह महज़ एक तरह की सुरक्षा व्यवस्था थी।
अंग्रेज उसे शांत भाव से देखता रहा।
‘मुझे यही लगा था,’ उसने कहा। ‘तुम काफी हद तक सुरक्षित हो। लेकिन अगर तुमने कभी भी मेरे यहाँ आने या तुमसे कुछ खरीदने की बात किसी से भी कही, तो मैं तुम्हें निश्चित रूप से मार डालूँगा। जहाँ तक तुम्हारा सवाल है, जिस क्षण मैं इस घर से निकलता हूँ, मेरा अस्तित्व समाप्त हो जाता है।’

‘यह बिल्कुल स्पष्ट है, महोदय। यह मेरे सभी ग्राहकों के साथ सामान्य कार्य व्यवस्था है। मैं उनसे भी इसी प्रकार की गोपनीयता की अपेक्षा करता हूँ। इसीलिए आपके पास मौजूद बंदूक का सीरियल नंबर बैरल से एसिड से मिटा दिया गया है। मुझे भी अपनी सुरक्षा करनी है।’
अंग्रेज फिर मुस्कुराया। 'तो हम एक-दूसरे को समझ गए। शुभ दिन, महाशय गूसेन्स।'
एक मिनट बाद दरवाजा उसके पीछे बंद हो गया और बेल्जियम का वह व्यक्ति, जो बंदूकों और बंदूकधारियों के बारे में तो बहुत कुछ जानता था लेकिन जैकाल के बारे में बहुत कम जानता था, ने राहत की सांस ली और पैसे गिनने के लिए अपने कार्यालय में चला गया।
जैकाल नहीं चाहता था कि उसके होटल के कर्मचारी उसे एक सस्ता फाइबर सूटकेस ले जाते हुए देखें, इसलिए दोपहर के भोजन के लिए देर होने के बावजूद उसने सीधे टैक्सी लेकर मेनलाइन स्टेशन तक का सफर तय किया और सूटकेस को लेफ्ट-लगेज ऑफिस में जमा कर दिया, और टिकट को अपने पतले छिपकली की चमड़ी के बटुए के भीतरी हिस्से में रख दिया।
फ्रांस और बेल्जियम में योजना और तैयारी का चरण समाप्त होने का जश्न मनाने के लिए उन्होंने साइग्ने रेस्तरां में बढ़िया और खर्चीला दोपहर का भोजन किया और फिर अपना सामान पैक करने और बिल चुकाने के लिए एमिगो होटल वापस चले गए। जब वे निकले, तो वे बिल्कुल वैसे ही थे जैसे आए थे - एक बेहतरीन चेक सूट, काले रंग के चश्मे और दो लुई विटन सूटकेस, जिन्हें कुली उनके पीछे-पीछे टैक्सी तक ले गया। हालांकि, उनके एक हजार छह सौ पाउंड कम हो गए थे, लेकिन उनकी राइफल स्टेशन के सामान कार्यालय में एक साधारण से सूटकेस में सुरक्षित रखी थी और तीन बेहतरीन जाली कार्ड उनके सूट की अंदरूनी जेब में रखे थे।
विमान चार बजे के कुछ ही समय बाद ब्रुसेल्स से लंदन के लिए रवाना हुआ, और हालांकि लंदन हवाई अड्डे पर उनके एक बैग की सरसरी तलाशी ली गई, लेकिन उसमें कुछ भी नहीं मिला और सात बजे तक वह वेस्ट एंड में डिनर करने से पहले अपने फ्लैट में नहा रहे थे।

अध्याय आठ
कोवाल्स्की के लिए दुर्भाग्यवश बुधवार सुबह डाकघर में कोई फ़ोन कॉल नहीं थी; अगर होती तो उनकी फ्लाइट छूट जाती। और एम. पोइटियर्स के लिए डाक पहले से ही कबूतरखाने में रखी थी। उन्होंने पाँचों लिफाफे लिए, उन्हें चेन के आखिरी सिरे पर लगे अपने स्टील के बैग में बंद किया और जल्दी से होटल के लिए निकल पड़े। साढ़े नौ बजे तक कर्नल रोडिन ने उन्हें दोनों कामों से मुक्त कर दिया था और वे अपने कमरे में सोने के लिए जा सकते थे। उनकी अगली ड्यूटी छत पर थी, जो उसी शाम सात बजे शुरू होनी थी।
वह अपने कमरे में केवल अपनी कोल्ट.45 पिस्तौल (रोडिन उसे सड़क पर ले जाने की अनुमति कभी नहीं देता था) लेने के लिए रुका और उसे अपने कंधे के होल्स्टर में रख लिया। अगर उसने अच्छी फिटिंग वाली जैकेट पहनी होती तो सौ गज की दूरी से भी बंदूक और होल्स्टर का उभार साफ दिखाई देता, लेकिन उसके सूट इतने बेढंगे थे कि किसी घटिया दर्जी ने ही उन्हें बनाया होगा, और उसके भारी-भरकम शरीर के बावजूद वे उस पर बोरी की तरह लटके हुए थे। उसने कल खरीदी हुई पट्टियाँ और बेरेट (टोपी) लीं और उन्हें अपनी जैकेट में ठूंस लिया, पिछले छह महीनों की बचत के नोटों और फ़्रेंच फ़्रैंकों का बंडल जेब में रख लिया और अपने पीछे दरवाजा बंद कर लिया।
सीढ़ियों पर बने डेस्क पर तैनात गार्ड ने ऊपर की ओर देखा।
कोवाल्स्की ने अंगूठा ऊपर नौवीं मंजिल की ओर इशारा करते हुए कहा, 'अब उन्हें फोन करना है।' गार्ड ने कुछ नहीं कहा, बस उसे देखता रहा जब तक लिफ्ट नहीं आई और वह अंदर नहीं चला गया। कुछ ही सेकंड बाद वह सड़क पर था और उसने अपने बड़े काले चश्मे पहन लिए।
सामने वाली गली के कैफे में, ओग्गी पत्रिका की एक प्रति लिए बैठे व्यक्ति ने पत्रिका को थोड़ा नीचे किया और अपारदर्शी धूप के चश्मे से कोवाल्स्की को ध्यान से देखा, जबकि पोलिश व्यक्ति टैक्सी की तलाश में इधर-उधर देख रहा था। जब कोई टैक्सी नहीं आई, तो वह गली के कोने की ओर चलने लगा। पत्रिका लिए बैठा व्यक्ति कैफे की छत से नीचे उतरा और फुटपाथ पर चला गया। सड़क पर थोड़ी दूर खड़ी कारों की कतार से एक छोटी सी फिएट कार निकली और उसके सामने आकर रुक गई। वह उसमें बैठ गया और फिएट कार धीरे-धीरे कोवाल्स्की के पीछे चलने लगी।

जैसे ही टर्बोप्रॉप विमान मार्सिले के लिए रवाना हुआ, दोनों आदमी रेलिंग से हट गए। मुख्य हॉल से गुजरते हुए वे एक सार्वजनिक कियोस्क पर रुके, जहाँ उनमें से एक ने रोम का स्थानीय नंबर डायल किया। उन्होंने दूसरे छोर पर ईसाई नाम वाले व्यक्ति को अपना परिचय दिया और धीरे से कहा, 'वे जा चुके हैं। अलितालिया चार-पाँच-एक। मारिग्नेन में लैंडिंग 12.10। चाओ।'
दस मिनट बाद वह संदेश पेरिस पहुंच गया, और उसके दस मिनट बाद उसे मार्सिले में सुना जा रहा था।
अलितालिया विस्काउंट विमान नीले पानी की खाड़ी के ऊपर से गुज़रा और मारिग्नाने हवाई अड्डे के लिए अंतिम लैंडिंग की ओर मुड़ गया। खूबसूरत रोमन एयर होस्टेस मुस्कुराते हुए गलियारे से नीचे उतरी, सभी सीट बेल्ट की जाँच की और अपनी सीट बेल्ट बाँधने के लिए पीछे की कोने वाली सीट पर बैठ गई। उसने देखा कि उसके आगे वाली सीट पर बैठा यात्री खिड़की से बाहर रोन डेल्टा के चकाचौंध भरे हल्के सफेद वीरान दृश्य को टकटकी लगाए देख रहा था, मानो उसने इसे पहले कभी न देखा हो।
वह भारी-भरकम, दुबला-पतला आदमी था, जिसे इतालवी भाषा नहीं आती थी और जिसकी फ्रेंच भाषा पूर्वी यूरोप के किसी देश की देन थी। उसने अपने छोटे काले बालों पर काली बेरेट टोपी, एक काला और सिकुड़ा हुआ सूट और एक काला चश्मा पहन रखा था जिसे वह कभी नहीं उतारता था। उसके चेहरे का आधा हिस्सा एक बड़े से प्लास्टर से ढका हुआ था; उसे लगा कि उसे बहुत बुरी तरह चोट लगी होगी। वे ठीक समय पर टर्मिनल भवन के काफी करीब उतरे और यात्री सीमा शुल्क हॉल की ओर चल पड़े। जैसे ही वे कांच के दरवाजों से अंदर दाखिल हुए, पासपोर्ट पुलिस के एक जवान के बगल में खड़े एक छोटे कद के गंजे आदमी ने उसके टखने पर हल्के से लात मार दी।
‘बड़ा आदमी, काली टोपी, पट्टी लगी हुई।’ फिर वह चुपचाप चला गया और दूसरे को भी यही संदेश दिया। यात्री दो कतारों में बँटकर ग्यूट से गुज़रने लगे। उनकी ग्रिलों के पीछे दो पुलिसकर्मी आमने-सामने, दस फीट की दूरी पर बैठे थे, और यात्री उनके बीच से होकर गुज़र रहे थे। प्रत्येक यात्री ने अपना पासपोर्ट और उतरने का कार्ड दिखाया। ये अधिकारी सुरक्षा पुलिस (डीएसटी) के थे, जो फ्रांस के भीतर सभी आंतरिक राज्य सुरक्षा के लिए ज़िम्मेदार थे, और आने वाले विदेशियों और लौटने वाले फ्रांसीसियों की जाँच करते थे।

जब कोवाल्स्की ने खुद को पेश किया, तो ग्रिल के पीछे नीली जैकेट पहने अधिकारी ने उन्हें बस एक नज़र देखा। उन्होंने पीले रंग के डिसम्बार्केशन कार्ड पर अपनी मुहर लगाई, दिए गए पहचान पत्र पर एक सरसरी नज़र डाली, सिर हिलाया और उस बड़े आदमी को आगे बढ़ने का इशारा किया। राहत महसूस करते हुए, कोवाल्स्की सीमा शुल्क बेंचों की ओर चल पड़े। कई सीमा शुल्क अधिकारियों ने चुपचाप उस छोटे, गंजे आदमी की बात सुनी, इससे पहले कि वह उनके पीछे कांच के सामने वाले कार्यालय में गायब हो गया। वरिष्ठ सीमा शुल्क अधिकारी ने कोवाल्स्की को आवाज़ दी।
'महोदय, आपका सामान।'
उसने उस जगह की ओर इशारा किया जहाँ बाकी यात्री बाहर धूप में खड़ी तार की फ्रेम वाली ठेलागाड़ी से अपने सूटकेस निकलने का इंतज़ार कर रहे थे। कोवाल्स्की लड़खड़ाते हुए सीमा शुल्क अधिकारी के पास गया।
उन्होंने कहा, 'मेरे पास कोई बोझ नहीं है।'
सीमा शुल्क अधिकारी ने अपनी भौहें ऊपर उठाईं।
'सामान नहीं है? अच्छा, क्या आपको कुछ घोषित करना है?'
'नहीं, रीएन,' कोवाल्स्की ने कहा।
सीमा शुल्क अधिकारी ने सौहार्दपूर्ण ढंग से मुस्कुराया, लगभग उतनी ही चौड़ी मुस्कान जितनी कि उसका मार्सिले का मधुर लहजा।
‘एह बिएन, पासेज़, मोनसिउर।’ उन्होंने टैक्सी स्टैंड की ओर निकलने का इशारा किया। कोवाल्स्की ने सिर हिलाया और धूप में बाहर निकल गए। खुले दिल से खर्च करने की आदत न होने के कारण, उन्होंने हवाई अड्डे की बस को देखने के लिए इधर-उधर देखा और उसमें चढ़ गए।
जैसे ही वह नजरों से ओझल हुआ, सीमा शुल्क विभाग के कई अन्य अधिकारी वरिष्ठ अधिकारी के चारों ओर जमा हो गए।
एक ने कहा, 'पता नहीं उन्हें किसलिए उसकी जरूरत है।'
वह एक चिड़चिड़ा आदमी लग रहा था।
'जब वे कमीने उससे अपना काम खत्म कर लेंगे, तब वह नहीं रहेगा,' तीसरे व्यक्ति ने पीछे के दफ्तरों की ओर सिर हिलाते हुए कहा।
‘चलो, काम पर वापस लगो,’ बड़े वाले ने बीच में कहा। ‘हमने आज फ्रांस के लिए अपना काम कर दिया है।’

'तुम्हारा मतलब बिग चार्ली से है,' पहले वाले ने अलग होते हुए जवाब दिया और धीमी आवाज़ में बुदबुदाया, 'भगवान उसे सड़ा दे।'
दोपहर के भोजन का समय हो चुका था जब बस आखिरकार शहर के मध्य में स्थित एयर फ्रांस के कार्यालयों के सामने रुकी और वहाँ रोम से भी ज़्यादा गर्मी थी। मार्सिले में अगस्त के महीने की कई खासियतें हैं, लेकिन बड़े परिश्रम करने की प्रेरणा उनमें से एक नहीं है। गर्मी शहर पर बीमारी की तरह छाई हुई थी, शरीर के हर रेशे में समा रही थी, ताकत, ऊर्जा, और कुछ भी करने की इच्छा को निचोड़ रही थी, सिवाय इसके कि खिड़कियों को बंद करके और पंखा चलाकर ठंडे कमरे में लेटे रहें।
मार्सिले की चहल-पहल भरी नस मानी जाने वाली कैनबिएर नदी, जो रात में रोशनी और चहल-पहल से जगमगा उठती है, भी सुनसान थी। उस पर मौजूद कुछ लोग और गाड़ियाँ मानो कमर तक गाढ़े कीचड़ में चल रही हों। टैक्सी ढूंढने में आधा घंटा लग गया; ज़्यादातर ड्राइवर पार्क में किसी छायादार जगह पर आराम करने के लिए बैठ गए थे।
जो जो ने कोवाल्स्की को जो पता दिया था, वह शहर से बाहर कैसिस की ओर जाने वाली मुख्य सड़क पर था। एवेन्यू डे ला लिबरेशन पर उसने ड्राइवर को उसे उतारने के लिए कहा, ताकि वह बाकी का रास्ता पैदल चल सके। ड्राइवर के "सी वौस वुलेज़" (अगर आप चाहें तो) के इशारे से यह बात साफ हो गई कि वह उन विदेशियों के बारे में क्या सोचता है जो इतनी गर्मी में कुछ गज से ज़्यादा की दूरी तय करने के बारे में सोचते हैं, जबकि उनके पास गाड़ी उपलब्ध है। कोवाल्स्की टैक्सी को शहर की ओर मुड़ते हुए तब तक देखता रहा जब तक वह नज़र से ओझल नहीं हो गई। उसने फुटपाथ पर बने एक कैफे में वेटर से पूछकर कागज़ के टुकड़े पर लिखी गली का पता लगाया। फ्लैटों की इमारत काफ़ी नई लग रही थी, और कोवाल्स्की ने सोचा कि जोजो परिवार ने अपने स्टेशन फूड ट्रॉली से अच्छा कारोबार किया होगा। शायद उन्हें वह स्थायी कियोस्क मिल गया हो जिस पर मैडम जोजो की नज़र कई सालों से थी। कम से कम यही उनकी समृद्धि में वृद्धि का कारण हो सकता है। और सिल्वी के लिए बंदरगाहों के आसपास के इलाके की तुलना में इस पड़ोस में पलना-बढ़ना बेहतर होगा। अपनी बेटी और उसके लिए सोची गई उस बेवकूफी भरी बात के बारे में सोचते हुए, कोवाल्स्की अपार्टमेंट ब्लॉक की सीढ़ियों के नीचे रुक गया। जोजो ने फोन पर क्या कहा था? एक हफ़्ता? शायद दो हफ़्ते? यह संभव नहीं था।

वह दौड़ते हुए सीढ़ियाँ चढ़े और हॉल के एक तरफ लगे दो कतार वाले लेटरबॉक्स के सामने रुक गए। एक पर लिखा था, 'ग्रज़ीबोव्स्की'। 'फ्लैट 23'। उन्होंने सीढ़ियों से जाने का फैसला किया क्योंकि यह केवल दूसरी मंजिल पर था। फ्लैट नंबर 23 का दरवाजा बाकी फ्लैटों जैसा ही था। उसमें घंटी लगी थी और उसके बगल में एक छोटा सा सफेद कार्ड था जिस पर ग्रज़ीबोव्स्की लिखा हुआ था। यह दरवाजा गलियारे के आखिर में था, जिसके दोनों ओर फ्लैट नंबर 22 और 24 के दरवाजे थे। उसने घंटी दबाई। उसके सामने का दरवाजा खुला और कुल्हाड़ी का हैंडल गैप से बाहर निकला और उसकी ओर झुक गया।
वार से त्वचा फट गई, लेकिन हड्डी से टकराकर एक धीमी सी 'ठक' की आवाज़ आई। पोलिश व्यक्ति के दोनों ओर फ्लैट नंबर 22 और 24 के दरवाजे अंदर की ओर खुल गए और लोग बाहर निकल आए। यह सब आधे सेकंड से भी कम समय में हुआ। उसी समय कोवाल्स्की आपा खो बैठा। हालाँकि वह ज्यादातर मामलों में धीमी गति से सोचता था, लेकिन पोलिश व्यक्ति एक तकनीक में माहिर था, और वह थी लड़ाई। गलियारे की तंग जगह में उसका कद और ताकत उसके किसी काम की नहीं थी। उसकी लंबाई के कारण कुल्हाड़ी का हैंडल पूरी ताकत से नीचे की ओर नहीं आ पाया था कि उसके सिर पर जा लगा। आँखों से बहते खून के बीच से उसने देखा कि उसके सामने वाले दरवाजे पर दो आदमी थे और दोनों तरफ दो-दो आदमी खड़े थे। उसे हिलने-डुलने के लिए जगह चाहिए थी, इसलिए वह फ्लैट नंबर 23 की ओर तेजी से बढ़ा।
उसके ठीक सामने खड़ा आदमी धमाके के झटके से पीछे हट गया; पीछे वाले लोग उसके करीब आ गए और उसके कॉलर व जैकेट को पकड़ने के लिए हाथ बढ़ाए। कमरे के अंदर उसने अपनी बगल से कोल्ट निकाली, एक बार घूमा और दरवाजे की ओर गोली चला दी। ऐसा करते ही एक और डंडा उसकी कलाई पर ज़ोर से लगा, जिससे उसका निशाना नीचे की ओर झुक गया।
गोली लगने से उसके एक हमलावर का घुटना टूट गया और वह एक पतली सी चीख के साथ नीचे गिर पड़ा। फिर उसके हाथ से बंदूक छूट गई, कलाई पर एक और जोरदार प्रहार से उसकी उंगलियां सुन्न पड़ गई थीं। एक पल बाद ही पांचों आदमी उस पर टूट पड़े और वह पूरी तरह से बेबस हो गया। लड़ाई तीन मिनट तक चली। एक डॉक्टर ने बाद में अनुमान लगाया कि बेहोश होने से पहले चमड़े से लिपटे डंडों से उसके सिर पर बीस से ज़्यादा वार हुए होंगे। एक हल्के से प्रहार से उसके कान का एक हिस्सा कट गया था, नाक टूट गई थी और चेहरा गहरे लाल रंग का हो गया था।

उसका ज़्यादातर बचाव सहज प्रतिक्रिया से हुआ। दो बार वह लगभग अपनी बंदूक तक पहुँच ही गया था, लेकिन एक तेज़ लात ने उसे बैठक के दूसरे छोर पर फेंक दिया। जब वह आखिरकार मुंह के बल गिरा, तो केवल तीन हमलावर ही खड़े रह गए थे, जिन्होंने उस पर लात मारी।
जब उनका काम पूरा हो गया और ज़मीन पर पड़ा विशाल शरीर बेसुध हो गया, केवल कटी हुई खोपड़ी से बहता खून ही इस बात का संकेत दे रहा था कि वह अभी भी जीवित है, तो बचे हुए तीनों लोग पीछे हट गए और ज़ोर-ज़ोर से गालियाँ बकने लगे, उनकी छाती फूल रही थी। बाकी लोगों में से, पैर में गोली लगने वाला आदमी दरवाजे के पास दीवार से सटकर बैठा था, उसका चेहरा पीला पड़ गया था, चमकते लाल हाथों से उसने अपने घायल घुटने को पकड़ रखा था, दर्द से व्याकुल होंठों से लगातार गालियों की एक लंबी, नीरस धारा निकल रही थी। दूसरा घुटनों के बल बैठा था, धीरे-धीरे आगे-पीछे हिल रहा था, हाथ फटे हुए जांघ के अंदरूनी हिस्से में धंसे हुए थे। आखिरी आदमी पोल से कुछ ही दूरी पर कालीन पर लेटा हुआ था, उसके बाएं कनपटी पर एक हल्का सा निशान था जहाँ कोवाल्स्की के एक जोरदार मुक्के ने उसे पूरी ताकत से मारा था।
समूह के नेता ने कोवाल्स्की को पीठ के बल लिटाया और उसकी बंद पलकों में से एक को झटक कर खोला। वह खिड़की के पास रखे टेलीफोन के पास गया, एक स्थानीय नंबर डायल किया और इंतजार करने लगा।
वह अभी भी हांफ रहा था। जब फोन का जवाब मिला तो उसने दूसरी तरफ मौजूद व्यक्ति से कहा:
‘हमने उसे पकड़ लिया... लड़ा? बिल्कुल, वह जमकर लड़ा... उसने एक गोली चलाई, गुएरिनी का घुटना टूट गया। कैपेटी को अंडकोष में गोली लगी और विसार्ट बेहोश पड़ा है... क्या? हाँ, पोलिश सैनिक ज़िंदा है, यही आदेश थे ना? वरना वह इतना नुकसान नहीं करता... खैर, उसे चोट लगी है, ठीक है। पता नहीं, वह बेहोश है... देखिए, हमें पुलिस वैन नहीं चाहिए, हमें दो एम्बुलेंस चाहिए। और जल्दी कीजिए।’
उसने रिसीवर पटक दिया और दुनिया को बड़बड़ाते हुए कहा, 'धोखेबाज'। कमरे में टूटे-फूटे फर्नीचर के टुकड़े लकड़ी की तरह बिखरे पड़े थे, बस उसी काम के। सबको लगा था कि पोलिश आदमी बाहर गलियारे में गिर जाएगा। कोई भी फर्नीचर पास के कमरे में नहीं रखा गया था, और वह रास्ते में रुकावट बन गया था। उसने खुद कोवाल्स्की द्वारा फेंकी गई एक कुर्सी को सीने पर एक हाथ रखकर रोका था,

और उसे दर्द हुआ था। धिक्कार है उस पोलिश आदमी पर, उसने सोचा, हेड ऑफिस के बेवकूफों ने उसके बारे में कुछ नहीं बताया था।
पंद्रह मिनट बाद दो सिट्रोएन एम्बुलेंस ब्लॉक के बाहर सड़क पर आकर रुकीं और डॉक्टर वहाँ पहुँचे। उन्होंने कोवाल्स्की की जाँच में पाँच मिनट बिताए। अंत में उन्होंने बेहोश आदमी की आस्तीन हटाई और उसे इंजेक्शन लगाया। जैसे ही दोनों स्ट्रेचर उठाने वाले पोलिश नागरिक को लेकर लिफ्ट की ओर लड़खड़ाते हुए चले गए, डॉक्टर ने घायल कोर्सिकन की ओर रुख किया, जो दीवार के किनारे खून से लथपथ पड़ा हुआ था और डॉक्टर को घृणा से देख रहा था। उसने उस आदमी के हाथों को अपने घुटने से हटाया, एक नजर डाली और सीटी बजाई। ‘ठीक है। मॉर्फिन और अस्पताल। मैं तुम्हें बेहोश करने वाला इंजेक्शन देने जा रहा हूँ। मैं यहाँ कुछ नहीं कर सकता। वैसे भी, मेरे प्यारे, इस पेशे में तुम्हारा करियर खत्म हो गया है।’
सुई अंदर जाते ही गुएरिनी ने अपशब्दों की बौछार कर उसे जवाब दिया। विस्सार्ट सिर पर हाथ रखे बैठे थे, उनके चेहरे पर स्तब्धता का भाव था। कैपेटी भी अब सीधे खड़े थे, दीवार के सहारे खड़े होकर उल्टी कर रहे थे। उनके दो साथियों ने उन्हें बगल से पकड़ा और लड़खड़ाते हुए फ्लैट से गलियारे तक ले गए। नेता ने विस्सार्ट को उठने में मदद की, तभी दूसरी एम्बुलेंस से स्ट्रेचर लेकर गुरिनी के बेजान शरीर को ले गए।
गलियारे में खड़े होकर छह लोगों के नेता ने उस उजाड़ कमरे पर आखिरी नजर डाली। डॉक्टर उसके बगल में खड़ा था।
‘काफी गड़बड़ हो गई है, है ना?’ डॉक्टर ने कहा।
नेता ने कहा, 'स्थानीय कार्यालय इसे साफ कर सकता है। आखिर यह उनका फ्लैट है।'
इतना कहकर उसने दरवाजा बंद कर दिया। फ्लैट नंबर 22 और 24 के दरवाजे भी खुले थे, लेकिन अंदर का हिस्सा बिल्कुल वैसा ही था। उसने दोनों दरवाजे बंद कर दिए।
‘कोई पड़ोसी नहीं?’ डॉक्टर ने पूछा।
कोर्सिकन ने कहा, 'कोई पड़ोसी नहीं, हमने पूरी मंजिल किराए पर ले ली है।' डॉक्टर के आगे-आगे चलते हुए, उन्होंने अभी भी सदमे में डूबे हुए विसार्ट को सीढ़ियों से नीचे उतरकर इंतजार कर रही कारों तक पहुँचाने में मदद की।

बारह घंटे बाद, फ्रांस की एक लंबी और तेज़ ड्राइव के बाद, कोवाल्स्की पेरिस के बाहर एक किलेनुमा बैरक के नीचे बनी कोठरी में एक पलंग पर लेटा हुआ था। कमरे की दीवारें हमेशा की तरह सफेदी से पुती हुई थीं, दागदार और बदबूदार, और कहीं-कहीं अपशब्द या प्रार्थनाएं खुदी हुई थीं। कमरा गर्म और घुटन भरा था, जिसमें कार्बोलिक एसिड, पसीने और पेशाब की गंध आ रही थी। पोलिश कैदी एक संकरे लोहे के पलंग पर पीठ के बल लेटा हुआ था, जिसके पैर कंक्रीट के फर्श में धंसे हुए थे। बिस्किट रंग के गद्दे और सिर के नीचे रखे एक लुढ़के हुए कंबल के अलावा पलंग पर कोई और चादर नहीं थी। दो भारी चमड़े के पट्टे उसके टखनों को, दो और उसकी जांघों और कलाईयों को बांधे हुए थे। एक पट्टा उसकी छाती को जकड़े हुए था। वह अभी भी बेहोश था, लेकिन गहरी और अनियमित सांसें ले रहा था।
चेहरे से खून अच्छी तरह धो दिया गया था, कान और खोपड़ी पर टांके लगा दिए गए थे। टूटी हुई नाक पर प्लास्टर की एक पट्टी लगी थी, और खुले मुंह से, जिसमें से सांस की घरघराहट सुनाई दे रही थी, सामने के दो टूटे हुए दांतों के ठूंठ दिखाई दे रहे थे। चेहरे का बाकी हिस्सा बुरी तरह से चोटिल था।
छाती, कंधों और पेट को ढके घने काले बालों के नीचे, मुक्कों, जूतों और लाठियों के वार से बने गहरे नीले निशान मुश्किल से दिखाई दे रहे थे। दाहिनी कलाई पर भारी पट्टी और टेप लगी हुई थी।
सफेद कोट पहने उस आदमी ने अपनी जांच पूरी की, सीधा खड़ा हुआ और अपना स्टेथोस्कोप बैग में रख लिया। उसने पीछे मुड़कर अपने पीछे खड़े आदमी को सिर हिलाकर इशारा किया, जिसने दरवाजे पर दस्तक दी। दरवाजा खुल गया और दोनों बाहर चले गए। दरवाजा भी खुल गया और जेलर ने दो विशाल स्टील की सलाखों को अंदर सरका दिया।
जब वे गलियारे से नीचे जा रहे थे, तब डॉक्टर ने पूछा, 'तुमने उसे किससे मारा, एक्सप्रेस ट्रेन से?'
‘ऐसा करने के लिए छह आदमियों की जरूरत पड़ी,’ कर्नल रोलैंड ने जवाब दिया। “खैर, उन्होंने काफी अच्छा काम किया। वे उसे लगभग मार ही डालते। अगर वह बैल की तरह तगड़ा न होता तो वे उसे मार ही डालते।”
‘यही एकमात्र तरीका था,’ कर्नल ने जवाब दिया। ‘उसने मेरे तीन आदमियों को बर्बाद कर दिया।’
'यह काफी जोरदार लड़ाई रही होगी।'

'ऐसा ही था। अब नुकसान क्या हुआ?'
सरल शब्दों में: दाहिनी कलाई में फ्रैक्चर होने की संभावना है – याद रहे, मैं एक्स-रे नहीं करवा पाया हूँ – साथ ही बाएँ कान, खोपड़ी और नाक में चोट लगी है। कई जगह कट और नील के निशान हैं, हल्का आंतरिक रक्तस्राव है, जो बिगड़ सकता है और उसकी जान ले सकता है, या अपने आप ठीक भी हो सकता है। उसकी सेहत अच्छी है – या थी। मुझे सिर की चिंता है। सिर में चोट तो है, हल्की है या गंभीर, यह कहना मुश्किल है। खोपड़ी में फ्रैक्चर के कोई लक्षण नहीं हैं, हालाँकि इसमें आपके आदमियों की कोई गलती नहीं है। उसकी खोपड़ी बिल्कुल ठोस हाथीदांत जैसी है। लेकिन अगर उसे अकेला नहीं छोड़ा गया तो चोट और भी गंभीर हो सकती है।
‘मुझे उससे कुछ सवाल पूछने हैं,’ कर्नल ने अपनी जलती हुई सिगरेट की नोक को देखते हुए कहा। डॉक्टर का जेल क्लिनिक एक तरफ था, और सीढ़ियाँ भूतल की ओर दूसरी तरफ। दोनों आदमी रुक गए। डॉक्टर ने एक्शन सर्विस के प्रमुख की ओर घृणा भरी नजरों से देखा।
‘यह एक जेल है,’ उसने शांत स्वर में कहा। ‘ठीक है, यह राज्य की सुरक्षा के विरुद्ध अपराध करने वालों के लिए है। लेकिन मैं अभी भी जेल का डॉक्टर हूँ। इस जेल में कहीं और कैदियों के स्वास्थ्य के बारे में मेरी बात मानी जाएगी। वह गलियारा...’ उसने अपना सिर उस दिशा में झटका जहाँ से वे आए थे... ‘आपकी संपत्ति है। मुझे बहुत स्पष्ट रूप से समझाया गया है कि वहाँ जो कुछ भी होता है, उससे मेरा कोई लेना-देना नहीं है, और उसमें मेरा कोई दखल नहीं है। लेकिन मैं यह कहूँगा; अगर आप उस आदमी के ठीक होने से पहले ही, अपने तरीकों से, उससे ‘सवाल’ करना शुरू कर देंगे, तो या तो उसकी मौत हो जाएगी या वह पागल हो जाएगा।’
कर्नल रोलैंड ने डॉक्टर की कड़वी भविष्यवाणी को बिना हिले-डुले सुना। ‘कितना समय लगेगा?’ उसने पूछा।
डॉक्टर ने कंधे उचकाते हुए कहा, 'कहना असंभव है। हो सकता है कि उसे कल होश आ जाए, या कई दिनों तक न आए। अगर हो भी जाए, तो भी वह कम से कम दो सप्ताह तक पूछताछ के लिए चिकित्सकीय रूप से फिट नहीं होगा। कम से कम। यानी, अगर सिर में चोट हल्की ही हो।'
‘कुछ खास तरह की दवाएं होती हैं,’ कर्नल ने धीरे से कहा।

हाँ, हैं। और मेरा उन्हें देने का कोई इरादा नहीं है। आप उन्हें प्राप्त कर सकते हैं, शायद कर भी सकते हैं। लेकिन मुझसे नहीं। वैसे भी, अभी वह आपको जो कुछ भी बताएगा, उसका ज़रा भी मतलब नहीं निकलेगा। वह शायद बेतुकी बातें ही होंगी। उसका दिमाग़ उलझा हुआ है। हो सकता है वह ठीक हो जाए, हो सकता है न हो। लेकिन अगर ठीक हुआ भी, तो अपने समय पर ही होगा। अभी दिमाग़ को भ्रमित करने वाली दवाएँ उसे सिर्फ़ एक मूर्ख बना देंगी, जो आपके या किसी और के लिए किसी काम का नहीं होगा। शायद एक हफ़्ते तक उसकी पलकें भी नहीं झपकीं। आपको बस इंतज़ार करना होगा।
इतना कहकर वह मुड़ा और वापस अपने क्लिनिक की ओर चल पड़ा।
लेकिन डॉक्टर गलत थे। कोवाल्स्की ने तीन दिन बाद, 10 अगस्त को अपनी आँखें खोलीं, और उसी दिन पूछताछकर्ताओं के साथ उनका पहला और एकमात्र सत्र हुआ। ब्रसेल्स से लौटने के बाद जैकल ने अगले तीन दिन फ्रांस में अपने आगामी मिशन की तैयारियों को अंतिम रूप देने में बिताए।
अपनी जेब में अलेक्जेंडर जेम्स क्वेंटिन डुग्गन के नाम से बना नया ड्राइविंग लाइसेंस लेकर वह ऑटोमोबाइल एसोसिएशन के मुख्यालय फैनम हाउस गए और उसी नाम से एक अंतर्राष्ट्रीय ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त किया। उन्होंने यात्रा के सामान बेचने वाली एक पुरानी दुकान से चमड़े के सूटकेसों की एक जैसी श्रृंखला खरीदी। एक सूटकेस में उन्होंने वे कपड़े पैक किए जो ज़रूरत पड़ने पर उन्हें कोपेनहेगन के पादरी पेर जेन्सन के रूप में भेष बदलने में काम आ सकें। पैकिंग से पहले उन्होंने कोपेनहेगन में खरीदी गई तीन साधारण कमीज़ों से डेनिश निर्माता के लेबल लंदन में खरीदी गई पादरी की कमीज़, गले का पट्टा और काले बिब पर लगा दिए, और ऐसा करते समय अंग्रेज़ी निर्माता के लेबल हटा दिए। ये कपड़े जूतों, मोज़ों, अंडरवियर और गहरे भूरे रंग के हल्के सूट के साथ रखे गए, जो शायद एक दिन पादरी जेन्सन का रूप धारण कर सकें। उसी सूटकेस में अमेरिकी छात्र मार्टी शुल्बर्ग के कपड़े, स्नीकर्स, मोज़े, जींस, स्वेटशर्ट और विंडचीटर भी रखे गए।
सूटकेस की लाइनिंग को चीरकर, उसने सूटकेस के कड़े किनारों को बनाने वाली चमड़े की दो परतों के बीच उन दो विदेशियों के पासपोर्ट रख दिए, जिनके जैसा वह शायद एक दिन बनना चाहेगा। कपड़ों से भरे इस सूटकेस में आखिरी चीजें थीं: फ्रांसीसी गिरजाघरों पर डेनिश किताब, दो चश्मे (एक डेनिश के लिए, दूसरा

अमेरिकी के लिए), टिशू पेपर में सावधानीपूर्वक लपेटे हुए दो अलग-अलग रंगीन कॉन्टैक्ट लेंस और बालों को रंगने की तैयारी।
दूसरे बक्से में उसने पेरिस के कबाड़ बाजार से खरीदे फ्रांसीसी डिज़ाइन के जूते, मोज़े, कमीज़ और पतलून, टखने तक लंबा ओवरकोट और काली बेरेट रखी। इस बक्से की अंदरूनी परत में उसने अधेड़ उम्र के फ्रांसीसी नागरिक आंद्रे मार्टिन के जाली कागजात डाल दिए। यह बक्सा आंशिक रूप से खाली रहा, क्योंकि जल्द ही इसमें एक पूरी स्नाइपर राइफल और गोला-बारूद से भरी पतली स्टील की नलियों की एक श्रृंखला भी रखनी थी।
तीसरा, थोड़ा छोटा सूटकेस, अलेक्जेंडर डुग्गन के सामान से भरा हुआ था: जूते, मोजे, अंडरवियर, कमीजें, टाई, रूमाल और तीन शानदार सूट। इस सूटकेस की अंदरूनी परत में दस-दस पाउंड के नोटों के कई पतले बंडल रखे गए थे, जिनकी कुल कीमत एक हजार पाउंड थी, जो उन्होंने ब्रुसेल्स से लौटने पर अपने निजी बैंक खाते से निकाले थे।
इनमें से प्रत्येक सूटकेस को सावधानीपूर्वक ताला लगाकर चाबियाँ उसके निजी चाबी-गुच्छे में रख दी गईं। कबूतर के रंग का धूसर सूट साफ करके इस्त्री किया गया और फिर उसके फ्लैट की दीवार वाली अलमारी में टांग दिया गया। सूट की जेब में उसका पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस, अंतरराष्ट्रीय लाइसेंस और सौ पाउंड नकद से भरा एक फोल्डर था।
अपने सामान के आखिरी हिस्से, एक साफ-सुथरे हैंड केस में, उसने शेविंग का सामान, पजामा, स्पंज बैग और तौलिया, और अपनी खरीदी हुई आखिरी चीजें रखीं – बारीक सिलाई वाली वेबिंग का एक हल्का हार्नेस, प्लास्टर ऑफ पेरिस का दो पाउंड का एक थैला, मोटे बुनाई वाले लिंट बैंडेज के कई रोल, आधा दर्जन स्टिकी प्लास्टर के रोल, रुई के तीन पैकेट और मोटे लेकिन मजबूत ब्लेड वाली एक कैंची। यह हैंड केस हैंड लगेज के रूप में ले जाया जाएगा, क्योंकि उसका अनुभव था कि किसी भी हवाई अड्डे पर कस्टम से गुजरते समय, कस्टम अधिकारी आमतौर पर अटैची केस को मनमाने ढंग से खोलने के लिए नहीं चुनते।
अपनी खरीदारी और पैकिंग पूरी करने के बाद, उसकी योजना लगभग पूरी हो चुकी थी। उसे उम्मीद थी कि पास्टर जेनसेन और मार्टी शुल्बर्ग का वेश केवल एहतियाती उपाय था, जिसकी शायद कभी ज़रूरत न पड़े, जब तक कि हालात बेकाबू न हो जाएं और अलेक्जेंडर डुग्गन की पहचान उजागर न करनी पड़े। आंद्रे मार्टिन की पहचान उसकी योजना के लिए बेहद ज़रूरी थी, और संभव था कि बाकी

दोनों की कभी ज़रूरत ही न पड़े। ऐसी स्थिति में, काम खत्म होने के बाद पूरा सूटकेस किसी लेफ्ट-लगेज ऑफिस में छोड़ा जा सकता था। फिर भी, उसने सोचा, भागने के लिए शायद उसे उनमें से किसी एक की ज़रूरत पड़ जाए। आंद्रे मार्टिन और बंदूक को भी काम खत्म होने के बाद छोड़ा जा सकता था, क्योंकि उसके पास उनका कोई और उपयोग नहीं होता। तीन सूटकेस और एक अटैची केस के साथ फ्रांस में प्रवेश करते हुए, उसने अनुमान लगाया कि वह एक सूटकेस और हैंड लगेज के साथ ही वापस लौटेगा, इससे ज़्यादा तो बिल्कुल नहीं।
यह काम पूरा होने के बाद वह उन दो कागज़ों का इंतज़ार करने लगा जिनसे उसे आगे का रास्ता पता चलता। पहला था पेरिस का टेलीफोन नंबर, जिससे उसे फ्रांसीसी राष्ट्रपति के आसपास तैनात सुरक्षा बलों की तैयारियों की सटीक जानकारी मिल सकती थी। दूसरा था ज्यूरिख में श्री मेयर की ओर से लिखित सूचना कि उसके बैंक खाते में ढाई लाख डॉलर जमा कर दिए गए हैं।
उनका इंतज़ार करते हुए उसने लंगड़ाकर चलने का अभ्यास किया। दो दिनों के भीतर ही उसे इस बात का संतोष हो गया कि उसका लंगड़ापन इतना वास्तविक हो गया था कि कोई भी देखने वाला यह पता नहीं लगा सकता था कि उसकी टखने या टांग नहीं टूटी है।
जिस पहले पत्र का उन्हें बेसब्री से इंतज़ार था, वह 9 अगस्त की सुबह आया। यह रोम की मुहर लगा हुआ एक लिफाफा था जिस पर संदेश लिखा था: 'आपके मित्र से MOLITOR 5901 पर संपर्क किया जा सकता है। अपना परिचय "Ici Chacal" से दें। उत्तर में "Ici Valmy" लिखें। शुभकामनाएँ।'
11 तारीख की सुबह ही ज्यूरिख से चिट्ठी आई। उसे पढ़ते ही उसके चेहरे पर मुस्कान आ गई। चिट्ठी में लिखा था कि चाहे कुछ भी हो जाए, अगर वो ज़िंदा रहा तो ज़िंदगी भर के लिए अमीर बन जाएगा। अगर उसका आगामी ऑपरेशन सफल रहा तो वो और भी अमीर हो जाएगा। उसे अपनी सफलता पर कोई शक नहीं था। उसने कुछ भी किस्मत के भरोसे नहीं छोड़ा था।
उन्होंने उस सुबह का शेष समय टेलीफोन पर हवाई यात्रा की बुकिंग करने में बिताया और अगली सुबह, 12 अगस्त के लिए अपनी प्रस्थान तिथि तय कर ली। तहखाने में सन्नाटा पसरा हुआ था, सिवाय मेज के पीछे खड़े पाँच आदमियों की भारी लेकिन नियंत्रित साँसों की आवाज़ के, और उसके सामने भारी ओक की कुर्सी से बंधे आदमी की कर्कश खड़खड़ाहट के। तहखाने का आकार और दीवारों का रंग बताना मुश्किल था। पूरे कमरे में केवल एक ही रोशनी का स्रोत था, जो ओक

प्रश्नकर्ताओं के पीछे तहखाने के एक कोने में, एक अकेला आदमी लकड़ी की मेज पर दीवार की ओर मुंह करके बैठा था। उसके सामने रखे टेप रिकॉर्डर की 'ऑन' लाइट से हल्की हरी रोशनी निकल रही थी, हालांकि रीलें स्थिर थीं।
सांसों की आवाज के अलावा, तहखाने की खामोशी लगभग महसूस की जा सकती थी। सभी आदमी अपनी कमीज की आस्तीनें ऊपर तक मोड़े हुए थे, जो पसीने से तर थीं। गंध असहनीय थी, पसीने, धातु, बासी धुएं और मानव उल्टी की दुर्गंध। हालांकि उल्टी की गंध काफी तीखी थी, लेकिन उस पर एक और भी तेज गंध हावी थी - डर और दर्द की दुर्गंध।
बीच में खड़े व्यक्ति ने अंततः बोलना शुरू किया। उसकी आवाज़ सभ्य, सौम्य और स्नेहपूर्ण थी।
‘सुनो, मेरे प्यारे विक्टर। तुम हमें बताने वाले हो। अभी शायद नहीं, पर आखिरकार बता ही दोगे। तुम बहादुर हो। हम जानते हैं। हम तुम्हें सलाम करते हैं। लेकिन तुम भी अब ज्यादा देर तक चुप नहीं रह सकते। तो क्यों न हमें बता दो? तुम्हें क्या लगता है कि अगर कर्नल रोडिन यहाँ होते तो तुम्हें मना कर देते? वो तुम्हें हमें बताने का आदेश देते। उन्हें इन सब बातों की जानकारी है। वो तुम्हें और तकलीफ से बचाने के लिए खुद हमें बता देते। तुम खुद जानते हो, आखिर में सब कुछ पता चल ही जाता है। है ना, विक्टर? तुमने उन्हें बोलते देखा है ना? कोई भी लगातार बोलता नहीं रह सकता। तो क्यों न अभी ही बता दें ना? फिर बिस्तर पर जाओ। और सो जाओ, सो जाओ, सो जाओ। कोई तुम्हें परेशान नहीं करेगा...’
कुर्सी पर बैठा आदमी पसीने से तर, चोटिल चेहरे को ऊपर उठाकर रोशनी में देखने लगा। आँखें बंद थीं, शायद मार्सिले में कोर्सिकन लोगों के पैरों से पड़े गहरे नीले निशानों की वजह से या रोशनी की वजह से, यह कहना मुश्किल था। चेहरा कुछ देर तक मेज और उसके सामने के अंधेरे को देखता रहा, मुँह खुला और बोलने की कोशिश की। उल्टी का एक छोटा सा टुकड़ा निकला और उलझे हुए सीने से रिसकर उसकी गोद में उल्टी के ढेर में जा गिरा। सिर पीछे की ओर झुक गया, ठुड्डी फिर से सीने से छू गई। ऐसा होते ही उसके बिखरे बाल अगल-बगल हिलने लगे। मेज के पीछे से आवाज़ फिर से आने लगी।
‘विक्टर, मेरी बात सुनो। तुम बहुत मजबूत हो। हम सब जानते हैं। हम सब यह मानते हैं। तुमने रिकॉर्ड तोड़ दिया है। लेकिन अब तुम भी आगे नहीं बढ़ सकते। लेकिन हम कर सकते हैं, विक्टर, हम कर सकते हैं। अगर ज़रूरत पड़ी तो

हम तुम्हें दिनों, हफ़्तों तक ज़िंदा और होश में रखेंगे। पुराने ज़माने की तरह दयापूर्वक भुलाने का कोई तरीका नहीं। आजकल सब कुछ तकनीकी है। दवाइयाँ हैं, तुम्हें पता है। थर्ड डिग्री की सज़ा अब खत्म हो चुकी है, शायद हमेशा के लिए। तो क्यों न बात करें। हम समझते हैं, तुम्हें पता है। हम दर्द को समझते हैं। लेकिन ये छोटे-छोटे कीड़े, वे नहीं समझते। वे बस नहीं समझते, विक्टर। वे बस करते ही रहते हैं... क्या तुम हमें बताना चाहते हो, विक्टर? वे रोम के उस होटल में क्या कर रहे हैं? वे किसका इंतज़ार कर रहे हैं?’ छाती से टिका हुआ विशाल सिर धीरे-धीरे अगल-बगल हिल रहा था। ऐसा लग रहा था मानो बंद आँखें पहले निप्पल को जकड़े हुए छोटे तांबे के केकड़ों में से एक को, फिर दूसरे को, या उस अकेले बड़े केकड़े को, जिसके दाँतेदार दाँत लिंग के सिर के दोनों किनारों को काट रहे थे, परख रही हों।
बोलने वाले व्यक्ति के हाथ उसके सामने प्रकाश के एक घेरे में पड़े थे, पतले, सफेद, शांति से परिपूर्ण। वह कुछ क्षण और प्रतीक्षा करता रहा। सफेद हाथों में से एक दूसरे से अलग हो गया, अंगूठा हथेली में दबा हुआ था, चारों उंगलियां फैली हुई थीं, और वह मेज पर टिक गया।
दूर छोर पर, बिजली के स्विच के पास खड़े व्यक्ति के हाथ ने पीतल के हैंडल को स्केल पर दूसरे अंक से चौथे अंक तक घुमाया, फिर उसने ऑन/ऑफ स्विच को अपनी उंगली और अंगूठे के बीच ले लिया।
लकड़ी के ऊपरी हिस्से पर थोड़ा आगे बढ़ा हाथ फैलाई हुई उंगलियों को पीछे खींच लाया, तर्जनी उंगली को एक बार हवा में उठाया, फिर उंगली के सिरे को नीचे की ओर इशारा किया, जो 'शुरू' का विश्वव्यापी संकेत है। बिजली का स्विच चालू हो गया।
कुर्सी पर बैठे आदमी से जुड़े छोटे-छोटे धातु के केकड़े, जो तारों से ऑन/ऑफ स्विच से जुड़े थे, हल्की सी भिनभिनाहट के साथ मानो जीवित हो उठे। खामोशी में कुर्सी पर बैठा विशालकाय शरीर मानो हवा में तैरने लगा, मानो पीठ के निचले हिस्से में किसी अदृश्य हाथ के धक्के से ऊपर उठ रहा हो। टांगें और कलाई पट्टियों के विरुद्ध बाहर की ओर फूल गईं, मानो गद्दी के बावजूद चमड़ा मांस और हड्डी को चीर रहा हो। आंखें, जिनके चारों ओर फूला हुआ मांस था और जिन्हें चिकित्सकीय रूप से स्पष्ट रूप से देखना असंभव था, चिकित्सा के नियमों को धता बताते हुए बाहर की ओर उभरने लगीं और ऊपर छत को घूरने लगीं।

मुंह आश्चर्य से खुला हुआ था और आधे सेकंड के भीतर ही फेफड़ों से एक भयानक चीख निकली। जब वह निकली, तो वह लगातार निकलती रही...
विक्टर कोवाल्स्की ने दोपहर 4.10 बजे बोलना बंद कर दिया और टेप रिकॉर्डर चालू हो गया।
जैसे ही उसने बोलना शुरू किया, या यों कहें कि सिसकियों और चीखों के बीच बेतरतीब ढंग से बड़बड़ाना शुरू किया, केंद्र में बैठे व्यक्ति की शांत आवाज ने उसकी बड़बड़ाहट को तीक्ष्ण स्पष्टता के साथ काट दिया।
‘विक्टर, वे वहाँ क्यों हैं... उस होटल में... रोडिन, मोंटक्लेयर और कैसन... उन्हें किस बात का डर है... वे कहाँ गए थे, विक्टर... उन्होंने किसे देखा है... वे किसी को क्यों नहीं देख रहे हैं, विक्टर... हमें बताओ, विक्टर... रोम क्यों... रोम से पहले... वियना क्यों, विक्टर... वियना में कहाँ... कौन सा होटल... वे वहाँ क्यों थे, विक्टर...?’
पचास मिनट बाद कोवाल्स्की आखिरकार चुप हो गया। नशे की लत में डूबने से पहले उसकी आखिरी बड़बड़ाहट टेप पर रिकॉर्ड होती रही, जब तक कि वह बंद नहीं हो गई। मेज के पीछे से आती आवाज कुछ और मिनटों तक धीमी होती रही, जब तक कि यह स्पष्ट नहीं हो गया कि अब कोई जवाब नहीं मिलने वाला है। फिर बीच में बैठे व्यक्ति ने अपने अधीनस्थों को आदेश दिया और सत्र समाप्त हो गया। किले के नीचे स्थित तहखाने से टेप रिकॉर्डिंग को रील से निकालकर एक तेज रफ्तार कार से पेरिस के बाहरी इलाके में स्थित एक्शन सर्विस के कार्यालयों तक पहुंचाया गया।
दिनभर पेरिस की खुशनुमा सड़कों को रोशन करने वाली शानदार दोपहर धीरे-धीरे सुनहरी शाम में तब्दील हो गई, और नौ बजे स्ट्रीट लाइटें जल उठीं। सीन नदी के किनारे जोड़े हमेशा की तरह गर्मियों की रातों में हाथ में हाथ डाले धीरे-धीरे टहल रहे थे, मानो शाम के उस प्यार और जवानी के नशे में डूबे हों, जो चाहे कितनी भी कोशिश कर लें, फिर कभी पहले जैसा नहीं हो पाएगा। नदी के किनारे बने खुले कैफे बातचीत और गिलासों की खनक, अभिवादन और बनावटी विरोध, हंसी-मजाक और तारीफों, माफी और इशारों से गुलजार थे, जो फ्रांसीसी लोगों की बातचीत और अगस्त की शाम को सीन नदी के जादू का हिस्सा हैं। यहां तक कि पर्यटकों को भी वहां होने और अपने साथ डॉलर लाने के लिए लगभग माफ कर दिया गया था।

पोर्ट डेस लिलास के पास एक छोटे से दफ्तर में, उदासीनता का कोई साया नहीं था। तीन आदमी एक टेप रिकॉर्डर के चारों ओर बैठे थे, जो मेज पर धीरे-धीरे घूम रहा था। वे दोपहर और शाम भर काम करते रहे। एक आदमी स्विच को नियंत्रित करता था, दूसरे के निर्देश पर लगातार स्पूल को 'प्लेबैक' या 'रिवाइंड' पर चालू करता और फिर 'प्लेबैक' पर चला देता था। इस आदमी ने अपने सिर पर ईयरफोन लगा रखे थे, और फोन से आ रही आवाज़ों के शोर में से अर्थपूर्ण शब्दों को समझने की कोशिश में उसकी भौंहें एकाग्रता से सिकुड़ी हुई थीं। होठों के बीच एक सिगरेट दबी हुई थी, जिसका नीला धुआँ उसकी आँखों में पानी ला रहा था। जब उसे कोई अंश दोबारा सुनना होता था, तो वह ऑपरेटर को उंगलियों से इशारा करता था। कभी-कभी वह दस सेकंड के अंश को आधा दर्जन बार सुनता था, फिर ऑपरेटर को रुकने का इशारा करता था। उसके बाद वह भाषण का अंतिम अंश बोलकर सुनाता था।
तीसरा व्यक्ति, एक युवा गोरा युवक, टाइपराइटर के पीछे बैठा श्रुतलेख का इंतज़ार कर रहा था। किले के नीचे तहखाने में पूछे गए प्रश्न आसानी से समझ में आ रहे थे, इयरफ़ोन के ज़रिए स्पष्ट और सटीक रूप से सुनाई दे रहे थे। उत्तर अधिक बिखरे हुए थे। टाइपिस्ट ने प्रतिलिपि को एक साक्षात्कार की तरह लिखा, प्रश्न हमेशा एक नई पंक्ति में और अक्षर Q से शुरू होते थे। उत्तर अगली पंक्ति में, अक्षर R से शुरू होते थे। ये उत्तर बिखरे हुए थे, जहाँ अर्थ पूरी तरह से टूट जाता था, वहाँ बहुत सारे रिक्त बिंदुओं का उपयोग किया गया था।
लगभग आधी रात हो चुकी थी जब उनका काम खत्म हुआ। खिड़की खुली होने के बावजूद हवा धुएं से भरी हुई थी और उसमें बारूद के गोदाम जैसी गंध आ रही थी।
तीनों आदमी अकड़े हुए और थके हुए उठे। हर किसी ने अपनी-अपनी तरह से तनकर अपनी अकड़ी हुई और दर्द करती मांसपेशियों को आराम दिया। उनमें से एक ने टेलीफोन उठाया, बाहरी लाइन मांगी और एक नंबर डायल किया। ईयरफोन लगाए हुए आदमी ने उन्हें उतारकर टेप को वापस मूल रील पर लपेट दिया। टाइपिस्ट ने अपनी मशीन से आखिरी पन्ने निकाले, उनके बीच से कार्बन कॉपी निकाली और कागज के अलग-अलग ढेरों को पन्नों के क्रम में इकबालिया बयान के सेटों में व्यवस्थित करना शुरू कर दिया। सबसे ऊपर वाला सेट कर्नल रोलैंड को दिया जाएगा, दूसरा फाइलों में और तीसरा माइमोग्राफ मशीन पर भेजा जाएगा ताकि

विभाग प्रमुखों के लिए अतिरिक्त प्रतियां बनाई जा सकें, जिन्हें रोलैंड उचित समझे तो वितरित किया जा सके।
कॉल कर्नल रोलैंड को उस रेस्तरां में मिली जहाँ वे अपने दोस्तों के साथ भोजन कर रहे थे। हमेशा की तरह, सुरुचिपूर्ण दिखने वाले अविवाहित सरकारी कर्मचारी अपने मजाकिया और विनम्र स्वभाव में थे, और उपस्थित महिलाओं के प्रति उनकी प्रशंसा ने उन्हें बहुत सराहा, भले ही उनके पतियों को नहीं। जब वेटर ने उन्हें फोन पर बुलाया, तो उन्होंने माफी मांगी और चले गए। फोन काउंटर पर रखा था। कर्नल ने बस 'रोलैंड' कहा और दूसरी तरफ मौजूद व्यक्ति के अपने परिचय का इंतजार किया।
इसके बाद रोलैंड ने भी यही किया और अपनी बातचीत के पहले वाक्य में ही सही पूर्वनिर्धारित शब्द का प्रयोग कर दिया। सुनने वाले को समझ आ गया होगा कि उन्हें सूचना मिली थी कि उनकी कार, जो मरम्मत के लिए गई थी, ठीक हो गई है और कर्नल अपनी सुविधानुसार उसे ले जा सकते हैं। कर्नल रोलैंड ने अपने सूचना देने वाले को धन्यवाद दिया और मेज पर लौट आए। पाँच मिनट के भीतर ही उन्होंने शालीनता से यह कहते हुए विदा ली कि सुबह उनका दिन व्यस्त रहने वाला है और उन्हें अपनी नींद पूरी करनी चाहिए। दस मिनट बाद वे अपनी कार में अकेले थे और भीड़भाड़ वाली शहर की सड़कों से होते हुए पोर्ट डेस लिलास के शांत उपनगर की ओर तेज़ी से बढ़ रहे थे। वे सुबह एक बजे के कुछ देर बाद अपने कार्यालय पहुँचे, अपनी बेदाग काली जैकेट उतारी, रात्रिकालीन कर्मचारियों से कॉफी मंगवाई और अपने सहायक को बुलाया।
कोवाल्स्की के इकबालिया बयान की सबसे ऊपर वाली प्रति कॉफी के साथ आई। उसने पहली बार में ही उस दस्तावेज़ के छब्बीस पन्ने जल्दी-जल्दी पढ़े, यह समझने की कोशिश करते हुए कि उस विक्षिप्त सैनिक का क्या कहना था। बीच में कुछ ऐसा था जिसने उसका ध्यान खींचा, जिससे वह भौंहें सिकोड़ने लगा, लेकिन उसने बिना रुके अंत तक पढ़ा।
दूसरी बार जब उसने पढ़ा, तो उसकी गति धीमी और सतर्कतापूर्ण थी, और उसने प्रत्येक अनुच्छेद पर अधिक ध्यान दिया। तीसरी बार उसने ब्लॉटर के सामने रखी ट्रे से एक काले रंग का फेल्ट निब वाला पेन उठाया और और भी धीरे-धीरे पढ़ा, सिल्वी, ल्यूक समथिंग, इंडो-चाइना, अल्जीरिया, जोजो, कोवाक्स, कोर्सिकन बास्टर्ड्स और लीजन से संबंधित शब्दों और अंशों पर स्याही की

मोटी काली रेखा खींचता गया। ये सब बातें उसे समझ में आ रही थीं, लेकिन उनमें उसकी कोई रुचि नहीं थी।
भटकने का अधिकांश हिस्सा सिल्वी से संबंधित था, कुछ हिस्सा जूली नाम की एक महिला से, जिसका रोलैंड के लिए कोई महत्व नहीं था। जब यह सब हटा दिया गया, तो स्वीकारोक्ति छह पन्नों से अधिक नहीं रह गई। बचे हुए अंशों में से उसने कुछ अर्थ निकालने की कोशिश की। रोम था। तीनों नेता रोम में थे। खैर, वह यह तो जानता ही था। लेकिन क्यों? यह सवाल आठ बार पूछा जा चुका था। लगभग हर बार जवाब एक ही था। वे अर्गुड की तरह फरवरी में अपहरण नहीं करवाना चाहते थे। स्वाभाविक ही था, रोलैंड ने सोचा। क्या वह कोवाल्स्की ऑपरेशन में अपना समय बर्बाद कर रहा था? इन आठ एक जैसे सवालों के जवाब में सैनिक ने एक शब्द का दो बार उल्लेख किया था, या यूं कहें कि दो बार बुदबुदाया था। वह शब्द था 'गुप्त'। विशेषण के रूप में? रोम में उनकी उपस्थिति के बारे में कुछ भी गुप्त नहीं था। या संज्ञा के रूप में। कैसा गुप्त?
रोलैंड दसवीं बार अंत तक गया, फिर वापस शुरुआत में आ गया। ओएएस के तीनों आदमी रोम में थे। वे वहाँ इसलिए थे क्योंकि वे अपहरण नहीं होना चाहते थे। वे अपहरण नहीं होना चाहते थे क्योंकि उनके पास एक रहस्य था।
रोलैंड ने व्यंग्यात्मक मुस्कान दी। वह जनरल गुइबाउड से भी बेहतर जानता था कि रोडिन डर के मारे छिपने के लिए नहीं भागेगा।
तो उन्हें कोई राज़ पता था? कौन सा राज़? ऐसा लगता था कि यह सब वियना से जुड़ा हुआ था। वियना शब्द तीन बार सामने आया, लेकिन रोलैंड ने पहले सोचा कि यह लियोन से बीस मील दक्षिण में स्थित विएन नामक शहर होगा। लेकिन शायद यह ऑस्ट्रिया की राजधानी थी, न कि फ्रांस का प्रांतीय शहर।
उनकी वियना में एक बैठक हुई। फिर वे रोम चले गए और अपहरण और पूछताछ के खतरे से बचने के लिए शरण ली, ताकि वे कोई राज़ न बता दें। यह राज़ वियना से ही जुड़ा होना चाहिए।
घंटे बीतते गए, और अनगिनत कप कॉफ़ी भी। राखदानी में सिगरेट के टुकड़ों का ढेर बढ़ता गया। बुलेवार्ड मोर्टियर के पूर्व में स्थित भयानक औद्योगिक उपनगरों की ओर हल्की भूरी रेखा बढ़ने से पहले ही कर्नल रोलैंड समझ गए थे कि उन्हें कुछ महत्वपूर्ण सुराग मिल गया है।
कुछ बातें अधूरी थीं। क्या वे सचमुच गायब हो गई थीं, हमेशा के लिए, क्योंकि सुबह तीन बजे फोन पर आए उस संदेश में बताया गया था कि कोवाल्स्की से अब कभी

पूछताछ नहीं की जाएगी क्योंकि वह मर चुका है? या फिर वे कहीं उस उलझे हुए संदेश में छिपी थीं जो उस विक्षिप्त दिमाग से तब निकला था जब उसकी आखिरी ताकत भी खत्म हो रही थी?
रोलैंड ने अपने दाहिने हाथ से उस पहेली के टुकड़ों को लिखना शुरू किया जो वहाँ बेतुकी सी लग रही थी। क्लेइस्ट, क्लेइस्ट नाम का एक आदमी। कोवाल्स्की, जो पोलिश था, ने शब्द का सही उच्चारण किया था और रोलैंड, जो युद्ध के दिनों से थोड़ी जर्मन जानता था, ने इसे सही ढंग से लिख लिया, हालाँकि फ्रांसीसी लेखक ने इसे गलत लिखा था। या यह कोई व्यक्ति था? शायद कोई जगह? उसने स्विचबोर्ड पर फोन किया और उनसे वियना की टेलीफोन निर्देशिका में क्लेइस्ट नाम के किसी व्यक्ति या स्थान को खोजने के लिए कहा। दस मिनट में जवाब आ गया। वियना में क्लेइस्ट नाम के दो कॉलम थे, सभी निजी व्यक्ति, और इस नाम की दो जगहें थीं: लड़कों के लिए इवाल्ड क्लेइस्ट प्राइमरी स्कूल और ब्रुकनरले में पेंशन क्लेइस्ट। रोलैंड ने दोनों को नोट कर लिया, लेकिन पेंशन क्लेइस्ट को रेखांकित किया। फिर उसने आगे पढ़ा।
एक विदेशी के बारे में कई बार ज़िक्र हुआ, जिसके प्रति कोवाल्स्की की भावनाएँ मिली-जुली थीं। कभी वह उस व्यक्ति के लिए 'बॉन' शब्द का प्रयोग करता था, जिसका अर्थ है 'अच्छा'; तो कभी उसे 'फैचर' कहता था, यानी एक चिड़चिड़ा या परेशान करने वाला व्यक्ति। सुबह 5 बजे के कुछ ही देर बाद कर्नल रोलैंड ने टेप और टेप रिकॉर्डर मंगवाया और अगला एक घंटा उसे सुनने में बिताया। जब उन्होंने आखिरकार मशीन बंद की, तो उन्होंने मन ही मन गुस्से में कुछ अपशब्द कहे। एक बारीक कलम लेकर उन्होंने रिकॉर्ड किए गए पाठ में कई बदलाव किए।
कोवाल्स्की ने उस विदेशी को 'बॉन' नहीं बल्कि 'गोरा' कहा था। और फटे हुए होंठों से निकला वह शब्द जिसे 'फैचर' लिखा गया था, वास्तव में 'फॉशर' था, जिसका अर्थ है हत्यारा।
इसके बाद कोवाल्स्की के अस्पष्ट अर्थ को समझना आसान हो गया। सियार शब्द, जिसे हर जगह काट दिया गया था क्योंकि रोलैंड को लगा था कि यह कोवाल्स्की का उन लोगों का अपमान करने का तरीका था जिन्होंने उसका पीछा किया था और उसे यातना दे रहे थे, का एक नया अर्थ निकल आया। यह सुनहरे बालों वाले हत्यारे का गुप्त नाम बन गया, जो एक विदेशी था, और जिससे ओएएस के तीनों प्रमुखों की

मुलाकात वियना के पेंशन क्लेस्ट में रोम में कड़ी सुरक्षा में छिपने से कुछ दिन पहले हुई थी।
रोलैंड अब खुद ही समझ गया था कि पिछले आठ हफ्तों में फ्रांस में मची बैंक और गहनों की लूटपाट की लहर का कारण क्या था। वह गोरा आदमी, चाहे जो भी हो, ओएएस के लिए एक काम करने के लिए पैसे चाहता था। दुनिया में केवल एक ही काम था जिसके लिए इतना पैसा मिल सकता था। उस गोरे आदमी को किसी गिरोह की लड़ाई सुलझाने के लिए नहीं बुलाया गया था।
सुबह सात बजे रोलैंड ने अपने संचार कक्ष में फोन किया और रात्रि-ड्यूटी ऑपरेटर को वियना स्थित एसडीईसीई कार्यालय को तत्काल सूचना भेजने का आदेश दिया। उन्होंने अंतरविभागीय प्रोटोकॉल को दरकिनार करते हुए यह आदेश दिया कि वियना पश्चिमी यूरोप के आर.3 क्षेत्र में आता है। फिर उन्होंने कोवाल्स्की के इकबालिया बयान की सभी प्रतियां मंगवाईं और उन्हें अपनी तिजोरी में बंद कर दिया। अंत में वे एक रिपोर्ट लिखने बैठे, जिसका केवल एक ही प्राप्तकर्ता के नाम लिखा था और शीर्षक था 'केवल आपके लिए'।
उन्होंने सावधानीपूर्वक हस्तलिखित विवरण लिखा, जिसमें उन्होंने कोवाल्स्की को पकड़ने के लिए अपने स्वयं के प्रयासों से चलाए गए अभियान का संक्षिप्त वर्णन किया; उन्होंने बताया कि कैसे पूर्व सैनिक को इस बहाने या झूठे विश्वास के कारण मार्सिले वापस लाया गया कि उसका कोई करीबी अस्पताल में बीमार है, फिर एक्शन सर्विस के एजेंटों द्वारा उसे पकड़ा गया, और रिकॉर्ड के लिए संक्षेप में उल्लेख किया कि उस व्यक्ति से सर्विस के एजेंटों ने पूछताछ की थी और उसने अस्पष्ट बयान दिया था। उन्होंने यह स्पष्ट रूप से बताना आवश्यक समझा कि गिरफ्तारी का विरोध करते हुए पूर्व सैनिक ने दो एजेंटों को घायल कर दिया था, लेकिन आत्महत्या के प्रयास में उसने खुद को भी इतना नुकसान पहुँचाया था कि जब उसे काबू में किया गया तो उसे अस्पताल में भर्ती कराना ही एकमात्र उपाय बचा था। यहीं, अपनी बीमारी की हालत में, उसने अपना बयान दिया था।
रिपोर्ट का शेष भाग, जो कि रिपोर्ट का मुख्य हिस्सा था, स्वयं इकबालिया बयान और रोलैंड द्वारा उसकी व्याख्या से संबंधित था। इसे पूरा करने के बाद वह एक क्षण के लिए रुका और पूर्व से आती सुबह की सुनहरी धूप से जगमगाती छतों को देखने लगा। रोलैंड की यह प्रतिष्ठा थी, जैसा कि वह भली-भांति जानता

‘इस साल के अंत तक,’ उसने खुद से कहा, ‘मैं सचमुच इस धंधे से बाहर निकल जाऊंगा।’ चेहरा थका हुआ सा उसकी ओर देख रहा था। अविश्वास या सिर्फ़ हार मान लेना? शायद चेहरा दिमाग से ज़्यादा जानता था। कुछ सालों के बाद इससे बाहर निकलना नामुमकिन था। ज़िंदगी भर वही रहना पड़ता था जो आप थे। प्रतिरोध आंदोलन से लेकर सुरक्षा पुलिस, फिर एसडीईसीई और अंत में एक्शन सर्विस तक। इन सालों में कितने आदमी और कितना खून बहा? उसने आईने में दिख रहे चेहरे से पूछा। और सब कुछ फ्रांस के लिए। और फ्रांस को क्या फ़र्क पड़ता है? और चेहरा आईने से बाहर देखता रहा और कुछ नहीं बोला। क्योंकि दोनों ही जवाब जानते थे।
कर्नल रोलैंड ने एक मोटरसाइकिल सवार को अपने कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से बुलाया। उन्होंने तले हुए अंडे, ब्रेड और मक्खन, और अधिक कॉफी मंगवाई, लेकिन इस बार एक बड़ा कप दूध वाली कॉफी, साथ ही सिरदर्द के लिए एस्पिरिन भी मंगवाई। उन्होंने अपनी मुहर लगी हुई थैली उसे सौंप दी और अपना आदेश दिया। अपने अंडे और ब्रेड खत्म करके, उन्होंने अपनी कॉफी ली और पेरिस की ओर खुलने वाली खुली खिड़की के कोने पर बैठकर पी। मीलों तक फैली छतों के पार उन्हें नोट्रे डेम के शिखर दिखाई दिए और सीन नदी पर छाई सुबह की गर्म धुंध में कुछ दूरी पर एफिल टॉवर भी नज़र आया। 11 अगस्त की सुबह नौ बज चुके थे, और शहर के लोग काम में व्यस्त थे, शायद काले चमड़े की जैकेट पहने और सायरन बजाते उस मोटरसाइकिल सवार को कोस रहे थे जो ट्रैफिक के बीच से अपनी बाइक को आठवें जिले की ओर ले जा रहा था।
रोलैंड ने सोचा कि क्या उस मोटर-साइकिल सवार के कूल्हे पर वर्णित खतरे को टाला जा सकता है, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि साल के अंत में उनके पास सेवानिवृत्त होने के लिए नौकरी होगी या नहीं।

अध्याय नौ
उस सुबह गृह मंत्री अपनी मेज पर बैठे रहे और खिड़की से बाहर धूप से जगमगाते गोलाकार आंगन को गंभीर भाव से निहारते रहे। आंगन के दूसरे छोर पर लोहे के सुंदर गढ़े हुए द्वार थे, जिनके प्रत्येक आधे भाग पर फ्रांस गणराज्य का प्रतीक चिन्ह बना हुआ था, और उनके आगे प्लेस ब्यूवा था जहाँ फाउबर्ग सेंट होनोरे और एवेन्यू डी मैरिग्नी से आने वाली गाड़ियाँ हॉर्न बजाती हुई चौक के केंद्र से उन्हें निर्देशित कर रहे पुलिसकर्मी के चारों ओर चक्कर लगा रही थीं।
चौक की ओर जाने वाली अन्य दो सड़कों, एवेन्यू डी मिरोमेस्निल और रू डेस सौसैस से, पुलिसकर्मी के सीटी बजाने के आदेश पर वाहनों की अलग-अलग धाराएँ चौक पार करने के लिए निकलतीं और फिर अपने रास्ते चली जातीं। ऐसा लगता था मानो वह पेरिस के पांचों खतरनाक यातायात को उसी तरह नियंत्रित कर रहा हो जैसे कोई सांड को काबू करने वाला पहलवान, शांत भाव से, आत्मविश्वास से, गरिमा और निपुणता के साथ। एम. रोजर फ्रे को उसके काम की व्यवस्थित सरलता और उसमें निहित आत्मविश्वास से ईर्ष्या होती थी।
मंत्रालय के द्वार पर दो अन्य पुलिसकर्मी चौक के बीचोंबीच अपने साथी की कुशलता को देख रहे थे। उनकी पीठ पर मशीनगन टंगी हुई थीं और वे लोहे की जाली से बने दोहरे द्वार से बाहर की दुनिया को निहार रहे थे। वे बाहरी दुनिया के शोर-शराबे से दूर, अपने मासिक वेतन, अपने निरंतर करियर और अगस्त की सुहावनी धूप में अपनी जगह को लेकर आश्वस्त थे। मंत्री भी उनके सरल जीवन और महत्वाकांक्षाओं से ईर्ष्या करते थे।
उन्हें अपने पीछे किसी पन्ने की सरसराहट सुनाई दी और वे अपनी घूमने वाली कुर्सी को घुमाकर अपनी मेज की ओर मुड़ गए। मेज के दूसरी ओर बैठे व्यक्ति ने फाइल बंद की और उसे मंत्री जी के सामने आदरपूर्वक मेज पर रख दिया। दोनों व्यक्तियों ने एक-दूसरे को देखा, सन्नाटा केवल दरवाजे के सामने शेल्फ पर रखी ओरमोलू घड़ी की टिक-टिक और प्लेस ब्यूवाउ से आने वाले मंद यातायात की आवाज से टूट रहा था।
'आप क्या सोचते हो?'
राष्ट्रपति डी गॉल के निजी सुरक्षा दल के प्रमुख, कमिश्नर जीन ड्यूक्रेट, सुरक्षा से जुड़े सभी मामलों में, और विशेष रूप से हत्या से किसी व्यक्ति

की सुरक्षा से संबंधित मामलों में, फ्रांस के अग्रणी विशेषज्ञों में से एक थे। यही कारण था कि वे इस पद पर बने रहे, और यही वजह थी कि उस तारीख तक फ्रांस के राष्ट्रपति की हत्या की छह ज्ञात साजिशें या तो नाकाम रहीं या तैयारी के दौरान ही विफल कर दी गईं।
‘रोलैंड सही कह रहा है,’ उसने अंत में कहा। उसकी आवाज़ सपाट, भावहीन और निर्णायक थी। मानो वह किसी फुटबॉल मैच के संभावित परिणाम पर अपनी राय दे रहा हो। ‘अगर उसकी बात सच है, तो यह साजिश असाधारण रूप से खतरनाक है। फ्रांस की सभी सुरक्षा एजेंसियों की पूरी फाइलिंग प्रणाली, ओएएस के भीतर मौजूद एजेंटों और घुसपैठियों का पूरा नेटवर्क, एक विदेशी, एक बाहरी व्यक्ति के सामने पूरी तरह से बेकार हो जाता है, जो पूरी तरह से अकेले, बिना किसी संपर्क या मित्र के काम कर रहा है। और वह भी एक पेशेवर। जैसा कि रोलैंड कहता है, यह...’ उसने एक्शन सर्विस प्रमुख की रिपोर्ट का आखिरी पन्ना पलटा और ज़ोर से पढ़ा... ‘“सबसे खतरनाक अवधारणा” है जिसकी कोई कल्पना कर सकता है।’
रोजर फ्रे ने अपने लोहे जैसे भूरे छोटे बालों में उंगलियां फिराईं और खिड़की की ओर मुड़ गए। वे आसानी से विचलित होने वाले व्यक्ति नहीं थे, लेकिन 11 अगस्त की सुबह वे विचलित हो गए थे। चार्ल्स डी गॉल के समर्थक के रूप में अपने कई वर्षों के दौरान उन्होंने एक ऐसे कठोर व्यक्ति की छवि बनाई थी, जिसकी बुद्धिमत्ता और शालीनता ने उन्हें मंत्री पद तक पहुंचाया था। उनकी चमकीली नीली आंखें, जो कभी स्नेहपूर्ण तो कभी निर्मम प्रतीत होती थीं, उनके सुगठित सीने और कंधों की शक्ति और उनका सुंदर, निर्मम चेहरा, जिसने सत्ताधारी पुरुषों की संगति पसंद करने वाली कई महिलाओं को आकर्षित किया था, रोजर फ्रे के लिए केवल चुनावी मंच की शोभा नहीं थीं।
पुराने समय में, जब गॉलिस्टों को अमेरिकी शत्रुता, ब्रिटिश उदासीनता, गिराउडिस्ट महत्वाकांक्षा और कम्युनिस्ट क्रूरता के खिलाफ अस्तित्व के लिए संघर्ष करना पड़ा था, तब उन्होंने आंतरिक कलह को कठिन तरीके से सीखा था। किसी तरह वे विजयी हुए, और अठारह वर्षों में दो बार, जिस व्यक्ति का उन्होंने अनुसरण किया था, वह निर्वासन और तिरस्कार से लौटकर फ्रांस में सर्वोच्च सत्ता पर आसीन हुआ। और पिछले दो वर्षों से यह लड़ाई फिर से जारी थी, इस बार उन्हीं लोगों के खिलाफ जिन्होंने जनरल को दो बार सत्ता में बहाल किया था - सेना। कुछ मिनट पहले तक, मंत्री को लग रहा था कि अंतिम संघर्ष

कमजोर पड़ रहा है, उनके दुश्मन एक बार फिर शक्तिहीनता और असहाय क्रोध में डूब रहे हैं।
अब उन्हें पता था कि अभी सब कुछ खत्म नहीं हुआ है। रोम में एक दुबले-पतले और कट्टर कर्नल ने एक ऐसी योजना बनाई थी जो एक व्यक्ति की हत्या करवाकर पूरे ढांचे को ध्वस्त कर सकती थी। कुछ देशों में राष्ट्रपति की मृत्यु या राजा के पदत्याग जैसी स्थितियों में भी स्थिरता के लिए पर्याप्त संस्थागत व्यवस्थाएं होती हैं, जैसा कि ब्रिटेन ने अट्ठाईस साल पहले दिखाया था और अमेरिका इस साल के अंत तक दिखा देगा। लेकिन रोजर फ्रे 1963 में फ्रांस की संस्थागत व्यवस्थाओं की स्थिति से भली-भांति परिचित थे और उन्हें इस बात का कोई भ्रम नहीं था कि उनके राष्ट्रपति की मृत्यु तख्तापलट और गृहयुद्ध की सिर्फ शुरुआत हो सकती है।
अंत में, उसने चमकते हुए आंगन की ओर देखते हुए कहा, 'ठीक है, उसे बताना ही होगा।'
पुलिसकर्मी ने कोई जवाब नहीं दिया। तकनीशियन होने का एक फायदा यह था कि आप अपना काम करते थे और अंतिम निर्णय लेने का काम वेतनभोगी लोगों पर छोड़ देते थे। उसका इरादा खुद यह बात बताने का नहीं था। मंत्री जी उसकी ओर मुड़े।
‘ठीक है। धन्यवाद, कमिश्नर। तो मैं आज दोपहर राष्ट्रपति से मिलने की कोशिश करूंगा और उन्हें सूचित करूंगा।’ आवाज़ स्पष्ट और दृढ़ थी। कुछ तो करना ही था। ‘मुझे आपसे यह कहने की शायद ही ज़रूरत है कि जब तक मैं राष्ट्रपति को स्थिति स्पष्ट रूप से समझा न दूं और वे इस मामले को कैसे निपटाना चाहते हैं, तब तक आप इस मामले पर पूरी तरह से चुप रहें।’
कमिश्नर डुक्रेट उठे और चले गए, चौक पार करके सौ गज आगे सड़क पर चलकर एलिसी पैलेस के द्वार तक पहुँचे। गृह मंत्री ने अकेले ही अपने सामने रखी फाइलों को घुमाया और उन्हें फिर से धीरे-धीरे पढ़ा। उन्हें पूरा यकीन था कि रोलैंड का आकलन सही था, और डुक्रेट की सहमति ने उन्हें कोई और रास्ता नहीं छोड़ा था। खतरा मौजूद था, गंभीर था, टाला नहीं जा सकता था और राष्ट्रपति को यह जानना ही था।
अनिच्छा से उसने अपने सामने लगे इंटरकॉम का बटन दबाया और तुरंत बजने वाली प्लास्टिक की ग्रिल से कहा, 'मुझे एलिसी पैलेस के महासचिव से बात करवा दो।'

एक मिनट के भीतर इंटरकॉम के बगल में रखा लाल टेलीफोन बज उठा। उसने उसे उठाया और एक पल के लिए सुना।
‘महामहिम फोकार्ट, कृपया।’ एक और विराम, फिर फ्रांस के सबसे शक्तिशाली व्यक्तियों में से एक की मधुर आवाज सुनाई दी। रोजर फ्रे ने संक्षेप में बताया कि उन्हें क्या चाहिए और क्यों।
‘जितनी जल्दी हो सके, जैक्स... हाँ, मुझे पता है कि आपको जाँच करनी होगी। मैं इंतज़ार करूँगा। कृपया जितनी जल्दी हो सके मुझे वापस कॉल करें।’
एक घंटे के भीतर ही कॉल बैक आ गया। दोपहर चार बजे का समय तय हो गया, जैसे ही राष्ट्रपति अपनी दोपहर की नींद पूरी कर लें। एक पल के लिए मंत्री के मन में यह ख्याल आया कि उनके सामने जो कार्यसूची है, वह दोपहर की नींद से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है, लेकिन उन्होंने अपने विरोध को दबा लिया। राष्ट्रपति के साथ मौजूद हर व्यक्ति की तरह, वह भी इस बात से अवगत थे कि उस मृदुभाषी सरकारी अधिकारी से उलझना उचित नहीं था, जिसकी राष्ट्रपति से हमेशा करीबी रहती थी और जिसके पास गोपनीय सूचनाओं का एक निजी संग्रह था, जिसके बारे में जितना पता था उससे कहीं अधिक आशंका थी।
उस दोपहर पौने चार बजे, जैकल कर्ज़न स्ट्रीट स्थित कनिंघम रेस्तरां से निकला, जहाँ उसने लंदन के समुद्री भोजन विशेषज्ञों द्वारा परोसे जाने वाले सबसे स्वादिष्ट और महंगे लंच में से एक का आनंद लिया था। साउथ ऑडली स्ट्रीट में मुड़ते हुए उसने सोचा कि शायद यह कुछ समय के लिए लंदन में उसका आखिरी लंच था, और उसके पास जश्न मनाने का कारण था।
ठीक उसी समय, फ्रांस के गृह मंत्रालय के गेट से एक काली डीएस 19 सेडान कार प्लेस बोवाउ में प्रवेश कर गई। चौक के बीच में तैनात पुलिसकर्मी को लोहे के गेट पर मौजूद उसके साथियों की तेज आवाज से पहले ही चेतावनी मिल गई थी, इसलिए उसने आसपास की सभी सड़कों से यातायात रोक दिया और फिर सलामी दी। सड़क पर सौ मीटर आगे जाकर सिट्रोएन कार एलिसी पैलेस के सामने बने धूसर पत्थर के बरामदे की ओर मुड़ी। यहाँ भी ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों ने पूर्व सूचना मिलने पर यातायात रोक दिया था ताकि कार को संकरे मेहराब से निकलने के लिए पर्याप्त जगह मिल सके। बरामदे के दोनों ओर पहरेदार चौकियों के सामने खड़े दो रिपब्लिकन गार्डों ने सफेद दस्ताने पहने हाथों से राइफलों की म्यान पर थपथपाकर सलामी दी, और मंत्री महल के प्रांगण में प्रवेश कर गए।

द्वार के भीतरी मेहराब पर लटकी एक जंजीर ने कार को रोक दिया, तभी उस दिन ड्यूटी पर तैनात निरीक्षक, जो डुक्रेट के आदमियों में से एक था, ने कार के अंदर एक संक्षिप्त नज़र डाली। उसने मंत्री की ओर सिर हिलाया, जिन्होंने भी जवाब में सिर हिलाया। निरीक्षक के इशारे पर जंजीर ज़मीन पर गिर गई और सिट्रोएन कार उस पर से गुज़र गई। सौ फीट तक फैली हल्के भूरे रंग की बजरी के पार महल का अग्रभाग फैला हुआ था। ड्राइवर रॉबर्ट ने कार को दाईं ओर मोड़ा और आंगन का वामावर्त चक्कर लगाते हुए अपने मालिक को प्रवेश द्वार की ओर जाने वाली छह ग्रेनाइट की सीढ़ियों के नीचे उतार दिया।
चांदी की जंजीरों से बंधे, काले रंग के फ्रॉक कोट पहने दो द्वारपालों में से एक ने दरवाजा खोला। मंत्री जी नीचे उतरे और सीढ़ियों पर दौड़कर ऊपर गए, जहां कांच के दरवाजे पर मुख्य द्वारपाल ने उनका स्वागत किया। दोनों ने औपचारिक अभिवादन किया और मंत्री जी उसके पीछे-पीछे अंदर चले गए। उन्हें कुछ देर तक प्रवेश कक्ष में, गुंबददार छत से अपनी लंबी सुनहरी जंजीर से लटके विशाल झूमर के नीचे रुकना पड़ा, जबकि द्वारपाल ने दरवाजे के बाईं ओर संगमरमर की मेज से थोड़ी देर के लिए फोन पर बात की। फोन रखते ही वह मंत्री जी की ओर मुड़ा, हल्की सी मुस्कान दी और अपनी सामान्य गरिमामय, शांत गति से बाईं ओर कालीन बिछी ग्रेनाइट की सीढ़ियों पर चढ़ गया।
पहली मंजिल पर पहुँचकर वे नीचे गलियारे की ओर खुलने वाली छोटी, चौड़ी सीढ़ी से नीचे उतरे और तब रुक गए जब द्वारपाल ने सीढ़ी के बाईं ओर के दरवाजे पर धीरे से दस्तक दी। अंदर से धीमी आवाज़ में 'प्रवेश करें' की आवाज़ आई। द्वारपाल ने सहजता से दरवाजा खोला और मंत्री जी को हॉल ऑफ़ द ऑर्डिनेंस में जाने देने के लिए पीछे हट गया। मंत्री जी के अंदर जाते ही दरवाजा बिना किसी आवाज़ के बंद हो गया और द्वारपाल शान से सीढ़ियों से नीचे उतरकर प्रवेश कक्ष की ओर चला गया।
हॉल के दूसरी ओर स्थित विशाल दक्षिणी खिड़कियों से सूरज की किरणें अंदर आ रही थीं, जिससे कालीन पर गर्माहट फैल रही थी। फर्श से छत तक फैली खिड़कियों में से एक खुली थी, और महल के बगीचों से पेड़ों के बीच एक जंगली कबूतर की गुटरगू सुनाई दे रही थी। खिड़कियों से पाँच सौ गज दूर, फैले हुए नींबू और बीच के पेड़ों से पूरी तरह से ओझल, गर्मियों के मौसम में शानदार दिखने वाले चैंप्स एलिसी की यातायात की आवाज़ बस एक हल्की सी गूंज थी, जो कबूतर की आवाज़ से भी धीमी थी। एलिसी पैलेस के दक्षिणमुखी कमरों में हमेशा की तरह,

जन्म से ही शहरवासी एम. फ्रे, कल्पना कर सकते थे कि वे देश के मध्य में बसे किसी महल में हैं। इमारत के दूसरी ओर फाउबर्ग सेंट होनोरे पर यातायात का शोर बस एक याद बनकर रह गया था। जैसा कि वे जानते थे, राष्ट्रपति को ग्रामीण इलाका बेहद पसंद था।
उस दिन के एडीसी कर्नल टेसेइरे थे। वे अपनी डेस्क के पीछे से उठे। 'श्रीमान मंत्री जी...'
‘कर्नल...’ एम. फ्रे ने अपने सिर से सैलून के बाईं ओर स्थित सुनहरे हैंडल वाले बंद दोहरे दरवाजों की ओर इशारा किया। ‘क्या मेरी प्रतीक्षा की जा रही है?’
‘बिल्कुल, महामहिम मंत्री जी।’ टेसेइरे कमरे के उस पार गए, दरवाजों पर हल्की सी दस्तक दी, उनमें से एक को खोला और प्रवेश द्वार पर खड़े हो गए। गृह मंत्री महोदय।
अंदर से दबी हुई सहमति की आवाज आई। टेसेयर पीछे हट गए, मंत्री जी को देखकर मुस्कुराए, और रोजर फ्रे उनके पास से गुजरकर चार्ल्स डी गॉल के निजी अध्ययन कक्ष में चले गए।
उस कमरे में ऐसी कोई बात नहीं थी, जैसा कि उसने हमेशा सोचा था, जिससे उसके सजावट और साज-सज्जा का आदेश देने वाले व्यक्ति का सुराग न मिलता हो। दाईं ओर तीन लंबी और सुंदर खिड़कियाँ थीं जिनसे बगीचे में जाया जा सकता था, ठीक वैसे ही जैसे सैलून डेस ऑर्डोनेन्सेस में होती थीं। अध्ययन कक्ष में भी उनमें से एक खिड़की खुली थी, और कबूतरों की चहचहाहट, जो दोनों कमरों के बीच के दरवाजे से गुजरते समय धीमी हो जाती थी, बगीचे से फिर से सुनाई दे रही थी।
उन चूना और बीच के पेड़ों के नीचे कहीं चुपचाप हथियार लिए लोग छिपे हुए थे, जिनके पास स्वचालित बंदूकें थीं और जिनसे वे बीस कदम की दूरी से भी इक्के को पहचान सकते थे। लेकिन अगर उनमें से कोई भी पहली मंजिल की खिड़कियों से दिखाई देता, तो उसका बुरा हाल होता। महल के चारों ओर उस आदमी का गुस्सा मशहूर हो चुका था, जिसे वे अपनी सुरक्षा के लिए उठाए गए कदमों के बारे में पता चलने पर या उसकी निजता में दखल होने पर जान से मारने की कोशिश करते। यह ड्यूक्रेट के लिए सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक थी, और कोई भी उस आदमी की रक्षा करने के उसके काम से ईर्ष्या नहीं करता था, जिसके लिए किसी भी प्रकार की व्यक्तिगत सुरक्षा एक अपमान थी जिसे वह पसंद नहीं करता था।

बाईं ओर, कांच के दरवाज़ों वाली किताबों की अलमारियों वाली दीवार के पास, लुई XV की एक मेज़ थी जिस पर लुई XIV की एक घड़ी रखी थी। फर्श पर 1615 में शैलोट स्थित शाही कालीन कारखाने में बना सैवोनरी कालीन बिछा था। राष्ट्रपति ने एक बार उन्हें समझाया था कि कालीन बनाने के कारखाने में परिवर्तित होने से पहले यह एक साबुन कारखाना था, और इसीलिए यहाँ बनने वाले कालीनों का नाम हमेशा से यही रहा है।
कमरे में हर चीज़ सादगी, गरिमा और सुरुचिपूर्णता से भरपूर थी, और सबसे बढ़कर, फ्रांस की शान को दर्शाती थी। रोजर फ्रे के लिए, इसमें मेज के पीछे बैठा वह व्यक्ति भी शामिल था, जो अब अपनी सामान्य औपचारिक शिष्टाचार के साथ उनका अभिवादन करने के लिए उठा।
मंत्री जी को याद आया कि पेरिस में ब्रिटिश पत्रकारों के दिग्गज और चार्ल्स डी गॉल के एकमात्र समकालीन एंग्लो-सैक्सन मित्र हेरोल्ड किंग ने एक बार उनसे कहा था कि राष्ट्रपति अपने सभी व्यक्तिगत तौर-तरीकों में बीसवीं सदी के नहीं, बल्कि अठारहवीं सदी के लगते हैं। तब से जब भी रोजर फ्रे अपने गुरु से मिले, उन्होंने रेशम और ब्रोकेड के वस्त्र पहने एक लंबे कद के व्यक्ति को उन्हीं विनम्र हाव-भाव और अभिवादन करते हुए कल्पना करने की व्यर्थ कोशिश की। उन्हें समानता तो दिख रही थी, लेकिन छवि उनके दिमाग में नहीं बैठ रही थी। न ही वे उन कुछ मौकों को भूल पाए जब उस गरिमामय बुजुर्ग व्यक्ति ने, किसी अप्रिय बात से सचमुच उत्तेजित होकर, इतनी कठोर और अशिष्ट भाषा का प्रयोग किया था कि उनके साथ आए लोग या कैबिनेट सदस्य स्तब्ध और अवाक रह गए थे।
जैसा कि मंत्री जी भली-भांति जानते थे, ऐसा ही एक विषय था जिस पर ऐसी प्रतिक्रिया होने की संभावना थी, वह था गृह मंत्री द्वारा उठाए जाने वाले उपायों का प्रश्न, जो फ्रांस की संस्थाओं की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार थे, जिनमें स्वयं राष्ट्रपति सर्वोपरि थे। इस प्रश्न पर दोनों के बीच कभी भी एकमत नहीं था, और इस संबंध में फ्रे ने जो कुछ भी किया, वह ज्यादातर गुप्त रूप से करना पड़ा। जब उन्होंने अपने ब्रीफकेस में रखे दस्तावेज़ और उस अनुरोध के बारे में सोचा जो उन्हें करना था, तो वे लगभग कांप उठे।
'मेरी प्यारी फ्रेय।'

गहरे भूरे रंग के सूट पहने लंबा कद का व्यक्ति उस विशाल मेज के किनारे से घूमकर आया, जिसके पीछे वह आमतौर पर बैठता था, और अभिवादन के लिए हाथ आगे बढ़ाया।
‘महामहिम राष्ट्रपति, सादर प्रणाम।’ उन्होंने बढ़ाए गए हाथ से हाथ मिलाया। कम से कम ले वियू तो अच्छे मूड में लग रहे थे। उन्हें मेज के सामने प्रथम साम्राज्य काल की बोवे शैली की टेपेस्ट्री से ढकी दो सीधी कुर्सियों में से एक पर बैठने के लिए कहा गया। चार्ल्स डी गॉल, अपना आतिथ्य सत्कार पूरा करके, उनके पास वापस आए और दीवार की ओर पीठ करके बैठ गए। वे पीछे की ओर झुक गए और अपने दोनों हाथों की उंगलियों को अपने सामने पॉलिश की हुई लकड़ी पर रख दिया।
'मुझे पता चला है, मेरी प्यारी फ्रेय, कि आप मुझसे किसी अत्यावश्यक मामले पर मिलना चाहती थीं। तो, आपको मुझसे क्या कहना है?'
रोजर फ्रे ने एक गहरी सांस ली और बोलना शुरू किया। उन्होंने संक्षेप में और स्पष्ट रूप से बताया कि वे यहाँ क्यों आए हैं, क्योंकि उन्हें पता था कि डी गॉल को लंबी-चौड़ी भाषणबाजी पसंद नहीं थी, सिवाय उनकी अपनी भाषणबाजी के, और वो भी केवल सार्वजनिक भाषण के लिए। निजी तौर पर वे संक्षिप्तता को महत्व देते थे, जैसा कि उनके कुछ अधिक वाचाल अधीनस्थों ने शर्मिंदगी के साथ अनुभव किया था।
जब वह बोल रहा था, तो उसके सामने बैठा व्यक्ति अचानक अकड़ गया। वह और पीछे झुकता गया, मानो उसका शरीर और बड़ा होता जा रहा हो, और अपनी नुकीली नाक से मंत्री जी को ऐसे घूर रहा था मानो किसी भरोसेमंद नौकर ने उसके कमरे में कोई अप्रिय पदार्थ डाल दिया हो। हालांकि, रोजर फ्रे को पता था कि पांच गज की दूरी से उसका चेहरा राष्ट्रपति के लिए धुंधला ही होगा, क्योंकि राष्ट्रपति अपनी कमज़ोर नज़र को सार्वजनिक अवसरों पर छिपाते थे और भाषण पढ़ने के अलावा कभी चश्मा नहीं पहनते थे।
गृह मंत्री ने अपना भाषण समाप्त किया, जो मुश्किल से एक मिनट से थोड़ा अधिक चला था, जिसमें उन्होंने रोलैंड और डुक्रेट की टिप्पणियों का उल्लेख किया और अंत में कहा, 'मेरे मामले में रोलैंड की रिपोर्ट मौजूद है।'
बिना कुछ कहे राष्ट्रपति का हाथ डेस्क की ओर बढ़ा। एम. फ्रे ने ब्रीफकेस से रिपोर्ट निकाली और उन्हें सौंप दी।

चार्ल्स डी गॉल ने अपनी जैकेट की ऊपरी जेब से चश्मा निकाला, उसे पहना, फ़ोल्डर को अपनी मेज़ पर फैलाया और पढ़ना शुरू कर दिया। कबूतर ने गुटरगू करना बंद कर दिया था, मानो उसे समझ आ गया हो कि यह पढ़ने का सही समय नहीं है। रोजर फ्रे पेड़ों की ओर देखने लगे, फिर ब्लॉटर के बगल में मेज़ पर रखे पीतल के पढ़ने वाले लैंप को देखा। यह पुनर्स्थापना काल का एक सुंदर फ्लेम्बो डी वर्मील लैंप था, जिसमें बिजली की बत्ती लगी थी, और राष्ट्रपति के पाँच वर्षों के दौरान इसने रात में ब्लॉटर पर पड़े राजकीय दस्तावेजों को रोशन करने में हजारों घंटे बिताए थे।
जनरल डी गॉल एक तेज पाठक थे। उन्होंने रोलैंड रिपोर्ट को तीन मिनट में पूरा कर लिया, उसे सावधानीपूर्वक ब्लॉटिंग पेपर पर मोड़ा, उस पर हाथ रखकर पूछा:
‘अच्छा, मेरी प्यारी फ्रेय, तुम मुझसे क्या चाहती हो?’
दूसरी बार रोजर फ्रे ने गहरी सांस ली और अपने द्वारा उठाए जाने वाले कदमों का संक्षिप्त विवरण देना शुरू किया। उन्होंने दो बार "मेरे विचार में, महाशय राष्ट्रपति, इस खतरे को टालने के लिए यह आवश्यक होगा..." वाक्यांश का प्रयोग किया। अपने भाषण के तैंतीसवें भाग में उन्होंने "फ्रांस का हित..." वाक्यांश का प्रयोग किया।
वह यहीं तक पहुँच पाया। राष्ट्रपति ने उसे बीच में ही रोक दिया, उनकी बुलंद आवाज़ ने फ्रांस शब्द को इस तरह से उच्चारण किया जैसे कोई अन्य फ्रांसीसी आवाज़ पहले या बाद में कर पाई हो।
‘मेरे प्रिय फ्रेय, फ्रांस का हित इस बात में है कि फ्रांस के राष्ट्रपति को एक तुच्छ भाड़े के व्यक्ति की धमकी के आगे झुकते हुए न देखा जाए, और...’ वह रुका, क्योंकि उसके अज्ञात हमलावर की अवमानना कमरे में भारी पड़ रही थी... ‘एक विदेशी की।’
रॉजर फ्रे को एहसास हो गया था कि वह हार गया है। गृह मंत्री को जिस बात का डर था, जनरल ने अपना आपा नहीं खोया। उन्होंने स्पष्ट और सटीक ढंग से बोलना शुरू किया, मानो उनका इरादा अपने श्रोता के लिए अपनी बात को किसी भी तरह से अस्पष्ट होने देने का न हो। उनके बोलते समय कुछ वाक्य खिड़की से बाहर निकलकर कर्नल टेसेरे तक पहुँच गए।
‘फ्रांस यह स्वीकार नहीं कर सकता… कि उसकी गरिमा और वैभव एक… एक सियार की घिनौनी धमकियों के अधीन हो जाए…’

दो मिनट बाद रोजर फ्रे राष्ट्रपति के समक्ष से चले गए। उन्होंने कर्नल टेसेरे को गंभीरता से सिर हिलाकर अभिवादन किया, सैलून डेस ऑर्डोनेन्सेस के दरवाजे से बाहर निकले और सीढ़ियों से उतरकर प्रवेश कक्ष में चले गए। मुख्य दरबारी ने मंत्री जी को पत्थर की सीढ़ियों से नीचे उतरकर इंतज़ार कर रही सिट्रोएन कार तक ले जाते हुए और उन्हें जाते हुए देखते हुए सोचा, ‘देखो, ये तो एक ऐसे आदमी को ले जा रहा है जिसे मैंने सच में बहुत बड़ी समस्या में फंसा हुआ देखा है। पता नहीं बूढ़े आदमी ने उससे क्या कहा होगा।’ लेकिन मुख्य दरबारी होने के नाते, उसके चेहरे पर वही भावहीनता बनी रही जो उस महल के बाहरी हिस्से में थी जहाँ उसने बीस साल तक सेवा की थी।
'नहीं, ऐसा नहीं किया जा सकता। राष्ट्रपति ने इस मामले पर बिल्कुल औपचारिक रुख अपनाया था।'
रोजर फ्रे ने अपने कार्यालय की खिड़की से मुड़कर उस व्यक्ति को देखा जिसे उन्होंने संबोधित किया था। एलिसी पैलेस से लौटने के कुछ ही मिनटों के भीतर उन्होंने अपने मुख्य कार्यालय (शेफ डे कैबिनेट) को बुलाया था। एलेक्जेंडर सैंगुइनेटी कोर्सीका के निवासी थे। पिछले दो वर्षों में गृह मंत्री ने फ्रांसीसी राज्य सुरक्षा बलों की योजना बनाने का अधिकांश विस्तृत कार्य उन्हीं को सौंपा था, और इसी कारण सैंगुइनेटी ने एक ऐसी ख्याति और प्रतिष्ठा स्थापित कर ली थी जो देखने वाले की व्यक्तिगत राजनीतिक संबद्धताओं या नागरिक अधिकारों की अवधारणा के अनुसार भिन्न-भिन्न थी। अति वामपंथी विचारधारा के लोग उनसे नफरत करते थे और उनसे डरते थे, क्योंकि उन्होंने बिना किसी हिचकिचाहट के सीआरएस की दंगा-रोधी टुकड़ियों को संगठित किया था और इन पैंतालीस हजार अर्धसैनिक बलों ने वामपंथी या दक्षिणपंथी किसी भी तरह के सड़क प्रदर्शन का सामना करने पर कठोर रणनीति अपनाई थी।
कम्युनिस्टों ने उन्हें फासीवादी कहा, शायद इसलिए कि सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के उनके कुछ तरीके लौह पर्दे के पार स्थित मज़दूरों के स्वर्ग कहे जाने वाले तरीकों की याद दिलाते थे। अति दक्षिणपंथी, जिन्हें कम्युनिस्टों ने फासीवादी कहा था, उनसे उतनी ही घृणा करते थे और लोकतंत्र और नागरिक अधिकारों के दमन के उन्हीं तर्कों का हवाला देते थे, लेकिन संभवतः इसलिए कि सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के उनके निर्मम और कारगर उपायों ने व्यवस्था के पूर्ण पतन को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई

थी, जिससे उस व्यवस्था को बहाल करने के उद्देश्य से किए जाने वाले दक्षिणपंथी तख्तापलट को बढ़ावा मिल सकता था।
और कई आम लोग उन्हें नापसंद करते थे, क्योंकि उनके कार्यालय से जारी किए गए कठोर फरमानों का असर उन सभी पर पड़ता था। सड़कों पर बैरिकेड्स लगाए गए थे, अधिकांश प्रमुख चौराहों पर पहचान पत्रों की जाँच की जाती थी, सभी मुख्य सड़कों पर बैरिकेड्स लगाए गए थे, और सीआरएस के जवानों द्वारा युवा प्रदर्शनकारियों को लाठियों से पीट-पीटकर जमीन पर गिराए जाने की तस्वीरें खूब प्रचारित की गई थीं। प्रेस ने उन्हें पहले ही 'ओएएस विरोधी महाशय' का नाम दे दिया था और अपेक्षाकृत छोटे गॉलिस्ट प्रेस को छोड़कर, बाकी सभी ने उनकी जमकर निंदा की थी। अगर फ्रांस में सबसे ज्यादा आलोचना झेलने वाले व्यक्ति होने का कलंक उन पर जरा भी असर डालता था, तो उन्होंने उसे छुपा लिया था। उनके निजी धर्म के देवता एलिसी पैलेस के एक कार्यालय में विराजमान थे, और उस धर्म में अलेक्जेंडर सांगुइनेटी क्यूरिया के प्रमुख थे। उन्होंने अपने सामने रखे उस नोट को घूरकर देखा, जिस पर रोलैंड रिपोर्ट वाला पीला फोल्डर पड़ा था।
‘यह नामुमकिन है। नामुमकिन। वह नामुमकिन है। हमें उसकी जान बचानी है, लेकिन वह हमें बचाने नहीं दे रहा। मैं इस आदमी को, इस सियार को, पकड़ सकता था। लेकिन आप कहते हैं कि हमें कोई जवाबी कार्रवाई करने की इजाज़त नहीं है। हम क्या करें? बस उसके हमले का इंतज़ार करें? बस बैठे रहें और इंतज़ार करते रहें?’
मंत्री जी ने आह भरी। उन्हें अपने मुख्य कार्यकारी अधिकारी से इससे कम की उम्मीद नहीं थी, लेकिन फिर भी उनका काम आसान नहीं हुआ। वे फिर से अपनी मेज पर बैठ गए।
‘अलेक्जेंडर, सुनो। पहली बात तो यह है कि हम अभी तक पूरी तरह से निश्चित नहीं हैं कि रोलैंड की रिपोर्ट सच है। यह कोवाल्स्की की बेतुकी बातों का उनका अपना विश्लेषण है, जिनकी अब मृत्यु हो चुकी है। हो सकता है रोलैंड गलत हों। वियना में अभी भी जांच चल रही है। मैं गुइबाउड के संपर्क में हूं और उन्हें उम्मीद है कि आज शाम तक जवाब मिल जाएगा। लेकिन यह मानना पड़ेगा कि इस स्तर पर, एक ऐसे विदेशी की राष्ट्रव्यापी खोज शुरू करना, जिसे हम केवल एक कोड नाम से जानते हैं, व्यावहारिक नहीं है। इस हद तक, मैं राष्ट्रपति से सहमत हूं।’

इसके अलावा, ये उनके निर्देश हैं... नहीं, उनके बिल्कुल औपचारिक आदेश हैं। मैं इन्हें दोहरा रहा हूँ ताकि हममें से किसी के मन में कोई गलतफहमी न रहे। कोई प्रचार नहीं होना चाहिए, कोई राष्ट्रव्यापी तलाशी नहीं होनी चाहिए, हमारे आस-पास के छोटे से दायरे के बाहर किसी को भी यह संकेत नहीं मिलना चाहिए कि कुछ गड़बड़ है। राष्ट्रपति को लगता है कि अगर यह राज़ खुल गया तो प्रेस में खूब हंगामा मचेगा, विदेशी राष्ट्र उपहास उड़ाएंगे, और हमारे द्वारा उठाए गए किसी भी अतिरिक्त सुरक्षा उपायों को यहाँ और विदेश दोनों जगह फ्रांस के राष्ट्रपति द्वारा एक अकेले व्यक्ति, वह भी एक विदेशी से छिपने के तमाशे के रूप में देखा जाएगा।
‘वह इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे, मैं दोहराता हूँ, बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करेंगे। दरअसल...’ मंत्री जी ने अपनी बात पर जोर देते हुए तर्जनी उंगली से इशारा किया... ‘उन्होंने मुझसे साफ-साफ कह दिया कि अगर इस मामले को संभालने में कोई भी बात, या यहाँ तक कि आम धारणा भी सार्वजनिक हो गई, तो बड़े-बड़े लोगों को पद से हटा दिया जाएगा। यकीन मानिए, मेरे प्रिय मित्र, मैंने उन्हें इतना अड़ियल कभी नहीं देखा।’
“लेकिन सार्वजनिक कार्यक्रम,” कोर्सिका के सरकारी कर्मचारी ने विरोध जताते हुए कहा, “इसे तो बदलना ही होगा। जब तक वह व्यक्ति पकड़ा नहीं जाता, तब तक उसे सार्वजनिक रूप से कहीं भी पेश नहीं होना चाहिए। उसे निश्चित रूप से...”
‘वह कुछ भी रद्द नहीं करेगा। एक घंटे या एक मिनट का भी बदलाव नहीं होगा। सारा काम पूरी तरह से गुप्त रूप से किया जाना चाहिए।’
फरवरी में इकोले मिलिटेयर हत्याकांड के षड्यंत्रकारियों की गिरफ्तारी के साथ ही इसके विफल होने के बाद से पहली बार एलेक्जेंड्रे सांगुइनेटी को लगा कि वह वहीं लौट आए हैं जहां से उन्होंने शुरुआत की थी। पिछले दो महीनों में, बैंक डकैतियों और लूटपाट की लहर से जूझते हुए, उन्होंने यह उम्मीद की थी कि सबसे बुरा दौर बीत चुका है। ओएएस का तंत्र भीतर से एक्शन सर्विस और बाहर से पुलिस और सीआरएस के भारी दबाव के कारण बिखर रहा था, ऐसे में उन्होंने अपराध की इस लहर को गुप्त सेना की अंतिम पीड़ा के रूप में देखा था, जिसमें मुट्ठी भर बदमाश निर्वासन में आराम से जीवन बिताने के लिए पर्याप्त धन जुटाने की कोशिश कर रहे थे।

लेकिन रोलैंड की रिपोर्ट के आखिरी पन्ने से यह स्पष्ट हो गया कि रोलैंड ने ओएएस के उच्चतम रैंकों में भी जितने भी डबल एजेंट घुसपैठ कराने में कामयाबी हासिल की थी, वे हत्यारे की गुमनामी के आगे नाकाम हो गए थे। रोम के एक होटल में तीन लोग मिले जो वहां मौजूद नहीं थे। रोलैंड ने खुद देखा कि ओएएस से किसी भी तरह से जुड़े हर व्यक्ति के दस्तावेजों का विशाल संग्रह, जिस पर गृह मंत्रालय आमतौर पर जानकारी के लिए भरोसा करता था, एक साधारण तथ्य के कारण बेकार हो गया था। जैकाल एक विदेशी था।
'अगर हमें कार्रवाई करने की अनुमति नहीं है, तो हम क्या कर सकते हैं?' ‘मैंने यह नहीं कहा कि हमें कार्रवाई करने की अनुमति नहीं है,’ फ्रे ने सुधार करते हुए कहा। ‘मैंने कहा कि हमें सार्वजनिक रूप से कार्रवाई करने की अनुमति नहीं है। यह सब गुप्त रूप से किया जाना चाहिए। इससे हमारे पास केवल एक ही विकल्प बचता है। हत्यारे की पहचान गुप्त जांच के माध्यम से उजागर की जानी चाहिए, उसे फ्रांस या विदेश में कहीं भी खोजा जाना चाहिए, और फिर बिना किसी संकोच के उसे नष्ट कर दिया जाना चाहिए।’
‘...और बिना किसी संकोच के नष्ट कर दिया गया। महोदय, यही एकमात्र रास्ता हमारे पास बचा है।’
गृह मंत्री ने अपने शब्दों के प्रभाव को समझने के लिए मंत्रालय के सम्मेलन कक्ष में मेज के चारों ओर बैठे सभी लोगों का जायजा लिया। कमरे में उनके सहित चौदह लोग मौजूद थे।
मंत्री मेज के सबसे आगे खड़े थे। उनके ठीक दाहिनी ओर उनके मुख्य कैबिनेट अधिकारी बैठे थे, और उनके बाईं ओर पुलिस प्रमुख, फ्रांस के पुलिस बलों के राजनीतिक प्रमुख बैठे थे।
सैंगुइनेटी के दाहिनी ओर से आयताकार मेज की लंबाई में जनरल गुइबाउड, एसडीईसीई के प्रमुख, कर्नल रोलैंड, एक्शन सर्विस के प्रमुख और उस रिपोर्ट के लेखक, जिसकी एक प्रति प्रत्येक व्यक्ति के सामने रखी थी, बैठे थे। रोलैंड के पीछे कोर डे सेक्यूरिटी प्रेसिडेंशियल के कमिश्नर ड्यूक्रेट और एलिसी स्टाफ के वायु सेना कर्नल सेंट-क्लेयर डी विलाउबन थे, जो एक कट्टर गॉलिस्ट थे, लेकिन राष्ट्रपति के दल में अपनी महत्वाकांक्षा के प्रति उतने ही कट्टर होने के लिए भी जाने जाते थे।

पुलिस प्रमुख श्री मौरिस पापोन के बाईं ओर फ्रांस की राष्ट्रीय अपराध बल, सुरेते नेशनेल के महानिदेशक श्री मौरिस ग्रिमाउड और एक पंक्ति में सुरेते के अंतर्गत आने वाले पांच विभागों के प्रमुख बैठे थे।
उपन्यासकारों द्वारा अपराध-निवारण बल के रूप में सराहे जाने के बावजूद, राष्ट्रीय पुलिस बल (Sûreté Nationale) वास्तव में एक छोटा और सीमित कर्मचारियों वाला कार्यालय है जो उन पांच अपराध शाखाओं को नियंत्रित करता है जो वास्तव में काम करती हैं। राष्ट्रीय पुलिस बल का कार्य प्रशासनिक है, ठीक उसी तरह जैसे गलत तरीके से वर्णित इंटरपोल का है, और राष्ट्रीय पुलिस बल के कर्मचारियों में कोई जासूस नहीं है।
फ्रांस की राष्ट्रीय जासूस बल के एक अधिकारी, जो उनके निजी आदेशों के अधीन थे, मौरिस ग्रिमाउड के बगल में बैठे थे। वे मैक्स फर्नेट थे, जो पुलिस ज्यूडिशियरी के निदेशक थे। क्वाइ डेस ओरफेव्रेस पर स्थित अपने विशाल मुख्यालय के अलावा, जो गृह मंत्रालय से कुछ ही दूरी पर स्थित 11 रुए डेस सौसैस स्थित पुलिस बल के मुख्यालय से कहीं बड़ा है, पुलिस ज्यूडिशियरी सत्रह क्षेत्रीय सेवाओं के मुख्यालयों को नियंत्रित करती है, जिनमें से प्रत्येक मेट्रोपॉलिटन फ्रांस के सत्रह पुलिस जिलों के लिए एक है। इनके अंतर्गत 453 नगर पुलिस बल आते हैं, जिनमें चौहत्तर केंद्रीय आयुक्त, 253 निर्वाचन क्षेत्र आयुक्त और 126 स्थानीय पुलिस चौकी शामिल हैं। यह पूरा नेटवर्क फ्रांस के दो हजार कस्बों और गांवों में फैला हुआ है। यह अपराध नियंत्रण बल है। ग्रामीण क्षेत्रों और राजमार्गों पर कानून व्यवस्था बनाए रखने का सामान्य कार्य राष्ट्रीय जेंडरमेरी और यातायात पुलिस, जेंडरमेस मोबाइल्स द्वारा किया जाता है। कई क्षेत्रों में, कार्यकुशलता के लिए, जेंडरमेस और पुलिस एजेंट एक ही आवास और सुविधाओं का उपयोग करते हैं। 1963 में मैक्स फर्नेट के अधीन पुलिस ज्यूडिशियरी में कुल पुरुषों की संख्या बीस हजार से कुछ अधिक थी।
फर्नेट के बाईं ओर से टेबल के नीचे दौड़ते हुए सोरेटे के अन्य चार वर्गों के प्रमुख थे: ब्यूरो डी सेक्यूरिटे पब्लिक, रेंसिग्नेमेंट्स गेनेरॉक्स, डायरेक्शन डे ला सर्विलांस डु टेरिटोइरे, और कॉर्प्स रिपब्लिकेन डी सेक्यूरिटे।
इनमें से पहला, बीएसपी (पुलिस बल), मुख्य रूप से इमारतों, संचार प्रणालियों, राजमार्गों और राज्य से संबंधित किसी भी चीज़ को तोड़फोड़ या

की तरह मुंह के कोने से धुएं के छोटे-छोटे गुबार छोड़ रहे हों। उनके बगल में बैठे वायु सेना के कर्नल हर बार धुआं निकलते देखकर सहम जाते थे।
‘अब,’ मंत्री जी ने बात जारी रखते हुए कहा, ‘मुझे लगता है कि मैं इस विषय पर आपके विचार जानना चाहूंगा। कर्नल रोलैंड, क्या वियना में आपकी जांच में कोई सफलता मिली है?’
एक्शन सर्विस के प्रमुख ने अपनी रिपोर्ट से नजरें उठाकर एसडीईसीई का नेतृत्व कर रहे जनरल की ओर तिरछी नजर डाली, लेकिन उन्हें न तो कोई प्रोत्साहन मिला और न ही कोई नाराजगी।
जनरल गुइबाउड को याद आया कि उन्होंने आधा दिन रोलैंड के सुबह-सुबह वियना कार्यालय का उपयोग अपनी खुद की जांच के लिए करने के फैसले पर आर.3 सेक्शन के प्रमुख को समझाने में बिताया था, और वह सीधे अपने सामने घूरने लगे।
‘जी हां,’ कर्नल ने कहा। ‘आज सुबह और दोपहर वियना में मौजूद कुछ लोगों ने ब्रुकनरले में स्थित एक छोटे से निजी होटल, पेंशन क्लेस्ट में पूछताछ की। वे अपने साथ मार्क रोडिन, रेने मोंटक्लेयर और आंद्रे कैसन की तस्वीरें लेकर आए थे। विक्टर कोवाल्स्की की तस्वीरें उन्हें भेजने का समय नहीं था, क्योंकि वे वियना के रिकॉर्ड में मौजूद नहीं थीं।’
होटल के डेस्क क्लर्क ने बताया कि वह कम से कम दो लोगों को पहचानता है। लेकिन वह उन्हें ठीक से बता नहीं पा रहा था। कुछ पैसों का लेन-देन हुआ और उसे होटल के रजिस्टर में 12 से 18 जून के बीच के दिनों की जानकारी खोजने के लिए कहा गया, क्योंकि 18 जून वह दिन था जब ओएएस के तीनों प्रमुख रोम में एक साथ रहने लगे थे।
अंततः उन्होंने दावा किया कि उन्हें रोडिन का चेहरा एक ऐसे व्यक्ति के रूप में याद आया जिसने 15 जून को शुल्ज़ के नाम से एक कमरा बुक किया था। क्लर्क ने बताया कि दोपहर में उनकी एक व्यावसायिक बैठक थी, उन्होंने उस कमरे में रात बिताई और अगले दिन चले गए।
उन्हें याद आया कि शुल्ज़ का एक साथी था, एक बहुत बड़ा और चिड़चिड़ा स्वभाव वाला आदमी, इसीलिए उन्हें शुल्ज़ याद आया। सुबह दो लोग उनसे मिलने आए थे और उन्होंने बातचीत की थी। वे दोनों कैसन और मोंटक्लेयर हो सकते थे। वे निश्चित रूप से नहीं कह सकते थे, लेकिन उन्हें लगा कि उन्होंने उनमें से कम से कम एक को पहले देखा था।

क्लर्क ने बताया कि वे लोग दिनभर अपने कमरे में ही रहे, सिवाय एक बार सुबह देर से जब शुल्ज़ और वह विशालकाय व्यक्ति, जिसे वह कोवाल्स्की कहता था, आधे घंटे के लिए बाहर गए थे। उनमें से किसी ने भी दोपहर का भोजन नहीं किया और न ही वे खाने के लिए नीचे आए।
“क्या उनसे मिलने कोई पाँचवाँ व्यक्ति भी आया था?” सैंगुइनेटी ने अधीरता से पूछा। रोलैंड ने पहले की तरह ही सपाट स्वर में अपनी रिपोर्ट जारी रखी। शाम के समय एक और आदमी आधे घंटे के लिए उनके साथ शामिल हो गया। क्लर्क ने कहा कि उसे याद है क्योंकि आगंतुक इतनी जल्दी होटल में दाखिल हुआ और सीधे सीढ़ियों से ऊपर चला गया कि क्लर्क को उसे देखने का मौका ही नहीं मिला। उसने सोचा कि वह मेहमानों में से ही कोई होगा, जिसने अपनी चाबी अपने पास रखी होगी। लेकिन उसने उस आदमी के कोट का पिछला हिस्सा सीढ़ियों से ऊपर जाते हुए देखा। कुछ ही सेकंड बाद वह आदमी वापस हॉल में आ गया। क्लर्क को कोट की वजह से यकीन हो गया कि वह वही आदमी था।
उस व्यक्ति ने डेस्क पर रखे फोन का इस्तेमाल किया और शुल्ज़ के कमरे, कमरा नंबर 64, से बात कराने का अनुरोध किया। उसने फ्रेंच में दो वाक्य बोले, फिर फोन वापस रखकर सीढ़ियों से ऊपर चला गया। उसने वहाँ आधा घंटा बिताया, फिर बिना कुछ कहे चला गया। उसके लगभग एक घंटे बाद, शुल्ज़ से मिलने आए अन्य दो लोग अलग-अलग चले गए। शुल्ज़ और वह विशालकाय व्यक्ति रात भर वहीं रुके, फिर सुबह नाश्ते के बाद चले गए।
क्लर्क उस शाम के आगंतुक का केवल इतना ही वर्णन कर सका: लंबा, उम्र अनिश्चित, चेहरे की बनावट देखने में तो सामान्य थी लेकिन उसने चारों ओर से घेरने वाला काला चश्मा पहना हुआ था, वह धाराप्रवाह फ्रेंच बोलता था, और उसके सुनहरे बाल काफी लंबे थे जो माथे से पीछे की ओर कंघी किए हुए थे। 'क्या उस आदमी से गोरी लड़की की हूबहू पहचान वाली तस्वीर बनवाने की कोई संभावना है?' पुलिस प्रमुख पापोन ने पूछा।
रोलैंड ने अपना सिर हिलाया।
‘हमारे एजेंट वियना के सादे कपड़ों वाले पुलिसकर्मियों के रूप में पेश आ रहे थे। सौभाग्य से उनमें से एक वियनावासी जैसा दिख रहा था। लेकिन यह एक ऐसा भेस था जिसे अनिश्चित काल तक बनाए रखना संभव नहीं था। उस व्यक्ति से होटल के डेस्क पर पूछताछ करनी पड़ी।’

‘हमें इससे बेहतर विवरण चाहिए,’ अभिलेख कार्यालय के प्रमुख ने विरोध जताते हुए कहा। ‘क्या किसी का नाम लिया गया था?’
‘नहीं,’ रोलैंड ने कहा। ‘जो कुछ आपने अभी सुना है, वह क्लर्क से तीन घंटे की पूछताछ का नतीजा है। हर बात पर बार-बार चर्चा की गई। उसे इसके अलावा कुछ और याद नहीं है। अगर वह उसकी हूबहू तस्वीर न दे पाए, तो यही सबसे सटीक विवरण है जो वह दे सकता है।’
‘क्या आप उसे आर्गौद की तरह अगवा नहीं कर सकते, ताकि वह पेरिस में इस हत्यारे की एक तस्वीर बना सके?’ कर्नल सेंट-क्लेयर ने पूछा।
मंत्री ने बीच में ही हस्तक्षेप किया।
‘अब और ऐसी घटनाएं नहीं होनी चाहिए। आर्गौड अपहरण मामले को लेकर जर्मन विदेश मंत्रालय के साथ हमारा अभी भी कड़ा विरोध जारी है। इस तरह की हरकतें एक बार तो चल सकती हैं, लेकिन दोबारा नहीं।’
'निश्चित रूप से इतने गंभीर मामले में एक डेस्क क्लर्क के गायब होने को अर्गौड मामले की तुलना में अधिक सावधानी से अंजाम दिया जा सकता है?' डीएसटी के प्रमुख ने सुझाव दिया।
मैक्स फर्नेट ने शांत स्वर में कहा, "वैसे भी, यह संदेहजनक है कि काले रंग के चश्मे पहने किसी व्यक्ति की हूबहू तस्वीर कितनी मददगार साबित होगी। दो महीने पहले बीस सेकंड तक चली एक मामूली घटना के आधार पर बनाई गई बहुत कम हूबहू तस्वीरें ही अपराधी के पकड़े जाने पर उससे मिलती-जुलती दिखती हैं। ऐसी अधिकतर तस्वीरें लगभग पांच लाख लोगों की हो सकती हैं और कुछ तो वास्तव में भ्रामक होती हैं।"
कमिश्नर डुक्रेट ने कहा, “तो कोवाल्स्की के अलावा, जो मर चुका है और जिसने अपनी सारी जानकारी बता दी, जो कि बहुत कम थी, दुनिया में केवल चार लोग हैं जो इस सियार की पहचान जानते हैं। एक तो वह खुद है, और बाकी तीन रोम के एक होटल में हैं। क्या हम उनमें से किसी एक को वापस यहाँ लाने की कोशिश कर सकते हैं?”
मंत्री जी ने एक बार फिर अपना सिर हिलाया।
‘इस संबंध में मेरे निर्देश औपचारिक हैं। अपहरण की घटनाएं वर्जित हैं। अगर वाया कोंडोटी से कुछ ही गज की दूरी पर इस तरह की घटना घटी तो इतालवी सरकार बौखला जाएगी। इसके अलावा, इसकी व्यावहारिकता को लेकर भी कुछ संदेह हैं। जनरल?’

जनरल गुइबाउड ने सभा की ओर अपनी निगाहें उठाईं।
उन्होंने कहा, “मेरे एजेंटों की रिपोर्ट के अनुसार, जो रोडिन और उसके दो साथियों पर लगातार नज़र रख रहे हैं, उन्होंने अपने चारों ओर जो सुरक्षा घेरा बनाया है, उसकी सीमा और गुणवत्ता व्यावहारिक दृष्टिकोण से भी इसे असंभव बना देती है। उनके चारों ओर आठ उच्च श्रेणी के पूर्व लीजन बंदूकधारी तैनात हैं, या सात, अगर कोवाल्स्की को बदला नहीं गया है। सभी लिफ्ट, सीढ़ियाँ, आग से बचने का रास्ता और छत पहरा दे रहे हैं। उनमें से किसी एक को भी ज़िंदा पकड़ने के लिए एक भीषण गोलीबारी करनी पड़ेगी, जिसमें शायद गैस ग्रेनेड और सबमशीन गन का इस्तेमाल होगा। तब भी, इटालियंस के हिंसक आक्रमण के बीच उस व्यक्ति को देश से बाहर निकालकर पाँच सौ किलोमीटर उत्तर में फ्रांस पहुँचाने की संभावना बहुत कम होगी। हमारे पास ऐसे लोग हैं जो इस तरह के मामलों में दुनिया के कुछ शीर्ष विशेषज्ञ हैं, और वे कहते हैं कि कमांडो शैली के सैन्य अभियान के बिना यह लगभग असंभव होगा।”
कमरे में फिर से सन्नाटा छा गया।
मंत्री जी ने कहा, 'अच्छा, सज्जनों, क्या आपके पास और कोई सुझाव हैं?'
‘इस सियार को ढूंढना ही होगा। यह तो स्पष्ट है,’ कर्नल सेंट-क्लेयर ने उत्तर दिया। मेज के चारों ओर बैठे कुछ अन्य लोगों ने एक-दूसरे की ओर देखा और एक-दो भौंहें ऊपर उठाईं।
मेज के शीर्ष पर बैठे मंत्री ने धीमी आवाज़ में कहा, 'यह तो बिल्कुल स्पष्ट है। हम एक ऐसा तरीका खोजने की कोशिश कर रहे हैं जिससे यह काम हमारे ऊपर लगाई गई सीमाओं के भीतर किया जा सके, और शायद इसी आधार पर हम यह तय कर सकें कि यहां मौजूद विभागों में से कौन सा विभाग इस काम के लिए सबसे उपयुक्त होगा।'
सेंट-क्लेयर ने बड़े गर्व से घोषणा की, 'जब सभी उपाय विफल हो जाएं, तो अंततः राष्ट्रपति सुरक्षा कोर और राष्ट्रपति के निजी कर्मचारियों पर ही उनकी सुरक्षा निर्भर करेगी। मंत्री जी, मैं आपको आश्वस्त कर सकता हूं कि हम अपना कर्तव्य निभाएंगे।'
कुछ कट्टर पेशेवर लोगों ने बनावटी थकान का भाव दिखाते हुए अपनी आँखें बंद कर लीं। कमिश्नर ड्यूक्रेट ने कर्नल को ऐसी निगाह से देखा कि अगर नज़रें जान ले सकतीं, तो सेंट-क्लेयर वहीं गिर पड़ता।

'क्या उसे पता नहीं है कि बूढ़ा आदमी सुन नहीं रहा है?' गुइबाउड ने धीमी आवाज़ में रोलैंड से कहा।
रोजर फ्रे ने अपनी निगाहें उठाकर एलिसी पैलेस के दरबारी की आंखों में आंखें मिलाईं और यह प्रदर्शित किया कि वह मंत्री क्यों थे।
‘कर्नल सेंट-क्लेयर बिलकुल सही हैं,’ उन्होंने धीरे से कहा। ‘हम सब अपना कर्तव्य निभाएंगे। और मुझे पूरा यकीन है कि कर्नल को यह बात समझ में आ गई होगी कि अगर कोई विभाग इस साजिश को नाकाम करने की जिम्मेदारी लेता है और उसमें नाकाम हो जाता है, या अनजाने में भी ऐसी विधियों का इस्तेमाल करता है जिनसे राष्ट्रपति की इच्छा के विरुद्ध प्रचार हो, तो नाकाम होने वाले पर निश्चित रूप से निंदा का पहाड़ टूट पड़ेगा।’
लंबी मेज के ऊपर मंडराता खतरा, बोवियर के पाइप से निकलने वाले नीले धुएं के गुबार से कहीं अधिक स्पष्ट था। सेंट-क्लेयर का पतला, पीला चेहरा स्पष्ट रूप से तनावग्रस्त हो गया और चिंता उसकी आँखों में झलक रही थी।
कमिश्नर डुक्रेट ने स्पष्ट शब्दों में कहा, 'हम सभी यहां राष्ट्रपति सुरक्षा कोर के सीमित अवसरों से अवगत हैं। हम अपना समय राष्ट्रपति के बिल्कुल निकट बिताते हैं। जाहिर है, यह जांच मेरे कर्मचारियों के लिए अपने प्राथमिक कर्तव्यों की उपेक्षा किए बिना कहीं अधिक व्यापक होनी चाहिए।' किसी ने भी उनका विरोध नहीं किया, क्योंकि प्रत्येक विभाग प्रमुख को पता था कि राष्ट्रपति के सुरक्षा प्रमुख की बात सच थी। लेकिन कोई भी यह नहीं चाहता था कि मंत्रियों की नज़र उन पर पड़े। रोजर फ्रे ने मेज के चारों ओर देखा और अंत में धुएं से घिरे कमिश्नर बूवियर के भारी-भरकम शरीर पर अपनी निगाहें टिका दीं।
‘बोवियर, तुम क्या सोचते हो? तुमने अभी तक कुछ नहीं कहा?’
जासूस ने धीरे से अपने मुंह से पाइप निकाला, किसी तरह सुगंधित धुएं की एक फुहार सेंट-क्लेयर के चेहरे पर छोड़ी, जो उसकी ओर मुड़ गया था, और शांत भाव से कुछ सरल तथ्य बताए जो अभी-अभी उसके दिमाग में आए थे।
‘मंत्री जी, मुझे ऐसा लगता है कि एसडीईसीई ओएएस में अपने एजेंटों के ज़रिए इस व्यक्ति का खुलासा नहीं कर सकता, क्योंकि ओएएस को भी नहीं पता कि वह कौन है; एक्शन सर्विस उसे नष्ट नहीं कर सकती, क्योंकि उन्हें नहीं पता कि किसे नष्ट करना है। डीएसटी उसे सीमा पर नहीं पकड़ सकता, क्योंकि उन्हें नहीं पता कि किसे रोकना है और आरजी हमें उसके बारे में कोई दस्तावेज़ी जानकारी

नहीं दे सकता, क्योंकि उन्हें नहीं पता कि किन दस्तावेज़ों की तलाश करनी है। पुलिस उसे गिरफ्तार नहीं कर सकती, क्योंकि उन्हें नहीं पता कि किसे गिरफ्तार करना है, और सीआरएस उसका पीछा नहीं कर सकता, क्योंकि उन्हें नहीं पता कि वे किसका पीछा कर रहे हैं। नाम के अभाव में फ्रांस के सुरक्षा बलों की पूरी संरचना शक्तिहीन है। इसलिए मुझे लगता है कि पहला काम, जिसके बिना बाकी सभी प्रस्ताव अर्थहीन हो जाते हैं, इस व्यक्ति का नाम पता करना है। नाम से हमें चेहरा मिलता है, चेहरे से पासपोर्ट, पासपोर्ट से गिरफ्तारी। लेकिन नाम का पता लगाना, और वह भी गुप्त रूप से, विशुद्ध जासूसी का काम है।’ वह फिर चुप हो गया और अपनी पाइप की डंडी को अपने दांतों के बीच दबा लिया। उसने जो कहा था, वह मेज के चारों ओर बैठे सभी लोगों ने समझ लिया था। किसी को भी उसमें कोई कमी नहीं मिली। मंत्री के बगल में खड़े सांगुइनेटी ने धीरे से सिर हिलाया।
‘और, कमिश्नर साहब, फ्रांस का सबसे बेहतरीन जासूस कौन है?’ मंत्री ने धीमी आवाज़ में पूछा। बोवियर ने कुछ पल सोचा, फिर अपनी पाइप निकाल ली।
‘फ्रांस का सबसे बेहतरीन जासूस, महोदय, मेरा अपना डिप्टी, कमिश्नर क्लाउड लेबेल है।’
गृह मंत्री ने कहा, 'उसे बुलाओ।'

# भाग दो

# किसी अपराधी की तलाश की संरचना

अध्याय दस
एक घंटे बाद क्लाउड लेबेल सम्मेलन कक्ष से स्तब्ध और अचंभित होकर बाहर निकले। पचास मिनट तक उन्होंने गृह मंत्री से आगामी कार्य के बारे में जानकारी सुनी थी।
कमरे में प्रवेश करते ही उन्हें मेज के अंतिम छोर पर बैठने का आदेश दिया गया, जहाँ वे सीआरएस के प्रमुख और अपने स्वयं के प्रमुख, बूवियर के बीच में बैठे थे। अन्य चौदह लोगों से छुपकर उन्होंने रोलैंड की रिपोर्ट पढ़ी, जबकि उन्हें इस बात का पूरा एहसास था कि चारों ओर से उत्सुक निगाहें उन्हें परख रही हैं।
रिपोर्ट नीचे रखते ही उनके मन में चिंता जाग उठी। उन्हें क्यों बुलाया गया? तभी मंत्री जी बोलने लगे। यह न तो कोई परामर्श था और न ही कोई अनुरोध। यह एक निर्देश था, जिसके बाद विस्तृत जानकारी दी गई। वे अपना खुद का कार्यालय स्थापित करेंगे; उन्हें सभी आवश्यक सूचनाओं तक असीमित पहुंच प्राप्त होगी; मेज के चारों ओर बैठे लोगों के नेतृत्व वाले संगठनों के सभी संसाधन उनके लिए उपलब्ध होंगे। खर्च की कोई सीमा नहीं होगी।
उन्हें कई बार पूर्ण गोपनीयता की आवश्यकता, स्वयं राष्ट्राध्यक्ष के आदेश का बार-बार स्मरण कराया गया था। यह सुनकर उनका हृदय बैठ गया। वे असंभव की मांग कर रहे थे – नहीं, असंभव की मांग कर रहे थे। उनके पास कोई सुराग नहीं था। अभी तक कोई अपराध नहीं हुआ था। कोई सुराग नहीं था। तीन गवाहों को छोड़कर, जिनसे वे बात नहीं कर सकते थे, कोई गवाह नहीं था। बस एक नाम, एक सांकेतिक नाम, और पूरी दुनिया में खोजबीन करनी थी।
क्लॉड लेबेल, जैसा कि वह खुद जानता था, एक अच्छा पुलिसवाला था। वह हमेशा से एक अच्छा पुलिसवाला रहा था - धीमा, सटीक, व्यवस्थित और मेहनती। कभी-कभार ही उसमें प्रेरणा की वह चमक दिखाई देती थी जो एक अच्छे पुलिसवाले को एक असाधारण जासूस में बदल देती है। लेकिन वह इस तथ्य को कभी नहीं भूला था कि पुलिस के काम में निन्यानवे प्रतिशत मेहनत नियमित, साधारण पूछताछ, जाँच-पड़ताल और बार-बार जाँच करने में लगती है, मेहनत से अलग-अलग हिस्सों का जाल बुनना जब तक कि वे हिस्से मिलकर एक पूरा रूप न बन जाएँ, पूरा एक जाल न बन जाए, और अंत में वह जाल अपराधी को घेर ले। मामला न केवल सुर्खियाँ बटोरता है बल्कि अदालत में भी टिकता है।

पुलिस विभाग में उन्हें एक सुस्त, व्यवस्थित व्यक्ति के रूप में जाना जाता था, जो प्रचार से नफरत करते थे और उन्होंने कभी भी उस तरह की प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं की थी, जिन पर उनके कुछ सहयोगियों ने अपनी प्रतिष्ठा बनाई थी। फिर भी, वे लगातार तरक्की करते रहे, अपने मामलों को सुलझाते रहे और अपराधियों को सजा दिलाते रहे। तीन साल पहले जब ब्रिगेड क्रिमिनेल के हत्या विभाग के प्रमुख का पद खाली हुआ, तो इस पद के लिए कतार में खड़े अन्य लोगों ने भी सहमति जताई कि लेबेल को यह पद मिलना उचित था। हत्या विभाग में उनका रिकॉर्ड अच्छा और स्थिर था और तीन वर्षों में उन्होंने कभी भी गिरफ्तारी कराने में असफल नहीं हुए, हालांकि एक बार आरोपी को तकनीकी खामी के कारण बरी कर दिया गया था।
हत्या विभाग के प्रमुख के रूप में, वह पूरे ब्रिगेड के प्रमुख और एक पुराने ख्यालों वाले पुलिस अधिकारी, मौरिस बोवियर की नजरों में आ गए थे। इसलिए जब कुछ हफ्ते पहले डुपू की अचानक मौत हो गई, तो बोवियर ने ही लेबेल को अपना नया डिप्टी बनाने का अनुरोध किया था। पुलिस विभाग में कुछ लोगों को शक था कि बोवियर, जो अक्सर प्रशासनिक कामों में उलझे रहते थे, एक ऐसे शांत स्वभाव वाले अधीनस्थ को पसंद करते थे जो बड़े और चर्चित मामलों को चुपचाप संभाल सके, बिना अपने वरिष्ठ की प्रसिद्धि छीने। लेकिन शायद वे सिर्फ ज्यादा ही सोच रहे थे।
मंत्रालय में हुई बैठक के बाद रोलैंड रिपोर्ट की प्रतियां मंत्री के तिजोरी में सुरक्षित रख दी गईं। केवल लेबेल को ही बोवियर की प्रति रखने की अनुमति दी गई थी। उनकी एकमात्र गुजारिश यह थी कि उन्हें उन प्रमुख देशों की आपराधिक जांच एजेंसियों के प्रमुखों से गोपनीय रूप से सहयोग लेने की अनुमति दी जाए, जिनके पास जैकाल जैसे पेशेवर हत्यारे की पहचान से संबंधित फाइलें होने की संभावना थी। उन्होंने बताया कि ऐसे सहयोग के बिना, खोज शुरू करना भी असंभव होगा।
सैंगुइनेटी ने पूछा था कि क्या ऐसे लोग चुप रहने पर भरोसा कर सकते हैं। लेबेल ने जवाब दिया कि वह उन लोगों को व्यक्तिगत रूप से जानता है जिनसे उसे संपर्क करना है, और उसकी पूछताछ आधिकारिक नहीं होगी बल्कि पश्चिमी दुनिया के अधिकांश शीर्ष पुलिस अधिकारियों के बीच मौजूद व्यक्तिगत संपर्क के आधार पर होगी। कुछ विचार-विमर्श के बाद मंत्री ने अनुरोध स्वीकार कर लिया।

से हाथ मिलाया और सीढ़ियों से नीचे उतर गए। बोवियर ने लेबेल के कंधे पर हल्के से हाथ रखा।
‘अरे, ठीक है, मेरे प्यारे क्लाउड। तो बात ये है, है ना? ठीक है, मैंने ही सुझाव दिया था कि पीजे इस मामले को संभाले। यही एकमात्र उपाय था। बाकी लोग तो बस गोलमोल बातें करते रहते। चलो, कार में बात करते हैं।’ वह आगे-आगे चलने लगा और दोनों आंगन में खड़ी सिट्रोएन कार की पिछली सीट पर बैठ गए। नौ बज चुके थे और न्यूइली पर फैला गहरा बैंगनी धब्बा ही दिन का एकमात्र बचा हुआ निशान था। बूवियर की कार एवेन्यू डी मैरिग्नी से होते हुए प्लेस क्लेमेंसो की ओर तेज़ी से बढ़ी। लेबेल ने दाईं ओर देखा और चैंप्स एलिसीज़ की शानदार नदी को निहारा, जिसकी भव्यता गर्मियों की रात में उसे दस साल बाद भी आश्चर्यचकित और रोमांचित करती थी।
अंत में बोवियर ने बोलना शुरू किया।
आपको अपना सारा काम छोड़ना होगा। सब कुछ। डेस्क पूरी तरह खाली कर दीजिए। मैं आपके लंबित मामलों को संभालने के लिए फेवियर और माल्कोस्ट को नियुक्त कर रहा हूँ। क्या आपको इस काम के लिए एक नया कार्यालय चाहिए?
नहीं, मैं अपने वर्तमान वाले से ही संतुष्ट रहना पसंद करता हूँ।
ठीक है, लेकिन अब से यह ऑपरेशन 'सियार की खोज' का मुख्यालय होगा। और कुछ नहीं। ठीक है? क्या आपको किसी की मदद चाहिए?
'हां, कैरन,' लेबेल ने कहा, जो उन युवा निरीक्षकों में से एक का जिक्र कर रहे थे जिन्होंने उनके साथ हत्या विभाग में काम किया था और जिन्हें वह ब्रिगेड क्रिमिनले के सहायक प्रमुख के रूप में अपनी नई नौकरी में लाए थे।
‘ठीक है, आपके पास कैरन है। कोई और है?’
'नहीं, धन्यवाद। लेकिन कैरन को यह जानना ही होगा।'
बोवियर ने कुछ पल सोचा।
‘सब ठीक हो जाएगा। वे चमत्कार की उम्मीद नहीं कर सकते। ज़ाहिर है, आपके पास एक सहायक होना चाहिए। लेकिन उसे एक-दो घंटे तक मत बताना। मैं दफ्तर पहुँचकर फ्रे को फोन करके औपचारिक मंजूरी ले लूँगा। वैसे, किसी और को जानने की ज़रूरत नहीं है। अगर यह बात बाहर फैल गई, तो दो दिन के अंदर ही प्रेस में आ जाएगी।’
'कैरन के अलावा और कोई नहीं,' लेबेल ने कहा।

“बॉन। एक आखिरी बात। बैठक से निकलने से पहले सांगुइनेटी ने सुझाव दिया था कि आज रात यहाँ मौजूद सभी लोगों को नियमित अंतराल पर प्रगति और घटनाक्रम की जानकारी दी जाए। फ्रे सहमत हो गए। फर्नेट और मैंने इसे रोकने की कोशिश की, लेकिन हम असफल रहे। अब से हर शाम मंत्रालय में आपको एक ब्रीफिंग देनी होगी। ठीक दस बजे।”
‘हे भगवान,’ लेबेल ने कहा।
‘सैद्धांतिक रूप से,’ बोवियर ने भारी व्यंग्य के साथ आगे कहा, ‘हम सभी अपनी सर्वोत्तम सलाह और सुझाव देने के लिए उपलब्ध रहेंगे। चिंता मत करो, अगर भेड़िये हमला करने लगें तो क्लाउड, फर्नेट और मैं भी वहाँ मौजूद रहेंगे।’ 'क्या यह अगले आदेश तक लागू रहेगा?' लेबेल ने पूछा।
“हाँ, ऐसा ही लगता है। दिक्कत ये है कि इस ऑपरेशन के लिए कोई समय-सारणी नहीं है। आपको बस इस हत्यारे को बिग चार्ल्स तक पहुँचने से पहले ही ढूँढना है। हमें नहीं पता कि उस आदमी के पास खुद कोई समय-सारणी है या नहीं, या हो भी सकती है। हो सकता है वो कल सुबह ही हमला कर दे, या शायद एक महीने बाद। आपको ये मानकर चलना होगा कि जब तक वो पकड़ा नहीं जाता, या कम से कम उसकी पहचान और पता नहीं चल जाता, तब तक आपको पूरी लगन से काम करना होगा। उसके बाद मुझे लगता है कि एक्शन सर्विस के लोग सब संभाल लेंगे।”
'बदमाशों का झुंड,' लेबेल ने बुदबुदाते हुए कहा।
‘मान लिया,’ बूवियर ने सहजता से कहा, ‘लेकिन इनके भी अपने फायदे हैं। हम बेहद तनावपूर्ण दौर में जी रहे हैं, मेरे प्यारे क्लाउड। सामान्य अपराधों में भारी वृद्धि के साथ-साथ अब राजनीतिक अपराध भी हो रहे हैं। कुछ चीजें तो करनी ही पड़ती हैं। वे उन्हें करते हैं। खैर, बस इस बदमाश को ढूंढने की कोशिश करो, है ना?’
कार क्वाई डेस ओरफेव्रेस में प्रवेश कर गई और पीजे के गेट से होते हुए अंदर चली गई। दस मिनट बाद क्लाउड लेबेल अपने कार्यालय में वापस आ गए। वे खिड़की के पास गए, उसे खोला और बाहर झुककर नदी के उस पार अपने सामने बाईं ओर स्थित क्वाई डेस ग्रैंड्स ऑगस्टिन्स की ओर देखने लगे। हालाँकि दोनों ओर सीन नदी की एक संकरी पट्टी थी जहाँ वह इले डे ला सिटे के चारों ओर बहती थी, फिर भी वे इतने करीब थे कि घाट के किनारे बने फुटपाथ रेस्तरां में भोजन कर रहे लोगों को देख सकें और उनकी हँसी और शराब की बोतलों के टकराने की आवाज़ सुन सकें।

यदि वह एक अलग तरह का व्यक्ति होता, तो शायद उसे यह एहसास हो जाता कि पिछले नब्बे मिनटों में उसे जो शक्तियाँ मिली हैं, उन्होंने उसे कम से कम कुछ समय के लिए यूरोप का सबसे शक्तिशाली पुलिस अधिकारी बना दिया है: कि राष्ट्रपति या गृह मंत्री के अलावा कोई भी उसकी सुविधाओं की माँग को अस्वीकार नहीं कर सकता; कि वह गुप्त रूप से सेना को लगभग जुटा सकता है। शायद उसे यह भी समझ आ जाता कि उसकी शक्तियाँ चाहे कितनी भी ऊँची क्यों न हों, वे सफलता पर निर्भर हैं; कि सफलता से वह अपने करियर को सम्मानों से भर सकता है, लेकिन विफलता में वह टूट सकता है, जैसा कि सेंट-क्लेयर डी विलाउबन ने अप्रत्यक्ष रूप से संकेत दिया था।
लेकिन अपने स्वभाव के कारण उसने इन सब बातों पर ध्यान नहीं दिया। वह सोच रहा था कि फोन पर एमिली को कैसे समझाए कि वह अगले आदेश तक घर नहीं आ रहा है। तभी दरवाजे पर दस्तक हुई।
इंस्पेक्टर माल्कोस्ट और फेवियर उन चार मामलों की फाइलें लेने आए जिन पर लेबेल उस शाम पहले बुलाए जाने से पहले काम कर रहे थे। उन्होंने आधे घंटे तक माल्कोस्ट को उन दो मामलों के बारे में जानकारी दी जो उन्हें सौंपे जा रहे थे, और फेवियर को बाकी दो मामलों के बारे में।
उनके जाने के बाद उसने गहरी साँस ली। दरवाजे पर दस्तक हुई। लुसिएन कैरन था।
उन्होंने कहना शुरू किया, ‘मुझे अभी-अभी कमिश्नर बूवियर के कार्यालय से फोन आया था। उन्होंने मुझे आपसे मिलने के लिए कहा है।’
'बिल्कुल सही। अगले आदेश तक मुझे सभी नियमित कर्तव्यों से मुक्त कर दिया गया है और एक विशेष कार्य सौंपा गया है। आपको मेरा सहायक नियुक्त किया गया है।'
उन्होंने कैरन की चापलूसी करने की जहमत नहीं उठाई और यह भी नहीं बताया कि उन्होंने युवा इंस्पेक्टर को अपना दाहिना हाथ बनाने के लिए कहा था। डेस्क का फोन बजा, उन्होंने उसे उठाया और थोड़ी देर सुना।
‘ठीक है,’ उसने बात जारी रखते हुए कहा, ‘बोवियर का कहना था कि आपको सुरक्षा मंजूरी दे दी गई है ताकि आपको इस सब के बारे में बताया जा सके। शुरुआत में, बेहतर होगा कि आप इसे पढ़ लें।’
जब कैरन डेस्क के सामने कुर्सी पर बैठकर रोलैंड की फाइल पढ़ रही थी, तब लेबेल ने अपने डेस्क से बाकी सभी फोल्डर और नोट्स हटाकर अपने पीछे

अव्यवस्थित अलमारियों पर रख दिए। यह दफ्तर फ्रांस में चल रहे सबसे बड़े तलाशी अभियान का केंद्र जैसा बिल्कुल नहीं लग रहा था। पुलिस दफ्तर कभी भी इतने साफ-सुथरे नहीं होते। लेबेल का दफ्तर भी इसका अपवाद नहीं था।
यह कमरा बारह फीट लंबा और चौदह फीट चौड़ा था, जिसकी दक्षिणी दिशा में दो खिड़कियाँ थीं। इन खिड़कियों से नदी का नजारा दिखता था और सेंट मिशेल बुलेवार्ड के आसपास बसा लैटिन क्वार्टर का चहल-पहल भरा इलाका दिखाई देता था। एक खिड़की से रात की आवाज़ें और गर्मी की सुहावनी हवा अंदर आती थी। दफ्तर में दो डेस्क थे, एक लेबेल के लिए, जिसकी पीठ खिड़की की ओर थी, और दूसरा सचिव के लिए, जो पूर्वी दीवार के साथ लगा हुआ था। दरवाजा खिड़की के ठीक सामने था।
उनके पीछे रखी दो डेस्क और दो कुर्सियों के अलावा, एक और सीधी कुर्सी थी, दरवाजे के बगल में एक आर्मचेयर थी, पश्चिम की लगभग पूरी दीवार के साथ छह बड़ी ग्रे रंग की फाइलिंग अलमारियां खड़ी थीं, जिनके ऊपरी हिस्से में संदर्भ और कानून की किताबों का एक संग्रह रखा हुआ था, और खिड़कियों के बीच में किताबों की अलमारियों का एक सेट था जो पंचांगों और फाइलों से भरा हुआ था।
घर की निशानी के तौर पर लेबेल की मेज पर केवल एक फ्रेम में लगी तस्वीर थी, जिसमें एक सुगठित और दृढ़ दिखने वाली महिला, मैडम अमेली लेबेल, और दो बच्चे थे - एक साधारण सी दिखने वाली लड़की, जिसने स्टील के फ्रेम वाला चश्मा और चोटी बना रखी थी, और एक युवक, जिसका चेहरा अपने पिता की तरह ही सौम्य और दबे हुए भावों वाला था।
कैरन ने पढ़ना समाप्त किया और ऊपर देखा।
‘Merde,’ he said.
‘जैसा कि आपने कहा, une énorme merde,’ लेबेल ने जवाब दिया, जो शायद ही कभी कड़े शब्दों का प्रयोग करते थे। पुलिस विभाग के अधिकांश शीर्ष कमिश्नरों को उनके करीबी कर्मचारी ‘le Patron’ या ‘le Vieux’ जैसे उपनामों से जानते थे, लेकिन क्लाउड लेबेल, शायद इसलिए कि वे कभी भी एक छोटी सी एपेरिटिफ़ से ज़्यादा नहीं पीते थे, धूम्रपान नहीं करते थे और गाली-गलौज नहीं करते थे, और युवा जासूसों को उनके पूर्व स्कूल शिक्षकों में से किसी एक की याद दिलाते थे, हत्या विभाग में और हाल ही में ब्रिगेड प्रमुख के प्रशासनिक

कार्यालय में ‘le Professeur’ के नाम से जाने जाते थे। अगर वे इतने अच्छे चोर पकड़ने वाले न होते, तो वे मज़ाक का पात्र बन जाते।
‘फिर भी,’ लेबेल ने आगे कहा, ‘सुनिए, मैं आपको सारी जानकारी विस्तार से बताता हूँ। यह आखिरी मौका होगा जब मेरे पास समय होगा।’
तीस मिनट तक उन्होंने कैरन को दोपहर की घटनाओं के बारे में विस्तार से बताया, जिसमें रोजर फ्रे की राष्ट्रपति से मुलाकात से लेकर मंत्रालय के कॉन्फ्रेंस रूम में हुई बैठक, मौरिस बोवियर की सिफारिश पर उन्हें अचानक बुलाए जाने और अंत में उस कार्यालय की स्थापना तक की सारी जानकारी शामिल थी, जिसे अब वे जैकाल की तलाश के मुख्यालय के रूप में इस्तेमाल कर रहे थे। कैरन चुपचाप सुनते रहे।
जब लेबेल ने अपनी बात पूरी कर ली, तो उसने अंत में कहा, 'अरे बाप रे! इन्होंने तो तुम्हें फंसा लिया है!' उसने एक पल सोचा, फिर चिंता और फिक्र से अपने सरदार की ओर देखा। 'मेरे कमिश्नर, आपको पता है कि ये आपको ये काम इसलिए दिया गया है क्योंकि कोई और इसे नहीं चाहता? आपको पता है कि अगर आप इस आदमी को समय पर नहीं पकड़ पाए तो ये आपके साथ क्या करेंगे?'
लेबेल ने थोड़ी उदासी के साथ सिर हिलाया।
'हां, लुसिएन, मुझे पता है। मैं कुछ नहीं कर सकता। मुझे यह काम सौंपा गया है। इसलिए अब हमें इसे करना ही होगा।'
लेकिन आखिर हम शुरुआत कहाँ से करें?
लेबेल ने हंसमुख भाव से जवाब दिया, 'हम इस बात को स्वीकार करते हुए शुरुआत करते हैं कि फ्रांस में दो पुलिसकर्मियों को अब तक दी गई सबसे व्यापक शक्तियां हमारे पास हैं, इसलिए हम उनका उपयोग करते हैं।'
सबसे पहले, उस डेस्क के पीछे बैठ जाओ। एक पैड लो और ये सब लिख लो। मेरी नियमित सचिव का तबादला करवा दो या उसे अगले आदेश तक सवैतनिक अवकाश दे दो। किसी और को इस राज़ की जानकारी नहीं होनी चाहिए। तुम मेरी सहायक और सचिव, दोनों का काम करोगे। आपातकालीन भंडार से एक कैंप बेड, चादरें और तकिए, नहाने-धोने और शेविंग का सामान यहाँ ले आओ। कैंटीन से कॉफी बनाने की मशीन, दूध और चीनी मंगवाकर लगा दो। हमें बहुत सारी कॉफी की ज़रूरत पड़ेगी। ‘स्विचबोर्ड पर कॉल करके उन्हें निर्देश दें कि वे दस बाहरी लाइनें और एक ऑपरेटर स्थायी रूप से इस कार्यालय के लिए उपलब्ध रखें। यदि वे आनाकानी करें, तो उन्हें व्यक्तिगत रूप से बूवियर से संपर्क करने के लिए कहें।

सुविधाओं के लिए मेरी ओर से किसी भी अन्य अनुरोध के लिए, सीधे विभाग प्रमुख से संपर्क करें और मेरा नाम बताएं। सौभाग्य से, इस कार्यालय को अब अन्य सभी सहायक सेवाओं से सर्वोच्च प्राथमिकता प्राप्त है - आदेशानुसार। एक परिपत्र ज्ञापन तैयार करें, जिसकी प्रति आज शाम की बैठक में उपस्थित प्रत्येक विभाग प्रमुख को भेजी जाए, मेरे हस्ताक्षर के लिए तैयार रखें, जिसमें यह घोषणा की जाए कि आप अब मेरे एकमात्र सहायक हैं और उनसे वह सब कुछ मांगने के लिए अधिकृत हैं जो मैं व्यक्तिगत रूप से उनसे मांगता यदि मैं नियुक्त न होता। समझ गए?’
कैरन ने लिखना समाप्त किया और ऊपर देखा।
‘समझ गया, चीफ। मैं यह काम पूरी रात कर सकता हूँ। सबसे ज़रूरी काम क्या है?’ ‘टेलीफोन स्विचबोर्ड। मुझे उस पर एक अच्छा आदमी चाहिए, जो उनके पास सबसे अच्छा हो। प्रशासनिक प्रमुख से उनके घर पर संपर्क करें, और फिर से बोवियर के हवाले से बात करें।’
‘ठीक है। हमें उनसे सबसे पहले क्या चाहिए?’
मैं चाहता हूं कि जितनी जल्दी हो सके, मुझे सात देशों की आपराधिक पुलिस के हत्या प्रभाग के प्रमुख से व्यक्तिगत रूप से सीधा संपर्क कराया जाए। सौभाग्य से, मैं उनमें से अधिकांश को इंटरपोल की पिछली बैठकों से व्यक्तिगत रूप से जानता हूं। कुछ मामलों में मैं उप प्रमुख को भी जानता हूं। अगर एक से संपर्क न हो पाए, तो दूसरे से करवा लो।
‘ये देश हैं: संयुक्त राज्य अमेरिका, यानी वाशिंगटन में घरेलू खुफिया कार्यालय। ब्रिटेन, स्कॉटलैंड यार्ड में सहायक आयुक्त (अपराध)। बेल्जियम। हॉलैंड। इटली। पश्चिम जर्मनी। दक्षिण अफ्रीका। इनसे घर पर या कार्यालय में संपर्क करें।’
जब आप उन सभी से एक-एक करके मिलें, तो इंटरपोल संचार कक्ष से मेरे और उनके बीच सुबह सात से दस बजे के बीच बीस-बीस मिनट के अंतराल पर टेलीफोन कॉल की व्यवस्था करें। इंटरपोल संचार से संपर्क करें और कॉल बुक करें, जैसे ही दूसरी तरफ मौजूद प्रत्येक हत्या प्रमुख निर्धारित समय पर अपने संचार कक्ष में उपस्थित होने के लिए सहमत हो। कॉल यूएचएफ आवृत्ति पर आमने-सामने होनी चाहिए और कोई भी बातचीत नहीं सुनेगा। उनमें से प्रत्येक को यह स्पष्ट कर दें कि मैं जो कुछ भी कह रहा हूं वह केवल उनके लिए है और न केवल फ्रांस के लिए बल्कि संभवतः उनके अपने देश के लिए भी सर्वोच्च प्राथमिकता का विषय

है। मुझे सुबह छह बजे तक बुक की गई सात कॉलों की सूची क्रमानुसार तैयार करके दें।
‘इस बीच, मैं हत्या विभाग में जाकर यह पता लगाने जा रहा हूँ कि क्या फ्रांस में किसी विदेशी हत्यारे पर संदिग्ध रूप से हत्या करने का आरोप लगा है और उसे गिरफ्तार नहीं किया गया है। मैं मानता हूँ, इस तरह का कोई मामला मेरे दिमाग में नहीं आ रहा है, और वैसे भी मुझे लगता है कि रोडिन ने अपने चयन में इससे कहीं अधिक सावधानी बरती होती। अब, क्या आप जानते हैं कि क्या करना है?’
कुछ अचंभित से दिख रहे कैरन ने अपने लिखे हुए नोट्स के कई पन्नों से नजरें ऊपर उठाईं।
जी हां, चीफ, मुझे समझ आ गया। बॉन, मुझे अब काम पर लग जाना चाहिए।’ उसने टेलीफोन की ओर हाथ बढ़ाया।
क्लॉड लेबेल दफ्तर से बाहर निकले और सीढ़ियों की ओर बढ़े। जैसे ही वे आगे बढ़े, द्वीप पर स्थित नोट्रे डेम की घड़ी में आधी रात की घंटी बजी और दुनिया 12 अगस्त की सुबह में प्रवेश कर गई।

अध्याय ग्यारह
कर्नल राउल सेंट-क्लेयर डी विलाउबन आधी रात से ठीक पहले घर पहुंचे। उन्होंने पिछले तीन घंटे गृह मंत्रालय में हुई शाम की बैठक पर अपनी रिपोर्ट को सावधानीपूर्वक टाइप करने में बिताए थे, जो सुबह सबसे पहले एलिसी पैलेस के महासचिव के डेस्क पर होगी।
उन्होंने रिपोर्ट तैयार करने में विशेष परिश्रम किया था, संतुष्ट होने से पहले दो कच्ची प्रतियां फाड़ दीं, फिर तीसरी प्रति को स्वयं सावधानीपूर्वक टाइप किया। टाइपिंग का यह तुच्छ काम उन्हें परेशान करता था और उन्हें इसकी आदत नहीं थी, लेकिन इसका एक फायदा यह था कि किसी भी सचिव से बात गुप्त रहती थी, जिसका उल्लेख उन्होंने रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से किया था, और इससे उन्हें सुबह सबसे पहले दस्तावेज़ प्रस्तुत करने के लिए तैयार रखने में भी मदद मिलती थी, जिसे वे आशा करते थे कि अनदेखा नहीं किया जाएगा। सौभाग्य से, महासचिव द्वारा पढ़े जाने के एक घंटे बाद रिपोर्ट राष्ट्रपति के डेस्क पर पहुंच जाएगी, और इससे भी उन्हें कोई नुकसान नहीं होगा।
लेखक ने सही शब्दावली का चयन करने में अतिरिक्त सावधानी बरती थी ताकि इस बात का हल्का सा संकेत मिल सके कि वह राष्ट्राध्यक्ष की सुरक्षा जैसे इतने महत्वपूर्ण मामले को एक पुलिस आयुक्त के हाथों में सौंपने के प्रति अपनी असहमति व्यक्त कर रहा है, एक ऐसा व्यक्ति जो प्रशिक्षण और अनुभव के आधार पर कम बुद्धि या प्रतिभा वाले छोटे-मोटे अपराधियों को पकड़ने का आदी है।
हद से ज्यादा आगे बढ़ना ठीक नहीं होता, क्योंकि लेबेल को अपना आदमी मिल भी सकता था। लेकिन अगर ऐसा नहीं भी होता, तो भी अच्छा ही हुआ कि उस समय कोई इतना सतर्क था कि उसे लेबेल के चुनाव की बुद्धिमत्ता पर संदेह था।
इसके अलावा, वह लेबेल को बिल्कुल भी पसंद नहीं करता था। निजी तौर पर उसका यही मत था कि वह एक साधारण सा छोटा आदमी है। रिपोर्ट में उसने यही लिखा था, 'निस्संदेह उसका रिकॉर्ड अच्छा है।'
अपने हाथ से लिखे गए पहले दो प्रतियों पर विचार करते हुए, वह इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि उनके लिए सबसे उपयुक्त स्थिति यह होगी कि वे इस पदोन्नत कांस्टेबल की नियुक्ति का शुरू में ही सीधा विरोध न करें, क्योंकि नियुक्ति पर पूरी बैठक ने सहमति दे दी थी, और यदि वे चयन का विरोध करते हैं तो उनसे विशिष्ट कारण पूछे जाएंगे; बल्कि, दूसरी ओर, राष्ट्रपति सचिवालय

की ओर से पूरी प्रक्रिया पर कड़ी नजर रखें, और जांच के संचालन में जब भी कोई खामी दिखाई दे, तो उसे उचित संयम के साथ सबसे पहले उजागर करें।
लेबेल की गतिविधियों पर नज़र रखने के सर्वोत्तम तरीकों के बारे में सोचते- सोचते सेंट-क्लेयर का ध्यान भंग हो गया। तभी सैंगुइनेटी ने फोन करके बताया कि मंत्री जी ने अंतिम समय में फैसला लिया है कि वे लेबेल से प्रगति रिपोर्ट सुनने के लिए हर शाम दस बजे बैठक करेंगे। यह खबर सुनकर सेंट-क्लेयर बहुत खुश हुए। उनकी समस्या हल हो गई। दिन में थोड़ी सी तैयारी करके वे जासूस से तीखे और प्रासंगिक सवाल पूछ सकेंगे और दूसरों को बता सकेंगे कि कम से कम राष्ट्रपति सचिवालय में तो वे स्थिति की गंभीरता और तात्कालिकता को लेकर पूरी तरह सतर्क हैं।
निजी तौर पर, अगर कोई हत्यारा मौजूद भी होता, तो भी वह हत्यारे की संभावना को बहुत कम मानते थे। राष्ट्रपति की सुरक्षा व्यवस्था विश्व में सबसे कुशल थी, और सचिवालय में उनका एक काम राष्ट्रपति के सार्वजनिक कार्यक्रमों के आयोजन और उनके यात्रा मार्गों की योजना बनाना था। उन्हें इस बात का ज़रा भी संदेह नहीं था कि इस गहन और सुनियोजित सुरक्षा व्यवस्था में कोई विदेशी बंदूकधारी सेंध लगा सकता है।
उसने अपने फ्लैट के सामने वाले दरवाजे से प्रवेश किया और अपनी नई प्रेमिका को बेडरूम से उसे पुकारते हुए सुना।
‘क्या तुम हो, प्रिय?’
'हां, प्यारी। बिल्कुल, मैं ही हूं। क्या तुम अकेली महसूस कर रही हो?'
वह बेडरूम से दौड़ती हुई आई, उसने पतली काली बेबी-डॉल नाइटी पहनी हुई थी, जिसके गले और किनारे पर लेस लगी थी। बेडरूम के खुले दरवाजे से आती बेडसाइड लैंप की अप्रत्यक्ष रोशनी ने उसके युवा शरीर की सुडौल आकृति को उभार दिया। हमेशा की तरह जब राउल सेंट-क्लेयर अपनी प्रेमिका को देखता, तो उसे इस बात का रोमांच महसूस होता कि वह उसकी है और उससे इतना गहरा प्यार करती है। हालांकि, उसका स्वभाव ऐसा था कि वह इस बात के लिए खुद को बधाई देता, न कि किसी सौभाग्यशाली घटना के लिए जिसने उन्हें मिलाया हो।
उसने अपनी नंगी बाहें उसकी गर्दन में डाल दीं और उसे लंबे समय तक खुले मुँह से चुंबन दिया। उसने भी अपना ब्रीफकेस और शाम का अखबार पकड़े हुए जितना हो सका उतना अच्छा जवाब दिया।

जब वे अलग हुए तो उसने कहा, 'चलो, बिस्तर पर लेट जाओ, मैं भी तुम्हारे साथ आ जाता हूँ।' उसने उसे जल्दी जाने के लिए उसके नितंब पर एक थप्पड़ मारा।
लड़की उछलती हुई बेडरूम में वापस गई, बिस्तर पर लेट गई और अपने हाथ-पैर फैलाकर, गर्दन के पीछे हाथ रखकर, स्तन ऊपर की ओर उठा लिए।
सेंट-क्लेयर बिना ब्रीफकेस के कमरे में दाखिल हुआ और संतुष्टि भरी नजरों से उसे देखा। उसने भी कामुक मुस्कान के साथ जवाब दिया।
दो सप्ताह के अपने साथ के दौरान जैकलीन ने यह जान लिया था कि दरबारी की निर्जीव कामुकता को जगाने के लिए केवल स्पष्ट रूप से कामुक इशारे और अश्लील वासना का सहारा लेना ही एकमात्र उपाय था। निजी तौर पर जैकलीन उससे उतनी ही नफरत करती थी जितनी पहले दिन मुलाकात के दौरान करती थी, लेकिन उसने यह भी जान लिया था कि पौरुष की कमी को वह अपनी वाक्पटुता से पूरा कर सकता था, खासकर एलिसी पैलेस में अपनी अहमियत के बारे में बोलने में।
‘जल्दी करो,’ उसने फुसफुसाते हुए कहा, ‘मैं तुम्हें चाहती हूँ।’ सेंट-क्लेयर ने सच्ची खुशी से मुस्कुराते हुए अपने जूते उतारे और उन्हें डंब वेटर के पैरों के पास अगल-बगल रख दिया। फिर जैकेट उतारी और उसकी जेबें सावधानीपूर्वक खाली करके ड्रेसिंग टेबल पर रख दीं। इसके बाद पतलून उतारी और उसे बड़े करीने से मोड़कर डंब वेटर की उभरी हुई बांह पर रख दिया। उसकी लंबी पतली टांगें कमीज के नीचे से ऐसे निकली हुई थीं मानो मूंछों वाली सफेद बुनाई की सुइयां हों।
‘आपको इतनी देर क्यों लगी?’ जैकलीन ने पूछा। ‘मैं तो कब से इंतजार कर रही थी।’
सेंट-क्लेयर ने उदास भाव से अपना सिर हिलाया।
'बिल्कुल भी ऐसी कोई बात नहीं है जिसके बारे में तुम्हें परेशान होने की जरूरत हो, मेरी प्यारी।'
‘ओह, तुम तो बड़े मतलबी हो।’ वह अचानक मुंह फेरकर, घुटने मोड़कर, बनावटी नाराज़गी जताते हुए करवट बदल ली। उसकी उंगलियाँ टाई की गांठ पर फिसल गईं, जब उसने कमरे के दूसरी ओर उसके कंधों पर बिखरे भूरे बालों और छोटी नाइटड्रेस से ढके हुए उसके भरे-भरे कूल्हों को देखा। पाँच मिनट और, और वह सोने के लिए तैयार था, मोनोग्राम वाले रेशमी पजामे के बटन लगा रहा था।

वह बिस्तर पर उसके बगल में लेट गया और अपना हाथ उसकी कमर के निचले हिस्से से नीचे उसकी कूल्हे की चोटी तक ले गया, उंगलियां चादर की ओर फिसलती हुई गर्म नितंबों के उभार के चारों ओर घूम गईं।
तो फिर बात क्या है?
'कुछ नहीं।'
मुझे लगा कि तुम प्रेम करना चाहते हो।
‘तुम मुझे कोई स्पष्टीकरण नहीं दे रहे हो। मैं तुम्हें ऑफिस में फोन नहीं कर पा रही हूँ। मैं घंटों से यहाँ लेटी हुई इस चिंता में हूँ कि कहीं तुम्हें कुछ हो न गया हो। तुमने मुझे फोन किए बिना कभी इतनी देर नहीं की।’ वह पीठ के बल लेट गई और उसकी ओर देखने लगी। उसने अपनी कोहनी का सहारा लेकर अपना खाली हाथ नाइटी के नीचे डाला और उसके एक स्तन को सहलाने लगा।
'देखो, प्रिय, मैं बहुत व्यस्त था। एक तरह का संकट आ गया था, कुछ ऐसा था जिसे मुझे छुट्टी लेने से पहले सुलझाना था। मैं फोन कर सकता था, लेकिन लोग अभी भी काम कर रहे थे, पूरे समय ऑफिस में आते-जाते रहे। उनमें से कई जानते हैं कि मेरी पत्नी बाहर गई हुई है। मेरे लिए स्विचबोर्ड के ज़रिए घर पर फोन करना अजीब लगता।'
उसने अपना हाथ उसके पायजामे की ज़िप के अंदर से निकालकर उसके ढीले लिंग को घेर लिया, और बदले में उसे एक हल्की सी कंपकंपी महसूस हुई।
'ऐसा कुछ बड़ा तो हो ही नहीं सकता था कि तुम मुझे देर से आने की सूचना न दे सको, डार्लिंग। मैं पूरी रात चिंता करती रही।'
‘खैर, अब चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। मेरे साथ ओरल सेक्स करो, तुम जानती हो मुझे यह पसंद है।’
वह हंसी, दूसरे हाथ से उसका सिर नीचे खींचकर उसके कान के निचले हिस्से पर काट लिया।
‘नहीं, वह इसके लायक नहीं है। कम से कम अभी तो नहीं।’ उसने धीरे-धीरे सख्त हो रहे लिंग को फटकारते हुए दबाया। कर्नल की साँसें काफी धीमी हो गईं।
उसने खुले मुँह से उसे चूमना शुरू कर दिया, उसका हाथ पहले एक और फिर दूसरे निप्पल को इतनी ज़ोर से मसल रहा था कि वह छटपटाने लगी।
‘मुझ पर झुक जाओ,’ वह गुर्राया।

वह थोड़ा हिली और उसने पजामा की डोरी खोल दी। राउल सेंट-क्लेयर ने उसके सिर से आगे गिरते भूरे बालों को अपने पेट को ढकते हुए देखा, फिर लेट गया और सुख से आह भरी।
उन्होंने कहा, 'ऐसा लगता है कि ओएएस अभी भी राष्ट्रपति के पीछे पड़ा है। साजिश का खुलासा आज दोपहर हुआ। इस पर कार्रवाई की जा रही है। इसी वजह से मैं यहाँ रुका रहा।'
लड़की ने अपना सिर कुछ इंच पीछे खींचते हुए हल्की सी 'प्लॉप' की आवाज की। ‘डार्लिंग, ऐसी बेवकूफी मत करो, वो तो बहुत पहले ही खत्म हो गए थे।’ वह अपने काम में वापस लग गई।
‘बिल्कुल नहीं। अब उन्होंने उसे जान से मारने की कोशिश करने के लिए एक विदेशी हत्यारे को काम पर रखा है। छी, इनके झांसे में मत आना।’
आधे घंटे बाद कर्नल राउल सेंट-क्लेयर डी विलाउबन तकिए में आधा चेहरा दबाए सो रहे थे और अपनी थकान के कारण हल्की खर्राटे ले रहे थे। उनके बगल में उनकी प्रेमिका लेटी हुई थी और अँधेरे में छत को घूर रही थी, जहाँ बाहर सड़क की रोशनी पर्दों के बीच की एक छोटी सी दरार से छनकर आ रही थी।
जो कुछ उसने सुना था, उससे वह स्तब्ध रह गई थी। हालाँकि उसे इस तरह की किसी साजिश की पहले से कोई जानकारी नहीं थी, फिर भी वह कोवाल्स्की के इकबालिया बयान के महत्व को समझ सकती थी।
वह चुपचाप तब तक इंतजार करती रही जब तक कि चमकती हुई डायल वाली बिस्तर के पास रखी घड़ी में सुबह के दो बज नहीं गए। बिस्तर से उठते हुए उसने बेडरूम के टेलीफोन एक्सटेंशन का प्लग सॉकेट से निकाल दिया।
दरवाजे की ओर जाने से पहले वह कर्नल के ऊपर झुकी और इस बात से राहत महसूस की कि वह उस तरह का आदमी नहीं था जो अपने साथी के साथ गले लगकर सोना पसंद करता हो। वह अभी भी खर्राटे ले रहा था।
बेडरूम के बाहर उसने चुपचाप दरवाजा बंद किया, बैठक कक्ष पार करके हॉल की ओर गई और वहाँ का दरवाजा भी बंद कर दिया। हॉल की मेज पर रखे फोन से उसने मोलिटर का नंबर डायल किया। कुछ मिनटों के इंतजार के बाद एक नींद भरी आवाज ने जवाब दिया। उसने दो मिनट तक तेजी से बात की, जवाब में पुष्टि मिली और उसने फोन काट दिया। एक मिनट बाद वह वापस बिस्तर पर लेट गई और सोने की कोशिश करने लगी।

पूरी रात पांच यूरोपीय देशों, अमेरिका और दक्षिण अफ्रीका की पुलिस बलों के अपराध प्रमुखों को पेरिस से लंबी दूरी की कॉल आती रहीं। उनमें से अधिकतर चिड़चिड़े और नींद में थे। पश्चिमी यूरोप में भी पेरिस की तरह ही सुबह के शुरुआती घंटे थे। वाशिंगटन में शाम के नौ बज रहे थे जब पेरिस से कॉल आई, और एफबीआई के हत्या विभाग के प्रमुख एक डिनर पार्टी में थे। कैरन ने तीसरे प्रयास में उनसे संपर्क किया, और फिर उनकी बातचीत बगल के कमरे में चल रही पार्टी में मेहमानों की बातचीत और गिलासों की खनक से बाधित हो गई। लेकिन उन्हें संदेश मिल गया और वे वाशिंगटन समय के अनुसार सुबह दो बजे एफबीआई मुख्यालय के संचार कक्ष में उपस्थित होने के लिए सहमत हो गए, ताकि कमिश्नर लेबेल का फोन उठा सकें, जो उन्हें पेरिस समय के अनुसार सुबह 8 बजे इंटरपोल से फोन करेंगे।
बेल्जियम, इटली, जर्मनी और डच पुलिस के अपराध प्रमुख सभी जाहिर तौर पर अच्छे पारिवारिक व्यक्ति थे; उन्हें बारी-बारी से जगाया गया और कुछ मिनट तक कैरन की बात सुनने के बाद वे कैरन द्वारा सुझाए गए समय पर अपने संचार कक्षों में उपस्थित रहने के लिए सहमत हो गए ताकि लेबेल से एक अत्यंत अत्यावश्यक मामले पर आमने-सामने की बातचीत कर सकें।
दक्षिण अफ्रीका के वैन रुयस शहर से बाहर थे और सूर्योदय तक मुख्यालय नहीं लौट सकते थे, इसलिए कैरन ने उनके डिप्टी एंडरसन से बात की। लेबेल को जब इस बारे में पता चला तो उन्हें कोई आपत्ति नहीं हुई क्योंकि वे एंडरसन को अच्छी तरह जानते थे, लेकिन वैन रुयस को बिल्कुल नहीं। इसके अलावा, उन्हें संदेह था कि वैन रुयस की नियुक्ति एक राजनीतिक चाल थी, जबकि एंडरसन कभी उन्हीं की तरह गश्त पर तैनात एक कांस्टेबल थे।
यह कॉल स्कॉटलैंड यार्ड के सहायक अपराध आयुक्त श्री एंथोनी मैलिनसन के बेक्सले स्थित उनके घर पर लगभग चार बजे पहुंची। उनके बिस्तर के पास लगी घंटी की लगातार बजने से वे नाराज़ होकर गुर्राए, माइक उठाया और धीरे से 'मैलिनसन' कहा।
‘श्री एंथोनी मैलिनसन?’ एक आवाज ने पूछा।
‘बोल रहा हूँ।’ उसने अपने कंधों से चादर हटाने के लिए कंधे उचकाए और अपनी घड़ी पर नज़र डाली।
'मेरा नाम इंस्पेक्टर लुसिएन कैरन है, मैं फ्रांसीसी राष्ट्रीय पुलिस बल का अधिकारी हूं। मैं कमिश्नर क्लाउड लेबेल की ओर से फोन कर रहा हूं।'

अच्छी, लेकिन लहजे में थोड़ी अलग अंग्रेज़ी बोलने वाली आवाज़ साफ़ सुनाई दे रही थी। ज़ाहिर है, उस समय फ़ोन लाइन पर भीड़ कम थी। मैलिनसन ने frowning किया। ये बदमाश लोग सभ्य समय पर फ़ोन क्यों नहीं करते?
'हाँ।'
'मुझे लगता है कि आप कमिश्नर लेबेल को जानते होंगे, शायद, श्रीमान मैलिनसन।'
मैलिनसन ने एक पल सोचा। लेबेल? ओह, हाँ, छोटा सा आदमी, पीजे में हत्या विभाग का प्रमुख था। दिखने में कुछ खास नहीं था, लेकिन नतीजे देता था। दो साल पहले उस मारे गए अंग्रेज़ पर्यटक के मामले में उसने बहुत मदद की थी। अगर उन्होंने हत्यारे को तुरंत न पकड़ा होता तो प्रेस में उसकी बहुत बदनामी हो सकती थी।
‘हां, मैं कमिश्नर लेबेल को जानता हूं,’ उसने फोन पर कहा। ‘क्या बात है?’ उनके बगल में बैठी उनकी पत्नी लिली, बातचीत से परेशान होकर, नींद में बड़बड़ा रही थी।
‘एक अत्यंत अत्यावश्यक मामला सामने आया है, जिसमें अत्यधिक सावधानी बरतने की आवश्यकता है। मैं इस मामले में कमिश्नर लेबेल की सहायता कर रहा हूँ। यह एक बहुत ही असामान्य मामला है। कमिश्नर आज सुबह नौ बजे यार्ड स्थित आपके संचार कक्ष में आपसे व्यक्तिगत रूप से बात करना चाहते हैं। क्या आप कृपया कॉल लेने के लिए उपस्थित रह सकते हैं?’
मैलिनसन ने एक पल के लिए सोचा।
उन्होंने पूछा, 'क्या यह सहयोग करने वाली पुलिस बलों के बीच एक नियमित जांच है?' अगर ऐसा होता तो वे इंटरपोल के नियमित नेटवर्क का इस्तेमाल कर सकते थे। सुबह नौ बजे यार्ड में काफी चहल-पहल रहती थी।
नहीं, श्रीमान मैलिनसन, ऐसा नहीं है। यह कमिश्नर द्वारा आपसे की गई एक व्यक्तिगत अनुरोध है जिसमें उन्होंने आपसे थोड़ी गोपनीय सहायता मांगी है। हो सकता है कि इस मामले में स्कॉटलैंड यार्ड का कोई दखल न हो। संभवतः ऐसा ही है। यदि ऐसा है, तो बेहतर होगा कि कोई औपचारिक अनुरोध न किया जाए। मैलिनसन ने इस पर विचार किया। स्वभाव से वह सतर्क व्यक्ति थे और किसी विदेशी पुलिस बल की गुप्त जांच में शामिल नहीं होना चाहते थे। अगर कोई अपराध हुआ होता, या कोई अपराधी ब्रिटेन भाग गया होता, तो यह अलग बात होती। उस स्थिति में गोपनीयता की क्या आवश्यकता थी? तभी उन्हें वर्षों पहले का

एक मामला याद आया, जिसमें उन्हें एक कैबिनेट मंत्री की बेटी को ढूंढकर वापस लाने के लिए भेजा गया था, जो एक आकर्षक युवक के साथ भटक गई थी। लड़की नाबालिग थी, इसलिए बच्चे को माता-पिता के अधिकार से वंचित करने का आरोप लगाया जा सकता था। मामला थोड़ा पेचीदा था। लेकिन मंत्री चाहते थे कि यह सारा मामला प्रेस तक न पहुंचे। जब वेरोना में उस जोड़े को रोमियो-जूलियट की तरह खेलते हुए पाया गया, तो इतालवी पुलिस ने बहुत मदद की थी। ठीक है, तो लेबेल को पुराने जान-पहचान वालों के नेटवर्क से थोड़ी मदद चाहिए थी। पुराने जान-पहचान वालों के नेटवर्क का यही तो काम होता है।
‘ठीक है, मैं कॉल उठा लूंगा। नौ बजे।’
'आपका बहुत-बहुत धन्यवाद, श्रीमान मैलिनसन।'
'शुभ रात्रि।' मैलिनसन ने रिसीवर वापस रख दिया, अलार्म घड़ी को सात के बजाय साढ़े छह बजे के लिए सेट किया और वापस सो गया।
पेरिस में भोर होते-होते एक छोटे और पुराने से कुंवारे फ्लैट में, एक अधेड़ उम्र का शिक्षक एक तंग से कमरे में इधर-उधर चहलकदमी कर रहा था। उसके आसपास का नजारा अस्त-व्यस्त था: किताबें, अखबार, पत्रिकाएं और पांडुलिपियां मेज, कुर्सियों और सोफे पर बिखरी पड़ी थीं, यहां तक कि कमरे के दूसरे कोने में बने संकरे पलंग की चादर पर भी। एक और कोने में सिंक में बिना धुले बर्तन भरे पड़े थे।
रात में टहलते समय उनके मन में जो बात बार-बार आती थी, वह उनके कमरे की अव्यवस्थित हालत नहीं थी, क्योंकि सिदी-बेल-एब्स के एक लाइसी के प्रधानाध्यापक के पद से हटाए जाने और उसके साथ मिलने वाले आलीशान घर और दो नौकरों को खो देने के बाद, उन्होंने अब जिस तरह से जीना सीख लिया था, उसी तरह जीना सीख लिया था। उनकी समस्या कहीं और थी।
पूर्वी उपनगरों में भोर होते ही, वह अंततः बैठ गया और एक अखबार उठा लिया। उसकी नज़र एक बार फिर विदेशी समाचार पृष्ठ की दूसरी मुख्य खबर पर पड़ी। शीर्षक था: 'ओएएस प्रमुख रोम के होटल में छिपे हुए हैं।' इसे अंतिम बार पढ़ने के बाद उसने मन बना लिया, सुबह की ठंड से बचने के लिए एक हल्का रेनकोट ओढ़ा और फ्लैट से निकल गया।
उसने पास के बुलेवार्ड पर एक टैक्सी पकड़ी और ड्राइवर को उसे गैरे डू नॉर्ड ले जाने का आदेश दिया। हालाँकि टैक्सी ने उसे स्टेशन के प्रांगण में

उतार दिया, लेकिन टैक्सी के जाते ही वह स्टेशन से निकलकर सड़क पार करके उस इलाके के एक रात भर खुले रहने वाले कैफे में चला गया।
उसने एक कॉफ़ी और टेलीफ़ोन के लिए एक धातु की डिस्क मंगवाई, कॉफ़ी काउंटर पर रखी और डायल करने के लिए कैफ़े के पीछे चला गया। डायरेक्टरी इन्क्वायरीज़ ने उसे इंटरनेशनल एक्सचेंज से कनेक्ट कर दिया और उसने उनसे रोम के एक होटल का नंबर पूछा। उसे साठ सेकंड के भीतर नंबर मिल गया, उसने रिसीवर वापस रखा और चला गया।
सड़क से सौ मीटर दूर एक कैफे में उसने फिर से फोन का इस्तेमाल किया, इस बार पूछताछ विभाग से यह पता करने के लिए कि निकटतम चौबीसों घंटे खुला रहने वाला डाकघर कहाँ है जहाँ से अंतरराष्ट्रीय कॉल की जा सकें। उसे बताया गया, जैसा कि उसने उम्मीद की थी, कि मुख्य रेलवे स्टेशन के ठीक कोने पर एक डाकघर है।
डाकघर में उन्होंने दिए गए रोम नंबर पर कॉल किया, उस नंबर से जुड़े होटल का नाम लिए बिना, और कॉल लगने तक बीस मिनट तक बेचैनी से इंतजार किया।
‘मैं सिग्नोर पोइटियर्स से बात करना चाहता हूं,’ उसने फोन उठाने वाली इतालवी आवाज से कहा।
‘सिग्नोर चे?’ आवाज ने पूछा।
‘फ्रांसीसी श्री पोइटियर्स। पोइटियर्स...’
‘चे?’ आवाज दोहराई गई।
‘फ्रेंच, फ्रेंच…’ पेरिस में बैठे उस आदमी ने कहा।
‘अहा, जी हाँ, श्रीमान फ्रेंच। कृपया एक क्षण प्रतीक्षा कीजिए…’
कुछ क्लिक की आवाजें आईं, फिर एक थकी हुई आवाज ने फ्रेंच में जवाब दिया। 'बहुत खूब । । ।'
पेरिस में बैठे उस आदमी ने जल्दबाज़ी में कहा, “सुनो। मेरे पास ज़्यादा समय नहीं है। एक पेंसिल लो और जो मैं कहूँ उसे लिख लो। शुरू होता है। “वाल्मी से पोइटियर्स। द जैकाल का खुलासा हुआ। दोहराओ। द जैकाल का खुलासा हुआ। कोवाल्स्की को ले जाया गया। मरने से पहले गाया। समाप्त।” समझ गए?’ ‘ओह,’ आवाज ने कहा। ‘मैं इसे आगे पहुंचा दूंगा।’
वाल्मी ने रिसीवर वापस रखा, जल्दी से बिल चुकाया और इमारत से बाहर निकल भागा। एक मिनट में ही वह स्टेशन के मुख्य हॉल से बाहर निकल रहे यात्रियों की भीड़ में खो गया। सूरज क्षितिज पर था, फुटपाथों और ठंडी रात की हवा को

गर्म कर रहा था। आधे घंटे के भीतर सुबह की खुशबू, क्रोइसैन और कॉफी की महक, धुएं, शरीर की दुर्गंध और बासी तंबाकू की गंध में गायब हो जाएगी। वाल्मी के गायब होने के दो मिनट बाद, डाकघर के बाहर एक कार आकर रुकी और डीएसटी के दो आदमी जल्दी से अंदर चले गए। उन्होंने स्विचबोर्ड ऑपरेटर से हुलिया लिया, लेकिन वह किसी का भी हुलिया हो सकता था।
रोम में, मार्क रोडिन सुबह 7:55 बजे उस व्यक्ति के कंधे हिलाने से जाग गए, जिसने रात नीचे वाले तल पर ड्यूटी डेस्क पर बिताई थी। वे तुरंत जाग गए, आधे बिस्तर से बाहर निकले हुए, तकिए के नीचे रखी बंदूक को टटोलते हुए। ऊपर पूर्व सैनिक का चेहरा देखकर वे थोड़ा शांत हुए और हल्की सी आह भरी। बगल की मेज पर एक नज़र डालने से उन्हें पता चला कि वे वैसे भी देर तक सोए रहे थे। उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में वर्षों बिताने के बाद, उनका सामान्य जागने का समय बहुत पहले हो गया था, और रोम का अगस्त का सूरज पहले ही छतों के ऊपर चढ़ चुका था। लेकिन हफ्तों की निष्क्रियता, शाम के समय मोंटक्लेयर और कैसन के साथ पिकेट खेलना, बहुत अधिक शराब पीना, और नाममात्र का भी व्यायाम न करना, इन सबने मिलकर उन्हें सुस्त और नींद से ग्रस्त बना दिया था।
‘एक संदेश है, कर्नल साहब। अभी-अभी किसी ने फोन किया था, जल्दी में लग रहा था।’
सैनिक ने एक नोटपैड से एक पन्ना निकाला जिस पर वाल्मी के कुछ अटपटे वाक्य लिखे हुए थे। रोडिन ने संदेश को एक बार पढ़ा, फिर पतली चादर वाले बिस्तर से कूदकर उठ खड़ा हुआ। उसने अपनी कमर पर सूती सारोंग लपेटी, जो वह हमेशा पहनता था और पूर्वी देशों की एक पारंपरिक पोशाक थी, और फिर से संदेश पढ़ा।
‘ठीक है। आप जा सकते हैं।’ सैनिक कमरे से बाहर निकला और नीचे चला गया। रोडिन ने कुछ सेकंड तक मन ही मन गुस्से में बड़बड़ाते हुए कागज के टुकड़े को हाथों में मसल दिया। धिक्कार है कोवाल्स्की पर।
कोवाल्स्की के लापता होने के बाद पहले दो दिनों तक उन्हें लगा कि वह बस भाग गया है। हाल ही में संगठन से कई लोग अलग हो गए थे, क्योंकि संगठन के सदस्यों में यह धारणा बन गई थी कि ओएएस अपने चार्ल्स डी गॉल को मारने और फ्रांस की वर्तमान सरकार को गिराने के उद्देश्य में विफल रहा है और आगे भी विफल रहेगा। लेकिन उन्हें हमेशा से यही लगता था कि कोवाल्स्की अंत तक वफादार रहेगा।

दिया और ब्रेड, अंडे के छिलके और कॉफी के बचे हुए हिस्से को कूड़ेदान में डाल दिया। उसकी अनुपस्थिति में कुछ भी सड़ने वाला नहीं था।
अंततः उन्होंने कपड़े पहने, जिसमें एक पतला रेशमी पोलो-नेक स्वेटर, डग्गन के नाम के निजी कागजात और सौ पाउंड नकद वाला कबूतर-धूसर रंग का सूट, गहरे भूरे रंग के मोज़े और पतले काले मोकासिन जूते शामिल थे। इस पहनावे को पूरा करने के लिए उन्होंने हमेशा की तरह काले रंग के चश्मे भी पहन लिए।
सुबह नौ बजकर पंद्रह मिनट पर उसने अपने दोनों हाथों में दो-दो बैग लेकर, फ्लैट का सेल्फ-लॉकिंग दरवाजा बंद किया और नीचे चला गया। साउथ ऑडली स्ट्रीट तक थोड़ी ही दूर पैदल चलना था और उसने कोने पर एक टैक्सी पकड़ ली। ‘लंदन एयरपोर्ट, बिल्डिंग नंबर दो,’ उसने ड्राइवर से कहा।
जैसे ही टैक्सी आगे बढ़ी, उसके फ्लैट का फोन बजने लगा।
दस बज रहे थे जब सैनिक वाया कोंडोटी के पास स्थित होटल में लौटा और रोडिन को बताया कि उसने दिए गए लंदन नंबर पर तीस मिनट तक जवाब पाने की कोशिश की, लेकिन उसे सफलता नहीं मिली।
‘क्या बात है?’ कैसन ने पूछा, जिसने रोडिन को दी गई व्याख्या सुनी थी और सैनिक को वापस गार्ड ड्यूटी पर जाते हुए देखा था। ओएएस के तीनों प्रमुख अपने सुइट के ड्राइंग रूम में बैठे थे। रोडिन ने अपनी जेब से एक कागज़ निकाला और कैसन को दे दिया।
कैसन ने उसे पढ़ा और मोंटक्लेयर को दे दिया। दोनों ने अंत में अपने नेता की ओर उत्तर की प्रतीक्षा की। कोई उत्तर नहीं मिला। रोडिन रोम की तपती छतों के पार खिड़कियों से बाहर देखते हुए, सोच में डूबे माथे को सिकोड़ते बैठे रहे।
'यह कब आया?' कैसन ने अंततः पूछा।
‘आज सुबह,’ रोडिन ने संक्षेप में उत्तर दिया।
‘तुम्हें उसे रोकना ही होगा,’ मोंटक्लेयर ने विरोध किया। ‘आधे फ्रांस के लोग उसकी तलाश में लगे होंगे।’
‘आधे फ्रांस में एक लंबे, सुनहरे बालों वाले विदेशी की तलाश जारी रहेगी,’ रोडिन ने शांत स्वर में कहा। ‘अगस्त में फ्रांस में दस लाख से अधिक विदेशी होते हैं। जहाँ तक हमें पता है, उनके पास कोई नाम, चेहरा या पासपोर्ट नहीं है। पेशेवर होने के नाते, वह शायद जाली पासपोर्ट का इस्तेमाल कर रहा होगा।

उसे पकड़ने में अभी काफी समय लगेगा। अगर वह वैल्मी को फोन करता है, तो उसे पहले से ही आगाह मिल सकता है, और फिर वह दोबारा निकल सकता है।’
मोंटक्लेयर ने कहा, 'अगर वह वैल्मी को फोन करता है, तो उसे निश्चित रूप से ऑपरेशन रद्द करने का आदेश दिया जाएगा। वैल्मी उसे आदेश देगा।'
रोडिन ने अपना सिर हिलाया।
'वैल्मी को ऐसा करने का अधिकार नहीं है। उसे आदेश है कि लड़की से जानकारी प्राप्त करे और जब जैकाल को फोन आए तो उसे वह जानकारी दे दे। वह यही करेगा, और कुछ नहीं।'
‘लेकिन सियार को खुद ही यह एहसास हो जाना चाहिए कि सब कुछ खत्म हो चुका है,’ मोंटक्लेयर ने विरोध किया। ‘जैसे ही वह पहली बार वैल्मी को फोन करे, उसे फ्रांस से निकल जाना चाहिए।’
‘सैद्धांतिक रूप से, हाँ,’ रोडिन ने सोच-समझकर कहा। ‘अगर वह ऐसा करता है तो उसे पैसे वापस करने पड़ेंगे। हम सभी के लिए, यहाँ तक कि उसके लिए भी, बहुत कुछ दांव पर लगा है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि वह अपनी योजना को लेकर कितना आश्वस्त है।’
कैसन ने पूछा, 'क्या आपको लगता है कि अब उसके पास कोई मौका है... अब जब यह सब हो चुका है?'
‘सच कहूँ तो, नहीं,’ रोडिन ने कहा। ‘लेकिन वह एक पेशेवर हैं। मैं भी अपने तरीके से पेशेवर हूँ। यह एक मानसिकता की बात है। कोई भी उस ऑपरेशन को बीच में छोड़ना पसंद नहीं करता जिसकी योजना उसने खुद बनाई हो।’
‘तो भगवान के लिए उसे वापस बुला लो,’ कैसन ने विरोध किया।
‘मैं नहीं कर सकता। अगर कर सकता तो ज़रूर करता, लेकिन नहीं कर सकता। वह जा चुका है। वह अपने रास्ते पर है। वह यही चाहता था और अब उसे मिल गया है। हमें नहीं पता कि वह कहाँ है या क्या करने वाला है। वह पूरी तरह अकेला है। मैं वाल्मी को फोन करके उसे यह आदेश भी नहीं दे सकता कि वह जैकाल को सब कुछ छोड़ने के लिए कहे। ऐसा करने से वाल्मी की पोल खुल जाएगी। अब जैकाल को कोई नहीं रोक सकता। बहुत देर हो चुकी है।’

अध्याय बारह
कमिश्नर क्लाउड लेबेल सुबह छह बजे से ठीक पहले अपने कार्यालय में वापस आए तो उन्होंने इंस्पेक्टर कैरन को थका हुआ और तनावग्रस्त पाया, जो अपनी डेस्क पर शर्ट की आस्तीन ऊपर किए बैठे थे।
उसके सामने हस्तलिखित नोट्स से भरे कई बड़े कागज़ पड़े थे। दफ्तर में कुछ बदलाव आ गए थे। फाइलिंग कैबिनेट के ऊपर एक इलेक्ट्रिक कॉफी परकोलेटर उबल रहा था, जिससे ताज़ी बनी कॉफी की मनमोहक खुशबू आ रही थी। उसके बगल में कागज़ के कपों का ढेर, बिना चीनी वाले दूध का एक डिब्बा और चीनी का एक पैकेट रखा था। ये सब रात में तहखाने की कैंटीन से ऊपर लाए गए थे।
दो डेस्कों के बीच के कोने में एक छोटा सा बिस्तर लगाया गया था, जिस पर एक मोटा कंबल बिछा हुआ था। कूड़ेदान खाली करके दरवाजे के पास वाली कुर्सी के बगल में रख दिया गया था।
खिड़की अभी भी खुली थी, कैरन की सिगरेट से निकलने वाले नीले धुएं की हल्की धुंध ठंडी सुबह में फैल रही थी। खिड़की के बाहर, आने वाले दिन की पहली किरणें सेंट सल्पिस के शिखर पर पड़ रही थीं।
लेबेल अपनी डेस्क की ओर बढ़ा और कुर्सी पर बैठ गया। हालाँकि उसे अपनी पिछली नींद से जागे हुए केवल चौबीस घंटे ही बीते थे, फिर भी वह कैरन की तरह थका हुआ लग रहा था।
‘कुछ नहीं,’ उन्होंने कहा। ‘पिछले दस सालों में मैंने हर तरह के मामले देखे हैं। यहाँ काम करने की कोशिश करने वाला इकलौता विदेशी राजनीतिक हत्यारा डेगुएल्ड्रे था, और वह मर चुका है। इसके अलावा, वह ओएएस का सदस्य था और हमारे पास उसका रिकॉर्ड था। शायद रोडिन ने ऐसे व्यक्ति को चुना है जिसका ओएएस से कोई लेना-देना नहीं है, और वह बिल्कुल सही हैं। पिछले दस सालों में फ्रांस में सिर्फ चार भाड़े के हत्यारों ने हत्या की कोशिश की – घरेलू हत्यारों को छोड़कर – और हमने तीन को पकड़ लिया। चौथा अफ्रीका में कहीं आजीवन कारावास की सजा काट रहा है। इसके अलावा, वे सभी गिरोह के हत्यारे थे, फ्रांस के राष्ट्रपति की हत्या करने की क्षमता के नहीं थे।’
मैंने सेंट्रल रिकॉर्ड्स के बार्गेरॉन से संपर्क किया और वे पूरी तरह से दोबारा जांच कर रहे हैं, लेकिन मुझे पहले से ही संदेह है कि हमारे पास इस

व्यक्ति का रिकॉर्ड नहीं है। रोडिन किसी भी हालत में उसे काम पर रखने से पहले इस बात पर जोर देते।
कैरोन ने एक और गॉलोइस सिगरेट जलाई, धुआं बाहर निकाला और आह भरी।
तो हमें विदेशी पक्ष से शुरुआत करनी होगी?
‘बिल्कुल सही। इस तरह के आदमी ने कहीं न कहीं से प्रशिक्षण और अनुभव तो हासिल किया ही होगा। अगर उसके पास कई सफल पदों का अनुभव न हो, तो वह दुनिया के शीर्ष लोगों में शामिल नहीं हो सकता। शायद राष्ट्रपति पद तो नहीं, लेकिन महत्वपूर्ण व्यक्ति, जो आम गुंडों से कहीं बड़े हों। इसका मतलब है कि वह कहीं न कहीं किसी की नजर में जरूर आया होगा। जरूर। आपने क्या इंतजाम किया है?’
कैरन ने कागज की एक शीट उठाई, जिस पर नामों की एक सूची थी और बाईं ओर के कॉलम में समय की एक श्रृंखला दी गई थी।
उन्होंने कहा, 'सातों का कार्यक्रम तय है। शुरुआत घरेलू खुफिया कार्यालय के प्रमुख से होगी, जो सुबह सात बजकर दस मिनट पर होंगे। वाशिंगटन समय के अनुसार यह सुबह एक बजकर दस मिनट होंगे। मैंने उन्हें सबसे पहले इसलिए शामिल किया क्योंकि अमेरिका में इस समय काफी देर हो चुकी होती है।'
फिर ब्रसेल्स से साढ़े सात बजे, एम्स्टर्डम से पौने आठ बजे और बॉन से सवा आठ बजे। इसके बाद जोहान्सबर्ग से साढ़े आठ बजे और स्कॉटलैंड यार्ड से नौ बजे की उड़ान तय है। अंत में रोम से साढ़े नौ बजे की उड़ान है।
'प्रत्येक मामले में हत्या के प्रमुख कौन हैं?' लेबेल ने पूछा।
या फिर समकक्ष। स्कॉटलैंड यार्ड में, अपराध विभाग के सहायक आयुक्त श्री एंथोनी मैलिनसन से बात करनी होगी। ऐसा लगता है कि मेट्रोपॉलिटन पुलिस में हत्या विभाग नहीं है। इसके अलावा, हाँ, दक्षिण अफ्रीका को छोड़कर। मुझे वैन रुयस के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पाई, इसलिए आप सहायक आयुक्त एंडरसन से बात कर रहे हैं।
लेबेल ने एक पल के लिए सोचा।
‘कोई बात नहीं। मैं एंडरसन को प्राथमिकता दूंगा। हमने एक बार एक मामले पर साथ काम किया था। भाषा का सवाल है। उनमें से तीन अंग्रेजी बोलते हैं। मुझे लगता है कि केवल बेल्जियम वाला ही फ्रेंच बोलता है। बाकी लगभग निश्चित रूप से अंग्रेजी बोल सकते हैं अगर उन्हें बोलना पड़े...’
कैरन ने बीच में टोकते हुए कहा, 'जर्मन नागरिक डायट्रिच फ्रेंच बोलता है।'

अच्छा, तो मैं उन दोनों से व्यक्तिगत रूप से फ्रेंच में बात करूँगा। बाकी पाँच के लिए मुझे आपको दुभाषिया के रूप में अतिरिक्त सहायता के लिए रखना होगा। हमें चलना चाहिए। चलो।
पौने सात बजे थे जब दो जासूसों को ले जा रही पुलिस कार छोटी सी रू पॉल वैलेरी में स्थित उस हरे रंग के साधारण से दरवाजे के बाहर आकर रुकी, जहां उस समय इंटरपोल का मुख्यालय था।
अगले तीन घंटों तक लेबेल और कैरन तहखाने के संचार कक्ष में टेलीफोन पर झुके बैठे दुनिया के शीर्ष अपराध-निरोधकों से बात करते रहे। इमारत की छत पर लगे जटिल से दिखने वाले एंटेना से उच्च आवृत्ति वाले सिग्नल तीन महाद्वीपों में फैलते हुए, समताप मंडल से भी ऊपर जाकर, ऊपर की आयनिक परत से टकराकर हजारों मील दूर पृथ्वी पर टाइलों वाली छत से निकले एल्यूमीनियम के एक अन्य डंडे तक वापस पहुँच रहे थे।
तरंगदैर्ध्य और स्क्रैम्बलर अभेद्य थे। जासूस दूसरे जासूस से बात कर रहे थे जबकि दुनिया अपनी सुबह की कॉफी या रात की आखिरी ड्रिंक पी रही थी। प्रत्येक टेलीफोन वार्ता में लेबेल की अपील लगभग एक जैसी ही थी।
नहीं, कमिश्नर साहब, मैं अभी आपकी सहायता के इस अनुरोध को हमारी दोनों पुलिस बलों के बीच आधिकारिक जांच के स्तर पर नहीं रख सकता... निश्चित रूप से मैं आधिकारिक हैसियत से काम कर रहा हूँ... बात बस इतनी है कि फिलहाल हम यह भी सुनिश्चित नहीं कर पा रहे हैं कि अपराध करने का इरादा भी बना है या तैयारी के चरण में है... यह एक सूचना का मामला है, फिलहाल पूरी तरह से सामान्य प्रक्रिया है... खैर, हम एक ऐसे व्यक्ति की तलाश कर रहे हैं जिसके बारे में हमें बहुत कम जानकारी है... नाम तक नहीं, और केवल एक अधूरा सा विवरण...
हर मामले में उन्होंने यथासंभव सटीक विवरण दिया। असली बात तो अंत में सामने आई, जब उनके सभी विदेशी सहयोगियों ने पूछा कि उनकी मदद क्यों मांगी जा रही है और वे किन सुरागों के आधार पर आगे बढ़ सकते हैं। ठीक उसी क्षण फोन के दूसरी तरफ सन्नाटा छा गया।
सीधी सी बात है; यह आदमी जो भी हो या हो, उसमें एक ऐसी खासियत जरूर होनी चाहिए जो उसे दूसरों से अलग करती हो... वह दुनिया के शीर्ष पेशेवर भाड़े के हत्यारों में से एक होना चाहिए... नहीं, कोई गिरोह का हत्यारा नहीं, बल्कि एक ऐसा राजनीतिक हत्यारा जिसके नाम कई सफल हत्याओं का रिकॉर्ड हो। हमें यह

जानने में दिलचस्पी होगी कि क्या आपके रिकॉर्ड में ऐसा कोई व्यक्ति है, भले ही उसने कभी आपके देश में काम न किया हो। या कोई भी ऐसा व्यक्ति जिसका नाम आपके दिमाग में आता हो।
स्वाभाविक रूप से दूसरी तरफ से काफी देर तक सन्नाटा छाया रहा, फिर आवाज दोबारा सुनाई दी। उसके बाद आवाज धीमी और अधिक चिंतित थी।
लेबेल को इस बात का कोई भ्रम नहीं था कि पश्चिमी दुनिया की प्रमुख पुलिस बलों के हत्या विभाग के प्रमुख उसकी बात को नहीं समझ पाएंगे, जिसका वह इशारे में जिक्र कर रहा था लेकिन बोल नहीं पा रहा था। फ्रांस में केवल एक ही ऐसा लक्ष्य था जो एक शातिर राजनीतिक हत्यारे को आकर्षित कर सकता था। बिना किसी अपवाद के, जवाब एक ही था। 'जी हां, बिल्कुल। हम आपके लिए सभी फाइलों की जांच करेंगे। मैं आज दिन खत्म होने से पहले आपसे संपर्क करने की कोशिश करूंगा। और हां, क्लाउड, आपको शुभकामनाएं।'
जब लेबेल ने आखिरी बार रेडियो-टेलीफोन रिसीवर नीचे रखा, तो वह सोचने लगा कि सातों देशों के विदेश मंत्रियों और यहां तक कि प्रधानमंत्रियों को इस मामले की जानकारी कब तक मिलेगी। शायद ज्यादा देर नहीं लगेगी। इतनी बड़ी बात तो एक पुलिसकर्मी को भी नेताओं को बतानी पड़ती है। उसे पूरा यकीन था कि मंत्री इस बारे में चुप रहेंगे। आखिर, दुनिया भर के सत्ताधारियों के बीच राजनीतिक मतभेदों से परे एक मजबूत बंधन होता है। वे सभी एक ही क्लब के सदस्य थे, शक्तिशाली लोगों का क्लब। वे आम दुश्मनों के खिलाफ एकजुट होते थे, और उनमें से किसी के लिए भी एक राजनीतिक हत्यारे की गतिविधियों से ज्यादा खतरनाक क्या हो सकता है? फिर भी वह जानता था कि अगर यह जांच सार्वजनिक हो गई और प्रेस तक पहुंच गई, तो यह पूरी दुनिया में फैल जाएगी और उसका करियर खत्म हो जाएगा।
उसे सिर्फ अंग्रेजों से ही चिंता थी। अगर मामला पुलिस के बीच ही सीमित रह सकता, तो वह मैलिनसन पर भरोसा कर लेता।
लेकिन वह जानता था कि दिन ढलने से पहले मामला मैलिनसन से भी ऊपर उठ जाएगा। चार्ल्स डी गॉल द्वारा ब्रिटेन को कॉमन मार्केट से बाहर किए जाने के सात महीने ही बीते थे, और जनरल की 14 जनवरी की प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद, लंदन विदेश कार्यालय, जो लेबेल की जानकारी के अनुसार राजनीति से दूर रहने वाला संगठन था, ने फ्रांसीसी राष्ट्रपति के खिलाफ राजनीतिक संवाददाताओं के

माध्यम से भड़काऊ बयानबाजी का अभियान चला दिया था। क्या अब वे इसका इस्तेमाल उस बूढ़े आदमी से बदला लेने के लिए करेंगे?
लेबेल ने अपने सामने मौजूद अब शांत हो चुके ट्रांसमीटर पैनल को कुछ पल के लिए घूर कर देखा। कैरन चुपचाप उसे देखता रहा।
‘चलो,’ छोटे कमिश्नर ने स्टूल से उठकर दरवाजे की ओर बढ़ते हुए कहा, ‘नाश्ता कर लेते हैं और थोड़ी नींद लेने की कोशिश करते हैं। अब हम और कुछ नहीं कर सकते।’
सहायक आयुक्त एंथोनी मैलिनसन ने गंभीर भाव से भौंहें चढ़ाते हुए टेलीफोन नीचे रखा और सुबह की ड्यूटी पर आने वाले युवा पुलिसकर्मी के अभिवादन का जवाब दिए बिना संचार कक्ष से बाहर निकल गए। ऊपर अपने विशाल लेकिन सादे ढंग से सुसज्जित कार्यालय में जाते समय भी उनकी भौंहें चढ़ी हुई थीं, जहाँ से टेम्स नदी का नज़ारा दिखता था।
लेबेल किस तरह की जांच कर रहा था, इस बारे में उसके मन में कोई संदेह नहीं था, न ही उसके ऐसा करने के पीछे के मकसद के बारे में। फ्रांसीसी पुलिस को किसी तरह की सूचना मिली थी कि एक कुख्यात हत्यारा फरार है और इसका उन पर असर पड़ रहा है। जैसा कि लेबेल ने खुद से अनुमान लगाया था, यह समझना बहुत आसान था कि अगस्त 1963 में फ्रांस में उस तरह के हत्यारे का एकमात्र संभावित निशाना कौन हो सकता है। उसने एक अनुभवी पुलिसकर्मी होने के नाते लेबेल की इस दुविधा पर विचार किया।
'बेचारा,' उसने खिड़की के नीचे तटबंध के किनारे बहती हुई गर्म और धीमी नदी को घूरते हुए जोर से कहा।
'सर?' उनके निजी सहायक ने पूछा, जो उनके पीछे-पीछे कार्यालय में आया था ताकि सुबह की डाक को, जिस पर उनका ध्यान देने की आवश्यकता थी, अखरोट की लकड़ी की मेज पर रख सके।
‘कुछ नहीं।’ पीए के जाने के बाद भी मैलिनसन खिड़की से बाहर देखता रहा। क्लाउड लेबेल के लिए भले ही उसे सहानुभूति हो, जो आधिकारिक तौर पर तलाशी अभियान चलाए बिना अपने राष्ट्रपति की रक्षा करने की कोशिश कर रहा था, लेकिन उसके भी अपने आका थे। देर-सवेर उन्हें लेबेल के उस सुबह के अनुरोध के बारे में बताना ही था। आधे घंटे में दस बजे विभागाध्यक्षों की दैनिक बैठक थी। क्या उसे वहाँ इसका ज़िक्र करना चाहिए?

अंततः उन्होंने ऐसा न करने का निर्णय लिया। आयुक्त को एक औपचारिक लेकिन गोपनीय ज्ञापन लिखकर लेबेल के अनुरोध की प्रकृति का विवरण देना ही पर्याप्त होगा। गोपनीयता की आवश्यकता के कारण, यदि आवश्यक हो, तो बाद में यह स्पष्ट किया जा सकेगा कि सुबह की बैठक में इस मामले को क्यों नहीं उठाया गया था। इस बीच, यह खुलासा किए बिना कि जांच क्यों की जा रही है, जांच पूरी करने में कोई नुकसान नहीं होगा।
वह डेस्क के पीछे अपनी सीट पर बैठ गया और इंटरकॉम के बटनों में से एक को दबा दिया।
‘सर?’ बगल वाले कार्यालय से उनके सहायक कर्मचारी की आवाज आई।
‘जॉन, एक मिनट के लिए अंदर आओगे क्या?’
गहरे भूरे रंग का सूट पहने युवा जासूस निरीक्षक हाथ में नोटबुक लिए अंदर आया।
‘जॉन, मैं चाहता हूँ कि तुम सेंट्रल रिकॉर्ड्स से संपर्क करो। चीफ सुपरिटेंडेंट मार्खम से व्यक्तिगत रूप से बात करो। उन्हें बताओ कि यह अनुरोध मेरी ओर से व्यक्तिगत रूप से है, और मैं इस समय इसका कारण नहीं बता सकता। उनसे कहो कि वे इस देश में मौजूद सभी ज्ञात जीवित पेशेवर हत्यारों के रिकॉर्ड की जाँच करें...’
‘हत्यारे, महोदय?’ सहायक आयुक्त ने ऐसा दिखाया मानो उसने सभी ज्ञात मंगलवासियों की नियमित जाँच करने के लिए कहा हो।
'जी हां, हत्यारे। मैं दोहराता हूं, मैं नहीं कह रहा, आम गुंडे नहीं जो अंडरवर्ल्ड में किसी झगड़े में किसी की हत्या कर देते हैं या ऐसा करने में सक्षम माने जाते हैं। जॉन, ये राजनीतिक हत्यारे हैं, ऐसे आदमी या व्यक्ति जो पैसों के लिए किसी कड़ी सुरक्षा वाले राजनेता या राजनीतिज्ञ की हत्या करने में सक्षम हैं।'
'ये तो स्पेशल ब्रांच के ग्राहकों की तरह लग रहे हैं, महोदय।'
'हां, मुझे पता है। मैं यह सारा मामला स्पेशल ब्रांच को सौंपना चाहता हूं। लेकिन पहले हमें एक सामान्य जांच कर लेनी चाहिए। और हां, मुझे दोपहर तक किसी भी तरह का जवाब चाहिए। ठीक है?'
'जी सर। मैं इस पर काम शुरू कर देता हूँ।'
पंद्रह मिनट बाद सहायक आयुक्त मैलिनसन सुबह की कॉन्फ्रेंस में अपनी सीट पर बैठ गए।

जब वह अपने कार्यालय लौटे, तो उन्होंने डाक के पन्ने पलटे, उसे मेज के एक तरफ रख दिया और सहायक को टाइपराइटर लाने का आदेश दिया। अकेले बैठकर उन्होंने महानगर पुलिस आयुक्त के लिए एक संक्षिप्त रिपोर्ट टाइप की। इसमें उनके घर पर सुबह हुई कॉल, सुबह नौ बजे इंटरपोल लिंक के माध्यम से हुई आमने-सामने की बातचीत और लेबेल की पूछताछ की प्रकृति का संक्षेप में उल्लेख किया गया था। उन्होंने ज्ञापन के निचले भाग को खाली छोड़ दिया और उसे अपनी मेज में बंद करके दिन के काम में जुट गए।
बारह बजने से कुछ ही देर पहले पीए ने दरवाजा खटखटाया और अंदर प्रवेश किया। उन्होंने कहा, ‘सुपरिटेंडेंट मार्खम अभी-अभी सीआरओ से बात कर रहे थे। लगता है कि क्रिमिनल रिकॉर्ड्स में ऐसा कोई नहीं है जो इस विवरण से मेल खाता हो। सर, अंडरवर्ल्ड के सत्रह जाने-माने कॉन्ट्रैक्ट किलर हैं; दस जेल में हैं और सात फरार हैं। लेकिन वे सभी बड़े गिरोहों के लिए काम करते हैं, या तो यहाँ या मुख्य शहरों में। सुपरिटेंडेंट का कहना है कि इनमें से कोई भी किसी आने वाले राजनेता के खिलाफ कार्रवाई के लिए उपयुक्त नहीं है। उन्होंने स्पेशल ब्रांच का भी सुझाव दिया है, सर।’
‘ठीक है, जॉन, धन्यवाद। मुझे बस यही चाहिए था।’
पीए को बर्खास्त किए जाने के बाद, मैलिनसन ने अपनी दराज से आधा-अधूरा मेमो निकाला और उसे टाइपराइटर में वापस डाल दिया। नीचे उन्होंने लिखा:
'जांच के बाद आपराधिक रिकॉर्ड विभाग ने बताया कि कमिश्नर लेबेल द्वारा प्रस्तुत विवरण से मेल खाने वाला कोई भी व्यक्ति उनकी फाइलों में नहीं मिला। इसके बाद जांच सहायक कमिश्नर, विशेष शाखा को सौंप दी गई।'
उन्होंने ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए और उसकी शीर्ष तीन प्रतियां ले लीं। शेष प्रतियां वर्गीकृत कचरे के लिए कूड़ेदान में डाल दी गईं, जिन्हें बाद में लाखों टुकड़ों में काटकर नष्ट कर दिया जाएगा।
एक प्रति उन्होंने मोड़कर लिफाफे में डाली और कमिश्नर के पते पर भेज दी।
दूसरी प्रति उन्होंने 'गुप्त पत्राचार' वाली फाइल में रख दी और उसे दीवार में लगे तिजोरी में बंद कर दिया। तीसरी प्रति उन्होंने मोड़कर अपनी जेब में रख ली।
उसने अपनी डेस्क पर रखे नोटपैड पर एक संदेश लिखा।
‘प्रति: आयुक्त क्लाउड लेबेल, उप महानिदेशक, न्यायिक पुलिस, पेरिस।’

‘प्रेषक: सहायक आयुक्त एंथोनी मैलिनसन, ए.सी. क्राइम, स्कॉटलैंड यार्ड, लंदन।’
‘संदेश: आज आपकी पूछताछ के बाद, आपराधिक अभिलेखों की पूरी जांच से हमें इस प्रकार के किसी भी व्यक्ति की जानकारी नहीं मिली है, कृपया प्रतीक्षा करें। अनुरोध आगे की जांच के लिए विशेष शाखा को भेज दिया गया है, कृपया प्रतीक्षा करें। कोई भी उपयोगी जानकारी आपको जल्द से जल्द दी जाएगी, कृपया प्रतीक्षा करें। मैलिनसन।’
‘भेजने का समय: . . . 12.8.63।’
साढ़े बारह बज चुके थे। उन्होंने फोन उठाया और जब ऑपरेटर ने जवाब दिया, तो उन्होंने स्पेशल ब्रांच के प्रमुख, असिस्टेंट कमिश्नर डिक्सन से बात करने के लिए कहा।
‘हैलो, एलेक? टोनी मैलिनसन। क्या आप मुझे एक मिनट दे सकते हैं? मुझे बहुत खुशी होगी, लेकिन नहीं दे सकता। मुझे दोपहर के भोजन में सिर्फ एक सैंडविच ही खाना पड़ेगा। आज का दिन कुछ ऐसा ही होने वाला है। नहीं, मैं बस जाने से पहले आपसे कुछ मिनट बात करना चाहता हूँ। ठीक है, अच्छा, मैं अभी आता हूँ।’ कार्यालय से गुजरते समय उसने कमिश्नर के नाम से संबोधित लिफाफा पीए की मेज पर रख दिया।
मैं बस एसबी के डिक्सन से मिलने जा रहा हूँ। जॉन, क्या तुम यह जानकारी कमिश्नर के कार्यालय तक पहुँचा दोगे? व्यक्तिगत रूप से। और यह संदेश प्राप्तकर्ता तक पहुँचा दो। इसे सही शैली में स्वयं टाइप कर लो।
'जी सर।' मैलिनसन डेस्क के ऊपर खड़ा रहा जबकि जासूस निरीक्षक की निगाहें संदेश पर दौड़ रही थीं। संदेश के अंत तक पहुँचते ही उसकी निगाहें चौड़ी हो गईं।
‘जॉन…’
'महोदय?'
और कृपया इसके बारे में चुप रहें।
'जी श्रीमान।'
‘बिल्कुल शांत रहो, जॉन।’
'बिल्कुल नहीं, महोदय।'

मैलिनसन ने उसे हल्की सी मुस्कान दी और दफ्तर से निकल गया। पीए ने लेबेल को संदेश दोबारा पढ़कर सुनाया, उस सुबह रिकॉर्ड्स विभाग से मैलिनसन के लिए की गई पूछताछ को याद किया, खुद ही सब कुछ समझ लिया और धीरे से कहा, 'अरे बाप रे!' मैलिनसन ने डिक्सन के साथ बीस मिनट बिताए और इस तरह एक-दूसरे के आगामी क्लब लंच को पूरी तरह से बर्बाद कर दिया। उन्होंने आयुक्त को लिखे ज्ञापन की शेष प्रति विशेष शाखा के प्रमुख को सौंप दी। जाते समय उन्होंने दरवाजे पर हाथ रखकर दरवाज़े की चौखट पर मुड़ा।
'माफ़ करना, एलेक, लेकिन यह काम तुम्हारे लिए ज़्यादा उपयुक्त है। लेकिन अगर मुझसे पूछो, तो इस देश में शायद ही कोई उस स्तर का व्यक्ति हो, इसलिए रिकॉर्ड की अच्छी तरह से जाँच कर लो और लेबेल को टेलेक्स करके बता दो कि हम मदद नहीं कर सकते। मुझे कहना पड़ेगा कि इस बार मुझे उसकी नौकरी पर तरस नहीं आता।'
सहायक आयुक्त डिक्सन, जिनका काम अन्य बातों के अलावा ब्रिटेन के उन सभी सनकी और सनकी लोगों पर नज़र रखना था जो किसी आगंतुक राजनेता की हत्या करने की कोशिश कर सकते थे, साथ ही देश में बसे हुए दर्जनों कड़वे और चिड़चिड़े विदेशियों पर भी, लेबेल की स्थिति की असंभवता को और भी गहराई से महसूस कर रहे थे। घरेलू और आगंतुक राजनेताओं को असंतुलित कट्टरपंथियों से बचाना अपने आप में काफी मुश्किल था, लेकिन कम से कम उन पर आमतौर पर भरोसा किया जा सकता था क्योंकि वे उनके अपने अनुभवी पेशेवरों के दल के सामने नाकाम हो जाते थे।
अपने ही देश के राष्ट्राध्यक्ष को सख्त पूर्व सैनिकों के एक स्थानीय संगठन का निशाना बनाना और भी बुरा था। फिर भी, फ्रांसीसियों ने ओएएस को हरा दिया था। एक पेशेवर के तौर पर, डिक्सन ने इसके लिए उनकी प्रशंसा की। लेकिन एक विदेशी पेशेवर को नियुक्त करना एक अलग मामला था। डिक्सन के दृष्टिकोण से, इसके पक्ष में केवल एक ही बात कही जा सकती थी; इससे संभावनाएं इतनी कम हो गईं कि उन्हें कोई संदेह नहीं था कि स्पेशल ब्रांच के रिकॉर्ड में लेबेल जिस काबिलियत के व्यक्ति की तलाश कर रहे थे, वैसा कोई अंग्रेज नहीं मिलेगा।
मैलिनसन के जाने के बाद, डिक्सन ने ज्ञापन की कार्बन कॉपी पढ़ी। फिर उन्होंने अपने सहायक कर्मचारी को बुलाया।

‘कृपया डिटेक्टिव सुपरिंटेंडेंट थॉमस को बता दें कि मैं उनसे यहाँ ठीक 2 बजे मिलना चाहता हूँ।’ उन्होंने अपनी घड़ी पर नज़र डाली और अनुमान लगाया कि कम समय में होने वाले दोपहर के भोजन के समय में उन्हें कितना समय लगेगा… ‘ठीक 2 बजे।’
जैकाल बारह बजने के ठीक बाद ब्रुसेल्स नेशनल एयरपोर्ट पर उतरा। उसने अपने तीन मुख्य सामान टर्मिनल भवन में एक स्वचालित लॉकर में रख दिए और अपने साथ केवल एक थैला ले गया जिसमें उसका निजी सामान, प्लास्टर ऑफ पेरिस, रुई के पैड और पट्टियाँ थीं। मुख्य स्टेशन पर पहुँचकर उसने टैक्सी को मना कर दिया और सामान रखने वाले कार्यालय में चला गया।
बंदूक वाला फाइबर सूटकेस अभी भी उसी शेल्फ पर था जहाँ उसने एक हफ्ते पहले क्लर्क को उसे रखते देखा था। उसने वापसी की पर्ची दिखाई और बदले में उसे सूटकेस वापस मिल गया।
स्टेशन से कुछ ही दूरी पर उसे एक छोटा और गंदा होटल मिला, जो दुनिया भर के सभी मुख्य रेलवे स्टेशनों के आसपास मौजूद होटलों जैसा ही था, जहां कोई सवाल नहीं पूछा जाता, लेकिन बहुत सारे झूठ बोले जाते हैं।
उसने रात के लिए एक कमरा बुक किया, हवाई अड्डे पर बेल्जियम की मुद्रा बदलवाकर अग्रिम भुगतान किया और अपना सामान खुद कमरे में ले गया। दरवाज़ा सुरक्षित रूप से बंद करने के बाद, उसने ठंडे पानी से भरा एक बेसिन भरा, प्लास्टर और पट्टियाँ बिस्तर पर फैला दीं और काम में जुट गया।
प्लास्टर सूखने में दो घंटे से ज़्यादा का समय लगा। इस दौरान वह अपना भारी पैर और टांग एक स्टूल पर टिकाकर बैठा रहा, फिल्टर सिगरेट पीता रहा और शयनकक्ष की खिड़की से दिखने वाली छतों की मैली-कुचैली कतार को देखता रहा। कभी-कभी वह अपने अंगूठे से प्लास्टर को छूकर देखता और हर बार उसे थोड़ा और सूखने देता।
जिस फाइबर सूटकेस में पहले बंदूक रखी थी, वह खाली पड़ा था। बची हुई पट्टियाँ और थोड़ा सा प्लास्टर, जो बचा था, उसे हैंड-ग्रिप में दोबारा पैक कर दिया गया, ताकि ज़रूरत पड़ने पर छोटी-मोटी मरम्मत की जा सके। जब वह आखिरकार तैयार हो गया, तो उसने सस्ते फाइबर सूटकेस को बिस्तर के नीचे सरका दिया, कमरे में किसी भी आखिरी निशान की जाँच की, ऐशट्रे को खिड़की से बाहर फेंक दिया और जाने की तैयारी करने लगा।

प्लास्टर लगने के बाद उसे लगा कि लंगड़ाकर चलना एक स्वाभाविक नाटक बन गया है। सीढ़ियों से नीचे पहुँचकर उसे राहत मिली जब उसने देखा कि गंदा और नींद में डूबा हुआ दिखने वाला डेस्क क्लर्क डेस्क के पीछे वाले कमरे में था, जहाँ वह सियार के आने पर था। दोपहर का भोजन होने के कारण वह खाना खा रहा था, लेकिन सामने के काउंटर तक जाने वाला धुंधला शीशे वाला दरवाजा खुला हुआ था। सामने के दरवाजे पर एक नज़र डालकर यह सुनिश्चित करने के बाद कि कोई अंदर नहीं आ रहा है, सियार ने अपना हैंडकेस सीने से चिपका लिया, चारों पैरों पर झुक गया और टाइलों वाले हॉल में तेज़ी से और चुपचाप सरपट भागा। गर्मी के कारण सामने का दरवाजा खुला था और वह सड़क की ओर जाने वाली तीन सीढ़ियों के ऊपर सीधा खड़ा हो सका, जिससे वह डेस्क क्लर्क की नज़र से बच गया।
वह दर्द से कराहते हुए सीढ़ियों से नीचे उतरा और सड़क पर चलते हुए उस कोने तक पहुँचा जहाँ से मुख्य सड़क गुजरती थी। आधे मिनट के भीतर ही एक टैक्सी ने उसे देख लिया और वह हवाई अड्डे की ओर वापस चल पड़ा।
वह पासपोर्ट हाथ में लिए अलितालिया काउंटर पर पहुंचा। लड़की ने उसे देखकर मुस्कुरा दिया।
उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि आपने दो दिन पहले डुग्गन के नाम पर मिलान के लिए एक टिकट आरक्षित कराया था।'
उसने मिलान जाने वाली दोपहर की फ्लाइट की बुकिंग चेक की। फ्लाइट डेढ़ घंटे में रवाना होने वाली थी।
'जी हां,' उसने मुस्कुराते हुए कहा। 'मिस्टर डग्गन। टिकट आरक्षित तो हो गया था, लेकिन भुगतान नहीं हुआ था। क्या आप इसका भुगतान करना चाहेंगे?'
जैकाल ने दोबारा नकद भुगतान किया, उसे टिकट जारी किया गया और बताया गया कि उसे एक घंटे में बुलाया जाएगा। एक तत्पर कुली की मदद से, जिसने उसके प्लास्टर लगे और लंगड़ाते पैर पर थोड़ी नाराज़गी जताई, उसने लॉकर से अपने तीन सूटकेस निकाले, उन्हें अलितालिया को सौंप दिया, सीमा शुल्क बैरियर से गुजरा, जहाँ से यह देखते हुए कि वह बाहर जाने वाला यात्री था, केवल पासपोर्ट की जाँच की जा रही थी, और शेष एक घंटा यात्री प्रस्थान लाउंज से जुड़े रेस्तरां में देर से लेकिन स्वादिष्ट दोपहर के भोजन का आनंद लेते हुए बिताया।
फ्लाइट से जुड़े सभी लोग उनके पैर की वजह से उनके प्रति बहुत दयालु और सहानुभूतिपूर्ण थे। उन्हें बस से विमान तक ले जाया गया और जब वे दर्द से

कराहते हुए विमान के दरवाजे तक सीढ़ियाँ चढ़े तो सभी ने चिंता से उन्हें देखा। प्यारी इतालवी एयर होस्टेस ने उनका मुस्कुराते हुए स्वागत किया और उन्हें विमान के बीच में आमने-सामने वाली सीटों में से एक में आराम से बैठा दिया। उन्होंने बताया कि वहाँ पैरों को फैलाने के लिए ज़्यादा जगह है। अन्य यात्रियों ने अपनी सीटों पर बैठते समय प्लास्टर लगे पैर से न टकराने का पूरा ध्यान रखा, जबकि सियार अपनी सीट पर आराम से लेटा रहा और बहादुरी से मुस्कुराता रहा।
4:15 बजे विमान ने उड़ान भरी और जल्द ही मिलान की ओर दक्षिण दिशा में तेजी से बढ़ने लगा।
सुपरिटेंडेंट ब्रायन थॉमस तीन बजे से ठीक पहले असिस्टेंट कमिश्नर के कार्यालय से बाहर निकले, और बेहद निराश महसूस कर रहे थे। न केवल उनकी गर्मियों की सर्दी अब तक की सबसे खराब और लगातार सर्दी थी, बल्कि उन्हें सौंपा गया नया काम भी उनका पूरा दिन बर्बाद कर चुका था।
सोमवार की सुबह बेहद खराब रही थी; पहले तो उसे पता चला कि उसके एक आदमी को सोवियत व्यापार प्रतिनिधिमंडल ने चकमा दे दिया था, जिसका उसे पीछा करना था, और सुबह के मध्य तक उसे एमआई-5 से एक अंतरविभागीय शिकायत मिली जिसमें उसके विभाग से विनम्रतापूर्वक सोवियत प्रतिनिधिमंडल को छोड़ देने का अनुरोध किया गया था, जो इस बात का स्पष्ट संकेत था कि एमआई-5 के विचार में यह पूरा मामला उन्हीं पर छोड़ देना बेहतर होगा।
सोमवार दोपहर हालात और भी बदतर लग रहे थे। किसी भी पुलिसकर्मी को, चाहे वह स्पेशल ब्रांच का हो या नहीं, राजनीतिक हत्यारे के साये से ज़्यादा नापसंद शायद ही कुछ हो। लेकिन अपने वरिष्ठ अधिकारी से मिले अनुरोध के मामले में, उन्हें आगे बढ़ने के लिए कोई नाम तक नहीं दिया गया था।
‘नाम तो नहीं पता, लेकिन मुझे डर है कि यहाँ बहुत सारे पैक-ड्रिल हैं,’ डिक्सन ने इस विषय पर चुटीला जवाब दिया था। ‘कोशिश करो कि कल तक इसे निपटा लो।’
कार्यालय पहुँचते ही थॉमस ने चिढ़कर कहा, 'पूरी छानबीन करो!' हालाँकि ज्ञात संदिग्धों की सूची बेहद छोटी होगी, फिर भी उन्हें और उनके विभाग को फाइलों, राजनीतिक गड़बड़ी के रिकॉर्ड, दोषसिद्धि और आपराधिक शाखा के विपरीत, मात्र संदेहों की जाँच में घंटों लग जाएँगे। हर चीज़ की जाँच करनी होगी। डिक्सन की ब्रीफिंग में केवल एक ही उम्मीद की किरण थी: वह व्यक्ति एक

पेशेवर ऑपरेटर होगा, न कि उन अनगिनत सनकी व्यापारियों में से एक, जो किसी भी विदेशी राजनेता की यात्रा से पहले और उसके दौरान स्पेशल ब्रांच का काम मुश्किल बना देते थे।
उन्होंने दो जासूस निरीक्षकों को बुलाया, जिनके बारे में उन्हें पता था कि वे इस समय कम प्राथमिकता वाले शोध कार्य में लगे हुए हैं। उन्होंने उनसे कहा कि वे अपना काम छोड़कर, जैसा कि उन्होंने खुद किया था, उनके कार्यालय में रिपोर्ट करें। उन्हें दी गई उनकी जानकारी डिक्सन द्वारा दी गई जानकारी से संक्षिप्त थी। उन्होंने केवल उन्हें यह बताया कि वे क्या खोज रहे हैं, लेकिन कारण नहीं बताया। फ्रांसीसी पुलिस को यह संदेह था कि ऐसा व्यक्ति जनरल डी गॉल की हत्या करने की साजिश रच रहा होगा, जिसका स्कॉटलैंड यार्ड की विशेष शाखा के अभिलेखागार और अभिलेखों की छानबीन से कोई लेना- देना नहीं था।
उन तीनों ने मेजों पर लंबित कागजी कार्रवाई पूरी की और आराम से बैठ गए। जैकाल का विमान मिलान के लिनेट हवाई अड्डे पर शाम छह बजे के कुछ ही देर बाद उतरा। चौकस एयर होस्टेस ने उसे सीढ़ियों से नीचे रनवे तक पहुँचाया और ग्राउंड होस्टेस में से एक उसे मुख्य टर्मिनल भवन तक ले गई। कस्टम्स में ही उसके सूटकेस से बंदूक के पुर्जों को निकालकर कम संदिग्ध तरीके से ले जाने की विस्तृत तैयारी रंग लाई। पासपोर्ट की जाँच तो बस एक औपचारिकता थी, लेकिन जैसे ही कार्गो होल्ड से सूटकेस कन्वेयर बेल्ट पर सरपट दौड़ने लगे और कस्टम्स बेंच पर रखे जाने लगे, जोखिम बढ़ने लगे।
सियार ने एक कुली को बुलाया जिसने तीनों मुख्य सूटकेसों को एक पंक्ति में अगल-बगल रख दिया। सियार ने अपना हाथ उनके बगल में रख दिया। उसे लंगड़ाते हुए बेंच की ओर जाते देख, सीमा शुल्क अधिकारियों में से एक धीरे-धीरे चलकर उसके पास आया।
‘महाराज? क्या यही आपका सारा सामान है?’
'जी हां, ये तीन सूटकेस और ये छोटा सा डिब्बा।'
‘क्या आपको कुछ घोषित करना है?’
'कुछ भी नहीं।'
‘क्या आप किसी व्यावसायिक यात्रा पर हैं, महोदय?’
नहीं। मैं छुट्टी मनाने आया हूँ, लेकिन लगता है इसमें स्वास्थ्य लाभ का समय भी शामिल है। मुझे झीलों पर जाने की उम्मीद है।

सीमा शुल्क अधिकारी इससे प्रभावित नहीं हुआ।
‘क्या मैं आपका पासपोर्ट देख सकता हूँ, हस्ताक्षरकर्ता?’
सियार ने उसे सौंप दिया। इतालवी ने उसकी बारीकी से जांच की, फिर बिना कुछ कहे उसे वापस कर दिया।
‘कृपया, इसे खोलिए।’
उसने तीन बड़े सूटकेसों में से एक की ओर इशारा किया। जैकाल ने अपनी चाबियों का गुच्छा निकाला, एक चाबी चुनी और सूटकेस खोला। कुली ने उसकी मदद के लिए सूटकेस को एक तरफ लिटा दिया था। सौभाग्य से, यह वही सूटकेस था जिसमें काल्पनिक डेनिश पादरी और अमेरिकी छात्र के कपड़े थे। कपड़ों की छानबीन करते हुए, सीमा शुल्क अधिकारी ने गहरे भूरे रंग के सूट, अंडरवियर, सफेद कमीज, स्नीकर्स, काले वॉकिंग शूज़, विंडचीटर और मोजों को कोई महत्व नहीं दिया। डेनिश भाषा में लिखी किताब ने भी उसे आकर्षित नहीं किया। कवर पर चार्ट्रेस कैथेड्रल का रंगीन चित्र था, और शीर्षक, हालांकि डेनिश में था, अंग्रेजी शब्दों से इतना मिलता-जुलता था कि ध्यान देने योग्य नहीं था। उसने साइड लाइनिंग में सावधानीपूर्वक सिले हुए छेद की जांच नहीं की, न ही नकली पहचान पत्र ढूंढे। एक अच्छी तरह से की गई तलाशी में वे मिल जाते, लेकिन उसकी तलाशी सामान्य सतही थी जो केवल तभी गहन होती जब उसे कुछ संदिग्ध मिलता। एक पूरी स्नाइपर राइफल के पुर्जे डेस्क के उस पार उससे केवल तीन फीट की दूरी पर थे, लेकिन उसे कुछ भी संदेह नहीं हुआ। उसने केस बंद किया और जैकाल को उसे दोबारा लॉक करने का इशारा किया। फिर उसने चारों केसों पर जल्दी-जल्दी निशान लगा दिए। काम पूरा होते ही इतालवी के चेहरे पर मुस्कान खिल उठी।
'धन्यवाद महोदय। आपको छुट्टियों की शुभकामनाएं।'
कुली को एक टैक्सी मिल गई, उसे अच्छी टिप मिली, और जल्द ही जैकाल मिलान की ओर तेज़ी से बढ़ रही थी। मिलान की आमतौर पर शोरगुल वाली सड़कें घर जाने की कोशिश कर रहे यात्रियों की भीड़ और ड्राइवरों के हॉर्न बजाने के सचेत व्यवहार के कारण और भी शोरगुल भरी हो गई थीं। उसने सेंट्रल स्टेशन तक ले जाने के लिए कहा।
यहाँ एक और कुली को बुलाया गया, और वह लंगड़ाते हुए उस आदमी के पीछे-पीछे सामान रखने वाले दफ्तर तक गया। टैक्सी में उसने रात भर के सामान वाले सूटकेस से स्टील की कैंची निकालकर अपनी पतलून की जेब में रख ली थी। सामान

इतालवी व्यक्ति ने खुशी से सिर हिलाया और सामान लेने चला गया। सियार ने अपने पास बचे आखिरी बीस पाउंड को इतालवी मुद्रा में बदलवाया और जैसे ही उसने काम पूरा किया, कुली बाकी तीन सामान लेकर लौट आया। दो मिनट बाद वह एक टैक्सी में सवार होकर पियाज़ा डुका डी'ओस्टा से खतरनाक गति से होते हुए होटल कॉन्टिनेंटेल की ओर चल पड़ा।
भव्य अग्रभाग में स्वागत कक्ष में रिसेप्शन डेस्क पर उन्होंने क्लर्क से कहा:
'मुझे लगता है कि आपके पास डग्गन के नाम से मेरे लिए एक कमरा है। इसे दो दिन पहले लंदन से टेलीफोन पर बुक किया गया था।'
आठ बजने से ठीक पहले, जैकाल अपने कमरे में आराम से नहा रहा था और दाढ़ी बना रहा था। उसके दो सूटकेस अलमारी में सावधानीपूर्वक बंद थे। तीसरा सूटकेस, जिसमें उसके अपने कपड़े थे, बिस्तर पर खुला पड़ा था और शाम का सूट, गहरे नीले रंग का ऊन और मोहेयर से बना हल्का गर्मियों का सूट, अलमारी के दरवाजे पर टंगा हुआ था। कबूतर-धूसर रंग का सूट होटल के वैलेट सर्विस के पास स्पंज और प्रेसिंग के लिए रखा हुआ था। आगे कॉकटेल, डिनर और जल्दी सोना था, क्योंकि अगला दिन, 13 अगस्त, बेहद व्यस्त रहने वाला था।

अध्याय तेरह
'कुछ नहीं।'
ब्रायन थॉमस के कार्यालय में मौजूद दो युवा जासूस निरीक्षकों में से दूसरे ने उसे पढ़ने के लिए आवंटित अंतिम फ़ोल्डर को बंद किया और अपने वरिष्ठ अधिकारी की ओर देखा।
उनके सहकर्मी का काम भी समाप्त हो चुका था, और उनका निष्कर्ष भी वही था। थॉमस ने खुद पांच मिनट पहले ही अपना काम समाप्त कर लिया था और खिड़की के पास जाकर खड़े हो गए थे, कमरे की ओर पीठ करके, शाम के धुंधलके में गुजरती गाड़ियों को घूर रहे थे। सहायक आयुक्त मैलिनसन के विपरीत, उन्हें नदी का नज़ारा नहीं दिख रहा था, बस पहली मंजिल से हॉर्सफेरी रोड पर दौड़ती गाड़ियों का दृश्य दिखाई दे रहा था। उन्हें ऐसा लग रहा था जैसे उनकी जान निकल रही हो। सिगरेट पीने से उनका गला खराब हो गया था, जिसे वे जानते थे कि उन्हें जुकाम होने पर नहीं पीना चाहिए था, लेकिन वे छोड़ नहीं पा रहे थे, खासकर दबाव में।
धुएं से उसका सिर दुख रहा था। दोपहर भर लगातार किए गए फोन कॉल से रिकॉर्ड और फाइलों में दर्ज लोगों के बारे में जानकारी मिली थी। हर कॉल का नतीजा नकारात्मक रहा था। या तो वह व्यक्ति पूरी तरह से पकड़ा गया था, या फिर वह फ्रांसीसी राष्ट्रपति की हत्या जैसे मिशन को अंजाम देने के काबिल नहीं था।
‘ठीक है, बस इतना ही,’ उसने खिड़की से घूमते हुए दृढ़ता से कहा। ‘हमने अपनी तरफ से पूरी कोशिश कर ली है, और ऐसा कोई भी व्यक्ति नहीं है जो हमारी जांच के दायरे में आने वाले अनुरोध में निर्धारित दिशानिर्देशों को पूरा कर सके।’
निरीक्षकों में से एक ने सुझाव दिया, 'हो सकता है कि कोई अंग्रेज इस तरह का काम करता हो। लेकिन उसका नाम हमारी फाइलों में नहीं है।'
‘ये सब हमारे रिकॉर्ड में दर्ज हैं, देखो!’ थॉमस गुस्से से बोला। उसे ये सोचकर बिल्कुल अच्छा नहीं लग रहा था कि उसके इलाके में एक पेशेवर हत्यारे जैसा दिलचस्प शख्स बिना किसी रिकॉर्ड के मौजूद है, और सर्दी-जुकाम या सिरदर्द से उसका गुस्सा और भी बढ़ गया था। जब उसका मूड खराब होता था तो

उसका वेल्श लहजा और भी गहरा हो जाता था। घाटियों से तीस साल दूर रहने के बावजूद भी उसका वो लहजा पूरी तरह से खत्म नहीं हुआ था।
दूसरे इंस्पेक्टर ने कहा, 'आखिरकार, एक राजनीतिक हत्यारा तो बहुत ही दुर्लभ प्राणी होता है। शायद इस देश में ऐसा कोई होता ही नहीं। यह अंग्रेजों की पसंद की चीज तो नहीं है, है ना?'
थॉमस ने भी गुस्से से पलटकर देखा। वह यूनाइटेड किंगडम के निवासियों के लिए 'ब्रिटिश' शब्द का प्रयोग करना पसंद करता था, और निरीक्षक द्वारा अनजाने में 'अंग्रेज़' शब्द का प्रयोग करना शायद एक अप्रत्यक्ष संकेत था कि वेल्श, स्कॉटिश या आयरिश मूल के लोग भी ऐसे व्यक्ति को पैदा कर सकते थे। लेकिन ऐसा नहीं था।
‘ठीक है, फाइलों को पैक कर लो। इन्हें रजिस्ट्री ऑफिस वापस ले जाओ। मैं जवाब दूंगा कि पूरी जांच में हमें ऐसा कोई व्यक्ति नहीं मिला है। हम बस इतना ही कर सकते हैं।’
एक ने पूछा, 'यह जांच किसने की थी, सुपर?'
‘चिंता मत करो, लड़के। लगता है किसी को परेशानी है, लेकिन हमें नहीं।’ दोनों युवकों ने सारा सामान समेट लिया और दरवाजे की ओर चल पड़े। दोनों को अपने-अपने परिवारों के पास लौटना था, और उनमें से एक लगभग किसी भी दिन पिता बनने वाला था। वह सबसे पहले दरवाजे पर पहुँचा। दूसरा सोच-विचार करते हुए माथे पर शिकन लिए वापस मुड़ गया।
'बहुत बढ़िया, जाँच करते समय मेरे मन में एक बात आई। अगर ऐसा कोई व्यक्ति है, और उसके पास ब्रिटिश नागरिकता है, तो लगता है कि वह यहाँ वैसे भी काम नहीं करेगा। मेरा मतलब है, ऐसे व्यक्ति को भी कहीं न कहीं अपना ठिकाना तो रखना ही होगा। एक तरह से शरण, एक ऐसी जगह जहाँ वह वापस आ सके। संभावना है कि ऐसा व्यक्ति अपने देश में एक सम्मानित नागरिक होगा।'
‘आप क्या कहना चाह रहे हैं, एक तरह का जेकिल और हाइड?’
“हाँ, कुछ ऐसा ही। मेरा मतलब है, अगर हमारे द्वारा खोजे जा रहे पेशेवर हत्यारे जैसा कोई व्यक्ति मौजूद है, और वह इतना बड़ा अपराधी है कि कोई व्यक्ति आपके जैसे उच्च पदस्थ व्यक्ति के नेतृत्व में इस तरह की जांच शुरू करवा सके, तो वह व्यक्ति ज़रूर बड़ा होगा। और अगर वह अपने क्षेत्र में इतना बड़ा है, तो उसने पहले भी कई कारनामे किए होंगे। वरना वह कुछ भी नहीं होता, है ना?”

'आगे बढ़ो,' थॉमस ने उसे ध्यान से देखते हुए कहा।
खैर, मुझे तो यही लगा कि ऐसा आदमी शायद अपने देश से बाहर ही काम करता होगा। इसलिए आम तौर पर वह आंतरिक सुरक्षा बलों की नजर में नहीं आता। शायद एक बार सुरक्षा बलों को उसके बारे में थोड़ी बहुत जानकारी मिल गई हो...
थॉमस ने इस विचार पर गौर किया, फिर धीरे से अपना सिर हिलाया। 'छोड़ो इसे, घर जाओ, बेटा। मैं रिपोर्ट लिखूंगा। और यह भूल जाओ कि हमने कभी कोई जांच की थी।'
लेकिन इंस्पेक्टर के चले जाने के बाद भी थॉमस के मन में उसके द्वारा बोया गया विचार बना रहा। अब वह बैठकर रिपोर्ट लिख सकता था। पूरी तरह नकारात्मक। कुछ भी पता नहीं चला। रिकॉर्ड की छानबीन के आधार पर कोई जवाब नहीं मिल सकता था। लेकिन मान लीजिए कि फ्रांस से पूछताछ के पीछे कुछ ठोस वजह हो? मान लीजिए कि फ्रांसीसी, जैसा कि थॉमस को शक था, अपने प्रिय राष्ट्रपति के बारे में एक अफवाह पर बेवजह गुस्सा न कर बैठे हों? अगर उनके पास वाकई उतना ही कम सबूत था जितना वे दावा कर रहे थे, अगर इस बात का कोई संकेत नहीं था कि वह व्यक्ति अंग्रेज था, तो वे पूरी दुनिया में इसी तरह से जाँच कर रहे होंगे। इस बात की प्रबल संभावना थी कि कोई हत्यारा नहीं था, और अगर था भी, तो वह उन देशों में से किसी एक से आया होगा जिनका राजनीतिक हत्याओं का लंबा इतिहास रहा है। लेकिन क्या होगा अगर फ्रांसीसी संदेह सही निकले? और अगर वह व्यक्ति जन्म से ही अंग्रेज निकला?
थॉमस को स्कॉटलैंड यार्ड और विशेष रूप से स्पेशल ब्रांच के रिकॉर्ड पर बेहद गर्व था। उन्हें इस तरह की कोई परेशानी कभी नहीं हुई थी। उन्होंने कभी किसी विदेशी अतिथि को नहीं खोया था, यहाँ तक कि कभी कोई घोटाला भी नहीं हुआ था। यहाँ तक कि ख्रुश्चेव की यात्रा की तैयारी के लिए आए उस छोटे रूसी बदमाश, केजीबी प्रमुख इवान सेरोव की सुरक्षा का जिम्मा भी उन्होंने खुद उठाया था, जबकि दर्जनों बाल्टिक और पोलिश लोग सेरोव को मारना चाहते थे। गोलीबारी तक नहीं हुई, और वह जगह सेरोव के अपने सुरक्षाकर्मियों से भरी पड़ी थी, हर कोई बंदूक लिए हुए था और उसे इस्तेमाल करने के लिए पूरी तरह तैयार था।
सुपरिटेंडेंट ब्रायन थॉमस की सेवानिवृत्ति में अभी दो साल बाकी थे और उन्हें उस छोटे से घर में वापस जाना था जिसे उन्होंने और मेग ने खरीदा था,

जहाँ से हरे-भरे मैदान से ब्रिस्टल चैनल दिखाई देता था। सावधानी बरतना बेहतर है, हर चीज़ की जाँच कर लें।
अपनी जवानी में थॉमस एक बेहतरीन रग्बी खिलाड़ी थे, और ग्लैमोरगन के खिलाफ खेलने वाले कई लोग यह बात अच्छी तरह से याद करते थे कि जब ब्रायन थॉमस विंग फॉरवर्ड होते थे तो ब्लाइंडसाइड ब्रेक करना कितना खतरनाक होता था। बेशक, अब उनकी उम्र इसके लिए काफी हो चुकी थी, लेकिन फिर भी जब भी उन्हें काम से फुर्सत मिलती और वे रिचमंड के ओल्ड डियर पार्क में लंदन वेल्श का मैच देखने जाते, तो उन्हें उसमें गहरी दिलचस्पी रहती थी। वे सभी खिलाड़ियों को अच्छी तरह जानते थे, मैच के बाद क्लब हाउस में उनके साथ समय बिताते हुए उनसे बातचीत करते थे, और उनकी प्रतिष्ठा ही काफी थी कि उनका हमेशा स्वागत होता था।
बाकी सदस्यों को खिलाड़ियों में से एक के बारे में सिर्फ इतना पता था कि वह विदेश कार्यालय के कर्मचारी हैं। थॉमस जानते थे कि वह इससे कहीं बढ़कर थे; विदेश सचिव के तत्वावधान में काम करने वाला विभाग, जो विदेश कार्यालय से संबद्ध नहीं था, वह गुप्त खुफिया सेवा थी, जिसे कभी-कभी एसआईएस, कभी-कभी सिर्फ 'द सर्विस' और आम तौर पर जनता के बीच गलत नाम एमआई-6 से जाना जाता था। थॉमस ने अपनी मेज पर रखा टेलीफोन उठाया और एक नंबर मांगा...
दोनों आदमी रात आठ से नौ बजे के बीच नदी किनारे एक शांत पब में ड्रिंक के लिए मिले। थॉमस ड्रिंक्स का बिल भर रहा था, और वे थोड़ी देर रग्बी के बारे में बात करते रहे। लेकिन लॉयड को लगा कि स्पेशल ब्रांच के उस आदमी ने उसे नदी किनारे वाले पब में उस खेल के बारे में बात करने के लिए नहीं बुलाया था जिसका सीज़न अभी दो महीने बाद शुरू होना था। जब दोनों को ड्रिंक्स मिल गईं और उन्होंने एक-दूसरे को औपचारिक रूप से 'चीयर्स' कहा, तो थॉमस ने सिर हिलाकर बाहर घाट की ओर जाने वाले टैरेस की तरफ इशारा किया। बाहर शांति थी, क्योंकि चेल्सी और फुलहम के ज़्यादातर युवा जोड़े ड्रिंक खत्म करके डिनर के लिए निकल रहे थे।
‘मुझे थोड़ी सी समस्या है, यार,’ थॉमस ने कहना शुरू किया। ‘उम्मीद है कि तुम मेरी मदद कर पाओगे।’
‘अच्छा...अगर मैं कर सकूँ,’ लॉयड ने कहा।
थॉमस ने पेरिस से आए अनुरोध और आपराधिक रिकॉर्ड विभाग और विशेष शाखा द्वारा तैयार की गई जानकारी के बारे में विस्तार से बताया।

मुझे लगा कि अगर कभी ऐसा कोई आदमी रहा हो, और वह भी ब्रिटिश, तो शायद वह ऐसा व्यक्ति होगा जो इस देश के अंदर कभी भी अपने हाथ गंदे नहीं करेगा। शायद वह सिर्फ विदेशों में होने वाले अभियानों तक ही सीमित रहेगा। अगर उसने कभी कोई सुराग छोड़ा भी हो, तो शायद वह सेना की नजर में आ गया हो?
‘सेवा?’ लॉयड ने धीमी आवाज़ में पूछा।
‘चलो बैरी। हमें समय-समय पर बहुत सी बातें जाननी पड़ती हैं।’ थॉमस की आवाज़ लगभग धीमी थी। पीछे से देखने पर वे दोनों गहरे रंग के सूट पहने हुए, धुंधली नदी के पार दक्षिणी किनारे की रोशनी को घूरते हुए, शहर में दिन भर की गतिविधियों के बारे में बातें करते हुए लग रहे थे। ‘ब्लेक की जांच के दौरान हमें बहुत सी फाइलें सौंपनी पड़ीं। विदेश मंत्रालय के कई लोगों की असलियत सामने आ गई। देखो, तुम भी उनमें से एक थे। जब वह शक के घेरे में आया, तब तुम उसके विभाग में थे। इसलिए मुझे पता है कि तुम किस विभाग में काम करते हो।’ ‘मैं समझ गया,’ लॉयड ने कहा।
‘देखिए, मैं पार्क में ब्रायन थॉमस हो सकता हूँ। लेकिन मैं एसबी का अधीक्षक भी हूँ, है ना? आप सभी हर किसी से गुमनाम नहीं रह सकते, है ना?’
लॉयड अपने गिलास में घूर रहा था।
क्या यह सूचना प्राप्त करने के लिए एक आधिकारिक पूछताछ है?
नहीं, मैं अभी ऐसा नहीं कर सकता। फ्रांसीसी अनुरोध लेबेल की ओर से मैलिनसन को किया गया एक अनौपचारिक अनुरोध था। उन्हें सेंट्रल रिकॉर्ड्स में कुछ नहीं मिला, इसलिए उन्होंने कहा कि वे मदद नहीं कर सकते, लेकिन उन्होंने डिक्सन से भी बात की थी। डिक्सन ने मुझसे जल्दी से जाँच करने को कहा। सब कुछ चुपके से हुआ, समझे? कभी-कभी चीजें इसी तरह करनी पड़ती हैं। यह सब बहुत नाजुक मामला है। प्रेस या किसी और को पता नहीं चलना चाहिए। शायद ब्रिटेन में ऐसा कुछ भी नहीं है जो लेबेल की मदद कर सके। मैंने सोचा कि मैं सभी पहलुओं पर विचार कर लूँ, और आप आखिरी व्यक्ति थे।
‘क्या यह आदमी डी गॉल के पीछे खड़ा है?’
'जांच की बातों से तो यही लगता है कि ऐसा ही है। लेकिन फ्रांसीसी लोग बहुत ही सतर्क रवैया अपना रहे होंगे। जाहिर है, वे किसी भी तरह की पब्लिसिटी नहीं चाहते।'
‘बिल्कुल। लेकिन हमसे सीधे संपर्क क्यों नहीं करते?’

'नाम के सुझाव मांगने के लिए पुराने संपर्कों के माध्यम से अनुरोध किया गया है। लेबेल से लेकर मैलिनसन तक, सीधे। शायद फ्रांसीसी गुप्त सेवा का आपके विभाग में कोई पुराना संपर्क नहीं है।'
यदि लॉयड ने एसडीईसीई और एसआईएस के बीच कुख्यात रूप से खराब संबंधों के संदर्भ पर ध्यान दिया भी होता, तो उसने इसका कोई संकेत नहीं दिया।
कुछ देर बाद थॉमस ने पूछा, 'तुम क्या सोच रहे हो?'
लॉयड ने नदी की ओर देखते हुए कहा, 'मजेदार! तुम्हें फिलबी का मामला याद है?' 'बिल्कुल।'
लॉयड ने बात जारी रखते हुए कहा, 'हमारे विभाग में आज भी वो एक बहुत संवेदनशील मुद्दा है। जनवरी 1961 में वो बेरूत से आया था। बेशक, ये बात बाद में ही सामने आई, लेकिन इसने सर्विस के अंदर खूब हंगामा मचा दिया था। बहुत से लोगों का तबादला कर दिया गया। ऐसा करना ज़रूरी था, क्योंकि उसने अरब सेक्शन के लगभग सभी लोगों और कुछ अन्य लोगों को भी बेनकाब कर दिया था। जिन लोगों का तबादला तुरंत करना पड़ा, उनमें कैरिबियन में हमारा शीर्ष अधिकारी भी शामिल था। वो छह महीने पहले फिलबी के साथ बेरूत में था, फिर उसे कैरिबियन में स्थानांतरित कर दिया गया।'
लगभग उसी समय डोमिनिकन गणराज्य के तानाशाह ट्रूजिलो की हत्या स्यूदाद ट्रूजिलो के बाहर एक सुनसान सड़क पर कर दी गई। खबरों के मुताबिक, उन्हें गुरिल्ला सैनिकों ने मारा था - उनके कई दुश्मन थे। हमारा आदमी तब लंदन लौट आया, और हमने कुछ समय के लिए एक ही कार्यालय साझा किया जब तक कि उसका तबादला नहीं हो गया। उसने एक अफवाह का जिक्र किया कि ट्रूजिलो की कार को रोका गया था, ताकि घात लगाकर बैठे हमलावर उसे खोलकर अंदर बैठे व्यक्ति को राइफल से एक ही गोली मारकर मार सकें। वह बहुत ही सटीक निशाना था - 150 गज की दूरी से चलती कार पर। गोली ड्राइवर की तरफ की छोटी त्रिकोणीय खिड़की से आर-पार हो गई, जो बुलेटप्रूफ शीशे की नहीं थी। पूरी कार बख्तरबंद थी। गोली ड्राइवर के गले में लगी और वह दुर्घटनाग्रस्त हो गया। तभी गुरिल्ला सैनिक करीब आ गए। अजीब बात यह थी कि अफवाह थी कि गोली चलाने वाला एक अंग्रेज था। दोनों व्यक्ति, जिनके हाथों में खाली बीयर के मग झूल रहे थे, अब लगभग अंधेरे हो चुके टेम्स नदी के पानी को एकटक देखते रहे, और कुछ देर तक सन्नाटा छाया रहा। दोनों के मन में एक कठोर, बंजर इलाके की तस्वीर उभर रही थी, जो किसी गर्म और दूरस्थ द्वीप पर स्थित था; एक कार जो सत्तर मील प्रति

घंटे की रफ्तार से डामर की सड़क से फिसलकर पथरीले किनारे पर जा गिरी थी; एक बूढ़ा आदमी, जिसने तीस वर्षों तक अपने राज्य पर लोहे और निर्दयता से शासन किया था, उसे मलबे से बाहर निकाला जा रहा था और सड़क किनारे धूल में पिस्तौल से उसकी जान ले ली जा रही थी।
‘यह... आदमी... जिसके बारे में अफवाहें थीं। क्या उसका कोई नाम था?’
'मुझे नहीं पता। मुझे याद नहीं है। उस समय यह सिर्फ दफ्तर में चर्चा का विषय था। उस समय हमारे पास पहले से ही बहुत काम था, और कैरेबियन तानाशाह के बारे में चिंता करना हमारे लिए सबसे आखिरी चीज थी।'
‘यह सहकर्मी, जिसने आपसे बात की थी। क्या उसने कोई रिपोर्ट लिखी थी?’ “ज़रूर किया होगा। यह सामान्य प्रक्रिया है। लेकिन यह महज़ एक अफवाह थी, समझ रहे हो? सिर्फ़ एक अफवाह। हमारे पास कोई ठोस सबूत नहीं है। हम तथ्यों और पुख्ता जानकारी पर काम करते हैं।”
लेकिन इसे कहीं न कहीं तो दर्ज किया गया होगा?
‘शायद ऐसा ही हो,’ लॉयड ने कहा। ‘यह बहुत कम प्राथमिकता वाला मामला है, उस इलाके में बस एक अफवाह फैली है। उस जगह पर अफवाहें तो खूब फैलती हैं।’ लेकिन आप फाइलों को देख सकते हैं, जैसे? देखें कि पहाड़ पर मौजूद उस आदमी का कोई नाम था या नहीं?
लॉयड ने खुद को रेलिंग से नीचे खींच लिया।
उन्होंने अधीक्षक से कहा, 'आप घर जाइए। अगर कोई ऐसी बात होगी जिससे मदद मिल सके तो मैं आपको फोन करूंगा।'
वे वापस पब के पिछले हिस्से में गए, गिलास रखे और सड़क के दरवाजे की ओर चल दिए।
थॉमस ने हाथ मिलाते हुए कहा, 'मैं आभारी रहूंगा। शायद इसमें कुछ भी नहीं है। लेकिन बस एक संभावना के तौर पर।'
जब थॉमस और लॉयड टेम्स नदी के ऊपर बैठकर बातें कर रहे थे, और जैकल मिलान के एक रूफटॉप रेस्टोरेंट में अपने ज़बाग्लियोन के गिलास से आखिरी बूंदें निकाल रहा था, उसी समय कमिश्नर क्लाउड लेबेल पेरिस में आंतरिक मंत्रालय के कॉन्फ्रेंस रूम में प्रगति रिपोर्ट की पहली बैठक में शामिल हुए।
चौबीस घंटे पहले जितनी उपस्थिति थी, उतनी ही उपस्थिति आज भी थी। गृह मंत्री मेज के शीर्ष पर बैठे थे, उनके दोनों ओर विभागों के प्रमुख बैठे थे।

क्लाउड लेबेल दूसरे छोर पर एक छोटी सी फाइल अपने सामने रखे बैठे थे। मंत्री ने बैठक शुरू करने के लिए संक्षिप्त रूप से सिर हिलाया।
उनके मुख्य कैबिनेट अधिकारी ने सबसे पहले बात की। उन्होंने बताया कि पिछले एक-दो दिनों में फ्रांस की हर सीमा चौकी पर तैनात हर सीमा शुल्क अधिकारी को निर्देश दिए गए थे कि वे फ्रांस में प्रवेश करने वाले लंबे, गोरे रंग के विदेशी पुरुषों के सामान की जांच करें। विशेष रूप से पासपोर्ट की जांच की जानी थी और सीमा शुल्क चौकी पर तैनात सीमा शुल्क अधिकारी द्वारा संभावित जालसाजी की गहन जांच की जानी थी। (सीमा शुल्क प्रमुख ने सहमति में सिर हिलाया।) फ्रांस में प्रवेश करने वाले पर्यटक और व्यापारी सीमा शुल्क पर अचानक बढ़ी सतर्कता पर ध्यान दे सकते हैं, लेकिन यह असंभव सा लगता है कि इस तरह की सामान तलाशी का शिकार कोई भी व्यक्ति यह समझ पाएगा कि यह पूरे देश में लंबे, गोरे रंग के पुरुषों पर लागू की जा रही है। यदि किसी तेज नजर वाले पत्रकार द्वारा कोई पूछताछ की जाती, तो स्पष्टीकरण यह होता कि ये केवल नियमित तलाशी थीं। लेकिन ऐसा माना जाता था कि कभी कोई पूछताछ नहीं की जाएगी।
उन्हें एक और बात बतानी थी। रोम में ओएएस के तीन प्रमुखों में से किसी एक को अगवा करने की संभावना पर विचार करने का प्रस्ताव रखा गया था। क्वाइ डी'ओर्से ने कूटनीतिक कारणों से इस विचार का कड़ा विरोध किया था (उन्हें जैकाल षड्यंत्र के बारे में नहीं बताया गया था) और राष्ट्रपति (जो कारण से अवगत थे) भी उनका समर्थन कर रहे थे। इसलिए, इसे उनकी समस्याओं से निकलने का एक उपाय नहीं माना जाना चाहिए।
एसडीईसीई के जनरल गुइबाउड ने कहा कि उनके रिकॉर्ड की पूरी जांच में ओएएस या उसके समर्थकों के बाहर किसी पेशेवर राजनीतिक हत्यारे के अस्तित्व के बारे में कोई जानकारी सामने नहीं आई है, और जिसका पूरी तरह से हिसाब नहीं लगाया जा सका है।
रेन्सिग्नेमेंट्स जेनेरॉक्स के प्रमुख ने कहा कि फ्रांस के आपराधिक अभिलेखागारों की छानबीन से यही बात सामने आई है, न केवल फ्रांसीसियों के बीच बल्कि उन विदेशियों के बीच भी जिन्होंने कभी फ्रांस के भीतर काम करने की कोशिश की थी।
इसके बाद डीएसटी के प्रमुख ने अपनी रिपोर्ट दी। उस सुबह 7:30 बजे गैरे डू नॉर्ड के पास एक डाकघर से रोम के उस होटल के नंबर पर एक कॉल इंटरसेप्ट की

गई थी, जहाँ ओएएस के तीनों प्रमुख ठहरे हुए थे। आठ सप्ताह पहले उनके वहाँ आने के बाद से, अंतर्राष्ट्रीय स्विचबोर्ड के ऑपरेटरों को उस नंबर पर आने वाली सभी कॉलों की रिपोर्ट करने का निर्देश दिया गया था। उस सुबह ड्यूटी पर मौजूद ऑपरेटर को यह बात समझने में देरी हुई। कॉल तब तक आ चुकी थी जब तक उसे यह एहसास नहीं हुआ कि यह नंबर उसकी सूची में है। उसने कॉल कनेक्ट कर दी, और उसके बाद ही डीएसटी को फोन किया। हालाँकि, उसने समझदारी दिखाते हुए कॉल सुनी। संदेश था: 'वाल्मी से पोइटियर्स। द जैकाल का खुलासा हो गया है। दोहराएँ। द जैकाल का खुलासा हो गया है। कोवाल्स्की को पकड़ लिया गया है। मरने से पहले गाया। समाप्त।'
कमरे में कुछ सेकंड तक सन्नाटा छाया रहा।
मेज के दूसरे छोर से लेबेल ने धीमी आवाज़ में पूछा, 'उन्हें कैसे पता चला?' कर्नल रोलैंड को छोड़कर सभी की निगाहें उस पर टिक गईं, जो गहरी सोच में डूबे हुए सामने वाली दीवार को घूर रहे थे।
“धिक्कार है,” उसने स्पष्ट स्वर में कहा, अभी भी दीवार को घूरते हुए। उसकी निगाहें फिर से एक्शन सर्विस के प्रमुख पर टिक गईं।
कर्नल अपनी तल्लीनता से बाहर आ गए।
‘मार्सिले,’ उसने संक्षेप में कहा। ‘कोवाल्स्की को रोम से बुलाने के लिए हमने एक जाल बिछाया। एक पुराना दोस्त, जोजो ग्रज़ीबोव्स्की। उस आदमी की पत्नी और बेटी हैं। कोवाल्स्की के हमारे हाथ लगने तक हमने उन सबको सुरक्षा में रखा। फिर हमने उन्हें घर लौटने दिया। मुझे कोवाल्स्की से बस उसके सरदारों के बारे में जानकारी चाहिए थी। उस समय इस सियार की साजिश पर शक करने का कोई कारण नहीं था। ऐसा कोई कारण नहीं था कि उन्हें यह पता न चले कि हमने कोवाल्स्की को पकड़ लिया है। बाद में, ज़ाहिर है, हालात बदल गए। ज़रूर पोलैंड के जोजो ने ही एजेंट वाल्मी को सूचना दी होगी। माफ़ करना।’
'क्या डीएसटी ने वाल्मी को डाकघर से उठाया?' लेबेल ने पूछा।
'नहीं, ऑपरेटर की मूर्खता के कारण हम उसे कुछ मिनटों से चूक गए,' डीएसटी के व्यक्ति ने जवाब दिया।
‘अक्षमता का एक सकारात्मक अध्याय,’ कर्नल सेंट-क्लेयर ने अचानक तीखे स्वर में कहा। कई लोगों ने उन्हें शत्रुतापूर्ण निगाहों से देखा।
जनरल गुइबाउड ने उत्तर दिया, “हम एक अज्ञात शत्रु के विरुद्ध लगभग अंधेरे में ही अपना रास्ता तलाश रहे हैं। यदि कर्नल इस अभियान का नेतृत्व करने और

इससे जुड़ी सभी जिम्मेदारियों को उठाने के लिए स्वेच्छा से आगे आना चाहें तो...”
एलिसी पैलेस के कर्नल ने अपने फोल्डरों का बड़े ध्यान से अध्ययन किया, मानो वे एसडीईसीई के प्रमुख की अप्रत्यक्ष धमकी से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हों। लेकिन उन्हें एहसास हुआ कि यह कहना बुद्धिमानी नहीं थी।
मंत्री जी ने मन ही मन सोचते हुए कहा, 'एक तरह से देखा जाए तो शायद यह अच्छा ही हुआ कि उन्हें पता चल गया है कि उनका भाड़े का हत्यारा नाकाम हो गया है। अब तो उन्हें ऑपरेशन रद्द कर ही देना चाहिए।'
‘बिल्कुल सही,’ सेंट-क्लेयर ने स्थिति संभालने की कोशिश करते हुए कहा, ‘मंत्री जी सही हैं। अब आगे बढ़ना उनकी मूर्खता होगी। वे सीधे-सीधे उस व्यक्ति को वापस बुला लेंगे।’
लेबेल ने धीमी आवाज़ में कहा, 'उसका भेद पूरी तरह से खुला नहीं है।' वे लगभग भूल ही गए थे कि वह वहाँ था। 'हमें अभी भी उस आदमी का नाम नहीं पता। पहले से मिली चेतावनी से शायद वह अतिरिक्त एहतियाती उपाय कर ले। जाली दस्तावेज़, रूप-रंग में बदलाव...'
मंत्री जी की टिप्पणी से मेज पर जो आशावाद का माहौल बना था, वह गायब हो गया। रोजर फ्रे ने छोटे कमिश्नर को आदरपूर्वक देखा।
'मुझे लगता है कि हमें कमिश्नर लेबेल की रिपोर्ट मिल जानी चाहिए, सज्जनों। आखिरकार, वही इस जांच का नेतृत्व कर रहे हैं। हम यहां उनकी यथासंभव सहायता करने के लिए मौजूद हैं।'
इसके बाद, लेबेल ने पिछली शाम से उठाए गए कदमों का ब्योरा दिया; फ्रांसीसी फाइलों की जांच से यह पुख्ता हो गया था कि विदेशी नागरिक का नाम, अगर कहीं है भी, तो किसी विदेशी पुलिस बल की फाइलों में ही होगा। विदेश में पूछताछ करने का अनुरोध किया गया; अनुरोध स्वीकार कर लिया गया। इंटरपोल के माध्यम से सात प्रमुख देशों के पुलिस प्रमुखों से आमने-सामने फोन पर बातचीत की गई।
उन्होंने निष्कर्ष निकालते हुए कहा, ‘आज के दौरान जवाब आ गए। ये रहे: हॉलैंड से कुछ नहीं। इटली से कई जाने-माने भाड़े के हत्यारे मिले हैं, लेकिन सभी माफिया के लिए काम करते हैं। कैराबिनेरी और रोम के कापो के बीच गुप्त पूछताछ में यह आश्वासन मिला कि माफिया का कोई भी हत्यारा आदेश के बिना कभी भी राजनीतिक हत्या नहीं करेगा, और माफिया किसी विदेशी राजनेता की

हत्या का समर्थन नहीं करेगा।’ लेबेल ने ऊपर देखा। ‘व्यक्तिगत रूप से, मुझे लगता है कि यह शायद सच है।’
‘ब्रिटेन। कुछ नहीं, केवल नियमित पूछताछ के लिए मामला आगे की जांच के लिए दूसरे विभाग, स्पेशल ब्रांच को सौंप दिया गया है।’
“हमेशा की तरह धीमे,” सेंट-क्लेयर ने धीमी आवाज़ में कहा। लेबेल ने यह टिप्पणी सुनी और फिर ऊपर देखा।
‘लेकिन हमारे अंग्रेज़ दोस्तों, ये लोग बहुत ही सख़्त हैं। स्कॉटलैंड यार्ड को कम मत समझिए।’ उन्होंने दोबारा पढ़ना शुरू कर दिया।
अमेरिका। दो संभावित संदिग्ध। एक मियामी, फ्लोरिडा में स्थित एक बड़े अंतरराष्ट्रीय हथियार व्यापारी का दाहिना हाथ। यह व्यक्ति पहले अमेरिकी मरीन में था, बाद में कैरेबियन में सीआईए का एजेंट बना। बे ऑफ पिग्स कांड से ठीक पहले एक लड़ाई में क्यूबा के एक कास्त्रो-विरोधी की हत्या के आरोप में उसे बर्खास्त कर दिया गया था। उस क्यूबाई को उस ऑपरेशन के एक हिस्से की कमान संभालनी थी। इसके बाद उस अमेरिकी को हथियार व्यापारी ने भर्ती कर लिया, जो उन लोगों में से एक था जिन्हें सीआईए ने अनौपचारिक रूप से बे ऑफ पिग्स आक्रमणकारी सेना को हथियार सप्लाई करने के लिए इस्तेमाल किया था। माना जाता है कि वह हथियार व्यापार में अपने मालिक के प्रतिद्वंद्वियों के साथ हुई दो रहस्यमय दुर्घटनाओं के लिए जिम्मेदार था। ऐसा लगता है कि हथियार का धंधा बेहद प्रतिस्पर्धी है। उस व्यक्ति का नाम चार्ल्स "चक" अर्नोल्ड है। एफबीआई अब उसके ठिकाने की जांच कर रही है।
एफबीआई द्वारा संभावित संदिग्ध के रूप में सुझाया गया दूसरा व्यक्ति मार्को विटेलिनो था, जो पहले न्यूयॉर्क के एक गैंग लीडर अल्बर्ट अनास्तासिया का निजी अंगरक्षक था। इस सरगना की अक्टूबर 1957 में एक नाई की कुर्सी पर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी और विटेलिनो अपनी जान के डर से अमेरिका से भाग गया था। वह कराकस, वेनेजुएला में बस गया। उसने वहां अपने दम पर धंधे में उतरने की कोशिश की, लेकिन उसे ज्यादा सफलता नहीं मिली। स्थानीय अंडरवर्ल्ड ने उसे दरकिनार कर दिया था। एफबीआई का मानना है कि अगर वह पूरी तरह से कंगाल हो गया होता, तो उचित कीमत मिलने पर वह किसी विदेशी संगठन के लिए सुपारी लेकर हत्या करने का काम कर सकता था।
कमरे में पूरी तरह सन्नाटा छा गया था। बाकी चौदह लोग बिना कुछ बोले सुन रहे थे।

बेल्जियम। एक संभावना। मनोरोगी हत्यारा, पूर्व में कटंगा में त्शोम्बे के स्टाफ में कार्यरत था। 1962 में पकड़े जाने पर संयुक्त राष्ट्र द्वारा निष्कासित कर दिया गया। हत्या के दो मामलों में लंबित आरोपों के कारण बेल्जियम वापस नहीं लौट सकता। भाड़े का हत्यारा, लेकिन शातिर। नाम जूल्स बेरेन्जर। माना जाता है कि वह मध्य अमेरिका में भी पलायन कर गया था। बेल्जियम पुलिस अभी भी उसके संभावित वर्तमान ठिकाने की जाँच कर रही है। जर्मनी। एक सुझाव। हंस-डाइटर कैसल, पूर्व एसएस मेजर, दो देशों द्वारा युद्ध अपराधों के लिए वांछित। युद्ध के बाद पश्चिम जर्मनी में एक छद्म नाम से रहा और पूर्व एसएस सदस्यों के भूमिगत संगठन ओडेसा के लिए एक अनुबंधित हत्यारा था। युद्धोत्तर राजनीति में दो वामपंथी समाजवादियों की हत्या में संलिप्त होने का संदेह था, जो युद्ध अपराधों की सरकारी प्रायोजित जांच को तेज करने का आग्रह कर रहे थे। बाद में कैसल के रूप में उसकी पहचान उजागर हुई, लेकिन एक सूचना मिलने के बाद स्पेन भाग गया, जिसके लिए एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी को अपनी नौकरी गंवानी पड़ी। माना जाता है कि अब वह मैड्रिड में सेवानिवृत्ति का जीवन जी रहा है...
लेबेल ने फिर ऊपर देखा। 'वैसे, इस तरह के काम के लिए इस आदमी की उम्र थोड़ी अधिक लग रही है। वह अब सत्तावन साल का है।'
अंत में, दक्षिण अफ्रीका। एक संभावित संदिग्ध। पेशेवर भाड़े का सैनिक। नाम: पीट शूपर। वह भी त्शोम्बे के शीर्ष बंदूकधारियों में से एक है। दक्षिण अफ्रीका में आधिकारिक तौर पर उसके खिलाफ कोई मामला दर्ज नहीं है, लेकिन उसे अवांछनीय माना जाता है। वह एक कुशल निशानेबाज है और व्यक्तिगत हत्याओं का शौकीन है। इस साल की शुरुआत में कांगो में कांतांगेस अलगाववाद के पतन के बाद उसे कांगो से निष्कासित किए जाने पर ही उसके बारे में आखिरी बार सुना गया था। माना जाता है कि वह अभी भी पश्चिम अफ्रीका में कहीं है। दक्षिण अफ्रीकी विशेष शाखा आगे की जांच कर रही है।
वह रुका और ऊपर देखा। मेज के चारों ओर बैठे चौदह लोग बिना किसी भाव के उसे देख रहे थे।
लेबेल ने निराशा भरे लहजे में कहा, 'बेशक, मुझे डर है कि यह बहुत अस्पष्ट है। एक तो मैंने सिर्फ सात सबसे संभावित देशों से ही पूछा। सियार स्विस, ऑस्ट्रियाई या कोई और देश हो सकता है। फिर सात में से तीन देशों ने जवाब दिया कि उनके पास कोई सुझाव नहीं है। वे गलत हो सकते हैं। सियार इतालवी, डच

या अंग्रेज हो सकता है। या वह दक्षिण अफ्रीकी, बेल्जियम, जर्मन या अमेरिकी हो सकता है, लेकिन सूची में शामिल देशों में से नहीं। कुछ पता नहीं। अंधेरे में भटक रहे हैं, बस किसी सुराग की उम्मीद कर रहे हैं।'
'केवल उम्मीद करने से हमें कुछ हासिल नहीं होगा,' सेंट-क्लेयर ने तीखे लहजे में कहा।
'शायद कर्नल के पास कोई नया सुझाव हो?' लेबेल ने विनम्रतापूर्वक पूछा। सेंट-क्लेयर ने ठंडे लहजे में कहा, 'व्यक्तिगत रूप से, मुझे लगता है कि उस आदमी को चेतावनी ज़रूर मिल चुकी है। अब जब उसकी योजना का पर्दाफाश हो गया है, तो वह राष्ट्रपति के पास कभी नहीं पहुँच सकता। रोडिन और उसके गुर्गों ने इस धूर्त को चाहे जितना भी पैसा देने का वादा किया हो, वे अपना पैसा वापस माँगेंगे और योजना रद्द कर देंगे।'
लेबेल ने धीरे से बीच में कहा, 'आपको लगता है कि उस आदमी को चेतावनी दे दी गई है, लेकिन भावना उम्मीद से बहुत दूर नहीं है। मैं फिलहाल पूछताछ जारी रखना पसंद करूंगा।'
मंत्री ने पूछा, 'इन जांचों की वर्तमान स्थिति क्या है, कमिश्नर?'
“मंत्री जी, जिन पुलिस बलों ने ये सुझाव दिए हैं, वे पहले से ही टेलेक्स के माध्यम से पूरी फाइलें भेजना शुरू कर रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि कल दोपहर तक आखिरी फाइल मिल जाएगी। तस्वीरें भी तार के माध्यम से भेजी जाएंगी। कुछ पुलिस बल संदिग्ध का पता लगाने के लिए जांच जारी रखे हुए हैं, ताकि हम आगे की कार्रवाई अपने हाथ में ले सकें।”
'क्या आपको लगता है कि वे चुप रहेंगे?' सांगुइनेटी ने पूछा।
लेबेल ने जवाब दिया, 'उनके ऐसा न करने का कोई कारण नहीं है। इंटरपोल देशों के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी हर साल सैकड़ों अत्यंत गोपनीय जांच करते हैं, जिनमें से कुछ अनौपचारिक रूप से आमने-सामने की बातचीत के आधार पर की जाती हैं। सौभाग्य से, सभी देश, चाहे उनकी राजनीतिक विचारधारा कुछ भी हो, अपराध के विरोधी हैं। इसलिए हम अंतरराष्ट्रीय संबंधों की अधिक राजनीतिक शाखाओं जैसी प्रतिद्वंद्विता में शामिल नहीं हैं। पुलिस बलों के बीच सहयोग बहुत अच्छा है।'
‘क्या राजनीतिक अपराध के लिए भी?’ फ्रे ने पूछा।
‘पुलिसकर्मियों के लिए, मंत्री जी, यह सब अपराध है। इसीलिए मैंने विदेश मंत्रालयों के माध्यम से पूछताछ करने के बजाय अपने विदेशी सहयोगियों से

संपर्क करना बेहतर समझा। निःसंदेह इन सहयोगियों के वरिष्ठों को पता चल गया होगा कि पूछताछ की गई थी, लेकिन उनके लिए कोई गड़बड़ी करने का कोई अच्छा कारण नहीं होगा। राजनीतिक हत्यारा दुनिया का भगोड़ा है।’
'लेकिन जब तक उन्हें पता है कि जांच की गई थी, वे इसके निहितार्थों का अनुमान लगा सकते हैं और निजी तौर पर हमारे राष्ट्रपति का उपहास उड़ा सकते हैं,' सेंट-क्लेयर ने तीखे शब्दों में कहा।
लेबेल ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि उन्हें ऐसा करना चाहिए। हो सकता है कि एक दिन उनमें से कोई एक ऐसा कर बैठे।'
सेंट-क्लेयर ने जवाब दिया, "अगर आपको यह जानकारी नहीं है कि कुछ लोग यह जानकर कितने खुश होंगे कि एक हत्यारा फ्रांस के राष्ट्रपति के पीछे पड़ा है, तो आप राजनीति के बारे में ज्यादा नहीं जानते। राष्ट्रपति इस सार्वजनिक जानकारी से बचने के लिए बहुत चिंतित थे।"
लेबेल ने बात सुधारते हुए कहा, 'यह सार्वजनिक जानकारी नहीं है। यह बेहद निजी जानकारी है, जो मुट्ठी भर लोगों तक ही सीमित है। इन लोगों के दिमाग में ऐसे राज़ छिपे हैं, जो अगर उजागर हो जाएं तो उनके अपने देशों के आधे से ज़्यादा राजनेताओं का भविष्य बर्बाद कर सकते हैं। इनमें से कुछ लोग पश्चिमी देशों की सुरक्षा करने वाले ठिकानों की अंदरूनी जानकारियां जानते हैं। उन्हें ऐसा जानना ज़रूरी है, ताकि वे उनकी रक्षा कर सकें। अगर वे इतने सतर्क न होते, तो उन्हें ये पद न मिलते।'
“कुछ लोगों को यह पता होना बेहतर है कि हम हत्यारे की तलाश कर रहे हैं, बजाय इसके कि उन्हें राष्ट्रपति के अंतिम संस्कार में शामिल होने का निमंत्रण मिले,” बोवियर गुस्से से बोला। “हम दो साल से ओएएस से लड़ रहे हैं। राष्ट्रपति के निर्देश थे कि यह प्रेस में सनसनी और सार्वजनिक चर्चा का विषय नहीं बनना चाहिए।”
‘सज्जनों, सज्जनों,’ मंत्री ने बीच में कहा। ‘बस करो। मैंने ही कमिश्नर लेबेल को विदेशी पुलिस सेवाओं के प्रमुखों के बीच गोपनीय पूछताछ करने के लिए अधिकृत किया था, …’ उन्होंने सेंट-क्लेयर की ओर देखा … ‘राष्ट्रपति से परामर्श करने के बाद।’
कर्नल की इस हार पर लोगों की हंसी छिपी नहीं थी।
एम. फ्रे ने पूछा, 'क्या और कुछ है?'
रोलैंड ने थोड़ी देर के लिए हाथ उठाया।

उन्होंने कहा, ‘मैड्रिड में हमारा एक स्थायी कार्यालय है। स्पेन में कई शरणार्थी केंद्र हैं, इसलिए हमने इसे वहीं रखा है। हम पश्चिमी जर्मनी को परेशान किए बिना नाज़ी किले, कैसल पर नज़र रख सकते हैं। मुझे पता है कि बॉन विदेश कार्यालय के साथ हमारे संबंध अभी भी बहुत अच्छे नहीं हैं।’
फरवरी में अर्गौड में हुई लूट और उसके परिणामस्वरूप बॉन के गुस्से का जिक्र करने पर कुछ लोगों के चेहरे पर मुस्कान आ गई। फ्रे ने लेबेल की ओर भौंहें उठाईं।
‘धन्यवाद,’ जासूस ने कहा, ‘अगर आप उस आदमी को पकड़ सकें तो बहुत मदद मिलेगी। इसके अलावा और कुछ नहीं है, बस इतना अनुरोध है कि सभी विभाग पिछले चौबीस घंटों से जिस तरह मेरी सहायता कर रहे हैं, उसी तरह आगे भी करते रहें।’
‘तो फिर कल मिलते हैं, सज्जनों,’ मंत्री जी ने फुर्ती से कहा और अपने कागजात समेटते हुए उठ खड़े हुए। बैठक समाप्त हो गई।
बाहर सीढ़ियों पर खड़े होकर लेबेल ने पेरिस की हल्की रात की हवा में गहरी सांस ली। घड़ी में बारह बज चुके थे और मंगलवार, 13 अगस्त का दिन शुरू हो गया था।
बारह बजने के कुछ ही देर बाद बैरी लॉयड ने चिसविक स्थित अधीक्षक थॉमस के घर पर फोन किया। थॉमस बिस्तर के पास की बत्ती बुझाने ही वाले थे, क्योंकि उन्हें लग रहा था कि एसआईएस का आदमी सुबह फोन करेगा।
लॉयड ने कहा, 'मुझे वह रिपोर्ट बहुत कमजोर लगी जिसके बारे में हम बात कर रहे थे। एक तरह से मैं सही था। यह उस समय द्वीप पर फैली एक अफवाह की एक सामान्य रिपोर्ट मात्र थी। फाइल होते ही लगभग तुरंत उस पर "कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी" लिख दिया गया था। जैसा कि मैंने कहा, उस समय हम अन्य कामों में काफी व्यस्त थे।'
‘क्या किसी का नाम लिया गया था?’ थॉमस ने धीरे से पूछा, ताकि सो रही अपनी पत्नी को परेशान न करे।
'हां, द्वीप पर एक ब्रिटिश व्यवसायी था, जो उसी समय गायब हो गया था। हो सकता है उसका इससे कोई लेना-देना न हो, लेकिन उसका नाम अफवाहों में शामिल था। नाम था चार्ल्स कैल्थ्रोप।'
‘धन्यवाद, बैरी। मैं सुबह इस पर ध्यान दूंगा।’ उसने फोन नीचे रखा और सोने चला गया।

लॉयड, एक मेहनती युवक होने के नाते, अनुरोध और उसके जवाब की एक संक्षिप्त रिपोर्ट तैयार करके आवश्यकताओं विभाग को भेज दी। तड़के रात में आवश्यकताओं विभाग के कर्मचारी ने कुछ क्षण के लिए उत्सुकतापूर्वक उसकी जांच की, और चूंकि यह पेरिस से संबंधित था, इसलिए उसने इसे विदेश कार्यालय के फ्रांस डेस्क के लिए निर्धारित थैली में रख दिया। पूरी थैली को उसी सुबह बाद में फ्रांस प्रमुख के आने पर नियमित प्रक्रिया के अनुसार व्यक्तिगत रूप से उन्हें सौंप दिया जाना था।

अध्याय चौदह
सियार सुबह 7:30 बजे अपने नियमित समय पर उठा, बिस्तर के पास रखी चाय पी, नहाया, स्नान किया और दाढ़ी बनाई। कपड़े पहनने के बाद, उसने अपने सूटकेस के अंदर से एक हजार पाउंड का बंडल निकाला, उसे अपनी जेब में रखा और नाश्ते के लिए नीचे चला गया। नौ बजे वह होटल के बाहर वाया मानज़ोनी के फुटपाथ पर था और बैंकों की तलाश में सड़क पर चल रहा था। दो घंटे तक वह एक बैंक से दूसरे बैंक जाता रहा और अंग्रेजी पाउंड बदलता रहा। दो सौ पाउंड इतालवी लीरा में और शेष आठ सौ पाउंड फ्रांसीसी फ्रैंक में बदले गए।
सुबह होते-होते उसने यह काम पूरा कर लिया और एक कैफे की छत पर बैठकर एस्प्रेसो की चुस्की ली। उसके बाद वह अपनी दूसरी खोज पर निकल पड़ा। कई पूछताछ के बाद वह पोर्टा गारिबाल्डी की एक गली में पहुँचा, जो गारिबाल्डी स्टेशन के पास एक मजदूर वर्ग का इलाका था। यहाँ उसे वह मिल गया जिसकी उसे तलाश थी - बंद गैरेजों की एक कतार। उसने गली के कोने पर स्थित गैरेज के मालिक से एक गैरेज किराए पर लिया। दो दिनों का किराया दस हजार लीरा था, जो काफी ज्यादा था, लेकिन फिर भी यह बहुत कम समय के लिए ही था।
पास की एक हार्डवेयर की दुकान से उसने एक ओवरऑल, एक धातु काटने वाली कैंची, कई गज पतला स्टील का तार, एक सोल्डरिंग आयरन और एक फुट सोल्डर रॉड खरीदी। इन सबको उसने उसी दुकान से खरीदे गए एक कैनवास के थैले में पैक किया और उसे गैरेज में रख दिया। चाबी जेब में रखकर वह शहर के अधिक फैशनेबल केंद्र में स्थित एक रेस्तरां में दोपहर का भोजन करने चला गया।
दोपहर के शुरुआती समय में, ट्रेटोरिया से फोन पर अपॉइंटमेंट लेने के बाद, वह टैक्सी से एक छोटी और साधारण सी कार किराए पर देने वाली कंपनी में पहुंचा। वहां उसने 1962 मॉडल की सेकंड हैंड अल्फा रोमियो स्पोर्ट्स टू- सीटर कार किराए पर ली। उसने बताया कि वह आगामी दो सप्ताह तक इटली घूमना चाहता है, जो उसकी इटली की छुट्टियां हैं, और उस अवधि के अंत में कार लौटा देगा।
उनका पासपोर्ट, ब्रिटिश और अंतरराष्ट्रीय ड्राइविंग लाइसेंस सब ठीक थे, और पास की ही एक कंपनी से एक घंटे के भीतर बीमा करवा लिया गया, जो नियमित रूप से कार किराए पर देने वाली कंपनी का काम संभालती थी। जमा राशि काफी ज़्यादा थी, सौ पाउंड से भी अधिक, लेकिन दोपहर होते-होते कार उनकी हो गई,

चाबी इग्निशन में लगी थी, और कंपनी के मालिक ने उन्हें सुखद छुट्टियों की शुभकामनाएं दीं।
लंदन स्थित ऑटोमोबाइल एसोसिएशन से पहले की गई पूछताछ में उन्हें आश्वासन दिया गया था कि चूंकि फ्रांस और इटली दोनों कॉमन मार्केट के सदस्य हैं, इसलिए इटली में पंजीकृत कार को फ्रांस में चलाने के लिए कोई जटिल औपचारिकताएं नहीं हैं, बशर्ते ड्राइविंग लाइसेंस, कार पंजीकरण, किराये के दस्तावेज और बीमा कवर सही हों।
कोर्सो वेनेज़िया स्थित ऑटोमोबिल क्लब इटैलियनो के रिसेप्शन डेस्क पर व्यक्तिगत पूछताछ करने पर उन्हें पास ही स्थित एक प्रतिष्ठित बीमा कंपनी का नाम बताया गया, जो विदेशी यात्राओं के लिए मोटर बीमा कवर प्रदान करने में विशेषज्ञता रखती थी। उन्होंने यहाँ फ्रांस की यात्रा के लिए अतिरिक्त बीमा कवर के लिए नकद भुगतान किया। उन्हें आश्वासन दिया गया कि इस कंपनी का एक बड़ी फ्रांसीसी बीमा कंपनी के साथ आपसी संबंध है और उनका कवर बिना किसी प्रश्न के स्वीकार कर लिया जाएगा।
यहां से वह अल्फ़ा कार चलाकर कॉन्टिनेंटेल के पास वापस गया, उसे होटल के पार्किंग स्थल में खड़ा किया, अपने कमरे में गया और स्नाइपर राइफल के पुर्जों वाला सूटकेस निकाला। शाम के कुछ ही समय बाद वह वापस उसी गली में आ गया जहां उसने गैरेज किराए पर लिया था।
दरवाजा मजबूती से बंद करने के बाद, सोल्डरिंग आयरन का तार ऊपर की लाइट के सॉकेट में लगाकर और कार के निचले हिस्से को रोशन करने के लिए बगल में फर्श पर रखी एक शक्तिशाली टॉर्च का इस्तेमाल करते हुए, वह काम पर लग गया। दो घंटे तक उसने राइफल के पुर्जों वाली पतली स्टील की नलियों को अल्फा के चेसिस के भीतरी फ्लैंज में सावधानीपूर्वक वेल्ड किया। अल्फा को चुनने का एक कारण यह भी था कि लंदन की मोटर पत्रिकाओं में खोज करने पर उसे पता चला था कि इतालवी कारों में अल्फा का चेसिस मजबूत होता है और उसके भीतरी हिस्से में गहरा फ्लैंज होता है।
ट्यूबों को बोरी के पतले आवरण में लपेटा गया था। स्टील के तार ने उन्हें फ्लैंज के अंदर कसकर बांध दिया था, और जिन जगहों पर तार चेसिस के किनारे को छू रहा था, उन्हें सोल्डरिंग आयरन से स्पॉट-वेल्ड किया गया था।
जब तक उसका काम खत्म हुआ, तब तक गैरेज के फर्श से ग्रीस से लथपथ उसके ओवरऑल पूरी तरह से सन चुके थे और चेसिस के चारों ओर तार को कसकर लपेटने के

बर्लिन में चांसरी के प्रमुख की लगभग अविवाहित बेटी से शादी, जो बाद में राज्य की सहायक उप सचिव बनीं, ने कोई नुकसान नहीं पहुँचाया। इसने 1937 में बर्लिन से जारी उस दुर्भाग्यपूर्ण ज्ञापन को नज़रअंदाज़ करने में मदद की, जिसमें सलाह दी गई थी कि जर्मनी के पुनर्शस्त्रीकरण का पश्चिमी यूरोप के भविष्य पर राजनीतिक दृष्टि से कोई वास्तविक प्रभाव नहीं पड़ेगा।
युद्ध के दौरान, लंदन लौटने पर, वे कुछ समय के लिए बाल्कन डेस्क पर रहे थे और उन्होंने युगोस्लावियाई पक्षपाती मिखाइलोविच और उनके चेत्निकों के लिए ब्रिटिश समर्थन की पुरजोर वकालत की थी। जब तत्कालीन प्रधानमंत्री ने अप्रत्याशित रूप से फिट्ज़रॉय मैक्लीन नामक एक गुमनाम युवा कैप्टन की सलाह को प्राथमिकता दी, जो पैराशूट से वहाँ पहुँचा था और जिसने टीटो नामक एक नीच कम्युनिस्ट का समर्थन करने की सलाह दी थी, तो युवा क्विगली को फ्रांस डेस्क में स्थानांतरित कर दिया गया था।
यहां उन्होंने अल्जीयर्स में जनरल गिराउड के लिए ब्रिटिश समर्थन के प्रमुख पैरोकार बनकर अपनी विशिष्टता साबित की थी। यह एक बहुत अच्छी नीति थी, या हो सकती थी, अगर उस दूसरे और कम अनुभवी फ्रांसीसी जनरल ने इसे मात न दे दी होती, जो लगातार लंदन में रहकर फ्री फ्रेंच नामक एक सेना बनाने की कोशिश कर रहा था। विंस्टन ने उस व्यक्ति पर ध्यान क्यों दिया, यह बात किसी भी पेशेवर को कभी समझ नहीं आई।
वैसे तो फ्रांसीसी लोग किसी काम के नहीं थे। सर जैस्पर (जिन्हें कूटनीति में उनके योगदान के लिए 1961 में नाइट की उपाधि दी गई थी) के बारे में कोई यह नहीं कह सकता था कि उनमें फ्रांस के अच्छे प्रमुख बनने की आवश्यक योग्यता की कमी थी। उन्हें जन्मजात ही फ्रांस और उससे जुड़ी हर चीज से नफरत थी। 14 जनवरी, 1963 को राष्ट्रपति डी गॉल की प्रेस कॉन्फ्रेंस के अंत तक, जिसमें उन्होंने ब्रिटेन को कॉमन मार्केट से बाहर कर दिया था और जिसके कारण सर जैस्पर को मंत्री के साथ बीस मिनट की असहज बातचीत करनी पड़ी थी, ये भावनाएँ फ्रांसीसी राष्ट्रपति के प्रति उनकी भावनाओं के सामने कुछ भी नहीं रह गई थीं।
उनके दरवाजे पर दस्तक हुई। सर जैस्पर खिड़की से हट गए। अपने सामने रखे ब्लॉटर से उन्होंने नीले रंग का पतला सा कागज उठाया और उसे ऐसे पकड़ा जैसे दस्तक के समय वे उसे पढ़ रहे हों।
'प्रवेश करना।'

वह युवक दफ्तर में दाखिल हुआ, अपने पीछे दरवाजा बंद किया और डेस्क की ओर बढ़ा।
सर जैस्पर ने अर्धचंद्राकार चश्मे के ऊपर से उसकी ओर एक नजर डाली।
“आह, लॉयड। अभी-अभी तुम्हारी वो रिपोर्ट देखी जो तुमने रात में दाखिल की थी। दिलचस्प, बहुत दिलचस्प। एक वरिष्ठ फ्रांसीसी पुलिस जासूस ने एक वरिष्ठ ब्रिटिश पुलिस अधिकारी से अनौपचारिक अनुरोध किया था। इसे स्पेशल ब्रांच के एक वरिष्ठ अधीक्षक को भेजा गया, जिन्होंने खुफिया सेवा के एक कनिष्ठ सदस्य से अनौपचारिक रूप से परामर्श करना उचित समझा। हम्म?”
'जी हां, सर जैस्पर।'
लॉयड खिड़की के पास खड़े उस दुबले-पतले राजनयिक को घूर रहा था, जो अपनी रिपोर्ट को ऐसे पढ़ रहा था मानो उसने उसे पहले कभी देखा ही न हो। उसे कम से कम इतना तो समझ आ गया था कि सर जैस्पर को रिपोर्ट की विषयवस्तु की पूरी जानकारी थी, और उसकी यह बनावटी उदासीनता शायद दिखावा थी।
और यह कनिष्ठ अधिकारी बिना किसी उच्च अधिकारी से परामर्श लिए, अपनी मर्जी से स्पेशल ब्रांच के अधिकारी की सहायता करने का निर्णय लेता है और उसे एक सुझाव देता है। वह सुझाव, बिना किसी सबूत के, यह संकेत देता है कि एक ब्रिटिश नागरिक, जिसे व्यवसायी समझा जाता है, वास्तव में एक निर्मम हत्यारा हो सकता है। हम्म?
लॉयड ने सोचा, "यह बूढ़ा आदमी आखिर कहना क्या चाह रहा है?"
उसे जल्द ही पता चल गया।
‘मेरे प्रिय लॉयड, मुझे जो बात हैरान करती है, वह यह है कि यद्यपि यह अनुरोध, बेशक अनौपचारिक रूप से, कल सुबह दर्ज किया गया था, लेकिन फ्रांस में होने वाली घटनाओं से सबसे अधिक संबंधित मंत्रालय के विभाग के प्रमुख को चौबीस घंटे बाद ही इसकी सूचना मिली। यह वाकई एक अजीब स्थिति है, है ना?’ लॉयड को बात समझ आ गई। विभागों के बीच का तनाव। लेकिन वह इस बात से भी भली- भांति अवगत था कि सर जैस्पर एक शक्तिशाली व्यक्ति थे, जो दशकों से उस पदानुक्रम के भीतर सत्ता संघर्ष से अच्छी तरह वाकिफ थे, जिसमें उसके घटक सदस्य राज्य के कामकाज की तुलना में अधिक प्रयास करते थे।
'अत्यंत आदर के साथ, सर जैस्पर, अधीक्षक थॉमस का मुझसे अनुरोध, जैसा कि आपने कहा, एक अनौपचारिक अनुरोध था, जो कल रात नौ बजे किया गया था। रिपोर्ट आधी रात को दाखिल की गई थी।'

'जी हां, जी हां। लेकिन मैंने देखा कि आधी रात से पहले ही उनकी विनती मान ली गई थी। अब क्या आप मुझे बता सकते हैं कि ऐसा क्यों हुआ?'
लॉयड ने जवाब दिया, 'मुझे लगा कि मार्गदर्शन का अनुरोध, या केवल जांच की दिशा के संबंध में संभावित मार्गदर्शन का अनुरोध, सामान्य अंतरविभागीय सहयोग के दायरे में आता है।'
‘क्या सच में? क्या सच में?’ सर जैस्पर ने सौम्य पूछताछ का भाव छोड़ दिया था और उनकी कुछ झुंझलाहट झलक रही थी। ‘लेकिन जाहिर तौर पर यह आपके विभाग और फ्रांस डेस्क के बीच अंतरविभागीय सहयोग के दायरे में नहीं आता, है ना?’ 'सर जैस्पर, मेरी रिपोर्ट आपके हाथ में है।'
'थोड़ी देर हो गई है, महोदय। थोड़ी देर हो गई है।'
लॉयड ने पलटवार करने का फैसला किया। वह जानता था कि अगर उसने थॉमस की मदद करने से पहले उच्च अधिकारियों से सलाह लेने में कोई गलती की थी, तो उसे अपने प्रमुख से सलाह लेनी चाहिए थी, न कि सर जैस्पर क्विगली से। और एसआईएस के प्रमुख अपने कर्मचारियों के चहेते थे, जबकि विदेश मंत्रालय के उच्च अधिकारियों द्वारा नापसंद किए जाते थे, क्योंकि वे अपने अधीनस्थों को डांटने की अनुमति केवल खुद के अलावा किसी और को नहीं देते थे।
'किस बात के लिए बहुत देर हो चुकी है, सर जैस्पर?'
सर जैस्पर ने अचानक ऊपर की ओर देखा। वह यह स्वीकार करने के जाल में नहीं फंसने वाले थे कि थॉमस के अनुरोध पर सहयोग को पूरा होने से रोकने में बहुत देर हो चुकी है।
‘आप यह तो समझते ही होंगे कि यहाँ एक ब्रिटिश नागरिक का नाम दांव पर लगा है। एक ऐसा व्यक्ति जिसके खिलाफ सबूत का एक टुकड़ा भी नहीं है, प्रमाण तो दूर की बात है। क्या आपको नहीं लगता कि किसी व्यक्ति के नाम और, अनुरोध की प्रकृति को देखते हुए, उसकी प्रतिष्ठा को इस तरह उछालना एक अजीब प्रक्रिया है?’
'मुझे नहीं लगता कि किसी व्यक्ति का नाम स्पेशल ब्रांच के अधीक्षक को केवल जांच की संभावित दिशा के रूप में बताना, सर जैस्पर, उसे इधर-उधर फैलाना कहा जा सकता है।'
राजनयिक ने गुस्से को काबू में करने की कोशिश में अपने होंठ कसकर बंद कर लिए। बदतमीज़, पर समझदार भी। उस पर कड़ी नज़र रखने की ज़रूरत थी। उसने खुद पर काबू पाया।

‘मैं समझ गया, लॉयड। मैं समझ गया। स्पेशल ब्रांच की सहायता करने की आपकी स्पष्ट इच्छा को देखते हुए, जो कि निश्चित रूप से एक बहुत ही प्रशंसनीय इच्छा है, क्या आपको लगता है कि आपसे यह अपेक्षा करना अनुचित होगा कि आप इस जोखिम भरे कार्य में कूदने से पहले थोड़ा परामर्श कर लें?’
'क्या आप यह पूछ रहे हैं, सर जैस्पर, कि आपसे परामर्श क्यों नहीं किया गया?' सर जैस्पर को बहुत गुस्सा आया।
'जी हां, महोदय, मैं हूं। मैं यही तो पूछ रहा हूं।'
'सर जैस्पर, आपकी वरिष्ठता का पूरा सम्मान करते हुए, मैं आपका ध्यान इस तथ्य की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ कि मैं सेवा के स्टाफ में हूँ। यदि आप पिछली रात मेरे आचरण से असहमत हैं, तो मुझे लगता है कि आपकी शिकायत सीधे मुझसे करने के बजाय मेरे वरिष्ठ अधिकारी से करना अधिक उचित होगा।'
क्या यह उचित था? क्या यह नौजवान उद्दंड व्यक्ति फ्रांस के प्रमुख को यह बताने की कोशिश कर रहा था कि क्या उचित है और क्या अनुचित है?
‘और ऐसा ही होगा, महोदय,’ सर जैस्पर ने तीखे स्वर में कहा, ‘और ऐसा ही होगा। बिलकुल कड़े शब्दों में।’
बिना इजाज़त मांगे लॉयड मुड़ा और दफ्तर से निकल गया। उसे पूरा यकीन था कि बूढ़े आदमी से उसे खूब डांट पड़ेगी, और बचाव में वह बस इतना ही कह सकता था कि ब्रायन थॉमस का अनुरोध ज़रूरी लग रहा था, और शायद समय भी कम था। अगर बूढ़े आदमी ने फैसला किया कि सही प्रक्रिया अपनाई जानी चाहिए थी, तो सारा दोष लॉयड पर ही आएगा। लेकिन कम से कम दोष तो उसे ओएम से सुनना पड़ेगा, क्विगली से नहीं। ओह, धिक्कार है उस थॉमस पर।
हालांकि, सर जैस्पर क्विगली इस दुविधा में थे कि शिकायत करें या नहीं। तकनीकी रूप से वे सही थे, कैल्थ्रोप के बारे में जानकारी, भले ही लंबे समय से बंद पड़ी फाइलों में दबी हुई थी, उसे उच्च अधिकारियों से मंजूरी मिलनी चाहिए थी, लेकिन जरूरी नहीं कि उनसे ही। फ्रांस के प्रमुख के रूप में, वे एसआईएस की खुफिया रिपोर्टिंग के ग्राहकों में से एक थे, न कि इसके निदेशकों में से एक। वे एसआईएस चलाने वाले उस झगड़ालू जीनियस (ये उनके शब्दों का चुनाव नहीं है) से शिकायत कर सकते थे और शायद लॉयड को अच्छी फटकार दिलवा सकते थे, जिससे उस बिगड़ैल लड़के का करियर भी बर्बाद हो सकता था। लेकिन उन्हें बिना अनुमति के एक खुफिया अधिकारी को बुलाने के लिए एसआईएस प्रमुख की तीखी जुबान का भी सामना करना पड़ सकता था, और यह विचार

उन्हें अच्छा नहीं लगा। इसके अलावा, एसआईएस प्रमुख के बारे में कहा जाता था कि वे शीर्ष अधिकारियों में से कुछ के बेहद करीबी थे। ब्लेड्स में उनके साथ ताश खेलते थे; यॉर्कशायर में उनके साथ शिकार करते थे। और शानदार बारहवीं वर्षगांठ बस एक महीने दूर थी। वे अभी भी उन पार्टियों में आमंत्रित होने की कोशिश कर रहे थे। बेहतर होगा कि इसे छोड़ दिया जाए।
'अब तो नुकसान हो ही चुका है,' उसने हॉर्सगार्ड्स परेड की ओर देखते हुए मन ही मन सोचा।
दोपहर एक बजे के कुछ ही देर बाद अपने क्लब में दोपहर के भोजन के लिए आए मेहमान से उन्होंने कहा, 'अब तो नुकसान हो ही चुका है। मुझे लगता है कि वे फ्रांसीसियों के साथ सहयोग करना शुरू कर देंगे। उम्मीद है कि वे ज्यादा मेहनत नहीं करेंगे।'
यह एक अच्छा मजाक था और उन्हें बहुत पसंद आया। दुर्भाग्य से उन्होंने अपने दोपहर के भोजन के मेहमान का पूरी तरह से अंदाजा नहीं लगाया था, जो शीर्ष अधिकारियों में से कुछ के करीबी भी थे।
लगभग एक ही समय में, मेट्रोपॉलिटन पुलिस के कमिश्नर की एक व्यक्तिगत रिपोर्ट और सर जैस्पर की छोटी सी चुटीली टिप्पणी की खबर प्रधानमंत्री की आंखों और कानों तक क्रमशः चार बजे से ठीक पहले पहुंची, जब वे सदन में प्रश्नों के बाद 10 डाउनिंग स्ट्रीट लौटे थे।
सवा चार बजे अधीक्षक थॉमस के कार्यालय में फोन की घंटी बजी।
थॉमस ने सुबह और दोपहर का अधिकांश समय एक ऐसे व्यक्ति का पता लगाने में बिताया, जिसके बारे में उसे नाम के अलावा कुछ भी पता नहीं था। हमेशा की तरह, जब किसी ऐसे व्यक्ति के बारे में पूछताछ करनी होती थी जिसके बारे में निश्चित रूप से पता हो कि वह विदेश जा चुका है, तो पेटी फ्रांस में पासपोर्ट कार्यालय ही शुरुआती बिंदु होता था।
सुबह नौ बजे कार्यालय खुलने पर व्यक्तिगत रूप से वहाँ जाने पर, उन्होंने छह अलग-अलग चार्ल्स कैल्थ्रोप के पासपोर्ट आवेदन पत्रों की फोटोकॉपी प्राप्त कीं। दुर्भाग्य से, उन सभी के मध्य नाम थे, और सभी अलग-अलग थे। उन्होंने प्रत्येक व्यक्ति की जमा की गई तस्वीरें भी इस वादे पर प्राप्त कर लीं कि उनकी प्रतियां बनाकर पासपोर्ट कार्यालय के अभिलेखागार में वापस कर दी जाएंगी।

एक पासपोर्ट के लिए जनवरी 1961 से आवेदन किया गया था, लेकिन इसका कोई निश्चित मतलब नहीं था, हालांकि यह महत्वपूर्ण था कि थॉमस के पास मौजूद पासपोर्ट से पहले चार्ल्स कैल्थ्रोप द्वारा किए गए किसी भी पिछले आवेदन का कोई रिकॉर्ड मौजूद नहीं था। यदि वह डोमिनिकन गणराज्य में किसी अन्य नाम का उपयोग कर रहा था, तो ट्रूजिलो की हत्या से उसे जोड़ने वाली अफवाहों में उसका नाम कैल्थ्रोप क्यों बताया गया था? थॉमस इस देर से आवेदन करने वाले पासपोर्ट को कम महत्व देने के पक्ष में था।
बाकी पाँच में से एक बहुत बूढ़ा लग रहा था; अगस्त 1963 तक वह पैंसठ वर्ष का हो चुका था। शेष चार संदिग्ध थे। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता था कि वे लेबेल द्वारा बताए गए लंबे, गोरे व्यक्ति के विवरण से मेल खाते थे या नहीं, क्योंकि थॉमस का काम संदिग्धों को छांटना था। अगर सभी छह को जैकाल होने के संदेह से मुक्त कर दिया जाता, तो और भी अच्छा होता। वह निःसंकोच लेबेल को सलाह दे सकता था।
प्रत्येक आवेदन पत्र पर एक पता लिखा था, दो लंदन में और दो प्रांतों में। केवल फोन करके श्री चार्ल्स कैल्थ्रोप का नाम पूछना और फिर यह पूछना कि क्या वह व्यक्ति 1961 में डोमिनिकन गणराज्य में था, पर्याप्त नहीं था। भले ही वह वहाँ रहा हो, अब वह इससे इनकार भी कर सकता था।
शीर्ष चार संदिग्धों में से किसी का भी नाम पेशेवर स्थिति के लिए निर्धारित स्थान में 'व्यापारी' के रूप में दर्ज नहीं था। यह भी निर्णायक नहीं था। उस समय बार में फैली अफवाह के बारे में लॉयड की रिपोर्ट में उन्हें व्यवसायी कहा गया हो सकता है, लेकिन यह गलत भी हो सकता है।
सुबह के समय, थॉमस के टेलीफोन अनुरोध पर, काउंटी और नगर पुलिस ने दो प्रांतीय कैल्थ्रोपों का पता लगा लिया था। उनमें से एक अभी भी काम पर था और सप्ताहांत में अपने परिवार के साथ छुट्टी पर जाने की योजना बना रहा था। उसे दोपहर के भोजन के समय घर लाया गया और उसके पासपोर्ट की जाँच की गई। पासपोर्ट पर 1960 या 1961 में डोमिनिकन गणराज्य के लिए कोई प्रवेश या निकास वीजा या मुहर नहीं थी। इसका उपयोग केवल दो बार किया गया था, एक बार मलोरका के लिए और एक बार कोस्टा ब्रावा के लिए। इसके अलावा, उसके कार्यस्थल पर पूछताछ से पता चला कि यह चार्ल्स कैल्थ्रोप जनवरी 1961 के दौरान जिस सूप फैक्ट्री में काम करता था, उसके लेखा विभाग से कभी बाहर नहीं निकला था और वह दस वर्षों से वहाँ कार्यरत था।

कैल्थ्रोप कहाँ हैं। जब पुलिस की गाड़ी स्कॉटलैंड यार्ड लौटी, तो सुपरिटेंडेंट थॉमस ने एक नई रणनीति अपनाई। आयकर विभाग से चार्ल्स हेरोल्ड कैल्थ्रोप (निजी पता दिया गया) के टैक्स रिटर्न के रिकॉर्ड की जाँच करने को कहा गया। विशेष रूप से यह जानना था कि उन्हें किसने नियुक्त किया था और पिछले तीन वर्षों से कौन उन्हें नियुक्त कर रहा था?
इसी दौरान फोन की घंटी बजी। थॉमस ने फोन उठाया, अपना परिचय दिया और कुछ सेकंड तक सुना। उसकी भौंहें तन गईं।
‘मैं?’ उसने पूछा, ‘क्या, खुद? जी हाँ, बिल्कुल, मैं आ जाऊँगा। मुझे पाँच मिनट दीजिए? ठीक है, मिलते हैं।’
वह इमारत से बाहर निकला और संसद चौक की ओर चल पड़ा, रास्ते में उसने अपनी नाक को जोर-जोर से साफ किया ताकि बंद नाक खुल जाए। गर्मी का दिन होने के बावजूद, उसकी सर्दी ठीक होने के बजाय और भी बदतर लग रही थी।
संसद चौक से वे व्हाइटहॉल की ओर बढ़े और पहली बाईं ओर मुड़कर डाउनिंग स्ट्रीट में प्रवेश किया। हमेशा की तरह वहाँ अँधेरा और उदास वातावरण था, सूरज की किरणें उस सुनसान गली तक नहीं पहुँच पा रही थीं जहाँ ब्रिटेन के प्रधानमंत्रियों का आवास स्थित है। नंबर 10 के दरवाजे के सामने एक छोटी सी भीड़ थी, जिसे दो गंभीर पुलिसकर्मियों ने सड़क के दूसरी ओर रोक रखा था, शायद वे दरवाजे पर आने वाले संदेशवाहकों को देख रहे थे जो पीले रंग के लिफाफे लेकर आ रहे थे, शायद खिड़कियों में से किसी एक पर किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति का चेहरा देखने की उम्मीद कर रहे थे।
थॉमस सड़क से हटकर दाहिनी ओर एक छोटे से आंगन में बने छोटे से लॉन को पार करते हुए आगे बढ़ा। चलते-चलते वह मकान नंबर 10 के पिछले दरवाजे पर पहुंचा, जहां उसने दरवाजे के बगल में लगी घंटी दबाई। दरवाजा तुरंत खुल गया और वर्दी पहने एक लंबा-चौड़ा पुलिस सार्जेंट सामने आया, जिसने उसे देखते ही सलाम किया।
'शुभ दोपहर, महोदय। श्री हैरोबी ने मुझे आपको सीधे उनके कमरे में ले जाने के लिए कहा है।'
जेम्स हैरोबी, जिसने कुछ मिनट पहले थॉमस को उनके कार्यालय में फोन किया था, प्रधानमंत्री का निजी सुरक्षा प्रमुख था। वह एक आकर्षक व्यक्ति था जो अपनी इकतालीस वर्ष की आयु से कहीं अधिक युवा दिखता था। उसने पब्लिक स्कूल की टाई पहनी हुई थी, लेकिन डाउनिंग स्ट्रीट में तबादला होने से पहले एक

पुलिसकर्मी के रूप में उसका शानदार करियर रहा था। थॉमस की तरह, वह भी अधीक्षक के पद पर था। थॉमस के प्रवेश करते ही वह उठ खड़ा हुआ।
‘अंदर आओ, ब्रायन। तुम्हें देखकर अच्छा लगा।’ उसने सार्जेंट को सिर हिलाकर अभिवादन किया। ‘धन्यवाद, चालमर्स।’ सार्जेंट पीछे हट गया और दरवाजा बंद कर दिया।
‘यह सब क्या है?’ थॉमस ने पूछा। हैरोबी ने हैरानी से उसकी ओर देखा।
मुझे उम्मीद थी कि आप मुझे बता सकेंगी। उन्होंने पंद्रह मिनट पहले फोन किया था, आपका नाम लेकर कहा कि वे आपसे व्यक्तिगत रूप से और तुरंत मिलना चाहते हैं। क्या आप कुछ कर रही थीं?
थॉमस को बस एक ही बात समझ आ रही थी कि वह क्या कर रहा था, लेकिन उसे आश्चर्य था कि इतने कम समय में मामला इतना बढ़ गया। खैर, अगर प्रधानमंत्री एक बार भी अपने सुरक्षाकर्मी को भरोसे में नहीं लेना चाहते थे, तो यह उनका निजी मामला था।
उन्होंने कहा, 'मेरी जानकारी में तो नहीं।'
हैरोबी ने अपनी मेज पर रखा टेलीफोन उठाया और प्रधानमंत्री के निजी कार्यालय में फोन करने के लिए कहा। लाइन में हल्की सी आवाज़ आई और एक आवाज ने कहा, 'हां?'
‘हैरॉबी बोल रहा हूँ, प्रधानमंत्री जी। सुपरिटेंडेंट थॉमस मेरे साथ हैं... जी हाँ। अभी।’ उन्होंने रिसीवर वापस रख दिया।
‘सीधे अंदर आओ। लगभग तुरंत। तुम कुछ न कुछ कर रहे होगे। दो मंत्री इंतजार कर रहे हैं। चलो।’
हैरोबी अपने कार्यालय से बाहर निकले और गलियारे से होते हुए दूसरे छोर पर स्थित हरे रंग के कपड़े के दरवाजे की ओर बढ़े। एक पुरुष सचिव बाहर आ रहे थे, उन्होंने दोनों को देखा और पीछे हटकर दरवाजा खुला रखा। हैरोबी ने थॉमस को अंदर बुलाया, स्पष्ट रूप से कहा, 'अधीक्षक थॉमस, प्रधानमंत्री जी,' और चुपचाप दरवाजा बंद करते हुए वापस चले गए।
थॉमस को इस बात का एहसास था कि वह एक बेहद शांत कमरे में है, जिसकी छत ऊंची है और जो सुरुचिपूर्ण ढंग से सुसज्जित है, किताबों और कागजों से अस्त-व्यस्त है, जिसमें पाइप तंबाकू और लकड़ी के पैनल की गंध आ रही है, एक ऐसा कमरा जो प्रधानमंत्री के कार्यालय की बजाय किसी विश्वविद्यालय के विद्वान के अध्ययन कक्ष जैसा अधिक लग रहा था।

खिड़की पर खड़ा व्यक्ति मुड़ गया।
'शुभ दोपहर, अधीक्षक। कृपया बैठ जाइए।'
'शुभ दोपहर, महोदय।' उन्होंने मेज के सामने एक सीधी कुर्सी चुनी और उसके किनारे पर बैठ गए। इससे पहले उन्हें प्रधानमंत्री को इतने करीब से देखने का कभी अवसर नहीं मिला था, न ही कभी अकेले में। उन्हें ऐसा लगा जैसे प्रधानमंत्री की आंखें उदास, लगभग थकी हुई हों, पलकें झुकी हुई हों, मानो कोई शिकारी कुत्ता लंबी दौड़ लगाकर आया हो और उसे उसमें कोई आनंद न मिला हो।
प्रधानमंत्री के अपनी मेज की ओर चलकर उसके पीछे बैठने पर कमरे में सन्नाटा छा गया। थॉमस ने व्हाइटहॉल में यह अफवाह तो सुनी ही थी कि प्रधानमंत्री का स्वास्थ्य उतना अच्छा नहीं है जितना होना चाहिए, और कीलर/वार्ड कांड के भ्रष्टाचार से सरकार को उबारने के तनाव का उन पर क्या असर पड़ा है। यह कांड अभी हाल ही में समाप्त हुआ था और पूरे देश में चर्चा का मुख्य विषय बना हुआ था। फिर भी, अपने सामने बैठे व्यक्ति के चेहरे पर दिख रही थकावट और उदासी को देखकर वह हैरान रह गया।
'सुपरिटेंडेंट थॉमस, मुझे यह जानकारी मिली है कि आप कल सुबह पेरिस से फ्रांसीसी पुलिस ज्यूडिशियरी के एक वरिष्ठ जासूस द्वारा टेलीफोन पर प्राप्त सहायता अनुरोध के आधार पर वर्तमान में एक जांच कर रहे हैं।'
'जी हां, महोदय... प्रधानमंत्री जी।'
और क्या यह अनुरोध फ्रांसीसी सुरक्षा अधिकारियों के इस डर से उपजा है कि कोई व्यक्ति फरार हो सकता है... एक पेशेवर हत्यारा, जिसे संभवतः ओएएस द्वारा भविष्य में किसी समय फ्रांस में एक मिशन को अंजाम देने के लिए काम पर रखा गया हो?
‘प्रधानमंत्री जी, हमें इस बारे में कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया गया था। अनुरोध ऐसे किसी पेशेवर हत्यारे की पहचान के बारे में सुझाव मांगने का था, जिसके बारे में हमें जानकारी हो। यह नहीं बताया गया कि उन्हें ऐसे सुझाव क्यों चाहिए थे।’
फिर भी, अधीक्षक जी, इस तथ्य से आप क्या निष्कर्ष निकालते हैं कि ऐसा अनुरोध किया गया था?
थॉमस ने हल्के से कंधे उचकाए।
‘बिल्कुल आपकी तरह, प्रधानमंत्री जी।’

'बिल्कुल सही। फ्रांसीसी अधिकारियों द्वारा ऐसे व्यक्ति की पहचान करने की एकमात्र संभावित वजह का अनुमान लगाने के लिए किसी को प्रतिभाशाली होने की आवश्यकता नहीं है। और यदि वास्तव में इस प्रकार का कोई व्यक्ति फ्रांसीसी पुलिस की नजर में आया है, तो आप उसके संभावित लक्ष्य के बारे में क्या अनुमान लगाएंगे?'
'खैर, प्रधानमंत्री जी, मुझे लगता है कि उन्हें डर है कि राष्ट्रपति की हत्या करने के लिए किसी हत्यारे को काम पर रखा गया है।'
'बिल्कुल सही। ऐसा प्रयास पहली बार तो नहीं किया गया होगा?'
'नहीं, महोदय। इसके लिए पहले ही छह प्रयास किए जा चुके हैं।'
प्रधानमंत्री अपने सामने रखे कागजों को इस तरह घूर रहे थे मानो वे उन्हें इस बात का कुछ सुराग दे सकें कि उनके प्रधानमंत्रित्व काल के अंतिम महीनों में दुनिया में क्या घटित हुआ था।
'क्या आपको पता है, अधीक्षक, कि इस देश में कुछ ऐसे लोग मौजूद हैं, जो अधिकार के महत्वपूर्ण पदों पर आसीन हैं, और यदि आपकी जांच यथासंभव कम सक्रिय हो तो उन्हें कोई आपत्ति नहीं होगी?'
थॉमस सचमुच हैरान था।
'नहीं, महोदय।' प्रधानमंत्री को यह जानकारी आखिर कहाँ से मिली?
क्या आप कृपया मुझे अब तक की अपनी जांच की स्थिति का संक्षिप्त विवरण दे सकते हैं?
थॉमस ने शुरुआत से ही बात शुरू की, आपराधिक रिकॉर्ड से लेकर स्पेशल ब्रांच तक की पूरी प्रक्रिया, लॉयड के साथ हुई बातचीत, कैल्थ्रोप नामक एक व्यक्ति का जिक्र और उस समय तक हुई सभी जांचों को स्पष्ट और संक्षिप्त रूप से समझाया।
जब उनका भाषण समाप्त हो गया, तो प्रधानमंत्री उठे और खिड़की की ओर चले गए, जो आंगन में धूप से जगमगाते घास के मैदान की ओर खुलती थी। कई मिनटों तक वे आंगन में नीचे देखते रहे और उनके कंधे झुके हुए से लग रहे थे। थॉमस सोचने लगा कि वे क्या सोच रहे हैं।
शायद वह अल्जीयर्स के बाहर किसी समुद्र तट के बारे में सोच रहा था, जहाँ वह कभी उस अभिमानी फ्रांसीसी के साथ टहला और बातें की थीं, जो अब तीन सौ मील दूर एक दूसरे कार्यालय में बैठकर अपने देश के मामलों का संचालन कर रहा था।

पहुँच प्राप्त कर सकते हैं जो आपकी जाँच में सहायक हो सकते हैं। मेरे व्यक्तिगत आदेशानुसार, आप इस मामले में फ्रांसीसी अधिकारियों के साथ बिना किसी संकोच के सहयोग करेंगे। जब आप पूरी तरह से संतुष्ट हो जाएँ कि फ्रांसीसी जिस व्यक्ति की पहचान और गिरफ्तारी करना चाहते हैं, वह ब्रिटिश नागरिक नहीं है और न ही इन तटों से काम कर रहा है, तभी आप अपनी जाँच रोक सकते हैं। उस समय आप व्यक्तिगत रूप से मुझे रिपोर्ट करेंगे।’
“यदि यह कैल्थ्रोप नाम का व्यक्ति, या ब्रिटिश पासपोर्ट धारक कोई अन्य व्यक्ति, उचित रूप से उस व्यक्ति के रूप में माना जा सकता है जिसकी फ्रांसीसी तलाश कर रहे हैं, तो आप इस व्यक्ति को हिरासत में लेंगे। वह जो भी हो, उसे रोकना होगा। क्या मेरी बात स्पष्ट है?”
यह बात बिल्कुल स्पष्ट थी। थॉमस को पूरा यकीन था कि प्रधानमंत्री के कानों तक कोई ऐसी जानकारी पहुंची थी जिसके चलते उन्होंने ये निर्देश दिए थे। थॉमस को शक था कि इसका संबंध उन कुछ लोगों के बारे में की गई उस रहस्यमयी टिप्पणी से था जो चाहते थे कि उनकी जांच में कोई प्रगति न हो। लेकिन वह पूरी तरह आश्वस्त नहीं थे।
‘जी सर,’ उसने कहा।
प्रधानमंत्री ने साक्षात्कार समाप्त होने का संकेत देते हुए अपना सिर हिलाया। थॉमस उठे और दरवाजे की ओर चले गए।
‘क्या... प्रधानमंत्री हैं?’
'हाँ।'
'एक बात है, महोदय। मुझे यकीन नहीं है कि आप चाहेंगे कि मैं दो साल पहले डोमिनिकन गणराज्य में कैल्थ्रोप नाम के व्यक्ति के बारे में फैली अफवाह की जांच के बारे में फ्रांसीसियों को बताऊं।'
'क्या आपके पास फिलहाल यह मानने के लिए उचित आधार हैं कि इस व्यक्ति की पिछली गतिविधियां उसे उस व्यक्ति के विवरण से मेल खाने को उचित ठहराती हैं जिसकी पहचान फ्रांसीसी करना चाहते हैं?'
'नहीं, प्रधानमंत्री जी। दुनिया में किसी भी चार्ल्स कैल्थ्रोप के खिलाफ हमारा कोई विरोध नहीं है, सिवाय दो साल पहले फैली अफवाह के। हमें अभी तक यह नहीं पता कि जिस कैल्थ्रोप को हम दोपहर भर खोजने की कोशिश कर रहे हैं, वह वही है जो जनवरी 1961 में कैरिबियन में था। अगर वह नहीं है, तो हम फिर से वहीं पहुँच जाएँगे जहाँ से शुरू किया था।'

प्रधानमंत्री ने कुछ सेकंड तक सोचा।
‘मैं नहीं चाहूंगा कि आप ढाई साल पुरानी निराधार अफवाहों पर आधारित सुझावों से अपने फ्रांसीसी सहकर्मी का समय बर्बाद करें। अधीक्षक, “निराधार” शब्द पर ध्यान दें। कृपया अपनी जांच पूरी ऊर्जा के साथ जारी रखें। जैसे ही आपको लगे कि आपके पास चार्ल्स कैल्थ्रोप के बारे में, या किसी अन्य मामले में, जनरल ट्रूजिलो के मामले में उनकी संलिप्तता की अफवाह को पुष्ट करने के लिए पर्याप्त जानकारी है, तो आप तुरंत फ्रांसीसियों को सूचित करें और साथ ही उस व्यक्ति का पता लगाएं, चाहे वह कहीं भी हो।’
जी हां, प्रधानमंत्री जी।
और क्या आप कृपया श्री हैरोबी को मेरे पास आने के लिए कहेंगे? मैं आपको तुरंत आवश्यक प्राधिकरण जारी कर दूंगा।
थॉमस के दफ्तर में दोपहर के बाकी समय में हालात तेज़ी से बदल गए। उन्होंने स्पेशल ब्रांच के छह सर्वश्रेष्ठ जासूस निरीक्षकों की एक टीम बनाई। एक को छुट्टी से वापस बुलाया गया; दो को उस व्यक्ति के घर की निगरानी के काम से हटा दिया गया जिस पर रॉयल ऑर्डनेंस फैक्ट्री से प्राप्त गोपनीय जानकारी को पूर्वी यूरोप के एक सैन्य अटैची को देने का संदेह था। बाकी दो वही थे जिन्होंने एक दिन पहले स्पेशल ब्रांच के रिकॉर्ड खंगालकर एक अज्ञात हत्यारे की तलाश में उनकी मदद की थी। आखिरी वाला अपनी छुट्टी पर था और अपने ग्रीनहाउस में बागवानी कर रहा था जब उसे तुरंत ब्रांच मुख्यालय में रिपोर्ट करने का फोन आया।
उन्होंने सभी को विस्तार से जानकारी दी, उन्हें चुप रहने की शपथ दिलाई और लगातार आ रही फोन कॉलों का जवाब दिया। शाम के ठीक बाद, आयकर विभाग को चार्ल्स हेरोल्ड कैल्थ्रोप का टैक्स रिटर्न मिला। एक जासूस को पूरी फाइल वापस लाने के लिए भेजा गया। बाकी लोग फोन पर काम करने लगे, सिवाय एक के जिसे कैल्थ्रोप के पते पर भेजा गया ताकि वह हर पड़ोसी और स्थानीय व्यापारी से उस व्यक्ति के बारे में जानकारी जुटा सके। कैल्थ्रोप द्वारा चार साल पहले पासपोर्ट आवेदन पत्र में जमा की गई तस्वीर से ली गई तस्वीरों को फोटोग्राफिक प्रयोगशाला में प्रिंट किया गया और प्रत्येक इंस्पेक्टर के पास एक तस्वीर थी।
वांछित व्यक्ति के कर विवरण से पता चला कि पिछले एक वर्ष से वह बेरोजगार था, और उससे पहले एक वर्ष विदेश में रहा था। लेकिन वित्तीय वर्ष 1960-61 के

थॉमस ने अंततः पूछा, कैल्थ्रोप ने फर्म क्यों छोड़ी? उत्तर था, उसे बर्खास्त कर दिया गया था। क्यों? मोनसन ने कुछ क्षणों तक ध्यानपूर्वक सोचा। अंत में उसने कहा:
‘अधीक्षक महोदय, सेकंड-हैंड हथियारों का कारोबार बेहद प्रतिस्पर्धी है। आप कह सकते हैं कि गलाकाट प्रतिस्पर्धा है। किसी प्रतिद्वंद्वी के लिए, जो उसी खरीदार के साथ वही सौदा करना चाहता है, यह जानना बेहद महत्वपूर्ण हो सकता है कि दूसरा व्यक्ति क्या बेच रहा है और उसकी कीमत क्या है। बस इतना समझ लीजिए कि कैल्थ्रोप की कंपनी के प्रति वफादारी से हम पूरी तरह संतुष्ट नहीं थे।’
शहर लौटते समय कार में थॉमस ने मॉन्सन की बातों पर विचार किया। उस समय कैल्थ्रोप द्वारा डोमिनिकन गणराज्य से इतनी जल्दी निकलने का दिया गया स्पष्टीकरण तर्कसंगत था। यह कैरिबियाई एसआईएस निवासी द्वारा बाद में फैलाई गई उस अफवाह की पुष्टि नहीं करता था, बल्कि उसे नकारता था, जिसमें कहा गया था कि उसका नाम हत्या से जुड़ा हुआ है।
दूसरी ओर, मॉन्सन के अनुसार, कैल्थ्रोप एक ऐसा व्यक्ति था जो दोहरा छल करने से भी पीछे नहीं हटता था। क्या वह किसी छोटे हथियार बनाने वाली कंपनी के अधिकृत प्रतिनिधि के रूप में बिक्री करने के लिए आया हो सकता था, और साथ ही साथ क्रांतिकारियों से वेतन भी ले रहा हो सकता था?
मोनसन की एक बात ने थॉमस को परेशान कर दिया था; उसने बताया था कि जब कैल्थ्रोप कंपनी में शामिल हुआ था, तब उसे राइफलों के बारे में ज़्यादा जानकारी नहीं थी। भला एक माहिर निशानेबाज को तो विशेषज्ञ होना ही चाहिए था, है ना? लेकिन कंपनी में रहते हुए उसने यह सब सीख लिया होगा। पर अगर वह राइफल चलाने में नया था, तो ट्रूजिलो विरोधी गुटों ने उसे जनरल की कार को तेज़ रफ़्तार वाली सड़क पर एक ही गोली से रोकने के लिए क्यों काम पर रखा? या फिर उन्होंने उसे काम पर रखा ही नहीं? क्या कैल्थ्रोप की कहानी ही सच थी?
थॉमस ने कंधे उचका दिए। इससे न तो कुछ साबित हुआ, न ही कुछ गलत साबित हुआ। उसने मन ही मन कड़वाहट से सोचा, हम फिर से वहीं आ गए जहां से शुरू किया था। लेकिन दफ्तर लौटते ही उन्हें एक ऐसी खबर मिली जिसने उनका इरादा बदल दिया। कैल्थ्रोप के पते पर पूछताछ करने वाले इंस्पेक्टर ने सूचना दी थी। उन्हें एक पड़ोसी मिली जो दिन भर काम पर बाहर थी। महिला ने बताया कि श्री

कैल्थ्रोप कुछ दिन पहले घर से निकले थे और उन्होंने स्कॉटलैंड घूमने जाने की बात कही थी। बाहर सड़क पर खड़ी कार के पीछे महिला ने कुछ ऐसा देखा जो मछली पकड़ने की छड़ियों जैसा लग रहा था।
मछली पकड़ने की छड़ें? अधीक्षक थॉमस को अचानक ठंड लगने लगी, हालांकि कार्यालय गर्म था। जासूस के बात खत्म करते ही बाकी लोगों में से एक अंदर आया।
'बहुत अच्छा?'
'हाँ?'
मुझे अभी-अभी एक बात सूझी।
'जारी रखें।'
'क्या आप फ़्रेंच बोलते हैं?'
'नहीं आप करते हैं?'
'हां, मेरी मां फ्रांसीसी थीं। पुलिस जिस हत्यारे की तलाश कर रही है, उसका कोडनेम जैकल है, है ना?'
'तो क्या हुआ?'
‘खैर, फ्रेंच में जैकाल को चाकल कहते हैं। सी-एच-ए-सी-ए-एल। देखा? यह महज एक संयोग हो सकता है। अपने ईसाई नाम के पहले तीन अक्षरों और अपने... के पहले तीन अक्षरों से मिलकर नाम चुनने के लिए वह ज़रूर बहुत मूर्ख होगा।’
“मेरे खूनी पूर्वजों की धरती,” थॉमस ने कहा और ज़ोर से छींका। फिर उसने टेलीफोन की ओर हाथ बढ़ाया।

अध्याय पंद्रह
पेरिस स्थित गृह मंत्रालय में तीसरी बैठक दस बजे के कुछ देर बाद शुरू हुई, क्योंकि मंत्री एक राजनयिक स्वागत समारोह से लौटते समय यातायात में फंस गए थे और उन्हें देर हो गई थी। बैठते ही उन्होंने बैठक शुरू करने का इशारा किया।
पहली रिपोर्ट एसडीईसीई के जनरल गुइबाउड की थी। यह संक्षिप्त और सटीक थी। पूर्व नाज़ी हत्यारे कैसल का पता गुप्त सेवा के मैड्रिड कार्यालय के एजेंटों ने लगा लिया था। वह मैड्रिड में अपने छत वाले फ्लैट में शांतिपूर्ण सेवानिवृत्ति जीवन जी रहा था, शहर में एक अन्य पूर्व एसएस कमांडो नेता के साथ एक समृद्ध व्यवसाय में भागीदार बन गया था, और जहाँ तक पता चला था, उसका ओएएस से कोई संबंध नहीं था। पेरिस से आगे की जाँच का अनुरोध आने तक मैड्रिड कार्यालय के पास उस व्यक्ति की फाइल पहले से ही मौजूद थी, और कार्यालय का मानना था कि उसका ओएएस से कभी कोई संबंध नहीं था। उनकी उम्र, गठिया के लगातार बढ़ते दौरे जो उनके पैरों को प्रभावित करने लगे थे, और शराब के अत्यधिक सेवन को देखते हुए, आम तौर पर कैसल को एक संभावित सियार के रूप में खारिज किया जा सकता था।
जनरल के भाषण समाप्त होते ही सबकी निगाहें कमिश्नर लेबेल पर टिक गईं। उनकी रिपोर्ट गंभीर थी। दिनभर में पीजे को उन तीन अन्य देशों से भी रिपोर्टें मिली थीं जिन्होंने चौबीस घंटे पहले संभावित संदिग्धों के नाम सुझाए थे। अमेरिका से खबर आई थी कि बंदूक विक्रेता चक अर्नोल्ड कोलंबिया में अपने अमेरिकी नियोक्ता के लिए चीफ ऑफ स्टाफ को अमेरिकी सेना की अतिरिक्त एआर-10 असॉल्ट राइफलों की खेप बेचने का सौदा पक्का करने की कोशिश कर रहा था। बोगोटा में रहते हुए वह वैसे भी सीआईए की निरंतर निगरानी में था, और इस बात का कोई संकेत नहीं था कि वह आधिकारिक अमेरिकी अस्वीकृति के बावजूद अपने हथियार सौदे को पूरा करने के अलावा कुछ और योजना बना रहा था।
इस व्यक्ति की फाइल, विटेलिनो की फाइल की तरह ही, पेरिस को टेलेक्स द्वारा भेजी गई थी। इससे पता चला कि हालांकि कोसा नोस्ट्रा के पूर्व बंदूकधारी का अभी तक पता नहीं चल पाया था, लेकिन उसकी लंबाई पांच फीट चार इंच थी, वह बेहद चौड़ा और गठीला था, उसके बाल काले थे और रंग सांवला था। वियना के होटल

क्लर्क द्वारा वर्णित जैकाल से उसकी शक्ल-सूरत में इतना अंतर देखकर लेबेल को लगा कि उसे भी संदिग्ध नहीं माना जा सकता।
दक्षिण अफ़्रीकी लोगों को पता चला था कि पीट शूइपर अब ब्रिटिश राष्ट्रमंडल के एक पश्चिम अफ़्रीकी देश में एक हीरा खनन निगम की निजी सेना का प्रमुख था। उसका काम कंपनी के स्वामित्व वाले विशाल खनन क्षेत्रों की सीमाओं पर गश्त करना और सीमा पार से अवैध हीरा चोरों को लगातार हतोत्साहित करना था। उससे चोरी रोकने के तरीकों के बारे में कोई भी अप्रिय सवाल नहीं पूछा गया और उसके नियोक्ता उसके प्रयासों से संतुष्ट थे। उसके नियोक्ताओं ने उसकी उपस्थिति की पुष्टि की; वह निश्चित रूप से पश्चिम अफ़्रीका में अपने पद पर था।
बेल्जियम पुलिस ने अपने पूर्व भाड़े के सैनिक की जांच की थी। कैरेबियन स्थित उनके दूतावासों में से एक की फाइलों में एक रिपोर्ट मिली, जिसमें बताया गया था कि कटांगा के पूर्व कर्मचारी की तीन महीने पहले ग्वाटेमाला में एक बार में हुई लड़ाई में मौत हो गई थी।
लेबेल ने अपने सामने रखी फाइल से आखिरी रिपोर्ट पढ़ना समाप्त किया। जब उसने ऊपर देखा तो पाया कि चौदह जोड़ी आँखें उसे घूर रही थीं, जिनमें से अधिकतर ठंडी और चुनौती भरी थीं।
'तो, कुछ नहीं?'
कर्नल रोलैंड का प्रश्न वहां उपस्थित सभी लोगों का प्रश्न था।
'नहीं, मुझे डर है कि कुछ भी नहीं,' लेबेल ने सहमति जताते हुए कहा। 'कोई भी सुझाव सही नहीं लगता।'
“ऐसा लगता है कि सब कुछ सही है,” सेंट-क्लेयर ने कड़वाहट से कहा, “क्या यही वह स्थिति है जहाँ आपके “शुद्ध जासूसी कार्य” का अंत हो गया है? क्या कुछ भी सही साबित नहीं होता?” उन्होंने दोनों जासूसों, बूवियर और लेबेल को गुस्से से घूरा, और तुरंत समझ गए कि कमरे का माहौल उनके पक्ष में है।
‘ऐसा लगता है, सज्जनों,’ मंत्री जी ने दोनों पुलिस कमिश्नरों को शामिल करने के लिए चुपचाप बहुवचन का प्रयोग करते हुए कहा, ‘कि हम वहीं लौट आए हैं जहाँ से हमने शुरुआत की थी। यानी बिल्कुल शुरुआत से?’
'हां, मुझे डर है कि ऐसा ही है,' लेबेल ने जवाब दिया, और बोवियर ने उसकी ओर से मोर्चा संभाला।

'मेरा सहयोगी लगभग बिना किसी सुराग और बिना किसी संकेत के, दुनिया के सबसे मायावी किस्म के पुरुषों में से एक की तलाश कर रहा है। ऐसे लोग न तो अपने पेशे का प्रचार करते हैं और न ही अपने ठिकाने का।'
‘हम इस बात से अवगत हैं, मेरे प्रिय आयुक्त,’ मंत्री ने ठंडे स्वर में उत्तर दिया, ‘सवाल यह है कि...’
दरवाजे पर दस्तक से उनकी बात बाधित हुई। मंत्री जी ने भौंहें चढ़ाईं; उन्हें निर्देश दिया गया था कि आपातकाल को छोड़कर उन्हें परेशान न किया जाए।
'अंदर आएं।'
मंत्रालय के एक कुली दरवाजे पर खड़े थे, संकोच और शर्मिंदगी से भरे हुए। ‘माफ़ कीजिए, महाशय मंत्री जी। कमिश्नर लेबेल के लिए लंदन से फ़ोन आया है।’ कमरे में व्याप्त शत्रुता को भांपते हुए उस व्यक्ति ने खुद को ढकने की कोशिश की। ‘वे कहते हैं कि यह बहुत ज़रूरी है…’
लेबेल गुलाब।
‘क्या आप मुझे क्षमा करेंगे, सज्जनों?’
वह पाँच मिनट में लौट आया। माहौल उतना ही ठंडा था जितना उसके जाने से पहले था, और स्पष्ट था कि आगे क्या करना है इस पर चल रही बहस उसकी अनुपस्थिति में भी जारी रही थी। जैसे ही वह अंदर आया, उसने कर्नल सेंट-क्लेयर की तीखी निंदा को बीच में ही रोक दिया, जो लेबेल के बैठते ही शांत हो गई। छोटे कमिश्नर के हाथ में एक लिफाफा था जिसके पीछे कुछ लिखा हुआ था।
उन्होंने कहना शुरू किया, 'मुझे लगता है, सज्जनों, हमें उस व्यक्ति का नाम मिल गया है जिसकी हम तलाश कर रहे हैं।'
तीस मिनट बाद बैठक लगभग हल्के-फुल्के माहौल में समाप्त हुई। जब लेबेल ने लंदन से आए संदेश का वर्णन समाप्त किया, तो मेज के चारों ओर बैठे सभी लोगों ने एक साथ राहत की सांस ली, मानो लंबी यात्रा के बाद कोई ट्रेन अपने प्लेटफार्म पर पहुंची हो। हर कोई जानता था कि आखिरकार कुछ ऐसा है जो वे कर सकते हैं। आधे घंटे के भीतर वे इस बात पर सहमत हो गए कि बिना किसी प्रचार के चार्ल्स कैल्थ्रोप नाम के एक व्यक्ति की तलाश में पूरे फ्रांस में छानबीन की जाएगी, उसे ढूंढा जाएगा और यदि आवश्यक समझा गया तो उसका निपटारा कर दिया जाएगा।

उन्हें पता था कि कैल्थ्रोप के बारे में पूरी जानकारी सुबह तक उपलब्ध नहीं होगी, जब तक कि उसे लंदन से टेलेक्स द्वारा नहीं भेजा जाता। लेकिन इस बीच, रेसेग्नेमेंट्स जेनेरॉक्स अपने विशाल संग्रह में से उस व्यक्ति द्वारा भरा गया कोई डिसम्बार्केशन कार्ड या फ्रांस के किसी भी होटल में उसका पंजीकरण कराने वाला कोई होटल कार्ड ढूंढ सकता था। पुलिस प्रेफेक्चर अपने रिकॉर्ड की जांच करके देख सकता था कि क्या वह पेरिस की सीमा के भीतर किसी होटल में ठहरा हुआ था।
डीएसटी उसका नाम और विवरण फ्रांस के प्रत्येक सीमा चौकी, बंदरगाह, हवाई अड्डे और हवाई क्षेत्र को दे सकता था, साथ ही यह निर्देश भी दे सकता था कि फ्रांसीसी क्षेत्र में कदम रखते ही ऐसे व्यक्ति को तुरंत हिरासत में ले लिया जाए।
अगर वह अभी तक फ्रांस नहीं पहुंचा होता, तो कोई बात नहीं। उसके आने तक पूरी तरह से चुप्पी साधे रखी जाती, और उसके आते ही उसे पकड़ लिया जाता।
‘यह घिनौना प्राणी, जिसे वे कैल्थ्रोप कहते हैं, वह तो हमारे हाथ में है।’ कर्नल राउल सेंट-क्लेयर डी विलाउबन ने उस रात बिस्तर पर लेटे हुए अपनी प्रेमिका से कहा।
जब जैकलीन ने आखिरकार कर्नल को देर से चरम सुख प्राप्त करने के लिए मना लिया और उसे सोने के लिए भेज दिया, तो शेल्फ पर लगी घड़ी में बारह बज गए और 14 अगस्त हो गया था।
सुपरिटेंडेंट थॉमस अपने कार्यालय की कुर्सी पर आराम से बैठ गए और उन छह निरीक्षकों का जायजा लिया जिन्हें उन्होंने पेरिस से फोन पर बात करने के बाद अलग-अलग कार्यों से हटाकर फिर से एक साथ बुलाया था। बाहर, गर्मी की शांत रात में बिग बेन की घंटी आधी रात को बज उठी।
उनकी ब्रीफिंग में एक घंटा लगा। एक व्यक्ति को कैल्थ्रोप के बचपन की जांच करने का काम सौंपा गया था, जिसमें यह पता लगाना था कि उनके माता-पिता अब कहां रहते हैं (यदि वास्तव में उनके माता-पिता हैं); उन्होंने किस स्कूल में पढ़ाई की थी; कैडेट कोर में स्कूली छात्र के रूप में उनका निशानेबाजी का रिकॉर्ड कैसा था (यदि कोई हो)। उनकी उल्लेखनीय विशेषताएं, विशिष्ट निशान आदि की जांच करनी थी।
एक दूसरे व्यक्ति को उसकी युवावस्था की जांच करने के लिए नियुक्त किया गया था, जिसमें स्कूल छोड़ने से लेकर राष्ट्रीय सेवा, सेवा का रिकॉर्ड और

निशानेबाजी में उसकी दक्षता, सेना से छुट्टी के बाद का रोजगार, और यहां तक कि उस समय तक की जानकारी शामिल थी जब उसने उन हथियार डीलरों की नौकरी छोड़ी थी जिन्होंने उसे दोहरे व्यवहार के संदेह में बर्खास्त कर दिया था। तीसरे और चौथे जासूसों को अक्टूबर 1961 में अपने आखिरी ज्ञात नियोक्ता को छोड़ने के बाद से उसकी गतिविधियों का पता लगाने का काम सौंपा गया था। वह कहाँ था, किससे मिला था, उसकी आय क्या थी, किन स्रोतों से थी; चूंकि कोई पुलिस रिकॉर्ड नहीं था और इसलिए संभवतः कोई फिंगरप्रिंट भी नहीं था, थॉमस को उस व्यक्ति की अब तक की हर ज्ञात और नवीनतम तस्वीर की आवश्यकता थी। अंतिम दो निरीक्षकों को उस समय कैल्थ्रोप के ठिकाने का पता लगाना था। पूरे फ्लैट की छानबीन करके उंगलियों के निशान ढूंढना, यह पता लगाना कि उसने कार कहाँ से खरीदी थी, लंदन के काउंटी हॉल में ड्राइविंग लाइसेंस जारी करने के रिकॉर्ड की जाँच करना, और यदि कोई रिकॉर्ड न मिले तो प्रांतीय काउंटी लाइसेंसिंग विभागों से जाँच शुरू करना। कार का पता लगाना - उसका ब्रांड, उम्र, रंग, पंजीकरण संख्या। उसके स्थानीय गैरेज का पता लगाना कि क्या वह कार से लंबी यात्रा की योजना बना रहा था, इंग्लिश चैनल पार करने वाली नौकाओं की जाँच करना, सभी एयरलाइन कंपनियों से संपर्क करके किसी भी गंतव्य के लिए विमान में बुकिंग करवाना।
सभी छह लोगों ने विस्तार से नोट्स लिए। जब उन्होंने नोट्स लिखना समाप्त कर लिया, तभी वे उठे और कार्यालय से बाहर निकल गए। गलियारे में अंतिम दो लोगों ने एक-दूसरे को तिरछी नजरों से देखा।
एक ने कहा, 'ड्राई-क्लीन करवाओ और टेक्सचर ठीक करवाओ। पूरा का पूरा काम करो।'
दूसरे ने कहा, 'मजेदार बात यह है कि बूढ़ा आदमी हमें यह नहीं बता रहा है कि उसने क्या किया है या क्या करने वाला है।'
एक बात तो पक्की है। इस तरह की कार्रवाई के लिए, यह सीधे ऊपर से ही आदेश आया होगा। ऐसा लगता है जैसे वह बदमाश सियाम के राजा को गोली मारने की योजना बना रहा था।
मजिस्ट्रेट को जगाने और उनसे तलाशी वारंट पर हस्ताक्षर करवाने में कुछ ही समय लगा। सुबह तड़के जब थका हुआ थॉमस अपने कार्यालय की कुर्सी पर ऊंघ रहा था और उससे भी ज्यादा थका हुआ क्लाउड लेबेल अपने कार्यालय में कड़क काली

कॉफी की चुस्कियां ले रहा था, तब स्पेशल ब्रांच के दो आदमियों ने कैल्थ्रोप के फ्लैट की बारीकी से तलाशी ली।
दोनों ही माहिर थे। उन्होंने दराजों से शुरुआत की, एक-एक करके सभी दराजों को खाली करके चादर में समेटा और फिर सावधानीपूर्वक छाँटा। जब सभी दराजें साफ हो गईं, तो उन्होंने गुप्त पैनलों के लिए दराज रहित डेस्क की लकड़ी पर काम शुरू किया। लकड़ी के फर्नीचर के बाद गद्दीदार फर्नीचर की बारी आई। जब ये काम पूरा हो गया, तो फ्लैट थैंक्सगिविंग डे पर टर्की फार्म जैसा लग रहा था। एक आदमी ड्राइंग रूम पर काम कर रहा था, दूसरा बेडरूम पर। इन दोनों के बाद रसोई और बाथरूम की बारी आई।
अलमारियों में रखे फर्नीचर, कुशन, तकिए और कोट व सूट को समेटने के बाद, उन्होंने फर्श, छत और दीवारों की सफाई शुरू की। सुबह छह बजे तक फ्लैट एकदम साफ हो चुका था। ज़्यादातर पड़ोसी सीढ़ियों पर इकट्ठा होकर एक-दूसरे को और फिर कैल्थ्रोप के फ्लैट के बंद दरवाजे को देख रहे थे और फुसफुसाते हुए बातें कर रहे थे, जो दो निरीक्षकों के फ्लैट से बाहर निकलते ही शांत हो गईं।
एक व्यक्ति कैल्थ्रोप के निजी कागजात और सामान से भरा सूटकेस लिए हुए था। वह सड़क पर गया, इंतज़ार कर रही पुलिस गाड़ी में बैठा और अधीक्षक थॉमस के पास वापस चला गया। दूसरा व्यक्ति साक्षात्कारों के लंबे दौर में लग गया। उसने पड़ोसियों से शुरुआत की, क्योंकि उसे पता था कि उनमें से अधिकांश को एक-दो घंटे में अपने कार्यस्थल के लिए निकलना होगा। स्थानीय कारीगरों से बाद में बात की जा सकती थी।
थॉमस ने अपने दफ्तर के फर्श पर बिखरे हुए सामानों के ढेर में से छानबीन करने में कई मिनट बिताए। उस अव्यवस्था में से जासूस निरीक्षक ने एक छोटी नीली किताब उठाई, खिड़की के पास गया और उगते सूरज की रोशनी में उसके पन्ने पलटने लगा।
‘वाह, इसे देखिए।’ उन्होंने अपनी उंगली से सामने रखे पासपोर्ट के एक पन्ने की ओर इशारा किया। ‘देखिए… “डोमिनिका गणराज्य, स्यूदाद ट्रूजिलो हवाई अड्डा, दिसंबर 1960, प्रवेश…” वह वहीं था। यही हमारा आदमी है।’
थॉमस ने उससे पासपोर्ट लिया, उस पर एक पल के लिए नजर डाली, फिर खिड़की से बाहर देखने लगा।

'अरे हाँ, यही तो हमारा आदमी है, यार। लेकिन क्या तुम्हें यह बात नज़र नहीं आती कि उसका पासपोर्ट हमारे हाथों में है?'
‘अरे, ये कमीना...’ इंस्पेक्टर ने बात समझकर धीरे से कहा।
‘जैसा आप कहें,’ थॉमस ने कहा, जिसकी चर्च में परवरिश के कारण वह कभी-कभार ही कड़े शब्दों का प्रयोग करता था। ‘अगर वह इस पासपोर्ट पर यात्रा नहीं कर रहा है, तो फिर किस पासपोर्ट पर? मुझे फोन दीजिए, और मुझे पेरिस से संपर्क करवाइए।’
उसी समय तक जैकाल को सड़क पर निकले पचास मिनट हो चुके थे और मिलान शहर उससे बहुत दूर छूट चुका था। अल्फ़ा का बोनट खुला हुआ था और सुबह की धूप मिलान से जेनोआ जाने वाले ऑटोस्ट्राडा 7 पर पड़ रही थी। चौड़ी सीधी सड़क पर वह कार को 80 मील प्रति घंटे से भी ज़्यादा की रफ्तार से चला रहा था और टैकोमीटर की सुई को लाल पट्टी के ठीक नीचे बनाए रखा था। ठंडी हवा उसके हल्के बालों को माथे पर बेकाबू कर रही थी, लेकिन उसकी आँखें काले चश्मे से सुरक्षित थीं।
मानचित्र के अनुसार, वेंटिमिलिया स्थित फ्रांसीसी सीमा तक की दूरी दो सौ दस किलोमीटर (लगभग एक सौ तीस मील) थी, और वह अपने अनुमानित दो घंटे के ड्राइविंग समय से काफी आगे निकल चुका था। सुबह सात बजे के कुछ ही देर बाद, जेनोआ के ट्रकों के बंदरगाह की ओर जाने के कारण थोड़ी देर के लिए यातायात बाधित हो गया, लेकिन 7:15 बजे से पहले ही वह सैन रेमो और सीमा की ओर जाने वाले ए. 10 मार्ग पर निकल पड़ा।
जब वह फ्रांस के सबसे शांत सीमावर्ती बिंदुओं में से एक पर पौने आठ बजे पहुंचा, तो दैनिक सड़क यातायात पहले से ही बहुत अधिक था, और गर्मी बढ़ रही थी।
तीस मिनट तक कतार में इंतजार करने के बाद उन्हें सीमा शुल्क जांच के लिए पार्किंग रैंप पर बुलाया गया। पासपोर्ट लेने वाले पुलिसकर्मी ने उसकी सावधानीपूर्वक जांच की, संक्षेप में 'एक पल रुकिए, महोदय' कहा और सीमा शुल्क शेड के अंदर चले गए।
कुछ मिनट बाद वह एक ऐसे व्यक्ति के साथ बाहर आया जिसने सादे कपड़ों में पासपोर्ट पकड़ा हुआ था।
'नमस्ते महोदय।'
'बोनजोर।'

‘क्या यह आपका पासपोर्ट है?’
'हाँ।'
पासपोर्ट की एक बार फिर गहन जांच की गई।
‘फ्रांस की आपकी यात्रा का उद्देश्य क्या है?’
‘पर्यटन। मैंने कभी कोट डी'अज़ूर नहीं देखा है।’
‘अच्छा, समझ गया। यह कार आपकी है?’
नहीं। यह किराए की कार है। मुझे इटली में कुछ काम था, और इसकी वजह से मिलान लौटने से पहले मुझे एक हफ्ता खाली मिला है। इसलिए मैंने थोड़ा घूमने के लिए एक कार किराए पर ली है।
‘ठीक है। आपके पास कार के कागजात हैं?’
जैकाल ने अंतरराष्ट्रीय ड्राइविंग लाइसेंस, किराये का अनुबंध और दो बीमा प्रमाणपत्र आगे बढ़ाए। सादे कपड़ों में मौजूद व्यक्ति ने दोनों की जांच की।
‘क्या आपके पास सामान है, महोदय?’
'हां, बूट में तीन पुर्जे और एक हैंड-ग्रिप।'
कृपया इन सभी को सीमा शुल्क सभागार में ले आइए।
वह चला गया। पुलिसकर्मी ने सियार को तीन सूटकेस और हैंडग्रिप उतारने में मदद की और वे दोनों मिलकर उन्हें कस्टम्स ले गए।
मिलान से निकलने से पहले उसने आंद्रे मार्टिन का पुराना ओवरकोट, खस्ताहाल पतलून और जूते लिए, जो एक काल्पनिक फ्रांसीसी था और जिसके कागजात तीसरे सूटकेस की लाइनिंग में सिले हुए थे, और उन्हें कार के बूट के पीछे गेंद की तरह लपेटकर रख दिया। बाकी दो सूटकेसों के कपड़े तीनों में बाँट दिए गए थे। पदक उसकी जेब में थे।
दो सीमा शुल्क अधिकारियों ने प्रत्येक वस्तु की जाँच की। इस दौरान उन्होंने फ्रांस में प्रवेश करने वाले पर्यटकों के लिए निर्धारित मानक प्रपत्र भरा। वस्तुओं में ऐसी कोई बात नहीं थी जिस पर किसी का ध्यान गया हो। सीमा शुल्क अधिकारियों द्वारा बालों को रंगने वाले रंगों से भरे जार उठाते समय उन्हें थोड़ी घबराहट हुई। उन्होंने सावधानी बरतते हुए उन्हें पहले से खाली किए गए आफ्टर-शेव लोशन की बोतलों में खाली कर दिया था। उस समय फ्रांस में आफ्टर-शेव लोशन का प्रचलन नहीं था, यह बाजार में बिल्कुल नया था और मुख्य रूप से अमेरिका तक ही सीमित था। उन्होंने देखा कि दोनों सीमा

शुल्क अधिकारियों ने एक-दूसरे को देखा, लेकिन उन्होंने बोतलों को वापस हैंडल में रख दिया।
खिड़की के कोने से उसने देखा कि एक और आदमी अल्फ़ा कार के बूट और इंजन बोनट की जाँच कर रहा था। सौभाग्य से उसने नीचे नहीं देखा। उसने बूट में रखे ओवरकोट और ट्राउज़र को खोला और उन्हें नापसंदगी से देखा, लेकिन सोचा कि ओवरकोट सर्दियों की रातों में बोनट को ढकने के लिए था और पुराने कपड़े इसलिए रखे गए थे ताकि रास्ते में कार की मरम्मत की ज़रूरत पड़ने पर काम आ सकें। उसने कपड़े वापस रखे और बूट बंद कर दिया।
जैसे ही सियार ने अपना फॉर्म भरना समाप्त किया, शेड के अंदर मौजूद दो सीमा शुल्क अधिकारियों ने बक्से बंद कर दिए और सादे कपड़ों वाले व्यक्ति को इशारा किया। उसने प्रवेश कार्ड लिया, उसकी जांच की, पासपोर्ट से मिलान किया और पासपोर्ट वापस कर दिया।
'धन्यवाद महोदय। आपकी यात्रा मंगलमय हो।'
दस मिनट बाद अल्फ़ा कार मेंटन के पूर्वी बाहरी इलाके में तेज़ी से आगे बढ़ रही थी। पुराने बंदरगाह और नौका घाट के नज़ारे वाले एक कैफ़े में आराम से नाश्ता करने के बाद, जैकाल कार कॉर्निश लिटोरल के साथ मोनाको, नीस और कान की ओर रवाना हुई।
लंदन स्थित अपने दफ्तर में, सुपरिटेंडेंट थॉमस ने गाढ़ी काली कॉफी का एक कप हिलाया और अपनी दाढ़ी पर हाथ फेरा। कमरे के दूसरी ओर, कैल्थ्रोप का पता लगाने का काम सौंपे गए दो इंस्पेक्टर अपने चीफ के सामने बैठे थे। तीनों छह अतिरिक्त जवानों के आने का इंतज़ार कर रहे थे, जो सभी स्पेशल ब्रांच के सार्जेंट थे और जिन्हें थॉमस द्वारा पिछले एक घंटे में किए गए लगातार फोन कॉलों के परिणामस्वरूप उनकी नियमित ड्यूटी से छुट्टी दी गई थी।
नौ बजने के कुछ ही समय बाद, जब वे अपने कार्यालयों में पहुंचे और थॉमस की सेना में अपनी पुनः तैनाती के बारे में पता चला, तो सैनिक धीरे-धीरे आने लगे। जब आखिरी सैनिक पहुंचा तो उसने उन्हें संक्षिप्त जानकारी दी।
ठीक है, हम एक आदमी की तलाश कर रहे हैं। मुझे आपको यह बताने की ज़रूरत नहीं है कि हम उसे क्यों चाहते हैं, यह जानना आपके लिए ज़रूरी नहीं है। ज़रूरी यह है कि हम उसे पकड़ें, और जल्द से जल्द पकड़ें। अब हमें पता है, या हमें लगता है कि हमें पता है, कि वह इस समय विदेश में है। हमें लगभग यकीन है कि वह जाली पासपोर्ट पर यात्रा कर रहा है।

‘ये लीजिए…’ उसने उनमें से कुछ तस्वीरें बाँट दीं, जो कैल्थ्रोप के पासपोर्ट आवेदन पत्र पर छपी तस्वीर की बड़ी की हुई प्रतियां थीं… ‘ये हैं वो। हो सकता है कि उसने अपना रूप बदला हो और इसलिए ज़रूरी नहीं कि वो इस विवरण से मेल खाए। आपको पासपोर्ट कार्यालय जाकर हाल ही में दाखिल किए गए सभी पासपोर्ट आवेदनों की पूरी सूची प्राप्त करनी होगी। पिछले पचास दिनों से शुरू करें। अगर उससे कुछ नहीं मिलता, तो और पचास दिन पीछे जाएं। यह बहुत मेहनत का काम होने वाला है।’
उन्होंने फर्जी पासपोर्ट बनवाने के सबसे आम तरीके का संक्षिप्त विवरण दिया, जो वास्तव में वही तरीका था जिसका इस्तेमाल सियार ने किया था। उन्होंने निष्कर्ष निकालते हुए कहा, ‘सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि जन्म प्रमाण पत्रों से संतुष्ट न हों। मृत्यु प्रमाण पत्रों की जाँच करें। इसलिए पासपोर्ट कार्यालय से सूची प्राप्त करने के बाद, सभी को समरसेट हाउस ले जाएं, वहां व्यवस्थित हो जाएं, नामों की सूची को आपस में बांट लें और मृत्यु प्रमाण पत्रों की जांच शुरू कर दें। यदि आपको किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा जमा किया गया पासपोर्ट आवेदन मिल जाता है जो अब जीवित नहीं है, तो संभवतः वही व्यक्ति हमारा जालसाज होगा। अब आप आगे बढ़ें।’
आठों लोग बाहर निकल गए, जबकि थॉमस ने फोन पर पासपोर्ट कार्यालय से संपर्क किया, फिर समरसेट हाउस स्थित जन्म, विवाह और मृत्यु पंजीकरण कार्यालय से संपर्क किया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उनकी टीम को पूरा सहयोग मिले।
दो घंटे बाद, जब वह अपने डेस्क लैंप में लगे उधार के इलेक्ट्रिक रेज़र से शेविंग कर रहा था, तभी दोनों निरीक्षकों में से वरिष्ठ, जो टीम का नेतृत्व कर रहा था, ने वापस फोन किया। उसने बताया कि पिछले सौ दिनों में नए पासपोर्ट के लिए आठ हज़ार इकतालीस आवेदन जमा हुए थे। उसने समझाया कि गर्मी का मौसम था, छुट्टियों का समय था। छुट्टियों के समय में आवेदनों की संख्या हमेशा अधिक होती है।
ब्रायन थॉमस ने फोन काट दिया और अपने रूमाल में नाक पोंछी।
‘धिक्कार है इस गर्मी पर,’ उसने कहा।
उस सुबह ग्यारह बजे के ठीक बाद जैकाल कान्स के केंद्र में पहुँचा। हमेशा की तरह, जब भी उसे कोई काम करवाना होता था, वह सबसे अच्छे होटलों में से एक की तलाश करता था, और कुछ मिनटों तक इधर-उधर घूमने के बाद वह मैजेस्टिक होटल

के प्रांगण में पहुँच गया। अपने बालों में कंघी करते हुए, वह लॉबी में दाखिल हुआ।
सुबह का समय होने के कारण अधिकांश मेहमान बाहर जा चुके थे और हॉल में भीड़भाड़ नहीं थी। उनका सुरुचिपूर्ण हल्का सूट और आत्मविश्वास से भरा व्यवहार उन्हें एक अंग्रेज सज्जन के रूप में दर्शाता था और जब उन्होंने एक कर्मचारी से टेलीफोन बूथों के बारे में पूछा तो किसी ने भी हैरानी नहीं जताई। स्विचबोर्ड और क्लोकरूम के प्रवेश द्वार को अलग करने वाले काउंटर के पीछे बैठी महिला ने उनके पास आते ही ऊपर देखा।
उन्होंने अनुरोध किया, 'कृपया मुझे पेरिस, मोलिटोर 5901 उपलब्ध करा दें।' कुछ मिनट बाद उसने उसे स्विचबोर्ड के बगल वाले बूथ की ओर इशारा किया और उसे अपने पीछे ध्वनि-रोधक दरवाजा बंद करते हुए देखा।
‘Allo, ici Chacal.’
‘हैलो, यहाँ वाल्मी। भगवान का शुक्र है कि आपने फोन किया। हम दो दिनों से आपसे संपर्क करने की कोशिश कर रहे थे।’
बूथ के दरवाज़े के शीशे से झाँकने वाले किसी भी व्यक्ति ने देखा होगा कि अंदर बैठा अंग्रेज़ व्यक्ति माइक पर घूरते हुए अकड़ गया और भौंहें चढ़ा लीं। दस मिनट की बातचीत के दौरान वह ज़्यादातर समय चुपचाप सुनता रहा। कभी- कभार उसके होंठ हिलते और वह कोई छोटा, संक्षिप्त सवाल पूछता। लेकिन कोई उसे देख नहीं रहा था; स्विचबोर्ड ऑपरेटर एक रोमांटिक उपन्यास पढ़ने में मग्न थी। अगली ही पल उसने देखा कि मेहमान उसके ऊपर खड़ा है, काले चश्मे उसे घूर रहे हैं। स्विचबोर्ड पर लगे मीटर से उसने कॉल का शुल्क पढ़ा और उसे भुगतान मिल गया।
क्रोइसेट और जगमगाते समुद्र के नज़ारे वाली छत पर सियार ने एक बर्तन में कॉफ़ी बनाई, जहाँ भूरे रंग के लोग मस्ती कर रहे थे और चिल्ला रहे थे। गहरी सोच में डूबे हुए उसने सिगरेट का एक लंबा कश लिया।
कोवाल्स्की के बारे में जो जानकारी उसे समझ में आई, वो उसे वियना के होटल में दिखे उस विशालकाय पोलिश व्यक्ति की याद दिलाती थी। लेकिन उसे ये समझ नहीं आया कि दरवाजे के बाहर खड़े अंगरक्षक को उसका गुप्त नाम कैसे पता चला, या उसे किसलिए काम पर रखा गया था। शायद फ्रांसीसी पुलिस ने खुद ही इसका पता लगा लिया हो। शायद कोवाल्स्की को भी उसके बारे में कुछ अंदाजा हो गया हो, क्योंकि वो भी एक हत्यारा था, लेकिन अनाड़ी और बेढंगा।

जैकाल ने स्थिति का जायज़ा लिया। वाल्मी ने उसे इस्तीफा देकर घर लौटने की सलाह दी थी, लेकिन यह स्वीकार किया था कि ऑपरेशन रद्द करने के लिए रोडिन से उसे कोई सीधा अधिकार नहीं मिला था। जो कुछ हुआ था, उससे ओएएस की सुरक्षा में ढिलाई को लेकर जैकाल का गहरा संदेह पुख्ता हो गया। लेकिन वह कुछ ऐसा जानता था जो ओएएस को नहीं पता था; और जो फ्रांसीसी पुलिस को भी नहीं पता हो सकता था। वह यह था कि वह एक फर्जी नाम से, उसी नाम के वैध पासपोर्ट के साथ, और तीन अलग-अलग जाली दस्तावेजों के सेट, जिनमें दो विदेशी पासपोर्ट और उनसे मेल खाने वाले वेश शामिल थे, अपने पास छिपाकर यात्रा कर रहा था। फ्रांसीसी पुलिस, यानी वाल्मी द्वारा वर्णित कमिश्नर लेबेल के पास आखिर किस आधार पर जानकारी थी? एक मोटा-मोटा विवरण: लंबा, गोरा, विदेशी। अगस्त में फ्रांस में ऐसे हजारों लोग मौजूद होंगे। वे हर किसी को गिरफ्तार नहीं कर सकते थे।
उन्हें दूसरा फायदा यह मिला कि फ्रांसीसी पुलिस चार्ल्स कैल्थ्रोप के पासपोर्ट वाले व्यक्ति की तलाश कर रही थी। तो फिर उन्हें करने दीजिए, उन्हें शुभकामनाएँ। वह अलेक्जेंडर डुग्गन थे, और इसे साबित कर सकते थे। कोवाल्स्की की मृत्यु के बाद, यहाँ तक कि रोडिन और उसके साथियों को भी नहीं पता था कि वह कौन था या कहाँ था। आखिरकार वह अकेला रह गया था, और यही वह हमेशा से चाहता था।
फिर भी, खतरे बढ़ चुके थे, इसमें कोई संदेह नहीं था। हत्या की योजना का खुलासा होने के बाद, वह सुरक्षा के एक ऐसे गढ़ पर हमला कर रहा था जो पहले से ही सतर्क था। सवाल यह था: क्या हत्या को अंजाम देने की उसकी योजना सुरक्षा घेरे को भेद पाएगी? कुल मिलाकर, उसे पूरा भरोसा था कि वह ऐसा कर पाएगी। सवाल अब भी बना हुआ था, और उसका जवाब देना ज़रूरी था। पीछे हटना है या आगे बढ़ना है? पीछे हटने का मतलब था ज़्यूरिख़ में अपने खाते में जमा ढाई लाख डॉलर के मालिकाना हक को लेकर रोडिन और उसके गुंडों के गिरोह से झगड़ा करना। अगर उसने ज़्यादातर रकम वापस करने से इनकार कर दिया, तो वे उसे ढूंढ निकालने, उससे पैसे निकलवाने के लिए उस पर हस्ताक्षर करवाने और फिर उसे जान से मारने में ज़रा भी संकोच नहीं करेंगे। उनसे आगे रहने के लिए बहुत सारा पैसा खर्च करना पड़ेगा, शायद उसके पास मौजूद सारी दौलत।
आगे बढ़ते रहने का मतलब था कि काम पूरा होने तक और भी खतरे थे। जैसे-जैसे दिन नजदीक आता जाएगा, आखिरी क्षण में पीछे हटना और भी मुश्किल होता जाएगा।

बिल आया, उसने उस पर एक नज़र डाली और मुंह बना लिया। हे भगवान, ये लोग कितना महंगा सामान बेचते हैं! इस तरह की ज़िंदगी जीने के लिए अमीर होना ज़रूरी था, डॉलर ही डॉलर, और भी बहुत सारे डॉलर। उसने चमकते समुद्र और किनारे पर टहलती पतली-दुबली भूरी लड़कियों को देखा, क्रोइसेट पर सरपट दौड़ती कैडिलैक और गरजती जगुआर कारों को देखा, जिनके तगड़े युवा ड्राइवर आधी नज़र सड़क पर और दूसरी नज़र फुटपाथ पर किसी संभावित ग्राहक की तलाश में गड़ाए रहते थे। यही वो चीज़ थी जो वो लंबे समय से चाहता था, उन दिनों से जब वो ट्रैवल एजेंट की दुकानों की खिड़कियों से नाक सटाकर देखता था और उन पोस्टरों को निहारता था जिनमें एक अलग ही ज़िंदगी, एक अलग ही दुनिया दिखाई जाती थी, रोज़ाना की ट्रेन की नीरस यात्रा, तीन-तीन प्रतियों में भरे फॉर्म, पेपर क्लिप और ठंडी चाय से दूर। पिछले तीन सालों में वो लगभग उस मुकाम तक पहुँच ही गया था; कभी एक झलक, कभी एक स्पर्श। उसे अच्छे कपड़े, महंगे खाने, आलीशान फ्लैट, स्पोर्ट्स कार और खूबसूरत महिलाओं की आदत हो गई थी। वापस लौटना मतलब सब कुछ छोड़ देना था।
सियार ने बिल चुकाया और एक बड़ी टिप छोड़ दी। वह अल्फ़ा कार में बैठा और मैजेस्टिक से दूर फ्रांस के मध्य की ओर चल पड़ा।
कमिश्नर लेबेल अपनी डेस्क पर बैठे थे, मानो उन्हें ऐसा लग रहा था जैसे वे जीवन भर सोए ही न हों और शायद फिर कभी सोएंगे भी नहीं। कोने में कैंप-बेड पर लुसिएन कैरन ज़ोर-ज़ोर से खर्राटे ले रहे थे, क्योंकि वे पूरी रात फ्रांस में कहीं चार्ल्स कैल्थ्रोप की खोज में रिकॉर्ड खंगालने में लगे रहे थे। लेबेल ने भोर होते ही कार्यभार संभाल लिया था।
अब उसके सामने उन विभिन्न एजेंसियों की रिपोर्टों का ढेर लगा हुआ था जिनका काम फ्रांस में विदेशियों की मौजूदगी और ठिकाने पर नज़र रखना था। हर रिपोर्ट में एक ही संदेश था। साल की शुरुआत से, जहाँ तक जाँच का दायरा बढ़ा था, उस नाम के किसी भी व्यक्ति ने कानूनी तौर पर किसी भी सीमा चौकी को पार नहीं किया था। देश के किसी भी होटल ने, चाहे वह प्रांतों में हो या पेरिस में, उस नाम के किसी मेहमान को नहीं ठहराया था, कम से कम उस नाम से तो नहीं। उसका नाम अवांछित विदेशियों की किसी सूची में नहीं था, और न ही वह कभी किसी भी तरह से फ्रांसीसी अधिकारियों की नज़र में आया था।
जैसे-जैसे हर रिपोर्ट आती गई, लेबेल ने थके हुए स्वर में मुखबिर से कहा कि वह और भी पीछे तक छानबीन करता रहे, जब तक कि कैल्थ्रोप की फ्रांस यात्रा का

कोई भी विवरण न मिल जाए। इससे संभवतः यह पता चल सकता था कि क्या उसका कोई स्थायी निवास स्थान था, किसी मित्र का घर, कोई पसंदीदा होटल, जहाँ वह शायद अभी भी किसी छद्म नाम से छिपा हुआ हो।
उस सुबह सुपरिटेंडेंट थॉमस का फोन उस मायावी हत्यारे को जल्द पकड़ने की उम्मीदों पर एक और झटका था। एक बार फिर वही पुरानी कहावत दोहराई गई, “फिर से शुरुआत करनी पड़ेगी”, लेकिन सौभाग्य से इस बार यह बात सिर्फ कैरन और उनके बीच ही थी। शाम की सभा के सदस्यों को अभी तक यह नहीं बताया गया था कि कैल्थ्रोप से मिली जानकारी शायद नाकाम साबित होगी। यह बात उन्हें उस शाम दस बजे बतानी ही थी। अगर वह कैल्थ्रोप के बदले कोई दूसरा नाम नहीं बता पाए, तो वे एक बार फिर सेंट-क्लेयर की तिरस्कार भरी निगाहों और बाकी लोगों की मौन निंदा की कल्पना कर सकते थे।
केवल दो बातें ही उसे तसल्ली दे सकती थीं। एक तो यह कि कम से कम अब उनके पास कैल्थ्रोप का हुलिया और कैमरे की ओर पूरा चेहरा लिए हुए उसकी तस्वीर थी। अगर उसने जाली पासपोर्ट बनवाया होता तो शायद उसने अपना हुलिया काफी बदल लिया होता, लेकिन फिर भी, कुछ न होने से तो यह बेहतर था। दूसरी बात यह थी कि परिषद में किसी और को उसके काम से बेहतर कुछ सूझ नहीं रहा था – यानी हर चीज़ की जाँच करना।
कैरोन ने यह विचार सामने रखा था कि शायद ब्रिटिश पुलिस ने कैल्थ्रोप को उस समय घेर लिया होगा जब वह शहर में किसी काम से अपने फ्लैट से बाहर गया हुआ था; कि उसके पास कोई वैकल्पिक पासपोर्ट नहीं था; कि वह छिप गया और उसने पूरे ऑपरेशन से पल्ला झाड़ लिया।
लेबेल ने आह भरी।
‘यह तो वाकई सौभाग्य की बात होगी,’ उसने अपने सहायक से कहा, ‘लेकिन इस पर भरोसा मत करना। ब्रिटिश स्पेशल ब्रांच ने रिपोर्ट दी है कि उसके सारे कपड़े धोने का सामान और शेविंग का सामान बाथरूम से गायब है, और उसने एक पड़ोसी से कहा था कि वह घूमने और मछली पकड़ने जा रहा है। अगर कैल्थ्रोप अपना पासपोर्ट पीछे छोड़ गया है, तो इसका मतलब है कि उसे अब उसकी ज़रूरत नहीं है। इस आदमी से ज़्यादा गलतियाँ होने की उम्मीद मत रखना; मुझे जैकाल के बारे में कुछ शक होने लगा है।’
दो देशों की पुलिस जिस व्यक्ति की तलाश कर रही थी, उसने कान से मार्सिले तक जाने वाले ग्रांडे कोर्निश के जानलेवा जाम से बचने का फैसला किया था, और

मार्सिले से पेरिस की ओर मुड़ने वाले आरएन 7 के दक्षिणी हिस्से से भी दूर रहने का निर्णय लिया था। अगस्त के महीने में, वह इन दोनों सड़कों को धरती पर नरक का एक परिष्कृत रूप मानता था।
अपने छद्म और दस्तावेजी नाम डग्गन के सानिध्य में, उसने तट से आल्प्स मैरिटाइम्स पर्वतमाला से होते हुए, जहाँ ऊँचाई पर हवा ठंडी थी, और फिर बरगंडी की लहरदार पहाड़ियों से होते हुए इत्मीनान से गाड़ी चलाने का फैसला किया। उसे कोई खास जल्दी नहीं थी, क्योंकि जिस दिन उसने शिकार करने का लक्ष्य रखा था, वह अभी आया नहीं था, और वह जानता था कि वह फ्रांस में निर्धारित समय से थोड़ा पहले पहुँच गया है।
कान्स से वह सीधे उत्तर की ओर बढ़े, सुरम्य इत्र शहर ग्रास से होते हुए आरएन 85 मार्ग से कैस्टेलान की ओर गए, जहां उग्र वर्दोन नदी, जो कुछ मील ऊपर की ओर बने ऊंचे बांध द्वारा शांत कर दी गई थी, सैवॉय से अधिक आज्ञाकारी रूप से बहती हुई कैडाराचे में ड्यूरेंस नदी से मिल जाती थी।
यहां से वह बैरेम और छोटे से स्पा शहर डिग्ने की ओर आगे बढ़ा। प्रोवेंसल मैदान की चिलचिलाती गर्मी पीछे छूट चुकी थी, और पहाड़ियों की हवा गर्मी में भी मीठी और ठंडी थी। जब वह रुकता तो उसे सूरज की तेज गर्मी महसूस होती, लेकिन चलते समय हवा ठंडी बौछार जैसी लगती थी और उसमें चीड़ के पेड़ों और खेतों से आने वाले लकड़ी के धुएं की खुशबू आती थी।
डिग्ने के बाद उन्होंने ड्यूरेंस नदी पार की और एक छोटे लेकिन सुंदर सराय में दोपहर का भोजन किया, जहाँ से नदी का मनोरम दृश्य दिखाई देता था। अगले सौ मील में ड्यूरेंस नदी कैवेलॉन और प्लान डी'ऑर्गन में अपने तल पर धूप से फीके पड़े कंकड़ों के बीच उथले पानी में फुफकारती हुई एक धूसर और चिपचिपी साँप जैसी हो जाएगी। लेकिन यहाँ पहाड़ियों में यह अभी भी एक नदी थी, जैसी एक नदी को दिखना चाहिए - ठंडी और मछलियों से भरी नदी, जिसके किनारों पर छाया रहती है और जिसकी उपस्थिति से घास और भी हरी हो जाती है।
दोपहर में वह सिस्टेरॉन से होते हुए उत्तर की ओर मुड़ने वाले लंबे RN85 मार्ग पर चलता रहा, और ड्यूरेंस नदी के बाएं किनारे पर ऊपर की ओर बढ़ता रहा, जब तक कि सड़क दो भागों में नहीं बंट गई और RN85 उत्तर की ओर मुड़ गई। शाम ढलने लगी और वह गैप नामक छोटे से कस्बे में पहुंचा। वह ग्रेनोबल की ओर जा सकता था, लेकिन उसने सोचा कि चूंकि कोई जल्दी नहीं है और अगस्त में एक छोटे से कस्बे में कमरे मिलने की अधिक संभावना है, इसलिए उसे किसी देहाती

शैली के होटल की तलाश करनी चाहिए। कस्बे से कुछ ही दूर उसे चमकीले छज्जे वाला होटल डू सेर्फ मिला, जो पहले सवॉय के ड्यूक में से एक का शिकारगाह हुआ करता था और अब भी देहाती आराम और अच्छे भोजन का माहौल बरकरार रखे हुए था। अभी भी कई कमरे खाली थे। उन्होंने आराम से स्नान किया, शॉवर लेने की अपनी आदत से हटकर, और अपने कबूतर-धूसर रंग के सूट, रेशमी कमीज और बुनी हुई टाई पहनी। वहीं, कमरे की नौकरानी ने कई बार मुस्कुराकर उनका चेहरा देखकर शरमाते हुए उनके दिन भर पहने हुए चेक सूट को पोछा और इस्त्री करने के लिए सहमति दे दी, ताकि वे उसे सुबह तक वापस पा सकें।
शाम का भोजन एक लकड़ी के पैनल वाले कमरे में किया गया, जहाँ से हरे-भरे पहाड़ी क्षेत्र का मनोरम दृश्य दिखाई देता था, और चीड़ के पेड़ों के बीच झींगुरों की चहचहाहट गूंज रही थी। हवा गर्म थी और भोजन अभी आधा ही हुआ था कि बिना आस्तीन की पोशाक और गहरे गले वाली ड्रेस पहने एक महिला ने होटल के प्रबंधक से कहा कि हवा में ठंडक आ गई है और क्या खिड़कियाँ बंद की जा सकती हैं।
जब सियार से पूछा गया कि क्या उसे उस खिड़की को बंद करने पर कोई आपत्ति है जिसके पास वह बैठा था, तो वह मुड़ा और उस महिला की ओर देखा जिसे वेटर ने खिड़की बंद करने का अनुरोध करने वाली महिला के रूप में इंगित किया था। वह अकेली भोजन कर रही थी, तीस वर्ष की आयु के आसपास की एक सुंदर महिला, जिसकी बाहें कोमल और सफेद थीं और सीना भरा हुआ था। सियार ने वेटर को खिड़कियाँ बंद करने का इशारा किया और अपने पीछे बैठी महिला की ओर हल्का सा सिर झुकाया। उसने ठंडी मुस्कान के साथ जवाब दिया।
खाना शानदार था। उन्होंने लकड़ी की आग पर भुनी हुई चित्तीदार नदी की ट्राउट मछली और सौंफ व अजवायन के साथ कोयले पर भुने हुए टूर्नेडोस (एक प्रकार का चिकन) चुना। वाइन स्थानीय कोट्स डू रोन थी, भरपूर, स्वादिष्ट और बिना लेबल वाली बोतल में। जाहिर तौर पर यह तहखाने में रखे बैरल से आई थी, जो मालिक की निजी पसंद थी। अधिकांश मेहमान इसे पी रहे थे, और इसका कारण भी था।
जैसे ही उसने अपना शर्बत खत्म किया, उसने अपने पीछे खड़ी महिला की धीमी और अधिकारपूर्ण आवाज़ सुनी, जो मैनेजर से कह रही थी कि वह अपनी कॉफ़ी रेजिडेंट्स लाउंज में लेगी। इस पर उस व्यक्ति ने झुककर उसे 'मैडम ला बैरोन'

कहकर संबोधित किया। कुछ मिनट बाद जैकाल ने भी लाउंज में अपनी कॉफ़ी मंगवाई और उस तरफ चल पड़ा।
समरसेट हाउस से अधीक्षक थॉमस को सवा दस बजे फोन आया। वे कार्यालय की खुली खिड़की के पास बैठे थे और नीचे सुनसान सड़क को देख रहे थे, जहाँ देर रात खाना खाने वालों या गाड़ी चलाने वालों को कोई बुलाता नहीं था। मिलबैंक और स्मिथ स्क्वायर के बीच स्थित कार्यालय सन्नाटे में डूबे हुए, अंधेरे, अंधे और उदासीन थे। केवल स्पेशल ब्रांच के कार्यालयों वाले गुमनाम ब्लॉक में ही हमेशा की तरह देर रात तक बत्तियाँ जल रही थीं।
एक मील दूर, चहल-पहल भरे स्ट्रैंड में, समरसेट हाउस के उस हिस्से में भी देर रात तक रोशनी जल रही थी, जहाँ ब्रिटेन के लाखों मृत नागरिकों के मृत्यु प्रमाण पत्र रखे थे। यहाँ थॉमस की छह जासूस सार्जेंट और दो इंस्पेक्टरों की टीम कागजी कार्रवाई के ढेर पर झुकी हुई थी, और हर कुछ मिनटों में उठकर स्टाफ क्लर्कों में से किसी एक के साथ, जो बाकी लोगों के घर चले जाने के काफी देर बाद तक काम पर रुका रहता था, चमकदार फाइलों की पंक्तियों में जाकर एक और नाम की जाँच कर रही थी।
टीम के प्रभारी वरिष्ठ निरीक्षक ने फोन किया। उनकी आवाज़ थकी हुई थी, लेकिन उसमें आशा की एक झलक थी। उन्हें उम्मीद थी कि उनकी बात सुनकर उन सभी को सैकड़ों मृत्यु प्रमाण पत्रों की जाँच के झंझट से मुक्ति मिल जाएगी, जो वास्तव में मौजूद ही नहीं थे क्योंकि पासपोर्ट धारकों की मृत्यु नहीं हुई थी।
थॉमस के जवाब देने के बाद, उन्होंने संक्षेप में घोषणा की, 'अलेक्जेंडर जेम्स क्वेंटिन डुग्गन।'
‘उसके बारे में क्या?’ थॉमस ने कहा।
‘मेरा जन्म 3 अप्रैल, 1929 को सेंट मार्क पैरिश के सैम्बॉर्न फिशली में हुआ था। मैंने इस वर्ष 14 जुलाई को सामान्य तरीके से पासपोर्ट के लिए आवेदन किया था। पासपोर्ट अगले दिन जारी कर दिया गया और 17 जुलाई को आवेदन पत्र में दिए गए पते पर भेज दिया गया। संभवतः यह एक आवासीय पता होगा।’ ‘क्यों?’ थॉमस ने पूछा। उसे इंतज़ार करना बिल्कुल पसंद नहीं था।
‘क्योंकि अलेक्जेंडर जेम्स क्वेंटिन डुग्गन की 8 नवंबर, 1931 को ढाई वर्ष की आयु में उनके पैतृक गांव में एक सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी।’ थॉमस ने एक पल सोचा।

उन्होंने पूछा, 'पिछले सौ दिनों में जारी किए गए कितने और पासपोर्टों की जांच अभी बाकी है?'
फोन पर आवाज आई, 'लगभग तीन सौ बाकी हैं।'
थॉमस ने निर्देश दिया, ‘बाकी लोगों को शेष पासपोर्ट की जाँच जारी रखने दो, कहीं उनमें से कोई दूसरा फर्जी न हो। टीम का नेतृत्व दूसरे साथी को सौंप दो। मैं चाहता हूँ कि तुम उस पते की जाँच करो जहाँ पासपोर्ट भेजा गया था। जैसे ही तुम्हें पता मिले, मुझे फ़ोन करके सूचित करो। अगर वह घर आबाद है, तो मकान मालिक से पूछताछ करो। मुझे फर्जी डग्गन के बारे में पूरी जानकारी और आवेदन पत्र के साथ जमा की गई उसकी तस्वीर की फाइल कॉपी लाकर दो। मैं इस लड़के कैल्थ्रोप को उसके नए भेष में देखना चाहता हूँ।’
ग्यारह बजने से ठीक पहले वरिष्ठ निरीक्षक ने दोबारा फोन किया। पता पैडिंगटन में एक छोटी सी तंबाकू और समाचार पत्र की दुकान का था, जिसकी खिड़की पर वेश्याओं के पते वाले कार्ड लगे होते थे। दुकान के ऊपर रहने वाला दुकानदार जाग गया था और उसने बताया कि वह अक्सर बिना पते वाले ग्राहकों के लिए डाक ले लेता है। वह अपनी सेवाओं के लिए शुल्क लेता था। उसे डग्गन नाम के एक नियमित ग्राहक का नाम याद नहीं था, लेकिन हो सकता है कि डग्गन ने सिर्फ दो बार ही फोन किया हो, एक बार अपनी डाक वहाँ लेने के लिए और दूसरी बार उस एक लिफाफे को लेने के लिए जिसका वह इंतजार कर रहा था। निरीक्षक ने समाचार पत्र वाले को कैल्थ्रोप की तस्वीर दिखाई, लेकिन वह उसे पहचान नहीं पाया। उसने उसे आवेदन पत्र पर डग्गन की तस्वीर भी दिखाई, और उस व्यक्ति ने कहा कि उसे लगता है कि उसे दूसरा आदमी याद है, लेकिन वह निश्चित नहीं हो सकता। उसे लगा कि उस आदमी ने शायद काले चश्मे पहने होंगे। काउंटर के पीछे रखी कामुक पिन-अप पत्रिकाएँ खरीदने के लिए उसकी दुकान में आने वाले कई लोग काले चश्मे पहने होते थे।
थॉमस ने आदेश दिया, 'उसे अंदर लाओ और तुम खुद वापस यहीं आ जाओ।'
फिर उसने फोन उठाया और पेरिस के बारे में पूछा।
दूसरी बार, शाम की कॉन्फ्रेंस के बीच में फोन आया। कमिश्नर लेबेल ने स्पष्ट किया कि कैल्थ्रोप अपने नाम से फ्रांस में नहीं था, जब तक कि वह किसी मछली पकड़ने वाली नाव में छिपकर या किसी सुनसान जगह से ज़मीनी सीमा पार करके देश में न घुस आया हो। उन्हें व्यक्तिगत रूप से नहीं लगता था कि कोई पेशेवर ऐसा करेगा, क्योंकि पुलिस द्वारा बाद में की जाने वाली किसी भी

नहीं पता होना चाहिए कि हमने कितनी प्रगति की है। इसलिए, जैसे ही हम उसे उसके नए नाम से पहचान लेंगे और उस नाम से उसका पता लगा लेंगे, हमारे पास एक अनजान व्यक्ति को पकड़ने का अच्छा मौका है।’
लेकिन बैठक में मौजूद लोग शांत होने को तैयार नहीं थे। यह सोचकर कि हत्यारा शायद उनसे एक मील की दूरी पर ही हो, और उस व्यक्ति की योजना के अनुसार राष्ट्रपति पर हमला कल ही हो सकता है, उनमें से प्रत्येक को तीव्र चिंता सता रही थी।
कर्नल रोलैंड ने सोचा, ‘ऐसा हो सकता है कि अज्ञात एजेंट वाल्मी के ज़रिए रोडिन से यह पता चलने पर कि योजना का सैद्धांतिक रूप से खुलासा हो गया है, कैल्थ्रोप ने अपनी तैयारियों के सबूत मिटाने के लिए अपना फ्लैट छोड़ दिया हो। उदाहरण के लिए, उसकी बंदूक और गोला-बारूद अभी भी स्कॉटलैंड की किसी झील में फेंके जा सकते हैं, ताकि लौटने पर वह अपनी पुलिस के सामने बेदाग साबित हो सके। ऐसी स्थिति में, उस पर आरोप लगाना बहुत मुश्किल होगा।’
बैठक में रोलैंड के सुझाव पर विचार-विमर्श किया गया और सहमति के बढ़ते संकेत दिखाई दिए।
मंत्री ने कहा, 'तो हमें बताइए, कर्नल, अगर आपको इस काम के लिए नियुक्त किया गया होता, और आपको पता चलता कि साजिश का पर्दाफाश हो गया है, तब भी जब आपकी अपनी पहचान गुप्त होती, तो क्या आप यही करते?'
‘बिल्कुल, महाशय मंत्री जी,’ रोलैंड ने जवाब दिया। ‘अगर मैं एक अनुभवी हत्यारा होता, तो मुझे पता होता कि मेरा नाम कहीं न कहीं किसी रिकॉर्ड में ज़रूर होगा, और साजिश का खुलासा होने पर पुलिस का आना और मेरे घर की तलाशी लेना बस समय की बात होगी। इसलिए मैं सबूत मिटाना चाहूंगा, और इसके लिए स्कॉटलैंड की एक सुनसान झील से बेहतर जगह और क्या हो सकती है।’
मेज पर बैठे लोगों की मुस्कुराहटों से पता चलता है कि वहां मौजूद सभी लोग उनके अनुमान से कितने सहमत थे।
‘हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि हम उसे यूं ही जाने दें। मुझे अब भी लगता है कि हमें... इस महाशय कैल्थ्रोप का ध्यान रखना चाहिए।’
मुस्कान गायब हो गई। कुछ सेकंड तक सन्नाटा छा गया।
'मैं आपकी बात नहीं समझ पा रहा हूँ, मेरे कर्नल,' जनरल गुइबाउड ने कहा। ‘सीधी सी बात है,’ रोलैंड ने समझाया। ‘हमें इस आदमी का पता लगाने और उसे खत्म करने का आदेश मिला था। हो सकता है उसने फिलहाल अपनी साजिश को नाकाम कर

दिया हो। लेकिन हो सकता है उसने अपने उपकरण नष्ट न किए हों, बल्कि ब्रिटिश पुलिस की नज़र से बचने के लिए उन्हें छिपा दिया हो। उसके बाद, वह वहीं से फिर से शुरू कर सकता है जहां उसने छोड़ा था, लेकिन नई तैयारियों के साथ जिन्हें भेदना और भी मुश्किल होगा।’
‘लेकिन निश्चित रूप से, जब ब्रिटिश पुलिस उसे ढूंढ लेगी, अगर वह अभी भी ब्रिटेन में है, तो वे उसे हिरासत में ले लेंगे?’ किसी ने पूछा।
'ज़रूरी नहीं। वास्तव में मुझे इस पर संदेह है। उनके पास शायद कोई सबूत नहीं होगा, केवल संदेह होगा। और हमारे अंग्रेज मित्र "नागरिक स्वतंत्रता" कहे जाने वाले अधिकारों को लेकर बेहद संवेदनशील हैं। मुझे संदेह है कि वे उसे ढूंढ निकालेंगे, उससे पूछताछ करेंगे और फिर सबूतों के अभाव में उसे छोड़ देंगे।'
‘बेशक कर्नल सही कह रहे हैं,’ सेंट-क्लेयर ने बीच में कहा। ‘ब्रिटिश पुलिस को यह आदमी संयोग से मिला है। खतरनाक आदमी को आज़ाद छोड़ने जैसी बातों में वे बेहद मूर्ख हैं। कर्नल रोलैंड के दस्ते को इस कैल्थ्रोप को हमेशा के लिए बेगुनाह साबित करने का अधिकार दिया जाना चाहिए।’
मंत्री ने गौर किया कि कमिश्नर लेबेल पूरी बातचीत के दौरान चुप और बिना मुस्कुराए रहे।
‘अच्छा, कमिश्नर जी, आपका क्या विचार है? क्या आप कर्नल रोलैंड से सहमत हैं कि कैल्थ्रोप अभी भी अपनी तैयारियों और उपकरणों को नष्ट कर रहा है, छिपा रहा है या नष्ट कर रहा है?’
लेबेल ने अपने दोनों ओर आशा भरी निगाहों से बैठे चेहरों की दो पंक्तियों की ओर देखा।
उन्होंने धीमी आवाज़ में कहा, 'मुझे उम्मीद है कि कर्नल सही हों। लेकिन मुझे डर है कि वे गलत भी हो सकते हैं।'
‘क्यों?’ मंत्री जी का सवाल किसी चाकू की तरह चुभ गया।
‘क्योंकि,’ लेबेल ने नरमी से समझाया, ‘उनका सिद्धांत, हालांकि अगर वाकई कैल्थ्रोप ने ऑपरेशन रद्द करने का फैसला किया है तो तार्किक है, लेकिन यह इस सिद्धांत पर आधारित है कि उन्होंने वास्तव में यह निर्णय ले लिया है। मान लीजिए कि उन्होंने ऐसा नहीं किया है? मान लीजिए कि उन्हें या तो रोडिन का संदेश नहीं मिला है या मिला तो है लेकिन फिर भी उन्होंने आगे बढ़ने का फैसला किया है?’

वहाँ निराशा और चिंता की हल्की-हल्की गूंज सुनाई दी। केवल रोलैंड ही उसमें शामिल नहीं हुआ। वह ध्यानमग्न होकर मेज पर बैठे लेबेल को देख रहा था। वह सोच रहा था कि लेबेल का दिमाग वहाँ मौजूद किसी भी व्यक्ति की सोच से कहीं अधिक तेज है। उसने महसूस किया कि लेबेल के विचार भी उतने ही व्यावहारिक हो सकते हैं जितने उसके अपने।
इसी समय लेबेल को बुलावा आया। इस बार वह बीस मिनट से अधिक समय के लिए अनुपस्थित रहे। जब वह वापस आए तो उन्होंने पूरी तरह शांत सभा को दस मिनट तक संबोधित किया।
मंत्री जी ने अपनी बात समाप्त करने के बाद पूछा, 'अब हम क्या करें?' लेबेल ने शांत भाव से, बिना किसी हड़बड़ी के, एक सेनापति की तरह अपने सैनिकों को तैनात करने के आदेश दिए, और कमरे में मौजूद सभी वरिष्ठ अधिकारियों ने एक शब्द भी विरोध नहीं किया।
‘तो बस,’ उन्होंने निष्कर्ष निकाला, ‘हम सब मिलकर डग्गन की उसके नए रूप में चुपचाप और गुप्त रूप से राष्ट्रव्यापी खोज करेंगे, जबकि ब्रिटिश पुलिस एयरलाइन टिकट कार्यालयों, इंग्लिश चैनल पार करने वाली नौकाओं आदि के रिकॉर्ड खंगालेगी। अगर वे उसे पहले ढूंढ लेते हैं, तो अगर वह ब्रिटिश धरती पर है तो वे उसे पकड़ लेंगे, या अगर वह देश छोड़ चुका है तो हमें सूचित करेंगे। अगर हम उसे फ्रांस के अंदर ढूंढ लेते हैं, तो हम उसे गिरफ्तार कर लेंगे। अगर वह किसी तीसरे देश में मिलता है, तो हम या तो उसके अनजाने में प्रवेश करने का इंतजार करेंगे और उसे सीमा पर पकड़ लेंगे, या... कोई और रास्ता अपनाएंगे। हालांकि, उस समय तक, मुझे लगता है कि उसे ढूंढने का मेरा काम पूरा हो जाएगा। लेकिन तब तक, सज्जनों, मैं आभारी रहूंगा अगर आप मेरी बात मान लें।’
यह दुस्साहस इतना साहसी और आत्मविश्वास से भरा था कि किसी ने कुछ नहीं कहा। सबने बस सिर हिलाया। यहाँ तक कि सेंट-क्लेयर डी विलाउबन भी चुप रहे। आधी रात के कुछ ही समय बाद जब वह घर पहुंचा, तब जाकर उसे अपनी बात कहने के लिए कोई श्रोता मिला, क्योंकि उसे इस बात पर बहुत गुस्सा आ रहा था कि यह हास्यास्पद छोटा बुर्जुआ पुलिसकर्मी सही था, जबकि देश के शीर्ष विशेषज्ञ गलत थे।
उसकी प्रेमिका ने सहानुभूति और समझदारी से उसकी बातें सुनीं और बिस्तर पर औंधे मुंह लेटे हुए उसकी गर्दन के पिछले हिस्से को सहलाया। भोर होने से

ठीक पहले, जब वह गहरी नींद में सो गया, तब जाकर वह चुपके से हॉल में गई और एक संक्षिप्त फोन कॉल की।
सुपरिटेंडेंट थॉमस ने रीडिंग लैंप की रोशनी में ब्लॉटर पर फैले पासपोर्ट के लिए दो अलग-अलग आवेदन पत्रों और दो तस्वीरों पर नजर डाली।
‘चलिए इसे फिर से दोहरा लेते हैं,’ उन्होंने अपने बगल में बैठे वरिष्ठ निरीक्षक को आदेश दिया। ‘तैयार हो?’
'महोदय।'
‘कैल्थ्रोप: ऊंचाई, पांच फीट ग्यारह इंच। सही है?’
'महोदय।'
‘डग्गन: ऊंचाई, छह फीट।’
“महोदय, मोटी एड़ी वाले जूते पहनिए। विशेष जूतों से आपकी लंबाई ढाई इंच तक बढ़ सकती है। शो बिजनेस में कई छोटे कद के लोग दिखावे के लिए ऐसा करते हैं। इसके अलावा, पासपोर्ट काउंटर पर कोई आपके पैरों की तरफ नहीं देखता।”
‘ठीक है,’ थॉमस ने सहमति जताते हुए कहा, ‘मोटी एड़ी वाले जूते। कैल्थ्रोप: बालों का रंग भूरा है। इससे ज़्यादा फ़र्क नहीं पड़ता, यह हल्के भूरे से लेकर गहरे भूरे रंग तक हो सकता है। मुझे तो यहाँ उसके बाल गहरे भूरे रंग के लग रहे हैं। डग्गन भी भूरे रंग के बाल बता रहा है। लेकिन वह तो हल्के सुनहरे बालों वाला लग रहा है।’
'जी हां, महोदय। लेकिन तस्वीरों में बाल आमतौर पर गहरे रंग के दिखते हैं। यह रोशनी, बालों की स्थिति आदि पर निर्भर करता है। और फिर, हो सकता है कि उन्होंने डग्गन जैसा दिखने के लिए अपने बालों को हल्का रंग दिया हो।'
‘ठीक है। मैं इसे पहन लूंगा। कैल्थ्रोप, आंखों का रंग भूरा। डग्गन, आंखों का रंग ग्रे।’
‘कॉन्टैक्ट लेंस, सर, यह तो बहुत आसान सी बात है।’
‘ठीक है। कैल्थ्रोप की उम्र सैंतीस है, डग्गन की उम्र पिछले अप्रैल में चौंतीस थी।’
इंस्पेक्टर ने समझाया, ‘उसे चौंतीस साल का होना ही था, क्योंकि असली डग्गन, वह छोटा लड़का जिसकी ढाई साल की उम्र में मृत्यु हो गई थी, अप्रैल 1929 में पैदा हुआ था। इसे बदला नहीं जा सकता था। लेकिन कोई भी उस आदमी पर सवाल नहीं उठाएगा जो संयोग से सैंतीस साल का हो लेकिन उसके पासपोर्ट में चौंतीस साल लिखा हो। लोग पासपोर्ट पर ही विश्वास करेंगे।’

थॉमस ने दोनों तस्वीरों को देखा। कैल्थ्रोप पहले से ज़्यादा हट्टा-कट्टा, चेहरे से भरा हुआ और मज़बूत कद-काठी का लग रहा था। लेकिन डग्गन बनने के लिए वह अपना रूप बदल सकता था। दरअसल, उसने शायद ओएएस प्रमुखों से अपनी पहली मुलाकात के लिए भी अपना रूप बदला था, और तब से लेकर अब तक, यहाँ तक कि जाली पासपोर्ट के लिए आवेदन करने के समय भी, उसका रूप बदला ही रहा। ऐसे लोगों को पहचान से बचने के लिए महीनों तक दूसरी पहचान में रहना पड़ता था। शायद इसी चतुराई और सावधानी के कारण कैल्थ्रोप दुनिया भर की किसी भी पुलिस फाइल से बाहर रहने में कामयाब रहा था। अगर कैरिबियन में उस बार में फैली अफवाह न होती, तो पुलिस उसे कभी पकड़ ही न पाती।
लेकिन अब से वह डग्गन बन चुका था - रंगे हुए बाल, रंगीन कॉन्टैक्ट लेंस, दुबला-पतला शरीर, ऊँची एड़ी के जूते। उसने डग्गन का विवरण, पासपोर्ट नंबर और फोटो सहित, पेरिस भेजने के लिए टेलेक्स रूम में भेजा। उसने अपनी घड़ी देखते हुए अनुमान लगाया कि लेबेल को ये सब सुबह दो बजे तक मिल जाना चाहिए। 'उसके बाद, यह उन पर निर्भर करता है,' इंस्पेक्टर ने सुझाव दिया।
‘अरे नहीं, लड़के, इसके बाद तो बहुत काम बाकी है,’ थॉमस ने शरारती अंदाज़ में कहा। ‘सुबह सबसे पहले हम एयरलाइन टिकट दफ्तरों, इंग्लिश चैनल पार करने वाली नौकाओं, महाद्वीपीय ट्रेन टिकट दफ्तरों... हर जगह जाँच शुरू करेंगे। हमें न सिर्फ यह पता लगाना है कि वह कौन है, बल्कि यह भी कि वह अभी कहाँ है।’ उसी समय समरसेट हाउस से एक फोन आया। पासपोर्ट आवेदनों की अंतिम जांच हो चुकी थी और सभी आवेदन सही थे।
‘ठीक है, क्लर्कों को धन्यवाद कहो और चले जाओ। ठीक साढ़े आठ बजे मेरे कार्यालय में आना,’ थॉमस ने कहा।
एक सार्जेंट समाचार एजेंट के बयान की एक प्रति लेकर अंदर आया, जिसे उसके स्थानीय पुलिस स्टेशन ले जाकर पूछताछ की गई थी। थॉमस ने शपथ पत्र पर एक नज़र डाली, जिसमें वही बातें लिखी थीं जो उसने अपने घर के दरवाजे पर विशेष शाखा के निरीक्षक को बताई थीं।
थॉमस ने कहा, 'हमारे पास उसे रोकने के लिए कुछ भी नहीं है। पैडिंगटन पुलिस स्टेशन वालों से कह दो कि वे उसे वापस उसके बिस्तर और गंदी तस्वीरों के पास जाने दें, ठीक है?'
सार्जेंट ने 'सर' कहा और चला गया।
थॉमस सोने की कोशिश करने के लिए आरामकुर्सी पर वापस लेट गया।

जब तक वह बोल रहा था, चुपचाप 15 अगस्त हो गया था।

अध्याय सोलह
मैडम ला बैरोन डे ला शैलोनियर अपने कमरे के दरवाजे पर रुकीं और उस युवा अंग्रेज की ओर मुड़ीं जो उन्हें वहाँ तक लेकर आया था। गलियारे के मंद अंधेरे में वह उसके चेहरे की बारीकियां नहीं देख पा रही थीं; वह धुंध में बस एक धुंधला सा दिख रहा था।
शाम सुहावनी रही थी और वह अब भी तय नहीं कर पा रही थी कि वह इस बात पर ज़ोर देगी कि शाम उसके दरवाज़े पर ही समाप्त हो जाए या नहीं। यह सवाल पिछले एक घंटे से उसके मन में चल रहा था।
एक ओर, यद्यपि उसके पहले भी प्रेमी रहे थे, वह एक सम्मानित विवाहित महिला थी जो एक रात के लिए एक छोटे से होटल में ठहरी थी, और अजनबियों द्वारा बहकाए जाने की उसकी आदत नहीं थी। दूसरी ओर, वह अपनी सबसे कमजोर स्थिति में थी, और उसने यह बात स्वयं स्वीकार करने में भी कोई संकोच नहीं किया। उन्होंने अपना पूरा दिन आल्प्स पर्वतमाला में स्थित बार्सिलोनेट की सैन्य कैडेट अकादमी में बिताया, जहाँ उन्होंने अपने बेटे की पासिंग-आउट परेड देखी। उनके बेटे को उसके पिता की पुरानी रेजिमेंट, शैसर्स आल्पिन्स में द्वितीय लेफ्टिनेंट के रूप में पदोन्नत किया गया था। यद्यपि वे निस्संदेह परेड में सबसे आकर्षक माँ थीं, लेकिन अपने बेटे को अधिकारी का बैज प्राप्त करते और फ्रांसीसी सेना में कमीशन प्राप्त करते देख उन्हें एक झटके के साथ यह एहसास हुआ कि उनकी उम्र चालीस के करीब है और वे एक वयस्क बेटे की माँ हैं।
हालांकि वह अपनी उम्र से पांच साल छोटी दिखती थी, और कभी-कभी खुद को अपनी उम्र से दस साल छोटा महसूस करती थी, लेकिन यह जानकर कि उसका बेटा बीस साल का हो गया है और शायद अब तक अपनी महिलाओं के साथ संबंध बना रहा होगा, अब स्कूल की छुट्टियों में घर नहीं आता होगा और परिवार के महल के आसपास के जंगलों में शिकार करने नहीं जाता होगा, उसे यह सोचने पर मजबूर कर दिया था कि अब वह क्या करेगी।
उसने अकादमी के कमांडेंट, खस्ताहाल बूढ़े कर्नल की मेहनत भरी बहादुरी और अपने बेटे के गुलाबी गालों वाले सहपाठियों की प्रशंसा भरी निगाहों को सह लिया था, और अचानक उसे बहुत अकेलापन महसूस होने लगा था। वह जानती थी कि उसकी शादी नाम मात्र की रह गई थी, क्योंकि बैरन पेरिस की किशोरियों के पीछे

जब उसे पता चला तो वह मुस्कुराया और उसके कान के पास झुककर फुसफुसाया, "चांदनी सबसे सभ्य व्यक्ति को भी आदिम बना देती है।" वह मुड़ी और झुंझलाहट का नाटक करते हुए सीढ़ियों पर चढ़ गई, लेकिन भीतर ही भीतर उस अजनबी की निर्भीक प्रशंसा ने उसे आनंदित कर दिया।
'महाशय, यह एक बहुत ही सुखद शाम थी।'
उसका हाथ दरवाजे के हैंडल पर था और वह सोच रही थी कि क्या वह आदमी उसे चूमने की कोशिश करेगा। एक तरह से वह चाहती भी थी कि वह ऐसा करे। शब्दों की सादगी के बावजूद, उसे अपने पेट में भूख महसूस होने लगी थी। शायद यह शराब का असर था, या कॉफी के साथ मंगाई गई तीखी कैल्वाडोस का, या चांदनी रात के उस दृश्य का, लेकिन वह जानती थी कि उसने शाम के अंत की ऐसी कल्पना नहीं की थी। उसे महसूस हुआ कि अजनबी की बाहें बिना किसी चेतावनी के उसकी पीठ के चारों ओर लिपट गईं और उसके होंठ उसके होंठों पर आ गए। वे गर्म और दृढ़ थे। 'यह सब बंद होना चाहिए,' उसके भीतर से एक आवाज़ आई। एक पल बाद ही उसने चुंबन का जवाब दिया, मुँह बंद करके। शराब के नशे में उसका सिर चकरा रहा था, शायद शराब का ही असर था। उसने महसूस किया कि उसके चारों ओर लिपटी बाहें और कस गईं, और वे कठोर और मजबूत थीं।
उसकी जांघ पेट के नीचे उससे सटी हुई थी और उसकी रेशमी पोशाक के आर-पार उसे उसके लिंग की कठोर अकड़ महसूस हो रही थी। एक पल के लिए उसने अपनी जांघ पीछे खींची, फिर वापस धकेल दी। उसने जानबूझकर कोई फैसला नहीं लिया; उसे सहज ही एहसास हो गया कि वह उसे बुरी तरह चाहती है, अपनी जांघों के बीच, अपने पेट के अंदर, पूरी रात।
उसे महसूस हुआ कि उसके पीछे का दरवाजा अंदर की ओर खुल गया है, उसने आलिंगन तोड़ा और पीछे हटकर अपने कमरे में चली गई।
'आओ, आदिम।'
वह कमरे में दाखिल हुआ और दरवाजा बंद कर दिया।
पूरी रात पैंथियन के हर अभिलेखागार की दोबारा जाँच की गई, इस बार डग्गन के नाम की खोज की गई और इस बार सफलता मिली। एक कार्ड मिला जिससे पता चला कि अलेक्जेंडर जेम्स क्वेंटिन डग्गन 22 जुलाई को ब्रुसेल्स से ब्राबेंट एक्सप्रेस द्वारा फ्रांस में दाखिल हुए थे। एक घंटे बाद, उसी सीमा चौकी से एक और रिपोर्ट मिली, जो सीमा शुल्क इकाई की थी और ब्रुसेल्स से पेरिस और वापस आने वाली एक्सप्रेस ट्रेनों में नियमित रूप से यात्रा करती है, यानी

ट्रेन के चलते समय अपना काम करती है। इस रिपोर्ट में डग्गन का नाम 31 जुलाई को पेरिस से ब्रुसेल्स जाने वाली एटोइल डू नॉर्ड एक्सप्रेस के यात्रियों में शामिल था।
पुलिस प्रेफेक्चर से डग्गन के नाम से भरा हुआ एक होटल कार्ड प्राप्त हुआ, जिसमें एक पासपोर्ट नंबर दिया गया था जो डग्गन के पास मौजूद पासपोर्ट नंबर से मेल खाता था, जैसा कि लंदन से प्राप्त जानकारी में बताया गया था, जिससे पता चलता है कि वह 22 जुलाई से 30 जुलाई के बीच प्लेस डे ला मेडेलिन के पास एक छोटे से होटल में रुका था।
इंस्पेक्टर कैरन होटल पर छापा मारने के पक्ष में थे, लेकिन लेबेल ने सुबह तड़के चुपके से होटल जाने का फैसला किया और होटल मालिक से बातचीत की। उन्हें इस बात की तसल्ली हो गई कि जिस व्यक्ति की वे तलाश कर रहे थे, वह 15 अगस्त तक होटल में नहीं था, और होटल मालिक ने अपने सभी मेहमानों को न जगाने के लिए कमिश्नर के विवेक का आभार व्यक्त किया।
लेबेल ने सादे कपड़ों में एक जासूस को अगले आदेश तक होटल में अतिथि के रूप में रहने और बाहर न निकलने का आदेश दिया, ताकि डग्गन के दोबारा आने की आशंका में उसे पकड़ा जा सके। होटल मालिक सहयोग करने के लिए तैयार था।
जब कैरन शाम 4:30 बजे अपने कार्यालय में वापस लौटे, तो लेबेल ने उनसे कहा, 'जुलाई की यह यात्रा एक टोही यात्रा थी। उन्होंने जो भी योजना बनाई है, वह सब पहले से तय है।'
फिर वह अपनी कुर्सी पर लेट गया, छत को घूरने लगा और सोचने लगा। वह होटल में क्यों रुका? बाकी भाग रहे ओएएस एजेंटों की तरह किसी ओएएस समर्थक के घर में क्यों नहीं रुका? क्योंकि उसे ओएएस समर्थकों पर भरोसा नहीं था कि वे चुप रहेंगे। वह बिल्कुल सही था। इसलिए वह अकेले काम करता था, किसी पर भरोसा नहीं करता था, अपने तरीके से अपनी साजिश रचता था, जाली पासपोर्ट का इस्तेमाल करता था, शायद सामान्य और विनम्र व्यवहार करता था, ताकि किसी को शक न हो। होटल के मालिक, जिससे उसने अभी-अभी बात की थी, ने इसकी पुष्टि की थी, 'एक सच्चा सज्जन,' उसने कहा था। लेबेल ने सोचा, एक सच्चा सज्जन, और सांप की तरह खतरनाक। पुलिसवाले के लिए, सच्चे सज्जन हमेशा सबसे बुरे किस्म के होते हैं। किसी को कभी उन पर शक नहीं हुआ।
उसने लंदन से आई कैल्थ्रोप और डग्गन की दो तस्वीरों पर एक नज़र डाली। कैल्थ्रोप, डग्गन बन गया था, कद, बाल, आँखें, उम्र और शायद तौर-तरीके भी बदल

गए थे। उसने उस आदमी की एक मानसिक छवि बनाने की कोशिश की। उससे मिलने पर कैसा लगेगा? आत्मविश्वासी, घमंडी, अपनी सुरक्षा को लेकर आश्वस्त। खतरनाक, धूर्त, सटीक, किसी भी चीज़ को किस्मत पर न छोड़ने वाला। बेशक, हथियारबंद, लेकिन किससे? बाईं बगल में एक स्वचालित बंदूक? पसलियों से बंधा हुआ एक फेंकने वाला चाकू? एक राइफल? लेकिन सीमा शुल्क से गुजरते समय वह इसे कहाँ रखेगा? वह जनरल डी गॉल के पास इतनी बड़ी चीज़ लेकर कैसे जाएगा, जब राष्ट्रपति के बीस गज के दायरे में महिलाओं के हैंडबैग भी संदिग्ध माने जाते हैं, और राष्ट्रपति के किसी भी सार्वजनिक कार्यक्रम के आस-पास से लंबे पैकेज वाले पुरुषों को बिना किसी औपचारिकता के हटा दिया जाता है?
हे भगवान! एलिसी पैलेस का वो कर्नल तो उसे महज़ एक और गुंडा समझता है! लेबेल जानता था कि उसके पास एक फ़ायदा है: उसे कातिल का नया नाम पता था, और कातिल को नहीं पता था कि उसे पता है। यही उसका एकमात्र तुरुप का पत्ता था; इसके अलावा सब कुछ जैकाल के हाथ में था, और शाम की सभा में कोई भी इसे समझ नहीं सकता था और न ही समझना चाहता था।
अगर उसे आपके पकड़े जाने से पहले ही पता चल गया कि आप क्या जानते हैं, और वह फिर से अपनी पहचान बदल लेता है, तो क्लाउड, उसने सोचा, तुम बहुत बड़ी मुसीबत में पड़ने वाले हो।
उसने जोर से कहा, 'सचमुच मुश्किल में हूँ।'
कैरोन ने ऊपर देखा।
‘आप सही कह रहे हैं, चीफ। उसके पास कोई मौका नहीं है।’
लेबेल का उसके प्रति चिड़चिड़ापन असामान्य था। नींद की कमी का असर अब दिखने लगा होगा।
खिड़की के शीशों के पार घटते चाँद की रोशनी की किरण धीरे-धीरे सिकुड़ी हुई चादर पर से गुज़रते हुए खिड़की की ओर वापस चली गई। इसने दरवाज़े और पलंग के बीच पड़ी सिकुड़ी हुई साटन की पोशाक, कालीन पर बिखरी हुई ब्रा और ढीली नायलॉन स्टॉकिंग्स को उजागर किया। पलंग पर लेटे दोनों व्यक्ति परछाई में धुंधले दिखाई दे रहे थे।
कोलेट पीठ के बल लेटी हुई छत को निहार रही थी, एक हाथ की उंगलियां उसके पेट पर रखे सुनहरे बालों में धीरे-धीरे फिर रही थीं। रात भर की घटनाओं को याद करते हुए उसके होंठों पर हल्की सी मुस्कान आ गई।

वह अंग्रेज़, जो आदिम स्वभाव का था, बहुत अच्छा था; कठोर लेकिन कुशल। उसे उंगलियों, जीभ और चुभन का इस्तेमाल करना आता था, जिससे उसने उसे पाँच बार और खुद को तीन बार चरम सुख तक पहुँचाया। उसके चरम सुख के समय भी उसे अपने अंदर की तीव्र गर्मी महसूस हो रही थी, और उसे एहसास हुआ कि उसे ऐसी रात की कितनी सख्त ज़रूरत थी, जब उसने वर्षों बाद इस तरह प्रतिक्रिया दी।
उसने बिस्तर के बगल में रखी छोटी सी चलती-फिरती घड़ी पर नज़र डाली। उसमें सवा पाँच बज रहे थे। उसने अपने सुनहरे बालों पर अपनी पकड़ मज़बूत की और उन्हें खींचा।
'अरे।'
अंग्रेज ने अधनी नींद में कुछ बुदबुदाया। दोनों अस्त-व्यस्त चादरों के बीच नग्न अवस्था में लेटे थे, लेकिन सेंट्रल हीटिंग से कमरा आरामदायक रूप से गर्म था। सुनहरे बालों वाले व्यक्ति का सिर उसके हाथ से छूटकर उसकी जांघों के बीच सरक गया। उसे गर्म सांसों की गुदगुदी और जीभ की फिर से तलाश में फड़फड़ाहट महसूस हुई।
नहीं, अब और नहीं।
उसने जल्दी से अपनी जांघें सटा लीं, उठ बैठी और उसके बाल पकड़कर उसका चेहरा ऊपर उठाया ताकि वह उसे देख सके। वह भी बिस्तर पर थोड़ा ऊपर उठा, अपना चेहरा उसके भरे हुए स्तनों में से एक पर टिका दिया और चूमने लगा।
मैंने मना कर दिया।
उसने उसकी ओर देखा।
‘बस करो, प्रिय। मुझे दो घंटे में उठना है, और तुम्हें अपने कमरे में वापस जाना होगा। अब, मेरी थोड़ी सी अंग्रेजी, अब।’
उसे इशारा समझ आ गया और उसने सिर हिलाकर बिस्तर से उठकर फर्श पर खड़े होकर अपने कपड़े ढूंढने लगा। वह चादर के नीचे सरक गई, घुटनों के आसपास फैली चादरों में से कपड़े छाँटे और ठुड्डी तक खींच लिए। जब उसने जैकेट और टाई एक हाथ पर टांगकर कपड़े पहन लिए, तो उसने मंद अंधेरे में उसकी ओर देखा और मुस्कुराते हुए उसके दाँतों की चमक देखी। वह बिस्तर के किनारे बैठ गया और अपना दाहिना हाथ उसकी गर्दन के पीछे ले गया। उसका चेहरा उसके चेहरे से कुछ इंच की दूरी पर था।
'यह अच्छा था?'
‘हम्ममम। बहुत अच्छा था। और आपका?’

वह फिर मुस्कुराया। 'तुम्हें क्या लगता है?'
वह हंस पड़ी। 'आपका नाम क्या है?'
उसने एक पल सोचा। 'एलेक्स,' उसने झूठ बोला।
“अच्छा, एलेक्स, यह बहुत अच्छा था। लेकिन अब तुम्हारे अपने कमरे में वापस जाने का समय हो गया है।”
वह नीचे झुका और उसने उसके होठों पर चुंबन दिया।
‘तो फिर, शुभ रात्रि, कोलेट।’
एक पल बाद वह चला गया, और उसके पीछे दरवाजा बंद हो गया।
सुबह सात बजे, जब सूरज उग रहा था, एक स्थानीय पुलिसकर्मी साइकिल से होटल डू सेर्फ पहुंचा, साइकिल से उतरा और लॉबी में प्रवेश किया। होटल के मालिक, जो पहले से ही उठ चुके थे और रिसेप्शन डेस्क के पीछे अपने कमरों में मौजूद मेहमानों के लिए सुबह की कॉल और कॉफी की व्यवस्था करने में व्यस्त थे, ने उनका स्वागत किया।
‘तो, सुबह-सुबह?’
'हमेशा की तरह,' पुलिसकर्मी ने कहा। 'यहाँ साइकिल से आना बहुत लंबा सफर है, और मैं हमेशा तुम्हें सबसे आखिर में छोड़ता हूँ।'
‘ऐसा मत कहो,’ दुकानदार ने मुस्कुराते हुए कहा, ‘हम इस इलाके में सबसे बढ़िया नाश्ते की कॉफी बनाते हैं। मैरी-लुईस, महाशय के लिए एक कप कॉफी लाओ, और मुझे यकीन है कि वह उसमें थोड़ी सी ट्रौ नॉर्मंड मिलाकर पीना पसंद करेंगे।’
ग्रामीण कांस्टेबल खुशी से मुस्कुरा उठा।
‘ये रहे कार्ड,’ दुकानदार ने कहा और पिछली शाम आए नए मेहमानों द्वारा भरे गए छोटे सफेद कार्ड सौंप दिए। ‘कल रात केवल तीन नए कार्ड ही भरे गए थे।’ कांस्टेबल ने कार्ड लिए और उन्हें अपनी बेल्ट पर लगे चमड़े के थैले में रख दिया।
'यहां आने का कोई खास मतलब नहीं है,' वह मुस्कुराया, लेकिन लॉबी की बेंच पर बैठ गया और अपनी कॉफी और कैल्वाडोस का इंतजार करने लगा, और जब मैरी-लुईस इसे लेकर आई तो उसने उसके साथ कुछ कामुक चुटकुले भी सुनाए।
रात आठ बजे तक वह होटल पंजीकरण कार्डों से भरी थैली लेकर गैप के पुलिस स्टेशन और कमिश्नरेट में वापस लौटा। स्टेशन इंस्पेक्टर ने उन्हें अपने कब्जे में ले लिया, लापरवाही से उन्हें पलटा और रैक में रख दिया। बाद में

उन्हें ल्योंस स्थित क्षेत्रीय मुख्यालय और फिर पेरिस के केंद्रीय अभिलेख विभाग में भेजा जाना था। वैसे, उसे इस सब का कोई मतलब समझ नहीं आता था।
जब इंस्पेक्टर कैशियरी में कार्ड रैक में रख रहा था, तभी मैडम कोलेट डे ला चालोनियर ने अपना बिल चुकाया, अपनी कार की स्टीयरिंग व्हील पकड़ी और पश्चिम की ओर चली गईं। एक मंजिल ऊपर, जैकाल सुबह नौ बजे तक सोता रहा। सुपरिटेंडेंट थॉमस को झपकी आ गई थी कि तभी उनके बगल में रखे फोन में तेज सी आवाज़ आई। यह इंटरकॉम फोन था जो उनके कार्यालय को गलियारे के उस कमरे से जोड़ता था जहाँ छह सार्जेंट और दो इंस्पेक्टर उनकी ब्रीफिंग समाप्त होने के बाद से कई टेलीफोनों पर काम कर रहे थे।
उसने अपनी घड़ी पर नज़र डाली। दस बज चुके थे। धिक्कार है, मुझे तो नींद नहीं आती। फिर उसे याद आया कि सोमवार दोपहर को डिक्सन के बुलावे के बाद से उसे कितनी नींद आई थी, या यूँ कहें कि कितनी नींद नहीं आई थी। और अब गुरुवार की सुबह हो चुकी थी। फोन फिर बज उठा।
'हैलो।'
वरिष्ठ जासूस निरीक्षक की आवाज सुनाई दी।
‘मेरे दोस्त डग्गन,’ उन्होंने बिना किसी भूमिका के बोलना शुरू किया। ‘वह सोमवार सुबह बीईए की निर्धारित उड़ान से लंदन से रवाना हुए। बुकिंग शनिवार को हुई थी। नाम के बारे में कोई संदेह नहीं है। अलेक्जेंडर डग्गन। उन्होंने हवाई अड्डे पर टिकट के लिए नकद भुगतान किया था।’
‘कहाँ जाना है? पेरिस?’
नहीं, सुपर। ब्रसेल्स।
थॉमस का दिमाग तुरंत शांत हो गया।
ठीक है, सुनो। हो सकता है वो गया हो, पर वापस आ गया हो। एयरलाइन बुकिंग चेक करते रहो, पता करो कि उसके नाम से कोई और बुकिंग तो नहीं है। खासकर अगर किसी फ्लाइट की बुकिंग हो जो अभी लंदन से रवाना नहीं हुई है। एडवांस बुकिंग वालों से भी पता कर लो। अगर वो ब्रसेल्स से वापस आया है, तो मुझे जानना है। लेकिन मुझे शक है। मुझे लगता है हमने उसे खो दिया है, हालांकि वो जांच शुरू होने से कई घंटे पहले ही लंदन से निकल गया था, इसलिए इसमें हमारी कोई गलती नहीं है। ठीक है?

ठीक है। ब्रिटेन में असली कैल्थ्रोप की तलाश का क्या? इसने कई प्रांतीय पुलिस एजेंसियों को व्यस्त कर रखा है, और पुलिस विभाग ने अभी-अभी कहा है कि वे शिकायत कर रहे हैं।'
थॉमस ने एक पल सोचा।
‘इसे रद्द कर दो,’ उसने कहा। ‘मुझे पूरा यकीन है कि वह जा चुका है।’
उसने बाहर रखा फोन उठाया और पुलिस ज्यूडिशियरी में कमिश्नर लेबेल के कार्यालय के बारे में पूछा।
इंस्पेक्टर कैरन को लगा कि गुरुवार की सुबह होने से पहले ही वह पागलखाने में भर्ती हो जाएगा। पहले दस बजकर पांच मिनट पर अंग्रेजों का फोन आया। उसने खुद फोन उठाया, लेकिन जब सुपरिटेंडेंट थॉमस ने लेबेल से बात करने की ज़िद की, तो वह कैंप-बेड पर सो रहे लेबेल को जगाने के लिए कोने में चला गया। लेबेल ऐसा लग रहा था मानो एक हफ़्ते पहले ही उसकी मौत हो गई हो। फिर भी उसने फोन उठा लिया। थॉमस को अपना परिचय देते ही भाषा की बाधा के कारण कैरन को रिसीवर वापस लेना पड़ा। उसने थॉमस की बातें और लेबेल के जवाबों का अनुवाद किया।
जानकारी को अच्छी तरह समझने के बाद लेबेल ने कहा, 'उसे बता देना कि हम बेल्जियमवासियों से यहीं निपट लेंगे। उससे कहना कि उसकी मदद के लिए मैं उसका तहे दिल से शुक्रिया अदा करता हूं, और अगर हत्यारे का पता ब्रिटेन के बजाय महाद्वीप में कहीं लगाया जा सके, तो मैं उसे तुरंत सूचित कर दूंगा ताकि वह अपने आदमियों को वापस बुला ले।'
जब रिसीवर नीचे रखा तो दोनों आदमी अपनी-अपनी डेस्क पर वापस बैठ गए। लेबेल ने कहा, 'मुझे ब्रुसेल्स से सूरेटे (पुलिस) का अखबार लाओ।'
जब सूरज पहाड़ियों के ऊपर काफी ऊपर आ चुका था और एक और खूबसूरत गर्मी के दिन का वादा कर रहा था, तब सियार उठा। उसने नहाया और कपड़े पहने, और नौकरानी मैरी-लुईस के हाथों से अपना अच्छी तरह से इस्त्री किया हुआ चेक सूट लिया, जिसे धन्यवाद देने पर मैरी-लुईस फिर से शरमा गई।
साढ़े दस बजे के कुछ ही देर बाद वह अपनी अल्फ़ा कार से शहर में आया और पेरिस जाने के लिए डाकघर गया ताकि लंबी दूरी की टेलीफोन सेवा का इस्तेमाल कर सके। बीस मिनट बाद जब वह बाहर निकला तो एकदम चुप था और जल्दी में था। पास ही की एक हार्डवेयर की दुकान से उसने गहरे नीले रंग का एक क्वार्ट चमकदार वार्निश, सफेद रंग का आधा पाइंट का एक टिन और दो ब्रश खरीदे - एक

‘लगभग तीस घंटे!’ वह चिल्लाया। ‘एक दिन से ज़्यादा...’ उसने रिसीवर पटक दिया। कैरन ने भौंहें ऊपर उठाईं।
लेबेल ने थके हुए स्वर में समझाया, “कार्ड वेंटिमिलिया और पेरिस के बीच रास्ते में था। वे अब कल सुबह पूरे फ्रांस से आए एंट्री कार्ड छांट रहे हैं। उनका कहना है कि पच्चीस हज़ार से ज़्यादा कार्ड हैं। ध्यान रहे, सिर्फ़ एक दिन में इतने सारे। मुझे लगता है मुझे चिल्लाना नहीं चाहिए था। कम से कम एक बात तो पक्की है – वह यहीं है। पक्का। फ्रांस के अंदर। अगर आज रात की मीटिंग में मेरे पास कुछ नहीं हुआ तो वे मेरी खाल उतार देंगे। वैसे, सुपरिटेंडेंट थॉमस को फ़ोन करके फिर से धन्यवाद दे देना। उन्हें बता देना कि जैकाल फ्रांस के अंदर है, और हम इसे यहीं से संभाल लेंगे।”
लंदन से कॉल आने के बाद जब कैरन ने रिसीवर वापस रखा, तभी लियोन्स स्थित पीजे के क्षेत्रीय मुख्यालय से फोन आया। लेबेल ने सुना, फिर विजयी भाव से कैरन की ओर देखा। उसने माइक्रोफोन को हाथ से ढक लिया।
‘हमने उसे पकड़ लिया है। उसने कल रात से शुरू होकर दो दिनों के लिए गैप स्थित होटल डू सेर्फ में पंजीकरण करा लिया है।’ उसने माइक से पर्दा हटाया और उसमें से बात की।
‘अब सुनिए, कमिश्नर साहब, मैं आपको यह समझाने की स्थिति में नहीं हूँ कि हम इस डग्गन को क्यों चाहते हैं। बस इतना समझ लीजिए कि यह महत्वपूर्ण है। मैं चाहता हूँ कि आप यह करें...’
उन्होंने दस मिनट तक बात की, और जैसे ही उन्होंने बोलना समाप्त किया, कैरन की मेज पर रखा फोन बज उठा। यह फिर से डीएसटी का फोन था, जिसमें बताया गया था कि डग्गन किराए की सफेद अल्फा रोमियो स्पोर्ट्स टू-सीटर कार, जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर MI-61741 है, में फ्रांस में प्रवेश कर चुके हैं। 'क्या मैं इसके लिए सभी स्टेशनों पर अलर्ट जारी कर दूं?' कैरन ने पूछा। लेबेल ने एक पल के लिए सोचा।
नहीं, अभी नहीं। अगर वो कहीं देहात में गाड़ी चला रहा होगा तो शायद कोई देहाती पुलिसवाला उसे पकड़ लेगा, जो सोचेगा कि वो चोरी की स्पोर्ट्स कार ढूंढ रहा है। उसे रोकने की कोशिश करने वाले किसी को भी वो मार डालेगा। बंदूक गाड़ी में कहीं न कहीं तो होगी ही। ज़रूरी बात ये है कि उसने दो रातों के लिए होटल में बुकिंग करा रखी है। मैं चाहता हूँ कि उसके वापस आने

में था कि क्या वह पुलिसकर्मी को कार के विंग से हल्की सी टक्कर मारकर आगे बढ़ जाए, या फिर कुछ मील आगे जाकर कार छोड़ दे और बिना शीशे या वॉशबेसिन के चार बैगों के साथ पादरी जेन्सन बनने की कोशिश करे, या फिर रुक जाए। पुलिसवाले ने ही उसके लिए फैसला किया। अल्फ़ा कार की रफ़्तार धीमी होने पर पुलिसवाले ने उसे पूरी तरह से नज़रअंदाज़ करते हुए पीछे मुड़कर दूसरी दिशा में सड़क पर नज़र दौड़ाई। जैकाल ने कार को सड़क के किनारे रोक दिया, देखता रहा और इंतज़ार करता रहा।
गाँव के दूसरे छोर से उसे सायरन की तेज़ आवाज़ सुनाई दी। चाहे कुछ भी हुआ हो, अब निकलना नामुमकिन था। गाँव में चार सिट्रोएन पुलिस कारों और छह ब्लैक मारिया का काफिला आया। जैसे ही ट्रैफिक पुलिसकर्मी एक तरफ कूदा और सलामी देने के लिए अपना हाथ ऊपर उठाया, काफिला खड़ी अल्फ़ा कार के पास से तेज़ी से गुज़रा और उसी सड़क पर चल पड़ा जहाँ से वह आया था। वैन की जालीदार खिड़कियों से, जिन्हें फ्रांसीसी लोग 'सलाद की टोकरी' कहते हैं, वह हेलमेट पहने पुलिसकर्मियों की कतारें देख सकता था, जिनके घुटनों पर सबमशीन गन रखी थीं।
जैसे ही काफिला आया, वैसे ही गायब हो गया। स्पीड पुलिस वाले ने सलामी के बाद अपना हाथ नीचे किया, जैकाल को लापरवाही से इशारा किया कि अब वह जा सकता है, और युद्ध स्मारक के पास खड़ी अपनी मोटरसाइकिल की ओर चल पड़ा। वह अभी स्टार्टर ही दबा रहा था कि नीली अल्फ़ा कार पश्चिम की ओर मुड़ते हुए कोने से ओझल हो गई।
शाम के 4:50 बज रहे थे जब उन्होंने होटल डू सेर्फ़ पर धावा बोला। क्लाउड लेबेल, जो कस्बे के दूसरी तरफ एक मील दूर उतरे थे और पुलिस की गाड़ी में होटल के प्रवेश द्वार तक लाए गए थे, कैरन के साथ होटल के मुख्य द्वार तक गए। कैरन ने अपने दाहिने हाथ पर लटके रेनकोट के नीचे एक भरी हुई और तैयार MAT 49 सबमशीन कार्बाइन छिपा रखी थी। उसकी तर्जनी उंगली ट्रिगर पर थी। इस समय तक कस्बे में हर कोई जानता था कि कुछ गड़बड़ है, सिवाय होटल के मालिक के। होटल पांच घंटे से अलग-थलग पड़ा था, और एकमात्र अजीब बात यह थी कि ताज़ी मछलियों का अपना दिन का माल लेकर ट्राउट बेचने वाला नहीं आया था। दफ्तर के क्लर्क के बुलावे पर, मालिक दफ्तर में हिसाब-किताब का काम करते हुए बाहर आया। लेबेल ने कैरन के सवालों के जवाब सुने, कैरन की बांह के नीचे अजीब से दिखने वाले बंडल पर घबराहट भरी नजर डाली और उसके कंधे झुक गए।

पांच मिनट बाद ही होटल वर्दीधारी पुलिसकर्मियों से भर गया। उन्होंने कर्मचारियों से पूछताछ की, बेडरूम की जांच की और पूरे परिसर में तलाशी अभियान चलाया। लेबेल अकेले ही ड्राइववे में चले गए और आसपास की पहाड़ियों को निहारने लगे। कैरन भी उनके साथ आ गईं।
‘क्या आपको लगता है कि वह सचमुच चला गया है, मुखिया?’ लेबेल ने सिर हिलाया। वह ठीक-ठाक चला गया।
लेकिन उसका बुकिंग दो दिन के लिए थी। क्या आपको लगता है कि मालिक भी इसमें उसके साथ शामिल है?
नहीं। वह और कर्मचारी झूठ नहीं बोल रहे हैं। उन्होंने आज सुबह किसी समय अपना मन बदल लिया और चले गए। अब सवाल यह है कि आखिर वह कहाँ गए हैं, और क्या उन्हें अब भी शक है कि हम उन्हें जानते हैं?
लेकिन वह ऐसा कैसे कर सकता था? उसे यह पता नहीं हो सकता था। यह महज़ एक संयोग ही होगा। ऐसा ही होना चाहिए।
'मेरे प्यारे लुसिएन, उम्मीद करते हैं ऐसा ही हो।'
'अब हमारे पास एकमात्र सुराग कार नंबर ही है।'
'हाँ। यह मेरी गलती थी। हमें कार के लिए अलर्ट जारी कर देना चाहिए था। पुलिस की किसी भी गाड़ी से ल्योंस जाने वाली रूट ट्रेन को कॉल करो और सभी स्टेशनों पर अलर्ट जारी करो। सर्वोच्च प्राथमिकता। सफेद अल्फा रोमियो, इतालवी, नंबर MI-61741। सावधानी से आगे बढ़ें, गाड़ी में बैठा व्यक्ति हथियारबंद और खतरनाक माना जा रहा है। आपको प्रक्रिया पता है। लेकिन एक और बात, कोई भी इसे प्रेस को न बताए। संदेश में यह निर्देश भी शामिल करें कि संदिग्ध व्यक्ति को शायद पता नहीं है कि उस पर शक किया जा रहा है, और जो भी उसे यह बात रेडियो पर सुनने या प्रेस में पढ़ने देगा, मैं उसे कड़ी सजा दूंगा। मैं ल्योंस के कमिश्नर गैलार्ड को यहाँ का कार्यभार संभालने के लिए कह रहा हूँ। फिर चलिए पेरिस वापस चलते हैं।'
लगभग छह बज रहे थे जब नीली अल्फ़ा कार वैलेंस शहर में पहुँची, जहाँ ल्योंस से मार्सिले तक जाने वाली मुख्य सड़क और पेरिस से कोट डी'अज़ूर तक जाने वाले अधिकांश यातायात को ले जाने वाले राजमार्ग, रूट नेशनेल सेवन, रोन नदी के किनारे गर्जना करते हुए बहती है। अल्फ़ा ने दक्षिण की ओर जाने वाली इस विशाल सड़क को पार किया और नदी पर बने पुल से होते हुए पश्चिमी तट पर स्थित सेंट पेरे की ओर जाने वाले आरएन 533 मार्ग पर मुड़ गई। पुल के नीचे, विशाल

नदी दोपहर की धूप में सुलग रही थी, दक्षिण की ओर भागती छोटी-छोटी कारों को अनदेखा करते हुए, अपनी धीमी लेकिन निश्चित गति से भूमध्य सागर की ओर बह रही थी।
सेंट पेरे के बाद, जैसे ही घाटी में शाम ढलने लगी, जैकल ने अपनी छोटी स्पोर्ट्स कार को मैसिफ सेंट्रल और औवेर्गने प्रांत के पहाड़ों में और ऊपर की ओर दौड़ा दिया। ले पुय के बाद रास्ता और भी कठिन हो गया, पहाड़ और भी ऊंचे हो गए और हर कस्बा एक ऐसे जलपान स्थल जैसा प्रतीत होता था जहाँ चट्टानों से बहने वाली जीवनदायिनी धाराएँ शहरों में दर्द और एक्जिमा से पीड़ित लोगों को आकर्षित करती थीं और उन चतुर औवेर्गने किसानों के लिए धन का स्रोत बन जाती थीं जो पूरी लगन से इस जलपान व्यवसाय में उतरे थे। ब्रियूड के बाद एलियर नदी की घाटी पीछे छूट गई, और रात की हवा में ऊँची पहाड़ियों के चारागाहों में उगने वाली हीथर और सूखती घास की महक फैली हुई थी। उसने इस्सोइरे में टैंक भरवाने के लिए रुककर फिर मोंट डोरे के कसीनो शहर और ला बोरडूल के स्पा से होते हुए तेज़ी से आगे बढ़ा। लगभग आधी रात हो चुकी थी जब वह डोर्डोग्ने नदी के उद्गम स्थल पर पहुँचा, जहाँ से यह औवेर्गने की चट्टानों के बीच से निकलती है और आधा दर्जन बांधों से गुज़रते हुए दक्षिण और पश्चिम की ओर बहती है और बोर्डो में अटलांटिक महासागर में मिल जाती है।
ला बोरडौल से उन्होंने आरएन 89 मार्ग लिया और कोर्रेज़ काउंटी के मुख्य शहर उसल की ओर बढ़े।
‘आप मूर्ख हैं, महाशय कमिश्नर, मूर्ख। आपने उसे अपनी मुट्ठी में कर लिया था, और फिर भी उसे जाने दिया।’ सेंट-क्लेयर अपनी बात मनवाने के लिए आधा उठ खड़ा हुआ और लेबेल के सिर के ऊपर रखी पॉलिश की हुई महोगनी की मेज को घूरने लगा। जासूस अपने दस्तावेज़ों का अध्ययन कर रहा था, मानो सेंट-क्लेयर का कोई अस्तित्व ही न हो।
उसने तय कर लिया था कि महल के उस अभिमानी कर्नल से निपटने का यही एकमात्र तरीका है, और सेंट-क्लेयर को भी यह ठीक से समझ नहीं आ रहा था कि झुका हुआ सिर शर्मिंदगी का उचित संकेत था या फिर उद्दंड उदासीनता का। वह शर्मिंदगी को ही उचित मानना चाहता था। जब वह अपनी बात खत्म करके अपनी सीट पर वापस बैठ गया, तो क्लाउड लेबेल ने ऊपर देखा।

‘मेरे प्रिय कर्नल, यदि आप अपने सामने रखी माइमोग्राफ की गई रिपोर्ट को देखेंगे, तो आपको पता चलेगा कि वह हमारे हाथ में नहीं था,’ उन्होंने विनम्रता से कहा। ‘लायंस से मिली रिपोर्ट कि डग्गन नाम के एक व्यक्ति ने पिछली शाम गैप के एक होटल में पंजीकरण कराया था, आज दोपहर 12:15 बजे तक पीजे तक नहीं पहुंची। अब हमें पता चला है कि जैकाल सुबह 11:05 बजे अचानक होटल से निकल गया। चाहे जो भी उपाय किए गए हों, उसके पास फिर भी एक घंटे का समय था।’
इसके अलावा, मैं इस देश की पुलिस बलों की कार्यकुशलता पर आपकी कड़ी आलोचनाओं को स्वीकार नहीं कर सकता। मैं आपको याद दिलाना चाहूंगा कि राष्ट्रपति के आदेश हैं कि इस मामले को गुप्त रूप से निपटाया जाए। इसलिए, डग्गन नाम के व्यक्ति के लिए हर ग्रामीण पुलिस स्टेशन को अलर्ट जारी करना संभव नहीं था, क्योंकि इससे प्रेस में हंगामा मच जाता। होटल डू सेर्फ में डग्गन का पंजीकरण कार्ड सामान्य समय पर सामान्य तरीके से एकत्र किया गया और तुरंत ल्योंस स्थित क्षेत्रीय मुख्यालय को भेज दिया गया। वहीं पर पता चला कि डग्गन एक वांछित व्यक्ति है। यह देरी अपरिहार्य थी, जब तक कि हम उस व्यक्ति के लिए राष्ट्रव्यापी हंगामा न मचाना चाहें, और यह मेरे अधिकार क्षेत्र से बाहर है।
और अंत में, डग्गन दो दिनों के लिए होटल में पंजीकृत थे। हमें नहीं पता कि आज सुबह 11 बजे उन्होंने अपना मन क्यों बदल लिया और कहीं और जाने का फैसला क्यों किया।
'शायद आपकी पुलिस इधर-उधर घूम रही होगी,' सेंट-क्लेयर ने झल्लाकर कहा। 'मैंने पहले ही यह स्पष्ट कर दिया है कि 12.15 से पहले कोई मौज-मस्ती नहीं हुई थी और वह व्यक्ति पहले ही सत्तर मिनट जा चुका था,' लेबेल ने कहा।
‘ठीक है, हम बदकिस्मत रहे हैं, बहुत बदकिस्मत,’ मंत्री ने बीच में ही टोकते हुए कहा। ‘लेकिन अब भी यह सवाल बना हुआ है कि कार की तत्काल तलाशी क्यों नहीं शुरू की गई। कमिश्नर?’
‘मैं मानता हूँ कि यह एक गलती थी, मंत्री जी, घटनाओं के आलोक में। मेरे पास यह मानने का कारण था कि वह व्यक्ति होटल में था और वहीं रात बिताने का इरादा रखता था। यदि वह आसपास के क्षेत्र में गाड़ी चला रहा होता, और वांछित कार चलाने के कारण किसी मोटर-पेट्रोल अधिकारी द्वारा रोका जाता, तो वह

लगभग निश्चित रूप से उस अनजान पुलिसकर्मी को गोली मार देता, और इस प्रकार पूर्व चेतावनी पाकर भाग जाता...’
'उन्होंने ठीक यही किया है,' सेंट-जेवियर ने कहा।
'यह सच है, लेकिन हमारे पास ऐसा कोई सबूत नहीं है जिससे यह पता चले कि उसे पहले से चेतावनी दी गई थी, जैसा कि तब होता जब उसकी कार को किसी एक पुलिसकर्मी ने रोका होता। हो सकता है कि उसने कहीं और जाने का फैसला किया हो। अगर ऐसा है, और अगर वह आज रात किसी दूसरे होटल में ठहरता है, तो उसकी सूचना दी जाएगी। या फिर, अगर उसकी कार कहीं दिखाई देती है, तो उसकी सूचना दी जाएगी।'
'सफेद अल्फ़ा कार के लिए अलर्ट कब जारी किया गया था?' पीजे के निदेशक मैक्स फर्नेट ने पूछा।
लेबेल ने जवाब दिया, “मैंने शाम 5:15 बजे होटल के प्रांगण से निर्देश जारी किए थे। ये निर्देश सात बजे तक सभी प्रमुख सड़क गश्ती इकाइयों तक पहुँच जाने चाहिए थे, और मुख्य शहरों में तैनात पुलिसकर्मियों को रात भर उनकी रात्रिकालीन ड्यूटी के दौरान सूचित किया जाना चाहिए था। इस व्यक्ति से होने वाले खतरे को देखते हुए, मैंने कार को चोरी की कार के रूप में दर्ज कर लिया है और निर्देश दिया है कि इसकी सूचना तुरंत क्षेत्रीय मुख्यालय को दी जाए, लेकिन किसी भी अकेले पुलिसकर्मी को कार में बैठे व्यक्ति के पास नहीं जाना चाहिए। यदि यह बैठक इन आदेशों में कोई बदलाव करती है, तो इसके परिणामस्वरूप होने वाली किसी भी कार्रवाई की जिम्मेदारी इस बैठक की होगी।”
एक लंबा सन्नाटा था।
“दुर्भाग्यवश, एक पुलिस अधिकारी की जान को फ्रांस के राष्ट्रपति की सुरक्षा में बाधा नहीं बनने दिया जा सकता,” कर्नल रोलैंड ने धीरे से कहा। मेज के चारों ओर बैठे लोगों ने इस बात से सहमति जताई।
‘बिल्कुल सही,’ लेबेल ने सहमति जताते हुए कहा। ‘बशर्ते एक पुलिस अधिकारी इस आदमी को रोक सके। लेकिन ज़्यादातर कस्बों और ग्रामीण इलाकों के पुलिसकर्मी, गश्त पर तैनात आम लोग और मोटर पेट्रोलिंग करने वाले, पेशेवर बंदूकधारी नहीं होते। यह जैकाल है। अगर उसे रोका गया, वह एक-दो पुलिसकर्मियों को गोली मारकर गिरा दे, फिर भाग निकले और गायब हो जाए, तो हमें दो चीज़ों का सामना करना पड़ेगा: एक तो यह कि हत्यारे को पूरी तरह से

चेतावनी मिल जाएगी और शायद वह एक नई पहचान अपना ले जिसके बारे में हमें कुछ पता नहीं होगा, दूसरा यह कि हर अखबार में देशव्यापी सुर्खियां बनेंगी जिन्हें हम दबा नहीं पाएंगे। अगर हत्या की खबर सामने आने के अड़तालीस घंटे बाद भी जैकाल के फ्रांस में होने का असली कारण गुप्त रहता है, तो मुझे बहुत हैरानी होगी। प्रेस को कुछ ही दिनों में पता चल जाएगा कि वह राष्ट्रपति के पीछे पड़ा है। अगर यहां कोई भी जनरल को यह समझाना चाहे, तो मैं खुशी-खुशी इस जांच से हट जाऊंगा और इसे उन्हें सौंप दूंगा।’
किसी ने भी स्वेच्छा से भाग नहीं लिया। बैठक हमेशा की तरह आधी रात के आसपास समाप्त हो गई। तीस मिनट के भीतर ही शुक्रवार, 16 अगस्त हो गया।

अध्याय सत्रह
नीली अल्फ़ा रोमियो सुबह एक बजे से ठीक पहले उसल के प्लेस डे ला गारे में पहुंची। स्टेशन के प्रवेश द्वार के सामने चौक के पार एक कैफे खुला था, और ट्रेन का इंतज़ार कर रहे कुछ देर रात के यात्री कॉफ़ी पी रहे थे। जैकाल ने अपने बालों में कंघी की और छत पर रखी कुर्सियों और मेजों के पास से गुज़रते हुए बार काउंटर तक गया। उसे ठंड लग रही थी, क्योंकि साठ मील प्रति घंटे से अधिक की रफ्तार से गाड़ी चलाते समय पहाड़ी हवा ठंडी थी; और अनगिनत पहाड़ी मोड़ों से अल्फ़ा को खींचने के कारण उसकी जांघें और बाहें अकड़ गई थीं; और भूख भी लगी थी, क्योंकि उसने अट्ठाईस घंटे पहले रात के खाने के बाद से नाश्ते में मक्खन लगे एक ब्रेड के अलावा कुछ नहीं खाया था।
उसने काउंटर पर रखे स्टैंड से बीच से कटी हुई, मक्खन लगी हुई लंबी, पतली रोटी की दो बड़ी स्लाइसें मंगवाईं, जिसे टार्टिन ब्यूरे के नाम से जाना जाता है, और साथ ही चार उबले अंडे भी मंगवाए। इसके अलावा एक बड़ी सफेद कॉफी भी मंगवाई।
जब मक्खन लगी ब्रेड तैयार हो रही थी और कॉफी फिल्टर से छनकर निकल रही थी, तब उसने टेलीफोन बूथ की तलाश में चारों ओर देखा। वहाँ कोई टेलीफोन बूथ नहीं था, लेकिन काउंटर के अंत में एक टेलीफोन रखा हुआ था।
‘क्या आपके पास स्थानीय टेलीफोन निर्देशिका है?’ उसने बारमैन से पूछा। बिना कुछ कहे, व्यस्त बारमैन ने काउंटर के पीछे एक रैक पर रखी निर्देशिकाओं के ढेर की ओर इशारा किया।
उन्होंने कहा, 'आप अपनी जरूरत की चीजें खुद ले सकते हैं।'
बैरन का नाम ‘चैलोनियर, एम. ले बैरन डे ला...’ के नीचे दर्ज था और पता ला हाउटे चैलोनियर स्थित महल था। जैकाल को यह पता था, लेकिन गाँव उसके नक्शे पर नहीं था। हालांकि, टेलीफोन नंबर एग्लटन्स का दिया गया था, और उसने इसे आसानी से ढूंढ लिया। यह आरएन 89 पर उसल से तीस किलोमीटर आगे था। वह अपने अंडे और सैंडविच खाने के लिए बैठ गया।
सुबह के दो बजने से ठीक पहले, सड़क किनारे एक पत्थर पर 'एग्लटन्स, 6 किमी' लिखा हुआ देखा और सड़क के किनारे स्थित घने जंगलों में से एक में कार छोड़ने का फैसला किया। वे घने जंगल थे, शायद किसी स्थानीय रईस की जागीर, जहाँ कभी घोड़ों और कुत्तों के साथ जंगली सूअरों का शिकार किया जाता था।

शायद अभी भी किया जाता हो, क्योंकि कोर्रेज़ के कुछ हिस्से लुई द सन किंग के ज़माने से सीधे चले आए प्रतीत होते हैं।
कुछ सौ मीटर के भीतर ही उसे जंगल की ओर जाने वाला एक रास्ता मिल गया, जो प्रवेश द्वार पर लगे एक लकड़ी के खंभे से सड़क से अलग था, जिस पर 'Chasse Privée' लिखा हुआ एक बोर्ड लगा था। उसने खंभा हटाया, कार को जंगल में ले गया और खंभा वापस लगा दिया।
वहाँ से वह आधा मील जंगल में चला गया, हेडलाइट्स की रोशनी में पेड़ों की टेढ़ी-मेढ़ी आकृतियाँ भूतों की तरह लग रही थीं मानो वे गुस्से में अपनी डालियाँ फैलाकर घुसपैठिए पर झपट रही हों। अंत में उसने कार रोकी, हेडलाइट्स बंद कीं और ग्लव कंपार्टमेंट से वायर कटर और टॉर्च निकाली।
वह एक घंटा गाड़ी के नीचे छिपा रहा, जंगल की ज़मीन पर पड़ी ओस से उसकी पीठ भीग गई। आखिरकार स्नाइपर राइफल वाली स्टील की नलियाँ पिछले साठ घंटों से छिपी हुई जगह से बाहर आ गईं, और उसने उन्हें पुराने कपड़ों और सेना के ओवरकोट के साथ सूटकेस में दोबारा पैक कर दिया। उसने गाड़ी का आखिरी बार चारों ओर से जायज़ा लिया ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उसमें ऐसा कुछ भी न बचा हो जिससे उसे ढूंढने वाले को उसके चालक के बारे में कोई सुराग मिल सके, और फिर उसने गाड़ी को पास के जंगली रोडोडेंड्रोन के झुंड के बीचोंबीच तेज़ी से घुसा दिया।
धातु की कैंची का उपयोग करते हुए, उसने अगला एक घंटा आस-पास की झाड़ियों से रोडोडेंड्रोन की शाखाओं को काटने और उन्हें अल्फा द्वारा झाड़ियों में बनाए गए छेद के सामने जमीन में गाड़ने में बिताया, जब तक कि वह पूरी तरह से नजरों से ओझल नहीं हो गया।
उसने अपनी टाई को एक सूटकेस के हैंडल में और दूसरे सूटकेस के हैंडल में बांध दिया। टाई को रेलवे कुली की तरह इस्तेमाल करते हुए, उसने अपने कंधे को लूप के नीचे इस तरह रखा कि एक सूटकेस उसकी छाती पर और दूसरा उसकी पीठ पर लटक रहा था। इस तरह उसने अपने दोनों खाली हाथों से बाकी बचे दो सूटकेस पकड़े और सड़क की ओर वापस चलना शुरू कर दिया।
यह एक धीमी गति से चल रहा था। हर सौ गज पर वह रुकता, सामान नीचे रखता और पेड़ की एक शाखा से अपने पदचिह्नों को मिटाता, काई और टहनियों पर अल्फ़ा के गुजरने से बने हल्के निशानों को साफ करता। सड़क तक पहुँचने, खंभे के नीचे

से निकलने और जंगल के प्रवेश द्वार से आधा मील की दूरी तय करने में उसे एक और घंटा लग गया।
उसका चेक सूट मैला और गंदा था, पोलो स्वेटर चिकनाई के कारण उसकी पीठ से बुरी तरह चिपक गया था, और उसे लग रहा था कि उसकी मांसपेशियों का दर्द अब कभी खत्म नहीं होगा। सूटकेसों को एक कतार में लगाकर, वह बैठ गया और इंतज़ार करने लगा, क्योंकि पूर्वी आकाश आसपास की रात की तुलना में थोड़ा हल्का हो गया था। उसने खुद को याद दिलाया कि ग्रामीण बसें अक्सर जल्दी चलने लगती हैं।
दरअसल, वह भाग्यशाली था। ठीक 5:50 बजे एक खेत का ट्रक, जो भूसे से लदी एक ट्रेलर को खींच रहा था, बाजार कस्बे की ओर जा रहा था।
‘गाड़ी खराब हो गई?’ ड्राइवर ने गाड़ी धीमी करते हुए चिल्लाकर कहा।
‘नहीं। मुझे कैंप से वीकेंड पास मिला है, इसलिए मैं लिफ्ट लेकर घर जा रहा हूँ। कल रात मैं उसल तक पहुँचा था और फिर टुले तक जाने का फैसला किया। वहाँ मेरा एक चाचा है जो मुझे बोर्डो तक एक लॉरी का इंतजाम कर सकता है। मैं बस यहीं तक पहुँच पाया।’ उसने ड्राइवर की तरफ देखकर मुस्कुराया, जिस पर ड्राइवर हँसा और कंधे उचका दिए।
‘पागलपन है, रात में यहाँ पैदल चलना। अंधेरा होने के बाद इस रास्ते से कोई नहीं आता। ट्रेलर पर बैठ जाओ, मैं तुम्हें एगलेटन्स ले चलता हूँ, तुम वहाँ से कोशिश कर सकते हो।’
वे पौने सात बजे छोटे से कस्बे में पहुँचे। सियार ने किसान को धन्यवाद दिया, स्टेशन के पीछे से निकलकर एक कैफे की ओर चल पड़ा।
कॉफी पीते हुए उसने बारमैन से पूछा, 'क्या शहर में टैक्सी मिल सकती है?' बारमैन ने उसे नंबर दिया और उसने टैक्सी कंपनी को फोन किया। उसे बताया गया कि आधे घंटे में एक टैक्सी उपलब्ध होगी। इंतज़ार करते हुए उसने कैफे के शौचालय में लगे ठंडे पानी के नल का इस्तेमाल करके अपना चेहरा और हाथ धोए, नए कपड़े पहने और अपने दांत साफ किए जो सिगरेट और कॉफी से चिपचिपे हो गए थे।
टैक्सी 7:30 बजे पहुंची, एक पुरानी खटारा रेनॉल्ट कार।
‘क्या आप हाउटे चालोनियर गांव को जानते हैं?’ उसने ड्राइवर से पूछा। ''अवधि।'
'कितनी दूर?'

‘अठारह किलोमीटर।’ उस आदमी ने पहाड़ों की ओर अंगूठा उठाकर इशारा किया। ‘पहाड़ियों में।’
'मुझे वहां ले चलो,' सियार ने कहा और अपना सारा सामान छत पर लगे रैक पर रख दिया, सिवाय एक सूटकेस के जिसे वह अपने साथ अंदर ले गया।
उसने ज़िद की कि उसे गाँव के चौक में स्थित कैफ़े डे ला पोस्टे के सामने उतारा जाए। पास के कस्बे से आने वाले टैक्सी ड्राइवर को यह जानने की ज़रूरत नहीं थी कि वह महल जा रहा है। टैक्सी के चले जाने के बाद वह अपना सामान कैफ़े के अंदर ले आया। चौक पहले से ही बहुत गर्म था, और भूसे से भरी गाड़ी में जुते दो बैल बाहर आराम से जुगाली कर रहे थे, जबकि मोटी काली मक्खियाँ उनकी शांत, धैर्यवान आँखों के चारों ओर मंडरा रही थीं।
कैफे के अंदर अंधेरा और ठंडक थी। उसने ग्राहकों को मेजों पर हिलते-डुलते हुए नए व्यक्ति को गौर से देखते हुए सुना, और काले कपड़े पहने एक बूढ़ी किसान महिला के खेत मजदूरों के एक समूह को छोड़कर बार के पीछे जाने पर टाइलों पर लकड़ी के जूतों की खटखटाहट सुनाई दी।
‘महाशय?’ उसने कर्कश आवाज में कहा।
उसने सामान नीचे रखा और बार पर झुक गया। उसने देखा कि स्थानीय लोग रेड वाइन पी रहे थे।
'एक बड़ी गिलास रेड वाइन, कृपया, महोदया।'
शराब परोसे जाने पर उसने पूछा, 'महोदया, महल कितनी दूर है?' उसने अपनी चालाक काली आँखों से उसे उत्सुकता से देखा।
‘दो किलोमीटर, महोदय।’
उसने थकी हुई आवाज़ में आह भरी। 'उस बेवकूफ ड्राइवर ने मुझे यह बताने की कोशिश की कि यहाँ कोई महल नहीं है। इसलिए उसने मुझे चौक पर उतार दिया।' ‘क्या वह एगलटन से था?’ उसने पूछा। सियार ने सिर हिलाया।
उसने कहा, 'एगलटन में वे लोग मूर्ख हैं।'
उन्होंने कहा, 'मुझे महल तक पहुंचना है।'
अपनी मेजों पर बैठे किसानों का समूह स्तब्ध रह गया। किसी ने भी यह सुझाव नहीं दिया कि वह वहाँ कैसे पहुँचा होगा। उसने एक नया सौ फ़्रैंक का नोट निकाला।
‘मैडम, शराब कितने की है?’

उसने उस नोट को गौर से देखा। उसके पीछे नीले सूती ब्लाउज़ और पतलून में हलचल हुई।
‘मेरे पास इसके लिए खुले पैसे नहीं हैं,’ बूढ़ी औरत ने कहा।
उसने आह भरी।
उन्होंने कहा, 'काश कोई वैन वाला होता, तो शायद उसके पास कुछ खुले पैसे होते।'
कोई उठा और पीछे से पास आया।
‘महाशय, गांव में एक वैन खड़ी है,’ एक आवाज गुर्राई।
सियार ने बनावटी आश्चर्य का भाव दिखाते हुए पलटकर देखा।
‘यह तुम्हारा है, मेरे दोस्त?’
नहीं, महोदय, लेकिन मैं उस व्यक्ति को जानता हूँ जो इसका मालिक है। वह शायद आपको वहाँ तक पहुँचा सकता है।
सियार ने सिर हिलाया मानो वह इस विचार के गुणों पर विचार कर रहा हो।
‘इस बीच आप क्या लेंगे?’
किसान ने बूढ़ी औरत को सिर हिलाकर अभिवादन किया, जिसने एक और बड़ा गिलास गाढ़ा लाल शराब डाला।
और आपके दोस्त? आज बहुत गर्मी है। बहुत प्यास भी लग रही है।
दाढ़ी वाले चेहरे पर मुस्कान खिल उठी। किसान ने उस महिला को फिर से सिर हिलाकर अभिवादन किया, जो बड़ी मेज के चारों ओर बैठे लोगों के समूह के पास दो भरी बोतलें लेकर आई थी। किसान ने आदेश दिया, 'बेनोइट, जाओ और वैन ले आओ,' और उनमें से एक आदमी अपनी शराब एक ही घूंट में पीकर बाहर चला गया।
ऑवर्न के किसानों का एक फायदा यह है, ऐसा लगता है, सियार ने सोचा, जैसे ही वह महल तक पहुंचने के आखिरी दो किलोमीटर तक खड़खड़ाहट और धक्के खाते हुए पहुंचा, कि वे इतने चिड़चिड़े हैं कि वे अपना मुंह बंद रखते हैं - कम से कम बाहरी लोगों के सामने तो नहीं।
कोलेट डे ला चालोनियर बिस्तर पर उठ बैठीं, अपनी कॉफी की चुस्की ली और पत्र को दोबारा पढ़ा। पहली बार पढ़ने पर जो गुस्सा उनके मन में उमड़ा था, वह अब शांत हो चुका था और उसकी जगह एक तरह की थकी हुई घृणा ने ले ली थी।
वह सोच रही थी कि वह अपने शेष जीवन में क्या कर पाएगी। पिछली दोपहर गैप से इत्मीनान से गाड़ी चलाते हुए घर लौटने पर उसका स्वागत बूढ़ी अर्नेस्टाइन ने किया था, जो अल्फ्रेड के पिता के समय से ही महल में नौकरानी का काम कर

रही थी, और माली लुइसन ने भी, जो एक पूर्व किसान लड़का था और जिसने अर्नेस्टाइन से तब शादी की थी जब वह अभी भी एक नौकरानी के रूप में काम करती थी।
अब वे दोनों वस्तुतः उस महल के संरक्षक बन चुके थे, जिसके दो-तिहाई कमरे बंद कर दिए गए थे और धूल से ढके हुए थे।
उसे एहसास हुआ कि वह एक खाली महल की मालकिन थी, जहाँ अब न तो पार्क में बच्चे खेलते थे और न ही घर का मुखिया आंगन में अपने घोड़े पर काठी कसता था। उसने पेरिस की उस चकाचौंध भरी सोसाइटी पत्रिका की कटिंग पर एक नजर डाली, जिसे उसकी दोस्त ने बड़े ही प्यार से उसे भेजा था; उसके पति का चेहरा फ्लैशबल्ब की ओर मूर्खतापूर्ण ढंग से मुस्कुरा रहा था, उसकी आँखें कैमरे के लेंस और उस अभिनेत्री के उभरे हुए सीने के बीच उलझी हुई थीं, जिसके कंधे के ऊपर से वह झाँक रहा था। एक कैबरे डांसर, जो पहले बार होस्टेस थी, ने कहा था कि उसे उम्मीद है कि 'एक दिन' वह बैरन से शादी कर पाएगी, जो उसका 'बहुत अच्छा दोस्त' था।
तस्वीर में उम्रदराज बैरन के झुर्रियों वाले चेहरे और दुबली-पतली गर्दन को देखकर, वह अस्पष्ट रूप से सोचने लगी कि प्रतिरोध आंदोलन के उस सुंदर युवा कप्तान का क्या हुआ होगा, जिससे उसे 1942 में प्यार हो गया था और एक साल बाद जब वह अपने बेटे की उम्मीद कर रही थी तब उसने उससे शादी कर ली थी। जब वह किशोरी थी और प्रतिरोध आंदोलन के लिए संदेश पहुँचाती थी, तब पहाड़ों में उसकी मुलाकात उससे हुई। वह लगभग पैंतीस वर्ष का था, पेगासस के गुप्त नाम से जाना जाता था, दुबला-पतला, तीक्ष्ण चेहरे वाला एक प्रभावशाली व्यक्ति जिसने उसका दिल जीत लिया था। प्रतिरोध आंदोलन के एक पुजारी द्वारा तहखाने में बने एक गुप्त समारोह में उनका विवाह हुआ और उसने अपने पिता के घर में अपने बेटे को जन्म दिया।
युद्ध के बाद उनकी सारी ज़मीनें और संपत्तियां उन्हें वापस मिल गईं। जब मित्र देशों की सेनाएं फ्रांस में आगे बढ़ीं, तब उनके पिता की दिल का दौरा पड़ने से मृत्यु हो गई थी। वे जंगल से निकलकर शैलोनियर के बैरन बन गए, और जब वे अपनी पत्नी और बेटे को महल में वापस लाए, तो ग्रामीण इलाकों के किसानों ने उनका ज़ोरदार स्वागत किया। जल्द ही जागीरों से वे ऊब गए, पेरिस का आकर्षण और कैबरे की चकाचौंध ने उन्हें इतना मोह लिया कि वे अपने जवानी के बीते दिनों की भरपाई करने के लिए बेताब हो गए।

वह जल्दी से कपड़े पहनने के लिए बाथरूम में चली गई।
जब वह सीढ़ियों पर आई तो उसे नीचे हॉल में कुछ आवाज़ें सुनाई दीं।
अर्नेस्टाइन पूछ रही थी कि महाशय क्या चाहते हैं।
'क्या बैरोनेस यहाँ हैं?'
एक पल में अर्नेस्टाइन अपनी बूढ़ी टांगों से जितनी तेज़ी से हो सकता था, सीढ़ियों से ऊपर भागी। 'एक सज्जन आए थे, महोदया।'
उस शुक्रवार की शाम मंत्रालय में हुई बैठक सामान्य से छोटी थी। रिपोर्ट करने लायक एकमात्र बात यही थी कि कुछ भी नहीं मिला। पिछले चौबीस घंटों से वांछित कार का विवरण अनावश्यक संदेह पैदा न करने के लिए पूरे फ्रांस में नियमित रूप से प्रसारित किया जा रहा था। कार कहीं नहीं देखी गई थी। इसी तरह, पुलिस न्यायिक विभाग के प्रत्येक क्षेत्रीय मुख्यालय ने अपने अधीन स्थानीय पुलिस थानों को आदेश दिया था कि वे सभी होटल पंजीकरण कार्ड सुबह आठ बजे तक मुख्यालय में जमा करा दें। क्षेत्रीय मुख्यालयों में तुरंत हजारों की संख्या में उन कार्डों की जांच की गई, जिनमें डग्गन का नाम नहीं था। कुछ भी नहीं मिला। इसलिए, वह पिछली रात किसी होटल में नहीं रुका था, कम से कम डग्गन के नाम से तो नहीं।
लेबेल ने मौन सभा को समझाते हुए कहा, 'हमें दो में से एक बात माननी होगी। या तो उसे अभी भी लगता है कि उस पर शक नहीं किया जा रहा है, यानी होटल डू सेर्फ से उसका जाना एक अनियोजित और संयोगवश हुआ था; ऐसे में उसके लिए अपनी अल्फ़ा रोमियो कार का खुलेआम इस्तेमाल करने और डग्गन के नाम से होटलों में ठहरने का कोई कारण नहीं है। इस स्थिति में उसे देर-सवेर पहचान ही जाना चाहिए। दूसरी स्थिति में उसने कार को कहीं छोड़कर अपने दम पर आगे बढ़ने का फैसला किया है। दूसरी स्थिति में दो और संभावनाएं हैं।'
या तो उसके पास अब कोई और फर्जी पहचान नहीं बची है जिस पर वह भरोसा कर सके; ऐसे में वह किसी होटल में पंजीकरण कराए बिना या फ्रांस से बाहर निकलने के रास्ते में किसी सीमा चौकी को पार करने की कोशिश किए बिना ज्यादा दूर नहीं जा सकता। या फिर उसके पास कोई दूसरी पहचान है और उसने उसे अपना लिया है। बाद वाले मामले में भी वह बेहद खतरनाक है।
‘आपको ऐसा क्यों लगता है कि उसकी कोई दूसरी पहचान हो सकती है?’ कर्नल रोलैंड ने पूछा।

लेबेल ने कहा, “हमें यह मानना होगा कि इस व्यक्ति को ओएएस द्वारा इस हत्या को अंजाम देने के लिए भारी रकम की पेशकश की गई थी, इसलिए वह दुनिया के सबसे कुशल पेशेवर हत्यारों में से एक होगा। इसका मतलब है कि उसे इस काम का अनुभव है। फिर भी वह किसी भी आधिकारिक संदेह और पुलिस रिकॉर्ड से बचा रहा है। वह ऐसा केवल झूठे नाम और झूठे वेश में ही कर सकता है। दूसरे शब्दों में, वह भेस बदलने में भी माहिर है।”
‘दोनों तस्वीरों की तुलना से हमें पता चलता है कि कैल्थ्रोप ऊँची एड़ी के जूते पहनकर अपनी लंबाई बढ़ा सका, कई किलो वजन कम कर सका, कॉन्टैक्ट लेंस से अपनी आँखों का रंग बदल सका और बालों को डाई से रंगकर डग्गन बन सका। अगर वह एक बार ऐसा कर सकता है, तो हम यह मानकर नहीं चल सकते कि वह दोबारा ऐसा नहीं कर सकता।’
‘लेकिन यह मानने का कोई कारण नहीं है कि राष्ट्रपति के करीब आने से पहले ही उन्हें अपने भेद खुलने का संदेह था,’ सेंट-क्लेयर ने विरोध करते हुए कहा। ‘उन्हें एक या एक से अधिक फर्जी पहचान रखने जैसी इतनी विस्तृत सावधानियां क्यों बरतनी चाहिए थीं?’
लेबेल ने कहा, 'क्योंकि जाहिर तौर पर वह बहुत सावधानी बरतता है। अगर वह ऐसा नहीं करता, तो अब तक वह हमारे हाथ लग चुका होता।'
'ब्रिटिश पुलिस द्वारा दी गई कैल्थ्रोप की फाइल से मुझे पता चला है कि उसने युद्ध के तुरंत बाद पैराशूट रेजिमेंट में अपनी राष्ट्रीय सेवा की थी। शायद वह इस अनुभव का इस्तेमाल पहाड़ियों में छिपकर कठिन जीवन जीने के लिए कर रहा है,' मैक्स फर्नेट ने सुझाव दिया।
'शायद,' लेबेल ने सहमति जताई।
‘ऐसे में तो संभावित खतरे के तौर पर उसका अस्तित्व लगभग समाप्त हो चुका है।’
लेबेल ने एक पल के लिए विचार किया।
'इस व्यक्ति के बारे में मैं तब तक कुछ नहीं कहना चाहूंगा जब तक वह जेल में न हो।'
‘या फिर मर चुके हों,’ रोलैंड ने कहा।
'अगर उसमें थोड़ी भी समझ है, तो वह जिंदा रहते हुए फ्रांस से बाहर निकलने की कोशिश करेगा,' सेंट-क्लेयर ने कहा।
इसी के साथ बैठक समाप्त हो गई।

‘काश मैं इस बात पर भरोसा कर पाता,’ लेबेल ने दफ्तर में कैरन से कहा। ‘लेकिन जहाँ तक मुझे पता है, वह ज़िंदा है, ठीक है, आज़ाद है और उसके पास हथियार हैं। हम उसकी और उस कार की तलाश जारी रखेंगे। उसके पास तीन बैग थे, वह इतने सारे सामान के साथ पैदल ज़्यादा दूर नहीं जा सकता था। उस कार को ढूंढो और हम वहीं से शुरुआत करेंगे।’
जिस आदमी की उन्हें तलाश थी, वह कोर्रेज़ के बीचोंबीच स्थित एक आलीशान महल में ताज़ी चादरों पर लेटा हुआ था। वह नहा-धोकर आराम कर चुका था, उसने देहाती पैटे और खरगोश का मांस खाकर पेट भर लिया था, साथ में उसने खट्टी लाल शराब, काली कॉफ़ी और ब्रांडी भी पी रखी थी। वह छत पर बनी सुनहरी नक्काशी को निहार रहा था और आने वाले दिनों की योजना बना रहा था, जो अब उसे पेरिस में अपने काम से अलग कर रहे थे। उसने सोचा, एक हफ्ते में उसे जाना होगा, और वहाँ से निकलना मुश्किल हो सकता है। लेकिन यह किया जा सकता है। उसे जाने का कोई बहाना ढूंढना होगा।
दरवाजा खुला और बैरोनेस अंदर आईं। उनके बाल कंधों पर बिखरे हुए थे और उन्होंने गले से बंद लेकिन सामने से खुला हुआ पेग्नॉयर पहना हुआ था। उनके चलने पर वह थोड़ी देर के लिए खुल गया। वह उसके नीचे पूरी तरह नग्न थीं, लेकिन उन्होंने रात के खाने के समय पहनी हुई स्टॉकिंग्स और ऊँची एड़ी के जूते पहने हुए थे। जैसे ही उन्होंने दरवाजा बंद किया और बिस्तर की ओर चली गईं, सियार ने एक कोहनी के बल सहारा लिया।
वह खामोशी से उसकी ओर देखती रही। उसने हाथ बढ़ाकर गले पर बंधे रिबन के धनुष को खोल दिया। नाइटड्रेस खुल गई और उसके स्तन दिखाई देने लगे। जैसे ही वह आगे झुका, उसका हाथ उसके कंधों से लेस से सजे कपड़े को सरकाते हुए नीचे फर्श पर गिरा दिया।
उसने उसका कंधा धक्का दिया जिससे वह बिस्तर पर लुढ़क गया, फिर उसकी कलाइयों को पकड़कर तकिये पर दबा दिया और उसके ऊपर चढ़ गई। जब वह उसके ऊपर घुटनों के बल बैठी, तो उसकी जांघें उसकी पसलियों को कसकर पकड़े हुए थीं, और वह ऊपर उसकी ओर देखता रहा। उसने मुस्कुराते हुए उसे देखा, उसके बालों की दो लटें उसके निपल्स तक लटक रही थीं।
‘बॉन, मेरे आदिम प्रेमी, अब देखते हैं तुम कैसा प्रदर्शन करते हो।’
जैसे ही उसका नितंब उसकी छाती से ऊपर उठा, उसने अपना सिर थोड़ा आगे बढ़ाया और चौंक गया।

तीन दिनों तक लेबेल के लिए खोजबीन ठंडी पड़ गई, और हर शाम की बैठक में यह राय बढ़ती गई कि सियार दुम दबाकर चुपके से फ्रांस से भाग गया है। 19 तारीख की शाम की बैठक तक वह अकेला ऐसा व्यक्ति था जो इस बात पर कायम था कि हत्यारा अभी भी फ्रांस में कहीं छिपा हुआ है, छुपकर सही समय का इंतजार कर रहा है।
‘किस बात का इंतज़ार?’ उस शाम सेंट-क्लेयर चीखते हुए बोला। ‘अगर वह अभी भी यहीं है, तो वह सिर्फ़ सीमा पार भागने के मौके का इंतज़ार कर रहा होगा। जैसे ही वह छुपकर बाहर निकलेगा, हम उसे पकड़ लेंगे। हर कोई उसके खिलाफ़ खड़ा है, उसके पास जाने के लिए कोई जगह नहीं है, उसे पनाह देने वाला कोई नहीं है, अगर आपका यह अनुमान सही है कि वह ओएएस और उनके हमदर्दों से पूरी तरह अलग-थलग पड़ गया है।’
मेज पर बैठे लोगों में सहमति की हल्की फुसफुसाहट सुनाई दी, जिनमें से अधिकांश सदस्यों का यह मत दृढ़ होता जा रहा था कि पुलिस विफल रही है, और बोवियर का मूल कथन कि हत्यारे का पता लगाना पूरी तरह से जासूसी का काम है, गलत था।
लेबेल ने दृढ़ता से अपना सिर हिलाया। वह थका हुआ था, नींद की कमी, तनाव और चिंता से व्याकुल था, उन लोगों के लगातार चुभने वाले हमलों से खुद को और अपने कर्मचारियों को बचाने के कारण थका हुआ था, जिन्होंने अपने उच्च पदों को अनुभव के बजाय राजनीति के बल पर हासिल किया था। उसे इतनी समझ थी कि अगर वह गलत हुआ, तो उसका करियर खत्म हो जाएगा। मेज के चारों ओर बैठे कुछ लोग यह सुनिश्चित कर देंगे। और अगर वह सही हुआ? अगर सियार अभी भी राष्ट्रपति का पीछा कर रहा था? अगर वह जाल से बच निकला और अपने शिकार को पकड़ लिया? वह जानता था कि मेज के चारों ओर बैठे लोग किसी न किसी तरह बलि का बकरा ढूंढेंगे। और वह वही होगा। किसी भी तरह से एक पुलिसकर्मी के रूप में उसका लंबा करियर समाप्त हो जाएगा। जब तक... जब तक वह उस आदमी को ढूंढकर उसे रोक न दे। तभी उन्हें मानना पड़ेगा कि वह सही था। लेकिन उसके पास कोई सबूत नहीं था; केवल एक अजीब सा विश्वास था, जिसे वह कभी प्रकट नहीं कर सकता था, कि जिस आदमी का वह पीछा कर रहा था, वह एक और पेशेवर था जो हर हाल में अपना काम करेगा।
इस मामले के उसके हाथ लगने के बाद से आठ दिनों में, बंदूकधारी उस शांत, अप्रत्याशित व्यक्ति के प्रति उसके मन में धीरे-धीरे सम्मान की भावना

पैदा हो गई थी, जो आकस्मिक योजना समेत हर चीज़ को बारीकी से योजनाबद्ध करता हुआ प्रतीत होता था। अपने आस-पास मौजूद राजनीतिक अधिकारियों के बीच अपनी भावनाओं को स्वीकार करना उसके करियर के लिए सबसे बड़ी चुनौती थी। उसके बगल में खड़ा विशालकाय बौवियर, जो अपना सिर कंधों में झुकाए मेज की ओर घूर रहा था, उसे थोड़ी राहत दे रहा था। कम से कम वह भी एक जासूस था।
‘पता नहीं किस बात का इंतज़ार कर रहा है,’ लेबेल ने जवाब दिया। ‘लेकिन वह किसी चीज़ का, या किसी तय दिन का इंतज़ार कर रहा है। मुझे नहीं लगता कि हमने सियार के बारे में आखिरी बात सुन ली है। फिर भी, मैं यह नहीं समझा सकता कि मुझे ऐसा क्यों लग रहा है।’
‘भावनाएं!’ सेंट-क्लेयर ने उपहास उड़ाया। ‘क्या ही दिन आने वाला है!! सच में, कमिश्नर, लगता है आपने बहुत ज्यादा रोमांटिक थ्रिलर पढ़ लिए हैं। यह कोई रोमांस नहीं है, मेरे प्रिय महोदय, यह हकीकत है। वह आदमी चला गया है, बस इतना ही सच है।’ वह आत्मविश्वास भरी मुस्कान के साथ पीछे बैठ गया।
'मुझे उम्मीद है कि आप सही हैं,' लेबेल ने शांत स्वर में कहा। 'यदि ऐसा है, तो मुझे आपको, महामहिम मंत्री जी, इस जांच से हटने और अपराध की जांच में वापस लौटने की अपनी इच्छा प्रस्तुत करनी होगी।'
मंत्री ने अनिर्णय की दृष्टि से उसे देखा।
‘क्या आपको लगता है कि जांच जारी रखना उचित है, कमिश्नर?’ उन्होंने पूछा। ‘क्या आपको लगता है कि अभी भी कोई वास्तविक खतरा मौजूद है?’
'दूसरे प्रश्न के बारे में, महोदय, मुझे नहीं पता। पहले प्रश्न के लिए, मेरा मानना है कि हमें तब तक खोज जारी रखनी चाहिए जब तक कि हम पूरी तरह से निश्चित न हो जाएं।'
'ठीक है। सज्जनों, मेरी इच्छा है कि आयुक्त अपनी जांच जारी रखें, और हम फिलहाल उनकी रिपोर्ट सुनने के लिए अपनी शाम की बैठकें जारी रखें।'
20 अगस्त की सुबह, मार्केन्ज कैलेट, जो एक शिकारी था, कोरेज़ प्रांत में एगलेटन्स और उसेल के बीच स्थित अपने मालिक की जागीरों में जंगली जानवरों का शिकार कर रहा था, तभी उसने एक घायल कबूतर का पीछा किया जो जंगली रोडोडेंड्रोन के झुंड में गिर गया था। झुंड के बीचोंबीच, उसने कबूतर को एक खुली स्पोर्ट्स कार की ड्राइविंग सीट पर बेतहाशा फड़फड़ाते हुए पाया, जिसे स्पष्ट रूप से छोड़ दिया गया था।

क्लॉड लेबेल को छह बजे से ठीक पहले खबर मिली। यह खबर औवेर्गने की राजधानी क्लेरमोंट फेरैंड स्थित पीजे के क्षेत्रीय मुख्यालय के कमिश्नर वैलेंटीन से आई थी। वैलेंटीन की आवाज सुनते ही लेबेल अपनी कुर्सी पर एकदम से उछल पड़े।
ठीक है, सुनो, यह महत्वपूर्ण है। मैं यह नहीं समझा सकता कि यह क्यों महत्वपूर्ण है, मैं बस इतना कह सकता हूँ कि यह महत्वपूर्ण है। हाँ, मुझे पता है कि यह अनियमित है, लेकिन यही नियम है। मुझे पता है कि तुम पूर्ण कमिश्नर हो, मेरे प्रिय, लेकिन अगर तुम्हें इस मामले में मेरे अधिकार की पुष्टि चाहिए तो मैं तुम्हें सीधे पीजे के महानिदेशक से बात करवा दूँगा। ‘मैं चाहता हूँ कि आप तुरंत उसल के लिए एक टीम भेजें। जितनी अच्छी टीम मिल सके, उतने ज़्यादा आदमी भेजें। जहाँ कार मिली थी, उस जगह से पूछताछ शुरू करें। नक्शे पर उस जगह को बीच में चिह्नित करें और एक वर्गाकार तलाशी की तैयारी करें। हर फार्महाउस, हर किसान जो नियमित रूप से उस सड़क से गुज़रता है, हर गाँव की दुकान और कैफे, हर होटल और लकड़हारे की झोपड़ी में पूछताछ करें।’
'आप एक लंबे, गोरे आदमी की तलाश कर रहे हैं, जो जन्म से अंग्रेज है लेकिन अच्छी फ्रेंच बोलता है। उसके पास तीन सूटकेस और एक हैंड-ग्रिप है। उसके पास काफी नकदी है और उसने अच्छे कपड़े पहने हैं, लेकिन शायद वह बेघर होकर सोया हुआ लग रहा है।'
‘तुम्हारे आदमियों को पूछना होगा कि वह कहाँ था, कहाँ गया, क्या खरीदने की कोशिश कर रहा था। और हाँ, एक बात और, प्रेस को हर हाल में दूर रखना है। तुम्हारा क्या मतलब है, वे नहीं रख सकते? खैर, स्थानीय पत्रकार तो ज़रूर पूछेंगे कि क्या हुआ है। ठीक है, उन्हें बता दो कि एक कार दुर्घटना हुई है और ऐसा लग रहा है कि उसमें सवार लोगों में से एक बेहोशी की हालत में इधर-उधर भटक रहा है। हाँ, ठीक है, दया का मिशन। कुछ भी, बस उनके शक को दूर कर दो। उन्हें बता दो कि राष्ट्रीय अखबारों को इस खबर के लिए पैसे देने की कोई ज़रूरत नहीं है, खासकर छुट्टियों के मौसम में जब रोज़ाना पाँच सौ सड़क दुर्घटनाएँ होती हैं। बस इसे हल्के में लो। और एक आखिरी बात, अगर तुम्हें वह आदमी कहीं छिपा हुआ मिले, तो उसके पास मत जाना। बस उसे घेर लो और वहीं रोके रखो। मैं जितनी जल्दी हो सके आ रहा हूँ।’
लेबेल ने फोन नीचे रख दिया और कैरन की ओर मुड़ गया।

‘मंत्री जी से बात करो। उनसे कहो कि शाम की बैठक को आठ बजे कर दें। मुझे पता है कि यह रात के खाने का समय होगा, लेकिन यह बैठक छोटी ही होगी। फिर सैटोरी जाओ और दोबारा हेलीकॉप्टर मंगवाओ। उसल के लिए रात की उड़ान है, और उन्हें हमें यह बताना चाहिए कि वे कहाँ उतरेंगे ताकि हम मुझे लेने के लिए एक गाड़ी का इंतजाम कर सकें। आपको यहाँ से सब संभालना होगा।’
क्लेरमोंट फेरैंड से पुलिस वैन, और उसके द्वारा दी गई अन्य वैन, सूर्यास्त के समय उस छोटे से गाँव के चौक में अपना मुख्यालय स्थापित कर लिया, जो उस जगह के सबसे करीब था जहाँ कार मिली थी। रेडियो वैन से वैलेंटीन ने इलाके के अन्य गाँवों की ओर बढ़ रही दर्जनों पुलिस गाड़ियों को निर्देश जारी किए। उसने कार मिलने वाली जगह से पाँच मील के दायरे से शुरुआत करने और रात भर काम करने का फैसला किया था। अंधेरे में लोगों के घर पर होने की संभावना अधिक थी। दूसरी ओर, क्षेत्र की घुमावदार घाटियों और पहाड़ियों में, अंधेरे में उसके आदमियों के रास्ता भटक जाने या किसी लकड़हारे की झोपड़ी को नज़रअंदाज़ करने की संभावना अधिक थी, जहाँ भगोड़ा छिपा हो सकता था।
एक और बात थी जिसे वह पेरिस को फोन पर नहीं समझा सकता था, और जिसे लेबेल को आमने-सामने समझाने से वह डर रहा था। उसे पता नहीं था कि आधी रात से पहले उसके कुछ आदमियों को इस बात का पता चल गया था। उनमें से कुछ लोग उस जगह से दो मील दूर एक किसान की झोपड़ी में उससे पूछताछ कर रहे थे जहाँ कार मिली थी।
वह अपनी नाइटशर्ट पहने दरवाजे पर खड़ा था, मानो जासूसों को अंदर आने से साफ इनकार कर रहा हो। उसके हाथ से निकल रही मिट्टी के तेल की बत्ती की टिमटिमाती रोशनी समूह पर पड़ रही थी।
'अरे गैस्टन, तुम तो अक्सर उस सड़क से बाजार जाते हो। क्या तुम शुक्रवार की सुबह एगलेटन्स की तरफ उस सड़क से गए थे?'
किसान ने सिकुड़ी हुई आँखों से उन्हें देखा।
‘शायद कर सकता था।’
‘तो, क्या तुमने किया या नहीं किया?’
मुझे याद नहीं है।
क्या आपने सड़क पर किसी आदमी को देखा?
मैं अपने काम से मतलब रखता हूँ।
‘हम यह नहीं पूछ रहे हैं। क्या आपने किसी आदमी को देखा?’

मैंने किसी को नहीं देखा, कुछ भी नहीं।
‘एक गोरा आदमी, लंबा, एथलेटिक। तीन सूटकेस और एक हैंड-ग्रिप लिए हुए?’ 'मैंने कुछ नहीं देखा। मैंने कुछ भी नहीं देखा, आप समझ रहे हैं ना।'
यह सिलसिला बीस मिनट तक चलता रहा। आखिरकार वे चले गए, एक जासूस अपनी किताब में बारीकी से सब कुछ नोट कर रहा था। कुत्ते अपनी जंजीरों के सिरों पर गुर्रा रहे थे और पुलिसकर्मियों के पैरों पर झपट्टा मार रहे थे, जिससे वे एक तरफ उछलकर खाद के ढेर में पैर रख बैठे। किसान उन्हें तब तक देखता रहा जब तक वे वापस सड़क पर नहीं आ गए और अपनी कार में झटके खाते हुए चले गए। फिर उसने दरवाजा जोर से बंद किया, एक जिज्ञासु बकरी को रास्ते से हटाया और अपनी पत्नी के साथ बिस्तर पर वापस चढ़ गया।
‘वही आदमी था जिसे तुमने लिफ्ट दी थी, है ना?’ उसने पूछा। ‘वे उससे क्या चाहते हैं?’
‘पता नहीं,’ गैस्टन ने कहा, ‘लेकिन कोई कभी नहीं कहेगा कि गैस्टन ग्रोसजेन ने उन्हें एक और प्राणी सौंपने में मदद की।’ उसने खांसा और आग के अंगारों में थूका। ‘बिक्री के चक्कर में।’
उसने बत्ती धीमी कर दी और रोशनी बुझा दी, अपने पैर ज़मीन से ऊपर उठाए और अपनी पत्नी के भरे-पूरे शरीर से सटकर पलंग में और गहराई तक धंस गया। 'तुम्हें शुभकामनाएं, दोस्त, तुम जहाँ भी हो।'
लेबेल ने बैठक की ओर रुख किया और अपने कागजात नीचे रख दिए।
'जैसे ही यह बैठक समाप्त होगी, सज्जनों, मैं स्वयं खोज की निगरानी करने के लिए उसल के लिए उड़ान भरूंगा।'
लगभग एक मिनट तक सन्नाटा छाया रहा।
‘आप क्या सोचते हैं, कमिश्नर, इससे क्या निष्कर्ष निकाला जा सकता है?’
‘दो बातें, महाशय मंत्री जी। हम जानते हैं कि उन्होंने कार को बदलने के लिए पेंट खरीदा होगा, और मुझे संदेह है कि जांच से पता चलेगा कि अगर कार गुरुवार की रात से शुक्रवार की सुबह तक गैप से उसल तक चलाई गई थी, तो वह पहले से ही बदली हुई थी। उस स्थिति में, और इस संबंध में जांच चल रही है, ऐसा प्रतीत होता है कि उन्होंने गैप में पेंट खरीदा था। अगर ऐसा है, तो उन्हें सूचना मिल गई होगी। या तो किसी ने उन्हें फोन किया होगा, या उन्होंने किसी को फोन किया होगा, चाहे यहां या लंदन में, जिसने उन्हें उनके छद्म नाम डग्गन के बारे में पता चलने की जानकारी दी होगी। इससे उन्हें

अंदाजा हो गया होगा कि हम दोपहर से पहले उन तक और उनकी कार तक पहुंच जाएंगे। इसलिए वे तुरंत निकल गए।’
उसे लगा कि सम्मेलन कक्ष की भव्य छत इतनी खामोशी से फट जाएगी।
किसी ने लाखों मील दूर से पूछा, 'क्या आप सचमुच यह कह रहे हैं कि इस कमरे के अंदर से कोई रिसाव हो रहा है?'
‘महाशय, मैं ऐसा नहीं कह सकता। यहाँ स्विचबोर्ड ऑपरेटर, टेलेक्स ऑपरेटर, मध्य और कनिष्ठ स्तर के अधिकारी हैं जिन्हें आदेश देने होते हैं। हो सकता है कि उनमें से कोई गुप्त रूप से ओएएस एजेंट हो। लेकिन एक बात स्पष्ट होती जा रही है। उसे फ्रांस के राष्ट्रपति की हत्या की पूरी योजना के खुलासे की सूचना मिल गई थी, और उसने फिर भी आगे बढ़ने का फैसला किया। और उसे अलेक्जेंडर डुग्गन के रूप में अपने खुलासे की भी सूचना मिल गई थी। आखिरकार उसका एक ही संपर्क है। मुझे संदेह है कि यह वही व्यक्ति हो सकता है जिसे वाल्मी के नाम से जाना जाता है, जिसका रोम को भेजा गया संदेश डीएसटी द्वारा इंटरसेप्ट किया गया था।’
डीएसटी के प्रमुख ने गुस्से में कहा, 'धिक्कार है! हमें उस बदमाश को डाकघर में ही पकड़ लेना चाहिए था।'
‘और दूसरी बात क्या है जिससे हम निष्कर्ष निकाल सकते हैं, कमिश्नर?’ मंत्री ने पूछा।
दूसरी बात यह है कि जब उन्हें पता चला कि डग्गन के रूप में उनकी छवि उजागर हो गई है, तो उन्होंने फ्रांस छोड़ने की कोशिश नहीं की। इसके विपरीत, वे सीधे फ्रांस के केंद्र की ओर चल पड़े। दूसरे शब्दों में, वे अभी भी राष्ट्राध्यक्ष का पीछा कर रहे हैं। उन्होंने हम सभी को चुनौती दे दी है। मंत्री जी उठे और अपने कागजात समेटे।
‘हम आपको हिरासत में नहीं लेंगे, श्रीमान कमिश्नर। उसे ढूंढिए। उसे ढूंढिए, और आज रात ही। अगर जरूरत पड़े तो उसका निपटारा कर दीजिए। ये मेरे आदेश हैं, राष्ट्रपति के नाम पर।’
इतना कहकर वह कमरे से बाहर निकल गया।
एक घंटे बाद लेबेल का हेलीकॉप्टर सैटोरी के टेक-ऑफ पैड से उड़ान भर कर दक्षिण की ओर बैंगनी-काले आकाश में आगे बढ़ गया।

'बेशर्म सूअर। उसकी हिम्मत कैसे हुई। यह सुझाव दे रहा है कि किसी तरह हम, फ्रांस के सर्वोच्च अधिकारी, दोषी थे। मैं निश्चित रूप से अपनी अगली रिपोर्ट में इसका उल्लेख करूंगा।'
जैक्लीन ने अपनी स्लिप की पतली पट्टियों को कंधों से धीरे से हटाया और पारदर्शी कपड़े को कूल्हों के चारों ओर सिलवटों में गिरने दिया। अपनी बाइसेप्स को कसकर स्तनों को बीच में गहरी दरार के साथ सटाते हुए, उसने अपने प्रेमी का सिर पकड़ा और उसे अपनी छाती की ओर खींच लिया।
‘मुझे इसके बारे में सब कुछ बताओ,’ उसने प्यार से कहा।

अध्याय अठारह
21 अगस्त की सुबह उतनी ही उज्ज्वल और साफ थी जितनी उस भीषण गर्मी की लहर के पिछले चौदह दिनों में रही थी। शैतो डे ला हाउट शैलोनियर की खिड़कियों से, हीथर से ढकी पहाड़ियों के मनोरम दृश्य को देखते हुए, सब कुछ शांत और निर्मल लग रहा था, और उससे अठारह किलोमीटर दूर स्थित एगलेटन्स शहर में चल रही पुलिस जांच की हलचल का कोई आभास नहीं था।
अपने ड्रेसिंग गाउन के नीचे नग्न अवस्था में, सियार बैरन के अध्ययन कक्ष की खिड़की पर खड़ा था, पेरिस को अपनी नियमित सुबह की मुलाकात के लिए। एक और रात के भयंकर प्रेम प्रसंग के बाद, वह अपनी प्रेमिका को ऊपर के कमरे में सोता हुआ छोड़कर आया था।
कनेक्शन जुड़ते ही उन्होंने हमेशा की तरह 'इकी चाकल' गाना शुरू कर दिया। दूसरी तरफ से भारी आवाज आई, ‘इसी वाल्मी। चीजें फिर से आगे बढ़ने लगी हैं। उन्हें कार मिल गई है...’
दो मिनट तक वह सुनता रहा, बीच में बस एक छोटा सा सवाल पूछा। आखिर में 'धन्यवाद' कहकर उसने रिसीवर रख दिया और सिगरेट और लाइटर के लिए अपनी जेबें टटोलने लगा। उसे एहसास हुआ कि जो उसने अभी सुना था, उससे उसकी योजना बदल गई थी, चाहे उसे पसंद हो या न हो। वह दो दिन और महल में रुकना चाहता था, लेकिन अब उसे जाना ही था और जितनी जल्दी हो उतना अच्छा। फोन कॉल में कुछ और भी था जिसने उसे परेशान कर दिया था, कुछ ऐसा जो नहीं होना चाहिए था।
उस समय तो उसने इस बारे में कुछ नहीं सोचा था, लेकिन सिगरेट का कश लेते हुए यह बात उसके मन में खटक रही थी। सिगरेट खत्म करते ही और उसका टुकड़ा खुली खिड़की से बाहर बजरी पर फेंकते ही उसे यह बात अचानक याद आ गई। रिसीवर उठाते ही लाइन पर हल्की सी क्लिक की आवाज़ आई थी। पिछले तीन दिनों में फोन पर हुई बातचीत में ऐसा कभी नहीं हुआ था। बेडरूम में एक एक्सटेंशन फोन था, लेकिन यकीनन जब वह कोलेट को छोड़कर गया था तो वह गहरी नींद में सो रही होगी। ज़रूर... वह मुड़ा और नंगे पैर तेज़ी से सीढ़ियों पर चढ़ गया और बेडरूम में घुस गया।
फोन को उसके स्टैंड पर वापस रख दिया गया था। अलमारी खुली हुई थी और तीनों सूटकेस ज़मीन पर बिखरे पड़े थे, सभी खुले हुए। सूटकेस खोलने वाली चाबियों वाला उसका अपना चाबी का गुच्छा पास ही पड़ा था। मलबे के बीच घुटनों के बल

बैठी बैरोनेस ने चौड़ी आँखों से ऊपर देखा। उसके चारों ओर पतली स्टील की नलियों की एक श्रृंखला पड़ी थी, जिनमें से प्रत्येक के खुले सिरों को बंद करने वाले जूट के ढक्कन हटा दिए गए थे। एक नली से दूरबीन के निशाने का सिरा निकला हुआ था, दूसरी से साइलेंसर का अगला हिस्सा। उसके हाथों में कुछ था, जिसे वह उसके प्रवेश करते समय भय से घूर रही थी। यह बंदूक की नली और पिछला हिस्सा था।
कुछ सेकंड तक दोनों में से कोई नहीं बोला। सियार सबसे पहले संभला।
‘तुम सुन रहे थे।’
मुझे आश्चर्य होता था कि आप हर सुबह इस तरह किसे फोन करते थे।
मुझे लगा तुम सो रहे हो।
नहीं। मैं हमेशा तब जागता हूँ जब तुम बिस्तर से उठते हो। यह... चीज़; यह एक बंदूक है, एक हत्यारे की बंदूक।'
यह आधा सवाल, आधा बयान था, मानो उम्मीद कर रहा हो कि वह समझाएगा कि यह बस कुछ और था, कुछ बिल्कुल हानिरहित। उसने उसकी ओर देखा, और पहली बार उसने गौर किया कि आँखों में मौजूद भूरे धब्बे फैलकर पूरे चेहरे पर छा गए थे, जो किसी मशीन की तरह बेजान और निर्जीव हो गया था, मानो कोई मशीन उसे घूर रही हो। वह धीरे-धीरे उठी और बंदूक की नली को अन्य पुर्जों के बीच खड़खड़ाहट के साथ गिरा दिया।
‘तुम उसे मारना चाहते हो,’ उसने फुसफुसाते हुए कहा। ‘तुम उन्हीं में से एक हो, ओएएस के सदस्य। तुम इसका इस्तेमाल डी गॉल को मारने के लिए करना चाहते हो।’
सियार की ओर से कोई जवाब न मिलने पर उसे जवाब मिल गया। वह दरवाजे की ओर भागी। उसने उसे आसानी से पकड़ लिया और कमरे के उस पार बिस्तर पर पटक दिया, फिर तीन तेज़ कदमों में उसके पीछे दौड़ा। जैसे ही वह तहस-नहस चादर पर गिरी, उसका मुंह चीखने के लिए खुला। गर्दन के किनारे पर कैरोटिड धमनी पर पड़े एक जोरदार प्रहार ने उसकी चीख को वहीं रोक दिया, फिर उसका बायां हाथ उसके बालों में उलझ गया और उसका चेहरा बिस्तर के किनारे से नीचे की ओर खींचने लगा। उसने कालीन पर बने पैटर्न की आखिरी झलक देखी, तभी हथेली के किनारे से गर्दन के पिछले हिस्से पर एक जोरदार प्रहार हुआ।
वह सुनने के लिए दरवाजे के पास गया, लेकिन नीचे से कोई आवाज़ नहीं आई। अर्नेस्टाइन घर के पीछे वाले रसोईघर में सुबह के नाश्ते के लिए ब्रेड और

कॉफी बना रही होगी और लुइसन जल्द ही बाजार जाने वाला होगा। सौभाग्य से, दोनों ही थोड़े बहरे थे।
उसने राइफल के पुर्जों को उनकी ट्यूबों में वापस पैक किया और ट्यूबों को तीसरे सूटकेस में रखा, जिसमें आंद्रे मार्टिन का सेना का ओवरकोट और गंदे कपड़े थे। उसने सूटकेस की लाइनिंग को थपथपाकर सुनिश्चित किया कि कागज़ात हिले नहीं हैं। फिर उसने सूटकेस को लॉक कर दिया। दूसरा सूटकेस, जिसमें डेनिश पादरी पेर जेन्सन के कपड़े थे, खुला हुआ था लेकिन उसकी तलाशी नहीं ली गई थी।
उसने बेडरूम से सटे बाथरूम में पाँच मिनट तक हाथ-मुँह धोकर दाढ़ी बनाई। फिर उसने कैंची ली और दस मिनट तक ध्यान से अपने लंबे सुनहरे बालों को ऊपर की ओर कंघी किया और आखिरी दो इंच काट दिए। इसके बाद उसने बालों में इतना हेयर कलर लगाया कि वे अधेड़ उम्र के आदमी के जैसे भूरे हो गए। डाई के असर से बाल थोड़े नम हो गए, जिससे वह उन्हें पास्टर जेन्सन के पासपोर्ट में दिखाए गए तरीके से कंघी कर सका, जिसे उसने बाथरूम के शेल्फ पर रखा हुआ था। आखिर में उसने नीले रंग के कॉन्टैक्ट लेंस लगा लिए।
उसने वॉशबेसिन से बालों को रंगने और धोने के सामान का हर निशान साफ किया, शेविंग का सामान इकट्ठा किया और बेडरूम में लौट गया। फर्श पर पड़े नग्न शरीर को उसने अनदेखा कर दिया।
उसने कोपेनहेगन में खरीदी हुई बनियान, पैंट, मोज़े और कमीज़ पहनी, गले में काली बिब कसी और ऊपर से पादरी का कुत्ते का पट्टा पहना। आखिर में उसने काला सूट और सामान्य चलने वाले जूते पहने। उसने सोने के फ्रेम वाला चश्मा अपनी ऊपरी जेब में रखा, कपड़े धोने का सामान हैंडल में वापस पैक किया और फ्रांसीसी गिरजाघरों पर डेनिश किताब भी वहीं रख दी। सूट की अंदरूनी जेब में उसने डेनिश व्यक्ति का पासपोर्ट और पैसों का एक बंडल रख दिया।
उसके बचे हुए अंग्रेजी कपड़े उसी सूटकेस में वापस रख दिए गए जिससे वे आए थे, और अंत में उसे भी बंद कर दिया गया।
जब उनका काम खत्म हुआ तो लगभग आठ बज चुके थे और अर्नेस्टाइन थोड़ी देर में सुबह की कॉफी लेकर आने वाली थीं। बैरोनेस ने नौकरों से अपने प्रेम प्रसंग को छुपाने की कोशिश की थी, क्योंकि दोनों ही बैरन से बचपन से ही और बाद में घर के मालिक बनने तक बहुत प्यार करते थे।

खिड़की से उसने लुइसन को चौड़े रास्ते पर साइकिल चलाते हुए देखा जो जागीर के द्वार की ओर जाता था, उसका सामान से भरा थैला साइकिल के पीछे-पीछे हिलता हुआ जा रहा था। उसी क्षण उसने अर्नेस्टाइन को दरवाजा खटखटाते सुना। उसने कोई आवाज़ नहीं की। उसने फिर से खटखटाया।
‘या वोट कैफे, मैडम,’ उसने बंद दरवाजे के पीछे से चीखते हुए कहा। मन बना लेने पर, सियार ने आधी नींद में धुत्त स्वर में फ्रेंच में पुकारा।
'इसे वहीं छोड़ दो। जब हम तैयार हो जाएंगे तब इसे उठा लेंगे।'
दरवाजे के बाहर अर्नेस्टाइन का मुंह एकदम 'ओ' के आकार का हो गया। शर्मनाक! पता नहीं अब क्या होने वाला है... और वो भी मालिक के शयनकक्ष में। वह जल्दी से नीचे लुइसन को ढूंढने गई, लेकिन चूंकि वह जा चुका था, इसलिए उसे रसोई के सिंक को आजकल के लोगों की भ्रष्टता पर लंबा-चौड़ा भाषण देकर ही संतोष करना पड़ा, जो पुराने बैरन की आदतों से बिलकुल अलग थी। इसलिए उसने चार बक्सों की हल्की सी आवाज नहीं सुनी, जिन्हें शयनकक्ष की खिड़की से एक गोल चादर पर लटकाकर घर के सामने फूलों की क्यारी में उतारा गया था।
न तो उसने अंदर से बेडरूम का दरवाजा बंद होने की आवाज सुनी, न ही अपनी मालकिन के बेजान शरीर को बिस्तर पर स्वाभाविक सोने की मुद्रा में पड़ा हुआ देखा, जिसके कपड़े ठुड्डी तक ऊपर उठे हुए थे, न ही खिड़की के बंद होने की आवाज सुनी जब बाहर चौखट पर बैठा हुआ बूढ़ा आदमी उसके पीछे बंद हो गया, और न ही उसके लॉन पर धड़ाम से गिरने की आवाज सुनी।
उसने मैडम की रेनॉल्ट कार के स्टार्ट होने की गर्जना सुनी, जो महल के किनारे बने अस्तबल में खड़ी थी, और रसोई के कमरे की खिड़की से झांकते हुए उसने कार को सामने के आंगन की ओर जाने वाले रास्ते पर मुड़ते हुए और फिर आगे बढ़ते हुए देखा।
‘अब वो युवती क्या कर रही है?’ ऊपर की ओर भागते हुए उसने बुदबुदाया। बेडरूम के दरवाजे के सामने कॉफी की ट्रे अभी भी गुनगुनी थी, लेकिन उसे किसी ने छुआ तक नहीं था। कई बार खटखटाने के बाद, उसने दरवाजा खोलने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं खुला। सज्जन के बेडरूम का दरवाजा भी बंद था। किसी ने भी उसे जवाब नहीं दिया। अर्नेस्टाइन को लगा कि कुछ तो गड़बड़ है, वैसी ही गड़बड़ जो पुराने समय में तब से नहीं हुई थी जब बोशे अनिच्छुक बैरन के यहाँ मेहमान बनकर आया था और उससे युवा मालिक के बारे में बेतुके सवाल पूछता था।

शामिल थीं। काफिला सीधे रास्ते के बीच में रुक गया, और छह पुलिसकर्मियों ने स्टील का बैरिकेड लगाना शुरू कर दिया।
“तुम्हारा क्या मतलब है, वो बाहर चला गया?” वैलेंटीन ने एगलटन में एक टैक्सी ड्राइवर की रोती हुई पत्नी से चिल्लाकर पूछा। “वो कहाँ गया?” ‘मुझे नहीं पता, महोदय। मुझे नहीं पता। वह हर सुबह स्टेशन चौक पर उसेल से आने वाली सुबह की ट्रेन का इंतजार करता है। अगर कोई यात्री नहीं होता तो वह वापस गैरेज में आकर कुछ मरम्मत का काम करता है। अगर वह वापस नहीं आता तो इसका मतलब है कि उसे कोई सवारी मिल गई है।’
वैलेंटीन ने उदास होकर चारों ओर देखा। उस औरत पर चिल्लाने का कोई फायदा नहीं था। यह एक अकेले व्यक्ति द्वारा चलाया जाने वाला टैक्सी व्यवसाय था, जो कारों की मरम्मत का काम भी करता था।
‘क्या वह शुक्रवार की सुबह किसी को कहीं ले गया था?’ उसने अधिक धैर्य से पूछा।
जी हां, महोदय। वह स्टेशन से वापस आ गया था क्योंकि वहां कोई नहीं था, और कैफे से फोन आया कि किसी को टैक्सी चाहिए। उसने टैक्सी का एक पहिया निकाल दिया था, और उसे डर था कि कहीं ग्राहक दूसरी टैक्सी में न चला जाए। इसलिए पहिया वापस लगाने में जो बीस मिनट लगे, उस दौरान वह लगातार गालियां देता रहा। फिर वह चला गया। उसे किराया मिल गया, लेकिन उसने यह नहीं बताया कि वह उसे कहां ले गया।’ उसने नाक सिकोड़ी। ‘वह मुझसे ज्यादा बात नहीं करता,’ उसने स्पष्टीकरण देते हुए कहा।
वैलेंटीन ने उसके कंधे पर थपथपाया।
‘ठीक है महोदया। चिंता मत कीजिए। हम उसके लौटने तक इंतज़ार करेंगे।’ उसने एक सार्जेंट की ओर मुड़कर कहा, ‘एक आदमी को मुख्य स्टेशन भेजो, दूसरे को चौक पर, एक को कैफ़े में। तुम्हें उस टैक्सी का नंबर तो पता ही है। जैसे ही वह आए, मैं उससे तुरंत मिलना चाहता हूँ।’
वह गैराज से बाहर निकला और अपनी कार की ओर चल पड़ा।
उन्होंने कहा, 'यह पुलिस विभाग है।' उन्होंने तलाशी अभियान का मुख्यालय एगलटन पुलिस स्टेशन में स्थानांतरित कर दिया था, जहां वर्षों से इस तरह की गतिविधि नहीं देखी गई थी।
टुले से छह मील दूर एक गहरी खाई में, सियार ने अपने सारे अंग्रेजी कपड़े और अलेक्जेंडर डुग्गन का पासपोर्ट वाला सूटकेस फेंक दिया। यह सूटकेस उसके

लिए काफी उपयोगी साबित हुआ था। सूटकेस पुल की चौखट से नीचे गिरा और खाई के तल पर घनी झाड़ियों में एक जोरदार आवाज़ के साथ गायब हो गया।
टुले के चारों ओर चक्कर लगाने और स्टेशन ढूंढने के बाद, उसने चुपचाप तीन गलियों दूर कार खड़ी कर दी और अपने दो सूटकेस और हाथ को लेकर आधा मील का रास्ता रेलवे बुकिंग कार्यालय तक गया।
‘मुझे पेरिस का एक टिकट चाहिए, सेकंड क्लास का,’ उसने क्लर्क से कहा। ‘उसकी कीमत कितनी है?’ उसने अपने चश्मे के ऊपर से झाँककर उस छोटे से कमरे में देखा जहाँ क्लर्क काम करता था।
‘सत्तानवे नए फ्रैंक, महोदय।’
और अगली ट्रेन कितने बजे है?
‘ग्यारह बजकर पचास मिनट। आपको लगभग एक घंटा इंतजार करना होगा। प्लेटफार्म के नीचे एक रेस्तरां है। प्लेटफार्म एक से पेरिस के लिए, कृपया।’
सियार ने अपना सामान उठाया और बैरियर की ओर चल पड़ा। टिकट कटा हुआ था, उसने दोबारा सामान उठाया और अंदर चला गया। उसका रास्ता नीली वर्दी पहने एक व्यक्ति द्वारा अवरुद्ध कर दिया गया था।
'कृपया अपने कागजात दिखाएं।'
सीआरएस का जवान जवान था, अपनी उम्र से कहीं ज्यादा गंभीर दिखने की कोशिश कर रहा था। उसने अपने कंधे पर एक सबमशीन कार्बाइन टांग रखी थी। जैकाल ने अपना सामान नीचे रखा और अपना डेनिश पासपोर्ट आगे बढ़ाया। सीआरएस के जवान ने उसे सरसरी तौर पर देखा, लेकिन उसे एक भी शब्द समझ नहीं आया।
'क्या आप डेनिश हैं?'
'क्षमा?'
‘आप...डेनोइस।’ उसने पासपोर्ट के कवर पर टैप किया।
सियार प्रसन्नता से मुस्कुराया और सिर हिलाया।
‘डेनिश... हाँ, हाँ।’
सीआरएस अधिकारी ने पासपोर्ट वापस कर दिया और अपना सिर प्लेटफार्म की ओर झटक दिया। बिना किसी रुचि के वह आगे बढ़ा और बैरियर से आ रहे एक अन्य यात्री को रास्ता रोकने लगा।
लगभग एक बजे लुइसन वापस लौटे, और तब तक उन्होंने एक-दो गिलास शराब पी ली थी। उनकी व्याकुल पत्नी ने अपना दुख भरा वृत्तांत सुनाया। लुइसन ने मामला अपने हाथ में लिया।

उन्होंने घोषणा की, 'मैं खिड़की पर चढ़ूंगा और अंदर देखूंगा।'
शुरू में सीढ़ी को लेकर उन्हें काफी परेशानी हुई। सीढ़ी बार-बार अपनी मनमर्जी कर रही थी। लेकिन आखिरकार उसे बैरोनेस के शयनकक्ष की खिड़की के नीचे ईंटों की दीवार के सहारे टिका दिया गया और लुइसन लड़खड़ाते हुए ऊपर चढ़ गए। पांच मिनट बाद वे नीचे उतर आए।
उन्होंने घोषणा की, 'मैडम ले बैरोन सो रही हैं।'
‘लेकिन वह इतनी देर तक कभी नहीं सोती,’ अर्नेस्टाइन ने विरोध किया।
‘ठीक है, वह आज जो कर रही है,’ लुइसन ने उत्तर दिया, ‘उसे परेशान नहीं करना चाहिए।’
पेरिस जाने वाली ट्रेन थोड़ी देर से आई। यह ठीक एक बजे टुले पहुँची। ट्रेन में सवार यात्रियों में एक अधेड़ उम्र के प्रोटेस्टेंट पादरी भी थे। उन्होंने दो अधेड़ उम्र की महिलाओं से भरे एक डिब्बे में कोने वाली सीट ली, सोने के फ्रेम वाला चश्मा लगाया, अपने हाथ में पकड़े चर्चों और गिरजाघरों पर लिखी एक बड़ी किताब निकाली और पढ़ना शुरू कर दिया। उन्हें पता चला कि पेरिस पहुँचने का समय उस शाम आठ बजकर दस मिनट था।
चार्ल्स बोबेट अपनी खराब टैक्सी के बगल में सड़क किनारे खड़ा था, उसने अपनी घड़ी देखी और मन ही मन कोसने लगा। डेढ़ बज चुके थे, दोपहर के भोजन का समय हो गया था, और वह एगलेटन्स और लामाज़ियर गाँव के बीच एक सुनसान सड़क पर फंसा हुआ था। उसकी टैक्सी का आधा शाफ्ट टूट गया था। धिक्कार है, फिर से धिक्कार है! वह कार छोड़कर अगले गाँव तक पैदल जा सकता था, एगलेटन्स के लिए बस ले सकता था और शाम को मरम्मत के लिए ट्रक लेकर लौट सकता था। इसमें ही उसकी एक हफ्ते की कमाई खर्च हो जाती। लेकिन फिर कार के दरवाजों में ताले नहीं थे, और उसकी सारी दौलत इस खटारा टैक्सी में लगी हुई थी। बेहतर होगा कि वह इसे उन चोर गाँव के बच्चों के लिए न छोड़े जो इसे लूट लें। बेहतर होगा कि वह थोड़ा धैर्य रखे और तब तक इंतजार करे जब तक कोई लॉरी न आ जाए जो (कुछ पैसे लेकर) उसे वापस एगलेटन्स ले जा सके। उसने दोपहर का भोजन नहीं किया था, लेकिन ग्लव कंपार्टमेंट में शराब की एक बोतल थी। खैर, अब वह लगभग खाली हो चुकी थी। टैक्सियों के नीचे रेंगना प्यास बुझाने वाला काम था। वह इंतजार करने के लिए कार के पीछे वाले हिस्से में चढ़ गया। सड़क किनारे भीषण गर्मी थी और दिन थोड़ा ठंडा होने तक कोई भी ट्रक नहीं चल रहा था। किसान दोपहर की नींद ले रहे थे। उसने आराम से लेटकर गहरी नींद सो ली।

‘तुम्हारा क्या मतलब है कि वह अभी तक वापस नहीं आया? वह बदमाश कहाँ चला गया?’ कमिश्नर वैलेंटीन ने फोन पर गरजते हुए कहा। वह एगलेटन्स स्थित कमिसारिएट में बैठे थे, टैक्सी ड्राइवर के घर पर फोन कर रहे थे और अपने ही पुलिसकर्मी से बात कर रहे थे। दूसरी तरफ से आ रही आवाज माफी मांग रही थी। वैलेंटीन ने फोन पटक दिया। पूरी सुबह और दोपहर के भोजन के समय तक नाकाबंदी पर तैनात पुलिस गाड़ियों से रेडियो पर खबरें आती रहीं। एगलेटन्स के बीस किलोमीटर के दायरे से कोई भी लंबा, गोरा अंग्रेज दूर-दूर तक बाहर नहीं निकला था। अब गर्मी में वह शांत बाजार कस्बा खामोश था, मानो सुकून से सो रहा हो, मानो उसल और क्लेरमोंट फेरैंड के दो सौ पुलिसकर्मी कभी यहाँ आए ही न हों।
चार बजे तक जाकर ही अर्नेस्टाइन को अपनी बात मनवाने में सफलता मिली। ‘आपको फिर से ऊपर जाकर मैडम को जगाना होगा,’ उसने लुइसन से आग्रह किया। ‘किसी के लिए भी पूरे दिन सोना स्वाभाविक नहीं है।’
बूढ़े लुइसन, जिन्हें ऐसा करने से बेहतर कुछ और सूझता ही नहीं था, और जिनके मुँह का स्वाद गिद्ध की योनि जैसा था, असहमत तो थे, लेकिन जानते थे कि जब अर्नेस्टाइन ने मन बना लिया हो तो उससे बहस करने का कोई फायदा नहीं। वे फिर से सीढ़ी चढ़े, इस बार पहले से ज़्यादा स्थिर होकर, खिड़की खोली और अंदर चले गए। अर्नेस्टाइन नीचे से देखती रही।
कुछ मिनट बाद बूढ़े आदमी का सिर खिड़की से बाहर निकला।
‘अर्नेस्टाइन,’ उसने कर्कश आवाज में पुकारा। ‘लगता है मैडम की मृत्यु हो गई है।’
वह वापस नीचे उतरने ही वाला था कि अर्नेस्टाइन ने चिल्लाकर उससे कहा कि वह अंदर से बेडरूम का दरवाजा खोल दे। दोनों ने चादर के किनारे से झाँककर उस आँख को देखा जो चेहरे से कुछ इंच दूर रखे तकिए को घूर रही थी। अर्नेस्टाइन ने कार्यभार संभाला।
'लुईसन।'
'हाँ मेरे प्रिय।'
‘जल्दी से गांव जाओ और डॉक्टर मैथ्यू को बुला लाओ। अभी जल्दी करो।’
कुछ मिनट बाद लुइसन अपनी पूरी ताकत से साइकिल चलाते हुए ड्राइववे पर पहुंचा। उसने देखा कि डॉ. मैथ्यू, जिन्होंने चालीस वर्षों से अधिक समय तक हौते शैलोनियर के लोगों की देखभाल की थी, अपने बगीचे के निचले हिस्से में

खुबानी के पेड़ के नीचे सो रहे थे, और बूढ़े व्यक्ति ने तुरंत आने की सहमति दे दी। साढ़े चार बज चुके थे जब उसकी कार महल के आंगन में खड़खड़ाती हुई पहुंची और पंद्रह मिनट बाद जब वह बिस्तर से उठा और दरवाजे पर खड़े दो नौकरों की ओर मुड़ा।
‘मैडम मर चुकी हैं। उनकी गर्दन टूट गई है,’ वह कांपती हुई आवाज में बोला। ‘हमें कांस्टेबल को बुलाना होगा।’
जेंडरम कैलू एक व्यवस्थित व्यक्ति थे। वे जानते थे कि कानून के अधिकारी का काम कितना गंभीर होता है और तथ्यों को सही ढंग से जानना कितना महत्वपूर्ण है। अपनी पेंसिल को बार-बार चाटते हुए उन्होंने रसोई की मेज के चारों ओर बैठे अर्नेस्टाइन, लुइसन और डॉ. मैथ्यू के बयान दर्ज किए।
डॉक्टर द्वारा अपना बयान पर हस्ताक्षर करने के बाद उन्होंने कहा, 'इसमें कोई संदेह नहीं है कि हत्या हुई है। पहला संदिग्ध स्पष्ट रूप से वह गोरा अंग्रेज है जो यहां ठहर रहा था और जो मैडम की कार में गायब हो गया है। मैं इस मामले की सूचना एगलेटन्स स्थित मुख्यालय को दूंगा।'
और वह साइकिल चलाते हुए पहाड़ी से नीचे उतर गया।
क्लाउड लेबेल ने पेरिस के कमिश्नर वैलेंटीन को साढ़े छह का स्थान दिया है। 'तो, वैलेंटीन?'
‘अभी तक कुछ नहीं मिला,’ वैलेंटीन ने जवाब दिया। ‘हमने सुबह से ही इस इलाके से बाहर जाने वाली हर सड़क और पगडंडी पर नाकाबंदी कर रखी है। वह ज़रूर घेरे के अंदर ही कहीं होगा, जब तक कि गाड़ी छोड़कर कहीं दूर न चला गया हो। वह कमीना टैक्सी ड्राइवर, जिसने उसे शुक्रवार सुबह एगलेटन्स से बाहर निकाला था, अभी तक नहीं आया है। मैंने गश्ती दल को यहाँ की सड़कों पर उसकी तलाश करने को लगा दिया है… एक मिनट रुकिए, अभी-अभी एक और खबर आ रही है।’
फोन पर थोड़ी देर के लिए सन्नाटा छा गया और लेबेल को वैलेंटीन की किसी से तेज़ आवाज़ में बात करने की आवाज़ सुनाई दी। फिर वैलेंटीन की आवाज़ वापस आई।
‘अरे यार, यहाँ क्या हो रहा है? यहाँ हत्या हो गई है।’
'कहाँ?' लेबेल ने बढ़ती दिलचस्पी के साथ पूछा।
'पड़ोस के एक महल में। गांव के कांस्टेबल से अभी-अभी रिपोर्ट आई है।'
‘मृत व्यक्ति कौन है?’
‘शैतो की मालकिन। एक महिला। एक पल रुकिए... बैरोनेस डे ला शैलोनियर।’

कैरन ने लेबेल का चेहरा पीला पड़ते देखा।
‘वैलेंटिन, मेरी बात सुनो। वो वही है। क्या वो महल से निकल पाया है?’
एगलटन स्थित पुलिस स्टेशन में एक और सम्मेलन हुआ।
“हां,” वैलेंटीन ने कहा, “वह आज सुबह बैरोनेस की कार में चला गया। एक छोटी रेनॉल्ट। माली ने शव देखा, लेकिन दोपहर तक नहीं। उसने सोचा होगा कि वह सो रही होगी। फिर वह खिड़की से अंदर चढ़ा और उसे पाया।”
'क्या आपके पास हत्या से संबंधित सबूत और कार का विवरण है?' लेबेल ने पूछा। 'हाँ।'
फिर एक सामान्य अलर्ट जारी करें। अब गोपनीयता की कोई आवश्यकता नहीं है। यह अब सीधे तौर पर हत्या की जांच है। मैं इसके लिए राष्ट्रव्यापी अलर्ट जारी करूंगा, लेकिन यदि संभव हो तो अपराध स्थल के आसपास सुराग ढूंढने का प्रयास करें। उसकी भागने की सामान्य दिशा का पता लगाने की कोशिश करें।
‘ठीक है, कर दूंगा। अब हम सचमुच काम शुरू कर सकते हैं।’
लेबेल ने फोन काट दिया।
हे भगवान, बुढ़ापे में मेरी सोचने-समझने की क्षमता कम होती जा रही है। जिस रात जैकाल होटल डू सेर्फ में रुका था, उस रात वहां मेहमानों की सूची में बैरोनेस डे ला शैलोनियर का नाम भी था।
टुले की एक सुनसान गली में गश्त कर रहे एक पुलिसकर्मी को सुबह 7:30 बजे कार मिली। वह 7:45 बजे तक टुले के पुलिस स्टेशन वापस पहुंचा और 7:55 बजे तक टुले ने वैलेंटीन से संपर्क किया। औवेर्गने के कमिश्नर ने 8:05 बजे लेबेल को फोन किया।
'रेलवे स्टेशन से लगभग पांच सौ मीटर की दूरी पर,' उसने लेबेल को बताया। क्या आपके पास रेलवे का टाइमटेबल है?
'हां, यहां कहीं न कहीं एक होना चाहिए।'
‘टुले से पेरिस जाने वाली सुबह की ट्रेन का समय क्या था, और वह गैरे डी ऑस्टरलिट्ज़ एयरपोर्ट पर कितने बजे पहुंचेगी? जल्दी करो, भगवान के लिए जल्दी करो।’
फोन के दूसरी तरफ एगलटन के घर पर धीमी आवाज़ में बातचीत हो रही थी।
‘दिन में सिर्फ दो ही,’ वैलेंटीन ने कहा। ‘सुबह की ट्रेन ग्यारह बजकर पचास मिनट पर निकलती है और पेरिस पहुँचने वाली है... और हम यहाँ आठ बजकर दस मिनट पर हैं...’

लेबेल ने फोन को वेटेज पर ही छोड़ दिया और ऑफिस से आधा बाहर निकलते हुए कैरन पर चिल्लाने लगा कि वह उसके पीछे आए।
आठ-दस एक्सप्रेस ट्रेन ठीक समय पर भव्यता से गैरे डी'ऑस्टरलिट्ज़ स्टेशन पर पहुंची। रुकते ही उसके चमचमाते दरवाज़े खुल गए और यात्री प्लेटफार्म पर उतर आए। कुछ यात्री अपने इंतज़ार कर रहे रिश्तेदारों से मिलने के लिए निकले, तो कुछ मुख्य हॉल से टैक्सी स्टैंड की ओर जाने वाले मेहराबों की श्रृंखला की ओर चल पड़े। इनमें से एक लंबा, सफ़ेद बालों वाला व्यक्ति था, जिसके गले में कुत्ते का पट्टा था। वह टैक्सी स्टैंड पर पहुंचने वाले पहले लोगों में से एक था और उसने अपने तीन बैग मर्सिडीज़ डीज़ल कार की पिछली सीट पर रख दिए।
ड्राइवर ने मीटर बंद किया और प्रवेश द्वार से धीरे-धीरे सड़क की ओर ढलान पर उतरने लगा। सामने का आंगन अर्धवृत्ताकार था, जिसमें आने-जाने के लिए एक-एक गेट था। टैक्सी ढलान से नीचे निकास की ओर लुढ़कती हुई चली गई। ड्राइवर और यात्री दोनों को एक चीखने की आवाज़ सुनाई दी जो टैक्सी चालकों का ध्यान आकर्षित करने के लिए अपनी बारी आने से पहले ही शोर मचा रहे यात्रियों के बीच गूंज रही थी। जैसे ही टैक्सी सड़क पर पहुंची और यातायात में प्रवेश करने से पहले रुकी, तीन पुलिस की गाड़ियां और दो ब्लैक मारिया गाड़ियां प्रवेश द्वार पर पहुंचीं और स्टेशन हॉल की ओर जाने वाले मुख्य मेहराबों के सामने आकर रुक गईं।
‘अरे, ये लोग आज रात बहुत व्यस्त हैं,’ टैक्सी चालक ने कहा। ‘कहाँ जाना है, महोदय आबे?’
पादरी ने उसे क्वाई डेस ग्रांड्स ऑगस्टिन्स पर स्थित एक छोटे से होटल का पता दिया।
क्लॉड लेबेल सुबह नौ बजे अपने कार्यालय लौटे तो उन्हें एक संदेश मिला जिसमें उन्हें टुले स्थित कमिसारिएट में कमिश्नर वैलेंटीन को फोन करने के लिए कहा गया था। उन्होंने पाँच मिनट में ही फोन कर दिया। वैलेंटीन की बातचीत के दौरान उन्होंने नोट्स बनाए।
'क्या आपने कार के फिंगरप्रिंट लिए हैं?' लेबेल ने पूछा।
'बिल्कुल, और महल का वह कमरा भी। सैकड़ों सेट, सभी एक जैसे।'
उन्हें जितनी जल्दी हो सके यहां ले आओ।

ठीक है, कर दूंगा। क्या आप चाहते हैं कि मैं टुले रेलवे स्टेशन से सीआरएस वाले आदमी को भी ऊपर भेज दूं?
नहीं, धन्यवाद। वह हमें इससे ज़्यादा कुछ नहीं बता सकता जितना वह पहले ही बता चुका है। कोशिश करने के लिए धन्यवाद, वैलेंटीन। आप अपने लड़कों को वापस बुला सकते हैं। वह अब हमारे क्षेत्र में है। हमें इसे यहीं से संभालना होगा।
‘क्या आपको यकीन है कि यह वही डेनिश पादरी है?’ वैलेंटीन ने पूछा। ‘यह महज़ संयोग भी हो सकता है।’
‘नहीं,’ लेबेल ने कहा, ‘यह वही है। उसने एक सूटकेस फेंक दिया है, शायद वह आपको हाउते शैलोनियर और टुले के बीच कहीं मिल जाएगा। नदियों और घाटियों में ढूंढो। लेकिन बाकी तीन सामान बिल्कुल मिलते-जुलते हैं। यह वही है।’ उसने फोन काट दिया।
‘इस बार एक पादरी है,’ उसने कैरन से कड़वाहट से कहा, ‘एक डेनिश पादरी। नाम अज्ञात, सीआरएस वाले को पासपोर्ट पर लिखा नाम याद नहीं आ रहा था। मानवीय पहलू, हमेशा मानवीय पहलू। एक टैक्सी ड्राइवर सड़क किनारे सो जाता है, एक माली अपने मालिक के छह घंटे ज़्यादा सोने की जाँच करने से इतना घबरा जाता है कि वह जाँच नहीं कर पाता, एक पुलिसवाले को पासपोर्ट में लिखा नाम याद नहीं रहता। एक बात मैं तुम्हें बता सकता हूँ, लुसिएन, यह मेरा आखिरी केस है। मैं बहुत बूढ़ा हो रहा हूँ। बूढ़ा और सुस्त। मेरी गाड़ी तैयार कर दो। शाम को भूनने का समय हो गया है।’
मंत्रालय में हुई बैठक तनावपूर्ण और गंभीर थी। चालीस मिनट तक समूह ने जंगल के खुले मैदान से एगलेटन्स तक के घटनाक्रम का चरणबद्ध विवरण सुना, जिसमें महत्वपूर्ण टैक्सी चालक की अनुपस्थिति, महल में हुई हत्या और टुले स्टेशन पर पेरिस एक्सप्रेस में सवार होने वाले लंबे कद के भूरे बालों वाले डेनिश व्यक्ति का विवरण शामिल था।
जब सेंट-क्लेयर ने अपनी बात समाप्त की, तो उसने ठंडे स्वर में कहा, "संक्षेप में कहें तो, हत्यारा अब पेरिस में है, एक नए नाम और नए चेहरे के साथ। लगता है, मेरे प्रिय कमिश्नर, आप एक बार फिर असफल हो गए हैं।"
मंत्री जी ने बीच में टोकते हुए कहा, 'आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला बाद में चलेगा। आज रात पेरिस में कितने डेनिश नागरिक मौजूद हैं?'
'संभवतः कई सौ, श्रीमान मंत्री जी।'

‘क्या हम इनकी जांच कर सकते हैं?’
'केवल सुबह के समय, जब होटल पंजीकरण कार्ड प्रीफेक्चर में आते हैं,' लेबेल ने कहा।
पुलिस प्रमुख ने प्रस्ताव रखा, ‘मैं आधी रात, दो बजे और चार बजे हर होटल की तलाशी का इंतजाम करूंगा। उसे “पेशा” शीर्षक के अंतर्गत “पादरी” लिखना होगा, अन्यथा होटल क्लर्क को संदेह हो जाएगा।’
कमरा रोशन हो गया।
लेबेल ने कहा, 'वह शायद अपने कुत्ते के गले में स्कार्फ लपेट लेगा, या उसे उतार देगा, और खुद को "मिस्टर" (जो भी उसका नाम हो) बता देगा।' कई लोगों ने उसे घूरकर देखा।
मंत्री ने कहा, ‘इस समय, महोदय, केवल एक ही काम बचा है। मैं राष्ट्रपति से एक और मुलाकात का अनुरोध करूंगा और उनसे अनुरोध करूंगा कि जब तक इस व्यक्ति को ढूंढकर उसके खिलाफ कार्रवाई नहीं हो जाती, तब तक वे अपने सभी सार्वजनिक कार्यक्रमों को रद्द कर दें। इस बीच, आज रात पेरिस में पंजीकरण कराने वाले प्रत्येक डेनिश नागरिक की सुबह सबसे पहले व्यक्तिगत रूप से जांच की जाएगी। क्या मैं इस मामले में आप पर भरोसा कर सकता हूं, कमिश्नर? महामहिम पुलिस प्रमुख?’
लेबेल और पापोन ने सिर हिलाया।
‘तो बस इतना ही, सज्जनों।’
बाद में अपने दफ्तर में लेबेल ने कैरन से कहा, ‘मुझे सबसे ज्यादा खटकने वाली बात यह है कि वे यही सोचते रहते हैं कि यह सिर्फ उसकी अच्छी किस्मत और हमारी बेवकूफी है। खैर, उसकी किस्मत अच्छी रही है, लेकिन वह बेहद चालाक भी है। और हमारी किस्मत खराब रही है, और हमने गलतियाँ की हैं। मैंने भी की हैं। लेकिन एक और पहलू भी है। दो बार हम उसे कुछ ही घंटों से चूक गए। एक बार तो वह ठीक समय पर दोबारा रंगी हुई कार लेकर गैप से निकल गया। अब वह अल्फ़ा रोमियो मिलने के कुछ ही घंटों के भीतर महल से निकलकर अपनी प्रेमिका की हत्या कर देता है। और हर बार ऐसा उस सुबह होता है जब मैं मंत्रालय में उस बैठक में बता चुका होता हूँ कि हमने उसे पकड़ लिया है, और बारह घंटे के भीतर उसकी गिरफ्तारी की उम्मीद की जा सकती है। लुसिएन, मेरे प्यारे दोस्त, मुझे लगता है कि मैं अपनी असीमित शक्तियों का इस्तेमाल करके थोड़ी सी जासूसी का इंतजाम करने जा रहा हूँ।’

वह खिड़की के किनारे पर टिका हुआ था और धीरे-धीरे बहती सीन नदी के पार लैटिन क्वार्टर की ओर देख रहा था, जहां रोशनी तेज थी और रोशनी से जगमगाते पानी पर हंसी की आवाज गूंज रही थी।
तीन सौ गज दूर, गर्मी की रात में एक और आदमी अपनी खिड़की की चौखट पर झुककर नोट्रे डेम के जगमगाते शिखरों के बाईं ओर स्थित पुलिस ज्यूडिशियरी के विशाल ढांचे को ध्यान से देख रहा था। उसने काले रंग की पतलून और चलने वाले जूते पहने थे, और एक सफेद कमीज और काले बिब के ऊपर पोलो-नेक वाला रेशमी स्वेटर था। वह एक बड़े आकार की अंग्रेजी फिल्टर सिगरेट पी रहा था, और उसका युवा चेहरा उसके ऊपर के घने भूरे बालों से बिल्कुल मेल नहीं खा रहा था। जैसे ही दोनों व्यक्ति सीन नदी के ऊपर एक-दूसरे की ओर अनजाने में देख रहे थे, पेरिस के गिरजाघरों की विभिन्न घंटियों ने 22 अगस्त का स्वागत किया।

[illegible]

[illegible]

अध्याय उन्नीस
क्लॉड लेबेल की रात अच्छी नहीं गुज़री। डेढ़ बज चुका था और वह मुश्किल से सो पाया था कि कैरन ने उसे हिलाकर जगा दिया।
‘चीफ, मुझे इसके लिए खेद है, लेकिन मेरे पास एक विचार आया है। यह आदमी, जैकाल। उसके पास डेनिश पासपोर्ट है, है ना?’
लेबेल ने झटके से खुद को जगाया।
'जारी रखें।'
'खैर, उसने इसे कहीं से तो हासिल किया ही होगा। या तो उसने इसे जाली बनवाया होगा या चुराया होगा। लेकिन चूंकि पासपोर्ट रखने के लिए बालों का रंग बदलना पड़ा है, इसलिए ऐसा लगता है कि उसने इसे चुराया है।'
‘उचित है। आगे बढ़ो।’
खैर, जुलाई में पेरिस की अपनी जासूसी यात्रा को छोड़कर, वह लंदन में ही तैनात रहे हैं। इसलिए संभावना है कि उन्होंने पासपोर्ट इन्हीं दोनों शहरों में से किसी एक में चुराया होगा। अब एक डेनिश नागरिक अपने पासपोर्ट के खो जाने या चोरी हो जाने पर क्या करेगा? वह अपने दूतावास जाएगा।
लेबेल खाट से नीचे उतरने के लिए संघर्ष करने लगी।
“कभी-कभी, मेरे प्यारे लुसिएन, मुझे लगता है कि तुम बहुत आगे जाओगे। पहले अधीक्षक थॉमस को उनके घर से, फिर पेरिस में डेनिश महावाणिज्यदूत से मिलवाओ। इसी क्रम में।”
उन्होंने एक घंटा फोन पर बिताया और दोनों व्यक्तियों को बिस्तर छोड़कर अपने कार्यालयों में वापस जाने के लिए राजी कर लिया। लेबेल सुबह लगभग तीन बजे अपने पलंग पर लौटे। चार बजे उन्हें पुलिस विभाग से एक फोन आया जिसमें बताया गया कि पेरिस के होटलों में ठहरे डेनिश नागरिकों द्वारा भरे गए नौ सौ अस्सी से अधिक होटल पंजीकरण कार्ड आधी रात और सुबह 2 बजे जमा किए गए थे, और उन्हें 'संभावित', 'संभव' और 'अन्य' श्रेणियों में छांटने का काम शुरू हो चुका है।
सुबह छह बजे तक वह जाग रहा था और कॉफ़ी पी रहा था, तभी डीएसटी के इंजीनियरों का फोन आया, जिन्हें उसने आधी रात के ठीक बाद निर्देश दिए थे। लेकिन एक पेंच था। उसने कार ली और कैरन के साथ सुबह-सुबह सड़कों से होते

हुए मुख्यालय की ओर चल पड़ा। तहखाने में स्थित संचार प्रयोगशाला में उन्होंने एक टेप रिकॉर्डिंग सुनी।
यह एक तेज़ क्लिक की आवाज़ से शुरू हुआ, फिर कई तरह की भिनभिनाहट सुनाई दी जैसे कोई सात अंकों की संख्या डायल कर रहा हो। फिर टेलीफोन की घंटी की एक लंबी भिनभिनाहट सुनाई दी, और फिर रिसीवर उठाते ही एक और क्लिक की आवाज़ आई। एक भारी आवाज ने कहा, 'हैलो?'
एक महिला की आवाज आई, 'इकी जैकलीन।'
उस आदमी की आवाज ने जवाब दिया, 'इकी वाल्मी।'
महिला ने जल्दी से कहा, 'वे जानते हैं कि वह एक डेनिश पादरी हैं। वे रात भर पेरिस में रहने वाले सभी डेनिश लोगों के होटल पंजीकरण कार्डों की जाँच कर रहे हैं, और आधी रात, दो और चार बजे कार्ड एकत्र कर रहे हैं। फिर वे हर एक से मिलने जा रहे हैं।'
कुछ देर की खामोशी के बाद, उस आदमी की आवाज आई, 'धन्यवाद।' उसने फोन काट दिया, और महिला ने भी ऐसा ही किया।
लेबेल धीरे-धीरे घूमते हुए टेप के स्पूल को घूरता रहा।
'क्या आपको पता है उसने कौन सा नंबर डायल किया था?' लेबेल ने इंजीनियर से पूछा।
'हाँ। डायल डिस्क के वापस शून्य पर आने में लगने वाले विलंब की अवधि से हम इसका पता लगा सकते हैं। नंबर था MOLITOR 5901।'
‘क्या आपके पास पता है?’
उस आदमी ने उसे एक पर्ची थमा दी। लेबेल ने उस पर एक नज़र डाली।
'चलो, लुसिएन। चलिए, महाशय वाल्मी से मिलने चलते हैं।'
‘उस लड़की का क्या हुआ?’
'ओह, उस पर आरोप लगाना पड़ेगा।'
सात बजे दस्तक हुई। स्कूल मास्टर चूल्हे पर नाश्ता बना रहे थे। उन्होंने भौंहें चढ़ाकर गैस धीमी की और बैठक पार करके दरवाजा खोला। चार आदमी उनके सामने खड़े थे। उन्हें बिना बताए ही पता था कि वे कौन हैं और क्या कर रहे हैं। वर्दी पहने दो लोग उन पर झपटने के लिए बेताब लग रहे थे, लेकिन छोटे कद के, शांत दिखने वाले उस आदमी ने उन्हें वहीं रुकने का इशारा किया।
‘हमने फोन टैप किया,’ उस छोटे आदमी ने धीमी आवाज़ में कहा। ‘आप वाल्मी हैं।’

स्कूल मास्टर ने कोई भाव नहीं दिखाया। वह पीछे हट गए और उन्हें कमरे में प्रवेश करने दिया।
‘क्या मैं कपड़े पहन सकता हूँ?’ उसने पूछा।
'हाँ बिल्कुल।'
वर्दीधारी दो पुलिसकर्मियों के सामने खड़े होकर उसने कुछ ही मिनटों में अपने पायजामे उतारे बिना ही पैंट और कमीज पहन ली। सादे कपड़ों में युवा व्यक्ति दरवाजे पर खड़ा था। बुजुर्ग व्यक्ति फ्लैट में इधर-उधर घूम रहा था और किताबों और कागजों के ढेर का निरीक्षण कर रहा था।
'ल्यूसियन, इस छोटे से ढेर को छांटने में सदियां लग जाएंगी,' उसने कहा, और दरवाजे पर खड़ा आदमी बड़बड़ाया।
'भगवान का शुक्र है, यह हमारा विभाग नहीं है।'
‘क्या आप तैयार हैं?’ उस छोटे लड़के ने स्कूल मास्टर से पूछा।
'हाँ।'
उसे नीचे कार तक ले जाओ।
जब बाकी चारों चले गए, तो कमिश्नर वहीं रुका रहा और उन कागजों को पलटता रहा जिन पर स्कूल मास्टर ने पिछली रात काम किया था। लेकिन वे सभी साधारण स्कूल परीक्षा के प्रश्नपत्र थे जिनकी जाँच की जा रही थी। जाहिर तौर पर वह आदमी अपने फ्लैट से काम करता था; उसे पूरे दिन फ्लैट में ही रहना पड़ता था ताकि अगर जैकाल फोन करे तो वह फोन उठा सके। सात बजकर दस मिनट पर फोन की घंटी बजी। लेबेल ने कुछ सेकंड तक उसे देखा। फिर उसका हाथ बढ़ा और उसने फोन उठा लिया।
‘हैलो?’
दूसरी तरफ से आने वाली आवाज सपाट और स्वरहीन थी।
'यह सियार है।'
लेबेल ने गुस्से में सोचा।
‘इकी वाल्मी,’ उसने कहा। थोड़ी देर का विराम। उसे समझ नहीं आ रहा था कि और क्या कहे।
दूसरी तरफ से आवाज आई, 'क्या नया है?'
‘कुछ नहीं। वे कोर्रेज़ में सुराग खो बैठे हैं।’

उसके माथे पर पसीने की एक पतली परत थी। उस आदमी को कुछ और घंटों तक वहीं रहना बेहद ज़रूरी था। एक क्लिक की आवाज़ आई और फ़ोन बंद हो गया। लेबेल ने फ़ोन उठाया और तेज़ी से नीचे सड़क के किनारे खड़ी कार की ओर भागा।
‘वापस ऑफिस जाओ,’ उसने ड्राइवर पर चिल्लाते हुए कहा।
सीन नदी के किनारे बसे एक छोटे से होटल के लॉबी में बने टेलीफोन बूथ में बैठा सियार हैरान होकर शीशे से बाहर देख रहा था। कुछ नहीं? ज़रूर कुछ तो होगा। यह कमिश्नर लेबेल मूर्ख नहीं था। उन्होंने एगलेटन्स में टैक्सी ड्राइवर का पता लगाया होगा, और वहाँ से हाउट शैलोनियर तक। उन्होंने महल में शव और लापता रेनॉल्ट कार ज़रूर ढूंढी होगी। उन्होंने टुले में रेनॉल्ट कार ढूंढी होगी और थाने के कर्मचारियों से पूछताछ की होगी। उन्होंने ज़रूर...
वह टेलीफोन बूथ से बाहर निकला और लॉबी के पार चला गया।
‘कृपया मेरा बिल दे दीजिए,’ उसने क्लर्क से कहा। ‘मैं पाँच मिनट में नीचे आ जाऊँगा।’
सुपरिटेंडेंट थॉमस का फोन तब आया जब लेबेल साढ़े सात बजे अपने कार्यालय में दाखिल हुए।
ब्रिटिश जासूस ने कहा, 'माफ़ कीजिए, इतनी देर हो गई। डेनिश दूतावास के कर्मचारियों को जगाने और उन्हें वापस दफ्तर लाने में बहुत समय लग गया। आप बिल्कुल सही थे। 14 जुलाई को एक डेनिश पादरी ने अपने पासपोर्ट के गुम होने की सूचना दी। उन्हें शक था कि वेस्ट एंड के एक होटल में उनके कमरे से पासपोर्ट चोरी हो गया था, लेकिन वे इसे साबित नहीं कर सके। उन्होंने शिकायत दर्ज नहीं कराई, जिससे होटल मैनेजर को राहत मिली। नाम: पादरी पेर जेन्सन, कोपेनहेगन निवासी। विवरण: छह फीट लंबा, नीली आँखें, भूरे बाल।' ‘हाँ, यही है, धन्यवाद, अधीक्षक।’ लेबेल ने फोन रख दिया। ‘मुझे प्रीफेक्चर से संपर्क कराओ,’ उसने कैरन से कहा।
चारों ब्लैक मारिया गाड़ियां सुबह 8:30 बजे क्वाई डेस ग्रैंड्स ऑगस्टिन्स स्थित होटल के बाहर पहुंचीं। पुलिस ने कमरा नंबर 37 की तब तक तलाशी ली जब तक कि वह ऐसा नहीं दिखने लगा जैसे उस पर बवंडर आया हो।
'मुझे खेद है, महाशय आयुक्त,' दुकानदार ने छापेमारी का नेतृत्व कर रहे अस्त-व्यस्त दिखने वाले जासूस से कहा, 'पास्टर जेनसेन एक घंटे पहले ही चेक आउट कर चुके हैं।'

लेबेल अब तक पादरी पेर जेन्सेन का पर्दाफाश कर चुका होगा, और उसने मार्टी शुल्बर्ग को चौबीस घंटे से ज़्यादा का समय नहीं दिया।
‘उस लेबेल को धिक्कार है,’ उसने मन ही मन गुस्से से सोचा, लेकिन वेट्रेस को देखकर मुस्कुराया और कहा, ‘धन्यवाद, प्रिये।’
लेबेल ने दस बजे लंदन में थॉमस से दोबारा संपर्क किया। उसकी बात सुनकर थॉमस ने हल्की सी आह भरी, लेकिन उसने विनम्रतापूर्वक जवाब दिया कि वह हर संभव मदद करेगा। फोन कटने पर थॉमस ने उस वरिष्ठ निरीक्षक को बुलाया जो पिछले सप्ताह जांच में शामिल था।
‘ठीक है, बैठ जाओ,’ उसने कहा। ‘फ्रांसीसी फिर से सक्रिय हो गए हैं। लगता है उन्हें वह फिर से नहीं मिला। अब वह पेरिस के केंद्र में है, और उन्हें शक है कि उसने कोई और फर्जी पहचान तैयार कर रखी होगी। हम दोनों अभी से लंदन के हर दूतावास में फोन करके 1 जुलाई से अब तक गुम या चोरी हुए विदेशी पर्यटकों के पासपोर्टों की सूची मांगना शुरू कर सकते हैं। अश्वेतों और एशियाई लोगों को भूल जाओ। सिर्फ गोरों पर ध्यान दो। हर मामले में मुझे उस व्यक्ति की लंबाई चाहिए। पांच फुट आठ इंच से ज़्यादा लंबा हर कोई संदिग्ध है। काम पर लग जाओ।’
पेरिस स्थित मंत्रालय में होने वाली दैनिक बैठक को दोपहर दो बजे कर दिया गया था।
लेबेल की रिपोर्ट हमेशा की तरह उनके सौम्य और नीरस स्वर में प्रस्तुत की गई, लेकिन इसकी प्रतिक्रिया ठंडी रही।
मंत्री ने बीच में ही कहा, 'धिक्कार है उस आदमी पर, उसकी किस्मत तो शैतान जैसी है!'
नहीं, महाशय मंत्री जी, यह महज़ संयोग नहीं था। कम से कम पूरी तरह से तो नहीं। उसे हर चरण में हमारी प्रगति की लगातार जानकारी दी गई थी। यही कारण है कि वह गैप से इतनी जल्दी में निकला, और ला शैलोनियर में उस महिला की हत्या करके जाल कसने से ठीक पहले भाग गया। हर रात मैंने इस बैठक में अपनी प्रगति की रिपोर्ट दी है। तीन बार हम उसे पकड़ने से कुछ ही घंटे दूर थे। आज सुबह वाल्मी की गिरफ्तारी और टेलीफोन पर वाल्मी की तरह बात करने में मेरी असमर्थता के कारण ही वह अपना ठिकाना छोड़कर दूसरी पहचान में बदल गया। लेकिन पहले दो मौकों पर उसे सुबह-सुबह ही सूचना मिल गई थी, जब मैंने इस बैठक को जानकारी दे दी थी।

मेज के चारों ओर सन्नाटा पसरा हुआ था।
‘मुझे याद आ रहा है, कमिश्नर साहब, कि आपका यह सुझाव पहले भी दिया जा चुका है,’ मंत्री ने ठंडे स्वर में कहा। ‘मुझे उम्मीद है कि आप इसे साबित कर सकेंगे।’
जवाब में लेबेल ने एक छोटा पोर्टेबल टेप-रिकॉर्डर मेज पर रखा और स्टार्ट बटन दबा दिया। कॉन्फ्रेंस रूम की खामोशी में टेलीफोन से आ रही बातचीत धातु जैसी कर्कश सुनाई दी। बातचीत खत्म होने पर पूरा कमरा मेज पर रखी मशीन को घूरने लगा। कर्नल सेंट-क्लेयर का चेहरा पीला पड़ गया था और उनके हाथ हल्के से कांप रहे थे, जब वे अपने कागजों को समेटकर फोल्डर में रख रहे थे।
अंत में मंत्री जी ने पूछा, 'वह किसकी आवाज थी?'
लेबेल चुप रहा। सेंट-क्लेयर धीरे-धीरे उठा, और कमरे में मौजूद सभी लोगों की निगाहें उस पर टिक गईं।
मुझे आपको यह सूचित करते हुए खेद हो रहा है... माननीय मंत्री जी... कि यह आवाज मेरी एक मित्र की थी। वह इस समय मेरे साथ रह रही हैं... क्षमा कीजिए। वह महल में वापस जाकर अपना त्यागपत्र लिखने के लिए कमरे से बाहर निकल गया। कमरे में मौजूद सभी लोग चुपचाप अपने हाथों को देखते रहे।
‘बहुत खूब, कमिश्नर।’ मंत्री जी की आवाज बहुत धीमी थी। ‘आप जारी रख सकते हैं।’
लेबेल ने अपनी रिपोर्ट फिर से शुरू की, जिसमें उन्होंने लंदन में थॉमस से पिछले पचास दिनों में लापता हुए सभी पासपोर्टों का पता लगाने के अपने अनुरोध का जिक्र किया।
उन्होंने अपनी बात समाप्त करते हुए कहा, ‘मुझे उम्मीद है कि आज शाम तक मेरे पास उन लोगों की एक छोटी सूची होगी, जिनमें शायद एक या दो ही लोग होंगे जो सियार के बारे में हमारे पास मौजूद विवरण से मेल खाते हों। जैसे ही मुझे पता चलेगा, मैं लंदन में अपने पासपोर्ट खो चुके उन पर्यटकों के मूल देशों से उन लोगों की तस्वीरें उपलब्ध कराने का अनुरोध करूंगा, क्योंकि हमें पूरा यकीन है कि अब तक सियार अपनी नई पहचान से कैल्थ्रोप, डग्गन या जेन्सन की तुलना में कहीं अधिक मिलता-जुलता होगा। अगर किस्मत अच्छी रही तो कल दोपहर तक मुझे ये तस्वीरें मिल जाएंगी।’
मंत्री जी ने कहा, “मैं राष्ट्रपति डी गॉल से हुई अपनी बातचीत के बारे में बता सकता हूँ। उन्होंने इस हत्यारे से खुद को बचाने के लिए भविष्य में

अपने यात्रा कार्यक्रम में कोई बदलाव करने से साफ इनकार कर दिया है। सच कहूँ तो, इसकी उम्मीद थी। हालाँकि, मुझे एक रियायत मिल गई है। प्रचार पर लगा प्रतिबंध अब हटाया जा सकता है, कम से कम इस मामले में। सियार अब एक आम हत्यारा है। उसने बैरोनेस डी ला शैलोनियर की उनके ही घर में उनके गहने चुराने के दौरान हत्या कर दी। माना जाता है कि वह पेरिस भाग गया है और यहाँ छिपा हुआ है। ठीक है, महोदया?”
दोपहर के अखबारों के लिए, कम से कम आखिरी संस्करणों में, यही जानकारी प्रकाशित की जाएगी। कमिश्नर साहब, जैसे ही आपको उसकी नई पहचान, या दो-तीन वैकल्पिक पहचानों के बारे में पूरी तरह से यकीन हो जाए, जिनके तहत वह अब भेस बदलकर रह रहा है, तो आपको वह नाम या वे नाम प्रेस को जारी करने का अधिकार है। इससे सुबह के अखबारों को नई जानकारी के साथ खबर को अपडेट करने में मदद मिलेगी।
'कल सुबह जब लंदन में अपना पासपोर्ट खोने वाले दुर्भाग्यपूर्ण पर्यटक की तस्वीर आपके पास आएगी, तो आप इसे शाम के अखबारों, रेडियो और टेलीविजन को जारी कर सकते हैं ताकि हत्या की जांच की कहानी पर दूसरी बार अपडेट मिल सके।'
इसके अलावा, जैसे ही हमें किसी का नाम पता चलेगा, पेरिस का हर पुलिसकर्मी और सीआरएस का जवान सड़क पर उतरकर हर दिखने वाले व्यक्ति को रोककर उसके कागजात की जांच करेगा।
पुलिस प्रमुख, सीआरएस प्रमुख और पीजे निदेशक तेज़ी से नोट्स ले रहे थे। मंत्री ने आगे कहा:
'डीएसटी केंद्रीय अभिलेख कार्यालय की सहायता से ओएएस के प्रत्येक ज्ञात समर्थक की जांच करेगा। समझ गए?'
डीएसटी और आरजी कार्यालय के प्रमुखों ने जोरदार सहमति में सिर हिलाया। 'पुलिस ज्यूडिशियरी अपने सभी जासूसों को उनके वर्तमान कार्य से हटाकर हत्या की जांच में स्थानांतरित कर देगी।'
पीजे के मैक्स फर्नेट ने सिर हिलाया।
“जहां तक महल का सवाल है, जाहिर है मुझे राष्ट्रपति की आगे की हर गतिविधि की पूरी सूची चाहिए होगी, भले ही उन्हें खुद उनके हित में बरती जा रही अतिरिक्त सावधानियों की जानकारी न दी गई हो। यह उन मौकों में से एक है जब हमें उनके हित में उनकी नाराजगी मोल लेनी ही होगी। और हां, मैं राष्ट्रपति

सुरक्षा कोर पर भरोसा कर सकता हूं कि वे राष्ट्रपति के चारों ओर पहले से कहीं ज्यादा कड़ी सुरक्षा व्यवस्था करेंगे। कमिश्नर ड्यूक्रेट?”
डी गॉल के निजी अंगरक्षकों के प्रमुख जीन डुक्रेट ने अपना सिर झुकाया। ‘ब्रिगेड क्रिमिनले...’ मंत्री ने कमिश्नर बोवियर को घूरते हुए कहा, ‘स्पष्ट रूप से इसके कई संपर्क अंडरवर्ल्ड से जुड़े हुए हैं और यह इसके लिए पैसे लेती है। मैं चाहता हूं कि हर कोई इस आदमी पर नज़र रखने के लिए जुट जाए, नाम और विवरण दिया जाना चाहिए। ठीक है?’
मौरिस बोवियर ने रूखेपन से सिर हिलाया। मन ही मन वह बेचैन था। उसने अपने जीवन में कुछ तलाशी अभियान देखे थे, लेकिन यह तो बहुत बड़ा था। जैसे ही लेबेल नाम और पासपोर्ट नंबर, साथ ही हुलिया भी बता देगा, सुरक्षा बलों से लेकर अंडरवर्ल्ड तक के लगभग एक लाख लोग सड़कों, होटलों, बार और रेस्तरां में उस एक आदमी की तलाश में जुट जाएंगे।
मंत्री जी ने पूछा, 'क्या कोई अन्य सूचना स्रोत है जिसे मैंने नजरअंदाज कर दिया है?'
कर्नल रोलैंड ने जनरल गुइबाउड की ओर सरसरी नजर डाली, फिर कमिश्नर बोवियर की ओर। उन्हें खांसी आई।
‘यूनियन कोर्स तो हमेशा मौजूद है।’
जनरल गुइबाउड अपने नाखूनों को देख रहे थे। बूवियर गुस्से से घूर रहे थे। बाकी लोग शर्मिंदा दिख रहे थे। यूनियन कोर्स, कोर्सिकन लोगों का भाईचारा, अजासियो के भाइयों के वंशज, प्रतिशोध के पुत्र, फ्रांस का सबसे बड़ा संगठित अपराध गिरोह था और आज भी है। वे पहले से ही मार्सिले और दक्षिणी तट के अधिकांश हिस्से पर अपना दबदबा बनाए हुए थे। कुछ विशेषज्ञों का मानना था कि वे माफिया से भी पुराने और ज़्यादा खतरनाक थे। इस सदी के शुरुआती वर्षों में माफिया की तरह अमेरिका में पलायन न करने के कारण, वे उस प्रसिद्धि से बच गए थे जिसने बाद में माफिया को घर-घर में जाना-पहचाना नाम बना दिया।
गॉलवाद ने दो बार पहले ही यूरोपीय संघ के साथ गठबंधन किया था, और दोनों बार यह गठबंधन उनके लिए फायदेमंद तो रहा, लेकिन शर्मनाक भी। क्योंकि यूरोपीय संघ हमेशा रिश्वत मांगता था, आमतौर पर उनके आपराधिक गिरोहों पर पुलिस की निगरानी में ढील के रूप में। यूरोपीय संघ ने अगस्त 1944 में मित्र देशों को दक्षिणी फ्रांस पर आक्रमण करने में मदद की थी, और तब से मार्सिले और

टूलॉन पर उसका कब्ज़ा था। अप्रैल 1961 के बाद अल्जीरियाई बसने वालों और ओएएस के खिलाफ लड़ाई में भी उसने मदद की थी, और इसके लिए उसने अपने पैर उत्तर की ओर और पेरिस तक फैला दिए थे।
पुलिसकर्मी के रूप में मौरिस बोवियर उनसे बेहद नफरत करता था, लेकिन वह जानता था कि रोलैंड की एक्शन सर्विस में कोर्सिकन लोगों का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया जाता था।
मंत्री ने पूछा, 'क्या आपको लगता है कि वे मदद कर सकते हैं?'
रोलैंड ने जवाब दिया, 'अगर यह सियार उतना ही चतुर है जितना लोग कहते हैं, तो मेरा मानना है कि अगर पेरिस में कोई उसे ढूंढ सकता है तो वह यूनियन ही होगी।'
मंत्री ने संदेह भरे लहजे में पूछा, 'पेरिस में उनमें से कितने लोग हैं?' लगभग अस्सी हजार। इनमें से कुछ पुलिस में हैं, कुछ सीमा शुल्क अधिकारी हैं, कुछ आपराधिक सुरक्षा बल (सीआरएस) में हैं, कुछ गुप्त सेवा में हैं, और निश्चित रूप से, कुछ अंडरवर्ल्ड में हैं। और वे संगठित हैं।
मंत्री ने कहा, 'अपने विवेक का प्रयोग करें।'
और कोई सुझाव नहीं थे।
ठीक है, तो बात यहीं खत्म होती है। कमिश्नर लेबेल, अब हमें आपसे सिर्फ एक नाम, एक विवरण और एक तस्वीर चाहिए। इसके बाद मैं इस सियार को छह घंटे की आजादी देता हूँ।
'दरअसल, हमारे पास तीन दिन हैं,' लेबेल ने कहा, जो खिड़की से बाहर देख रहा था। उसके श्रोता चौंक गए।
‘आपको यह कैसे पता चला?’ मैक्स फर्नेट ने पूछा।
लेबेल ने कई बार तेजी से पलकें झपकाईं।
मुझे माफ़ी मांगनी चाहिए। पहले इसे न समझ पाना मेरी बहुत बड़ी मूर्खता थी। एक हफ़्ते से मुझे पूरा यकीन था कि सियार की कोई योजना थी और उसने राष्ट्रपति की हत्या के लिए सही दिन चुन लिया था। जब उसने गैप छोड़ा, तो वह तुरंत पास्टर जेन्सेन क्यों नहीं बन गया? वह वैलेंस जाकर तुरंत पेरिस जाने वाली एक्सप्रेस ट्रेन क्यों नहीं पकड़ ली? फ्रांस पहुँचकर उसने एक हफ़्ता समय बर्बाद करने में क्यों बिताया?
‘अच्छा, तो क्यों?’ किसी ने पूछा।

लेबेल ने कहा, 'क्योंकि उन्होंने अपना दिन चुन लिया है, उन्हें पता है कि वे कब हमला करेंगे। कमिश्नर ड्यूक्रेट, क्या राष्ट्रपति का आज, कल या शनिवार को महल के बाहर कोई कार्यक्रम है?'
डुक्रेट ने अपना सिर हिलाया।
'और 25 अगस्त, रविवार को क्या होता है?' लेबेल ने पूछा।
मेज के चारों ओर एक आह सुनाई दी, मानो हवा मक्के के खेतों में बह रही हो। ‘बिल्कुल,’ मंत्री जी ने धीमी आवाज़ में कहा, ‘मुक्ति दिवस। और सबसे अजीब बात यह है कि हममें से अधिकतर लोग उस दिन, 1944 में पेरिस की मुक्ति के दिन, उनके साथ यहीं मौजूद थे।’
'बिल्कुल सही,' लेबेल ने कहा। 'हमारा जैकल थोड़ा-बहुत मनोवैज्ञानिक है। वह जानता है कि साल में एक दिन ऐसा होता है जब जनरल डी गॉल यहीं के अलावा कहीं और नहीं बिताते। यह उनका खास दिन है। हत्यारा इसी दिन का इंतजार कर रहा था।'
‘तो फिर,’ मंत्री ने फुर्ती से कहा, ‘हमने उसे पकड़ लिया है। उसके सूचना स्रोत के समाप्त हो जाने के बाद, पेरिस का कोई कोना नहीं बचा जहाँ वह छिप सके, पेरिसवासियों का कोई समुदाय नहीं बचा जो उसे अनजाने में भी शरण दे और सुरक्षा प्रदान करे। हमने उसे पकड़ लिया है। कमिश्नर लेबेल, हमें उस आदमी का नाम बताइए।’
क्लाउड लेबेल उठे और दरवाजे की ओर चले गए। बाकी लोग भी उठ रहे थे और दोपहर के भोजन के लिए निकलने की तैयारी कर रहे थे।
‘ओह, एक बात है,’ मंत्री ने लेबेल को पुकारते हुए कहा, ‘आपको कैसे पता चला कि कर्नल सेंट-क्लेयर के निजी फ्लैट की टेलीफोन लाइन को टैप करना है?’
लेबेल दरवाजे पर मुड़ा और कंधे उचका दिए।
उन्होंने कहा, 'मैंने ऐसा नहीं किया, इसलिए कल रात मैंने आप सभी के टेलीफोन टैप किए। शुभ दिन, सज्जनों।'
उस शाम पांच बजे, प्लेस डे ल'ओडियन के पास एक कैफे की छत पर बैठकर बीयर पीते हुए, बाकी सभी लोगों की तरह काले चश्मे से अपना चेहरा धूप से बचाते हुए, जैकाल को एक विचार आया। यह विचार उसे सड़क पर टहलते हुए दो आदमियों को देखकर आया। उसने अपनी बीयर का भुगतान किया, उठा और चला गया। सड़क पर सौ गज आगे जाकर उसे वह मिल गया जिसकी उसे तलाश थी - एक महिलाओं की सौंदर्य प्रसाधन की दुकान। वह अंदर गया और कुछ सामान खरीदा।

शाम छह बजे अखबारों की हेडलाइन बदल गईं। देर से छपे संस्करणों में सबसे ऊपर एक बड़ा सा बैनर लगा था: "सुंदर बैरोनेस का हत्यारा पेरिस में शरण लिए हुए है।" इसके नीचे बैरोनेस डी ला शैलोनियर की एक तस्वीर थी, जो पांच साल पहले पेरिस में एक पार्टी में ली गई उनकी एक तस्वीर थी। यह तस्वीर एक फोटो एजेंसी के अभिलेखागार में मिली थी और यही तस्वीर हर अखबार में छपी थी। शाम छह:30 बजे, कर्नल रोलैंड अपनी बगल में फ्रांस-सोइर की एक प्रति लिए, रू वाशिंगटन के पास एक छोटे से कैफे में दाखिल हुए। सांवले रंग के बारमैन ने उन्हें उत्सुकता से देखा और हॉल के पीछे बैठे एक अन्य व्यक्ति की ओर इशारा किया।
दूसरा व्यक्ति आया और उसने रोलैंड से झगड़ा किया।
‘कर्नल रोलैंड?’
एक्शन सर्विस के प्रमुख ने सिर हिलाया।
'कृप्या मेरा पीछा करें।'
वह कैफे के पीछे वाले दरवाजे से होते हुए पहली मंजिल पर बने एक छोटे से बैठक कक्ष में गया, जो शायद मालिक का निजी निवास था। उसने दरवाजा खटखटाया और अंदर से एक आवाज आई, 'आइए, आपका स्वागत है।'
जैसे ही दरवाजा उसके पीछे बंद हुआ, रोलैंड ने उस व्यक्ति का बढ़ाया हुआ हाथ थाम लिया जो एक कुर्सी से उठ खड़ा हुआ था।
‘कर्नल रोलैंड? नमस्कार। मैं यूनियन कोरसे का प्रमुख हूँ। मुझे पता चला है कि आप किसी खास व्यक्ति की तलाश कर रहे हैं...’
रात के आठ बज रहे थे जब सुपरिटेंडेंट थॉमस लंदन से आए। उनकी आवाज़ थकी हुई लग रही थी। दिन आसान नहीं था। कुछ दूतावासों ने स्वेच्छा से सहयोग किया, जबकि अन्य ने बेहद मुश्किल खड़ी की।
उन्होंने बताया कि महिलाओं, अश्वेतों, एशियाई लोगों और बौने लोगों के अलावा, पिछले पचास दिनों में लंदन में आठ विदेशी पुरुष पर्यटकों के पासपोर्ट खो गए थे। उन्होंने सावधानीपूर्वक और संक्षेप में उन सभी के नाम, पासपोर्ट नंबर और विवरण सूचीबद्ध किए।
‘अब चलिए उन लोगों को अलग करना शुरू करते हैं जिन पर यह लागू नहीं हो सकता,’ उन्होंने लेबेल से कहा। ‘तीन लोगों के पासपोर्ट उस समय खो गए जब हमें पता है कि जैकल, उर्फ डग्गन, लंदन में नहीं था। हम 1 जुलाई से ही एयरलाइन बुकिंग और टिकट बिक्री की जाँच कर रहे हैं। ऐसा लगता है कि 18 जुलाई को

उसने कोपेनहेगन के लिए शाम की उड़ान भरी थी। बीईए के अनुसार, उसने ब्रुसेल्स में उनके काउंटर से नकद भुगतान करके टिकट खरीदा और 6 अगस्त की शाम को इंग्लैंड वापस आ गया।’
'जी हां, यह सही है,' लेबेल ने कहा। 'हमें पता चला है कि लंदन से बाहर की उस यात्रा का कुछ हिस्सा पेरिस में बीता था। 22 जुलाई से 31 जुलाई तक।' ‘अच्छा,’ लंदन लाइन पर थॉमस की आवाज लड़खड़ाते हुए बोली, ‘जब वह यहाँ नहीं था, तब तीन पासपोर्ट गुम हो गए। हम उन्हें गिन सकते हैं, है ना?’
'ठीक है,' लेबेल ने कहा।
'बाकी बचे पांच में से एक बेहद लंबा है, छह फीट छह इंच, यानी आपकी भाषा में दो मीटर से भी ज्यादा। इसके अलावा, वह इतालवी है, जिसका मतलब है कि उसके पासपोर्ट के पहले पन्ने पर उसकी ऊंचाई मीटर और सेंटीमीटर में दी गई है, जिसे एक फ्रांसीसी सीमा शुल्क अधिकारी तुरंत समझ जाएगा, बशर्ते कि वह सियार स्टिल्ट्स पर न चल रहा हो।'
‘मैं सहमत हूँ, वह आदमी तो बहुत बड़ा होगा। उसे तो छोड़ ही दो। बाकी चार का क्या?’ लेबेल ने पूछा।
'खैर, एक तो बेहद मोटा है, दो सौ बयालीस पाउंड, या सौ किलो से भी ज्यादा। सियार को इतना मोटा होना पड़ेगा कि वह मुश्किल से चल पाएगा।'
लेबेल ने कहा, 'उसे तो छोड़ ही दो, और कौन है?'
'दूसरा बहुत बूढ़ा है। उसकी लंबाई तो ठीक है, लेकिन वह सत्तर से ऊपर का है। सियार इतना बूढ़ा तभी दिख सकता है जब उसके चेहरे पर किसी थिएटर मेकअप विशेषज्ञ ने काम किया हो।'
'उसे भी बाहर कर दो,' लेबेल ने कहा। 'आखिरी दो का क्या?'
थॉमस ने कहा, 'एक नॉर्वेजियन है, दूसरा अमेरिकी। दोनों ही इस पद के लिए बिल्कुल सही हैं। लंबे, चौड़े कंधे वाले, बीस से पचास के बीच के। नॉर्वेजियन के आपके लिए सही उम्मीदवार न होने के दो कारण हैं। पहला तो यह कि वह गोरा है; मुझे नहीं लगता कि जैकाल, डग्गन के रूप में बेनकाब होने के बाद, अपने बालों का रंग बदलेगा, क्या वह बदलेगा? वह डग्गन जैसा ही दिखेगा। दूसरा यह कि नॉर्वेजियन ने अपने काउंसल को बताया कि उसे पूरा यकीन है कि जब वह अपनी गर्लफ्रेंड के साथ नाव में सर्पेन्टाइन नदी में कपड़े पहने हुए गिरा था, तो उसका पासपोर्ट उसकी जेब से गिर गया था। वह कसम खाकर कहता है कि जब वह गिरा था तब पासपोर्ट उसकी छाती की जेब में था, और पंद्रह मिनट बाद जब

[illegible]

अध्याय बीस
सियार आधी रात से एक घंटा पहले बार में दाखिल हुआ। अँधेरा था और कुछ सेकंड तक वह कमरे का आकार ठीक से देख भी नहीं पाया। बाईं दीवार पर एक लंबी बार थी, जिसके पीछे रोशन शीशों और बोतलों की कतार लगी थी। जैसे ही दरवाज़ा बंद हुआ, बारटेंडर ने उत्सुकता से उसे घूर कर देखा।
कमरा लंबा और बार की लंबाई में संकरा था, दाहिनी दीवार के पास छोटी-छोटी मेजें लगी थीं। कमरे के दूसरे छोर पर जाकर एक खुला हुआ बैठक कक्ष बन जाता था, जहाँ चार-छह लोग एक साथ बैठ सकते थे। बार काउंटर के पास बार स्टूल की एक कतार लगी थी। अधिकांश कुर्सियाँ और स्टूल रात के नियमित ग्राहकों से भरे हुए थे।
दरवाजे के सबसे पास वाली मेजों पर बातचीत रुक गई क्योंकि ग्राहक उसे निहार रहे थे, और कमरे में सन्नाटा छा गया क्योंकि दूर बैठे अन्य लोगों ने अपने साथियों की निगाहें पकड़ लीं और दरवाजे के पास खड़े उस लंबे, चुस्त-दुरुस्त व्यक्ति को देखने के लिए मुड़ गए। कुछ फुसफुसाहटें हुईं और एक-दो हंसी सुनाई दी। उसने दूर कोने में एक खाली बार-स्टूल देखा और उस तक पहुँचने के लिए दाईं ओर की मेजों और बाईं ओर के बार के बीच से चलकर गया। वह बार-स्टूल पर बैठ गया। उसके पीछे उसे एक फुसफुसाहट सुनाई दी।
‘ओह, मुझे देखो! उन मांसपेशियों को देखो, प्रिय, मैं तो पागल हो रहा हूँ।’ बारमैन बार की पूरी लंबाई में खिसक कर उसके सामने खड़ा हो गया ताकि उसे बेहतर ढंग से देख सके। उसके लाल होंठ एक नज़ाकत भरी मुस्कान में फैल गए। ‘शुभ संध्या... महाशय।’ पीछे से हंसी की गूंज सुनाई दी, जिनमें से अधिकतर शरारती थीं।
मुझे एक स्कॉच दो।
बारमैन खुशी से झूमता हुआ चला गया। एक आदमी, एक आदमी, एक आदमी! आज रात तो खूब हंगामा होने वाला था। उसने गलियारे के दूसरी तरफ खड़ी उन बेवकूफ लड़कियों को अपने पंजे तेज़ करते देखा। ज़्यादातर अपनी रेगुलर 'लड़कियों' का इंतज़ार कर रही थीं, लेकिन कुछ बिना किसी साथी के अचानक आ गई थीं। उसने सोचा, यह नया लड़का तो धमाल मचाने वाला है।
सियार के बगल में बैठा ग्राहक उसकी ओर मुड़ा और खुली जिज्ञासा से उसे निहारने लगा। बाल सुनहरे रंग के थे, जिन्हें प्राचीन भित्तिचित्र में

किसी युवा यूनानी देवता की तरह माथे पर करीने से नुकीली चोटियों की तरह संवारा गया था। यहीं पर समानता समाप्त हो गई। आँखों में मस्कारा लगा था, होंठ हल्के मूंगे रंग के थे, और गालों पर पाउडर लगा था। लेकिन मेकअप बुढ़ापे की थकान भरी रेखाओं को नहीं छिपा सका, न ही मस्कारा सूखी, भूखी आँखों को।
‘तू म’इनवाइट्स?’ आवाज में लड़की जैसी तुतलाहट थी।
सियार ने धीरे से अपना सिर हिलाया। सियार ने कंधे उचकाए और अपने साथी की ओर मुड़ गया। वे फुसफुसाते हुए और बनावटी निराशा भरी आवाज़ों में बातचीत करते रहे। सियार ने अपना विंडचीटर उतार दिया था, और जैसे ही उसने बारमैन द्वारा दी गई ड्रिंक लेने के लिए हाथ बढ़ाया, टी-शर्ट के नीचे उसके कंधों और पीठ की मांसपेशियां फड़क उठीं।
बारमैन बहुत खुश हुआ। एक सीधा-सादा आदमी? नहीं, ऐसा हो ही नहीं सकता, वो यहाँ होता ही नहीं। और न ही कोई मर्दाना आदमी जो किसी साथी की तलाश में हो, या फिर उसने बेचारी कोरिन को क्यों ठुकरा दिया जब उसने ड्रिंक माँगी थी। ज़रूर कोई... कितना बढ़िया! एक सुंदर नौजवान मर्दाना आदमी जो किसी बूढ़ी रानी को अपने घर ले जाने की तलाश में है। आज रात तो खूब मज़ा आने वाला है! आधी रात से ठीक पहले, कुछ औरतें वहाँ आकर बैठने लगीं, पीछे की तरफ़ बैठ गईं, भीड़ का जायज़ा लेने लगीं और कभी-कभी फुसफुसाकर बातचीत करने के लिए बारमैन को इशारा करतीं। बारमैन वापस बार में जाता और उनमें से किसी एक 'लड़की' को इशारा करता।
'श्रीमती पियरे आपसे कुछ बात करना चाहते हैं, प्रिय। कोशिश करो कि तुम सबसे अच्छी दिखो, और भगवान के लिए पिछली बार की तरह रोना मत।'
आधी रात के कुछ ही समय बाद सियार ने अपना आभास दिया। पीछे बैठे दो आदमी उसे कई मिनटों से घूर रहे थे। वे अलग-अलग मेजों पर बैठे थे और कभी-कभी एक-दूसरे को तीखी निगाहों से देख रहे थे। दोनों अधेड़ उम्र के थे; एक मोटा था, जिसकी छोटी-छोटी आँखें मोटी पलकों में धँसी हुई थीं और गर्दन के पीछे चर्बी की परतें कॉलर तक फैली हुई थीं। वह भद्दा और सूअर जैसा दिख रहा था। दूसरा पतला, आकर्षक था, जिसकी गर्दन गिद्ध जैसी थी और सिर गंजा था जिस पर कुछ बाल करीने से चिपके हुए थे। उसने एक सुंदर ढंग से सिला हुआ सूट पहना था जिसमें तंग पतलून और एक जैकेट थी जिसकी आस्तीनों पर कफ पर लेस की हल्की सी झलक दिख रही थी। गले में रेशम का एक बहता हुआ स्कार्फ कलात्मक रूप से बंधा हुआ था।

सियार ने सोचा, इसका कला, फैशन या हेयरस्टाइलिंग की दुनिया से कुछ लेना- देना होगा।
मोटे आदमी ने बारमैन को इशारा किया और उसके कान में कुछ फुसफुसाया। एक बड़ा सा नोट बारमैन की तंग पतलून में सरक गया। वह बार के फर्श पर वापस लौट आया।
'महाशय जानना चाहते हैं कि क्या आप उनके साथ एक गिलास शैंपेन पीना चाहेंगे,' बारमैन ने फुसफुसाते हुए कहा और उसे व्यंग्य भरी नजरों से देखा। सियार ने अपनी व्हिस्की नीचे रख दी।
उसने स्पष्ट स्वर में कहा, ताकि बार के चारों ओर बैठी समलैंगिक महिलाएं भी सुन सकें, 'महाशय से कह दीजिए कि वह मुझे आकर्षित नहीं करते।'
वहाँ दहशत भरी साँसें सुनाई दीं, और दुबले-पतले कई युवक अपनी बार-स्टूल से फिसलकर पास आ गए ताकि वे एक भी शब्द न चूकें। बारमैन की आँखें दहशत से चौड़ी हो गईं।
‘वह तुम्हें शैंपेन पिला रहा है, डार्लिंग। हम उसे जानते हैं, वह बहुत अमीर है। तुमने कमाल कर दिया।’
जवाब में सियार अपनी बार-स्टूल से नीचे उतरा, व्हिस्की का गिलास उठाया और दूसरी बूढ़ी रानी के पास इठलाते हुए चला गया।
‘क्या आप मुझे यहाँ बैठने की अनुमति देंगे?’ उसने पूछा। ‘एक मुझे शर्मिंदा कर रहा है।’
कलात्मक स्वभाव वाला व्यक्ति खुशी से लगभग बेहोश हो गया। कुछ मिनट बाद, अपमान से अभी भी गुस्से में घूरता हुआ मोटा आदमी बार से चला गया, जबकि उसका प्रतिद्वंद्वी, अपनी पतली सी बूढ़ी हथेली को मेज पर बैठे युवा अमेरिकी के हाथ पर लापरवाही से रखे हुए, अपने नए दोस्त को बता रहा था कि कुछ लोगों का व्यवहार कितना घिनौना होता है।
जैकाल और उसका साथी एक बजे के बाद बार से निकले। कुछ मिनट पहले, जूलस बर्नार्ड नाम के उस समलैंगिक ने जैकाल से पूछा था कि वह कहाँ रह रहा है। शर्मिंदा होकर जैकाल ने स्वीकार किया कि उसके पास रहने की कोई जगह नहीं है और वह पूरी तरह से कंगाल है, एक बदकिस्मत छात्र। बर्नार्ड को तो अपनी किस्मत पर यकीन ही नहीं हो रहा था। उसने अपने युवा मित्र को बताया कि संयोग से उसके पास एक सुंदर फ्लैट है, जो बहुत अच्छे से सजा हुआ है और एकदम शांत है। वह अकेला रहता है, उसे कभी कोई परेशान नहीं करता और ब्लॉक के पड़ोसियों

से उसका कोई वास्ता नहीं है, क्योंकि अतीत में वे बेहद बदतमीज़ रहे थे। अगर युवा मार्टिन पेरिस में उसके साथ रहे तो उसे बहुत खुशी होगी। एक बार फिर, अत्यंत कृतज्ञता जताते हुए, जैकाल मान गया। बार से निकलने से ठीक पहले वह शौचालय में गया (वहाँ केवल एक ही था) और कुछ मिनट बाद आँखों में गहरा काजल, गालों पर पाउडर और होंठों पर लिपस्टिक लगाए बाहर आया। बर्नार्ड काफी नाराज लग रहा था, लेकिन बार में रहते हुए उसने इसे छिपा लिया।
बाहर फुटपाथ पर खड़े होकर उसने विरोध किया, 'मुझे तुम ये सब कपड़े पहने हुए पसंद नहीं हो। इससे तुम अंदर बैठे उन सभी बदसूरत और समलैंगिक लड़कों जैसे दिखते हो। तुम बहुत सुंदर नौजवान हो। तुम्हें इन सब कपड़ों की ज़रूरत नहीं है।'
'माफ़ करना जूल्स, मुझे लगा इससे तुम्हारे लिए चीज़ें बेहतर हो जाएँगी। घर पहुँचते ही मैं इसे पूरी तरह से साफ़ कर दूँगा।'
थोड़ा शांत होकर बर्नार्ड अपनी कार की ओर आगे बढ़ा। उसने अपने नए दोस्त को घर जाने से पहले, उसका सामान लेने के लिए पहले गैरे डी'ऑस्टरलिट्ज़ तक छोड़ने पर सहमति जताई। पहले चौराहे पर एक पुलिसकर्मी सड़क पर आया और उन्हें रुकने का इशारा किया। जैसे ही पुलिसकर्मी का सिर ड्राइवर की तरफ की खिड़की पर झुका, जैकाल ने अंदर की बत्ती जला दी। पुलिसकर्मी एक मिनट तक देखता रहा, फिर उसके चेहरे पर घृणा का भाव आ गया।
‘चलो,’ उसने बिना देर किए आदेश दिया। जैसे ही कार आगे बढ़ी, वह बुदबुदाया, ‘पैदल चलो।’
स्टेशन से ठीक पहले एक और पड़ाव था, और पुलिसकर्मी ने कागजात मांगे। सियार ने मोहक अंदाज में खिलखिलाकर हँसी।
‘क्या बस यही चाहिए?’ उसने व्यंग्यपूर्ण लहजे में पूछा।
‘दफा हो जाओ,’ पुलिसकर्मी ने कहा और चला गया।
बर्नार्ड ने दबी आवाज़ में विरोध करते हुए कहा, 'उन्हें इस तरह परेशान मत करो। तुम हमें गिरफ्तार करवा दोगे।'
जैकल ने सामान रखने वाले काउंटर से अपने दो सूटकेस निकाले और वहां मौजूद क्लर्क की घृणा भरी नजरों के अलावा और कुछ नहीं किया, और उन्हें बर्नार्ड की कार के पीछे वाले हिस्से में रख दिया।
बर्नार्ड के फ्लैट तक जाने के रास्ते में एक और पड़ाव था। इस बार वहाँ दो सीआरएस जवान थे, एक सार्जेंट और दूसरा सिपाही, जिन्होंने बर्नार्ड के घर

से कुछ सौ मीटर दूर एक चौराहे पर उन्हें रोका। सिपाही यात्री दरवाजे के पास आया और जैकाल के चेहरे को घूरने लगा। फिर वह पीछे हट गया।
‘हे भगवान! तुम दोनों कहाँ जा रहे हो?’ वह गुर्राया।
सियार ने मुंह फुला लिया।
‘तुम्हें क्या लगता है, डकी?’
सीआरएस के जवान ने घृणा से अपना चेहरा बिगाड़ लिया।
‘तुम जैसे गंदे लोग मुझे बीमार कर देते हो। यहाँ से चले जाओ।’
'तुम्हें उनके पहचान पत्र देखने के लिए कहना चाहिए था,' सार्जेंट ने सिपाही से कहा जैसे ही बर्नार्ड की कार की टेल-लाइट्स सड़क पर ओझल हो गईं।
‘अरे, रहने दो सार्जेंट,’ सिपाही ने विरोध करते हुए कहा, ‘हम एक ऐसे आदमी की तलाश कर रहे हैं जिसने एक बैरोनेस के साथ दुष्कर्म किया और उसे मार डाला, न कि दो पागल औरतों की।’
बर्नार्ड और जैकल दोपहर दो बजे तक फ्लैट के अंदर पहुँच गए थे। जैकल ने ड्राइंग रूम में स्टूडियो सोफे पर रात बिताने की ज़िद की और बर्नार्ड ने उसकी आपत्तियों को दबा दिया, हालाँकि उसने युवा अमेरिकी को कपड़े उतारते हुए बेडरूम के दरवाजे से झाँक लिया। जाहिर तौर पर, न्यूयॉर्क के इस हट्टे- कट्टे छात्र को रिझाने की कोशिश एक नाजुक लेकिन रोमांचक चुनौती साबित होने वाली थी।
रात में सियार ने सुसज्जित और शालीन ढंग से सजाए गए रसोईघर में फ्रिज की जाँच की और पाया कि उसमें एक व्यक्ति के लिए तीन दिन का खाना तो है, लेकिन दो लोगों के लिए नहीं। सुबह बर्नार्ड ताज़ा दूध लेने बाहर जाना चाहता था, लेकिन सियार ने उसे रोक लिया और ज़िद की कि उसे अपनी कॉफ़ी में डिब्बाबंद दूध ही पसंद है। इसलिए उन्होंने सुबह का समय घर के अंदर बातें करते हुए बिताया। सियार ने दोपहर की टीवी खबरें देखने की ज़िद की।
पहला मुद्दा मैडम ले बैरोन डे ला चालोनियर की अड़तालीस घंटे पहले हुई हत्या के हत्यारे की तलाश से संबंधित था। जूल्स बर्नार्ड दहशत से चीख पड़ी।
‘ओह, मुझे हिंसा बिल्कुल पसंद नहीं है,’ उसने कहा।
अगले ही पल स्क्रीन पर एक चेहरा दिखाई दिया: एक आकर्षक युवा चेहरा, भूरे बालों और मोटे फ्रेम वाले चश्मे के साथ, जो उद्घोषक के अनुसार, हत्यारे,

मार्टी शुल्बर्ग नाम के एक अमेरिकी छात्र का चेहरा था। क्या किसी ने इस आदमी को देखा था या उसके बारे में कोई जानकारी थी...?
सोफे पर बैठे बर्नार्ड ने मुड़कर ऊपर देखा। आखिरी बात जो उसके दिमाग में आई थी, वह यह थी कि उद्घोषक गलत था, क्योंकि उसने कहा था कि शुल्बर्ग की आंखें नीली थीं; लेकिन उसकी गर्दन को जकड़े हुए लोहे की उंगलियों के पीछे से जो आंखें उसे घूर रही थीं, वे धूसर थीं...
कुछ मिनट बाद, हॉल में बने कोट रखने वाले अलमारी का दरवाजा जूलस बर्नार्ड के घूरते हुए विकृत चेहरे, बिखरे बालों और बाहर निकली जीभ पर बंद हो गया। सियार ने ड्राइंग रूम में रैक से एक पत्रिका निकाली और दो दिन इंतजार करने के लिए बैठ गया।
उन दो दिनों के दौरान पेरिस में अभूतपूर्व तलाशी ली गई। सबसे आलीशान और महंगे होटलों से लेकर सबसे घटिया वेश्यालयों तक, हर जगह तलाशी ली गई और मेहमानों की सूची खंगाली गई; हर गेस्ट हाउस, गेस्ट हाउस, हॉस्टल और हॉस्टल की तलाशी ली गई। बार, रेस्तरां, नाइट क्लब, कैबरे और कैफे में सादे कपड़ों में पुलिसकर्मी घूम रहे थे, जो वेटर, बारमैन और बाउंसरों को वांछित व्यक्ति की तस्वीर दिखा रहे थे। ओएएस के हर ज्ञात समर्थक के घर या फ्लैट पर छापा मारा गया और तलाशी ली गई। हत्यारे से मिलते-जुलते सत्तर से अधिक युवकों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया, जिन्हें बाद में सामान्य माफी मांगकर रिहा कर दिया गया, वह भी केवल इसलिए क्योंकि वे सभी विदेशी थे और विदेशियों के साथ स्थानीय लोगों की तुलना में अधिक विनम्रता से पेश आना पड़ता है।
सड़कों पर, टैक्सियों में और बसों में सवार लाखों लोगों को रोका गया और उनके कागजात की जांच की गई। पेरिस के सभी प्रमुख प्रवेश मार्गों पर बैरिकेड लगा दिए गए, और देर रात टहलने वालों को एक या दो मील के दायरे में कई बार रोका गया।
अंडरवर्ल्ड में कोर्सिकन लोग सक्रिय थे, दलालों, वेश्याओं, दलालों, जेबकतरों, गुंडों, चोरों और ठगों के अड्डों में चुपचाप घुसपैठ करते हुए चेतावनी दे रहे थे कि जो कोई भी जानकारी छिपाएगा उसे यूनियन के क्रोध का सामना करना पड़ेगा, जिसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं।
राज्य के एक लाख कर्मचारी, वरिष्ठ जासूसों से लेकर सैनिकों और पुलिसकर्मियों तक, विभिन्न पदों पर कार्यरत थे और सतर्क थे। अनुमानित

पचास हजार अपराधी गिरोह और उससे जुड़े अन्य गिरोहों के सदस्य हर आने-जाने वाले चेहरे पर नजर रख रहे थे। दिन-रात पर्यटन उद्योग से जीविका कमाने वालों को भी सतर्क रहने के निर्देश दिए गए थे। छात्रों के कैफे, बार, टॉक क्लब, सामाजिक समूह और यूनियनों में युवा दिखने वाले जासूसों की घुसपैठ कराई गई थी। विदेशी छात्रों को फ्रांसीसी परिवारों में बसाने में विशेषज्ञता रखने वाली एजेंसियों का दौरा किया गया और उन्हें चेतावनी दी गई।
24 अगस्त की शाम को कमिश्नर क्लाउड लेबेल, जिन्होंने शनिवार की दोपहर कार्डिगन और पैबंद लगे पतलून पहनकर अपने बगीचे में टहलते हुए बिताई थी, को मंत्री के निजी कार्यालय में उपस्थित होने के लिए टेलीफोन द्वारा बुलाया गया। उन्हें लेने के लिए शाम छह बजे एक कार आई।
मंत्री जी को देखकर वह आश्चर्यचकित रह गए। फ्रांस के संपूर्ण आंतरिक सुरक्षा तंत्र के ऊर्जावान प्रमुख थके हुए और तनावग्रस्त लग रहे थे। ऐसा लग रहा था मानो अड़तालीस घंटों में ही उनकी उम्र बढ़ गई हो, और उनकी आँखों के नीचे अनिद्रा की लकीरें दिखाई दे रही थीं। उन्होंने लेबेल को अपनी मेज के सामने वाली कुर्सी की ओर इशारा किया, और स्वयं उस घूमने वाली कुर्सी पर बैठ गए जिसमें उन्हें प्लेस ब्यूवाउ के दृश्य वाली खिड़की से मेज तक घूमकर वापस आने का शौक था। इस बार उन्होंने खिड़की से बाहर नहीं देखा।
उन्होंने संक्षेप में कहा, ‘हम उसे ढूंढ नहीं पा रहे हैं। वह गायब हो गया है, मानो धरती से ही मिट गया हो। हमें पूरा यकीन है कि ओएएस के लोग भी उससे ज्यादा नहीं जानते कि वह कहां है। गुप्तचरों ने भी उसे न देखा है और न ही उसकी आवाज सुनी है। यूनियन कोर्स का मानना है कि वह शहर में नहीं हो सकता।’ वह रुका और आह भरी, मेज के उस पार बैठे उस छोटे जासूस को निहारते हुए, जिसने कई बार पलकें झपकाईं लेकिन कुछ नहीं कहा।
'मुझे नहीं लगता कि हमें कभी इस बात का अंदाजा था कि पिछले दो हफ्तों से आप किस तरह के आदमी की तलाश में हैं। आपका क्या विचार है?'
लेबेल ने कहा, 'वह यहीं कहीं है। कल के लिए क्या व्यवस्थाएं हैं?'
मंत्री जी शारीरिक पीड़ा से गुजर रहे प्रतीत हो रहे थे।
राष्ट्रपति अपने कार्यक्रम में कोई बदलाव नहीं करेंगे और न ही उसमें कोई फेरबदल होने देंगे। मैंने आज सुबह उनसे बात की। वे संतुष्ट नहीं थे। इसलिए कल का कार्यक्रम पहले जैसा ही रहेगा। वे सुबह दस बजे आर्क डी ट्रायम्फ के

नीचे शाश्वत लौ को पुनः प्रज्वलित करेंगे। ग्यारह बजे नोट्रे डेम में प्रार्थना सभा होगी। दोपहर 12:30 बजे मोंटवेलरियन में शहीद प्रतिरोधियों के स्मारक पर निजी ध्यान करेंगे, फिर दोपहर के भोजन और विश्राम के लिए महल लौटेंगे। दोपहर में एक समारोह होगा, जिसमें प्रतिरोध आंदोलन के दस पूर्व सैनिकों को मेडल्स डे ला लिबरेशन से सम्मानित किया जाएगा, जिनकी प्रतिरोध में सेवाओं को अब कुछ देर से मान्यता मिल रही है।
‘यह कार्यक्रम शाम चार बजे गैरे डे मोंटपार्नास के सामने वाले चौक पर होगा। उन्होंने खुद यह जगह चुनी है। जैसा कि आप जानते हैं, नए स्टेशन की नींव का काम पहले ही शुरू हो चुका है, जो वर्तमान स्थान से पांच सौ मीटर पीछे बनाया जाएगा। जहां अभी स्टेशन की इमारतें खड़ी हैं, वहां एक ऑफिस ब्लॉक और शॉपिंग कॉम्प्लेक्स बनाया जाएगा। अगर निर्माण कार्य योजना के अनुसार आगे बढ़ता है, तो शायद यह आखिरी मुक्ति दिवस होगा जब स्टेशन का पुराना बाहरी हिस्सा अछूता रहेगा।’
लेबेल ने पूछा, 'भीड़ नियंत्रण के बारे में क्या?'
“जी हां, हम सब इस पर काम कर रहे हैं। हर समारोह में भीड़ को पहले से कहीं ज़्यादा दूर रखा जाएगा। हर समारोह से कई घंटे पहले स्टील की बैरिकेड्स लगा दी जाती हैं, फिर बैरिकेड के अंदर के पूरे इलाके की ऊपर से नीचे तक तलाशी ली जाती है, जिसमें सीवर भी शामिल हैं। हर घर और फ्लैट की तलाशी ली जाएगी। हर समारोह से पहले और उसके दौरान, हर पास की छत पर बंदूकधारी पहरेदार तैनात रहेंगे जो सामने की छतों और खिड़कियों पर नज़र रखेंगे। अधिकारियों और समारोह में भाग लेने वालों के अलावा किसी को भी बैरिकेड्स पार करने की अनुमति नहीं होगी।”
इस बार हमने असाधारण कदम उठाए हैं। नोट्रे डेम के अंदर और बाहर, हर कोने में पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे, छत तक और मीनारों के बीच भी। प्रार्थना सभा में भाग लेने वाले सभी पुजारियों, सहायक पुजारियों और गायकों की भी गुप्त हथियारों के लिए तलाशी ली जाएगी। पुलिस और सीआरएस को भी कल सुबह तड़के विशेष बैज जारी किए जा रहे हैं, ताकि अगर कोई सुरक्षाकर्मी बनकर आने की कोशिश करे तो उसे पकड़ा जा सके।
हमने पिछले चौबीस घंटे चुपके से उस सिट्रोएन कार में बुलेटप्रूफ खिड़कियाँ लगाने में बिताए हैं जिसमें राष्ट्रपति यात्रा करेंगे। वैसे, इस बारे में किसी को कुछ मत बताना; राष्ट्रपति को भी पता नहीं चलना चाहिए।

वे बहुत क्रोधित होंगे। मारू हमेशा की तरह उन्हें ड्राइव करके ले जाएगा, और उसे सामान्य से तेज़ गति से गाड़ी चलाने के लिए कहा गया है, कहीं ऐसा न हो कि हमारा मित्र कार की तस्वीर खींचने की कोशिश करे। ड्यूक्रेट ने विशेष रूप से लंबे कद के अधिकारियों और पदाधिकारियों का एक दल तैनात किया है ताकि राष्ट्रपति को बिना पता चले उन्हें घेर लिया जा सके।
इसके अलावा, जो भी उसके दो सौ मीटर के दायरे में आएगा, उसकी तलाशी ली जाएगी
– कोई अपवाद नहीं। इससे राजनयिक कोर में अफरा-तफरी मच जाएगी और प्रेस विद्रोह की धमकी दे रही है। कल तड़के सभी प्रेस और राजनयिक पास अचानक बदल दिए जाएंगे, कहीं ऐसा न हो कि जैकाल उनमें से एक बनकर घुसने की कोशिश करे। जाहिर है, जिसके पास भी कोई पैकेज या लंबी दिखने वाली वस्तु होगी, उसे देखते ही तुरंत हटा दिया जाएगा। खैर, क्या आपके पास कोई सुझाव है?
लेबेल ने एक पल सोचा, अपने घुटनों के बीच हाथों को मरोड़ते हुए, जैसे कोई स्कूली बच्चा अपने प्रधानाध्यापक को समझाने की कोशिश कर रहा हो। सच तो यह है कि पाँचवें गणतंत्र की कुछ कार्यप्रणालियाँ उसे एक ऐसे पुलिसकर्मी के लिए काफी जटिल लग रही थीं, जिसने गश्त से शुरुआत की थी और अपना पूरा जीवन अपराधियों को पकड़ने में बिताया था, वो भी दूसरों से कहीं अधिक सतर्क रहकर।
उन्होंने काफी देर बाद कहा, “मुझे नहीं लगता कि वह खुद को जान से मारने का जोखिम उठाएगा। वह भाड़े का हत्यारा है, वह पैसों के लिए हत्या करता है। वह भागकर अपना पैसा खर्च करना चाहता है। और उसने जुलाई के आखिरी आठ दिनों में यहाँ की अपनी रेकी यात्रा के दौरान अपनी योजना पहले से ही बना ली थी। अगर उसे ऑपरेशन की सफलता या भाग निकलने की संभावना पर कोई संदेह होता, तो वह अब तक वापस लौट चुका होता।”
तो उसके मन में ज़रूर कोई तरकीब रही होगी। वह खुद समझ गया होगा कि साल के एक दिन, मुक्ति दिवस पर, जनरल डी गॉल का स्वाभिमान उन्हें घर पर रहने से रोक देगा, चाहे व्यक्तिगत खतरा कितना भी बड़ा क्यों न हो। वह शायद यह भी समझ गया होगा कि सुरक्षा उपाय, खासकर उसकी मौजूदगी का पता चलने के बाद, उतने ही सख्त होंगे जितना आपने बताया है, महाशय मंत्री जी। और फिर भी वह वापस नहीं लौटा।
लेबेल उठे और प्रोटोकॉल का उल्लंघन होने के बावजूद, कमरे में इधर-उधर टहलने लगे।

‘वह पीछे नहीं हटा। और वह पीछे नहीं हटेगा। क्यों? क्योंकि उसे लगता है कि वह ऐसा कर सकता है और बच निकल सकता है। इसलिए उसने ज़रूर कोई ऐसा तरीका सोचा होगा जो किसी और ने कभी नहीं सोचा होगा। यह रिमोट कंट्रोल से चलने वाला बम या राइफल हो सकती है। लेकिन बम का पता चल सकता है, और इससे सब कुछ बर्बाद हो जाएगा। इसलिए यह बंदूक है। इसीलिए उसे कार से फ्रांस में प्रवेश करना पड़ा। बंदूक कार में थी, शायद चेसिस से वेल्ड की हुई या पैनलिंग के अंदर।’
‘लेकिन वह डी गॉल के पास बंदूक नहीं ले जा सकता!’ मंत्री चिल्लाया। ‘कुछ लोगों को छोड़कर कोई भी उसके पास नहीं जा सकता, और उनकी भी तलाशी ली जा रही है। भीड़ को रोकने के लिए बनी बैरिकेडिंग के घेरे के अंदर वह बंदूक कैसे ले जा सकता है?’
लेबेल ने टहलना बंद कर दिया और मंत्री की ओर मुड़ गया। उसने कंधे उचका दिए। मुझे नहीं पता। लेकिन उसे लगता है कि वह कर सकता है, और कुछ बदकिस्मती और कुछ अच्छी किस्मत के बावजूद वह अभी तक असफल नहीं हुआ है। दुनिया की दो सर्वश्रेष्ठ पुलिस बलों द्वारा धोखा दिए जाने और पीछा किए जाने के बावजूद, वह यहाँ है। बंदूक के साथ, छिपा हुआ, शायद किसी और चेहरे और पहचान पत्र के साथ। एक बात निश्चित है, मंत्री जी। वह जहाँ भी हो, उसे कल सामने आना ही होगा। जब वह सामने आएगा, तो उसकी असलियत सामने आ जाएगी। और यह एक ही बात पर निर्भर करता है - जासूसों की पुरानी कहावत - अपनी आँखें खुली रखो। ‘सुरक्षा उपायों के संबंध में मैं और कुछ नहीं कह सकता, मंत्री जी। वे एकदम सही, बल्कि बेहद सख्त प्रतीत होते हैं। तो क्या मैं प्रत्येक समारोह में घूमकर उन्हें देखने की कोशिश कर सकता हूँ? बस यही एक काम बचा है।’
मंत्री जी निराश थे। उन्हें उम्मीद थी कि जासूस से कोई प्रेरणा मिलेगी, कोई शानदार खुलासा होगा, जिसे बूवियर ने दो हफ्ते पहले फ्रांस का सर्वश्रेष्ठ जासूस बताया था। और उस व्यक्ति ने उन्हें सतर्क रहने का सुझाव दिया था। मंत्री जी खड़े हुए।
‘बिल्कुल,’ उसने ठंडे स्वर में कहा। ‘कृपया ऐसा ही करें, महाशय कमिश्नर।’ उसी शाम जैकल ने जूल्स बर्नार्ड के बेडरूम में अपनी तैयारियाँ शुरू कीं। बिस्तर पर फ्रांसीसी युद्ध के अनुभवी आंद्रे मार्टिन के घिसे हुए काले जूते, भूरे ऊनी मोज़े, पतलून और खुली गर्दन वाली कमीज़, एक पंक्ति में लगे सैन्य रिबन वाला लंबा ओवरकोट और काली बेरेट रखी थी। उसने ऊपर ब्रसेल्स में

जाली बनाए गए वे कागज़ात फेंक दिए, जिनसे इन कपड़ों को पहनने वाले को उसकी नई पहचान मिली थी।
इनके बगल में उसने लंदन में बनाया हुआ हल्का वेबिंग हार्नेस और एल्युमिनियम जैसी दिखने वाली पांच स्टील की नलियाँ रखीं, जिनमें उसकी राइफल का स्टॉक, ब्रीच, बैरल, साइलेंसर और टेलीस्कोपिक साइट लगी हुई थी। इनके बगल में काला रबर का स्टड पड़ा था, जिसमें पांच विस्फोटक गोलियां भरी हुई थीं।
उसने रबर के खोल से दो गोलियां निकालीं और रसोई के सिंक के नीचे रखे टूलबॉक्स से प्लायर का इस्तेमाल करके सावधानीपूर्वक उनके नोक खोल दिए। प्रत्येक गोली के अंदर से उसने बारूद की छोटी सी पेंसिल जैसी मात्रा निकाल ली। उसने इन्हें रख लिया; बेकार हो चुके कारतूसों के खोल कूड़ेदान में फेंक दिए। उसके पास अभी भी तीन गोलियां बची थीं, और ये काफी थीं।
दो दिन से उसने दाढ़ी नहीं बनाई थी, और ठुड्डी पर हल्की सुनहरी दाढ़ी उग आई थी। पेरिस पहुँचने पर उसने जो धारदार रेज़र खरीदा था, उससे वह इसे बेतरतीब ढंग से शेव करने वाला था। बाथरूम की शेल्फ पर आफ्टर-शेव की बोतलें भी पड़ी थीं, जिनमें असल में वही सफ़ेद बालों का रंग था जो उसने पहले पास्टर जेन्सेन के लिए इस्तेमाल किया था, और साथ ही सॉल्वेंट स्पिरिट भी। उसने मार्टी शुल्बर्ग के भूरे रंग को पहले ही धो दिया था, और बाथरूम के शीशे के सामने बैठकर वह अपने सुनहरे बालों को धीरे-धीरे छोटा करता गया, यहाँ तक कि सिर के ऊपर से बालों के गुच्छे बेतरतीब ढंग से ब्रश-कट की तरह निकल आए। उसने आखिरी बार यह सुनिश्चित करने के लिए जाँच की कि सुबह की सभी तैयारियाँ ठीक से हो गई हैं, फिर अपने लिए एक आमलेट बनाया, टेलीविजन के सामने बैठ गया और सोने के समय तक एक विविध कार्यक्रम देखता रहा।
रविवार, 25 अगस्त, 1963, भीषण गर्मी थी। यह गर्मी की लहर का चरम था, ठीक एक वर्ष और तीन दिन पहले जब लेफ्टिनेंट-कर्नल जीन-मैरी बैस्टियन-थिरी और उनके साथियों ने पेटिट-क्लैमार्ट के चौराहे पर चार्ल्स डी गॉल को गोली मारने का प्रयास किया था। यद्यपि 1962 की उस शाम के किसी भी साजिशकर्ता को इसका एहसास नहीं था, लेकिन उनके इस कृत्य ने घटनाओं की एक ऐसी श्रृंखला को जन्म दिया था जो अंततः उस गर्मी के रविवार की दोपहर को समाप्त हुई, जब छुट्टी के दिन शहर में भीषण गर्मी पड़ रही थी।

लेकिन अगर पेरिस उन्नीस साल पहले जर्मनों से अपनी मुक्ति का जश्न मनाने के लिए छुट्टी पर था, तो उनमें से पचहत्तर हज़ार लोग नीले रंग के ब्लाउज़ और दो-पीस सूट पहने हुए थे, जो बाकी व्यवस्था बनाए रखने की कोशिश में पसीना बहा रहे थे। प्रेस में उत्साहपूर्ण प्रचार के साथ आयोजित मुक्ति दिवस समारोह में भारी भीड़ उमड़ी। हालांकि, आने वाले अधिकांश लोगों को राष्ट्रपति की एक झलक भी नहीं मिली, क्योंकि वे गार्डों और पुलिसकर्मियों की मजबूत कतारों के बीच से गुज़रते हुए समारोह में शामिल होने पहुंचे। जनरल डी गॉल को अधिकारियों और सिविल सेवकों के एक समूह द्वारा सार्वजनिक दृष्टि से घेर लिया गया था, जो हालांकि उपस्थित होने के लिए कहे जाने पर प्रसन्न थे, लेकिन यह ध्यान देने में विफल रहे कि उनकी एक सामान्य विशेषता उनकी ऊंचाई थी, और यह कि प्रत्येक व्यक्ति अपने तरीके से राष्ट्रपति के लिए मानव ढाल के रूप में कार्य कर रहा था। इसके अलावा, जनरल डी गॉल अपने चारों अंगरक्षकों से भी घिरे हुए थे।
सौभाग्य से, उनकी कमज़ोर दृष्टि, जो सार्वजनिक रूप से चश्मा न पहनने के उनके इनकार से और भी बढ़ गई थी, ने उन्हें यह देखने से रोक दिया कि उनकी प्रत्येक कोहनी के पीछे और उनके दोनों ओर रोजर टेसियर, पॉल कोमिति, रेमंड सासिया और हेनरी डी'जौडर के विशालकाय शरीर मौजूद थे।
प्रेस में उन्हें 'गोरिल्ला' के नाम से जाना जाता था और कई लोगों का मानना था कि यह नाम महज़ उनकी शारीरिक बनावट के कारण था। दरअसल, उनके चलने के इस तरीके के पीछे एक व्यावहारिक कारण था। हर व्यक्ति युद्ध कला में माहिर था, उनके सीने और कंधों की मांसपेशियां बेहद मजबूत थीं। मांसपेशियों में खिंचाव के कारण, पीठ की मांसपेशियां उनकी बाहों को बगल से बाहर की ओर धकेलती थीं, जिससे हथेलियां शरीर से काफी दूर झूलती थीं। इसके अलावा, हर व्यक्ति अपनी पसंदीदा स्वचालित बंदूक को अपनी बाईं बगल में रखता था, जिससे उनका गोरिल्ला जैसा अंदाज़ और भी स्पष्ट हो जाता था। वे आधे खुले हाथों से चलते थे, मानो किसी भी खतरे का आभास होते ही बंदूक को कंधे के होल्स्टर से निकालकर गोली चलाने के लिए तैयार हों।
लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। आर्क डी ट्रायम्फ में समारोह ठीक योजना के अनुसार संपन्न हुआ, जबकि प्लेस डी ल'एटॉइल के ऊपर बने विशाल छतों वाले मैदान में सैकड़ों लोग दूरबीन और राइफलों के साथ चिमनियों के पीछे छिपकर निगरानी और सुरक्षा कर रहे थे। जैसे ही राष्ट्रपति का काफिला अंततः चैंप्स एलिसीज़

से होते हुए नोट्रे डेम की ओर बढ़ा, सभी ने राहत की सांस ली और नीचे उतरने लगे।
गिरजाघर में भी यही हाल था। पेरिस के कार्डिनल आर्कबिशप ने धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराया, उनके साथ धर्माधिकारी और अन्य पादरी भी थे, जिन्हें वस्त्र धारण करते समय निगरानी में रखा गया था। ऑर्गन के स्थान पर दो व्यक्ति राइफलों के साथ बैठे थे (यहां तक कि आर्कबिशप को भी उनकी मौजूदगी का पता नहीं था) और नीचे जमा भीड़ पर नजर रख रहे थे। उपासकों के बीच सादे कपड़ों में भारी संख्या में पुलिसकर्मी मौजूद थे, जो न तो घुटने टेक रहे थे और न ही आंखें बंद कर रहे थे, बल्कि वे भी बाकी लोगों की तरह ही पूरी श्रद्धा से एक पुराने पुलिसकर्मी की प्रार्थना कर रहे थे: 'हे प्रभु, जब मैं ड्यूटी पर हूं तब ऐसा न हो।'
बाहर, गिरजाघर के दरवाजे से दो सौ मीटर की दूरी पर खड़े कई राहगीरों को, जब उन्होंने अपनी जैकेट के अंदर हाथ डाला, तो वहां से हटा दिया गया। एक व्यक्ति अपनी बगल खुजा रहा था, दूसरा सिगरेट का डिब्बा निकालने जा रहा था। फिर भी कुछ नहीं हुआ। न छत से राइफल की आवाज आई, न ही बम की धीमी आवाज। पुलिसकर्मियों ने आपस में भी तलाशी ली, यह सुनिश्चित करने के लिए कि उनके साथियों के पास उसी सुबह जारी किया गया अनिवार्य बैज हो, ताकि जैकाल उसकी नकल करके पुलिसकर्मी होने का ढोंग न कर सके। एक सीआरएस जवान जिसका बैज खो गया था, उसे मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया और एक वैन में बिठा दिया गया। उससे उसकी सबमशीन कार्बाइन छीन ली गई, और उसे शाम तक रिहा नहीं किया गया। तब भी, उसके बीस साथियों को, जिन्होंने उसे व्यक्तिगत रूप से पहचाना और उसकी गवाही दी, पुलिस को यह समझाने में समय लगा कि वह वही व्यक्ति है जो वह होने का दावा कर रहा था।
मोंटवैलेरियन में माहौल बेहद तनावपूर्ण था, हालांकि अगर राष्ट्रपति ने इसे महसूस भी किया तो उन्होंने कोई संकेत नहीं दिया। इस मजदूर-बहुल उपनगर में सुरक्षाकर्मियों का अनुमान था कि अस्थि-कलश के अंदर जनरल सुरक्षित रहेंगे। लेकिन जब उनकी कार संकरी गलियों से होते हुए जेल की ओर बढ़ रही थी और मोड़ों पर धीमी हो रही थी, तभी हत्यारा अपना प्रयास कर सकता था।
दरअसल, उस समय सियार कहीं और था।
पियरे वैलरेमी तंग आ चुका था। उसे बहुत गर्मी लग रही थी, उसकी कमीज़ उसकी पीठ से चिपक रही थी, भीगे हुए कपड़े के बावजूद उसकी सबमशीन कार्बाइन का

पट्टा उसके कंधे को रगड़ रहा था, उसे प्यास लग रही थी और दोपहर के भोजन का समय हो चुका था, जिसे वह जानता था कि वह चूक जाएगा। उसे अब सीआरएस में शामिल होने पर पछतावा होने लगा था।
जब वैलरेमी को रूएन स्थित फैक्ट्री की नौकरी से निकाल दिया गया था, तब सब कुछ ठीक चल रहा था। श्रम विनिमय कार्यालय के क्लर्क ने दीवार पर लगे उस पोस्टर की ओर इशारा किया, जिसमें सीआरएस की वर्दी पहने एक मुस्कुराते हुए युवक की तस्वीर थी, जो दुनिया को बता रहा था कि उसके पास एक उज्ज्वल भविष्य और रोमांचक जीवन की संभावनाएं हैं। तस्वीर में वर्दी ऐसी लग रही थी मानो उसे खुद बालेन्सियागा ने सिला हो। इसलिए वैलरेमी ने सेना में भर्ती होने का फैसला किया।
किसी ने भी उस बैरक के जीवन का ज़िक्र नहीं किया था जो किसी जेल जैसी दिखती थी, और जो कभी जेल हुआ करती थी। न तो ड्रिल का, न रात के अभ्यासों का, न खुजली पैदा करने वाले सर्ज ब्लाउज़ का, न ही कड़ाके की ठंड या चिलचिलाती गर्मी में सड़कों के कोनों पर घंटों इंतज़ार करने का, उस महान गिरफ्तारी का जो कभी हुई ही नहीं। लोगों के कागज़ात हमेशा सही होते थे, उनके मिशन हमेशा सामान्य और हानिरहित होते थे, और यह सब किसी को भी शराब पीने पर मजबूर कर सकता था।
और अब पेरिस, रूएन से बाहर की उसकी पहली यात्रा। उसने सोचा था कि वह रोशनी का शहर देख पाएगा। लेकिन ऐसा होने की कोई उम्मीद नहीं थी, क्योंकि दस्ते की कमान सार्जेंट बारबिशे के हाथ में थी। बस वही सब कुछ। 'देखो, वैलरेमी, वह भीड़-भाड़ रोकने वाली बैरियर। उसके पास खड़े रहो, उस पर नज़र रखो, ध्यान रखो कि वह हिले नहीं, और किसी को भी उसके पार मत जाने देना जब तक कि उन्हें अनुमति न दी गई हो, समझे? तुम्हारा काम बहुत ज़िम्मेदारी भरा है, मेरे दोस्त।'
वाकई ज़िम्मेदार! ध्यान रहे, पेरिस मुक्ति दिवस पर वे कुछ ज़्यादा ही उत्साहित हो गए थे, पेरिस की सेना की मदद के लिए प्रांतों से हज़ारों सैनिकों को बुला लिया था। पिछली रात उनके कमरे में दस अलग-अलग शहरों के लोग थे, और पेरिस के सैनिकों को अफवाह थी कि कोई कुछ होने की उम्मीद कर रहा है, वरना इतना हंगामा क्यों? अफवाहें तो अफवाहें ही होती रहती हैं। उनका कभी कोई नतीजा नहीं निकलता।

वैलरेमी ने पीछे मुड़कर रू डे रेनेस की ओर देखा। जिस भीड़-भाड़ से बचाव के लिए वह पहरा दे रहा था, वह सड़क पर एक इमारत से दूसरी इमारत तक फैली एक जंजीर का हिस्सा थी, जो प्लेस डू 18 जून से लगभग ढाई सौ मीटर आगे थी। रेलवे स्टेशन का अग्रभाग चौक से सौ मीटर आगे था, जिसके सामने वह प्रांगण था जहाँ समारोह होना था। दूर से वह प्रांगण के अंदर कुछ लोगों को देख सकता था, जो उन जगहों को चिह्नित कर रहे थे जहाँ पुराने सैनिक, अधिकारी और गार्ड रिपब्लिकन का बैंड खड़ा होगा। तीन घंटे बाकी थे। हे भगवान, क्या यह कभी खत्म नहीं होगा?
बैरियरों की कतार के किनारे-किनारे जनता के पहले समूह इकट्ठा होने लगे थे। उसने सोचा, उनमें से कुछ लोगों में गजब का धैर्य था। सोचो, इस भीषण गर्मी में घंटों इंतज़ार करना, सिर्फ़ तीन सौ मीटर दूर लोगों की भीड़ देखने के लिए और यह जानने के लिए कि डी गॉल उस भीड़ के बीच में कहीं मौजूद हैं। फिर भी, जब भी ओल्ड चार्ली आस-पास होते थे, लोग हमेशा आते ही थे।
जब उसने उस बूढ़े आदमी को देखा, तब तक लगभग सौ-दो सौ लोग बैरिकेड के किनारे बिखरे हुए थे। वह सड़क पर लंगड़ाते हुए चल रहा था, ऐसा लग रहा था मानो वह आधा मील भी पार नहीं कर पाएगा। उसकी काली बेरेट पसीने से भीगी हुई थी और उसका लंबा ओवरकोट उसके घुटने के नीचे लहरा रहा था। उसकी छाती पर पदकों की एक कतार लटक रही थी और खनक रही थी। बैरिकेड के पास खड़ी भीड़ में से कई लोगों ने उसे दया भरी निगाहों से देखा।
वैलरेमी ने सोचा, ये बूढ़े लोग हमेशा अपने पदक संभाल कर रखते हैं, मानो यही उनके जीवन की एकमात्र संपत्ति हो। खैर, शायद उनमें से कुछ के लिए यही एकमात्र चीज़ बची हो। खासकर तब जब आपका एक पैर गोली लगने से कट गया हो। वैलरेमी ने उस बूढ़े आदमी को सड़क पर लंगड़ाते हुए देखते हुए सोचा, शायद जब वह जवान था, जब उसके पास दौड़ने के लिए दो पैर थे, तब वह थोड़ा दौड़ा-भागा होगा। अब वह एक कुचले-पिटे बूढ़े सीगल की तरह दिख रहा था, जिसे सीआरएस के उस आदमी ने एक बार करमाडेक के समुद्र तट पर घूमने के दौरान देखा था।
हे भगवान! सोचो, बाकी के दिन एक पैर से लंगड़ाते हुए, एल्युमिनियम की बैसाखी के सहारे गुजारने पड़ें। बूढ़ा आदमी लड़खड़ाते हुए उसके पास पहुंचा।
‘क्या मैं अंदर आ सकता हूँ?’ उसने झिझकते हुए पूछा।
‘चलिए पिताजी, चलिए आपके कागजात देख लेते हैं।’

उस बूढ़े युद्ध-अनुभवी ने अपनी कमीज़ के अंदर हाथ डाला, जिसे धोने की ज़रूरत थी। उसने दो कार्ड निकाले जिन्हें वैलरेमी ने ले लिया और देखा।
कार्ड पर लिखा था: आंद्रे मार्टिन, फ्रांसीसी नागरिक, उम्र तिरपन वर्ष, जन्म स्थान: कोलमार, अल्सेस; निवासी: पेरिस। दूसरा कार्ड भी उसी व्यक्ति का था। उसके ऊपर लिखा था: 'युद्ध में अपमानित'।
"ठीक है, तुम तो बुरी तरह घायल हो गए हो, दोस्त," वैलरेमी ने सोचा।
उसने हर कार्ड पर लगी तस्वीरों को गौर से देखा। सभी तस्वीरें एक ही व्यक्ति की थीं, लेकिन अलग-अलग समय पर ली गई थीं। उसने ऊपर देखा।
अपनी बेरेट उतार दो।
बूढ़े आदमी ने कार्ड उतारकर हाथ में मसल दिया। वैलरेमी ने सामने वाले चेहरे की तुलना तस्वीर में दिख रहे चेहरों से की। दोनों चेहरे एक जैसे थे। सामने वाला आदमी बीमार लग रहा था। शेविंग करते समय उसे चोट लग गई थी और कटे हुए हिस्सों पर टॉयलेट पेपर के छोटे-छोटे टुकड़े चिपके हुए थे, जहाँ खून के धब्बे अभी भी दिख रहे थे। चेहरा धूसर रंग का था और पसीने से तरबतर था। माथे के ऊपर धूसर बालों के गुच्छे हर कोण पर उठे हुए थे, टोपी उतारने के कारण बिखरे हुए थे। वैलरेमी ने कार्ड वापस कर दिए।
आप वहां किसलिए जाना चाहते हैं?
‘मैं वहीं रहता हूँ,’ बूढ़े आदमी ने कहा। ‘मैं पेंशन पर गुजारा करता हूँ। मेरे पास एक अटारी है।’
वैलरेमी ने कार्ड वापस छीन लिए। पहचान पत्र पर उसका पता 154 रुए डे रेनेस, पेरिस 6ème लिखा था। सीआरएस अधिकारी ने अपने सिर के ऊपर बने घर की ओर देखा। दरवाजे के ऊपर 132 लिखा था। ठीक है, 154 तो सड़क पर थोड़ा आगे ही होगा। किसी बूढ़े आदमी को घर जाने से रोकने का कोई आदेश नहीं था।
‘ठीक है, आगे बढ़ो। लेकिन कोई गड़बड़ मत करना। बिग चार्ली कुछ घंटों में आ जाएगा।’
बूढ़े व्यक्ति ने मुस्कुराते हुए अपने कार्ड एक तरफ रख दिए और अपने एक पैर और बैसाखी पर लगभग लड़खड़ा गए, इसलिए वैलरेमी ने उन्हें संभालने के लिए हाथ बढ़ाया।
‘मुझे पता है। मेरे एक पुराने साथी को यह पदक मिल रहा है। मुझे मेरा पदक दो साल पहले मिला था...’ उसने अपनी छाती पर लगे मेडेल डे ला लिबरेशन को थपथपाया... ‘लेकिन केवल सशस्त्र बलों के मंत्री से।’

वैलरेमी ने पदक को गौर से देखा। तो ये है मुक्ति पदक। इतनी छोटी सी बात के लिए पैर गंवाना कितना अजीब है! उसने अपने अधिकार का ध्यान रखते हुए संक्षिप्त रूप से सिर हिलाया। बूढ़ा आदमी लंगड़ाते हुए सड़क पर चला गया। वैलरेमी ने मुड़कर एक और व्यक्ति को रोका जो बैरियर से निकलने की कोशिश कर रहा था।
‘ठीक है, ठीक है, बस करो। बैरियर के पीछे ही रहो।’
बूढ़े सैनिक की आखिरी झलक जो उसने देखी, वह चौक के बगल वाली सड़क के दूसरे छोर पर एक दरवाजे में गायब होते हुए उसके ओवरकोट की एक झलक थी।
जैसे ही परछाईं उन पर पड़ी, मैडम बर्थे चौंककर ऊपर देखने लगीं। आज का दिन काफी तनावपूर्ण रहा था, पुलिसवाले सभी कमरों की तलाशी ले रहे थे, और उन्हें नहीं पता था कि अगर किरायेदार वहां होते तो क्या कहते। सौभाग्य से, तीन को छोड़कर बाकी सभी अगस्त की छुट्टियों के लिए बाहर गए हुए थे।
पुलिस के जाने के बाद वह दरवाजे पर अपनी सामान्य जगह पर आराम से बैठकर कुछ देर शांति से बुनाई करने लगी। दो घंटे बाद स्टेशन के प्रांगण में, जो कि चौक के उस पार सौ गज की दूरी पर होने वाला था, उसमें उसकी जरा भी दिलचस्पी नहीं थी।
'माफ़ कीजिए, महोदया... मैं सोच रहा था... शायद एक गिलास पानी। समारोह का इंतज़ार करते-करते बहुत गर्मी लग रही है...'
उसने एक बूढ़े आदमी के चेहरे और कद-काठी को गौर से देखा, जिसने अपने दिवंगत पति की तरह एक लंबा कोट पहना हुआ था, जिसके बाएँ सीने पर कॉलर के नीचे पदक लटक रहे थे। वह बैसाखी के सहारे खड़ा था, उसका एक पैर कोट के नीचे से बाहर निकला हुआ था। उसका चेहरा थका हुआ और पसीने से तर लग रहा था। मैडम बर्थे ने अपनी बुनाई का सामान समेटा और उसे अपने एप्रन की जेब में रख लिया।
‘ओह, महाशय! ऐसे घूमना... और वो भी इस गर्मी में। समारोह में अभी दो घंटे बाकी हैं। आप जल्दी आ गए हैं... अंदर आइए, अंदर आइए...’
वह पानी का गिलास लेने के लिए हॉल के पीछे स्थित अपने बैठक कक्ष के कांच के दरवाजे की ओर तेजी से चली गई। युद्ध का अनुभवी सैनिक लंगड़ाते हुए उसके पीछे गया।
रसोई के नल से बहते पानी की आवाज़ के ऊपर उसे बाहरी लॉबी का दरवाज़ा बंद होने की आवाज़ सुनाई नहीं दी; उसे मुश्किल से ही पता चला कि उस आदमी के बाएं हाथ की उंगलियां पीछे से उसकी ठुड्डी पर फिसल गईं। और कान के ठीक

पीछे, सिर के दाहिनी ओर मास्टॉयड हड्डी के नीचे मुट्ठी की गड़ी हुई उंगलियों की टक्कर की आवाज़ बिल्कुल अप्रत्याशित थी। उसके सामने बहते नल और पानी से भरे गिलास की छवि लाल और काले टुकड़ों में बिखर गई, और उसका बेजान शरीर बिना किसी आवाज़ के ज़मीन पर गिर गया।
सियार ने अपने कोट का अगला हिस्सा खोला, कमर तक हाथ बढ़ाया और अपने दाहिने पैर को नितंबों के नीचे बांधे रखने वाले हार्नेस को खोल दिया। जैसे ही उसने पैर सीधा किया और जकड़े हुए घुटने को मोड़ा, दर्द से उसका चेहरा तन गया। उसने कुछ मिनट तक पैर की पिंडली और टखने में खून का प्रवाह सामान्य होने दिया, उसके बाद ही उसने उस पर कोई वज़न डाला।
पांच मिनट बाद मैडम बर्थे को सिंक के नीचे से कपड़े सुखाने वाली रस्सी से हाथ-पैर बांध दिए गए और उनके मुंह पर प्लास्टर का एक बड़ा चौकोर टुकड़ा लगा दिया गया। उसने उन्हें रसोई में डाल दिया और दरवाजा बंद कर दिया।
बैठक कक्ष की तलाशी लेने पर मेज की दराज में फ्लैट की चाबियां मिलीं। कोट के बटन दोबारा लगाते हुए, उसने वही बैसाखी उठाई, जिसके सहारे वह बारह दिन पहले ब्रुसेल्स और मिलान के हवाई अड्डों से लंगड़ाते हुए गुजरा था, और बाहर झाँका। हॉल खाली था। वह बैठक कक्ष से बाहर निकला, दरवाजा बंद किया और सीढ़ियों से ऊपर चला गया।
छठी मंजिल पर उन्होंने मैडमोजेल बेरेंजर का फ्लैट चुना और दरवाजा खटखटाया। कोई आवाज नहीं आई। उन्होंने इंतजार किया और फिर से खटखटाया। न तो उस फ्लैट से और न ही बगल वाले फ्लैट, एम. और मैडम चारियर के फ्लैट से कोई आवाज आई। चाबियां लेकर उन्होंने बेरेंजर नाम ढूंढा, नाम मिल गया और फ्लैट में प्रवेश कर दरवाजा बंद करके ताला लगा दिया।
वह खिड़की के पास गया और बाहर देखा। सड़क के उस पार, सामने वाली इमारतों की छतों पर, नीली वर्दी पहने लोग अपनी-अपनी जगह पर तैनात हो रहे थे। वह बस समय पर वहाँ पहुँचा। उसने हाथ की दूरी से खिड़की का ताला खोला और फ्रेम के दोनों हिस्सों को धीरे से अंदर की ओर घुमाया जब तक कि वे बैठक कक्ष की दीवार से न टकरा गए। फिर वह थोड़ा पीछे हट गया। खिड़की से एक चौकोर रोशनी कालीन पर पड़ी। इसके विपरीत, कमरे का बाकी हिस्सा अंधेरा दिखाई दिया।
अगर वह प्रकाश के उस वर्ग से दूर रहता, तो सामने बैठे देखने वालों को कुछ भी दिखाई नहीं देता।

खिड़की के किनारे हटकर, हटे हुए पर्दों की छाया में छिपते हुए, उसने पाया कि वह नीचे और बगल में एक सौ तीस मीटर दूर स्थित स्टेशन के प्रांगण को देख सकता है। खिड़की से आठ फीट पीछे और एक तरफ हटकर, उसने बैठक कक्ष की मेज लगाई, मेज़पोश और प्लास्टिक के फूलों का गमला हटाकर उसकी जगह कुर्सी से दो कुशन रख दिए। ये उसके फायरिंग रेस्ट का काम करेंगे।
उसने अपना ओवरकोट उतारा और आस्तीनें चढ़ा लीं। बैसाखी धीरे-धीरे टुकड़ों में खुलने लगी। उसके सिरे पर लगे काले रबर के हैंडल को खोलकर उसके बचे हुए तीन गोलों के चमकदार परकशन कैप दिखाई दिए। बाकी दो गोलों से कॉर्डाइट खाने से उसे जो मतली और पसीना आ रहा था, वह अब जाकर थोड़ा कम होने लगा था।
क्रच के अगले हिस्से को खोल दिया गया, और उससे साइलेंसर बाहर निकल आया। दूसरा हिस्सा भी अलग हो गया जिससे टेलीस्कोपिक साइट बाहर आ गई। क्रच का सबसे मोटा हिस्सा, जहाँ दो ऊपरी सपोर्ट मुख्य स्टेम में मिलते थे, वहाँ से राइफल का ब्रीच और बैरल दिखाई देने लगा।
जोड़ के ऊपर बने Y-आकार के फ्रेम से उसने दो स्टील की छड़ें सरकाईं, जो आपस में जुड़ने पर राइफल के स्टॉक का फ्रेम बन जातीं। अंत में बैसाखी का गद्देदार बगल का सहारा; केवल यही सहारा राइफल के ट्रिगर को छुपाता था, जो गद्दे में धंसा हुआ था। इसके अलावा, बगल का सहारा सीधे बंदूक के स्टॉक पर सरकाकर कंधे की सुरक्षा बन जाता था।
उसने बड़े प्यार और सावधानी से राइफल को जोड़ा – ब्रीच और बैरल, स्टॉक के ऊपरी और निचले हिस्से, शोल्डर गार्ड, साइलेंसर और ट्रिगर। अंत में उसने टेलीस्कोपिक साइट को लगाया और उसे तेजी से क्लिप कर दिया।
मेज के पीछे कुर्सी पर बैठे, थोड़ा आगे की ओर झुके हुए, बंदूक की नली को ऊपरी गद्दी पर टिकाए हुए, उन्होंने दूरबीन से ध्यान से देखा। खिड़कियों के पार और पचास फीट नीचे का धूप से जगमगाता चौक एकदम स्पष्ट दिखाई दिया। आगामी समारोह के लिए खड़े होने की जगहें चिह्नित कर रहे लोगों में से एक का सिर दृष्टि रेखा के पार से गुजरा। उन्होंने बंदूक से लक्ष्य का पीछा किया। सिर बड़ा और स्पष्ट दिखाई दिया, उतना ही बड़ा जितना आर्डेन्स के जंगल में तरबूज दिखाई देता था।
अंततः संतुष्ट होकर उसने तीनों कारतूसों को मेज के किनारे पर सैनिकों की पंक्ति में समेट दिया। उंगली और अंगूठे से उसने राइफल का बोल्ट पीछे सरकाया और पहला कारतूस ब्रीच में डाल दिया। एक कारतूस काफी होना चाहिए था,

लेकिन उसके पास दो अतिरिक्त कारतूस थे। उसने बोल्ट को फिर से आगे धकेला जब तक कि वह कारतूस के आधार पर बंद नहीं हो गया, फिर उसे आधा घुमाया और लॉक कर दिया। अंत में उसने राइफल को सावधानी से कुशनों के बीच रख दिया और सिगरेट और माचिस ढूंढने लगा।
अपनी पहली सिगरेट का एक कश लेते हुए, वह एक और घंटे और पैंतालीस मिनट तक इंतजार करने के लिए पीछे झुक गया।

अध्याय इक्कीस
कमिश्नर क्लाउड लेबेल को ऐसा लग रहा था मानो उन्होंने कभी शराब पी ही न हो। उनका मुंह सूख गया था और जीभ मुंह के ऊपरी हिस्से से ऐसे चिपक गई थी जैसे वहीं जम गई हो। यह एहसास सिर्फ गर्मी की वजह से नहीं था। कई सालों में पहली बार उन्हें सचमुच डर लग रहा था। उन्हें पूरा यकीन था कि उस दोपहर कुछ होने वाला है, और उन्हें अभी तक इसका कोई सुराग नहीं मिल रहा था कि यह कैसे और कब होगा।
उस सुबह वह आर्क डी ट्रायम्फ, नोट्रे डेम और मोंटवेलरियन में मौजूद थे। कुछ भी नहीं हुआ था। भोर में मंत्रालय में हुई आखिरी बैठक में समिति के कुछ सदस्यों के साथ दोपहर के भोजन के दौरान उन्होंने माहौल में आए तनाव और गुस्से के बजाय लगभग उल्लास का भाव महसूस किया। केवल एक और समारोह बाकी था, और उन्हें आश्वासन दिया गया था कि प्लेस डू 18 जून की पूरी तरह से सफाई कर उसे सील कर दिया गया था।
‘वह चला गया है,’ रोलैंड ने कहा, जब वह समूह, जिसने एलिसी पैलेस से कुछ ही दूरी पर स्थित एक रेस्तरां में दोपहर का भोजन किया था, जबकि जनरल डी गॉल उसी के अंदर दोपहर का भोजन कर रहे थे, धूप में बाहर निकला। ‘वह गुस्से में चला गया है। और यह बहुत ही समझदारी भरा कदम भी है। वह कहीं न कहीं, कभी न कभी जरूर सामने आएगा, और मेरे लड़के उसे पकड़ लेंगे।’
अब लेबेल उदास होकर मोंटपार्नास बुलेवार्ड से दो सौ मीटर दूर, चौक से इतनी दूर, भीड़ के किनारे-किनारे चक्कर लगा रहा था, जहाँ से कोई भी अंदर की हलचल नहीं देख पा रहा था। बैरियर पर खड़े हर पुलिसकर्मी और सीआरएस जवान से उसकी बात का एक ही जवाब था। बारह बजे बैरियर लगने के बाद से कोई भी अंदर नहीं आया था।
मुख्य सड़कें अवरुद्ध थीं, संकरी सड़कें अवरुद्ध थीं, गलियाँ अवरुद्ध थीं। छतों पर पहरा था और सुरक्षाकर्मी तैनात थे, स्टेशन, जो कार्यालयों और अटारी से भरा हुआ था और सामने के प्रांगण की ओर खुलता था, सुरक्षाकर्मियों से भरा पड़ा था। वे विशाल इंजन शेडों के ऊपर, उन शांत प्लेटफार्मों से काफी ऊपर तैनात थे, जहाँ से दोपहर के लिए सभी ट्रेनों को गैरे सेंट-लाज़ारे की ओर मोड़ दिया गया था।

परिसर के भीतर हर इमारत की तहखानों से लेकर अटारी तक पूरी तलाशी ली गई थी।
अधिकांश फ्लैट खाली थे, उनके निवासी समुद्र तट या पहाड़ों में छुट्टियां मनाने गए हुए थे।
संक्षेप में, प्लेस डू 18 जून का इलाका पूरी तरह से सील कर दिया गया था, जैसा कि वैलेंटीन कहते थे, 'एक चूहे के पिछवाड़े से भी ज़्यादा कसकर'।
लेबेल को औवेर्गनाट के पुलिसकर्मी की भाषा याद करके हल्की सी मुस्कान आई। अचानक उसकी मुस्कान गायब हो गई। वैलेंटीन भी सियार को रोक नहीं पाए थे। वह पुलिस पास दिखाकर शॉर्टकट लेते हुए गलियों से निकल गया और रू डे रेनेस में आ पहुँचा। वहाँ भी वही हाल था; चौराहे से दो सौ मीटर पहले ही सड़क बंद थी, बैरिकेड्स के पीछे भीड़ जमा थी, और गश्त लगा रहे पुलिस सुरक्षाकर्मियों के अलावा सड़क पर सन्नाटा पसरा हुआ था। उसने दोबारा पूछना शुरू किया।
किसी को देखा? नहीं, जनाब। क्या कोई यहाँ से गुज़रा है? नहीं, जनाब। स्टेशन के सामने के प्रांगण में, उन्होंने गार्ड रिपब्लिकन बैंड को अपने वाद्ययंत्रों को ट्यून करते सुना। उन्होंने अपनी घड़ी पर नज़र डाली। जनरल किसी भी समय आ सकते थे। क्या किसी को यहाँ से गुज़रते देखा है? नहीं, जनाब। इस तरफ नहीं। ठीक है, आगे बढ़िए।
चौक में नीचे उसने एक ज़ोरदार आदेश सुना, और बुलेवार्ड डी मोंटपार्नास के एक छोर से गाड़ियों का काफिला प्लेस डू 18 जून में दाखिल हुआ। उसने देखा कि पुलिस स्टेशन के प्रांगण के गेट में प्रवेश कर रही है, पुलिसकर्मी सीधे खड़े थे और सलामी की मुद्रा में थे। सड़क पर सबकी निगाहें उन चमकदार काली कारों पर टिकी थीं। उससे कुछ ही गज की दूरी पर बैरियर के पीछे मौजूद भीड़ निकलने के लिए छटपटा रही थी। उसने छतों की ओर देखा। शाबाश! छत पर मौजूद पहरेदारों ने नीचे के दृश्य पर ध्यान नहीं दिया; उनकी निगाहें लगातार छतों और खिड़कियों पर टिकी हुई थीं, जहाँ से वे रेल की दीवारों पर दुबके हुए थे, खिड़की पर किसी भी हलचल पर नज़र रखे हुए थे।
वह रू डे रेनेस के पश्चिमी छोर पर पहुँच गया था। एक युवा सीआरएस कार्यकर्ता, 132 नंबर की इमारत की दीवार से सटी आखिरी स्टील की भीड़-भाड़ रोकने वाली बैरियर के बीच में मजबूती से खड़ा था। उसने उस व्यक्ति को अपना कार्ड दिखाया, जिसे देखकर वह व्यक्ति एकदम अकड़ गया।
‘क्या यहाँ से कोई गुजरा है?’

'नहीं, महोदय।'
'आप यहाँ पर कितने समय से हैं?'
'बारह बजे से, महोदय, जब सड़क बंद कर दी गई थी।'
‘क्या उस खाई से कोई नहीं गुजरा?’
'नहीं, महोदय। खैर... केवल वह बूढ़ा अपाहिज है, और वह नीचे रहता है।'
‘कौन सा अपंग?’
“महोदय, महोदय। बहुत बीमार लग रहा था। उसके पास पहचान पत्र और युद्ध-प्रतिबंध कार्ड था। पता 154 रुए डे रेनेस दिया गया था। खैर, मुझे उसे जाने देना पड़ा, महोदय। वह बहुत बीमार लग रहा था। उस ओवरकोट में और इस मौसम में उसे देखकर मुझे आश्चर्य नहीं हुआ। सच में बेवकूफ लग रहा था।”
‘ओवरकोट?’
'जी हाँ। बहुत बढ़िया लंबा कोट। बिल्कुल वैसा ही जैसा पुराने सैनिक पहना करते थे। लेकिन इस मौसम के लिए बहुत गर्म है।'
'उसके साथ क्या गलत था?'
‘खैर, वह कुछ ज्यादा ही गर्म था, है ना, महोदय?’
आपने कहा था कि वह युद्ध में घायल हुआ था। उसे क्या हुआ था?
'एक पैर, महोदय। केवल एक पैर। वह बैसाखी के सहारे लड़खड़ाते हुए चल रहा था।' चौक से तुरहियों की पहली स्पष्ट ध्वनि सुनाई दी। 'आओ, मातृभूमि के बच्चों, गौरव का दिन आ गया है...' भीड़ में से कई लोगों ने मार्सिलेज़ की परिचित धुन गाना शुरू कर दिया।
‘बैसाखी?’ लेबेल की आवाज़ उसे अपने आप में बहुत धीमी और दूर से आती हुई सुनाई दी। सीआरएस के उस आदमी ने चिंता भरी निगाहों से उसकी ओर देखा।
'जी हाँ। एक बैसाखी, जैसी एक पैर वाले लोग हमेशा इस्तेमाल करते हैं। एल्युमिनियम की बैसाखी...'
लेबेल सड़क पर तेजी से भाग रहा था और सीआरएस अधिकारी को अपने पीछे आने के लिए चिल्ला रहा था।
वे एक खोखले चौक में धूप में खड़े थे। गाड़ियाँ स्टेशन के अग्रभाग की दीवार के साथ एक-दूसरे से सटी खड़ी थीं। गाड़ियों के ठीक सामने, प्रांगण को चौक से अलग करने वाली रेलिंग के किनारे, वे दस लोग खड़े थे जिन्हें राष्ट्राध्यक्ष द्वारा पदक वितरित किए जाने थे। प्रांगण के पूर्वी भाग

में अधिकारी और राजनयिक दल थे, जो गहरे भूरे रंग के सूट पहने हुए थे, और कहीं-कहीं लीजन ऑफ ऑनर के लाल गुलाब की कली दिखाई दे रही थी।
पश्चिमी भाग में गार्डे रिपब्लिकन के लाल पंख और चमकीले हेलमेट सजे हुए थे, और बैंड के सदस्य गार्ड ऑफ ऑनर के ठीक आगे थोड़ा बाहर खड़े थे।
स्टेशन के अग्रभाग के सामने खड़ी कारों में से एक के चारों ओर प्रोटोकॉल अधिकारियों और महल के कर्मचारियों का एक समूह इकट्ठा था। बैंड ने मार्सिलेज़ बजाना शुरू कर दिया।
सियार ने राइफल उठाई और सामने के प्रांगण में तिरछी नज़र से देखा। उसने अपने सबसे नज़दीक खड़े युद्ध के अनुभवी सैनिक को चुना, वह व्यक्ति जिसे सबसे पहले पदक मिलना था। वह कद में छोटा, गठीला और सीधा खड़ा था। उसका सिर साफ़ दिखाई दे रहा था, लगभग पूरा सामने से। कुछ ही मिनटों में, इस आदमी के सामने, लगभग एक फुट लंबा, एक और चेहरा होगा, गर्वित, अभिमानी, जिसके सिर पर खाकी रंग की टोपी होगी जिस पर सामने की तरफ दो सोने के सितारे जड़े होंगे। ‘मार्चों मार्चों, आ ला विक्टोयर…’ बूम-बा-बूम। राष्ट्रगान की अंतिम धुनें थम गईं और उनकी जगह सन्नाटा छा गया। गार्ड कमांडर की दहाड़ स्टेशन यार्ड में गूंज उठी। ‘जनरल सैल्यूट… प्रेसी-ई-ई-एंट आर्म्स।’ सफेद दस्ताने पहने हाथों ने राइफल के बट और बारूदी सुरंगों पर एक साथ प्रहार किया और एड़ियाँ ज़मीन पर गिरीं, जिससे तीन सटीक धमाके हुए। कार के चारों ओर की भीड़ दो हिस्सों में बंट गई। बीच से एक लंबा व्यक्ति निकला और युद्ध के दिग्गजों की पंक्ति की ओर बढ़ने लगा। उनसे पचास मीटर की दूरी पर बाकी भीड़ रुक गई, सिवाय प्राचीन युद्ध के मंत्री के, जो दिग्गजों को उनके राष्ट्रपति से मिलवाने वाले थे, और एक अधिकारी के, जिसके हाथ में मखमली तकिया था जिस पर धातु के दस टुकड़े और दस रंगीन रिबन लगे थे। इन दोनों के अलावा, चार्ल्स डी गॉल अकेले आगे बढ़े।
'यह वाला?'
लेबेल हांफते हुए रुक गया और उसने एक दरवाजे की ओर इशारा किया।
'मुझे ऐसा ही लगता है, महोदय। हाँ, यही था, अंत से दूसरा। यहीं से उनकी शुरुआत हुई थी।'
छोटा जासूस गलियारे में चला गया, और वैलरेमी उसके पीछे-पीछे गया। उसे सड़क से बाहर निकलने में कोई आपत्ति नहीं थी, क्योंकि गंभीर अवसर के बीच उनका अजीब व्यवहार थाने के प्रांगण की रेलिंग के पास खड़े उच्च अधिकारियों की

नाराज़गी भरी निगाहों को आकर्षित कर रहा था। खैर, अगर उसे फटकार लगाई जाती, तो वह हमेशा कह सकता था कि उस मजाकिया छोटे आदमी ने पुलिस कमिश्नर होने का नाटक किया था और उसे हिरासत में लेने की कोशिश कर रहा था।
जब वह हॉल में पहुंचा तो जासूस चौकीदार के बैठक कक्ष का दरवाजा हिला रहा था।
‘दरबान कहाँ है?’ वह चिल्लाया।
मुझे नहीं पता, महोदय।
इससे पहले कि वह विरोध कर पाता, उस छोटे आदमी ने अपनी कोहनी से फ्रॉस्टेड ग्लास पैनल को तोड़ दिया, अंदर हाथ डालकर दरवाजा खोल दिया।
‘मेरे पीछे आओ,’ उसने पुकारा और अंदर की ओर दौड़ पड़ा।
बिल्कुल सही, मैं तुम्हारा पीछा करूंगा, वैलरेमी ने सोचा। तुम पागल हो गए हो।
उसने उस छोटे जासूस को रसोईघर के दरवाजे पर पाया। उस आदमी के कंधे के ऊपर से देखते हुए उसने देखा कि चौकीदार फर्श पर बंधा हुआ था और अभी भी बेहोश था।
अरे बाप रे! अचानक उसे समझ आया कि वह छोटा आदमी मज़ाक नहीं कर रहा था। वह एक पुलिस कमिश्नर था, और वे एक अपराधी की तलाश में थे। यह वही बड़ा पल था जिसका उसने हमेशा सपना देखा था, और वह चाहता था कि काश वह वापस बैरक में होता।
'सबसे ऊपरी मंजिल,' जासूस चिल्लाया और इतनी तेज़ी से सीढ़ियों से ऊपर चला गया कि वैलरेमी हैरान रह गया, जो दौड़ते हुए अपनी कार्बाइन को कंधे से उतारते हुए उसके पीछे भागा।
फ्रांस के राष्ट्रपति, पूर्व सैनिकों की पंक्ति में पहले व्यक्ति के सामने रुके और मंत्री जी की बात सुनने के लिए थोड़ा झुके। मंत्री जी ने बताया कि वे कौन थे और उन्नीस साल पहले उस दिन उन्होंने जो वीरता दिखाई थी, उसके लिए उन्हें क्या प्रशस्ति पत्र मिला था। जब मंत्री जी ने अपनी बात पूरी कर ली, तो उन्होंने पूर्व सैनिक की ओर सिर झुकाया, तकिया लिए हुए व्यक्ति की ओर मुड़े और भेंट किया गया पदक स्वीकार कर लिया। जैसे ही बैंड ने 'ला मार्जोलेन' की मधुर धुन बजानी शुरू की, लंबे कद के जनरल ने अपने सामने खड़े बुजुर्ग व्यक्ति की गोल छाती पर पदक लगा दिया। फिर वे सलामी के लिए पीछे हट गए।

छह मंजिल ऊपर और एक सौ तीस मीटर दूर, सियार ने राइफल को बड़ी स्थिरता से पकड़े रखा और दूरबीननुमा निशाने से नीचे की ओर देखा। उसे चेहरे के हाव-भाव साफ दिखाई दे रहे थे - टोपी के ऊपरी हिस्से से ढका माथा, ताकती आंखें, धनुषाकार नाक। उसने देखा कि टोपी के ऊपरी हिस्से से सलाम करता हुआ उठा हाथ नीचे आया, निशाने के तार खुले हुए कनपटी पर ठीक से लगे हुए थे। धीरे से, नरमी से उसने ट्रिगर दबा दिया...
एक पल बाद ही वह स्टेशन के प्रांगण में नीचे घूर रहा था, मानो उसे अपनी आँखों पर विश्वास ही न हो रहा हो। गोली बैरल से निकलने से पहले ही, फ्रांस के राष्ट्रपति ने अचानक अपना सिर आगे झुका लिया। हत्यारा अविश्वास से देखता रहा और उसने सामने खड़े व्यक्ति के दोनों गालों पर गंभीरता से चुंबन किया। चूंकि वह स्वयं एक फुट लंबा था, इसलिए उसे झुककर बधाई का वह पारंपरिक चुंबन देना पड़ा जो फ्रांसीसियों और कुछ अन्य देशों में प्रचलित है, लेकिन जो एंग्लो-सैक्सन लोगों को समझ नहीं आता।
बाद में यह साबित हुआ कि गोली हिलते हुए सिर के ठीक पीछे से कुछ इंच की दूरी से गुजरी थी। क्या राष्ट्रपति ने ध्वनि अवरोध से होकर गोली के पथ पर एक पतली रेखा में आने वाली उस तेज आवाज को सुना, यह ज्ञात नहीं है। उन्होंने इसका कोई संकेत नहीं दिया। मंत्री और अधिकारी ने कुछ नहीं सुना; न ही पचास मीटर दूर खड़े लोगों ने।
घोंघा धूप से नरम हुए प्रांगण के डामर में जा घुसा और एक इंच से अधिक मोटे डामर के भीतर ही हानिरहित रूप से विघटित हो गया। 'ला मार्जोलेन' बजता रहा। राष्ट्रपति ने दूसरा चुंबन देने के बाद सीधे खड़े होकर शांत भाव से अगले व्यक्ति की ओर कदम बढ़ाया।
अपनी बंदूक के पीछे, सियार धीरे-धीरे, ज़हर उगलने लगा। उसने अपने जीवन में कभी भी डेढ़ सौ गज की दूरी पर स्थिर लक्ष्य को नहीं चूका था। फिर वह शांत हुआ; अभी भी समय था। उसने राइफल का पिछला भाग फाड़कर खाली कारतूस को बाहर निकाला और वह कालीन पर बेखबर गिर गया। मेज से दूसरा कारतूस उठाकर उसने उसे अंदर धकेला और पिछला भाग बंद कर दिया।
क्लॉड लेबेल हांफते हुए छठी मंजिल पर पहुंचे। उन्हें लगा जैसे उनका दिल सीने से निकलकर सीढ़ियों पर लुढ़क जाएगा। इमारत के सामने की ओर दो दरवाजे थे। उन्होंने एक-एक करके दोनों दरवाजों को देखा, तभी सीआरएस का जवान उनके पास आया, जिसकी कमर पर सबमशीन कार्बाइन बंदूक थी और वह आगे की ओर निशाना

साधे हुए था। लेबेल दोनों दरवाजों के सामने हिचकिचा रहे थे कि तभी एक दरवाजे के पीछे से धीमी लेकिन साफ आवाज में 'फुट' की आवाज आई। लेबेल ने अपनी तर्जनी उंगली से दरवाजे के ताले की ओर इशारा किया।
‘गोली चलाओ,’ उसने आदेश दिया और पीछे हट गया। सीआरएस के जवान ने दोनों पैरों पर संभलकर गोली चलाई। लकड़ी, धातु और घिसी हुई गोलियों के टुकड़े चारों ओर उड़ गए। दरवाजा लड़खड़ाकर अंदर की ओर खुल गया। वैलरेमी सबसे पहले कमरे में घुसा, लेबेल उसके पीछे-पीछे था।
वैलरेमी भूरे बालों के गुच्छों को पहचान सका, लेकिन बस इतना ही। उस आदमी के दो पैर थे, ओवरकोट गायब था, और राइफल पकड़े हुए बाजू एक हट्टे-कट्टे जवान आदमी की थीं। बंदूकधारी ने उसे जरा भी समय नहीं दिया; मेज के पीछे अपनी सीट से उठकर, आधे झुके हुए अंदाज़ में एक ही झटके में उसने कमर से गोली चला दी। एक गोली की कोई आवाज़ नहीं हुई; वैलरेमी की बंदूक की गोली की गूंज अभी भी उसके कानों में गूँज रही थी। राइफल की गोली उसकी छाती में घुस गई, स्टर्नम से टकराई और फट गई। चीर-फाड़ और अचानक तेज दर्द का एहसास हुआ; फिर वो भी गायब हो गया। रोशनी ऐसे फीकी पड़ गई मानो गर्मी सर्दी में बदल गई हो। कालीन का एक टुकड़ा उछलकर उसके गाल पर लगा, फर्क सिर्फ इतना था कि उसका गाल ही कालीन पर टिका हुआ था। सुन्नपन उसकी जांघों और पेट से होते हुए छाती और गर्दन तक फैल गया। आखिरी चीज जो उसे याद थी, वह थी मुंह में नमकीन स्वाद, जैसा कि करमाडेक में समुद्र में नहाने के बाद होता है, और एक पैर वाली बूढ़ी चिड़िया एक खंभे पर बैठी हुई। फिर सब कुछ अंधेरा हो गया।
अपने शरीर के ऊपर, क्लाउड लेबेल दूसरे आदमी की आँखों में घूर रहा था। उसे अपने दिल की कोई समस्या नहीं थी; ऐसा लग रहा था मानो उसका दिल अब धड़क ही नहीं रहा हो।
‘चाकल,’ उसने कहा। दूसरे आदमी ने बस इतना कहा, ‘लेबेल।’ वह बंदूक से छेड़छाड़ कर रहा था, उसका पिछे का हिस्सा फाड़ रहा था। लेबेल ने देखा कि कारतूस का खोखला भाग ज़मीन पर गिरते ही चमक उठा। उस आदमी ने मेज से कुछ उठाया और उसे पिछे के हिस्से में ठूंस दिया। उसकी धूसर आँखें अभी भी लेबेल को घूर रही थीं।
लेबेल ने अवास्तविकता के भाव से सोचा, "वह मुझे कठोर बनाने की कोशिश कर रहा है। वह गोली चलाएगा। वह मुझे मार डालेगा।"

बड़ी मुश्किल से उसने अपनी नज़रें ज़मीन पर टिकाईं। सीआरएस का लड़का एक तरफ गिर गया था: उसकी कार्बाइन उसकी उंगलियों से फिसलकर लेबेल के पैरों के पास पड़ी थी। बिना सोचे-समझे वह घुटनों के बल बैठ गया, एमएटी 49 को पकड़ा और एक हाथ से उसे ऊपर की ओर घुमाया, दूसरा हाथ ट्रिगर तक पहुँचने के लिए तड़पा। उसने सुना कि जैकाल ने राइफल के ब्रीच को कसकर बंद कर दिया और कार्बाइन का ट्रिगर पकड़ लिया। उसने ट्रिगर दबा दिया।
छोटे से कमरे में गोलियों के फटने की गड़गड़ाहट गूंज उठी और चौक तक सुनाई दी। बाद में प्रेस के सवालों का जवाब देते हुए बताया गया कि यह एक मोटरसाइकिल थी जिसका साइलेंसर खराब था और समारोह के चरम पर कुछ गलियों दूर किसी बेवकूफ ने उसे लात मारकर चालू कर दिया था। नौ मिलीमीटर की गोलियों से भरी आधी मैगज़ीन जैकाल की छाती में जा लगी, उसे हवा में उछाला, आधा घुमाया और सोफे के पास दूर कोने में उसके शरीर को बेतरतीब ढंग से ढेर कर दिया। गिरते समय वह अपने साथ मानक लैंप भी गिरा गया। नीचे, बैंड ने 'मोन रेजीमेंट एट मा पैट्री' बजाना शुरू कर दिया।
उस शाम छह बजे अधीक्षक थॉमस को पेरिस से एक फोन आया। उन्होंने अपने स्टाफ के वरिष्ठ निरीक्षक को बुलवाया।
उन्होंने कहा, 'उन्होंने उसे पकड़ लिया है। पेरिस में। कोई समस्या नहीं है, लेकिन बेहतर होगा कि आप उसके फ्लैट पर जाकर मामला सुलझा लें।'
रात के आठ बज रहे थे जब इंस्पेक्टर कैल्थ्रोप के सामान की आखिरी बार छानबीन कर रहा था, तभी उसने खुले दरवाजे से किसी के आने की आवाज सुनी। वह मुड़ा। एक आदमी वहाँ खड़ा उसे घूर रहा था। एक हट्टा-कट्टा, तगड़ा आदमी। इंस्पेक्टर ने पूछा, 'आप यहां क्या कर रहे हैं?'
मैं भी आपसे यही सवाल पूछ सकता हूँ। आखिर आप ये सब कर क्या रहे हैं?
‘ठीक है, बस करो,’ इंस्पेक्टर ने कहा। ‘अपना नाम बताओ।’
‘कैल्थ्रोप,’ नए आए व्यक्ति ने कहा, ‘चार्ल्स कैल्थ्रोप। और यह मेरा फ्लैट है। अब तुम इसके साथ क्या कर रहे हो?’
निरीक्षक चाहता था कि उसके पास बंदूक हो।
‘ठीक है,’ उसने धीमी और सतर्क आवाज़ में कहा। ‘मुझे लगता है कि आपको थोड़ी बातचीत के लिए यार्ड में आना चाहिए।’
कैल्थ्रोप ने कहा, 'बिल्कुल सही। तुम्हें कुछ स्पष्टीकरण देना होगा।'

लेकिन असल में कैल्थ्रोप ने ही सारी बात समझाई। उन्होंने उसे चौबीस घंटे तक हिरासत में रखा, जब तक कि पेरिस से तीन अलग-अलग पुष्टियाँ नहीं आ गईं कि जैकल मर चुका है, और स्कॉटलैंड के सुदूर उत्तर में स्थित सदरलैंड काउंटी के एकांत सराय मालिकों ने गवाही दी कि चार्ल्स कैल्थ्रोप ने वास्तव में पिछले तीन सप्ताह पर्वतारोहण और मछली पकड़ने के अपने शौक को पूरा करने में बिताए थे और उनके प्रतिष्ठानों में ही रुका था।
जब कैल्थ्रोप आखिरकार एक आज़ाद आदमी के रूप में दरवाजे से बाहर निकला, तो थॉमस ने अपने इंस्पेक्टर से पूछा, 'अगर सियार कैल्थ्रोप नहीं था, तो वह आखिर कौन था?'
अगले दिन मेट्रोपॉलिटन पुलिस कमिश्नर ने असिस्टेंट कमिश्नर डिक्सन और सुपरिटेंडेंट थॉमस से कहा, “इस बात में कोई शक नहीं कि महारानी की सरकार ने कभी यह माना होगा कि यह जैकाल नाम का व्यक्ति अंग्रेज था। जहाँ तक हमें पता है, एक समय ऐसा था जब एक अंग्रेज पर शक किया गया था। अब उसे बरी कर दिया गया है। हमें यह भी पता है कि फ्रांस में अपने... एर... असाइनमेंट के दौरान, जैकाल नाम के व्यक्ति ने जाली अंग्रेजी पासपोर्ट के तहत एक अंग्रेज होने का भेस बनाया था। लेकिन उसने दो चोरी हुए पासपोर्ट और एक जाली फ्रांसीसी दस्तावेज़ के तहत एक डेनिश, एक अमेरिकी और एक फ्रांसीसी होने का भी भेस बनाया था। जहाँ तक हमारा सवाल है, हमारी जाँच से यह साबित हुआ कि हत्यारा फ्रांस में डग्गन नाम के एक जाली पासपोर्ट पर यात्रा कर रहा था, और इसी नाम से उसका पता... एर... इस जगह गैप में लगाया गया। बस इतना ही। सज्जनों, मामला यहीं समाप्त होता है।”
अगले दिन पेरिस के बाहरी इलाके में स्थित एक कब्रिस्तान में एक अज्ञात व्यक्ति के शव को बिना किसी निशान वाली कब्र में दफनाया गया। मृत्यु प्रमाण पत्र में शव को एक अज्ञात विदेशी पर्यटक का बताया गया था, जिसकी मृत्यु रविवार, 25 अगस्त, 1963 को शहर के बाहरी राजमार्ग पर एक हिट-एंड-रन दुर्घटना में हुई थी। वहां एक पादरी, एक पुलिसकर्मी, एक रजिस्ट्रार और दो कब्र खोदने वाले मौजूद थे। जब सादे चमड़े के ताबूत को कब्र में उतारा जा रहा था, तब उपस्थित लोगों में से किसी ने भी कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई, सिवाय उस अकेले व्यक्ति के जो वहां मौजूद था। जब सब कुछ समाप्त हो गया, तो वह मुड़ा, अपना नाम बताने से इनकार कर दिया और कब्रिस्तान के रास्ते से

□□□□ □□□ □□□, □□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□□□□□, □□□□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□ □□ □□□ □□□□

□□□□□ □□ □□□ □□□□□□ □□ □□□□

***** □□□□□□ *****

sjeet

लेखक के बारे में
फ्रेडरिक फोर्सिथ दस बेस्टसेलर उपन्यासों के लेखक हैं: द डे ऑफ द जैकल, द डॉग्स ऑफ वॉर, द ओडेसा फाइल, द डेविल्स अल्टरनेटिव, द फोर्थ प्रोटोकॉल, द नेगोशिएटर, द डिसीवर, द फिस्ट ऑफ गॉड, आइकॉन और एवेंजर। उनकी अन्य रचनाओं में द बियाफ्रा स्टोरी, द शेफर्ड, लघु कहानी संग्रह नो कमबैक्स और द वेटरन, और द फैंटम ऑफ द ओपेरा का सीक्वल द फैंटम ऑफ मैनहट्टन शामिल हैं। उन्होंने सर आर्थर कॉनन डॉयल, रोआल्ड डाहल, लेन डीटन और एच.जी. वेल्स की उड़ने से संबंधित कहानियों का एक संकलन भी संकलित किया है, जिसका नाम है ग्रेट फ्लाइंग स्टोरीज। वे इंग्लैंड के हर्टफोर्डशायर में रहते हैं।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]: [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]*

[illegible]

[illegible]*

[illegible]*

[illegible]*

[illegible]*

[illegible]*

[illegible]-[illegible]

[illegible]: [illegible]

[illegible]

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] *